ISSN– 2395-1699

निरयणं दृक्तुल्यञ्च केतकीपक्षसम्मतम्। नैसर्गिकं हि पञ्चाङ्गं भारते भासतां सदा॥

भारतीय शास्त्रसम्मत दृक्तुल्य निरयण चित्रापक्षीय

नैसर्गिक-पञ्चाङ्ग

राजा-बुध

मन्त्री-चन्द्र

विक्रमसंवत् - २०७७

शकसंवत् - १९४२

कलिसंवत् - ५१२१

ईसवीय - २०२०-२०२१

प्रधान सम्पादक - प्रो. रामचन्द्र पाण्डेय

सम्पादक - प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी

सह सम्पादक - डॉ. अशोक थपलियाल

प्रकाशक - नैसर्गिक शोध संस्था, दिल्ली इकाई, नई दिल्ली-१६



ज्योतिःशास्त्रविचारणाचरणभागध्यायबोधोऽलसत्
प्रज्ञाज्ञानसुशिष्यचक्रविकिरद्विज्ञानपारम्परी ।
स्वर्गङ्गामवगाहतेऽमलतनुर्हंसीव यस्य स्वतः
स्वर्यातः स सदा स्मृतामृतयशाः कल्याणदत्तो गुरुः।।

– सम्पादक

पुण्य स्मृति में समर्पित

प्रातः स्मरणीय राष्ट्रपति सम्मानित गोलोकवासी महा महोपाध्याय पण्डित प्रवर श्रीकल्याणदत्त शर्मा जी का सम्पूर्ण जीवन केतकी ग्रहगणित के द्वारा पंचाग निर्माण और पंचांगों के परिमार्जन और शुद्धिकरण के लिए विभिन्न स्थानों में ज्योतिष के प्रत्यक्ष ज्ञान के निमित्त पाषाण वेधशालाओं के निर्माण में व्यतीत हुआ । आपने अपने जीवन का सर्वाधिक समय सभी भारतीय पंचांगों को दृक्सिद्ध बनाने में व्यतीत किया । आपके द्वारा अध्यापित और प्रशिक्षित ज्योतिष शास्त्र के अनेक अध्येता आज ज्योतिष जगत् में कार्यरत हैं। उत्तर भारत में एकमात्र शुद्ध केतकरीय पद्धति पर आधारित यह पंचाग भी मूल रूप में आपकी ही भावनाओं का प्रतिफल है। अतः इस पंचांग को कीर्तिशेष महा महोपाध्याय पण्डित प्रवर श्रीकल्याणदत्त शर्मा जी की पुण्यस्मृति में समर्पित करते हुए संस्था अपार हर्ष का अनुभव कर रही है।

प्रधान सम्पादक

प्रो० रामचन्द्र पाण्डेय
अध्यक्षचर ज्योतिष विभाग, पूर्वसंकाय प्रमुख-सं.वि.ध.वि.संकाय
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी-5

सम्पादक एवं गणितकर्त्ता
प्रो० देवीप्रसाद त्रिपाठी (अवैतनिक)
कुलपति, उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय
हरिद्वार, उत्तराखण्ड

प्रबन्ध सम्पादक
प्रो० मीनाक्षी मिश्र
(अवैतनिक)
आचार्या, शिक्षाशास्त्र विभाग
श्री ला. ब. शा. रा. संस्कृत विद्यापीठ
नई दिल्ली-110016

सहसम्पादक
डॉ० अशोक थपलियाल
(अवैतनिक)
सहाचार्य एवं अध्यक्ष, वास्तुशास्त्र विभाग
श्री ला. ब. शा. रा. संस्कृत विद्यापीठ
नई दिल्ली-110016

प्रकाशन सहायक- डॉ.प्रवेशव्यास, डॉ.देशबन्धु (अवैतनिक)
सम्पादन सहयोग- मृत्युञ्जय त्रिपाठी, भगवतीप्रसाद त्रिपाठी, डॉ. योगेन्द्रकुमार शर्मा, डॉ.दीपक वशिष्ठ, डॉ.नवीन पाण्डेय,अव्यक्त रैणा,अश्वनीकुमार

प्रकाशक
नैसर्गिक शोध संस्था, दिल्ली इकाई,
RZG- 271, पालम कॉलोनी नई दिल्ली-77

मुख्य कार्यालय
नैसर्गिक शोध संस्था
38 मानस नगर कालोनी, वाराणसी-5

प्रकाशन वर्ष - 2020 ई., **पुष्प** - षष्ठ **मूल्य** - रु. 70/-

पंचांग परिचय

अक्षांश 28°39° N, रेखांश 77°12°E, पलभा 06°33°

भारतवर्ष में सम्प्रति विभिन्न पद्धतियों से पंचांग निर्माण होता है। इनमें तिथ्यादि के मानों में विसंगति के कारण व्रत पर्वोत्सव में भी विसंगतियां दृष्टिगोचर होती हैं। इस विषय में ध्यातव्य है कि हमारे ऋषि-महर्षियों एवं आचार्यों ने सदैव ही दृक्तुल्य गणित का समर्थन किया है। ऋषि वसिष्ठ का कथन है कि -

यस्मिन् पक्षे यत्र काले येन दृग्गणितैक्यकम्।
दृश्यते तेन पक्षेण कुर्यात्तिथ्यादिनिर्णयम्॥

इसी प्रकार प्रसिद्ध आर्षग्रन्थ सूर्यसिद्धान्त कालभेदानुसार गणित में अन्तर को - **युगानां परिवर्तनेन कालभेदोऽत्र केवलः** कहकर दृक्तुल्यता का ही समर्थन करता है। यथा -

तत्तद्गतिवशान्नित्यं यथा दृक्तुल्यतां ग्रहाः।
प्रयान्ति तत्प्रवक्ष्यामि स्फुटीकरणमादरात्॥

एवमेव भास्कराचार्य द्वितीय, आचार्य गणेश दैवज्ञ आदि प्रायः सभी सिद्धान्त ज्योतिष के महान आचार्य दृक्तुल्य गणित को ही विवाहादि संस्कारों तथा व्रत-पर्वोत्सवादि कार्यों के लिए आवश्यक मानते हैं। इसी तथ्य को ध्यान में रखते हुए यह पंचांग दृक्तुल्य चित्रापक्षीय केतकीय ग्रहगणितीय पद्धति पर दिल्ली के अक्षांश एवं रेखांश के अनुसार निर्मित है।

इस पंचांग में तिथि, नक्षत्र, योग और करण के आगे निर्दिष्ट घटी व पल तत्सम्बन्धी तिथ्यादि के सूर्योदय के बाद की स्थिति को बताता है। इसी प्रकार तिथि व नक्षत्र के घटी पल के आगे निर्दिष्ट घण्टा मिनट उसके समाप्ति काल को प्रदर्शित करता है। इस पंचांग में प्रयुक्त घण्टा व मिनट मान भारतीय स्टैण्डर्ड समय अर्थात् रेडियो टाइम के अनुसार दिये गये हैं। अतः इस पंचांग के समय को भारत में अपनी घडी के अनुरूप मिलाकर समय का अनुपालन कर सकते हैं। इस पंचांग में दिए गए मान यथासम्भव विशुद्ध देने के प्रयास किए गए हैं। फिर भी यान्त्रिकीय एवं मानवीय त्रुटियाँ स्वाभाविक हैं। अतः पाठकों से नम्र निवेदन है कि वे त्रुटियों पर ध्यान न देते हुए पंचांग के उपयोगी तथ्यों को ग्रहण करेंगे। यतः -

गच्छतः स्खलनं क्वापि भवत्येव प्रमादतः।
हसन्ति दुर्जनास्तत्र समादधति सज्जनाः॥ - सम्पादक

विषय सूची

मंगल वाक्

॥श्रीमन्महागणाधिपतये नमः॥

आदिदेव नमस्तुभ्यं प्रसीद मम भास्कर।
दिवाकर नमस्तुभ्यं प्रभाकर नमोऽस्तुते॥

सर्वविद्या की राजधानी के अधिष्ठाता एवं सभी विद्याओं के गुरु बाबा विश्वनाथ के अनुग्रह से नैसर्गिक शोध संस्था के प्रारम्भिक उद्देश्यों में से चिरप्रतीक्षित पंचांग प्रकाशन का संकल्प साकार हुआ। इस महनीय अवसर पर मैं संस्था से जुडे सभी सदस्यों को हार्दिक बधाई देता हूँ। पंचांग प्रकाशन की यह एक महत्वाकांक्षी योजना संस्था के चारों केन्द्रों से प्रारम्भ करने की थी, किन्तु संसाधनों के अभाव तथा अन्य अनेक व्यवधानों के कारण प्रकाशन प्रारम्भ नहीं हो सका था। आज से कुछ वर्ष पूर्व प्रवासी भारतीय जो ट्रिनीडाड एवं टुबैको के नागरिक हो चुके हैं, उनकी आस्था और जिज्ञासा को देखते हुए ट्रिनीडाड के अक्षांश से एक सम्पूर्ण पंचांग का निर्माण एवं प्रकाशन काशिका ट्रिनीडाड पंचांग के नाम से संस्था के वाराणसी केन्द्र से किया गया था। वहाँ के प्रधानमन्त्री के काशी आगमन पर काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के तत्कालीन यशस्वी कुलपति प्रो.(डॉ.) हरिगौतम ने अपने आवास पर उन्हें उक्त पंचांग की प्रति समर्पित की थी। ट्रिनीडाड में भी प्रधनमन्त्री महोदय ने एक समारोह में उसका लोकार्पण किया था। दो वर्षों तक काशी से प्रकाशन करने के उपरान्त इसका प्रकाशन, कलेवर परिवर्तन के साथ ट्रिनीडाड से होने लगा। भारतीय विधि से यह प्रयोग भारत से बाहर किसी अन्य देश के लिए प्रथम बार किया गया था, जो सफल एवं प्रशंसित रहा है।

तत्पश्चात् विगत वर्षो से पुनः पंचांग प्रकाशन की योजना पर विचार विमर्श चल रहा था, किन्तु पूर्व संकल्प के अनुसार इसे संस्था के चारों केन्द्रों से एक साथ प्रारम्भ करने में अत्यधिक धन की आवश्यकता पड रही थी। अतः अर्थसंकट को देखते हुए इस कार्य को चरणबद्ध ढंग से करने का निश्चय किया गया। संस्था ने यह निर्णय लिया कि सर्वप्रथम इस पंचांग का शुभारम्भ देश की राजधानी से किया जाय। कुछ आवश्यक संस्कारों द्वारा अन्य केन्द्रों में भी इसी पंचांग का उपयोग तब तक किया जाय जब तक अन्य केन्द्रों से प्रकाशन प्रारम्भ न हो जाय। अतः सर्वसम्मति से इस पंचांग निर्माण का दायित्व दिल्ली केन्द्र के सचिव प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी को दिया गया। प्रो. त्रिपाठी ने मनोयोग से इस कार्य को सम्पन्न किया। फलस्वरूप आज यह पंचांग अपने पाठकों के समक्ष प्रस्तुत करते हुए अपार हर्ष का अनुभव कर रहा हूँ।

भारतीय पद्धति से दृक्तुल्य पंचांग का निर्माण एवं प्रकाशन भी संस्था का मुख्य उद्देश्य रहा है। भारतीय दैवज्ञों के सिद्धान्तों का सदैव मैं आदर करता रहा हूँ। इसीलिए आचार्यो के निर्देशानुसार सूर्यसिद्धान्त में अपेक्षित परिष्कारों के साथ उसी सिद्धान्त के अनुसरण का पक्षपाती रहा हूँ। मुझे प्रसन्नता है कि सूर्यसिद्धान्त के परिष्कार सम्बन्धी अनुसन्धान में कई युवा विद्वान कार्यरत हैं। इसी बीच भारतीय शुद्ध पंचांगों की आवश्यकता को देखते हुए आचार्य गणेशदैवज्ञ एवं आचार्य केतकर के मार्गो का अनुसरण करते हुए दृक् तुल्य पंचांग का प्रयास किया गया। आशा है कि पाठकगण इस प्रयास का स्वागत करेंगे। पाठकों की सन्तुष्टि ही संस्था के लिए रसायन होगी।

सर्व साधारण की सुविधा की दृष्टि से तिथि नक्षत्रादि के मान घटी पल के साथ साथ भारतीय मानक समयानुसार दिये गये हैं। दैनिक लग्नसारिणी भी मानक समयानुसार ही दी गई है। व्यावहारिक सरलता को ध्यान में रखते हुए अगले अंक से संस्था के अन्य केन्द्रों के अक्षांशानुसार लग्न समाप्ति काल जानने के लिए एक पृथक् से सारिणी देने की योजना है। इस प्रकार समय समय पर आवश्यकतानुसार संशोधन एवं संवर्धन भी किया जायेगा। संस्था न हानि न लाभ की दृष्टि से केवल भारतीय विद्याओं के प्रसार एवं संवर्धन हेतु कार्य करती है। व्यावहारिक दृष्टि से कुछ त्रुटियां भी सम्भव हैं। अतः प्रबुद्ध पाठकगण उनका मार्जन करते हुए संस्था को अवगत कराने का कष्ट करेंगे ताकि अग्रिम अंकों में उनका समुचित समाधान किया जा सके। सहयोग हेतु संस्था सदैव आभारी रहेगी।

मैं इस दुरूह तथा श्रमसाध्य कार्य के लिए प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी को साधुवाद देता हूँ जिन्होंने संस्था के लिए निःस्वार्थभाव से अपने व्यस्त क्षणों से समय निकाला तथा इस कार्य को पूर्णता तक पहुंचाया। साथ ही संस्था के सभी सदस्यों एवं सहयोगियों को धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ, जिनका सहयोग सदैव संस्था को सुलभ रहता है। अन्त में संस्था की ओर से आगामी भारतीय नववर्ष की हार्दिक शुभकामनायें। नववर्ष देश एवं देशवासियों के लिए सभी प्रकार से सुख एवं सम्मान में वृद्धिकारक हो। जय भारत।

नववर्षं वर्षतु हर्षरसम्

शिवरात्रि, सं २०७६
नैसर्गिक शोध संस्था, वाराणसी

रामचन्द्रपाण्डेय
प्रधान सम्पादक

संवत्सरादिफलम् 2020-21 ई.

कलियुगाब्द	५१२१	ईसवी सन्	२०२०-२१
फसली	१४२७-२८	शालिवाहन शक	१९४२
हिजरी	१४४१-४२	विक्रम संवत्	२०७७
सप्तर्षिसंवत्	५०९६	महावीरजैननिर्वाणसंवत्	२५४५-४६
श्रीबुद्धसंवत्	२६४३-४४	भारतीय गणराज्यवर्ष	७०-७१

वर्षादिकृत्य -

अब्दादौ प्रातरुत्थाय दन्तधावनपूर्वकम् ।
स्नानं सन्ध्याविधिं कृत्वा वर्णाचारक्रमेण तु ॥
अब्दादौ मित्रसंयुक्तो मङ्लस्नानमाचरेत् ।
वस्त्रैराभरणैर्देहमलङ्कृत्य ततश्शुचिः ॥
अब्दादौ ग्रहपूजाञ्च पूजाञ्च चिरजीविनाम् ।
मिष्टान्नेन द्विजान् बन्धून् पितश्न् सन्तर्पयेत्ततः ॥

वर्षारम्भ के दिन प्रातःकाल में दन्तधावनादि कार्योपरान्त मंगलस्नान करके सन्ध्यादि कृत्य पूरा करने के बाद नववस्त्र धारण करके ग्रहादि का पूजन करना चाहिए । साथ ही बन्धुजन, ब्राहम्ण और पितरों को मिष्ठान्नादि से संतश्प्त करना चाहिए ।

प्राप्ते नूतनवत्सरे प्रतिगश्हे कुर्याद्ध्वजारोपणम् ।
स्नानं मङ्लमाचरेद् द्विजवरैः सार्धं सुपूजोत्सवम् ॥
देवानां गुरुयोषिताञ्च विभवालङ्कारवस्त्रादिभिः ।
सम्पूज्यो गणकः फलञ्च श्रुणुयात्तस्माच्च लाभप्रदम् ॥
परिभद्रस्य पत्राणि कोमलानि विशेषतः ।
सुपुष्पाणि समानीय चूर्णं कृत्वा विधानतः ॥
मरीचिर्लवणं हिंगुजीरकेण च संयुतम् ।
अजमोदयुतं कृत्वा भक्षयेद् रोगशान्तये ॥
यत् वर्षादौ निम्बसुमं शर्करामलपूतैर्युतम् ।
भक्षितं पूर्वयामे स्यात् तद्वर्षं सौख्यदायकम् ॥

संवत्सरादि फल श्रवण का माहात्म्य-

राज्यं स्यादचलं नशपश्रवणतो मन्त्रीश्रवात् कौशलम् ।
धान्येशात् कमला स्थिरा च सुरसा वाणी भवेन्मेघपात् ॥
धर्मे बुद्धिरधिष्ठता रसपतेर्दीर्घायुषत्वं भवेत् ।
सस्येशाद् विमला मतिः शुभकरी वर्षावली श्रूयताम् ॥

वर्षारम्भ में संवत्सर के राजा का फल सुनने से राज्य स्थिर होता है । मंत्री का फल सुनने से कुशलता बढ़ती है। धान्येश का फल श्रवण से लक्ष्मी स्थिर होती है। मेघपति का फल सुनने से वाणी रम्या होती है। रसपति के फल श्रवण से दीर्घायु मिलती है। अतः शुभ एवं कल्याणकारी वत्सरावली का श्रवण करना चाहिए।

संवत्सरादि फलश्रवणविधि-

उदङ्मुखः प्राङ्मुखो वा दैवज्ञस्य तु सन्निधौ ।
विघ्नेशं भारतीं खेटान् दैवज्ञं ब्राह्मणान् गुरून् ॥
सम्पूज्य वत्सरफलं साङ्गोपाङ्गं यथाक्रमम् ।
विकासवदनो भूत्वा ब्रह्मणो जन्मतः फलम् ॥
अब्दाधीशचमूनाथसस्यापानां बलाबले।
तत्कालग्रहचारांश्च सम्यक् ज्ञात्वा फलं लभेत्।

दैवज्ञ के समीप में पूर्वमुख यां उत्तरमुख होकर गणेश,सरस्वती,नवग्रह,गुरू,ब्राह्मण आदि का पूजन करके सांगोपांग वर्ष का फल सुनना चाहिए।

ब्रह्मायुर्निरूपणम् - श्रीमद्भगवतो विष्णोः नाभिकमलोद्भवस्य ब्रह्मणो ब्राह्ममानेन परमायुः १०० वर्षाणि। ३११०४०००००००००० सौरवर्षाणि ब्रह्मणः परमायुः। ब्रह्मणः जन्मादिगतसौरवर्षाणि १५५५२१९७२९४९१२१ कल्पादितः गतसौरवर्षाणि १९७२९४९१२१ सृष्ट्यादितः गतवर्षाणि १९५५८८५१२१ अथ ब्रह्मणो द्वितीयपरार्धे श्रीश्वेतवाराहकल्पे

सप्तविंशतिमहायुगानि व्यतीतानि। अष्टाविंशमहायुगस्य च कृतत्रेताद्वापराख्ययुगचरणत्रयं व्यतीतम् कृतयुगवर्णनम् ख कार्तिकशुक्लनवम्यां प्रथमयामे श्रवणनक्षत्रे वशद्धियोगे कृतयुगोत्पत्तिः। सन्ध्यासन्ध्यांशसहितं तन्मानम् १७२८००० सौरवर्षाणि। अस्मिन् युगे श्रीविष्णोः मत्स्यकच्छपवाराहनशसिंहाः चत्वारोऽवताराः । तत्र पापम् ० पुण्यम् २० । त्रेतायुगवर्णनम्– वैशाखशुक्लतशतीयायां द्वितीययामे रोहिणीनक्षत्रे शोभनयोगे त्रेतायुगोत्पत्तिः। सन्ध्यासन्ध्यांशसहितं तन्मानम् १२९६००० सौरवर्षाणि। अस्मिन्युगे श्रीविष्णोः वामनपरशुरामरामास्त्रयोवताराः। तत्र पापम् ५ पुण्यम् १५ । द्वापरयुगवर्णनम् – माघकृष्णामावस्यायां तशतीययामे धनिष्ठानक्षत्रे वरीयानयोगे द्वापरयुगोत्पत्तिः। सन्ध्यासन्ध्यांशसहितं तन्मानम् ८६४००० सौरवर्षाणि। अस्मिन्युगे श्रीविष्णोः श्रीकृष्णबलरामावतारौ, तत्र पापम् १० पुण्यम् १० । कलियुगवर्णनम् – भाद्रपदकृष्णत्रयोदश्यां निशीथे कृत्तिकानक्षत्रे व्यतीपीतयोगे कलियुगोत्पत्तिः;सन्ध्यासन्ध्यांशसहितं तन्मानम् ४,३२,००० सौरवर्षाणि । अस्मिन्युगे श्रीविष्णोः बुद्धाऽवतारोऽभवत। कलियुगस्य ८२१ वर्षावशेषकाले कल्क्यवतारो भविष्यति । तत्र पापम् १५ पुण्यम् ५ । सम्प्रति कलेः ५१२० सौरवर्षाणि गतानि। भोग्यवर्षाणि ४२६८८० कलिसम्वत् ५१२१ । बार्हस्पत्यवर्षफलम् – तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये चैत्रशुक्लप्रतिपदि प्रमादी नाम संवत्सरः। तस्य गतमासादयः १०/०९/५२ /३१ , भोग्यमासादयः ०१/२०/०७ /२९। तत्र मतान्तरेण आनन्दनाम संवत्सरः। तस्य मेषार्कसमये गतमासादयः ००/२६/५२/४७ भोग्यमासादयः ११/०३/०७/१३ ।

चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को प्रमादी संवत्सर है । वर्षारम्भ में होने के कारण वर्षान्तपर्यन्त प्रमादी संवत्सर का प्रयोग संकल्पादि में किया जाएगा । प्रमादी संवत्सर का फल इस प्रकार है-

निष्पत्ति सर्वसस्यानां रसानां च महर्घता ।

सुभिक्षं च तथा सौख्यं प्रमादीनि न संशयः ॥

अर्थात् प्रमादी संवत्सर में सभी अन्नों का उत्पादन होगा तथा रस-पदार्थों की महँगाई बढेंगी। सुभिक्ष तथा सौख्य बना रहेगा।प्रमादी संवत्सर का स्वामी बुध ग्रह है। चैत्र में अन्न का मूल्य सम, वैशाख-ज्येष्ठ मासों में अन्न का संग्रह होगा। आषाढ महीने में अल्पवशष्टि, श्रावण के मध्य में मेघवशष्टि,अन्न की महँगाई तथा अन्न के व्यापार में तीन गुणा लाभ होगा। भाद्रपद महीने में अतिवशष्टि और अन्नादि सस्ते होंगे। अश्विन्यादि 6 महीनों में सुभिक्ष, सभी रसपदार्थ मँहगे होगे तथा लोग सुखपूर्वक रहेंगे।

एक अन्य मत के अनुसार इस वर्ष आनन्द संवत्सर है । आनन्द संवत्सर का फल इस प्रकार है –

नश्यन्ति सर्वसस्यानि सर्वधान्यमहर्घता ।

घशतमर्घ च तैलं च ह्यानन्दे नन्दिताः प्रजाः ॥

अर्थात् आनन्द संवत्सर में सभी फसलें नष्ट होगी । सभी प्रकार के अन्न और घी-तेल मँहगे होंगे परन्तु फिर भी जनता सुखी रहेगी । आनन्द संवत्सर का स्वामी बशहस्पति है। इस संवत्सर में अधिक वर्षा, चैत्र-वैशाख में अन्न में समता, ज्येष्ठ-आषाढ़ में मध्यम वर्षा , श्रावण में अतिवशष्टि, भाद्रपद में खण्डवशष्टि, गेहूँ की महँगाई, आश्विन में सस्ती, धातुपदार्थ महँगे, कार्तिक में अकस्मात् भय की स्थिति, मार्गशीर्ष में लोगो को पीड़ा, पौष-माघ में वर्षा, अन्न सस्ते और फाल्गुन में अन्न की महँगाई होगी ।

वर्षेश (राजा) बुध का फल

चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को बुधवार होने के कारण वर्ष का राजा बुध है। यदि वर्ष का राजा बुध हो तो पृथ्वी पर अत्यधिक वर्षा होती है, घर-घर में विवाहादि मंगल कार्य होते है। देवताओं और विप्रों की पूजा होती है। जनता स्वस्थ,सुमिक्ष तथा धन-धान्य से पूर्ण सुखी रहते है । यथोक्तम्-

बुधस्य राज्ये सजलं महीतलं गशहे गशहे भूरि विवाहमंगलम् ।

प्रकुर्वते देवद्विजार्चनं नराः स्वास्थ्यं सुभिक्षं धनधान्यसंकुलम् ॥

बुध के वर्षेश होने के कारण समय का वाहन दोला है। अतः वर्षभर पशथ्वी पर हा हाकार रहने की सम्भावना है। सर्वत्र दुर्भिक्ष और परस्पर कलह और संग्राम की स्थिति रहती है । यथोक्तम्-

यस्याऽब्दे वाहनं दोला हाहाभूता च मेदिनी ।

दुर्भिक्षं सर्वदेशेषु संग्रामं खण्डखण्डयोः ॥

मन्त्री चन्द्र का फल-

संवत् का मन्त्री चन्द्र होने से पशथ्वी अनेक प्रकार की फसलों से परिपूर्ण, समस्त जन सुखी , मेघ अधिक वर्षा करने वाले और जनपदों में सुख-शान्ति विराजमान रहती है । यथोक्तम्-

शशिनि मंत्रिगते बहुसस्यवत्यपि धरा रमते सुखमंडिता ।

वियति वारिधरा बहुवर्षिणो जनपवा सुखराशिसुशोभिता ॥

सस्येश गुरु का फल-

संवत् का सस्येश गुरु होने पर सब प्रकार का सौख्य,समुचित वर्षा,कृषि का अत्यधिक उत्पादन, रसपदार्थ तथा दूध का अत्यधिक उत्पादन तथा धन का आगमन होता है। यथोक्तम्-

सस्यपतौ सुरराजपुरोहिते सकलसौख्यकरः श्रुतिपूर्वकः।

जलधरा जलवा बहुसस्यवा रसपयांसि बहूनि वसूनि वै ॥

धान्येश मंगल का फल-

संवत् का धान्येश मंगल होने पर गेहूँ,सरसो,मूँग,तिल,उड़द तथा मूँगा के भाव में महँगाई होती है । यथोक्तम्-

गोधूमसर्षपा मुद्गतिलमाषप्रवालकाः ।

महर्घ जायते घोरं भौमे धान्याधिपे सति ॥

रसेश शनि का फल-

संवत् का रसेश शनि होने पर रसपदार्थों का नाश , वर्षा का अभाव तथा रोग की अधिकता, बकरी, गौ,हाथी,घोड़े ,गधे तथा ऊँटों का नाश एवं जनपदों में मनुष्य रसपदार्थों से रहित रहते है। यथोक्तम्-

रविसुते रसपे रससंक्षयो न जलदा गददाश्च पयोधराः।

अजगवां गजवाजिखरोष्ट्रहा जनपदेषु नरा न रसैर्युताः॥

नीरसेश गुरु का फल -

इस संवत् में नीरसेश गुरु है अतः हल्दी आदि पीले पदार्थ और पीताम्बरादि वस्त्र सम्पूर्ण राष्ट्र में रुचिकर होंगे। यथोक्तम्-

हरिद्रापीतवस्तूनां पीतवस्त्रादिकं च यत् ।

नीरसेशो यदा जीवः सर्वेषां प्रीतिरुत्तमा ॥

मेघेश रवि का फल-

इस वर्ष में मेघेश रवि है । मेघेश रवि होने पर तो पश्थ्वी पर थोडी वर्षा , स्वल्प अन्न का उत्पादन तथा सम्पूर्ण संसार में भय व्याप्त रहता है । यथोक्तम्-

रवौ मेघाधिपे जाते स्वल्पतोयप्रदा घना ।

स्वल्पं धान्यं भवेँल्लोके भयं च भूतले सदा ॥

दुर्गेश रवि का फल -

इस संवत् में दुर्गेश रवि है । यदि दुर्गेश रवि हो तो शासक लोग अधिक नीति सम्पन्न व्यवहार करने वाले, राजा-प्रजा निर्भय रहते है और शासन की सुव्यवस्था के कारण पथिकों को किसी प्रकार का भय उत्पन्न नहीं होता है । यथोक्तम्-

नयविशेषकरस्तरणिस्तदा गतभया नरराजपुरोगमाः ।

समधिकेन तदा नश्पतोऽन्यतः पथिषु संव्रजतां न भयं क्वचित् ॥

धनेश बुध का फल -

इस संवत् में धनेश बुध है अतः लोग विविध वस्तुओं का संग्रह करेंगे । विप्रवर्ग जप-यज्ञ में तल्लीन रहेगा और लोग कृषि पर विशेष ध्यान देंगे । यथोक्तम् -

द्रविणपो हिमरश्मिसुतो यदा विविधसंग्रहवस्तुफला तदा ।

द्विजवरा जपयज्ञसंयुताः कृषिविशेष विशेषितमानसाः ॥

फलेश रवि का फल -

इस संवत् में फलेश रवि है अतः पश्थ्वी वश्क्षों में फल-पुष्प से सुशोभित रहेगी । फलों के उपभोग से जनता मुदित रहेगी तथा मेघ अच्छी वर्षा करने वाले होंगे । कहीं कहीं अत्यधिक वर्षा की सम्भावना हैं । यथोक्तम्-

द्रुमवती फलपुष्पवती धरा प्रमुदिता फलभोग विशेषता ।

द्विजभयं नरतस्करजं तदा जनपदा जनराशिसमाकुला ॥

रोहिणी वास तथा सम्वत्सरवास -

वर्तमान संवत् में रोहिणी का वास सन्धि में है और संवत्सर का वास वणिक्गश्ह में है । खण्डवश्ष्टिश्च सन्धिषु के अनुसार यदि रोहिणी का वास सन्धि में हो तो वर्ष में खण्डवश्ष्टि होती है और संवत्सर का वास वणिक्गश्ह में होने पर सभी वस्तुएँ मँहगी हो जाती है यथोक्तम्-

सर्वधान्यं महर्घं स्याद्वणिग्वेश्मनि संस्थिते ॥

सूर्यस्यार्द्रानक्षत्रे प्रवेशकालविचारः-

प्रवेशकाले यदि रौद्रभस्य वश्ष्टिर्भवेदीतिरनर्घता च ।

शेषेषु पादत्रितयेषु भीतिरत्यल्पवृष्टिर्महती गदाश्च ॥

आर्द्रा नक्षत्र में प्रवेश करते समय यदि वर्षा होती है तो अनर्घता अर्थात् मंदी जानना चाहिए । आर्द्रा नक्षत्र के द्वितीय चरण में वश्ष्टि होने पर भय, तश्तीय चरण में अत्यल्प वश्ष्टि तथा चतुर्थ चरण में भयंकर रोगो की सम्भावना बनती है ।

आर्द्राप्रवेशे वशष्टिश्चेद्दिवा यदि वा निशि ।

स्तोकवशष्टिरनर्घत्वमवश्नटौ सस्यसम्पद:॥

आर्द्राया: प्रथमे पादे यदि वर्षति वासव:।

तुषारमल्पवशष्टि: स्यादित्येव केचिदूचिरे ॥

सूर्ये मेषगते वशष्टिरार्द्रायाश्चाद्यपादके ।

एकादशसु ऋक्षेषु त्रिपक्षे वशष्टिनाशनम् ॥

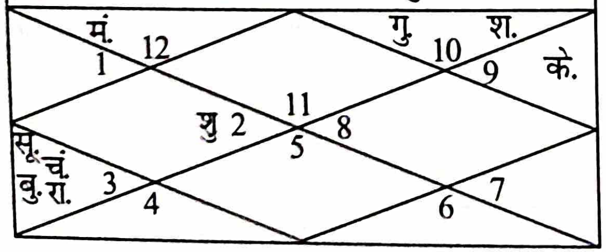
विक्रमसम्वत् 2077 शाके 1942 आषाढमासे शुक्लपक्षे प्रतिपदि शुभतिथौ रविवासरे वृद्धियोगे चन्द्रस्य आर्द्रानक्षत्रे किस्तुघ्नकरणे मार्तण्डमण्डलोदयादिष्टकाल: 45/42/30 कुम्भलग्ने सूर्यस्यार्द्रानक्षत्रे प्रवेश:।

अथ प्रवेशकालविचार:

प्रतिपदितिथिफलम्	शुभदायको भवति।
रविवासरफलम्	पशुनाशो भवति।
आर्द्रानक्षत्रफलम्	अशुभदायको भवति।
वशद्धियोगफलम्	दोषप्रदो भवति।
किस्तुघ्नकरणफलम्	शुभप्रदो भवति।
कुम्भलग्नफलम्	अर्घविनाशो भवति।

आर्द्राप्रवेशस्य फलम् -

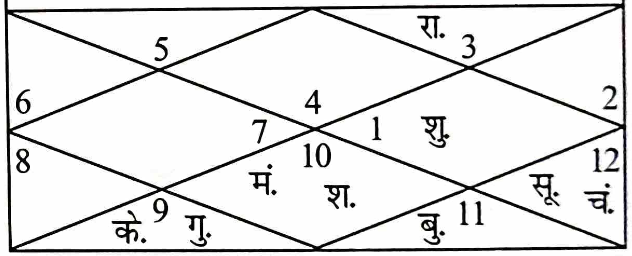
॥ अथार्कस्यार्द्राप्रवेशकालिककुण्डली ॥



आर्द्रा प्रवेश लग्न कुम्भ है । लग्नेश शनि द्वादश भाव में मकर राशि में है। नीचराशिस्थ बृहस्पति की द्वादशभाव में शनि के साथ युति है। यह स्थिति तेज हवाओं की द्योतक है । देश के पूर्वोत्तर भागों में बाढ यां तूफान की स्थिति रहेगी । चन्द्रमा की मिथुन राशि में सूर्य के साथ युति और उस पर मंगल की दृष्टि शुभ नही है । भूभाग पर यत्र-तत्र भूकम्प और अग्निदाह के कारण जन-धन की हानि की सम्भावना है । सूर्य के आर्द्रा प्रवेश का समय मध्यरात्रि है अत:देश में अल्पकृषि और अल्पवृष्टि की सम्भावना है । नवमेघों में से इस वर्ष तम नाम का मेघ है तमोमेघे न वृष्टि: स्यात् के अनुसार अनावृष्टि का योग है । चतुर्मेघों में से आवर्त नाम का मेघ है और आवर्तो विनिवृष्टि: स्यात् के अनुसार आवर्त नामक मेघ में अनावृष्टि: का योग है । द्वादश मेघों में से वृष नाम का मेघ है वृषस्यैतीतितोभयम् के अनुसार अतिवृष्टि , अनावृष्टि,रोगभय और विविधकारणों से कृषि के विनाश का योग है । अत: पूर्ववर्णित मेघों और आर्द्रा प्रवेश कुण्डली के आधार पर इस वर्ष में अल्पवृष्टि की सम्भावना है । साथ ही वर्ष में कृषि की विविध कारणों से हानि की सम्भावना है ।

प्रमादी नामक विक्रम संवत्सर 2077 का प्रवेश 24 मार्च 2020 ई. मंगलवार को अपराह्न 02 बज कर 57 मिनट पर उ.भा. नक्षत्र , शुक्ल योग, नाग करण और मीनस्थ चन्द्र के समय में कर्क लग्न में होगा।

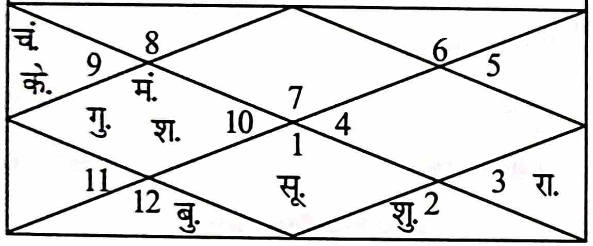
॥ अथवर्षप्रवेशकालिककुण्डली ॥



वसन्त नवरात्रारम्भ 25 मार्च 2020 ई. चैत्र मास 12 प्रविष्टे, बुधवार को प्रात:काल , रेवती नक्षत्र, वशद्धि योग , बव करण में होगा और 02 अप्रैल 2020 ई. दिन गुरुवार तक नवरात्रिपूजनकाल रहेंगा । नवरात्र के प्रथम दिन अर्थात् नवसंवत्सर चैत्र शुक्लपक्ष प्रतिपदा के दिन किसी योग्य विद्वान द्वारा विधिपूर्वक घटस्थापन संवत्सरपूजन एवं श्रीगणेश, विष्णु, शिव व देवी दुर्गा के पूजन करने का शास्त्रों में विशेष माहात्म्य प्रतिपादित है । इस दिन सम्पूर्ण अग्रिम संवत्सर के मंगलमय यापन हेतु विद्वान ब्राह्मणों का विधिपूर्वक पूजन एवं सम्मान कर , उन्हे विविध प्रकार के दानों से सन्तुष्ट एवं प्रसन्न कर नानाविध फलों एवं मिठाईयों आदि का भोजन करवाकर , उनके मुखारविन्द से परिवार के समस्त सदस्यों को संवत् का नाम , संवत् का वास, राजा, मंत्री आदि का फल श्रवण करने का विधान भी शास्त्रों में उल्लिखित है । जो बुद्धिमान व्यक्ति चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को संवत्सर का पवित्र फल सुनता है वह बहुत धन वाला होता है तथा वर्ष भर के लिए उसके शरीर की समस्त पीडाएं समाप्त हो जाती है । इस संवत्सर का राजा बुध और मंत्री चन्द्र है । राजा

बुध का चन्द्र के प्रति शत्रुभाव है यद्यपि चन्द्र का बुध के प्रति समभाव है । अत: भारत के राजनेताओं में पारस्परिक ईर्ष्या और द्वेष के भाव रहेंगे । बड़े पद पर आसीन अधिकारियों का अपने अधीनस्थ लोगों के प्रति विश्वास में कमी रहेगी । वर्षलग्नकुण्डली में सूर्य-चन्द्र की नवम भाव में स्थिति देश के उच्च शिक्षा संस्थानों में नये शोधकार्य को प्रेरित करेगी । धार्मिक कार्यो में प्रजा की रुचि बढ़ेगी। अधिकारी वर्ग के लिए अनुकूल समय रहेगा तथा राजघराने के लोग लम्बी यात्रा पर रहेंगे। बुध की अष्टम भाव में स्थिति वर्ष में किसी बडे कलाकार . गीतकार . लेखक या महान शिक्षाविद् की मश्त्यु का सूचक है । सप्तम भाव में शुक्र की कुम्भ राशि में स्थिति और शनि का दश्ष्टि सम्बन्ध देश में महिलायों के सम्बन्ध मे अपराधों में वश्द्धि का सूचक है । पञ्चम भाव में धनु राशि में बश्हस्पति की स्थिति देश में धार्मिक संस्थाओं तथा धार्मिक वातावरण के उन्नयन का सूचक है। ध र्म के प्रति देश में लोगों की आस्था में वश्द्धि होगी। देश में चिकित्सा संस्थानों और चिकित्सा संसाधनों की प्रगति में सर्वकार का विशेष अवदान रहेगा। शनि की पञ्चम भाव में स्थिति और मंगल के साथ दश्ष्टि सम्बन्ध के कारण प्रजा में विशेषकर मजदूर वर्ग में असंतोष की भावना रहेगी। देश के पश्चिम भाग में स्थित प्रदेशों में रहने वाले लोगों को बाढ़ आदि से कष्ट रहेगा।

॥ अथजगल्लग्नकुण्डली ॥



जगल्लग्नकुण्डली में लग्न पर शनि एवं सूर्य की दृष्टि तथा लग्नेश की अष्टम भाव में स्थिति विश्व के विविध राष्ट्रों में परस्पर मत्सरता की भावना को बढाने की सूचक है। पश्चिमी देशों में आंतकवादी घटनाओं में वृद्धि होगी । विश्व के अनेक देशों में पारस्परिक शत्रुभाव बढेगा । विश्व के राजनेताओं में परस्पर मतैक्य की कमी रहेगी और विश्व में संघर्ष का वातावरण बनेगा ।

शनि का साढेसाती-ढैय्याविचार

अथ गोचरवशाच्छनेः पादविचार: -

जन्मांगरुद्रेषु सुवर्णपादं द्विपंचनन्दैः रजतस्य पादम् ।

त्रिसप्तदिक्ताम्रपदं वदन्ति वेदाष्टचार्कष्विह लौहपादम् ॥

शनेः पावफलम्-

लोहे वित्तविनाशःस्यात्सर्वसौख्यं च कांचने ।

ताम्रे च समता ज्ञेया सौभाग्यं रजते भवेत् ॥

इदानीं शनिः मकरराशौ संचरति , वर्षान्तं यावत् मकरराशावेव संचरिष्यति अत: धनुमकरकुम्भराशियुक्तजातका: शनेः सार्धसप्ताब्दत: (साढेसाती) प्रभाविता: भविष्यन्ति । मिथुनतुलाराशियुक्ता: जना: सार्धद्वयाब्दत: (ढैया) प्रभाविता: भविष्यन्ति ।

पादविचार: - यदा शनेः संचार: मकरराशौ भविष्यति तदा मेषस्य ताम्रपाद:, वृषस्य रजतपाद:,मिथुनस्य लौहपाद:,कर्कस्य ताम्रपाद:,सिंहस्य सुवर्णपाद:, कन्याया: रजतपाद:, तुलाया: लौहपाद:, वृश्चिकस्य ताम्रपाद:, धनो: रजतपाद: , मकरस्य सुवर्णपाद:, कुम्भस्य लौहपाद:, मीनस्य सुवर्णपादो भविष्यति ।

शनिशान्त्यर्थमुपाया: - शनेः बीजमन्त्रादीनां जप:, शनिस्तोत्रस्य पाठ:,अश्वत्थवृक्षस्य मूले तिलमाषादिमिश्रितजलदानं सायंकाले च दीपदानं, महामृत्युंजयजप:, शिवोपासना, हनुमदुपासना, सुन्दरकाण्डादिकानां पाठ:, पक्षिणां कृते अन्नादिदानम्, सदक्षिणां लौहपात्रस्य दानम्, दरिद्र-कुष्ठादिरोगार्तानां कृते भोजनवस्त्रादिदानम्,तुलादानम्, माषादिवस्तूनां दानम्, वृद्धजनानां परिचर्यादिकम्। भौतिकोपचारेषु शनिवासरे अमावस्यायां वा लौहमुद्रिकाया: धारणम् । शने:दानपदार्था:- नीलमणि:,सुवर्ण:, लौह:, माष:, कुलथ:, तैलम्, कृष्णवस्त्रम्, कस्तूरिका, कृष्णपुष्पम्, कृष्णांगमहिष:, उपानहौ च। दानसमय:- मध्याह्नकाल: । जपमन्त्र:- ऊँ प्रां प्रीं प्रौं स: शनये नम:। जपसंख्या- 23000, बीजमन्त्र:- ऊँ शं शनैश्चराय नम:। हवनसमिधा- कुशा इति ज्ञेयम्। शनिस्तुति:- कोणस्थ: पिंगलो बभ्रु: रुद्र: रौद्रान्तको यम:। सौरि:शनैश्चरो मन्द: पिप्लादेन संस्तुत:। एवं ध्यात्वा शनेः पीडा शमं याति न संशय:।

डॉ. देशबन्धुः

सहायकाचार्य,वास्तुशास्त्रविभाग,

श्री ला.ब.शा.रा.सं.विद्यापीठ,नई दिल्ली

वार्षिकराशिफल

विक्रम संवत् 2077, ई0 सन् 2020-21

मेष राशि (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)

मार्च

यह मास आपके लिए अधिकांशतः शुभ रहेगा। पराक्रम में वृद्धि, वाहन लाभ विद्याध्ययन में रूचि , शत्रु पराजय, भाग्योदय, आय के स्रोतों में वृद्धि एवं धार्मिक यात्राओं व सद्-व्यय से आप प्रफुल्लित रहेंगे। परन्तु जीवनसाथी का स्वास्थ्य कुछ शिथिल रह सकता है। स्वयं का स्वास्थ्य भी रक्तविकार एवं वायुविकार के कारण कुछ प्रतिकूल रह सकता है। विद्याध्ययन में कुछ बाधाएं आ सकती है। भूमि संपत्ति एवं वाहनप्राप्ति के कुछ अच्छे योग बन सकते है। कार्यक्षेत्र में मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। परन्तु कभी कभी विपक्षियों के हावी होने के कारण परेशानी हो सकती है। रोजगार के क्षेत्र में कड़े संघर्ष के उपरान्त सफलता प्राप्ति के योग बनते है। पारिवारिक वातावरण प्रायः अच्छा रहेगा। इस मास २०, २१, २८, २९ दिनांक नेष्ट रहेगी।

अप्रैल

इस मास स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं से आप ग्रसित रहेंगे। अस्थि विकार, एलर्जी, वायु विकार, रक्त विकार के कारण आप व्यथित रहेंगे। भूमि व संपत्ति संबंधी कार्यों में सफलता रहेगी। परन्तु अत्यधिक यात्राओं के कारण आप दुखी रहेंगे। परिवार का वातावरण भी प्रायः अच्छा नहीं रहेगा। मास के उत्तरार्ध में पत्नी के स्वास्थ्य को लेकर भी आप परेशान रह सकते है। धार्मिक कार्यों में रूचि कम रहेगी। धन के अपव्यय से आप दुखी रह सकते है। शत्रुओं की प्रबलता रहेगी परन्तु आप अन्त में उन्हें परास्त करने में सफल होंगे। वाहन चलाने में सावधानी रखें। मास ६, ७, ८, १६, १७, २५, २६ दिनांक नेष्ट रहेगी।

मई

यह मास प्रायः आपके लिए तनावपूर्ण रहेगा। पारिवारिक क्लेश एवं शारीरिक स्वास्थ्य से आप व्यथित रहेंगे, परन्तु पराक्रम में वृद्धि रहेगी। छोटे भाई बहनों का स्वास्थ्य भी कुछ प्रतिकूल रह सकता है। आप उनके लिए चिंतित रहेंगे। भूमि व संपत्ति संबंधित विवादों में धनव्यय संभावित है। न्यायालयीय निर्णय में विलम्ब से आप व्यथित रहेंगे। धनागम का अच्छा योग बनेगा। परन्तु धार्मिक कार्यों एवं यात्राओं में धनव्यय होगा। जिस कारण समाज में आपकी अच्छी प्रतिष्ठा रहेगी। कार्यक्षेत्र में मित्रों के सहयोग से सफलता मिलेगी। प्रायः इस मास आप वायुविकार, पित्त विकार, त्वचा संबंधी रोग एवं संक्रमण जनित रोगों से पीड़ित रह सकते है। विद्याध्ययन एवं रोजगार क्षेत्र में किये गए प्रयास सफल हो सकते है। इस मास ४, ५, १३, १४, १५, २२, २३, ३१ दिनांक नेष्ट रहेगी।

जून

यह मास आपके लिए प्रायः अच्छा रहेगा। पराक्रम में वशद्धि रहेगी। माता के स्वास्थ्य में कुछ सुधार सम्भव है। धनागम अच्छा रहेगा। धन संपत्ति व भूमि क्रय के योग बनते है। परन्तु यदा कदा अध्ययन में बाधा उत्पन्न हो सकती है। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रायः ठीक रहेगा परन्तु कभी कभी पित्त विकार, नेत्र विकार एवं शिरोवेदना से कष्ट संभावित है। भाग्य के साथ देने से कुछ रुके हुए काम बन सकते है। पद प्रतिष्ठा प्राप्ति के योग भी बनते है। इस मास धार्मिक यात्राएं भी संभावित है। पारिवारिक वातावरण प्रायः सौहार्दपूर्ण होगा परन्तु मासान्त में पारिवारिक मनमुटाव व झगडे की स्थिति बनती है। रोजगार के क्षेत्र में कुछ अच्छी संभावनाऐ बनती है। १,२, १०, ११, १८, १९, २७, २८ दिनांक इस मास नेष्ट रहेंगी।

जुलाई

इस मास के प्रारम्भ में यदा कदा नेत्र कष्ट, रक्त विकार, मानसिक उलझनों से आप व्यथित रह सकते है। माता का स्वास्थ्य भी कष्टकारी रह सकता है। पारिवारिक वातावरण सौहार्दपूर्ण रहने की संभावना है। धन का आगमन अच्छा रहेगा। आय के नए स्रोत उत्पन्न हो सकते है। मास के उत्तरार्ध में धन सम्पत्ति प्राप्ति के कुछ योग बनते है परन्तु वाहन चलाते समय सावधानी अपेक्षित है। विद्याप्राप्ति के कुछ योग बनते है, परन्तु परिश्रम की आवश्यकता रहेगी। रोजगार के क्षेत्र में नवीन संभावनाऐ बनेंगी, परन्तु पिता का स्वास्थ्य शिथिल रह सकता है। ७, ८, १५, १६, २४,२५, २६ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

अगस्त

इस मास कार्य करने की क्षमता में वशद्धि होगी। अपना कार्य दुगुने उत्साह से संपन्न करेंगे। रुके हुए कार्य पुनः प्रारम्भ होंगे। इच्छित योजनाएं साकार रूप लेगी। लम्बे समय से अटका धन प्राप्त होगा। विद्यार्थियों को भी अध्ययन में विशेष लाभ होगा। अध्ययन में किये गये परिश्रम का शुभ परिणाम प्राप्त होगा। विवाह योग्य जातकों के संबंध ों की चर्चा होगी व विवाह संबंध तय होंगे। प्रेम संबंध भी सफल होंगे व संबंध विवाह में परिणित होंगे। दंपत्तियों को सन्तति की प्राप्ति होगी। भाग्य में वशद्धि होगी। सभी प्रकार की सुख सम्पदा में वशद्धि होगी। आजीविका प्राप्ति के नये अवसर उत्पन्न होंगे। बेरोजगार जातकों को शीघ्र ही आजीविका प्राप्त होगी। व्यापारी वर्ग को भी लाभ होगा। ४,५, ११, १२, २१ ,२२, ३०, ३१ दिनांके नेष्ट रहेंगी।

सितम्बर

इस मास मित्र व जनता का विशेष सहयोग प्राप्त होगा। विशेष रूप से राजनैतिक क्षैत्र से संबंधित जातकों को अपने कार्य में लाभ होगा। प्राथमिक शिक्षा प्राप्त कर रहे बालकों के लिये यह मास अतिउत्तम रहेगा। उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे जातकों की गहन शोध के प्रति रूचि बढेगी। नये विषयों का अध्ययन करेंगे। सन्तान पक्ष से शुभ सूचना प्राप्त होगी। भाई-बहनों से संबंध मधुर होगा व उनके सहयोग से रूके हुए कार्य पूर्ण होंगे। त्वचा, मुख व वाणी संबंधित विकार हो सकते है। स्वास्थ्य कुछ कमजोर रह सकता है। इस मास १,८, ९, १६, १७, १८, २६, २७, २८ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

अक्टूबर

इस मास व्यापारी वर्ग को उत्तम लाभ होगा। धन प्राप्ति के नये अवसर प्राप्त होंगे। नेत्र विकार हो सकते है। पिता को कष्ट व राजनीतिक पक्ष से बाधाऐं हो सकती है। हृदय व अस्थि विकार की संभावना हो सकती है। वात विकार से शारीरिक कष्ट हो सकता है। दिनांक १७ के उपरान्त साझेदार व जीवनसाथी के साथ अनबन हो सकती है। यात्रा के योग बनेंगे। मित्रों व समाज के साथ संबंध प्रगाढ होंगे। वाहन, भूमि आदि सुख साधनों का लाभ होगा। इस मास ५, ६ ,१४, १५, २४, २५ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

नवम्बर

संतान से अनबन रह सकती है। नये विषयों का ज्ञान होगा। क्रोध व ऊर्जा में कुछ वशद्धि होगी। मुख, उदर व त्वचा संबंधित विकार हो सकते है। विद्यार्थियों को परिश्रम अधिक करना होगा, विद्याध्ययन व प्रतियोगी परिक्षाओं में कुछ बाधा रहेगी। मधुमेह, मूत्र विकार व गुप्त विकार हो सकते हैं। जीवनसाथी से व्यर्थ विवाद व आपसी अनबन रह सकती है। सन्तान संबंधित कष्ट होगा। भाई बहनों से संबंध उत्तम रहेंगे। परिश्रम का उचित फल न मिलने से निराशा हो सकती है। इस मास १,२, १०, ११, १२, २० , २१, २९, ३० दिनांक नेष्ट रहेंगी।

दिसम्बर

भूमि, जमीन, प्रोपर्टी, वाहन संबंधित लाभ होंगे। उत्साह व ऊर्जा बढेगी। योग, औषधि, स्वास्थ्य आदि के प्रति रुचि बढेगी। परन्तु दुर्घटना, चोट, अग्निभय आदि की संभावनाऐं वढेगी। व्यर्थ के विवादों से बचना चाहिये। लाभ प्राप्ति के अवसर बढेंगे। भोजनालय, रेस्टोरेन्ट, मशीनरी, प्रोपर्टी, अग्नि संबंधित कार्य करने वाले जातकों को लाभ होगा। वच्चों की खेल के प्रति रुचि बढेगी। खेल व खेल सामग्री से जुडे जातकों को विशेष लाभ होगा। मनोरंजन व सुख साधनों की प्राप्ति हेतु विशेष व्यय होगा। वाणी का प्रभाव बढेगा। माता व ननिहाल पक्ष से विशेष लाभ हो सकता है। इस मास ७, ८, ९, १७, १८, १९, २६, २७ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

जनवरी

इस मास विशेष सम्मान की प्राप्ति होगी। राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। क्रोध में कुछ वशद्धि होगी व मन में संताप होगा। नव दम्पत्तियों को सन्तान लाभ होगा। विद्याध्ययन में उन्नति होगी। सुख साधन व मनोरंजन के नवीन साधन उपलब्ध होंगे। शेयर मार्केट से संबंधित कार्य करने वालों को लाभ होगा। नौकरी आजीविका संबंधित बाधाऐं दूर होगी। पिता को लाभ होगा। अपने कार्यक्षेत्र में प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी। वस्त्र उद्योग, साफ्टवेयर, कम्प्यूटर, सौन्दर्य प्रसाधन संबंधित कार्य करने वाले जातकों को लाभ प्राप्त होगा। विवाह योग्य जातकों के संबंध तय होंगे। इस मास ४, ५, १४, १५, २२, २३, ३१ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

फरवरी

इस मास में मेष राशि के जातकों के मन में भ्रम की स्थिति रहेगी। यात्रा व स्थान परिवर्तन के योग बनेंगे। विदेश यात्राओं हेतु भी यह मास उत्तम है। जीवनसाथी से कुछ अनबन रह सकती है। व्यापार में कुछ बाधा हो सकती है। भाई-बहनों से संबंध मधुर बनेंगे। जिन जातकों को आजीविका की चिंता है, उनकी चिन्ता दूर होगी। युवाओं को आजीविका के नए अवसर प्राप्त होंगे। विद्यार्थियों हेतु भी यह मास उत्तम रहेगा। वाहन-भूमि आदि का सुख प्राप्त होगा। माता का स्वास्थ्य कुछ कमजोर रह सकता है। पैरों व हाथ में चोट लगने की संभावना है। बायीं आँख में चोट लग सकती है। त्वचा संबंधित रोग हो सकते हैं। इस मास १,२, १०, ११, १९, २०, २७, २८ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

वृष राशि (इ, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)

मार्च

इस माह आप अपने निजी व व्यावसायिक जीवन में संतुलन बनाकर चलें। कुछ बोलने से पहले सोच-विचार जरूर कर लें। कार्यस्थल व परिवार में कुछ गलतफहमियां उत्पन्न हो सकती हैं। पारिवारिक आय में अप्रत्याशित वृद्धि हो सकती है। वहीं दूसरी तरफ आपके व्यय भी बढ़ने वाले हैं। यदि बजट बनाकर नहीं चले तो भविष्य में आर्थिक तंगी देखने को मिल सकती है और संघर्ष करना पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र में तेजी से कुछ महत्वपूर्ण बदलाव आएंगे जिससे भी लाभकारी परिणाम प्राप्त होंगे। ज्यादा लाभ कमाने के लिए आप व्यापार में भाई-बहनों का सहयोग भी प्राप्त कर सकते हैं। कार्यस्थल पर अपने बेहतर प्रदर्शन से आप लोगों को आश्चर्यचकित कर देंगे। सहभागियों को आपसे ईर्ष्या की भावना हो सकती है और वो आपके लिए समस्याएं उत्पन्न कर सकते

हैं। इसलिए सतर्क रहें और सावधानीपूर्वक कार्य करें। इस मास १८, १९, २६, २७ दिनांक कुछ कष्टकारक हो सकती हैं।

अप्रैल

इस माह का प्रारम्भ ही वृष्भ राशि वाले जातकों के लिए अच्छा रहेगा। जीवन के सभी विषयों से सुख मिलेगा और यह समय अच्छे से बीतेगा। परिवार में अपने जीवनसाथी व बच्चों के साथ स्मरणीय समय बिताएंगे। वैवाहिक जिंदगी शांति, प्रेम व सौहार्द के साथ आगे बढ़ती रहेगी। इस माह आपको सफलता मिलेगी और आपके करियर में नई ऊंचाई देखने को मिलेगी। हालांकि इस बीच घर में पिता या बड़े भाई-बहन के साथ थोड़े बहुत विवाद हो सकते हैं, लेकिन बातचीत से ये सभी समस्याएं सुलझ जाएंगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और आप स्वयं को ज्यादा ऊर्जावान और पॉजीटिव महसूस करेंगे। जनवरी के महीने में आपको भाग्य का साथ मिलेगा और लॉटरी, शेयर आदि से अप्रत्याशित धन भी प्राप्त हो सकता है। जो जातक इस दौरान नौकरी परिवर्तित करने की योजना बना रहे हैं, उन्हें कई अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। इस मास ४,५,१३, १४, २२, २३ दिनांक कुछ कष्टकारक रह सकती है।

मई

इस माह वृष्भ राशि के जातकों को ध्यान व योगा से जुड़ी गतिविधियों को करने में फायदा होगा। कार्य स्थल पर सफलता हासिल करने के लिए आपको बहुत ज्यादा प्रयास करने की आवश्यकता है लेकिन आप बार-बार अपने लक्ष्य से भटक जाएंगे। ऐसा कार्यालय में अपने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कुछ कहा-सुनी होने के कारण हो सकता है। इसलिए अपने सारे विवादों को सुलझाने की कोशिश करें और उन सभी के साथ एक अच्छा रिश्ता कायम करें। इस दौरान अपने स्वभाव में अहंकार को न पनपने दें। फैसले लेते वक्त समझदारी दिखाएं और भावनाओं को बीच में न आने दें क्योंकि आपका गलत फैसला भविष्य में मंहगा पड़ सकता है। आप में से कुछ जातक विदेश में अपना घर खढ रीद सकते हैं। इस मास आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। व्यय बढ़ सकता हैं और आप आय से ज्यादा र्च करेंगे, इसलिए व्यर्थ के खढ र्चों से बचें। इस बीच आपकी सकारात्मक सोच आपकी बहुत सहायता करेगी और आप अपने सभी कार्यों को पूरा करने में सक्षम होंगे। इस मास १,२,११,१२,२०,२१,२९,३० दिनांक नेष्ट है।

जून

इस माह आपके सामाजिक जीवन से अलगाव की संभावनाएं हैं। आप सामाजिक गतिविधियों व भौतिक जीवन से जुड़ी चीजों में कम रुचि लेंगे। इस दौरान आपके जीवन साथी और संतान को समय नहीं दे पायेंगे और घरेलू जीवन भी अस्त-व्यस्त रहेगा। अध्यात्म में आपकी रुचि बढ़ने लग जाएगी। इस दौरान आपका मिलन कुछ आध्यात्मिक व धार्मिक लोगों से होगी जिनसे आपको आध्यात्मिक लाभ भी होगा। प्रारम्भ में आपको कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है लेकिन धीरे-धीरे सभी चीजें ठीक हो जाएंगी। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी परन्तु आप धन जमा करने में ज्यादा इच्छुक नहीं रहेंगे। किसी विशेष शुभ कार्य में व्यय हो सकता है। वृष राशि के कुछ जातक अपने कार्य के कारण इस बीच विदेश में भी बस सकते हैं। अच्छा होगा कि इस दौरान आप अपनी सेहत का खढ याल रखें। स्वस्थ आहार व थोड़ा सा व्यायाम आपकी सभी समस्याओं को दूर कर सकता है। इस मास ७,८,१६,१७,२५,२६ दिनांक नेष्ट हैं।

जुलाई

वृष राशि के जातकों को इस माह आर्थिक रूप से कोई संघर्ष नहीं करना पड़ेगा। आय के कई नए स्रोत प्राप्त होंगे। मनोरंजन व विलासिता से जुड़ी वस्तुओं पर व्यय होगा। जीवनसाथी और सन्तति के सहयोग से भी आपको लाभ मिलेगा। इस मास आप अपने परिवार के साथ अच्छा समय बिताएंगे। ये स्थिति किसी शुभ कार्य की तरफ संकेत दे रही है जिसके चलते परिवार में सब लोग एक-साथ एकत्र होंगे। परिवार के प्रति आप अपने सभी कर्तव्यों को बखूबी निभाएंगे। अपने लक्ष्यों को पाने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे और उसमें सफलता प्राप्त करेंगे। इस दौरान कुछ लंबी अवधि की योजनाएं बना सकते हैं। आप इस बीच अपने व्यापार में विस्तार कर सकते हैं अथवा कोई नया उद्योग भी प्रारम्भ कर सकते हैं। बड़े भाई-बहनों से लाभ प्राप्त हो सकता है। स्वास्थ्य के संबंध में देखा जाए तो आपको छोटी-मोटी समस्याएं हो सकती हैं। अच्छी जीवनशैली व स्वस्थ आहार आपको स्वस्थ रखने में मदद करेगा। इस मास ५, ६, १३, १४, २२, २३ दिनांक नेष्ट है।

अगस्त

इस माह व्यापारी वर्ग को सफलता मिल सकती है। इस दौरान अच्छे लाभ की संभावना हैं। कुछ जातक इस मास व्यापार के संबंध में सात समुंद्र पार भी जा सकते हैं और अच्छा लाभ प्राप्त कर सकते हैं। यदि आप जॉब कर रहे हैं तो इस दौरान उच्च पद मिलने के आसार हैं। वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा और आप सफलता प्राप्त करेंगे। अपनी सकारात्मक सोच व कार्यों के कारण आप अपने व्यावसायिक जीवन की हर दिशा में सफलता प्राप्त करेंगे। इसके साथ ही साथ आप ज्यादा ऊर्जावान व उत्सुक रहेंगे। पारिवारिक जीवन में कुछ तनाव देखने को मिल सकता है। बहस व लड़ाई-झगड़ों से रिश्तों पर प्रभाव पड़ेगा। इन परिवारिक मुद्दों को जल्द ही सुलझाने की आवश्यकता है अन्यथा ये नियंत्रण से बाहर हो सकते हैं। कुछ समय अपने परिवार वालों के साथ भी बिताएं, ऐसा करने से संबंधों में मधुरता आएगी। इसके साथ ही अपने जीवन

साथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आंखों से संबंधित कोई समस्या उन्हें इस महीने परेशान कर सकती है। इस मास १,२,१०,११,१८,१९,२८,२९ दिनांक नेष्ट रहेगी।

सितम्बर

यह माह आपके लिए उलझन भरा रहेगा। एकाग्रता में कमी आ जाने से आपको परेशानी हो सकती है। कई बार आपको चिड़चिड़ापन भी महसूस हो सकता है और आपका गुस्सा पारिवारिक समस्याओं को बढ़ा सकता है। इस दौरान आपको अपने बिजनेस व आर्थिक चीजों से जुड़े विषयों में सतर्क रहने की आवश्यकता है क्योंकि आपका अपना ही कोई करीबी आपके साथ धोखा कर सकता है। इस बीच आप आर्थिक तंगी से भी गुजर सकते हैं। बेहतर वित्तीय नियोजन की आवश्यकता है और खढ
र्चों पर ध्यान देने की जरूरत है। नकारात्मक ऊर्जा को अपने ऊपर हावी न होने दें और सकारात्मक रहें। लगभग आधा माह बीत जाने के बाद आपका अच्छा समय प्रारम्भ हो जाएगा। कामकाजी महिलाओं के लिए समय अनुकूल नहीं है क्योंकि इस दौरान वो अपने घरेलू जीवन व कार्यक्षेत्र में सामञ्जस्य नहीं बना पाएंगी। कार्यभार के चलते आपको तनाव हो सकता हैं। इस मास ६,७,१४, १५, १६, २५, २६ दिनांक नेष्ट रहेगी।

अक्टूबर

यह महीना आपके स्वास्थ्य के लिए ठीक नहीं है। इस दौरान स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं आपको परेशान कर सकती हैं, इसलिए बिल्कुल भी लापरवाही न रखें और अपना ध्यान रखें। दवाइयों के व्यय बढ़ जाने से बजट बिगड़ सकता है। वृश्चिक राशि के कुछ जातक इस दौरान ज्वर आदि से बीमार भी पड़ सकते हैं। इस दौरान पिता को आर्थिक रूप से बड़ा नुकसान उठाना पड़ सकता है। इसके साथ ही ये स्थिति कुछ और गंभीर पारिवारिक समस्याओं को इंगित कर रही है। परिवार के सदस्यों में आपस में न बनने से घर की सुख-शांति भंग हो सकती है। जल्द ही सभी जटिल समस्याओं को सुलझाने का प्रयास करें। बच्चों पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है क्योंकि इस दौरान वे गलत संगत के कारण किसी समस्या में फंस सकते हैं। उन्हें हर दिशा में आपके मार्गदर्शन, प्रेम और स्नेह की आवश्यकता होगी। इस अवधि के दौरान चिकित्सा अनुसंधान से जुड़े लोग अपने कार्य में अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। इस मास ३, ४, १२, १३, २२, २३, ३१ दिनांक नेष्ट रहेगी।

नवम्बर

इस माह आप अपनी नौकरी बदलने की योजना बना सकते हैं और इस बीच कुछ नये अवसर भी प्राप्त कर सकते हैं। किसी अच्छे मौके को ठुकराने की गलती न करें। व्यावसायिक जीवन में कुछ सकारात्मक बदलाव आएंगे जो आपको नई ऊंचाइयों पर लेकर जाएंगे। इस मास आपको अपने जीवनसाथी के साथ ज्यादा से ज्यादा समय बिताना चाहिए अन्यथा आपकी उनके प्रति अनदेखी वैवाहिक जीवन में समस्या उत्पन्न कर सकती हैं। अपने जीवनसाथी के साथ बाहर घूमने की योजना बनाये, ऐसा करने से भी आपके रिश्तों में मिठास आएगी। साथी की सेहत का खढ याल रखें, उसमें बिल्कुल भी लापरवाही न बरतें। कार्यरत लोगों को अपने सहभागियों के साथ अच्छा संबंध बनाये रखने की सलाह दी जाती है। अनावश्यक बहस से बचें। उत्तम होगा यदि आप अपने साथी पर थोड़ा विश्वास दिखाएं। धन का आगमन होता रहेगा और आय के कई नए स्रोत प्राप्त होंगे। कंप्यूटर के व्यवसाय से जुड़े लोगों को अच्छा लाभ मिलने की उम्मीद है। इस मास १, ८, ९, १०, १८, १९, २०, २७, २८ दिनांक नेष्ट रहेगी।

दिसम्बर

इस माह आपके पिता को उनके सत्कर्मों के लिए सम्मानित किया जाएगा व समाज में उनकी प्रशंसा होगी। बच्चों के द्वारा अर्जित की गई सफलता आपको खुशी देगी व परिवार का नाम ऊंचा करेगी। अचानक से आपकी रुचि कलात्मक कार्यों और मनोरंजन से जुड़ी गतिविधियों में बढ़ जाएगी। अपने रिश्तों के प्रति कोई लापरवाही न बरतें और गलत शब्दों के प्रयोग से बचें क्योंकि स्वभाव में कठोरता दूसरों, खासतौर पर आपके परिवार वालों का दिल दुखा सकती है। इस माह अपने गुस्से पर काबू पाने की कोशिश करें वरना विवादित बोल से स्थिति बिगड़ सकती है। परिवार के कुछ सदस्य चीजों को सुधारने व बदलने के लिए इस दौरान अलग रहना पसंद करेंगे। लेकिन निजी जिंदगी में तनाव बरकरार रहेगा जिसके चलते आप भी परेशान रहेंगे। इसलिए मुश्किल परिस्थितियों में अपने स्वभाव में विनम्रता लाएं व गुस्से पर कंट्रोल करें। इस दौरान आपकी तबियत बिगड़ भी सकती है। आंख, दांत, गले से संबंधित रोग हो सकता है। खान-पान की गलत आदतें अपच, गैस या एसिडिटी की समस्या उत्पन्न कर सकती हैं, इसलिए अपने भोजन का विशेष ध्यान रखें। इस मास ६,७, १६, १७, २४, २५ दिनांक नेष्ट रहेगी।

जनवरी

इस मास आपके पिता को कई अवसर मिलेंगे जो उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा को बढ़ाएंगे। विद्यार्थी वर्ग की ओर से अच्छी सूचना प्राप्ति की उम्मीद है। वे परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करेंगे और अच्छे अंक प्राप्त करेंगे। कुछ छात्रों को प्रतिष्ठित और प्रसिद्ध अकादमिक संस्थानों में प्रवेश मिलेगा। रचनात्मक क्षेत्रों में कार्य कर रहे पेशेवरों के लिए अनुकूल समय है। इस दौरान बड़ी सफलता मिलने के आसार हैं। इस माह अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देने की अधिक आवश्यकता होगी। पेट में दर्द, अपच या जलन की शिकायत रह सकती है। सड़क किनारे मिलने वाले व तैलीय खाने से परहेज करें। इस माह आपको अपनी वैवाहिक जीवन के प्रति सतर्क रहने की आवश्यकता है। बहस और झगड़ों की स्थिति बन रही है जिसके चलते रिश्तों में तनाव हो सकता है। इस मास २,३,१२, १३, २१, २२, २९, ३०, ३१ दिनांक नेष्ट रहेगी।

फरवरी

इस माह वक्षा राशि के जातकों को आर्थिक रूप से किसी प्रकार की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। देवी लक्ष्मी की कृपा आप पर पूरी तरह से बनी रहेगी और आप इस बीच सुख साधनों की प्राप्ति पर विशेष खर्च कर सकते हैं। वाहन चलाते समय सावधान रहें। इसके अलावा इसी दौरान आप अपने घर की मरम्मत या उसकी सजावट में भी रुपये खढ र्च कर सकते हैं। कुछ जातक इस बीच बचत के तौर पर या फिर खेती के लिए भी जमीन खढ रीद सकते हैं। लेकिन जमीन खरीदते वक्त थोड़ी सावधानी रखें खासतौर पर कागजात या फिर जमीन संबंधित पुराने कानूनी मामलों में ध्यान रखने की आवश्यकता होगी। इस मास जीवन साथी के साथ थोड़े बहुत झगड़े हो सकते हैं। एक-दूसरे के विचार से सहमत न हो पाने के कारण ये विवाद हो सकते हैं। स्वभाव में थोड़ा सा बदलाव जीवन में खुशी व शांति लेकर आ सकता है इसलिए अपने जीवनसाथी की बात को समझें और उनकी भावनाओं का सम्मान करें अन्यथा बात बढ़ सकती है। इस दौरान आप अपना समय घर की जिम्मेवारी में अधिक व्यस्त रहेंगे जिस कारण से व्यावसायिक जीवन में मुश्किल में कुछ समस्या आ सकती है। इस दौरान स्वास्थ्य का ध्यान रखें। अतिरिक्त भार व थकान आदि से आप परेशान हो सकते हैं। काम का भार अपने ऊपर बहुत ज़्यादा न डालें, ऐसा करने से सेहत कमजोर हो सकती है। इस मास ८, ९, १०, १७, १८, २६, २७ दिनांक नेष्ट रहेगी।

मिथुन राशि (का, की, कु, घ, ङ, छ, के, को, ह)

मार्च

इस महीने में आपको परिवार की ओर ध्यान देने की आवश्यकता होगी। पारिवारिक विवादों को जल्द से जल्द सुलझाएं अन्यथा देर भी हो सकती है। वहीं दूसरी ओर किसी शुभ कार्य जैसे शादी, विवाह आदि के चलते परिवार में मेहमानों का आना-जाना हो सकता है। परिवार की आय इस दौरान बढ़ेगी लेकिन खढ चों पर नियन्त्रण नहीं रह पाएगा जिसके चलते बजट बिगड़ सकता है। काफी संघर्षों के बाद घर बैठकर काम करने वाले लोगों या उद्यमियों के लिए ये अच्छा समय है। इस दौरान आपको वड़े-वड़े प्रोजेक्ट भी मिल सकते हैं। लेखक, कवि, संपादकों को इस दौरान अपने कार्यक्षेत्र में उन्नति मिलेगी। व्यावसायिक लोगों को अपने से उच्च अधिकारियों व सहभागियों के साथ ऑफिस में अच्छा संबंध बनाए रखने की सलाह दी जाती है। जल्दबाजी में कार्यालय से जुड़े मामलों में कोई गलत फैसला न लें। इस माह आपको व्यवसाय में भी बड़ा लाभ मिलेगा। व्यापार को बढ़ाने के लिए ये समय अनुकूल है। गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य ठीक रहेगा व वो बच्चे को जन्म देते वक्त सुरक्षित रहेंगी। इस मास २२, २३, ३०,३१ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

अप्रैल

इस माह आप अपने अंदर आत्म-विश्वास की अनुभूति महसूस करेंगे और खुद को साहसी भी पाएंगे। अपनी मेहनत व सकारात्मक व्यवहार के जरिए आप सफलता प्राप्त करेंगे। कार्यक्षेत्र में अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे और यदि आपको पदोन्नति या वेतन बढ़ने की उम्मीद है तो आपकी इच्छा इस अवधि के दौरान पूरी हो सकती है। इन कुछ अच्छे परिणामों के साथ-साथ आप कुछ बुरे लोगों से भी मिल सकते हैं। मां के लिए ये समय थोड़ा कष्टदायी हो सकता है। इस दौरान उन्हें दुःख का अनुभव हो सकता है या वे किसी बड़ी समस्या में भी पड़ सकती हैं। इसके अलावा घर में आपकी व्यंग्यपूर्ण भाषाशैली और कठोर व्यवहार गलतफहमी और असंतोष उत्पन्न कर सकता है। इसके अतिरिक्त इस बीच खढ र्चे बढ़ जाएंगे क्योंकि आप घर की आवश्यकताओं के कुछ सामान खढ रीदेंगे। बच्चों से संबंधित जो भी परेशानियां आपको हैं, वो सभी दूर हो जाएंगी। शिक्षा के क्षेत्र में उनका प्रदर्शन संतोषजनक रहेगा। वाहन चलाते समय आपको सावधानी रखने की आवश्यकता है क्योंकि चोट लगने की संभावना दिखाई दे रही हैं। इस मास ९,१०, १८,१९, २७,२८ दिनांक नेष्ट रहेगी।

मई

व्यापार क्षेत्र से जुडे जातकों के लिए यह माह बहुत अच्छा रहने वाला है। व्यापार को बढ़ाने का विचार अच्छे परिणाम देगा और आपका व्यापार नई ऊंचाइयों पर पहुंच जाएगा। जिन जातकों ने बैंक में लोन के लिए अर्जी लगा रखी है तो इस दौरान उसे स्वीकृति प्राप्त हो सकती है। कार्यस्थल में आपके द्वारा किए गए प्रयासों और संसाधनों में वश्द्धि के संकेत दिखाई दे रहे हैं। इस दौरान आपके आपके बच्चों के साथ कुछ विवाद हो सकते हैं। इस महीने के शुरू होते ही आपके स्वभाव में अहंकार आ सकता है जिस पर नियन्त्रण रखने की आवश्यकता है। अपने बच्चों को इतना भी लाड़-प्यार न करें कि वो इसका फायदा उठाने लगें। अपनी संवादशैली, बुद्धि आदि के लिए आपको दोस्तों, सहभागियों व पड़ोसियों से इस दौरान प्रशंसा प्राप्त हो सकती है। इसी माह आप अपने अंदर गुस्से का भाव महसूस करने लग जाएंगे। इस दौरान अपने ऊपर काबू पाएं और गुस्से से बचें, अन्यथा समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इस बीच आपके खढ र्चे बढ़ेंगे। इस मास ६, ७, १५, १६, २४, २५ दिनांक नेष्ट रहेगी।

जून

इस महीने के प्रारम्भ में परिवार के कुछ सदस्यों का स्वास्थ्य खढ राब रहने से आप परेशान हो सकते हैं। डॉक्टर, दवाई आदि पर खर्चे जरूरत से ज्यादा हो सकते हैं। लेकिन ये अवधि बस थोड़े ही समय के लिए है अतः चिन्ता न करें। चीजें बहुत जल्दी संभल जाएंगी और आपकी सभी शीघ्र समाप्त हो जाएंगी। आय के नए स्रोत

प्राप्त होंगे और बचत भी ज्यादा होगी। आप अपने भीतर सकारात्मकता व मानसिक शांति का अनुभव करेंगे। आपका मन अति सक्रिय हो जाएगा और आपका काम अच्छा होगा। लोग आपके व्यक्तित्व से प्रभावित होंगे और इस दौरान आप प्रेम संबंधों में भी अपनी रुचि दिखाएंगे। जीवन साथी का सहयोग प्राप्त होगा। जमीन-जायदाद खरीदने से पहले सभी बातें अच्छे से साफ कर लें। यदि निवेश का प्लान बना रहे हैं तो समय बिल्कुल अनुकूल है। बीते समय में किए गए सभी निवेश इस दौरान लाभदायक फल देंगे। इस मास २, ३, १२, २०, २१, २९, ३० दिनांके नेष्ट रहेगी।

जुलाई

व्यापार क्षेत्र से जुडे जातक इस माह अच्छा लाभ कमाएंगे। इस मास आपको किसी विदेशी कंपनी से भी सहयोग प्राप्त हो सकता है। लेकिन साझेदार के साथ काम करते वक्त आपको सतर्क रहने की आवश्यकता है। अपने फैसलों व वित्तीय मामलों को पूरी तरह से सुलझाए रखें अन्यथा कोई समस्या हो सकती है। नौकरी करते हैं और अगर कुछ बदलाव करने की योजना बना रहे हैं तो यह समय इसके लिए ठीक नहीं है, थोड़ा और इंतजार करें। अगर आप नौकरी छोड़ भी देंगे तब भी वक्त वैसा ही रहेगा। तो बेहतर यही है कि अभी जिस नौकरी में हैं, उसी पर ध्यान केंद्रित करें। निजी जीवन में परेशानियां आ सकती हैं लेकिन शांति व खुशी फिर भी बनी रहेगी। इस माह आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी और आपको पैसों से संबंधित कोई परेशानी नहीं होगी। आपकी अपनी व पारिवारिक आय में बढ़ोत्तरी होगी। दूसरों के ऊपर हावी होने का आपका स्वभाव परेशानियों को उत्पन्न कर सकता है। इन्हें दूर करने के लिए संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। इस मास १, ९, १०, १७, १८, २७, २८ दिनांक नेष्ट रहेगी।

अगस्त

आर्थिक रूप से समय अच्छा रहेगा। बड़े भाई-बहन जो विदेश में अथवा अन्यत्र कहीं दूर कार्यरत हैं, उनकी सहायता से पैसों का आगमन होगा जिससे आर्थिक स्थिति सुधरेगी। सामाजिक स्थिति में भी पहले से बढ़ोत्तरी होगी और लोग आपके व्यक्तित्व से प्रभावित होंगे। आप जीवन साथी के साथ कोई नया व्यापार प्रारम्भ कर सकते हैं जो आपके लिए बहुत लाभदायक होगा। खुश रहें और नकारात्मक ऊर्जा व विचारों को अपने भीतर न आने दें। अपने ऊपर ध्यान दें और खुद को जीवन में आगे ले जाने के रास्ते निकालें। नव विवाहित जोड़ों के लिए ये माह चुनौतीपूर्ण रहेगा। लड़ाई, झगड़े व विवाद इस दौरान आपके जीवन में रहेंगे जिससे मानसिक शांति भी भंग होगी। यदि आप स्थिति को सुधारना चाहते हैं तो ध्यान व समझदारी के साथ काम लें। माह के लगभग पंद्रह दिन बाद चीजें सुधरने लग जाएंगी और भाग्य आपका साथ देगा। इस मास ५, ६, १४, १५, २३, २४ दिनांक नेष्ट रहेगी।

सितम्बर

विदेश में काम करने वाले जातकों को सतर्क रहने की आवश्यकता है क्योंकि ऐसी संभावनाएं हैं कि आप पर कोई बड़ा जैसे कागजात या पैसों की चोरी का आरोप लग सकता है। कार्यस्थल पर उच्च अधिकारियों से भी विवाद हो सकता है। माह की शुरुआत में आप लक्ष्यहीन होकर कार्य करेंगे लेकिन आधा माह बीत जाने पर आप अपनी एक नई शुरुआत करेंगे। ये समय आपके परिवार वालों के लिए काफी चुनौतीपूर्ण रहेगा। माता-पिता के लिए समय उचित नहीं है। उन्हें किसी भी प्रकार की मानसिक अशांति या स्वास्थ्य संबंधी समस्या से गुजरना पड़ सकता है, इसलिए उन पर इस दौरान ज्यादा ध्यान देने की आवश्यकता है। पारिवारिक जीवन इस दौरान थोडा अस्त-व्यस्त रह सकता है। आपके परिवार वालों को आपसे कुछ समस्या हो सकती हैं और वो आपसे नाखुश हो सकते हैं। परिवार की ये समस्याएं कार्यक्षेत्र में भी देखने को मिल सकती हैं। इन सभी समस्याओं को जल्द से जल्द हल करें और परिवारिक व व्यावसायिक जीवन में संतुलन बनाएं। इस मास २,३, १०, ११, १९, २०, २१, २९, ३० दिनांक नेष्ट रहेगी।

अक्टूबर

मल्टी नेशनल कंपनी में कार्यरत लोगों को इस दौरान करियर में सफलता मिलेगी और आगे की ट्रेनिंग के लिए विदेश जाने का मौका मिलेगा। निजी मामलों में आपकी जिंदगी में खुशी भरपूर रहेगी और आप परिवार के साथ अच्छा समय बिताएंगे। बड़े भाई-बहनों के लिए भी ये समय तरक्की लेकर आएगा। वो अपने जीवन में इस दौरान काफी अच्छा प्रदर्शन करेंगे और बड़ी सफलता हासिल करेंगे। लेकिन आपके पिता को इस दौरान कार्य से संबंधी कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। कार्यस्थल पर कुछ समस्याएं हो सकती हैं या व्यापार में साथ काम करने वालों के साथ विवाद हो सकते हैं। इसलिए उन्हें संयम से कार्य करने की सलाह दी जाती है। स्वास्थ्य की दशष्टि से इस माह आप मानसिक रूप से थोड़ा नीरस अनुभव करेंगे हालांकि शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे। कार्यभार के कारण समय-समय पर दबाव अनुभव करेंगे। ऐसे में ध्यान करने से लाभ प्राप्त होगा। स्थानांतरण की भी संभावना है। सरकारी फंड के प्रोजेक्ट से जुड़े लोगों को किसी समस्या से गुजरना पड़ सकता है। इस मास ७,८, १७, १८, २६, २७ दिनांक नेष्ट रहेगी।

नवम्बर

मिथुन राशि के जातकों के पिता के लिए यह समय थोड़ा कष्टदायी हो सकता है। वो इस दौरान किसी समस्या में फँस सकते हैं। लेकिन अपने प्रयास के जरिए वो इस बड़ी मुसीबत से बाहर भी निकल जाएंगे। आपके व्यावसायिक जीवन में कोई बड़ा बदलाव आएगा। कुछ सकारात्मक बदलाव व उन्नति की संभावना है और आपके दर तक कुछ अच्छे अवसर भी प्राप्त होंगे। जून माह का भविष्यफल यह इशारा कर रहा है कि, बाहर

की किसी बड़ी कंपनी से नौकरी का अवसर भी प्राप्त हो सकता है। लेकिन सतर्क रहने की आवश्यकता है चाहें चीजें सही ही क्यों न जा रही हों। किसी गलतफहमी को अपने अंदर न पनपने दे और अगर यदि हो जाएं तो उन्हें सुलझाने की जल्द से जल्द कोशिश करें। कार्यस्थल पर किसी भी प्रकार का वैरभाव न पनपने दें अन्यथा प्रॉब्लम्स खड़ी हो सकती हैं। इससे आपकी छवि भी बिगड़ सकती है। वित्तीय मामलों के लिए समय अनुकूल रहेगा और आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी होगी। इस मास ४, ५, १३, १४, २३, २४ दिनांक नेष्ट रहेगी।

दिसम्बर

इस मास जातक के जीवनसाथी की सामाजिक प्रतिष्ठा में बढ़ोत्तरी होगी और वो अपने कार्यक्षेत्र में उत्तम प्रदर्शन करेंगे। उनकी सफलता आपको खुशी देगी । कुछ दम्पतियों के बीच अहंकार आ सकता है जिससे घर में असंतोष व विवाद बढ़ सकता है। वरिष्ठ जनों की सलाह आपकी समस्याओं को हल कर सकती है। आपकी माता को भावनात्मक व मानसिक रूप से देखभाल की आवश्यकता होगी, उनका विशेष ध्यान रखें। छात्रों के लिए समय अनुकूल है, उन्हें उनकी मेहनत का फल मिल सकता है। विदेश में पढ़ाई की इच्छा रखने वाले छात्रों को इस दौरान किसी बड़े संस्थान में प्रवेश मिल सकता है। स्वास्थ्य के संबंध से थोड़ी समस्याएं देखने को मिल सकती हैं, ध्यान रखे अन्यथा ये आपके लिए बड़ी समस्या भी खड़ी कर सकती हैं। वैवाहिक संबंधों के लिए भी समय अच्छा है। आप इस दौरान अपने साथी के साथ यादगार समय बिताएंगे। इस मास १,२, १०,११, २०, २१, २८, २९ दिनांक नेष्ट रहेगी।

जनवरी

मिथुन राशि के विवाह योग्य जातकों को अपना जीवनसाथी मिल सकता है और जो पहले से ही प्रेम संबंध में है उन्हें शादी के लिए माता-पिता से अनुमति प्राप्त हो सकती है। कुछ जातक इस बीच नौकरी बदलने का विचार कर रहे हैं लेकिन थोड़े से संघर्ष के बाद माह के पंद्रह दिन बीत जाने के बाद अच्छे विकल्प प्राप्त होंगे। कार्य से संबंधित यात्राएं भी इस दौरान हो सकती हैं अथवा जातक ऐसी नौकरी का चयन कर सकते हैं जिसमें बहुत ज्यादा यात्रा करनी पड़ती हो। ये समय सफलता, संसाधनों के संचय व सकारात्मकता से भरा रहेगा। जो विद्यार्थी उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए पढ़ाई कर रहे हैं उन्हे अच्छे परिणाम प्राप्त करने के लिए कडा परिश्रम करना होगा क्योंकि उनकी तैयारी संतोषजनक नहीं होगी। वैवाहिक युगलों को इस समय का लाभ मिलेगा। संबंधों में प्रेम बढ़ेगा और आप एक खुशहाल और शांतिपूर्वक जीवन बिताएंगे। स्वास्थ्य के संबंध में आपको ज्यादा चिन्ता करने की आवश्यकता नहीं है। प्रतिदिन ध्यान व योग करने से आप स्वयं को स्वस्थ रख सकते हैं। इस मास ७, ८, १७, १८, २५, २६ दिनांक नेष्ट रहेगी।

फरवरी

इस मास धार्मिक व आध्यात्मिक विषयों में आपकी रुचि बढ़ेगी। इस दौरान आपकी महात्माओं व आध्यात्मिक गुरुओं से वार्ता हो सकती है। परिवार के सदस्यों के साथ कोई व्यापार प्रारम्भ कर सकते हैं, लेकिन ध्यान रहें कि किसी भी कार्य की शुरुआत से पहले अच्छे से विचार-विमर्श कर लें ताकि आगे चलकर कोई परेशानी न आए। व्यापार के विस्तार के लिए ये उचित समय है। परिश्रम ही सफलता की कुंजी है, इसी बात को ध्यान में रखकर मेहनत करते रहें और आगे बढ़ते रहें। शेयर बाजार या प्रॉपर्टी में निवेश आपके लिए लाभकारक साबित होगा। कुछ लोग विश्रान्त महसूस कर सकते हैं जिससे एकाग्रता में कमी आ सकती है। जबकि कुछ लोग अपने लक्ष्य से भटक सकते हैं और दोबारा कार्य की शुरुआत करने से पहले अपने लिए थोड़ा समय ले सकते हैं। इस समय के दौरान उधार लेने से बचें अन्यथा आप ऋण के जाल में फँस सकते हैं। आपको अपने जीवनसाथी का पूर्ण समर्थन मिलेगा और आप एक सुखी वैवाहिक जीवन बिताएंगे। लेकिन अपने जीवन साथी के स्वास्थ्य का विशेष ख्ढ याल रखें। इस मास ३, ४, १३, १४, २१, २२ दिनांक नेष्ट रहेगी।

कर्क राशि (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो)

मार्च

इस माह परिवार में आपके पिता का मान और बढ़ेगा। घर में कोई विवाद की स्थिति बनती है तो उनके दखल देने से मामला शांत हो जाएगा। आपके जीवनसाथी का विवाद घर के किसी बड़े सदस्य के साथ हो सकता है और यह बात आपको परेशानी कर सकती है। यदि आप पारिवारिक जीवन में शांति और सद्भाव चाहते हैं तो इस तरह के घरेलू मुद्दों को बेहद परिपक्वता के साथ सुलझाएं। बच्चों के साथ स्नेह बढेगा। शांति और संयम के साथ काम लें अन्यथा परिस्थितियां नियंत्रण से बाहर जा सकती है। इस माह बड़े भाई-बहनों के साथ भी आपके रिश्ते अच्छे रहने की संभावना कम है। कठिन वक्त के दौरान संयम बनाए रखें और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ें। इस माह खर्च अधिक रहने की संभावना है इसलिए इस अवधि में सोच-समझकर पैसा खर्च करें। इन सबके अलावा जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें, साथ ही उनके खानपान पर भी ध्यान दें। इस मास २४, २५ दिनांक नेष्ट रहेगी।

अप्रैल

इस माह आर्थिक लाभ होने की संभावना दिखाई दे रही है लेकिन इस अवधि में व्यर्थ खर्च करने से बचें। आपके पिता को किसी गंभीर समस्या का सामना करना पड़ सकता है, इसलिए सावधान रहें। इस माह मानसिक तनाव अधिक होने की वजह से व्यावसायिक जीवन में आप थकान और परेशानी महसूस करेंगे। इस दौरान वरिष्ठों के

साथ कुछ मतभेद हो सकते हैं, जिन्हें सुलझाने की आवश्यकता होगी वरना इस कारण से कार्यस्थल पर आपकी एकाग्रता भंग होगी। अपने काम में गुणवत्ता लाने के लिए आप अधिक से अधिक प्रयास करेंगे। इस माह आप ज्यादा प्रसन्न नहीं रहेंगे, इसलिए बीती हुई बातों को याद ना करें और आराम करें। क्योंकि ज्यादा सोचने और निराश होने से आपके स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है। इस माह वैवाहिक जीवन के भी सुखद और समश्द्ध रहने की पूरी संभावना है। आप जीवनसाथी के साथ बहुत ही अच्छे पल व्यतीत करेंगे। इस मास १,२, ३, ११, १२, १३, २०, २१, २९, ३० दिनांक नेष्ट रहेगी।

मई

इस माह आपके पिता को सेहत संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए उनकी खास देखभाल करें। जरा सी लापरवाही उनके स्वास्थ्य के लिए घातक साबित हो सकती है। यदि बात करें आपकी प्रोफेशनल लाइफ की तो, इस माह सीनियर्स के साथ कुछ परेशानियां हो सकती हैं। सहकर्मियों की वजह से उच्च अधिकारियों के साथ भी विवाद की स्थिति बन सकती है। इसलिए ऑफिस में बेकार की बातें करने से बचें। इस माह अपने कार्यक्षेत्र में होने वाली परेशानियों का आपके व्यक्तिगत जीवन पर बुरा असर पड़ेगा। समझदारी से काम लेने की वजह से सब कुछ ठीक हो जाएगा। इस महीने मेडिकल संबंधी खर्च अधिक होने की वजह से आपका बजट बिगड़ सकता है। हालांकि इस माह आपकी सेहत बहुत अच्छी रहने वाली है लेकिन फिर भी स्वास्थ्य को लेकर कोई लापरवाही नहीं बरतें। आपका रुझान आध्यात्मिकता और रहस्यमयी विज्ञान जैसे विषयों की ओर बढ़ेगा। इस मास ९, १०, १७, १८, २६, २७ दिनांक नेष्ट रहेगी।

जून

यह महीना कर्क राशि वाले लोगों के लिए बहुत ही सकारात्मक और अच्छा रहने वाला है। इस माह आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी और आप अपने सभी अधूरे कार्यों को पूर्ण कर लेंगे। आपको लगातार सफलता मिलेगी और कठिन परिश्रम से उत्तम फल की प्राप्ति होगी। इस माह आध्यात्मिक चिंतन को लेकर आपकी रुचि बढ़ेगी। महीने के उत्तरार्ध में व्यक्तिगत जीवन में सुधार होगा। इस दौरान सभी तरह की चिंताएं खत्म होंगी और परिजनों से स्नेह और सहयोग मिलेगा, विशेषकर परिवार के बड़े लोगों से। इस माह आपकी आर्थिक स्थिति तो ठीक रहेगी लेकिन आपको खर्चों पर नियंत्रण रखना होगा, इसलिए बेवजह खर्च ना करें। आमदनी के नए साधन मिलने से पारिवारिक आय में बढ़ोत्तरी होगी। इसके अलावा कुछ लोगों का कानूनी मामलों का भी सामना करना पड़ सकता है । अपनी व्यस्त दिनचर्या से कुछ समय निकालकर योग करें। यह आपकी सेहत के लिए अत्यंत लाभकारी रहेगा। इस मास ५, ६, १४, १५, २२,२३, २४ दिनांक नेष्ट रहेगी।

जुलाई

आर्थिक पक्ष से भी यह महीना कर्क राशि के लोगों के लिए अच्छा नहीं होगा। अचानक कोई आर्थिक नुकसान होने की वजह से वित्तीय स्थिति पर बुरा असर पड़ सकता है। इस अवधि में पैसा उधार देने और उधार लेने से बचें। इस माह कर्क राशि के जातकों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। सेहत पर खासतौर से ध्यान देने की जरुरत होगी। इस दौरान कुछ लोग हृदय और पेट से संबंधी बीमारी से परेशान रह सकते हैं। जीवनसाथी का स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं दिखाई दे रहा है, इसलिए स्वास्थ्य को लेकर सावधान रहें। घर में या बाहर रहते हुए किसी प्रकार की शीघ्रता ना करें, यही आपके लिए बेहतर होगा। वाहन चलाते समय सावधानी बरतें, क्योंकि दुर्घटना की आशंका नजर आ रही है। इन सबके अलावा आपके पारिवारिक जीवन में तनाव बढ़ सकता है। इस दौरान गलतफहमी की वजह से विवाद की संभावना है, विशेषकर घर की महिलाओं से रिश्ते प्रभावित हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में भी काम की अधिकता की वजह से आप व्यस्त और तनाव में रहेंगे। इस मास २,३,४,११,१२, १९, २०, २१, २९, ३०, ३१ दिनांक नेष्ट रहेगी।

अगस्त

इस महीने में आपको व्यक्तिगत जीवन में कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। संतुलन की कमी की वजह से स्थिति और भी बिगड़ सकती है, इसलिए कार्यक्षेत्र और व्यक्तिगत जीवन में खुशियों के लिए शांति और संतुलन बनाकर चलें। आर्थिक रूप से यह महीना आपके लिए समृद्धशाली रहेगा और इस दौरान आपको अचानक कोई वित्तीय लाभ हो सकता है। पारिवारिक व्यवसाय भी अच्छे से चलता रहेगा और आमदनी बढ़ेगी। वहीं दूसरी ओर व्यावसायिक साझेदार से कुछ मामूली परेशानी हो सकती हैं, लेकिन यदि कुशलता के साथ काम लेंगे तो ये परेशानी आसानी से हल हो जाएगी। इस माह आमदनी अच्छी रहेगी लेकिन जीवन में खुशियों का अभाव रहेगा। विवाहित जातकों के लिए भी समय अच्छा नहीं है। वैवाहिक जीवन में कुछ बड़े समस्याएं आ सकती हैं, जिन्हें बहुत ही नरमी के साथ हल करने की कोशिश करनी होगी अन्यथा आपको कानूनी मामलों का भी सामना करना पड़ सकता है। स्वास्थ्य की दृष्टि से यह माह अच्छा रहने वाला है। इस मास ८, ९, १६, १७, २६, २७ दिनांक नेष्ट रहेगी।

सितम्बर

आर्थिक लिहाज से यह महीना आपके लिए सामान्य रहने वाला है। इस अवधि में यदि आप कोई बड़ा निवेश करने के बारे में सोच रहे हैं तो रुक जाएं। क्योंकि यह समय इस काम के लिए उपयुक्त नहीं है। इस माह अपने खर्चों पर नियंत्रण रखें। पेट

संबंधी कुछ रोगों से पीड़ित रह सकते हैं। यदि आप सेहतमंद रहना चाहते हैं तो अपनी संयमित जीवनशैली और स्वच्छ भोजन की आदत डालें। यह माह आपके जीवनसाथी की सेहत के लिए बिल्कुल ठीक नहीं है। इस दौरान वे हाई ब्लड प्रेशर, बुखार या संक्रमण की समस्या से पीड़ित रह सकते हैं, इसलिए थोड़ा सावधान रहें। इस माह आपके विरोध ी मजबूत स्थिति में रहेंगे और आपको नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे, अत: थोड़ी सावधानी रखें। अपने कार्यक्षेत्र और व्यक्तिगत जीवन में जल्दबाजी में आकर कोई भी निर्णय लेने से बचें, क्योंकि ऐसा करना आपके लिए घातक साबित हो सकता है। आपके व्यक्तिगत जीवन में विवाद और अशांति रह सकती है। प्रियजनों के साथ रिश्तों में दूरियां आ सकती है। हालांकि प्रयास करने से रिश्तों में सुधार होगा और संबंध सामान्य हो जाएंगे। इस मास ४, ५, १२, १३, १४, २२, २३ दिनांक नेष्ट रहेगी।

अक्टूबर

यह महीना आपके लिए बेहद चुनौतीपूर्ण रहेगा। मानसिक तनाव और क्रोध की अधिकता से हालात और भी खराब होने की संभावना है। इस दौरान बड़े भाई-बहनों से विवाद हो सकता है। आपके कड़वे शब्द और बेवजह के विवादों में उलझने से लोग आपकी निंदा करेंगे। कुल मिलाकर शांतिपूर्ण जीवन के लिए इस माह आपको अपने क्रोध और स्वभाव पर नियंत्रण रखना होगा। माह के उत्तरार्ध में बच्चों की शिक्षा में कुछ परेशानियां आ सकती हैं, इसलिए आपको उनको अतिरिक्त समय देना होगा। किन बच्चों से दोस्ती की जाए इस बात को भी लेकर उन्हें आपसे सलाह की आवश्यकता होगी वरना ऐसा भी हो सकता है कि वे गलत संगत में पड़ जाएं। गर्भवती महिलाओं के लिए समय थोड़ा सावधानी से चलने वाला है, अत: ज्यादा तनाव न लें, खुश रहें और डॉक्टरी परामर्श लेते रहें। जुलाई के महीने में बेहतर परिणाम प्राप्त करने के लिए आपको अपने विचारों में स्पष्टता रखनी होगी। इस मास १,२, १०, ११, १९, २०, २८, २९, ३० दिनांक नेष्ट रहेगी।

नवम्बर

इस माह कर्क राशि के जातकों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है, इसलिए अपने स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान दें। क्योंकि किसी भी तरह की लापरवाही कष्टकारक हो सकती है। इस महीने आप घर पर हालात को बेहतर करने के लिए अपनी ओर से पूरी कोशिश करेंगे। वहीं कार्य स्थल पर भी आप सफलता पाने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे। अपने बेहतर काम से मिलने वाली प्रशंसा से आप खुद हैरान हो जाएंगे। वरिष्ठों और उच्च अधिकारियों से अच्छे संबंध रखने से आपको अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। आपका पारिवारिक जीवन भी सुखद और आनंदमय व्यतीत होगा। इस दौरान परिवार में शांति और सद्भाव का वातावरण रहेगा। जून के महीने में आपके व्यक्तिगत संबंधों में कुछ बदलाव होंगे और नए रिश्ते बनने की भी संभावना है। महिला जातकों को प्रेम-प्रसंग में आनी वाली परेशानियों को लेकर सावधान रहना होगा। क्योंकि संभव है कि प्रेम-प्रसंग के मामले में धोखा हो जाएं। इस दौरान संबंध टूट भी सकते हैं। इस मास ६, ७, १६, १७, २५, २६ दिनांक नेष्ट रहेगी।

दिसम्बर

कर्क राशि के जातक इस माह कठिन परिश्रम से धन कमाएंगे। कार्यस्थल पर आपकी कड़ी मेहनत और बेहतर प्रदर्शन को देखते हुए आपको पदोन्नति प्राप्त हो सकती है, साथ ही कार्यक्षेत्र में उच्च अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। जो जातक व्यवसाय कर रहे हैं उन्हें इस माह अप्रत्याशित मौद्रिक लाभ मिल सकता है। इस मास जो भी निवेश करें सूझबूझ और दूरदशष्टि रखते हुए करें। यह महीना आर्थिक मामलों में बेहद अच्छा रहने वाला है। इस अवधि में आपको धन कमाने के कई नए अवसर मिलेंगे, जिससे आपकी वित्तीय स्थिति और सुदश्ढ होगी। घर और बाहर दोनों जगह कठोर भाषा बोलने से बचें, क्यों‌ंक इससे किसी की भावनाओं को चोट पहुंच सकती है और ये आपके लिए परेशानी का कारण बन सकती है। इस माह आपकी रुचि कलात्मक कार्यों के प्रति ज्यादा रहेगी और विभिन्न कलात्मक गतिविधियों में शामिल होंगे। आपके बड़े भाई-बहनों के लिए यह समय बेहद समश्द्धशाली रहेगा और परिवार में उनकी स्थिति और मजबूत होगी। इस मास ३, ४, ५, १३, १४, २२, २३, ३०, ३१ दिनांक नेष्ट रहेगी।

जनवरी

इस माह में कर्क राशि के जातकों को अपनी भाषा और शब्दों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। क्योंकि इस कारण गलतफहमी होने की आशंका बन रही है। इस माह आय बढ़ने के साथ-साथ खर्च भी बढ़ेंगे। यदि आप अपने व्यापार का विस्तार करना चाहते हैं तो यह समय आपके लिए बहुत अच्छा रहेगा और आपको अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। पारिवारिक जीवन में उतार-चढ़ाव होने से आप थोड़ा तनाव अनुभव करेंगे। जीवनसाथी के साथ वैचारिक मतभेद होने से छोटे-मोटे विवाद हो सकते हैं, इसलिए समय रहते हुए इन सभी समस्याओं को सुलझाने का प्रयास करें अन्यथा स्थिति और बिगड़ सकती है। इसके अलावा व्यक्तिगत समस्याओं के समाधान के लिए आपको साहस दिखाते हुए पहल करनी होगी। इस मास में बच्चे पढ़ाई-लिखाई में बहुत अच्छा प्रदर्शन करेंगे। उनके बारे में ज्यादा चिंता करने की आवश्यकता नहीं होगी लेकिन उनका ध्यान अवश्य ही रखना होगा। इस मास १,९, १०, ११,१९, २०, २७, २८ दिनांक नेष्ट रहेगी।

फरवरी

इस माह परिजनों से आपको बहुत प्यार मिलेगा। परिवार की महिलाओं से आपको अप्रत्याशित लाभ प्राप्त हो सकता है। आप ज्यादातर दिन तनाव मुक्त और उत्साहित जीवन व्यतीत करेंगे। इस महीने आपके व्यापारिक क्षेत्र में बहुत से सकारात्मक

बदलाव होंगे। आपके काम और कठिन परिश्रम की प्रशंसा की जाएगी। ऐसे में यदि आप नौकरी में हैं तो इस माह आपको पदोन्नति मिलने की संभावना है। कार्य की अधिकता के चलते तनाव नहीं लें अन्यथा आप आत्मविश्वास की कमी अनुभव कर सकते हैं। इस माह आपकी आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी और आप कठिन परिश्रम से धन कमाएंगे। स्वभाव में उग्रता अधिक रहने से विषम परिस्थितियां उत्पन्न होंगी और कुछ लोग आपके विरोधी बन जाएंगे, अत: आप अपने मित्रवत व्यवहार और मधुर भाषा से संबंध बनाये रखने का प्रयास करें। इस महीने स्वास्थ्य को लेकर बिल्कुल लापरवाही नहीं बरतें। नेत्र से संबंधी पीड़ा आपको परेशान कर सकती है। इस मास ५, ६, ७, १५, १६, २३, २४ दिनांक नेष्ट रहेगी।

सिंह राशि (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे)

मार्च

आप अपनी व्यक्तिगत समस्याओं को कुशल तरीके से सुलझाने का प्रयास करेंगे और इस कार्य के लिए आपकी अंदर ही अंदर तारीफ भी की जाएगी। इस दौरान आप एक नई दिनचर्या अपनाएगे और स्वस्थ रहना आपकी पहली जरूरत बन जाएगी। इस मास आप अपने स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देंगे। इस बीच आप अपने भोजन में भी बदलाव करेंगे। निजी संबंधों में कुछ सकारात्मक बदलाव नजर आएंगे। इस माह परिवार का साथ व प्यार आपको खुश व संपन्न रखेगा। वैवाहिक जिंदगी भी अच्छी रहेगी और आप अपने जीवनसाथी व बच्चों के साथ अच्छा समय बिताएंगे। सिंह राशि के कुछ जातक अपनी वर्तमान नौकरी में बदलाव करने की योजना बना सकते हैं। कार्यस्थल पर कुछ समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं जो आपके निजी जीवन में भी पहुंचकर घर की शांति व सौहार्द को बिगाड़ सकती हैं। आर्थिक स्थिति इस बीच अच्छी रहेगी। कुछ अप्रत्याशित आर्थिक लाभ से आय में वृद्धि होगी। इस मास २४, २५ दिनांक नेष्ट रहेगी।

अप्रैल

इस माह आप अपने धन व ऊर्जा को अनावश्यक मामलों में व्यय कर सकते हैं, जिससे आपको दु:ख भी हो सकता है। किसी भी फैसले को लेने या कार्य करने से पहले अच्छे से विचार-विमर्श अवश्य कर लें। स्वास्थ्य के संबंध में यह माह आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा। एक समय के बाद आप थका हुआ महसूस कर सकते हैं और अपने काम में ध्यान नहीं लगा पाएंगे। कार्यभार या तनाव के कारण स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। स्वास्थ्य की दरष्टि से व्यय बढ़ने लग जाएंगे जिसके चलते भी आर्थिक स्थिति कमजोर पड़ सकती है। आप अच्छा धन इस दौरान एकत्रित कर लेंगे लेकिन फिर भी उसे बचा कर नहीं रख पाएंगे। इस माह वैवाहिक जीवन में कुछ समस्या हो सकती है। इस दौरान जीवनसाथी से कुछ विवाद हो सकते हैं। निजी जिम्मेदारियों से जी चुराने की आदत जीवनसाथी के साथ आपका संबंध खढ राब कर सकती है। परिवार में वाद-विवाद की स्थिति हो सकती है इसलिए इन सभी मामलों को अपनी बुद्धि व समझदारी से हल करने का प्रयास करें। साहस व हिम्मत के साथ इस मुश्किल परिस्थिति से निकलने की कोशिश करें। इस मास १,२, ३, ११, १२, १३, २०, २१, २९, ३० दिनांक नेष्ट रहेगी।

मई

यह माह आपके लिए उन्नति लेकर आएगा और आपके काम वैसे ही पूर्ण होंगे जैसे आप चाहते हैं। कार्यक्षेत्र पर आप अच्छा प्रदर्शन करेंगे और उच्च पद भी प्राप्त करेंगे। आपके साझा संसाधनों में वशद्धि होगी और ये आपको तरक्की की ओर लेकर जाएंगी। इस दौरान आपको अच्छे लाभ की प्राप्ति होगी और आप ज्यादा से ज्यादा बचत कर सकेंगे। बड़े निवेशों से बड़ा लाभ मिलेगा। व्यापार में कोई नया साझेदार जुड़ सकता है जिसका आगमन व्यापार के लिए लाभदायक होगा। वैवाहिक जीवन खुशहाल व प्रेम से भरा रहेगा। आप एक-दूसरे को अपना सहयोग देंगे और आपका संबंध मजबूत होता जाएगा। विद्यार्थी अपने पढ़ाई के क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करेंगे और सफलता आपको खुशी देगी। विवाह योग्य जातक इस माह शादी के बंधन में बंध सकते हैं। प्रशासकों, योजनाकारों और सार्वजनिक कार्य से जुड़े लोगों के लिए समय अनुकूल है। इस मास ९, १०, १७, १८, २६, २७ दिनांक नेष्ट रहेगी।

जून

सिंह राशि के जातकों के लिये यह माह बहुत ही अच्छा रहने वाला है। इस महीने में किए गए आपके सभी प्रयास सफल होंगे। शादीशुदा लोग इस समय का जम कर आनंद उठाएंगे। उनके जीवन में शांति, खुशी व सौहार्द बना रहेगा। महीने के पूर्वाध में ही कोई अच्छी सूचना प्राप्त हो सकती है। इस सूचना से आपके आत्म-विश्वास में वृद्धि होगी। इस दौरान आप स्वयं को अधिक ऊर्जावान व आशावादी अनुभव करेंगे। सभी कार्य योजनानुसार पूर्ण होंगे। परोपकार से जुड़े कार्यों में भाग लेने से आपकी छवि भी अच्छी होगी। घर व कार्यस्थल पर सुखद वातावरण रहेगा। इस माह परिवार के सभी सदस्य आपसे प्रसन्न रहेंगे और आपके उनके साथ संबंध भी प्रगाढ होंगे। लोग आपका साथ पसंद करेंगे और आपकी लोकप्रियता भी बढ़ेगी। नए दोस्त बनेंगे और आपका सामाजिक दायरा भी बढ़ेगा। रियल-एस्टेट का बिजनेस कर रहे लोगों को इस माह सफलता मिलेगी। प्रॉपर्टी खढ रीदने व बेचने के लिए भी बिल्कुल उपयुक्त समय है। इस मास ५, ६, १४, १५, २२,२३, २४ दिनांक नेष्ट रहेगी।

जुलाई

आपको इस दौरान कई संघर्षों का सामना करना पड़ सकता है। आपकी निजी व व्यावसायिक जिंदगी में इस दौरान कुछ समस्याएं आ सकती हैं। इस दौरान आपकी प्रतिरोधक क्षमता कम हो सकती है साथ ही अनिद्रा व एलर्जी की समस्या भी हो सकती

है। अति सक्रिय और परेशान मन होने के कारण एकाग्रता में कमी आ सकती है। थका हुआ महसूस होने के कारण आपको परेशानियां हो सकती हैं। आप समय-समय पर बीमार भी पड़ सकते हैं। सिंह राशि के कुछ जातक अपनी वर्तमान नौकरी से संतुष्ट नहीं रहेंगे और नौकरी में परिवर्तन कर सकते हैं। अथवा वर्तमान कार्यक्षेत्र में भी बदलाव आ सकते हैं। घर में थोड़े बहुत विवाद संभव हैं। जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। लेकिन इन सभी चीजों से परेशान व निराश न हों क्योंकि आपको खुशी जरूर मिलेगी। बस संयम रखें और हर मोड़ पर सकारात्मक रूप से सोचें। इस मास २,३,४,११,१२, १९, २०, २१, २९, ३०, ३१ दिनांक नेष्ट रहेगी।

अगस्त

सिंह राशि के जातक जो व्यापार क्षेत्र से जुडे हैं, उनके लिए यह काफी अच्छा समय है। इस दौरान उन्हें सात समुंद्र पार से कोई अच्छी सूचना प्राप्त हो सकती है जो उनके लिए काफी लाभदायक होगी। आमदनी अच्छी हो जाएगी लेकिन साथ ही साथ खढ र्चे भी बढ़ जाएंगे। इस दौरान आप भौतिक सुखों से परिपूर्ण व विलासिता की जिंदगी जिएंगे। भूतकाल में किया निवेश इस दौरान आपको दोगुना मुनाफा देगा। इस माह शेयर बाजार में यदि निवेश किया है तो इससे भी अच्छे परिणाम हासिल होंगे। परिवार के सभी सदस्य आपसे खुश रहेंगे और आपको अपना प्यार व सहयोग प्रदान करेंगे। वैवाहिक जीवन आनंदपूर्वक बीतेगा और आप इस बीच पत्नी, बच्चों के साथ छुट्टियां बिताने दूर यात्रा पर या विदेश जा सकते हैं। महीने के मध्य में जाकर आपकी कार्यक्षेत्र में भी इस समय का लाभ होगा। अच्छे वेतन के साथ-साथ पदोन्नति की भी संभावना दिखाई दे रही हैं। बड़े भाई-बहनों के लिए भी समय शुभ है। इस मास ८, ९, १६, १७, २६, २७ दिनांक नेष्ट रहेगी।

सितम्बर

शादीशुदा जोड़ों के लिए यह माह थोड़ा चुनौती पूर्ण हो सकता है। एक-दूसरे के प्रति समय न दे पाने व गलतफहमियों की उत्पत्ति होने के कारण आपके वैवाहिक जीवन में तनाव रह सकता है। झगड़ों व वाद-विवादों के कारण घर-परिवार से खुशहाल वातावरण कम हो जायेगा। परिवार में वरिष्ठ जनों के साथ भी विचार सहमत न हो पाने के कारण बहस हो सकती है। शीघ्रता में लिए गए आपके निर्णय और दूसरों पर हावी होने का स्वभाव लोगों को दुःखी कर सकता है। विदेश जाने की इच्छा रखने वाले जातकों के लिए समय ठीक नहीं है। जो लोग अपने काम की वजह से पहले से ही विदेश में रह रहे हैं, उन्हें इस वक्त अपने पैसों के प्रति सतर्क रहने की सलाह दी जाती है। बात करें अगर आपके बच्चों की तो अभी उन पर ज्यादा ध्यान देने की आवश्यकता होगी। यदि ऐसा नहीं हुआ तो वो भटक भी सकते हैं। आधा माह गुजर जाने के बाद आपके व्यावसायिक जीवन में सकारात्मक बदलाव आने लग जाएंगे। इस मास ४, ५, १२, १३, १४, २२, २३ दिनांक नेष्ट रहेगी।

अक्टूबर

आपके जीवन साथी इस मास प्रगति की ओर बढ़ेंगे। इस दौरान उन्हें भाग्य को संवारने के लिए कई मौके प्राप्त होंगे। वो इन अवसरों का भली-भांति तरीके से उपयोग करेंगे और सफलता प्राप्त करेंगे। जीवन साथी को इस दौरान बड़ा पद व वेतन प्राप्त होगा। अपने स्वास्थ्य के प्रति आप थोड़ी लापरवाही कर सकते हैं। इस लापरवाही के कारण आप परेशानी में भी पड़ सकते हैं। जीवन में निराश रहने व अन्य गतिविधियों में रुझान न होने के कारण आप तनावग्रस्त हो सकते हैं। सड़क पर सावधानी से गाड़ी चलायें क्योंकि इस मास चोट लगने के आसार हैं। मां की तबियत अच्छी रहेगी लेकिन पिता की सेहत को नुकसान पहुंच सकता है इसलिए सावधान रहें। कार्यक्षेत्र पर वरिष्ठ जनों व सहभागियों के साथ विवाद हो सकते हैं जिससे आपका प्रदर्शन खढ   राब हो सकता है। ऐसे में बहस से बचें और विवादों को समाप्त करने का प्रयास करें क्योंकि इससे आपकी छवि भी बिगड़ सकती है। प्रोफेशनल लाइफ में आपका करियर ग्राफ नीचे जा सकता है, इसलिए मेहनत करें व एकाग्रता के साथ अपना काम करें। इस मास १,२, १०, ११, १९, २०, २८, २९, ३० दिनांक नेष्ट रहेगी।

नवम्बर

आपके जीवन साथी को इस माह विदेश जाने का अवसर मिल सकता है। इस मास भाग्य उनका साथ देगा और वो सफलता प्राप्त करेंगे। कार्य संबंधी कुछ छोटी-बड़ी यात्राएं हो सकती हैं। जीवन साथी की सेहत माह की शुरुआत में चिंता का कारण हो सकती है इसलिए उनका ध्यान रखें। वहीं दूसरी तरफ जीवन साथी से आपके कुछ मतभेद भी हो सकते हैं। लेकिन चिंता की कोई बात नहीं ये सभी समस्याएं आपके प्रयासों से दूर हो जाएंगी। यदि अगर आप अपना ज्यादा से ज्यादा समय अपने जीवन साथी के साथ बिताएं तो उत्तम रहेगा। व्यापार कर रहे जातकों के लिए समय अच्छा है। निर्यात में वृद्धि होगी और व्यापार में विदेशी सहयोग प्राप्त होने से लाभ होगा। साझेदारी में व्यापार करते समय सावधानी रखें। आपके अपने साथी के साथ कुछ विवाद हो सकते हैं जिसको जल्द सुलझाने की जरूरत है अन्यथा साझेदारी समाप्त भी हो सकती है और व्यापार में हानि हो सकती है। बढ़ते खर्चों के कारण परिवार में सौहार्द की भावना कम हो सकती है। इस मास ६, ७, १६, १७, २५, २६ दिनांक नेष्ट रहेगी।

दिसम्बर

यह माह शांति व खुशी से परिपूर्ण रहेगा। आत्म-विश्वास में बढ़ोत्तरी होगी। आप समय-समय पर आक्रामक रवैया भी अपना सकते हैं। अपने निजी व व्यावसायिक जीवन में अधिक प्रयास करेंगे और थोड़े समय बाद सफलता भी प्राप्त करेंगें। कार्य स्थल पर विरोधी आपके लिए समस्याएं उत्पन्न कर सकते हैं लेकिन चिंता की कोई बात नहीं क्योंकि उन्हें सफलता नहीं मिलेगी। आपके साथ काम करने वाले कुछ सहभागी आपसे

ईर्ष्या का भाव भी रख सकते हैं जिससे ऑफिस का वातावरण अनुकूल नहीं रह पाएगा। लेकिन चिन्ता न करते हुए केवल अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करें और आगे बढ़ते रहें। इस दौरान आप अच्छी रकढ म जुटा पाएंगे और सभी कर्ज से मुक्त हो जाएंगे। लेकिन जोखढि म भरे निवेश से खुद को दूर ही रखें क्योंकि आर्थिक हानि होने की सम्भावना हो सकती है। स्वास्थ्य हेतु यह माह उत्तम रहेगा। आप अपने स्वास्थ्य पर ज्यादा ध्यान देने लग जाएंगे। व्यायाम, योग व ध्यान को अपने रोजाना के नियम में सम्मिलित कर लेंगे। इस मास ३, ४, ५, १३, १४, २२, २३, ३०, ३१ दिनांक नेष्ट रहेगी।

जनवरी

इस मास आप शांति व सौहार्द की खोज में आध्यात्मिक व धार्मिक चीजों की ओर झुकने लग जाएंगे। अधिक आशावादी होने का प्रयास करें, इससे आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नकारात्मक भाव जैसे डर, ईर्ष्या, जलन, नफरत व बदले की भावना से स्वयं को दूर रखें। आर्थिक रूप से यह माह सामान्य रहेगा। संघर्ष व मेहनत से ही आप इस दौरान पैसे कमा पाएंगे। अनावश्यक चीजों पर खढ र्च न करने की आपको सलाह दी जाती है। वहीं दूसरी तरफ सेहत संबंधी कुछ समस्याएं आपके जीवनसाथी को परेशान कर सकती हैं। तो ऐसे में दवा आदि में आपका खढ र्च होगा जिससे बजट बिगड़ जाएगा। इस माह निजी संबंधों में बहस व लड़ाई के कारण अशांति रह सकती है। परिवार के कुछ सदस्य आपके फैसले से ना खुश हो सकते हैं। विद्यार्थियों का शिक्षा में प्रदर्शन उत्तम रहेगा। कुछ लोग को आत्म-विश्वास में कमी भी महसूस हो सकती है। इन सबके अलावा आपकी गलत व खढ राब भाषा शैली से भी समस्याएं बढ़ सकती हैं। इस मास १,९, १०, ११,१९, २०, २७, २८ दिनांक नेष्ट रहेगी।

फरवरी

इस माह कलात्मक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी और इससे जुड़ी गतिविधि यों में आप भाग लेंगें। जीवनसाथी से आपका रिश्ता इस दौरान और भी ज्यादा मजबूत होगा और आपके व आपके साथी के बीच प्यार बढ़ता जाएगा। नये स्थलों का भ्रमण भी हो सकता है। आपके जीवन साथी इस माह आपके जीवन में बडी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे और आपकी सफलता में अपना योगदान देंगे। शादीशुदा जीवन शांति व खुशी के साथ आगे बढ़ता रहेगा और आप दोनों अपना समय आनंदपूर्वक साथ-साथ बिताएंगे। परन्तु परिवार में कुछ विवाद भी उत्पन्न हो सकते हैं। परिवार के सदस्यों के साथ आपका रिश्ता गलतफहमियों के कारण बिगड़ सकता है। विद्यार्थियों को इस मास सफलता प्राप्त होगी। परिणाम का यदि इंतजार कर रहे हैं तो इस दौरान आपको काफी अच्छे अंक प्राप्त होंगे। लेखकों व कलाकारों के लिए समय अच्छा है। उनके रचनात्मक कार्यों की प्रशंसा की जाएगी। इस मास ५, ६, ७, १५, १६, २३, २४ दिनांक नेष्ट रहेगी।

कन्या राशि (टो पा, पी, पू,ग्रा, ण, ठ, पे, पो)

मार्च

यह महीना कन्या राशि के जातकों के लिए सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर रहेगा। आपका आकर्षक व्यक्तित्व लोगों को अपनी ओर आकर्षित करेगा। इस अवधि में आपके द्वारा विवेकपूर्ण तरीके से लिए गए फैसलों से अच्छे परिणाम प्राप्त होने की संभावना है। आपका पारिवारिक जीवन हर्ष और उल्लास से भरा होगा और आप परिजनों के साथ अच्छा समय बिताएंगे। इसके अतिरिक्त जीवनसाथी के साथ आपका बंधन और भी मजबूत होगा एवं आप दोनों एक साथ अच्छा समय व्यतीत करेंगे। इस माह आपको मिलने वाली सफलता से आपके माता-पिता बहुत प्रसन्न होंगे। साथ ही उनकी ओर से मिलने वाला स्नेह और सहयोग आपके लिए लाभकारी रहेगा। इस माह आपके माता-पिता को भी कोई अप्रत्याशित लाभ मिलने की संभावना है। कुछ विवाहित जोड़े मिलकर कोई संपत्ति खरीद सकते हैं। परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्र या परिणाम का इंतजार कर रहे छात्र, दोनों के लिए यह समय अच्छा रहने वाला है। इस अवधि में आपको सफलता प्राप्त होगी। नए दोस्त बनने से सामाजिक प्रभाव बढेगा । दोस्तों और परिजनों के बीच आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी। इस मास २२, २३, ३०,३१ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

अप्रैल

इस महीने की शुरुआत आपके लिए बेहद अच्छी रहेगी। व्यक्तिगत जीवन व कार्यक्षेत्र में आप सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ेंगे। व्यक्तिगत जीवन में आप सौहार्दपूर्ण रिश्तों का आनंद लेंगे। इस माह आपका झुकाव आध्यात्मिक और धार्मिक कार्यों के प्रति अधिक होगा और आप इन कार्यों में सम्मिलित होंगे। कार्यस्थल पर अच्छा काम करने के कारण आपको पदोन्नति मिलने की संभावना है। सहकर्मी और वरिष्ठ अधिकारी आपके काम की प्रशंसा करेंगे। परन्तु कार्यक्षेत्र में साथ काम करने वाले लोगों से विवाद करने से बचें। भाई-बहन के साथ कर रहे व्यापार में लाभ की प्राप्ति होगी। इस माह आप कड़ी मेहनत से ढेर सारा धन कमाएंगे और आपको तरक्की के कई अवसर प्राप्त होंगे। यदि आप एक छात्र हैं तो परीक्षा में अच्छे अंक लाने के लिए आपको पूरी एकाग्रता के साथ पढ़ना होगा। इस मास ९,१०, १८,१९, २७,२८ दिनांक नेष्ट रहेगी।

मई

यह महीना कन्या राशि के जातकों के लिए अच्छा रहेगा। इस अवधि में आप काम और वित्तीय मामलों को लेकर सुखद स्थिति का अनुभव करेंगे। कार्यस्थल पर आप अपने काम और बेहतर प्रदर्शन से अधिकारियों को प्रसन्न कर देंगे। इसके फलस्वरुप ऑफिस में आपको विशेष जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है, साथ ही आपको मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। आर्थिक मोर्चे पर इस माह धन का आवागमन अच्छा रहेगा और आप

सुखमय जीवन व्यतीत करेंगे। इस अवधि में आप जो भी निवेश करेंगे उससे लाभ की प्राप्ति होगी। व्यापार को बढ़ाने के लिए यह समय बिल्कुल उपयुक्त है। परिवार में शांति, सद्भाव, स्नेह और एकता बनी रहेगी। आपके घर का वातावरण बहुत ही अच्छा रहेगा। इसके अलावा आपका वैवाहिक जीवन भी बहुत सुखमय रहेगा। आप दोनों के रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी। सार्वजनिक जीवन में लोग आपके सकारात्मक व्यक्तित्व से प्रभावित होंगे और इससे आपकी लोकप्रियता में वृद्धि होगी। इस मास ६, ७, १५, १६, २४, २५ दिनांक नेष्ट रहेगी।

जून

इस माह कन्या राशि के जातक भाग्यशाली और खुशी रहेंगे। आप पर्सनल और प्रोफेशनल दोनों क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। इस अवधि में आप आवश्य निर्णय लेने हेतु साहस और बुद्धि से काम लेंगे। कार्यस्थल पर सफलता प्राप्त करने के लिए आप बेहतर प्रयास करेंगे और निश्चित ही आपको अपनी मेहनत का परिणाम मिलेगा। कार्य में अधिक व्यस्त रहने के कारण आप परिवार को ज्यादा समय नहीं दे पाएंगे। जीवनसाथी से आपके रिश्ते अच्छे बने रहेंगे लेकिन काम से समय निकालकर उनके साथ कुछ समय व्यतीत करें तो यह आपके संबंधों के लिए बेहतर होगा। बच्चे पढ़ाई-लिखाई में बहुत ही अच्छा प्रदर्शन करेंगे। वे अपनी क्षमता और योग्यता के अनुसार आगे की पढ़ाई के लिए विषय चयन कर सकते है। यदि आप छात्र हैं तो इस महीने ऊर्जा से भरपूर रहेंगे और समय का भरपूर प्रयोग करेंगे। इस मास २, ३, १२, २०, २१, २९, ३० दिनांक नेष्ट रहेगी।

जुलाई

इस महिने आपकी पदोन्नति और वेतन में बढ़ोत्तरी भी हो सकती है। वहीं पारिवारिक जीवन भी इस माह अच्छा रहने वाला है। इस महीने आपको भाग्य का सहयोग प्राप्त होने वाला है। कार्यस्थल पर आप अपने अच्छे प्रदर्शन से सबको आश्चर्यचकित कर देंगेइस दौरान आप परिवार के साथ यात्रा पर जा सकते हैं और उनके साथ अच्छा समय व्यतीत करेंगे। इस माह घर पर शादी-विवाह व अन्य मांगलिक कार्यों का आयोजन संभव होगा। इस माह धन का आवागमन अच्छा रहने से आपको किसी प्रकार के आर्थिक संकट का सामना नहीं करना पड़ेगा, लेकिन जोखिम भरे मामलों में निवेश करने से बचें। निवेश करने से पहले अच्छी तरह शोध कर लें। आप उत्साह और आत्म विश्वास से भरपूर रहेंगे इसलिए सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ें। अगर बात करें आपके बिजनेस की तो, आपका व्यावसायिक साझेदार असंतुष्ट दिखाई दे सकता है इसलिए सभी मतभेदों को सुलझाएं और नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ें। अंत में इस माह सेहत को लेकर कोई लापरवाही नहीं बरतें। यदि किसी बीमारी से पीड़ित हैं तो नियमित जांच और परामर्श लें। इस मास १, ९, १०, १७, १८, २७, २८ दिनांक नेष्ट रहेगी।

अगस्त

यह महीना आपके पिता के लिए अच्छा रहेगा। इस अवधि में उनकी स्थिति मजबूत रहेगी और उन्हें प्रसिद्धि मिलेगी, साथ ही समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। परोपकारी कार्यों में उनकी सहभागिता रहने से उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा में वर्शद्धि होगी। पारिवारिक जीवन में शांति और सद्भाव बना रहेगा। परिवार के प्रत्येक सदस्यों से आपको स्नेह और सहयोग मिलेगा। यह समय आपके लिए अत्यंत शुभ रहेगा। इस दौरान आपको माता-पिता से भौतिक सुखों की प्राप्ति होगी। महीने के अंतिम दिनों में जीवनसाथी/प्रियतम के साथ आपके संबंध मजबूत होंगे। जीवनसाथी की सेहत आपके लिए चिंता का कारण बन सकती है, इसलिए उनका विशेष ध्यान रखें। यह समय किसी भी तरह का लोन या कर्ज लेने के लिए उपयुक्त नहीं है, अत: सावधान रहें क्योंकि इस दौरान वित्तीय नुकसान हो सकता है। इस मास ५, ६, १४, १५, २३, २४ दिनांक नेष्ट रहेगी।

सितम्बर

यह महीना विशेषकर कन्या राशि की महिला जातकों के लिए अच्छा नहीं रहेगा। इस माह उन्हें कुछ शारीरिक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है, इसलिए अपना ध्यान रखें और डॉक्टर से परामर्श लेते रहें। आप अपने व्यक्तिगत जीवन में कुछ परेशानियों को महसूस करेंगे। वहीं कार्यस्थल पर सहकर्मीयों व वरिष्ठों के साथ अच्छे संबंध बनाकर चलें। कार्यक्षेत्र में किसी की बुराई करने से बचें और सभी से विनम्रता से बात करें। महीने के उत्तरार्ध में रिश्तों को लेकर अपना दृष्टिकोण साफ रखना होगा। आपकी उन्नति में जीवनसाथी का महत्त्वपूर्ण योगदान होगा और आपका वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा। इस माह आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी और यदि आप किसी योजना में निवेश करेंगे तो आपको इससे अच्छा लाभ होगा। इस मास २,३, १०, ११, १९, २०, २१, २९, ३० दिनांक नेष्ट रहेगी।

अक्टूबर

कन्या राशि के जातक इस महीने स्वस्थ रहेंगे हालांकि मानसिक रूप से थोड़े परेशान रह सकते हैं। इस कारण उनकी एकाग्रता और सोचने की क्षमता पर प्रभाव पड़ेगा, इसलिए नकारात्मक विचारों को अपने ऊपर बिल्कुल हावी नहीं होने दें। मानसिक शांति के लिए आपको योग व प्राणायाम का सहारा लेना चाहिये। इस माह वैवाहिक जीवन में विषम परिस्थितियां उत्पन्न होगी। इस दौरान छोटा मतभेद भी किसी बड़े विवाद का कारण बन सकता है। महीने के उत्तरार्ध में भी आपको वैवाहिक जीवन में चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, इसलिए सावधान रहें। वहीं इस माह पारिवारिक संबंधों में भी आपको उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ सकता है। इस दौरान आपका अपने साझेदार से विवाद हो सकता है। वे जातक जो अकेले हैं इस माह किसी दर्शनीय स्थल की यात्रा कर सकते हैं। इस माह कन्या राशि के जातक व्यर्थ के कामों में अपनी ऊर्जा नष्ट नहीं करें बल्कि

अपना ध्यान लक्ष्य की ओर रखें। कार्यक्षेत्र में उन्नति इस माह अच्छी रहने वाली है और पदोन्नति के योग बन रहे हैं। आर्थिक मामलों में आंख मूंदकर किसी पर विश्वास ना करें, यह आपके लिए बेहतर होगा। इस मास ७,८, १७, १८, २६, २७ दिनांक नेष्ट रहेगी।

नवम्बर

यह महीना कन्या राशि के उन छात्रों के लिए अच्छा रहने वाला है, जो कलात्मक विषय की पढ़ाई कर रहे हैं। इस अवधि में वे अपने अंदर छुपी हुई प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे और प्रशंसा पाएंगे। वहीं दूसरी ओर इस माह आपकी आर्थिक स्थिति और बेहतर होगी एवं आप कोई नई संपत्ति खरीद सकते हैं। इस दौरान आपके खर्चों में अत्यधिक वशद्धि भी होगी। कन्या राशि के वे जातक जो विदेशों में काम कर रहे हैं उन्हें कार्य स्थल पर परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है, अत: वे धैर्य से काम लें। क्योंकि इस अवधि में जो भी विवाद व मतभेद सामने आएंगे वे जल्द ही हल हो जाएंगे। वे जातक जो इस माह विदेश जाने की योजना बना रहे हैं उन्हें अभी अपने इस विचार को त्याग देना चाहिए। क्योंकि यह महीना विदेश यात्रा के लिए उपयुक्त नहीं है। आपको कई अच्छे अवसर मिलेंगे लेकिन अच्छा अवसर सही समय पर ही आएगा। पारिवारिक जीवन में तनाव और विवाद की संभावना है। घर में जीवनसाथी और परिजनों के साथ मनमुटाव हो सकता है, इसलिए सभी मतभेदों को धैर्य और परिपक्वता के साथ निपटाएं। इस मास ४, ५, १३, १४, २३, २४ दिनांक नेष्ट रहेगी।

दिसम्बर

इस महीने कन्या राशि के जातकों को कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। आपके आत्मविश्वास में वशद्धि होगी और काम में सफलता मिलने से आप प्रसन्न रहेंगे। विदेशी संपर्क और संबंध आपके लिए लाभकारी होंगे और उनक द्वारा आपको अच्छा लाभ मिलने की संभावना है। छोटे भाई-बहनों के लिए यह महीना अच्छा रह सकता है क्योंकि इस दौरान उच्च शिक्षा के लिए उनके विदेश जाने की संभावना बन रही है लेकिन इस संबंध में थोड़ी सावधानी बरतें। आप मानसिक रूप से बेहद खुश रहेंगे और आपके उत्साह में वशद्धि होगी। माँ का स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, पुराने रोग शान्त होंगे। सामाजिक कार्यों में उनकी सहभागिता रहने से उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी, साथ ही वे आर्थिक रूप से आपकी मदद भी करेंगी। इस महीने आप तीर्थदर्शन के लिए जा सकते हैं। इस महीने आपकी सेहत अच्छी रहेगी लेकिन नियमित व्यायाम करना आपके लिए और भी लाभकारी रहेगा। इस मास १,२, १०,११, २०, २१, २८, २९ दिनांक नेष्ट रहेगी।

जनवरी

इस महीने में कन्या राशि के जातकों को स्वास्थ्य संबंधी समस्या का सामना करना पड़ सकता है, विशेष रूप से पेट से जुड़ी कोई बीमारी परेशान कर सकती है। इसलिए अपने खानपान पर विशेष ध्यान दें। मुंह में छाले, घाव और नेत्र संबंधी पीड़ा भी हो सकती है। पारिवारिक जीवन इस माह अच्छा रहने वाला है। घर-परिवार में खुशियां बनी रहेगी और आप परिजनों के साथ अच्छा समय व्यतीत करेंगे। जीवनसाथी आपको कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगा और आप दोनों के बीच अच्छे संबंध रहेंगे। कार्य स्थल पर आप कठिन परिश्रम करेंगे और आपको सफलता प्राप्त होगी। इस माह विरोधी आपको चोट पहुंचाने की कोशिश करेंगे लेकिन वे सफल नहीं हो पाएंगे। इस माह आप अपना सारा उधार चुका देंगे और आपकी वित्तीय स्थिति में मजबूती आएगी। शेयर बाजार में पूंजी निवेश करने से बचें अन्यथा बड़ा नुकसान उठाना पड़ सकता है। वे छात्र जो उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाने की योजना बना रहे हैं उन्हें सलाह की आवश्यकता होगी। इसलिए सही मार्गदर्शन और सुझाव लेकर ही आगे बढ़ें। इस मास ७, ८, १७, १८, २५, २६ दिनांक नेष्ट रहेगी।

फरवरी

इस महीने में कन्या राशि वाले जातकों को को किसी भी तरह की आर्थिक चुनौतियों का सामना नहीं करना पड़ेगा, बल्कि इस अवधि में उन्हें अच्छा लाभ होने की संभावना है। क्योंकि इस दौरान किए गए निवेश से अप्रत्याशित लाभ होगा। यदि आपने प्रॉपर्टी में कोई निवेश किया हो तो बड़ा लाभ मिलने से आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, साथ ही जीवनसाथी की ओर से मिलने वाले आर्थिक योगदान से परिवार की आय में वशद्धि होगी। इस माह आपको व्यवसाय में भी सफलता मिलने के योग हैं। इस समय अवधि में भाई-बहन या दोस्तों के साथ मिलकर किसी बिजनेस की शुरुआत करना आपके लिए लाभकारी हो सकती है। जो जातक साझेदारी में व्यवसाय कर रहे हैं उन्हे साझेदार की मदद से लाभ की प्राप्ति होगी। इस मास आपके दयालु स्वभाव और मधुर वाणी के कारण आपकी प्रशंसा होगी। इस मास ३, ४, १३, १४, २१, २२ दिनांक नेष्ट रहेगी।

तुला राशि (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते)

मार्च

कला विषय के छात्रों के लिए यह महीना अच्छा रहेगा। इसमें आपकी कलात्मक शैली का विकास होगा और करियर में आपको इसका लाभ मिलेगा। इस दौरान इंजीनियरिंग क्षेत्र से संबंध रखने वाले जातकों को अधिक सफलता मिलने के योग हैं। यदि आप निजी क्षेत्र में प्रबंधन में करियर की सोच रहे हैं तो इसमें आपको चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। व्यापार में साझेदारी से आपको मुनाफा प्राप्त होगा। पैतृक कारोबार में आपकी सभी बाधाएँ दूर होंगी। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और लगन से प्रतिष्ठा प्राप्त होगी और पदोन्नति भी संभव है। आपके वरिष्ठ जन हर संभव आपकी मदद को तैयार रहेंगे। आप थोड़े सावधान रहें और ज्यादा अफवाहों पर ध्यान न दें। धैर्य के साथ किसी समस्या का समाधान करें। इस मास २२, २३, ३०,३१ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

अप्रैल

इस महीने आप अपने कार्य पर ज्यादा ध्यान देंगे और इस कारण आप अपने पारिवारिक जीवन को कम समय दे पायेंगे। जीवनसाथी के साथ आपके आपके रिश्ते तनावपूर्ण हो सकते हैं, लिहाजा ऐसी स्थिति को न आने दें और अपने पारिवारिक व व्यावसायिक जीवन के बीच सामंजस्य बिठाने का प्रयास करें। कार्यक्षेत्र में यह माह आपके लिए आसान नहीं है। इसमें आपको चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। सहकर्मियों से भी आपके रिश्ते बिगड़ सकते हैं। इस दौरान आप सभी के साथ अपना मधुर व्यवहार बनाए रखें और किसी को अपशब्द न कहें। व्यापार की दरुष्टि से यह महीना आपके लिए अच्छा रहेगा परंतु व्यापार में साझेदार के साथ आपकी बन नहीं रही है तो आपको इस समस्या का समाधान निकालना होगा। स्वास्थ्य पक्ष से आपको इस महीने थोड़ा सावधान रहने की आवश्यकता है। किसी दुर्घटना से आपको चोट भी लग सकती हैं। वाहन चलाते समय जल्दबाजी न करें और अधिक गति से गाड़ी न चलाएँ। वहीं अपने पिताजी की सेहत का भी खढ्याल रखें। घर में परिजनों से आपके संबंध अच्छे रहेंगे। इस मास ८, ९, १०, १७, १८,१९, २६, २७,२८ दिनांक नेष्ट रहेगी।

मई

इस महीने आप अपने कार्य को नये उत्साह से व बड़े ही कलात्मक ढंग से करेंगे। नई-नई चीजों को सीखने जानने के लिए आप लालायित रहेंगे और अपनी प्रतिभा का विकास करेंगे। आपकी कलात्मक शैली की प्रशंसा होगी और यह प्रशंसा आपको ऊर्जावान बनाएगी। अपने उत्कृष्ट कार्य से आपको भी प्रसन्नता होगी। कार्टूनिस्ट, समीक्षकों, लेखकों और व्यंगकारों के लिए यह माह उत्तम रहेगा। उन्हें अपने क्षेत्र में विशेष सफलता मिलने के योग हैं। माह के दूसरे चरण के बाद कार्यक्षेत्र आपको अपने वरिष्ठकर्मियों के साथ अच्छे संबंध बनाकर रखना होगा। आपके घरेलू जीवन में कोई मांगलिक कार्य के होने संभावना दिखाई दे रहे हैं। विवाहित जोड़ों को संतान प्राप्ति के भी योग हैं। इस मास ६, ७, १४, १५, १६, २३, २४, २५ दिनांक नेष्ट रहेगी।

जून

जून माह आपके लिए उत्तम रहेगा। आपके घर का वातावरण सामान्य रहेगा और रिश्तों को सुधारने में भी आपको सफलता मिलने की संभावना है। हालाँकि छोटे-मोटे विवाद सामने आ सकते हैं परंतु आपको इसमें चिंता करने की जरुरत नहीं है। कार्यक्षेत्र में सफलता पाने के लिए आप अधिक परिश्रम करेंगे। नौकरी में आपकी आय में वरुद्धि होने के योग हैं और यदि आप अपनी वर्तमान नौकरी में परिवर्तन करने का विचार कर रहे हैं तो समय आपके लिए अनुकूल है। इस महीने में आपको शुभ परिणामों की प्राप्ति होगी। कुछ लोगों को कार्यक्षेत्र में बहुत ही अच्छा वातावरण देखने को मिलेगा। पढ़ाई पूरी कर चुके छात्रों को नौकरी प्राप्त होगी। इस माह आप अधिक ऊर्जावान रहेंगे और आपके अंदर सकारात्मक उत्साह दिखाई देगा। अपने उद्देश्यों को भी आप पूरा करेंगे। इस मास २, ३, ११, १२, २०, २१, २९, ३० दिनांक नेष्ट रहेगी।

जुलाई

जुलाई माह तुला राशि के जातकों के लिए सामान्य रहेगा। आर्थिक दरुष्टि से जुलाई मास आपके लिए ज्यादा अनुकूल नहीं है। आपके खढ चों में वरुद्धि की संभावना है। साथ ही आपके सामने आर्थिक संकट की स्थिति भी आ सकती है। अपने अनावश्यक खढ चों में लगाम लगाएँ और धन की बचत पर ध्यान दें। आपकी निजी समस्या आपके कार्यक्षेत्र को प्रभावित कर सकती है। अपने कार्य में ध्यान दें और तनाव को अपने ऊपर हावी न होने दें। इस दौरान आपकी ऊर्जा में कमी देखी जा सकती है। पढ़ाई में बच्चों का कमजोर प्रदर्शन आपके तनाव का कारण बन सकता है। वहीं यदि आप व्यापार में साझेदारी कर रहे हैं तो सावधान रहने की आवश्यकता है, क्योंकि इस दौरान आपको धोखा हो सकता है। मन में नकारात्मक विचारों को कढ तई जगह न दें और विपरीत परिस्थितियों का डटकर सामना करें। अपनी वाणी में संयम रखें। इस मास १, ८, ९, १०, १७, १८, २७, २८ दिनांक नेष्ट रहेगी।

अगस्त

आर्थिक दरुष्टि से तुला राशि के जातकों के लिए अगस्त माह अच्छा रहेगा। यदि आप अपने बेवजह के व्यय पर लगाम लगाएंगे तो आपको इसमें और भी अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। अपनी आर्थिक स्थिति को और मजबूत बनाने के लिए आपको इस मास प्रयास करने होंगे। धन संबंधित क्षेत्र में किसी पर विश्वास करना आपके लिए नुकसानदायक रह सकता है। पारिवारिक जीवन में भी आपको सावधान रहना होगा। जीवनसाथी और परिवार के अन्य सदस्यों के सामने कोई बड़ी चुनौती आ सकती है। आप अपने परिवार से दूर भी जा सकते हैं। प्रेम संबंधों हेतु यह मास शुभ रहने वाला है। निजी जीवन में आने वाली समस्याओं के समाधान के लिए बड़े-बजुर्गों की सलाह लें। स्वास्थ्य की दरुष्टि से यह मास आपके लिए सामान्य रहेगा। स्वस्थ रहने के लिए आप योग व ध्यान कर सकते हैं। अपनी ऊर्जा को सही दिशा में लगाएँ और अपने लक्ष्य पर ध्यान दें। इस मास ४, ५, १३, १४, १५, २३, २४ दिनांक नेष्ट रहेगी।

सितम्बर

सितम्बर माह तुला राशि के जातकों के लिए महत्वपूर्ण रहेगा। इस महीने आपको अपने भाग्य को सुधारने के कई अवसर प्राप्त होंगे। इस माह लंबी अथवा छोटी दूरी की यात्रा आपके योग में है। निजी अथवा व्यवसाय संबंधित कारणों से आप विदेश

यात्रा पर भी जा सकते हैं। जो छात्र अनुसंधान एवं विकास संबंधी विषय से जुड़े हुए हैं उन्हें अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। आर्थिक क्षेत्र में आपको उतार-चढ़ाव की परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। अचानक लाभ अथवा हानि संभव है। इस माह मित्रों के सहयोग से व्यापार करना आपके लिए लाभकारी रहेगा। आपको अपने पैतश्क व्यवसाय मे समझदारी से फैसले लेने होंगे। वैवाहिक जीवन में आपको चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। जीवनसाथी के साथ किसी प्रकार का विवाद भी संभव है। अपने जीवनसाथी की भावनाओं का ध्यान रखें और उनके साथ अधिक से अधिक समय बिताएँ। अपने प्रेम जीवन पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है। कोई आपको धोखा दे सकता है इसलिए आप सतर्क रहें। इस मास १, २, १०, ११, १९, २०, २१, २९ दिनांक नेष्ट रहेगी।

अक्टूबर

इस साल अक्टूबर माह की शुरुआत में तुला राशि के जातकों के खढ र्च में वृद्धि संभव है। आपके लिए अच्छा तो यह रहेगा कि आप अपने व्यर्थ के खढ र्चो पर नियन्त्रण करें और धन का व्यय समझदारी के साथ करें। इस दौरान न तो किसी से उधार लें और न ही किसी को उधार दें। आपके पारिवारिक एवं निजी संबंधों में कमी रह सकती है और इस अवस्था से आपको उभरने के लिए काफी प्रयास करने होंगे। स्वास्थ्य की दृष्टि से इस महीने आपको ज्यादा सावधान रहने की आवश्यकता है। इस महीने आपको ज्वर और संक्रमण रह सकता है। इसके अलावा आपको चोट भी लग सकती हैं। आपको अजीर्ण की भी शिकढ यत रह सकती है इसलिए अपने खढ ान-पान पर भी विशेष ध्यान दें। माह का दूसरा चरण स्वास्थ्य के लिहाज से अच्छा है। इसमें आपके निजी संबंध भी सुधरते हुए नजर आएंगे। इस दौरान आप सकारात्मक भाव से सोचेंगे। इस मास ७, ८, १७, १८, २६, २७ दिनांक नेष्ट रहेगी।

नवम्बर

तुला राशि के जातकों के लिए नवम्बर माह थोड़ा प्रतिकूल रहेगा। इस महीने आपको हर क्षेत्र में थोड़ा ध्यान रखना होगा। आपके पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन में परिस्थितियाँ आपके विपरीत हैं। यदि आपने इन परिस्थितियों को सुधारने का प्रयास नहीं किया तो आपके रिश्ते में समस्या पैदा हो सकती है। यदि आपने समझदारी के साथ कदम बढ़ाया तो ऐसी परेशानियाँ नहीं आएंगी। संतान पक्ष से आपको कोई सुखद समाचार प्राप्त हो सकता है। पढ़ाई में उनकी सफलता आपकी खुशियों का कारण बनेंगी। नई विद्याओं को सीखने में आपकी रुचि बढ़ेगी और आप अपने काम को और कलात्मक तरीकढे से करेंगे। आपके आत्मविश्वास एवं साहस में वशद्धि होगी। इस माह आपके आसपास एक सकारात्मक वातावरण पैदा होगा। नौकरी क्षेत्र से जुड़े जातकों के लिए यह महीना विशेष रहने वाला है। आपके कार्यों की प्रशंसा होगी और आपकी पदोन्नति के भी योग बनेंगे। किसी क्षेत्र में किया गया निवेश आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगा। इस मास स्टॉक मार्केट में निवेश करने से भी अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। इस मास ३, ४, ५, १३, १४, २२, २३ दिनांके नेष्ट रहेगी।

दिसम्बर

दिसंबर मास तुला राशि के जातकों के लिए उत्तम रहेगा। अपने कार्यक्षेत्र में आपको आगे बढ़ने की कई अवसर प्राप्त होंगे। कार्यक्षेत्र में आपको सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे। अपने कार्यक्षेत्र में अनुकूल स्थिति रहेगी। विद्यार्थी अपनी शिक्षा के साथ-साथ आजीविका हेतु नौकरी आदि भी कर सकते हैं। पिताजी को विशेष लाभ होगा। सामाजिक रूप से भी यह मास उत्तम रहेगा। परन्तु वैवाहिक जीवन में कुछ समस्याएँ आ सकती है। इस दौरान जीवनसाथी की भावनाओं को समझने का प्रयास करें व उसके अनुसार व्यवहार करें। अपने घर में कुछ नवनिर्माण का कार्य इस महीने करा सकते हैं। जो जातक कला क्षेत्र से संबंध रखतें है उनको सफलता मिलने के योग हैं। इस मास आपको धन और प्रतिष्ठा दोनों प्राप्त होगी। इस मास १, २, १०,११, २०, २१, २८, २९ दिनांक नेष्ट रहेगी।

जनवरी

यह मास तुला राशि के जातकों के लिए अनुकूल रहने वाला है। यदि आप छात्र है तो इस माह में आपको अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। विदेश में शिक्षा पाने की इच्छा रखने वाले छात्रों की इच्छा पूर्ण होगी। आपके पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन में खढ ुशियों का आगमन होगा। प्रेम जीवन अच्छा रहेगा। आप अपने जीवनसाथी अथवा प्रेमसाथी के साथ मधुर पल व्यतीत करेंगे। परिजनों से वार्तालाप करते समय आप अच्छे शब्दों का चयन करें। घर में किसी को ऐसी बात न बोलें जिससे उन्हें ठेस पहुँचे। इस माह आपको अपने पुराने प्रयासों का शुभ परिणाम प्राप्त होगा और आपके सभी काम पूर्ण होंगे। आपकी रुचि आध्यात्मिक क्रियाओं की ओर बढ़ेगी। सामाजिक जीवन में आपको कई अवसर प्राप्त करेंगे जिससे आपको अच्छी पहचान मिलेगी। फलस्वरूप सोसायटी में न केवल आपका रुतबा बढ़ेगा, बल्कि आपके दोस्तों की संख्या में भी गुणात्मक रूप से वृद्धि होगी। इस मास ७, ८, १५, १६, २४, २५, २६ दिनांक नेष्ट रहेगी।

फरवरी

इस माह में तुला राशि के जातकों के सामने उतार-चढ़ाव भरी परिस्थितियाँ रहेगी। घर का माहौल अशांत रह सकता है। परिजनों के बीच गलतफहमी, संवाद का अभाव, तनाव आदि रह सकता है। प्रयास करें कि घर में आपका व्यवहार विनम्र रहे और बातचीत के माध्यम से पारिवारिक समस्याएँ को सुलझाने में आप पहल करें। यदि आपके वैवाहिक जीवन में आपको अपने जीवनसाथी पर विश्वास सबल करना होगा एवं उनका आदर-सम्मान करना होगा। इससे आपके वैवाहिक जीवन में खढ ुशियाँ आएंगी। इस

दौरान आपको चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। आप अपने धैर्य को बनाए रखें। प्रेम जीवन के लिए यह माह उत्तम रहने वाला है। अध्ययन क्षेत्र में छात्रों को इस माह अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। पढ़ाई में उनकी मेहनत का उत्तम परिणाम प्राप्त होगा। अपने कार्यक्षेत्र के लिए माह शुभ रहने के संकेत दे रहा है। अपने कार्यक्षेत्र में कड़ी मेहनत करने से आपको और भी ज्यादा फायदा होगा। इससे आपकी आय में वृद्धि होगी और आपकी पदोन्नति भी संभव है। हालाँकि मास के प्रारम्भ में आप थोड़े हताश और निराश हो सकते हैं लेकिन घबराने जैसी कोई बात नहीं है आपकी यह समस्या माह के उत्तरार्ध में समाप्त हो जाएगी। इस मास ३, ४, १२, १३, १४, २१, २२ दिनांक नेष्ट रहेगी।

वृश्चिक राशि (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू)

मार्च

इस महीने में वशश्चिक राशि के जातकों की रुचि योग, आध्यात्म और प्राणायाम के प्रति बढ़ेगी। आपका झुकाव अध्यात्म की ओर होगा और आप आध्यात्मिक क्रियाओं में व्यस्त रहेंगे। यह समय स्वयं के मूल्यांकन के लिए बहुत अच्छा होगा। वहीं वैवाहिक जीवन में जीवनसाथी के साथ अहंकार की वजह से टकराव हो सकता है। कभी बच्चों के साथ आपके वैचारिक मतभेद हो सकते है परिवार के साथ अधिक से अधि क समय व्यतीत करें। इस माह मन की इच्छा के अनुसार काम नहीं होने की वजह से आप थोड़े परेशान रहेंगे। कार्यस्थल पर स्थिरता बनी रहेगी और वरिष्ठ अधिकारी आपके काम की प्रशंसा करेंगे। वे जातक जो प्रिंटिंग और पब्लिशिंग के काम से जुड़े हैं उनके लिए यह महीना अच्छा रहने वाला है। यदि आप किसी के साथ साझेदारी में व्यवसाय कर रहे हैं तो पार्टनर के साथ आपके रिश्ते अच्छे नहीं रहेंगे। हो सकता है कि आप साझेदारी तोड़कर व्यवसाय को अकेले ही संभालें। इस मास १८, १९, २६, २७ दिनांक कुछ कष्टकारक हो सकती हैं।

अप्रैल

इस मास में वशश्चिक राशि के जातकों को पिता या पैतश्क रिश्तों से आर्थिक लाभ और सहयोग प्राप्त होने की संभावना है। अधिक तनाव और चिंताग्रस्त रहने की वजह से आपके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है, इसलिए ज्यादा तनाव नहीं लें। संतान पक्ष से भी कुछ परेशानियां हो सकती हैं। घर में सुख और समशद्धि का वातावरण रहेगा और आपका जीवनसाथी आपकी हरसंभव मदद करेगा। उनके प्यार और लगाव से परिस्थितियां निश्चित ही बेहतर होंगी। भाई-बहन के साथ मिलकर शुरू किए व्यवसाय से लाभ प्राप्त होने की संभावना है। करियर के क्षेत्र में भी आप अच्छा कार्य करेंगे। व्यावसायिक जीवन में स्थिरता बनी रहेगी और लगातार वशद्धि होगी। माह के दूसरे पड़ाव में आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। आपकी नेतशत्व क्षमता आपको और शक्तिशाली बनाएगी एवं आप कुछ अच्छी पहल करेंगे। इस मास ४, ५, १३, १४, २२, २३ दिनांक कुछ कष्टकारक रह सकती है।

मई

यह महीना वशश्चिक राशि के जातकों के लिए आर्थिक रूप से अच्छा रहने वाला है। आप ज्यादा से ज्यादा कमाएंगे और धन की बचत करने में समर्थ होंगे। साथ ही इस माह आपको आय के कई साधन मिलेंगे और धनार्जन होगा। वे जातक जो व्यवसाय कर रहे हैं उन्हें इस महीने बड़ा लाभ होगा। नए प्रतिष्ठान की शुरुआत और व्यवसाय में विस्तार की संभावना भी बन रही है। बैंककर्मी, लेखाधिकारी, आर्थिक और बीमा सलाहकारों के रूप में कार्य कर रहे जातकों के लिए यह महीना बहुत अनुकूल रहेगा। इस अवधि में उन्नति करेंगे और आपकी मांग बढ़ेगी। पारिवारिक जीवन में शांति और सद्भाव बना रहेगा। जीवनसाथी के साथ रिश्ते और भी मजबूत होंगे। बच्चों को मिलने वाली सफलता से आप बेहद खुश रहेंगे। बच्चे पढ़ाई-लिखाई के साथ-साथ अन्य गतिविधियों में भी अच्छा प्रदर्शन करेंगे। नौकरी पेशा और बिजनेस से जुड़ी महिलाओं की तरक्की होगी और उनकी प्रतिष्ठा में वशद्धि होगी। इस मास १,२,११,१२,२०,२१,२९,३० दिनांक नेष्ट है।

जून

वशश्चिक राशि के जातक इस महीने अच्छा प्रदर्शन करेंगे। इस अवधि में आप मनोरंजन और कलात्मक गतिविधि में अपना समय व्यतीत करेंगे। संतान पक्ष की ओर से आप थोड़े चिंतित रहेंगे। क्योंकि बच्चे पढ़ाई-लिखाई में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाएंगे। किशोरावस्था वाले बच्चों पर माता-पिता को अतिरिक्त ध्यान देना पड़ेगा और उनकी संगति का ध्यान रखें। बच्चों का मार्गदर्शन करना होगा। इस महीने वशश्चिक राशि के जातक विचारों से स्पष्ट और आकर्षक व्यक्तित्व के धनी होंगे। संतुलित विचार और दशष्टिकोण से आप स्वयं को बेहतर स्थिति में पाएंगे। यदि आप किसी बड़े निवेश के बारे में विचार कर रहे हैं तो अवश्य करें क्योंकि यह समय आपके लिए उत्तम है। मास के अंत में इस निवेश से बड़ा आर्थिक लाभ मिलने की संभावना है। पारिवारिक जीवन के लिए भी यह माह अच्छा संकेत दे रहा है। आप परिजनों के साथ अच्छे क्षण व्यतीत करेंगे। इस मास मनोरंजक गतिविधियों में व्यस्त रहेंगे। वाचक, वक्ता और मीडिया से जुड़े जातकों के लिए समय बेहद अनुकूल है। इसके अलावा कला, डिजाईन और फिल्म प्रॉडक्शन से जुड़े व्यवसाय वाले लोगों की लोकप्रियता में वशद्धि होगी। इसके अतिरिक्त चित्रकारी और कला से जुड़े लोगों की भी बहुत मांग रहेगी। इस मास ७,८,१६,१७,२५,२६ दिनांक नेष्ट हैं।

जुलाई

वृश्चिक राशि के जातकों के लिए महीने का पूर्वार्ध थोड़ा परेशानी भरा रह सकता है, विशेषकर अपने कार्यक्षेत्र में थोड़ी समस्याएं आ सकती हैं। जीवन के प्रति अरुचि पैदा हो सकती है जो परेशानी का कारण बनेगी लेकिन ये परिस्थितियां ज्यादा दिन तक नहीं रहेंगी। महीने के उत्तरार्ध में आत्मविश्वास और साहस आने से सामान्य हो जाएंगे। इस महीने में कुछ दिन आर्थिक अस्थिरता बनी रह सकती है। व्यर्थ के खर्च करने से बचें और अपने बजट पर ध्यान दें। जीवनसाथी से आपके रिश्ते अच्छे रहेंगे और आप दोनों एक-दूसरे के साथ अच्छा समय व्यतीत करेंगे। जीवनसाथी के स्वास्थ्य को लेकर थोड़ा सावधान रहें। मानसिक शांति भंग होने से अनिद्रा जैसी परेशानी हो सकती है। सकारात्मकता के साथ एकाग्र होकर अपने लक्ष्य पर ध्यान दें। दिमागी खेल जैसे- शतरंज आदि के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करेंगे। इस मास ५, ६, १३, १४, २२, २३ दिनांक नेष्ट है।

अगस्त

वृश्चिक राशि के जातक इस महीने की शुरुआत में अपने लक्ष्यों में परिवर्तन कर सकते हैं। आत्मविश्वास बढ़ने से आपके व्यक्तित्व में मजबूती आएगी और आप सफलता प्राप्त करेंगे। माह के उत्तरार्ध में विश्वास की कमी होने से आपको स्वयं पर संशय होगा। इसकी वजह से आप परेशान रह सकते हैं। इस महीने आपको अपने खर्चों पर नियंत्रण रखना होगा। क्योंकि आपकी उच्च जीवनशैली और इच्छाओं की वजह से आपका खर्च अधिक होगा। आप आय से ज्यादा पैसा खर्च करेंगे। इसके अलावा आप भ्रमित और निराश रहेंगे, साथ ही आप अपनी भावनाओं को व्यक्त करने में असमर्थ रहेंगे। माह के उत्तरार्ध में स्थिति अनुकूल हो जाएंगी। अपनी क्षमता पर आपको पूरा भरोसा होगा और इसकी मदद से आप सफलता प्राप्त करेंगे। आपका जीवनसाथी भी बहुत सहयोगी होगा। नौकरी में आप बेहतर प्रदर्शन करेंगे और उन्हें प्रशंसा मिलेगी। जीवनसाथी आपकी शक्ति का स्त्रोत होगा। इस माह आपका स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है अत: सावधान रहें। इस मास १,२,१०,११,१८,१९,२८,२९ दिनांक नेष्ट रहेगी।

सितम्बर

वृश्चिक राशि के जातक इस महीने अपनी तय धन-संपत्ति अर्जित करने के बारे में सोचेंगे। जबकि दूसरी ओर बेवजह की वस्तुओं पर खर्च करने से आपका बजट बिगड़ सकता है, इसलिए सावधान रहें और किसी भी तरह के आर्थिक संकट से बचने के लिए अधिक से अधिक बचत करें। कार्य स्थल पर आपकी जिम्मेदारियां बढ़ेंगी और वरिष्ठ अधिकारियों को आप से बहुत उम्मीदें होंगी। व्यावसायिक जीवन में आपका कद बढ़ेगा और सम्मान की प्राप्ति होगी। कुछ लोग विदेश यात्रा पर जा सकते हैं। पारिवारिक जीवन में तनाव रहने की संभावना है क्योंकि परिवार के कई लोग आप से नाराज रहेंगे। जीवनसाथी के साथ रिश्तों में तनाव बढ़ने से परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। यदि आप एक छात्र हैं तो शुरुआती संघर्ष के बाद आपको अपने परिश्रम का अच्छा फल मिलेगा। इस मास ६,७,१४, १५, १६, २५, २६ दिनांक नेष्ट रहेगी।

अक्टूबर

वृश्चिक राशि के जातकों को इस महीने अपनी स्वास्थ्य पर ज्यादा ध्यान देने की जरुरत है, इसलिए बेहतर होगा कि आप व्यायाम करें। आप में से कुछ लोग योग सीख सकते हैं। आकर्षक व्यक्तित्व की वजह से आपको प्रशंसा मिलेगी और आपके परिपक्व स्वभाव के कारण आपकी सामाजिक छवि और अच्छी होगी। दूसरी ओर आप बेहद सक्रिय, साहसी और जबर्दस्त ऊर्जा से परिपूर्ण रहेंगे। सकारात्मक ऊर्जा मिलने से आप सफलता और वशद्धि का अनुभव करेंगे। कार्य स्थल पर वरिष्ठ अधिकारी आपके प्रदर्शन से बेहद खुश रहेंगे। इसकी बदौलत आपको उच्च पद की प्राप्ति हो सकती है। यदि कार्य क्षेत्र में आप सोच-समझकर निर्णय लेंगे तो आप बहुत उन्नति करेंगे। वहीं आर्थिक मोर्चे पर आपकी आमदनी संतोषजनक रहेगी लेकिन भौतिक सुख-सुविधाओं को प्राप्त करने के लिए खर्च अधिक होगा। इस मास ३, ४, १२, १३, २२, २३, ३१ दिनांक नेष्ट रहेगी।

नवम्बर

इस मास में वृश्चिक राशि के जातकों को पिता या पैतश्क रिश्तों से आर्थिक लाभ और सहयोग प्राप्त होने की संभावना है। अधिक तनाव और चिंताग्रस्त रहने की वजह से आपके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है, इसलिए ज्यादा तनाव नहीं लें। संतान पक्ष से भी कुछ परेशानियां हो सकती हैं। घर में सुख और समशद्धि का वातावरण रहेगा और आपका जीवनसाथी आपकी हरसंभव मदद करेगा। उनके प्यार और लगाव से परिस्थितियां निश्चित ही बेहतर होंगी। भाई-बहन के साथ मिलकर शुरू किए व्यवसाय से लाभ प्राप्त होने की संभावना है। करियर के क्षेत्र में भी आप अच्छा कार्य करेंगे। व्यावसायिक जीवन में स्थिरता बनी रहेगी और लगातार वशद्धि होगी। माह के दूसरे पड़ाव में आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। आपकी नेतश्त्व क्षमता आपको और शक्तिशाली बनाएगी एवं आप कुछ अच्छी पहल करेंगे। इस मास १, ८, ९, १०, १८, १९, २०, २७, २८ दिनांक नेष्ट रहेगी।

दिसम्बर

यह महीना वशश्चिक राशि के जातकों के लिए थोड़ा संभलकर चलने का है। इस समय में किसी भी तरह का निवेश करने से बचें अन्यथा बड़ा नुकसान हो सकता है। लाभ और धनार्जन की संभावनाएं बनेंगी। यदि आप नौकरी कर रहे हैं तो इस महीने आपको अपनी कड़ी मेहनत का नतीजा अवश्य ही मिलेगा। वेतन वशद्धि के साथ पदोन्नति की संभावना है। संतति के संबंध में आपको बेहद संयम से व्यवहार करना होगा। प्रयास करें कि उनके

साथ विनम्रता से व्यवहार करें, क्योंकि आपके ज्यादा क्रोधित होने के कारण वे नाराज हो सकते हैं। जीवनसाथी के साथ आपका रिश्ते सद्भावपूर्ण रहेंगे। मास के उत्तरार्ध में स्वास्थ्य संबंधी विकार आपको परेशान कर सकते हैं, इसलिए स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही नहीं बरतें। यह समय आप एकांत में व्यतीत करना पसंद करेंगे और आपका झुकाव आध्यात्मिकता की ओर होगा। इस मास ६,७, १६, १७, २४, २५ दिनांक नेष्ट रहेगी।

जनवरी

वृश्चिक राशि के जातकों को इस महीने व्यक्तिगत जीवन पर ध्यान देने की ज्यादा आवश्यकता रहेगी। इसलिए इस दौरान विवादों से बचने का प्रयास करें। क्योंकि इससे आपकी खुशियां और प्रगति दोनों प्रभावित हो सकती हैं। यह महीना आपके लिए भाग्यशाली रहेगा। वे लोग जो नौकरी कर रहे हैं वे कार्य स्थल पर बेहद ऊर्जावान और उत्साहित रहेंगे। आप अपने बेहतर प्रदर्शन से दूसरों को अचंभित कर देंगे। वे लोग जो व्यवसाय कर रहे हैं यदि वे संपत्ति में निवेश करते हैं तो उन्हें अच्छा लाभ होगा। विदेशी स्त्रोतों से भी आपको कोई अच्छी सूचना मिल सकती है जो आपके लिए लाभकारी होगी। विदेश में संपर्क बढ़ने से आपको इसका लाभ मिलेगा। आपका वैवाहिक जीवन उत्साह और सद्भाव से परिपूर्ण रहेगा। जीवनसाथी के साथ मिलकर संयुक्त रूप से कुछ नया करने की संभावना बन रही है। आर्थिक रूप से यह महीना आपके लिए अच्छा रहेगा। आपको किसी तरह के आर्थिक संकट का सामना नहीं करना पड़ेगा और आपकी बचत भी अच्छी रहेगी। इस मास २,३,१२, १३, २१, २२, २९, ३०, ३१ दिनांक नेष्ट रहेगी।

फरवरी

यह महीना वृश्चिक राशि के जातकों के लिए सकारात्मक बदलाव लेकर आएगा। आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने के लिए आप अधिक से अधिक प्रयास करेंगे। इस वर्ष आप आर्थिक योजना बनाने में व्यस्त रहेंगे। वित्तीय मामलों को लेकर आप भाग्यशाली रहेंगे और धन का संचय करने में समर्थ रहेंगे। आपके पिता के लिए भी यह समय अच्छा रहेगा। उन्हें अचानक आर्थिक लाभ हो सकता है। इस वर्ष आपके भाई-बहनों का जीवन भी सुखद रहेगा। वे कार्य क्षेत्र में उन्नति का अनुभव करेंगे। जबकि दूसरी ओर बच्चों के साथ आपका टकराव हो सकता है। विशेषकर वे बच्चे जो घर से बाहर रह रहे हैं, उनके साथ व्यवहार में थोड़ी परिपक्वता दिखाएं। बात अगर जीवनसाथी की करें तो, वे आपकी व्यस्त दिनचर्या को लेकर स्वयं को उपेक्षित महसूस कर सकती हैं। इसलिए अपने जीवनसाथी के साथ अधिक समय व्यतीत करने की कोशिश करें और उनके साथ अच्छी बातें करें। महीने के दूसरे पड़ाव में व्यावसायिक मामलों में अधिक ध्यान देने की वजह से आपके व्यक्तिगत जीवन में कुछ परेशानियां हो सकती हैं। स्वास्थ्य के संबंध से भी यह महीना थोड़ा संभलकर चलने का है इसलिए सावधान रहें। इस मास ८, ९, १०, १७, १८, २६, २७ दिनांक नेष्ट रहेगी।

धनु राशि (ये, यो, भा, भी, भू, ध, फ, ढ, भे)

मार्च

इस मास आध्यात्मिक गतिविधियों में आपकी रुचि बढ़ेगी। आपके जीवन साथी आपसे प्रेरणा पा कर खुद भी अध्यात्म की ओर झुक सकते हैं। वैवाहिक जीवन हेतु मास अच्छा रहेगा। कुछ जातक को इस मास अपने आत्म-विश्वास में कमी महसूस कर सकते हैं तो कुछ पारिवारिक जीवन में तनाव महसूस करेंगे। आर्थिक स्थिति के लिए काफी अच्छा रहेगा और आपका बैंक बैलेंस अच्छा हो जाएगा। भाग्य आपके पक्ष में रहेगा और आपको मेहनत से ज़्यादा कामयाबी मिलेगी। इस माह नई प्रॉपर्टी में आप पूंजी निवेश कर सकते हैं और अचल संपत्ति में भी बढ़ोत्तरी की संभावना है। इस माह कारोबार में भी भारी लाभ की उम्मीद है। इस दौरान बैंक, बीमा क्षेत्र और अन्य ऋण देने वाली एजेंसियों को भी उन्नति प्राप्त होगी। इस उद्योग से जुड़े लोगों को अधिक लाभ होगा। इस मास २०, २१, २८, २९ दिनांक नेष्ट रहेगी।

अप्रैल

दाम्पत्य संबंधों व सामाजिक सहयोग की दरुष्टि से यह मास उत्तम रहेगा। जातक अपने परिवार के साथ अच्छा समय बिताएंगे। व्यावसायिक क्षेत्र में अच्छी सफलता प्राप्त होगी। जीवन साथी को भी अपने कार्यक्षेत्र में सफलता प्राप्त होगी। स्त्री व पुरुष दोनों को इस दौरान मान व सम्मान प्राप्त होगा। मनोवैज्ञानिक विषय में शोध करने वाले छात्र इस माह बहुत अच्छा प्रदर्शन करेंगे। साझेदारी से व्यापार करने वालों को इस दौरान सावधान रहना चाहिये। व्यवसाय में संसाधनों का दुरुपयोग समस्याएं खड़ी कर सकता है। इस महीने की शुरुआत में धनु राशि वालों को आर्थिक रूप से सतर्क रहने की आवश्यकता है। घरेलू व्यय में वरुद्धि होगी जो कि वित्तीय संकट की ओर लेकर जा सकती है लेकिन बेहतर वित्तीय योजना की मदद से आप इन मौद्रिक समस्याओं को आसानी से हल कर सकेंगे। इस मास ६, ७, ८, १६, १७, २५, २६ दिनांक नेष्ट रहेगी।

मई

इस मास असंयमित खान-पान, जीवनशैली के कारण स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां हो सकती हैं। स्वभाव में कठोरता आ सकती सकती है। अत्यधिक कार्यभार के कारण आप उचित आराम नहीं कर पाएंगे, जिस कारण काफी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इस माह जातक को आर्थिक चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। लम्बे समय से फंसा हुआ पैसा वापस मिलने की संभावना है और कर्ज से पीडित जातक इस मास कर्ज से मुक्ति पाएंगे। कोई नया कर्ज लेने से बचें और इस मास किसी नई योजना में पैसा न लगाएं। इस मास जातक अच्छी बचत कर लेंगे लेकिन घरेलू व्यय में वरुद्धि भी हो जायेगी। इस माह पारिवारिक जीवन में अच्छा संतुलन बनाने की आवश्यकता होगी।

परिवार के सदस्यों में आपसी मनमुटाव रह सकता है। न्यायिक सेवा से जुड़े जातकों के लिए यह मास अच्छा रहेगा क्योंकि इस अवधि के दौरान उन्हे सफलता प्राप्त होगी। सामाजिक कार्यो में संघर्ष कार्यकर्ताओं को सम्मान व प्रतिष्ठा मिलेगी। इस मास ४, ५, १३, १४, १५, २२, २३, ३१ दिनांके नेष्ट रहेगी।

जून

औषधि क्षेत्र से संबंधित कार्य करने वाले जातकों को इस मास अच्छा लाभ होगा। लंबे संघर्ष के बाद महिला उद्यमियों को बड़ी सफलता मिलेगी और अपनी परिश्रम के लिए प्रतिष्ठा व पुरस्कार भी प्राप्त होगा। इस मास सन्तान पक्ष से आपके जीवन में खुशी प्राप्त होगी। बच्चों को अध्ययन से संबंधित कोई परेशानी नहीं होगी और वो अपने क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करेंगे। परिवार में शांति व सौहार्द बना रहेगा। जीवनसाथी से संबंध प्रगाढ होगा। स्वास्थ्य के प्रति इस माह सजग रहें क्योंकि लापरवाही बरतने से गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। योग, व्यायाम आदि के लिए भी समय अवश्य निकालें जिससे आप स्वस्थ रह सकें। स्वास्थ्य सेवा से जुड़े व्यवसायी विशेष चिकित्सा के क्षेत्र से जुड़े लोगों को इस मास लाभ प्राप्त होगा। स्वास्थ्य, बीमा से जुड़े जातक भी अपने कार्यों में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। १,२, १०, ११, १८, १९, २७, २८ दिनांक इस मास नेष्ट रहेंगी।

जुलाई

धनु राशि के जातक बच्चों के प्रति थोड़े चिंताग्रस्त हो सकते हैं खासतौर पर उनकी पढ़ाई को लेकर ज्यादा परेशान हो सकते हैं। बच्चों के साथ अपना ज्यादा से ज्यादा समय बिताएंगे और उन्हें उनकी पढ़ाई में मदद करेंगे। इस माह आपके प्रेम संबंध ों में भी टकराव संभव है। आपके लव पार्टनर आपसे नाखुश रहेंगे और आपस में बहस होती रहेगी। इसलिए आपको कोमलता के साथ स्थिति को संभालने का सुझाव दिया जाता है। इस दौरान आपको अपने भाई-बहनों व दोस्तों का पूरा सहयोग मिलेगा जो आपको लाभकारी परिणाम देगा। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। अगर किसी प्रकार का लाभ नहीं मिलेगा तो हानि भी नहीं होगी। निजी या कार्य संबंधी यात्राएं हो सकती हैं। सितारों की चाल कहती है कि प्रतियोगी परीक्षा में बैठने वाले छात्र अच्छा प्रदर्शन करेंगे और अपनी मेहनत से अच्छे नंबर प्राप्त करेंगे। कम्प्यूटर क्षेत्र में कार्य करने वाले तथा नाटक, थिएटर, फिल्म आर्टिस्ट आदि के लिए अच्छा समय है। कार्यक्षेत्र में इस मास सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिलेंगे। मित्रों व बंधुओं से लाभ प्राप्त होगा तथा उनसे सहायता प्राप्त होगी। समाज व लोगों के मध्य विशेष प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। प्रेम संबंध बनेंगे। त्वचा व मुख संबंधि त रोग हो सकता है। इस मास ६, ७, १५, १६, २४,२५, २६ दिनांके नेष्ट रहेंगी।

अगस्त

धनु राशि वालों को इस माह समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। ध न की हानि हो सकती है। परिवार में लडाई-झगडे हो सकते हैं। छोटे भाई बहनों से मनमुटाव हो सकता है। आपस में आप लोगों के बीच कुछ गलतफहमियां उत्पन्न हो सकती हैं जिससे घर के वातावरण में सौहार्द की भावना भंग हो जाएगी। अगर आप संयम के साथ स्थिति को संभालने की कोशिश करेंगे तो माह के अंत तक सब चीजों के सुधरने के आसार हैं। मानसिक परेशानियां अधिक हो सकती हैं। पराक्रम की हानि होगी। वाणी में दोष उत्पन्न हो सकता है। विद्यार्थियों को विद्याप्राप्ति में अधिक परिश्रम करना होगा। जो सरकारी नौकरी कर रहे हैं या फिर सरकारी क्षेत्र से लाभ प्राप्त रहे हैं यह माह आपके लिए चुनौती पूर्ण रहेगा। वैज्ञानिकों व इंजीनियरों के लिए भी ये बिल्कुल उचित समय है। शोध व ज्ञान के प्रति रूचि बढेगी। इस माह आपको अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देना होगा। हृदय रोग या रक्त विकार की समस्या से पीडित लोगों को संभल कर रहने की आवश्यकता है। बाहर या घर में कोई जल्दबाजी न दिखाएं अन्यथा चोट लगने के संभावना हैं। मातृ पक्ष से लाभ हो सकता है। कठिन समय में संयम से काम लें और झगड़ों व विवादों से दूर रहें। इस मास २,३, ११, १२, २१ ,२२, ३०, ३१ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

सितम्बर

नया कार्य आरम्भ करने हेतु धनु राशि वालों के लिए यह महीना काफी शुभ है। व्यापार में उन्नति होगी। वाणी का प्रभाव बढेगा। धन में वृद्धि होगी। नेत्र संबंधी विकार हो सकते है। त्वचा संबंधी विकार भी हो सकते हैं। निजी जीवन में खुशियों की बहार आएगी और भाई-बहन के साथ मिलकर चलने से आपको अच्छे परिणाम मिलेंगे। पिता को कुछ कष्ट हो सकता है। बच्चों पर इस दौरान ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। उन्हें प्यार व स्नेह के साथ रखने की जरूरत है। किशोरावस्था के बच्चों को विशेष रूप से आपके मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है, खासतौर पर बात जब उनके दोस्तों को चुनने की हो। जातक की आर्थिक स्थिति पूरे माह अच्छी रहेगी। परिवार से आय के कई नए स्रोत प्राप्त होंगे और आप समय का आनंद उठाएंगे। इस दौरान खेल-कूद, पुलिस, सेना, रेस्टोरेन्ट से जुड़े व्यक्ति अपने कार्यस्थल पर अच्छा प्रदर्शन करेंगे। चिकित्सा, सर्जरी, हेल्थ व फिटनेस से जुड़े उपकरणों का बिजनेस अच्छा लाभ देगा। कुछ जातक कलात्मकता का भाव अनुभव करेंगे और उस कला का बेहतरीन प्रयोग करेंगे। लेखन व विज्ञापन से जुड़े लोगों के लिए समय शुभ है और इस दौरान उन्हें अनेक नये अवसर प्राप्त होंगे। इस मास ७, ८, ९, १७, १८, २६, २७ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

अक्टूबर

स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। धन प्राप्ति के नए मार्ग खुलेंगे। प्रशासनिक सेवा की तैयारी करने वाले छात्रों को सफलता प्राप्त होगी। पिता को शारीरिक कष्ट हो सकता है। वैवाहिक अड़चन दूर होगी। व्यापारी वर्ग को लाभ होगा। सेना, पुलिस, रेस्टोरेन्ट, मेडिकल संबंधी कार्य करने वालों को लाभ होगा। १८ तारीख के बाद ज्वर, शिरो वेदना पित्त विकार आदि कष्ट हो सकते हैं। धन धान्य की वृद्धि होगी। आप अपने ऊर्जा व उत्साह में वृद्धि

देखेंगे और जो भी कार्य करेंगे, उसमें सफलता हासिल करेंगे। इस माह आपको बार-बार यात्रा पर जाना पड़ सकता है। बाहरी देशों के साथ व्यापार करने वालों को बड़ा मुनाफा हो सकता है। आपका निर्यात से जुड़ा व्यवसाय बढ़ता रहेगा और भविष्य में भी लाभ देगा। सॉफ्टवेयर टेक्नॉलिजी से जुड़े जातकों को भी इस माह लाभ होगा। मर्चेन्ट नेवी या नौसेना से जुड़े लोगों के लिए ये समय काफी अच्छा है। सरकारी फंड से संबंधित परियोजनाओं को संभालने वाले सलाहकारों को विदेश यात्रा का अवसर मिल सकता है। विदेश में काम करने वाले राजनयिकों व संपर्क अधिकारियों के लिए समय अच्छा है। वो अपने कार्य में सफलता हासिल करेंगे। छात्रों के लिए ये माह काफी शुभ है क्योंकि इस दौरान उन्हें सफलता मिल सकती है। उच्च शिक्षा के लिए यदि विदेश जाने की इच्छा रखते हैं तो आपकी ये कामना इस मास पूर्ण हो सकती है। इस मास ४, ५, ६,१४, १५, १६,२४, २५ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

नवम्बर

विद्यार्थीयों को परीक्षाओं में सफलता प्राप्त होगी। व्यापारी वर्ग को लाभ प्राप्ति हेतु अधिक परिश्रम करना होगा। ससुराल पक्ष से कुछ अनबन हो सकती है। विदेश यात्राओं के योग भी बनते हैं। नेत्र संबंधित रोग होने की संभावनाऐ बनती है। राजकीय व राजनैतिक उद्देश्यों हेतु विशेष व्यय हो सकता है। १९ अप्रैल के उपरांत कार्यों में सफलता प्राप्त होगी व स्वास्थ्य लाभ प्राप्त होगा। मान व प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। संगीत, साहित्य, मनोरंजन के प्रति रूचि बढेगी। इस माह खढ चर्चों में वशद्धि आपको मुश्किल में डाल सकती है इसलिए बजट के अनुसार ही चलें। शुरुआत के 15 दिनों तक किसी से भी उधार लेने से बचें और फाइनेंस से जुड़ा अच्छी योजनाऐं बनाएं। तथापि अचल संपत्तियों से लाभ प्राप्त हो सकता है। नई प्रॉपर्टी लेने की संभावनाऐं हैं। पेट में संक्रमण, अपच या अनिद्रा जैसी समस्याएं आपको परेशान कर सकती हैं। बीमारियों के कारण खढ चं संभव है। आपका निजी जीवन संघर्ष व चुनौतियों से भरा रहेगा। वैवाहिक जीवन में टकराव हो सकते हैं जिस कारण आप और आपके जीवनसाथी के मध्य दूरी भी हो सकती है। ऐसी स्थिति में संभलकर रहें । कानूनी मामलों में भी फंस सकते हैं। निजी जीवन में किसी-किसी को अलगाव का सामना भी करना पड़ सकता है। मेडिकल या रिसर्च से जुड़े छात्रों के लिए समय अच्छा है। मातश पक्ष से लाभ हो सकता है। इस मास १,२, १०, ११, १२, २०, २१, २९ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

दिसम्बर

इस मास भाइयों से कुछ अनबन रहेगी। हाथों पर चोट लगने की संभावना है। नौकरों से धोखा हो सकता है। पराक्रम में वशद्धि होगी। वाहन, भूमि, जायदाद का लाभ हो सकता है। विद्यार्थियों को अधिक परिश्रम करना होगा। मधुमेह, पेट रोग, कफ संबंध ी विकार होने की संभावना है। जीवनसाथी का स्वास्थ्य कुछ कमजोर रह सकता है। स्वयं भी सावधानी रखें, दुर्घटना हो सकती है। आध्यात्म की और रूझान बढेगा। भाग्य का सहयोग कम मिलेगा। व्यापारी वर्ग को वस्त्र, प्रसाधन, मनोरंजन सामग्रीयों से लाभ होगा। मांगलिक कार्यों में विशेष व्यय हो सकता है। अपने कार्यों में बड़ी सफलता हासिल करेंगे। कामयाब व्यावसायिक जीवन का आनंद उठाएंगे और अगर आप नौकरी में बदलाव का प्रयास कर रहे हैं तो आपको कुछ अच्छे अवसर प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में ये बदलाव आपके लिए बहुत लाभकारी होंगे और आपके करियर को ऊंचाई देंगे। इस माह प्रमोशन के साथ सैलेरी बढ़ने के भी आसार हैं। अगर आप बिजनेस कर रहे हैं तो उससे भी अप्रत्याशित लाभ की संभावना है। यदि आपका कार्य कला, थिएटर आदि से जुड़ा है तो आपको इस बीच नाम और प्रसिद्धी दोनों मिलेगी। कामकाजी महिलाओं को इस दौरान प्रशंसा, सम्मान व सफलता मिलेगी जिससे उन्हें संतुष्टि की अनुभूति होगी। आपको अपने परिवार विशेष रूप से घर की महिलाओं से पूरा सहयोग प्राप्त होगा। जीवन साथी आपकी जरूरतों को समझेंगे और आपका रिश्ता खुशी व आनंद से भरा रहेगा। जीवन साथी की मदद से आपको अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। सामाजिक तौर पर घुलने-मिलने के लिए समय ठीक है। जीवन में नए दोस्तों के आगमन से खुशियां आएंगी। छात्रों के लिए भी ये माह शुभ रहेगा। विशेष रूप से उन छात्रों के लिए जो कला या चिकित्सा विषयों से जुड़े हैं। इस मास ८, ९, १७, १८, २६, २७ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

जनवरी

धनु राशि के जातको को इस माह भाग्य का साथ मिलेगा और आपका पूरा मास बहुत अच्छा रहेगा। समाज में लोगों से संबंध प्रगाढ होंगे। लोगों से मिलना-जुलना बढ़ेगा जिससे सामाजिक स्थिति अच्छी होगी। पारिवारिक व निजी आय में वशद्धि होगी । शेयर आदि में निवेश न करें बल्कि कोई अन्य सुरक्षित उपाय अपनाएं। इस मास पैसों से जुड़े मामलों में कोई फैसला लेने से पहले एक बार अवश्य चिन्तन कर लें। निजी जीवन की उन्नति हेतु माह आपके लिए अच्छा रहेगा। वैवाहिक जीवन में आनंद बना रहेगा। पारिवारिक माहौल में खुशी बढेगी और आप परिवार के लोगों के साथ अच्छा समय बिताएंगे। कार्यक्षेत्र पर सफलता मिलेगी, विशेष रूप से व्यवसाय करने वालों के लिए समय शुभ है। साझेदारी से किया गया व्यापार भी इस दौरान लाभदायक साबित होगा। व्यवसाय व कार्यक्षेत्र संबंधित विशेष कार्य हेतु विदेश यात्रा की संभावनाऐं बनेंगी व अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। इस मास ४, ५, ६, १३, १४, २२, २३, ३१ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

फरवरी

इस मास धनु राशि के जातकों को अपने कार्यक्षेत्र को बेहतर बनाने हेतु अधि क प्रयास करने होंगे। इस मास क्रोध में गलत शब्दों का प्रयोग कर सकते हैं, जिससे व्यर्थ कलह की संभावनाऐं बनेगी। स्वास्थ्य हेतु प्रारम्भ का आधा महीना अच्छा नहीं जाएगा और छोटी-छोटी स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां हो सकती हैं। लेकिन बाद में आपका स्वास्थ्य

उत्तम हो जाएगा और आप ज़्यादा शक्ति व स्फूर्ति का अनुभव करेंगे। इस माह भाई-बहन के साथ मतभेद हो सकते हैं, परिवार के मुखिया से इस दौरान विवाद की संभावनाएं हैं। पिता का स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है। वकील व सर्जन के लिए ये समय काफी अच्छा है, आप इस दौरान अपने कार्य में सफलता प्राप्त करेंगे। इस मास १,२, १०, ११, १८, १९, २८, २९ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

मकर राशि(भो, जा, जी, (जू, जे, जो, ख) खी, खू, खे, खो, गा, गी)

मार्च

पारिवारिक कारणों से मानसिक क्लेश रह सकता है। जीवन में उथल-पुथल रह सकती है, इसलिए बेवजह के विवादों से बचने की कोशिश करें। जीवनसाथी से भी मतभेद होने की संभावना है। वाणी पर नियन्त्रण रखें। २२ मार्च के उपरान्त वाहन सम्पत्ति आदि सुख साधनों की प्राप्ति होगी। मातश्पक्ष से लाभ होगा। पारिवारिक तनाव का असर आपके कार्य पर भी पड़ सकता है। भाई-बहनों का सहयोग मिलेगा। काम में कुछ ज्यादा ही व्यस्तता रह सकती है अत: अपने परिवार को अधिक समय नहीं दे पाएंगे। यही वजह आपके पारिवारिक जीवन में कलह का कारण बन सकती है। कलात्मक कार्यों में रुचि रह सकती है। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों को अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। प्रॉपर्टी खरीद सकते हैं लेकिन आर्थिक मामलों में थोड़ा संभलकर चलने का समय है। सुख की प्राप्ति होगी। इस मास १८, १९, २६, २७ दिनांक कुछ कष्टकारक हो सकती हैं।

अप्रैल

इस महीने आपको पैतश्क संपत्ति से लाभ मिल सकता है। वहीं मकर राशि के कुछ जातकों को व्यवसाय से अच्छा लाभ होने की संभावना है। कार्य स्थल पर आप बेहतर कार्य करने में सक्षम होंगे और अच्छे काम के लिए आपको सम्मानित किया जाएगा। हालांकि इस माह कार्य स्थल पर सहकर्मियों के साथ कुछ मतभेद भी हो सकते हैं इसलिए अपने व्यवहार में परिपक्वता दिखाएं। पार्टनरशिप में बिजनेस कर रहे है लोगों को अचानक बड़े लाभ की प्राप्ति हो सकती है। अधिक काम करने की वजह से ज्यादा थकान महसूस होगी। इस माह वैवाहिक जीवन में शांति और सद्भाव बना रहेगा। आप परिवार के बीच रहकर जीवनसाथी और बच्चों के साथ अच्छा समय गुजारेंगे। मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्रों को इच्छित सफलता मिलने की संभावना है। डॉक्टर और मेडिकल के क्षेत्र में काम कर रहे लोगों के लिए यह समय बेहद अच्छा है । दुर्घटना की संभावना बनेगी। भाई बहनों को कष्ट हो सकता है। व्यापार में लाभ के योग बनेंगे। माङ्गलिक कार्यों में व्यय होगा। विवाह संबंधित बाधाऐं दूर होगी। ह्दय संबंधी विकार हो सकते है। प्रेम संबंधों में सफलता प्राप्त होगी। उदर संबंधी विकार की भी संभावना है। इस मास ४,५,१३, १४, २२, २३ दिनांक कुछ कष्टकारक रह सकती है।

मई

धन प्राप्ति के नये साधन उत्पन्न होंगे। मातश पक्ष में मामा नाना मौसी इत्यादि को कष्ट हो सकता है। गुदा संबंधित विकार हो सकते हैं। मानहानि से बचे। प्रशासनिक व सरकारी तन्त्र से परेशानी हो सकती है। मशीनरी व विद्युतीय उपकरणों से संबंधित कार्य करने वालों को लाभ होगा। विद्या व संतान प्राप्ति में बाधा हो सकती है। घरेलू कलह हो सकती है। यदि आप सुखमय वैवाहिक जीवन चाहते हैं, तो आपको इस महीने एक-दूसरे के विचारों का सम्मान करना होगा। परिवार से जुड़ा कोई भी निर्णय लेने से पहले अच्छे से सोच-विचार कर लें। ज्योतिष विज्ञान और गूढ़ विज्ञान जैसे विषयों से जुड़े लोगों के लिए यह समय अच्छा रहेगा। बेहतर कार्य के लिए आपको प्रशंसा और पुरस्कार प्राप्त होगा। वहीं मेडिकल रिसर्च का कार्य कर रहे जातकों को शोध के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। इस महीने आर्थिक उतार-चढ़ाव देखने को भी मिलेंगे। किसी नए कार्य में निवेश करने से और उधारी व ऋण लेने से बचें। आपके व्यक्तिगत प्रयासों की बदौलत आपको कुछ अच्छे अवसर प्राप्त हो सकते हैं। आपकी आमदनी में वश्द्धि होगी और आपको आय के नए साधन मिलेंगे। इस महीना आपके पिता की सेहत में गिरावट देखने को मिल सकती है या फिर पिता के साथ आपके रिश्ते प्रभावित हो सकते हैं। भाईयों से विवाद हो सकता है। इस मास १,२,११,१२,२०,२१,२९,३० दिनांक नेष्ट है।

जून

मकर राशि के जातकों के लिए जून का महीना प्राय: शुभ रहने वाला है। अपने प्रियजनों के साथ सुखद समय व्यतीत करेंगे। प्रियजनों के साथ कंधे से कंधे मिलाकर आगे बढ़ेंगे और अपने रिश्ते अच्छे होंगे परन्तु माता का स्वास्थ्य कुछ कमजोर रह सकता है। जीवनसाथी से किसी भी तरह का विवाद करने से बचें। साथ ही सौहार्दपूर्ण रिश्ते बनाये रखने के लिए एक-दूसरे के विचारों को महत्व दें। इस महीने अपने स्वास्थ्य का खास ख्याल रखें। क्योंकि अनिद्रा से पीड़ित रहने की संभावना अधिक है। नेत्रों में कष्ट हो सकता है। वाहन सावधानीपूर्वक चलाये। गलतफहमी की वजह से सामाजिक रिश्ते प्रभावित हो सकते हैं इसलिए दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ मिलकर हर तरह की शंका को दूर करने की कोशिश करें। धर्म के प्रति आलस्य रहेगा अत: तीर्थ दर्शन के लिए जाना चाहिए । शुभ कार्यों में विशेष व्यय हो सकता है। इस मास ७,८,१६,१७,२५,२६ दिनांक नेष्ट हैं।

जुलाई

नेत्र संबंधी रोग होने की संभावना है। कमर में पीडा हो सकती है। कार्य कुशलता में वश्द्धि होगी। विद्या प्राप्ति में कुछ बाधा होने के योग है। विद्यार्थियों को अध्ययन में अधिक परिश्रम करना होगा। संतान से मनमुटाव हो सकता है। शेयर सट्टा व्यापार में हानि हो सकती है। १५ जुलाई के पश्चात् शारीरिक कष्ट हो सकता है। आर्थिक

सलाहकार और वैवाहिक सलाहकारों के लिए यह समय बेहद अच्छा रहने वाला है। जुलाई मास मकर राशि के जातकों के लिए आर्थिक रूप से सामान्य रहेगा। मास के उत्तरार्ध में कोई बड़ा निवेश करने से बचें और अपने संसाधनों को सुरक्षित रखें। धन से संबंधित मामलों में विशेष सावधानी बरतें। जीवनसाथी को कुछ गंभीर परेशानी का सामना करना पड़ सकता है । इस महीने आपको अपने वैवाहिक जीवन में मधुरता बनाये रखने के लिए अधिक प्रयास करने होंगे। इस माह नये विषयों के प्रति रूचि बढ़ सकती है। आप इस अवधि में कुछ नई चीजें सीखने की कोशिश करेंगे। मानसिक शांति के लिए योग, आसन, प्राणायाम का सहारा लेंगे और जीवन की समस्त चिंताओं से मुक्ति पाएंगे। व्यवसाय करते हैं तो थोड़ा सावधान रहने की जरुरत है, अपने साझेदार पर आंख बंद करके भरोसा नहीं करें। इस मास ५, ६, १३, १४, २२, २३ दिनांक नेष्ट है।

अगस्त

अगस्त के मास में विवाह संबंधित बाधायें दूर होगी। जीवनसाथी के साथ अपने रिश्तों में मधुरता बनेगी। अविवाहितों का रिश्ते तय होंगे। इसके अलावा बच्चों के साथ रिश्ते अच्छे नहीं रहेंगे और उनसे आपके मतभेद हो सकते हैं। घर के बड़े लोगों का सम्मान करें और उनकी देखभाल करें। परिवार में बड़े व्यक्तियों से खासकर पुरुषों से विवाद करने से बचें। अविवाहित इस महीने विवाह के बंधन में बंध सकते हैं। प्रेम संबंध प्रगाढ होंगे। कृषि, पर्यावरण, सांख्यिकी और योजना से संबंधित क्षेत्रों में कार्य कर रहे लोगों को सफलता मिलेगी और अपने कार्य से संतुष्ट होंगे। सेल्स, मार्केटिंग, कस्टमर सर्विस और हेल्थ सेक्टर से संबंधित व्यवसाय करने वालों को अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। यह महीना उन लोगों के लिए भी अच्छा है जो स्वयं का व्यापार कर रहे हैं। साझेदारी में व्यवसाय आरम्भ करे तो श्रेष्ठ फल प्राप्त होंगे। त्वचा संबंधी विकार हो सकते है, शत्रु से संबंधि त बाधा दूर होगी। आपकी सभी योजनाओं को बल मिलेगा और नए कार्यों से आपको लाभ होगा। इस मास १,२,१०,११,१८,१९,२८,२९ दिनांके नेष्ट रहेगी।

सितम्बर

मकर राशि के जातकों को सितम्बर के महीने में कुछ वैवाहिक जीवन से जुड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। जीवनसाथी से तनाव रिश्ते को परेशान कर सकते हैं। माता को कष्ट रह सकता है। भूमि संबंधित विवाद हो सकते हैं। हृदय व श्वसन संबंधित विकार हो सकते हैं। खर्चों पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता होगी। मकर राशि के कुछ जातकों को इस महीने आर्थिक संकट का सामना भी करना पड़ सकता है। इस महीने विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। यदि आप स्वयं का कोई व्यवसाय कर रहे हैं तो आपको थोड़ा सावधान रहने की जरुरत है। विवाद राजकीय बाधा हो सकती है। आर्थिक विषयों को लेकर किसी भी व्यक्ति पर आंख मूंदकर भरोसा न करें। बन्धुओं से संबंध के लिए समय अच्छा नहीं रहेगा। इस महीने आप धार्मिक कार्य और धार्मिक संस्थाओं से जुड़े कार्यों में व्यस्त रहेंगे। इसके अलावा कुछ लोग तीर्थयात्रा पर जा सकते हैं। व्यय में वृद्धि हो सकती है। गर्भवती महिलाएं नियमित आराम करें और डॉक्टर के परामर्श का अनुसरण करें। इस मास ६,७,१४, १५, १६, २५, २६ दिनांक नेष्ट रहेगी।

अक्टूबर

मकर राशि के जातकों के लिए अक्टूबर मास उत्तम रहेगा। जो रियल इस्टेट, ट्रैवल-टूरिज्म और सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी से जुड़े हैं उन्हे अनेक अच्छे अवसर प्राप्त होंगे और उनसे लाभ प्राप्त होगा। कार्य करने की क्षमता में वशद्धि होगी। पराक्रम व साहस बढेगा। प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। यात्रा योग बन सकते है। पिता को कुछ शारीरिक कष्ट हो सकता है। जीवनसाथी से मतभेद हो सकते हैं । अपने शब्द और वाणी पर संयम रखें क्योंकि शब्दों के गलत चयन के कारण आपके रिश्ते प्रभावित हो सकते हैं। क्रोधित होने की बजाय विवेक से काम लें। प्रेमी युगल के लिए यह समय अच्छा है, वे शादी के बंधन में बंध सकते हैं। यदि अविवाहित हैं तो इस महीने प्रेम संबंध बन सकते हैं। किसी खास से मुलाकात हो सकती है। माता को स्वास्थ्य संबंधी कुछ परेशानियां हो सकती हैं उनका विशेष ध्यान रखें। अपनी सेहत का ध्यान रखें। स्वास्थ्य संबंधी किसी भी समस्या को हल्के में नहीं लें वरना यह बड़ी बीमारी का रूप ले सकती है। दम्पत्ति को सन्तान लाभ होगा। विद्यार्थियों को परीक्षा में सफलता प्राप्त हो सकती है। इस मास ३, ४, १२, १३, २२, २३, ३१ दिनांक नेष्ट रहेगी।

नवम्बर

व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता प्राप्त होगी। अपने कार्य में अच्छी मेहनत के लिए आपको प्रशंसा और पदोन्नति मिल सकती है। पराक्रम में वशद्धि होगी। धन प्राप्ति के नये साधन उत्पन्न होंगे। अतिरिक्त लाभ की संभावना बनेगी। आर्थिक रूप से यह महीना आपके लिए अच्छा रहने वाला है। इस अवधि में धन का आवागमन अच्छा रहेगा और पूंजी निवेश से लाभ प्राप्त होगा। सुखद और लाभकारी यात्रा के योग भी बन रहे हैं। परिवार का सुख प्राप्त होगा। संबंध प्रगाढ होंगे। अत्यधिक व्यस्तता रह सकती है। शारीरिक क्षमता व स्वास्थ्य में वशद्धि होगी। विद्यार्थियों को विशेष सफलता प्राप्त होगी। लोगों से आपका मेल-जोल बढ़ेगा। परिश्रमी छात्रों के लिए यह समय बहुत अच्छा रहेगा। क्योंकि उन्हें अपनी मेहनत की बदौलत सम्मान और किसी प्रतिष्ठित संस्था से छात्रवशत्ति मिलेगी। इस मास १, ८, ९, १०, १८, १९, २०, २७, २८ दिनांक नेष्ट रहेगी।

दिसम्बर

दिसम्बर के महीने में आप शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे ज्वरपीडा हो सकती है। १२ दिसम्बर के उपरान्त शारीरिक तेज व ऊर्जा में वृद्धि होगी, श्वसन संबंधित विकार हो सकते है। संगीत, कला आदि मनोरंजन में रुचि बढेगी। मन में अत्यधिक विचार आने

से भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। कार्यस्थल पर वरिष्ठ जनों से आपका सहयोग मिलेगा और आप बेहतर काम करेंगे। इस मास आप सामाजिक जीवन में अधिक व्यस्त रहेंगे और परिजनों और मित्रों के साथ अच्छा समय गुजारेंगे। जीवनसाथी के साथ व्यर्थ विवाद का सामना करना पड़ सकता है और इससे आपके संबंध प्रभावित हो सकते हैं। यदि आप अपने वैवाहिक जीवन में स्नेह और मधुरता को बढ़ाना चाहते हैं तो जीवनसाथी के साथ बातचीत कर गलतफहमियों को दूर करें। घर वाहन आदि का लाभ होगा। इस मास में आपके पिता को शारीरिक कष्ट हो सकता हैं। धार्मिक कार्यों की ओर झुकाव होगा। कुछ विषयों पर धार्मिक गुरु से मतभेद भी हो सकता है। इस मास ६,७, १६, १७, २४, २५ दिनांके नेष्ट रहेगी।

जनवरी

इस महीने आपको माता जी के स्वास्थ्य पर ध्यान देना होगा। इस अवधि में आपका रुझान रहस्यमयी विज्ञान जैसे विषयों की ओर बढ़ेगा। जो लोक कल्याण और मानव संसाधन से जुड़े क्षेत्रों में कार्य कर रहे हैं उन्हें बड़ी सफलता मिलने की संभावना है। इसके अलावा मैनजमेंट जैसे विषय की पढ़ाई कर रहे छात्र भी अच्छा प्रदर्शन करने में समर्थ होंगे। क्रोध में वश्द्धि हो सकती है, परन्तु शारीरिक बल बढेगा। विद्यार्थियों की खेलों में रूचि बढेगी। पिता से लाभ प्राप्त होगा। व्यापार में वश्द्धि होगी। विवाह के योग बनेंगे। आजीविका के साधन प्राप्त होंगे। फरवरी महीना उतार चढ़ाव से भरा रहेगा। कार्य स्थल पर कुछ मामूली विवाद हो सकते हैं, इसकी वजह से आप अच्छा महसूस नहीं करेंगे। अपने विचारों को संक्षेप में स्पष्टता के साथ व्यक्त करें। इसके अलावा उच्च अधि कारी और सहकर्मियों के साथ अच्छे संबंध बनाकर चलें। यदि पारिवारिक जीवन की बात करें तो इस महीने जीवनसाथी के साथ किसी भी तरह का विवाद न करें। क्योंकि यह विवाद आपके रिश्तों में परेशानी उत्पन्न कर सकता है इसलिए शांत रहें और सोच-समझकर ही बोलें। बेवजह की बातों पर ज्यादा ध्यान न दें वरना इससे आपकी मानसिक शांति भंग हो सकती है इसलिए सकारात्मक सोच रखें क्योंकि अच्छी सोच ही आपको जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी। भविष्यकथन कहता है कि मातश पक्ष से लाभ होगा। इस मास २,३,१२, १३, २१, २२, २९, ३०, ३१ दिनांक नेष्ट रहेगी।

फरवरी

धन प्राप्ति की संभावना बनेगी। जीवनसाथी को कष्ट हो सकता है। तीर्थयात्रा व धार्मिक कार्यों में रूचि बढेगी। पिता को कष्ट हो सकता है। ऋण से मुक्ति मिलेगी व शत्रुओं का विनाश होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। प्रशासनिक लाभ मिलेगा। विद्यार्थियों को परीक्षा सफलता प्राप्त होगी। साल के पहले महीने में आपका वैवाहिक जीवन बहुत ही सुखमय रहेगा। आप जीवनसाथी के साथ मिलकर कुछ नया कर सकते हैं। परिवार के साथ यात्रा पर जाने के योग बन रहे हैं। आप जीवनसाथी और बच्चों के साथ कुछ यादगार क्षण व्यतीत करेंगे। मकर राशि के जातक इस महीने घर बदलने या मकान के सौंदर्यीकरण के बारे में योजना बना सकते हैं। पारिवारिक जीवन में थोड़ा सावध ान रहने की जरुरत है, क्योंकि परिजनों के बीच विवाद होने की संभावना नजर आ रही है। इन विवादों की वजह से मानसिक तनाव बढ़ सकता है इसलिए सभी लोगों से अच्छे रिश्ते रखें। इसके अलावा कार्य स्थल पर अपने व्यवहार को लेकर संयम बरतें और बेकार की बातों पर ध्यान देने की बजाय, अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करें। प्रिंट मीडिया में काम करने वाले लोगों के लिए अच्छा रहेगा। कोई बड़ी सफलता मिलने की संभावना है। काम के सिलसिले में होने वाली यात्राएं आपके लिए लाभकारी रहेंगी। इस मास ८, ९, १०, १७, १८, २६, २७ दिनांक नेष्ट रहेगी।

कुम्भ राशि (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)

मार्च

यह महीना कुम्भ राशि के जातकों के लिए सामान्य रहेगा। इस माह के पूर्वाध में बच्चों के कारण आप परेशान रहेंगे। इस दौरान बच्चों के साथ कुछ मतभेद हो सकते है लेकिन ऐसी स्थिति में आपको धैर्य से काम लेना होगा। जीवनसाथी से आपके संबंध अच्छे रहेंगे और उनकी सफलता से आप खुश रहेंगे। इस अवधि में आपको जीवनसाथी की ओर से पूरा सहयोग मिलेगा और आपका संबंध और मजबूत होगा। इस महीने जीवनसाथी की सेहत को लेकर आपको थोड़ा सावधान रहना होगा। कार्यस्थल पर अपने कार्य के रहस्य किसी के साथ साझा नहीं करें अन्यथा आप कठिनाई में पड़ सकते हैं। वरिष्ठ अधिकारियों से अच्छे संबंध बनाकर चलें, क्योंकि उनके सहयोग और मार्गदर्शन से आप कार्यक्षेत्र में उन्नति करेंगे। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और लेखन से जुड़े जातकों के लिए यह महीना अच्छा है। इस मास २०, २१, २८, २९ दिनांक नेष्ट रहेगी।

अप्रैल

कुम्भ राशि के जातक इस महीने के पूर्वार्ध में स्वयं को उत्साहित और सक्रिय अनुभव करेंगे। वहीं माह के उत्तरार्ध में आप प्रभावी और सकारात्मक बातचीत करेंगे। इस माह आप अपने कार्यक्षेत्र में अत्यधिक व्यस्त रहेंगे। किसी बड़े निवेश के लिए यह समय अच्छा है लेकिन कठिन परिश्रम करना होगा। व्यवसाय में भागीदारी को लेकर भाई-बहनों के साथ परेशानी आ सकती है। आप अच्छे प्रयास करेंगे लेकिन व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में सुधार लाने के लिए आपको अतिरिक्त प्रयास करने होंगे। इसके अलावा आपकी बेहतर कार्यशैली के कारण आपकी प्रशंसा होगी। बिना सोचे-समझे और गुस्से में आकर कोई भी निर्णय लेने से बचें अन्यथा इसके परिणाम अच्छे नहीं होंगे। किसी की आलोचना या उसके साथ किसी भी तरह की राजनीति करने से बचें, क्योंकि ऐसा करने से आपके व्यक्तिगत संबंध प्रभावित हो सकते हैं। इस माह आपकी सेहत बिल्कुल अच्छी रहेगी। आप अपनी फिटनेस को लेकर ज्यादा रुचि दिखाएंगे। स्वयं को स्वस्थ रखने

के लिए खेल या व्यायाम जैसी गतिविधियों में शामिल होंगे। इस मास ६, ७, ८, १६, १७, २५, २६ दिनांक नेष्ट रहेगी।

मई

कुम्भ राशि वाले विवाहित जातकों के लिए यह महीना अच्छा रहने वाला है लेकिन प्रेमी युगल को परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इस माह कार्यस्थल पर बड़ी सफलता मिलने की संभावना है, साथ ही वरिष्ठ सहकर्मियों से भरपूर सहयोग मिलेगा। यह महीना कुम्भ राशि के उन जातकों के लिए उत्तम रहेगा, जो शेयर बाजार व मार्केट रिसर्च से जुड़ा व्यवसाय करते हैं। इस अवधि में शेयर मार्केट में उनके द्वारा व्यक्त की गई संभावना सही साबित होंगी। पारिवारिक और न्यायिक सलाहकारों के लिए भी यह महीना अच्छा रहेगा। इस माह कुम्भ राशि के जातकों के जीवन में धनागमन सुचारु रूप से होता रहेगा लेकिन महीने के उत्तरार्ध में व्यर्थ के खर्च करने से बचें। पारिवारिक जीवन खुशियों से भरा रहेगा। आप व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में अच्छा तालमेल बनाकर चलेंगे। हालांकि परिवार के लोगों से छोटे-मोटे मतभेद भी हो सकते हैं लेकिन आपसी बातचीत से सभी मुद्दे सुलझ जाएंगे। ४, ५, १३, १४, १५, २२, २३, ३१ दिनांक इस मास नेष्ट रहेंगी।

जून

इस माह कुम्भ राशि के जातकों का पारिवारिक जीवन अच्छा रहने वाला है। घर की खुशियों में वर्शद्धि होगी और आप परिजनों के साथ अच्छा समय व्यतीत करेंगे। इस माह आप परिवार के साथ घूमने जा सकते हैं। घर में किसी शुभकार्य का आयोजन भी होने की संभावना है। इस महीने आपके जीवनसाथी को कार्यस्थल पर उन्नति मिलने की प्रबल संभावना है, साथ ही आर्थिक वर्शद्धि भी होगी। यदि आप कोई जमीन खरीदने या बेचने की योजना बना रहे हैं तो महीना का अंत इस काम के लिए अत्यंत शुभ है। इस माह आप पूरी तरह से स्वस्थ रहेंगे। आप ऊर्जा से भरपूर रहेंगे और अपनी बात साफ शब्दों में स्पष्टता के साथ कहेंगे। आपके स्पष्ट बोलने की यह क्षमता निश्चित रूप से आपके लिए लाभकारी रहेगी। आपकी कार्य कुशलता के कारण अधिकारी और सहकर्मी आपकी प्रशंसा करेंगे। यदि आप प्रबंधन या प्रशासनिक क्षेत्र में कार्यरत हैं तो आपको इस माह कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। १,२, १०, ११, १८, १९, २७, २८ दिनांक इस मास नेष्ट रहेंगी।

जुलाई

यह महीना कुम्भ राशि के लोगों के लिए अच्छे संकेत नहीं दे रहा है। महीने की शुरुआत में आपके मन में असमंजस की स्थिति बनी रहेगी। इस वजह से आप विवेकपूर्ण निर्णय लेने में असमर्थ रहेंगे। आर्थिक विषयों पर पर भी इस महीने आपको संभलकर चलना होगा। व्यर्थ खर्च करने से बचें और पैसों के लेनदेन पर विशेष ध्यान रखें अन्यथा धोखाधड़ी होने की संभावना है। यह महीना पारिवारिक जीवन के लिए भी शुभ संकेत नहीं दे रहा है। तनाव बढ़ने से परिवार में शांति और सद्भाव का अभाव रहेगा, इसलिए हर परिस्थिति में संयम व समझदारी से काम लें और मधुर रिश्ते बनाकर चलें। कम्प्यूटर के उपकरण से संबंधित व्यवसाय करने वाले जातकों के लिए यह महीना उत्तम है, इस अवधि में अच्छा लाभ प्राप्त होने की संभावना बन रही है। कम्प्यूटर हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर और सॉफ्टवेयर डेवलपर्स से जुड़े जातक अपने कार्यक्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। इस दौरान वे अपने कार्यक्षेत्र में उच्च पदों को प्राप्त कर सकते हैं। स्वास्थ्य की दृष्टि से यह महीना अच्छा दिखाई दे रहा है लेकिन आंखों की विशेष देखभाल करें। इस मास ७, ८, १५, १६, २४,२५, २६ दिनांके नेष्ट रहेंगी।

अगस्त

यह महीना कुम्भ राशि के लोगों के लिए उतार-चढ़ाव से भरा रहेगा। इस माह पिता का खराब स्वास्थ्य आपकी चिंता का कारण बन सकती है, इसलिए इस अवधि में उनकी सेहत का पूरा ध्यान रखें। इसके अलावा इलाज पर अधिक खर्च होने से आपका बजट बिगड़ सकता है। इस समय में आप पारिवारिक कार्यों में और कार्यक्षेत्र में अत्यधिक व्यस्त रहेंगे। इस महीने छोटी या लंबी दूरी की यात्रा की संभावना बन रही है। वे जातक जिनका झुकाव धार्मिक प्रवशत्ति की ओर ज्यादा है, वे लोग तीर्थ यात्रा पर जा सकते हैं। इस महीने आप कोई भी कार्य करने से पहले अच्छे से सोचें और शीघ्रता में कोई भी निर्णय लेने से बचें। कार्यस्थल पर वरिष्ठ अधिकारियों से कुछ मतभेद होने की संभावना है, इसलिए अपने व्यवहार में संयम बरतें और अच्छे संबंध बनाकर चलें। इस मास ४,५, ११, १२, २१ ,२२, ३०, ३१ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

सितम्बर

इस महीने में कुम्भ राशि के जातकों के भाग्य में वृद्धि होगी। चुनौतियों के बावजूद इस माह आप प्रगति करेंगे। नौकरी या व्यवसाय के संबंध में विदेश यात्रा की संभावना है। पारिवारिक व्यवसाय में समशद्धि आएगी और आपको माता-पिता का सहयोग मिलेगा। इस माह पारिवारिक जीवन में शांति और सद्भाव बना रहेगा, लेकिन किशोरावस्था के बच्चों से आपको स्नेह और धैर्य के साथ व्यवहार करना होगा। इस माह आप हर तरफ से सकारात्मक ऊर्जा और आत्म विश्वास से भरे रहेंगे। इस माह नए दोस्त बनेंगे और आप पार्टियों में व्यस्त रहेंगे। आपको कुछ ऐसे अवसर मिलेंगे, जिससे आपको सामाजिक सक्रियता बढ़ेगी और यह आपके लिए लाभकारी रहेगी। फिल्म, अभिनय, नशत्य निर्देशक, फोटोग्राफर और वीडियो एडिटर्स को इस अवधि में लाभ होगा। इस मास १,८, ९, १६, १७, १८, २६, २७, २८ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

अक्टूबर

इस महीने में संतान पक्ष की ओर से कुम्भ राशि के जातकों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। बच्चों के साथ संबंध तनावपूर्ण होंगे और आप उनके साथ संबंध सामान्य करने में असमर्थ रह सकते हैं। अत: बच्चों के साथ अच्छा व्यवहार करें और विषम परिस्थितियों में धैर्य के साथ काम लें। अत्यधिक क्रोध करने से बचें अन्यथा आपकी मानसिक शांति भंग हो सकती है। पिता का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा लेकिन माँ का स्वास्थ्य थोडा कमजोर रह सकती है, उनका विशेष ख्याल रखें। परिवार का पूरा सहयोग मिलेगा, विशेषकर घर के बड़े लोगों से अधिक सहायता मिलेगी। परिवार से मिलने वाले इस सहयोग के कारण आपके अंदर एक नई ऊर्जा आएगी और आप कुछ बेहतर करने में समर्थ होंगे। अपने कार्यक्षेत्र में हर विषय को लेकर अपना मत स्पष्ट रखें। वरिष्ठ सहकर्मियों की सलाह से स्थितियां अनुकूल होगी। जो छात्र तकनीकी विषय की पढ़ाई कर रहे हैं उनके लिए समय अनुकूल है। क्योंकि उन्हें कठिन परिश्रम का अच्छा फल मिलेगा। इस मास ५, ६ ,१४, १५, २४, २५ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

नवम्बर

कुम्भ राशि के जातकों को इस महीने में वाणी पर संयम रखना होगा। वैवाहिक जीवन में थोड़ी सावधानी रखनी होगी। जीवनसाथी के साथ जो भी मतभेद हैं उन्हें जल्द से जल्द दूर करने की कोशिश करें अन्यथा समस्या खड़ी हो सकती है। कार्यस्थल पर भी सतर्क रहना आपके लिए अच्छा होगा। अभद्र भाषा के प्रयोग से समस्या उत्पन्न हो सकती है। कार्यस्थल पर व्यर्थ की बातें और कार्यक्षेत्र में आपसी राजनीति करने से बचें। यह माह आर्थिक तौर पर आपके लिए लाभकारी रहेगा। आप अधिक से अधिक पैसों की बचत करेंगे और इससे आर्थिक स्थिरता रहेगी। यह समय अचल संपत्ति के क्षेत्र में निवेश करने के लिए सही नहीं है, इसलिए जमीन/मकान खरीदने या बेचने से बचें। प्रॉपर्टी या कार्य से जुड़े हर दस्तावेज पर हस्ताक्षर करने से पहले उसे अच्छे से पढ़ लें। क्योंकि धोखेबाजी की संभावना है। इस माह पिता की सेहत पर ध्यान देने की आवश्यकता होगी। इस अवधि में उन्हें कोई गंभीर बीमारी से कष्ट हो सकता है हालांकि महीने के उत्तराध में उनकी सेहत में सुधार देखने को मिलेगा। इस मास १,२, १०, ११, १२, २० , २१, २९, ३० दिनांक नेष्ट रहेंगी।

दिसम्बर

मार्च का महीना कुम्भ राशि के लोगों के लिए बहुत ही सकारात्मक रहेगा। जीवन में खुशियां बनी रहेंगी और सब कुछ अच्छा रहेगा। विशेषकर विवाहित जातकों के लिए यह समय सुखद होगा। इस दौरान वैवाहिक जीवन में मधुरता और शांति बनी रहेगी। आप एक-दूसरे की आवश्यकता को समझेंगे। जीवनसाथी से आपको सहयोग मिलेगा और आपका बंधन मजबूत होता जाएगा। इस माह घर में कोई मांगलिक कार्य का आयोजन भी संभव है। विवाह संपन्न होने के भी योग बन रहे हैं। आप अपना वर्तमान निवास स्थान बदलकर किसी बड़े घर में स्थानान्तरित हो सकते हैं। इस महीने अत्यधिक व्यस्त होने के कारण आपके परिजन स्वयं को उपेक्षित महसूस करेंगे, अत: परिवार के लोगों को पर्याप्त समय दें। वे जातक जो सौंदर्य प्रसाधन, कलात्मक वस्तु, आभूषण और सर्वसुविधा युक्त सामानों का व्यवसाय करते हैं उनके लिए यह समय बेहद अनुकूल है। इस महीने व्यापार में अच्छा लाभ होने की संभावना है। इस अवधि में आप अपने व्यवसाय को विस्तार देने की योजना बनाएंगे। आप अपने जीवनसाथी के साथ मिलकर भी कुछ नया कार्य प्रारम्भ कर सकते हैं। यह कार्य मनोरंजक, व्यावसायिक या यात्रा से जुड़ा भी हो सकता है। इस मास ७, ८, ९, १७, १८, १९, २६, २७ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

जनवरी

इस महीने में कुम्भ राशि के जातकों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। महीने के पूर्वार्ध में बच्चों की ओर से तनाव मिल सकता है। तनाव और चिंता के कारण आपकी मानसिक शांति भंग हो सकती है। इस दौरान बच्चों की पढ़ाई-लिखाई के लिए आपको कुछ निवेश करना होगा। बच्चे पढ़ाई के लिए घर से दूर भी जा सकते हैं। अपने प्रेम जीवन को लेकर आपको थोड़ा सावधान रहना होगा। क्योंकि कुछ विवादों की संभावना बन रही है। अपने प्रेम जीवन में संतुलन बनाये रखने की कोशिश करें और अपने साथी को अधिक समय देने का प्रयास करें। इस माह सेहत को लेकर भी आपको अपना विशेष ध्यान रखना होगा। अजीर्ण, उदर विकार, मुंह में छाला और कोई घाव हो सकता है। आपके स्वभाव में साहस, क्रोध और वीरता की वृद्धि होगी। ग्राफिक आर्टिस्ट, विदेशी भाषा के जानकार और तकनीकी लेखन से जुड़े जातकों के लिए समय बहुत अच्छा है। इस मास ४, ५, १४, १५, २२, २३, ३१ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

फरवरी

यह महीना कुम्भ राशि के जातकों के लिए सामान्य रहने वाला है। इस अवधि में यदि आपको लाभ नहीं मिलेगा तो हानि भी नहीं होगी। पारिवारिक संसाधनों में बढ़ोत्तरी की संभावना है इससे आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। इस माह महंगे घरेलू सामान खरीदने से आपका खर्च बहुत बढ़ सकता है, इसलिए सोच-समझकर खर्च करें। मानसिक, बौद्धिक और कलात्मक क्षमता में वशद्धि होने से आप अपने लक्ष्यों को आसानी से प्राप्त कर लेंगे। वकील, शिक्षक, सलाहकार और वक्ताओं के लिए यह महीना अच्छा रहने वाला है। कुम्भ राशि के जातक जनवरी के महीने में सभी क्षेत्रों में अच्छा कार्य करेंगे। क्रोध और वाणी पर संयम रखें क्योंकि गलत शब्दों के प्रयोग से आपके और परिजनों के बीच गलतफहमी उत्पन्न हो सकती है। इसलिए कड़वे वचन बिल्कुल नहीं बोलें। इस माह के अंत में आपको कठिन परिश्रम का फल मिलेगा और सब कुछ सुव्यवस्थित हो जाएगा। इस मास १,२, १०, ११, १९, २०, २७, २८ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

मीन राशि (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची)

मार्च

इस माह मीन राशि के जातकों का झुकाव मनोविज्ञान जैसे विषयों की ओर बढ़ेगा। आप में से कुछ लोग इस दौरान तीर्थयात्रा पर जा सकते हैं। सितारों की चाल कहती है कि, वे लोग जो नौकरी कर रहे हैं अपनी नौकरी में परिवर्तन करने के बारे में सोच सकते हैं। इस दौरान आपको लंबी और छोटी दूरी की यात्रा भी करनी पड़ सकती है। महीने के उत्तरार्ध में आपको लगातार कड़ा परिश्रम करना पड़ेगा। कार्यस्थल पर अच्छा माहौल बना रहेगा और वरिष्ठों के साथ आपके रिश्ते मधुर रहेंगे। इस माह आपका वैवाहिक जीवन भी आनंद से भरा रहेगा। आप दोनों के बीच अच्छी समझ होगी और विषम परिस्थितियों में आप एक-दूसरे का सहयोग करेंगे। परिवार के बड़े लोगों और बच्चों के लिए यह समय अच्छा साबित होगा। वहीं आर्थिक मोर्चे पर यह महीना थोड़ा उतार-चढ़ाव से भरा रहेगा। वे जातक जो व्यवसाय से जुडे हैं, यदि इस अवधि में किसी नई योजना में निवेश करते हैं तो उन्हें अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। इस महीने स्वास्थ्य के विषय में ज्यादा चिंता करने की जरुरत नहीं है। बेहतर स्वास्थ्य के लिए आपकी रुचि योग और प्राणायाम की ओर होगी। इस मास ४, ५, १२, १३, २१, २२ दिनांक नेष्ट रहेगी।

अप्रैल

इस माह वैवाहिक जीवन में सुखद और सकारात्मक बदलाव होने की संभावना है। यदि आपने प्रयास जारी रखें तो अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। वैवाहिक रिश्तों में तनाव कम होगा और हर्ष व सद्भाव बना रहेगा। आप जीवनसाथी और बच्चों के साथ मिलकर अच्छा समय व्यतीत करेंगे। इसके अलावा परिजन भी आपसे खुश रहेंगे और परिवार की एकता बनी रहेगी। इस समय अवधि में जीवन में आने वाली चुनौतियों का सामना आप बड़ी ही कुशलता के साथ करेंगे। इस महीने आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, लेकिन स्वस्थ रहने के लिए अपनी दिनचर्या को नियमित रखें। स्कूली और कॉलेज में पढ़ने वाले जातकों के लिए भी यह महीना शुभ संकेत दे रहा है। अच्छे काम की वजह से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और सम्मान भी बढ़ेगा। इसके अलावा इस माह आपका रुचि धार्मिक कार्यों के प्रति बढ़ेगी। मानसिक शांति प्राप्त करने के लिए आप नियमित रूप से ध्यान और मंत्र जाप करेंगे। इस मास १,२, ३, ११, १२, १३, २०, २१, २९, ३० दिनांक नेष्ट रहेगी।

मई

इस महीने में आप अपने सभी कार्यों को बहुत चतुराई और कुशलता के साथ पूरा करेंगे। भाई-बहन या दोस्तों के साथ साझेदारी में बिजनेस कर रहे जातकों को आर्थिक लाभ की प्राप्ति होगी। हालांकि पैसों के लेनदेन में थोड़ी सावधानी बरतने की जरुरत पड़ेगी। किसी अनजान व्यक्ति पर जल्दी भरोसा नहीं करें। किसी भी व्यक्ति को अपना साझेदार बनाने से पहले अच्छी तरह से सोच लें। इस महीने आपके साहस और आत्म विश्वास में भी वर्श्द्धि होगी। महीने के पहले 15 दिन किसी भी तरह के नये निवेश के लिए अच्छा समय है। क्योंकि इस अवधि में आपको अप्रत्याशित आर्थिक लाभ की प्राप्ति होगी। वहीं महीने का दूसरा पखवाड़े किसी दीर्घकालिक योजना के लिए उत्तम रहेगा। विवाहित जातकों के लिए भी यह समय अच्छा रहने वाला है। इस दौरान वे परिवार नियोजन के बारे में सोच सकते हैं। वहीं दूसरी ओर जो महिला जातक गर्भवती हैं उनका प्रसव सफल और सुरक्षित तरीके से हो जाएगा। मीन राशि के वे छात्र जो सॉफ्टवेयर तकनीक के क्षेत्र में काम कर रहे हैं उन्हें कार्यक्षेत्र में उन्नति मिलेगी। इस मास ८, ९, १७, १८, २६, २७ दिनांक नेष्ट रहेगी।

जून

इस महीने मीन राशि के जातकों को घर-परिवार से जुड़े मामलों में बड़े लोगों की सलाह लेनी होगी। बड़े भाई-बहन, माता-पिता की सलाह से परिवार की शांति और समृद्धि के लिए लाभकारी रहेगी। इन सभी का मार्गदर्शन मिलने से व्यक्तिगत जीवन में होने वाला तनाव भी कम होगा। इस माह परिजनों के साथ मिलकर कोई शुभ कार्य करने का अवसर मिलेगा। वहीं आर्थिक मोर्चे पर पैसा कमाने के कुछ अच्छे अवसर मिलेंगे, लेकिन खर्च भी बढ़ेंगे। आप मनोरंजन और सर्व-सुविधायुक्त सामानों पर अधिक खर्च करेंगे। जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर बने रहेंगे, हालांकि छोटे-मोटे मतभेद होने की भी संभावना है। इसलिए जीवनसाथी के साथ मधुर व्यवहार करें और किसी भी तरह के विवाद में पड़ने से बचें। कार्यस्थल पर वरिष्ठ सहकर्मी आपके कठिन परिश्रम और काम की गुणवत्ता की तारीफ करेंगे। इसके अलावा आपके सहकर्मी भी आपका सहयोग करेंगे। इस माह विरोधी भी आपका कुछ नहीं बिगाड़ पाएंगे। कामकाजी महिलाओं के लिए यह समय बहुत अच्छा रहने वाला है। कार्यस्थल पर उनकी पदोन्नति होगी और वे अपने सभी काम बड़े आत्म विश्वास के साथ पूर्ण करेंगी। इस मास ४, ५, १३, १४, १५, २२, २३, २४ दिनांक नेष्ट रहेगी।

जुलाई

इस महीने आपके वैवाहिक जीवन में दु:खद मोड़ आ सकता है। विशेषकर महिलाओं को अपने वैवाहिक जीवन में अधिक परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। इस दौरान महिला जातकों को प्रताड़ना का सामना करना पड़ सकता है। वैवाहिक जीवन में तनाव होने से पारिवारिक जीवन प्रभावित होगा और बच्चों पर इसका गलत प्रभाव पड़ेगा। जीवनसाथी के साथ सभी विवादों को शांति से बैठकर सुलझाएं। वहीं दूसरी ओर इस माह आपका ध्यान अपने काम पर होगा। आपकी दृढ इच्छाशक्ति के कारण व्यक्तिगत जीवन में होने वाला कष्ट आपके व्यावसायिक जीवन को प्रभावित नहीं कर पाएगा। अपने व्यवसाय संबंधी सभी योजनाओं पर आप काम करेंगे और आपको उसका उत्तम फल प्राप्त

होगा। कार्य स्थल पर आप वरिष्ठ अधिकारियों और सहकर्मियों के साथ अच्छे संबंध बनाकर चलेंगे। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का व्यवसाय कर रहे जातकों को लाभ की प्राप्ति होगी। यह माह किसी भी नए तरह के निवेश के लिए बिल्कुल उपयुक्त नहीं है। माता-पिता का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। अपनी वैवाहिक जीवन से जुड़ी समस्याओं को हल करने के लिए आप माता-पिता से सहयोग ले सकते हैं। इस मास १, २, ३, १०, ११, १९, २०, २१, २९, ३० दिनांक नेष्ट रहेगी।

अगस्त

यह महीना मीन राशि के जातकों के लिए आर्थिक उन्नति का माह रहेगा। अपने प्रयासों से सफलता मिलेगी और विदेशी स्रोतों से भी आय होगी। यदि आपके परिवार का कोई सदस्य विदेश में रहकर कार्य कर रहा है या फिर आपके परिवार के व्यवसाय का संबंध विदेश से है, तो निश्चित रूप से आपकी पारिवारिक आय में बढ़ोत्तरी होगी। आपकी मधुर वाणी आपको विवाद और विषम परिस्थितियों से बचाएगी। इस माह मन में अनेक प्रकार के विचार आने से तनाव बढ़ सकता है, जो पारिवारिक और व्यावसायिक संबंधों को प्रभावित करेगा। आपके व्यवहार में कुछ रुखापन आएगा। इस माह कुछ समय के लिए आप काम के बोझ से स्वयं को तनावग्रस्त महसूस करेंगे, इसलिए कुछ समय आराम करने के लिए निकालें। भाषा विज्ञानी और अनुवादकों के लिए यह समय बहुत अच्छा रहने वाला है। मीन राशि के वे जातक जो चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े हैं उनके लिए भी यह समय बहुत लाभकारी रहेगा। इस मास ६, ७, १६, १७, २६, २७ दिनांक नेष्ट रहेगी।

सितम्बर

मीन राशि के जातकों का स्वास्थ्य इस मास में थोडा खराब रह सकता है। इसलिए स्वास्थ्य के प्रति बिल्कुल लापरवाही न रहें। विशेष रूप से महिलाओं को अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा, क्योंकि इस अवधि में उन्हें प्रजनन क्षमता से जुड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। कई जातकों को नेत्र से संबंधी पीड़ा भी हो सकती है। मानसिक तनाव बढ़ने से अनिद्रा की समस्या होने की भी संभावना है। अकारण तनाव लेने से बचें। कुछ समय के लिए काम से छुट्टी लें और आराम करें। ऐसा करने से आप बेहतर महसूस करेंगे। वैवाहिक जीवन में परेशानियों के लिए एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहराने से बचें। छोटी-छोटी गलतियों पर ध्यान देने की बजाय स्नेह और शांति के साथ वैवाहिक जीवन को मधुर बनाएं। आर्थिक क्षेत्र हेतु यह महीना सामान्य दिखाई दे रहा है। वहीं छात्रों के लिए यह माह बहुत शुभ संकेत दे रहा है, खासतौर पर वे छात्र जो किसी विषय पर अनुसंधान कर रहे हैं। इस अवधि में वे लोग बहुत ही अच्छा प्रदर्शन करेंगे। इस मास ३, ४, १२, १३, १४, २२, २३, ३० दिनांक नेष्ट रहेगी।

अक्टूबर

यह महीना मीन राशि के विवाहित जातकों के लिए कुछ कठिन रहने वाला है। इस दौरान वैवाहिक जीवन में आपको कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इस महीने जीवनसाथी के साथ विवाद व बहस करने से बचें और उनके साथ विनम्रता से व्यवहार करें। परिवार के बड़े लोगों की सलाह लें और उसका अनुसरण करें। इस माह विदेश यात्रा पर जाने के योग बन रहे हैं। वहीं विदेश में कार्य करने को लेकर आपके भाई-बहनों की इच्छा पूरी होगी। कठिन परिश्रम करने से उन्हें इच्छित सफलता मिलेगी। इस समय अवधि में परिजनों के साथ आपके रिश्ते मधुर रहेंगे। आपके घर में सुख और शांति बनी रहेगी। आर्थिक उन्नति और पारिवारिक व्यवसाय के लिए भी यह समय शुभ संकेत दे रहा है। इस दौरान धन और संपत्ति में वृद्धि होगी। महंगे सामान खरीदने की वजह से इस माह खर्च ज्यादा हो सकता है। इस मास १, ९, १०, ११, १९, २०, २७, २८, २९ दिनांक नेष्ट रहेगी।

नवम्बर

इस महीने में अपनी योजनाओं में सफलता मिलने आत्म विश्वास बढ़ेगा। पिता और गुरु से मिलने वाला सहयोग आपके अंदर साहस और इच्छाशक्ति पैदा करेगा। महीने के उत्तरार्ध में आपके पिता की सामाजिक प्रतिष्ठा में वशद्धि होगी। सभी तरह के सलाहकारों के लिए यह समय अच्छा रहेगा, क्योंकि इस अवधि में उनकी बहुत मांग होगी। यह मास मीन राशि के छात्रों के लिए बहुत अच्छा रहने वाला है। क्योंकि इस दौरान उन्हें उनकी मेहनत का उत्तम परिणाम मिलेगा, साथ ही अच्छे शिक्षण संस्थानों में प्रवेश मिलेगा। मीन राशि के वे जातक जो नौकरी की तलाश में हैं उन्हें कई अच्छे विकल्प मिलेंगे, परन्तु और भी बेहतर सफलता प्राप्ति के लिए आपको और मेहनत करनी होगी। करियर को लेकर महत्वाकांक्षी जातकों को इस अवधि में बहुत उन्नति और सफलता मिलेगी। इस मास ६, ७, १५, १६, १७, २४, २५ दिनांक नेष्ट रहेगी।

दिसम्बर

यह मास आपके लिए भाग्यशाली रहेगा। अपने कार्य में मिलने वाली सफलता को लेकर आप उत्साहित रहेंगे। इस माह आपको भाग्य का सहयोग मिलेगा और जीवन में आप जैसा चाहेंगे वैसा ही होता रहेगा। यात्राएं अधिक होने से आप थकान महसूस करेंगे। वे जातक जो व्यापार से जुडे हैं उनके विदेशों में संपर्क बनेंगे और ये संबंध उनके लिए बहुत लाभकारी होंगे। वहीं मीन राशि जातक जो बिल्डिंग, रियल इस्टेट और प्रॉपर्टी डीलिंग से जुड़ा कार्य कर रहे हैं, उनको इस अवधि में अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। घर में शांति और सद्भाव का वातावरण रहेगा। आप परिवार के सदस्यों के साथ अधिक समय व्यतीत करेंगे। इस माह घर की साज-सज्जा और पुनर्निर्माण का काम कराना आपका प्रमुख कार्य रहेगा। इसके अलावा धार्मिक और परोपकारी कार्यों में भी आपकी रुचि

बढ़ेगी। इसकी वजह से आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इस महीने आपको थोड़ा सावधान रहना होगा। पेट संबंधी कुछ बीमारी आपको परेशान कर सकती है। इस मास ३, ४, १३, १४, २१, २२, ३०, ३१ दिनांक नेष्ट रहेगी।

जनवरी

इस महीने में मीन राशि के जातकों को अपने वैवाहिक जीवन में संभलकर चलना होगा। इस अवधि में क्रोध पर नियंत्रण रखना बहुत जरूरी होगा । अपनी वाणी पर भी संयम रखें, क्योंकि कठोर शब्द आपके जीवनसाथी की भावना को ठेस पहुंचा सकते हैं। बेवजह शक करना और नियंत्रण रखने की भावना मन में नहीं रखें। जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करें। इस माह धन का आवागमन अच्छा रहेगा, परिवार की आय में वृद्धि होगी। वित्तीय मामलों में फिर भी थोड़ा सावधान रहना होगा, क्योंकि आर्थिक मामलों से जुड़ी चिंताएं परेशान कर सकती हैं। इसलिए बेवजह खर्च करने से बचें। यदि आप कोई आवासीय संपत्ति खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो आपको सलाह है कि इस महीने यह काम ना करें। विरोधी और शत्रु आपसे भयभीत रहेंगे। कार्यक्षेत्र में उन्नति और वृद्धि के लिए यह महीना बेहद अच्छा रहने वाला है। इस मास १,९, १०, १७, १८, १९, २७, २८ दिनांक नेष्ट रहेगी।

फरवरी

इस मास में मीन राशि के जातकों को अपने कार्यक्षेत्र में सुधार लाने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने होंगे। प्रयासों की बदौलत आपको कामयाबी भी मिलेगी। वे जातक जो व्यवसाय कर रहे हैं उन्हें इस महीने बड़ा आर्थिक लाभ मिलने की संभावना है। पारिवारिक जीवन में कुछ परेशानियां आएंगी लेकिन परिजनों के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा। वहीं वैवाहिक जीवन में कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, इसलिए जीवनसाथी के साथ विवाद करने से बचें वरना स्थिति और खराब हो सकती है। इस दौरान जीवनसाथी को समय प्रदान करें। स्वास्थ्य हेतु भी यह महीना आपके लिए अच्छा दिखाई दे रहा है। सुबह की नियमित सैर और व्यायाम करने से आप स्वस्थ रहेंगे। मीन राशि के छात्रों के लिए यह महीना अत्यन्त महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि उन्हें अपनी कड़ी मेहनत का परिणाम मिलेगा। इस मास ५, ६, ७, १४, १५, २३, २४ दिनांक नेष्ट रहेगी।

डा. प्रवेश व्यास
सहायकाचार्य,वास्तुशास्त्रविभाग,
श्री ला.ब.शा.रा.सं.विद्यापीठ,नई दिल्ली

ग्रहा: राज्यं प्रयच्छन्ति ग्रहा: राज्यं हरन्ति च।
ग्रहाधीनं जगत्सर्वमिति मे निश्चिता मति:।।

सायन सूर्य संक्रमण सम्वत् 2077
(सन् 2020-21)

दिनांक	राशि	समय
19/04/2020	वृष	20:30
20/05/2020	मिथुन	19:43
20/06/2020	कर्क	27:36
22/07/2020	सिंह	14:29
22/08/2020	कन्या	21:38
22/09/2020	तुला	19:23
22/10/2020	वृश्चिक	28:52
21/11/2020	धनु	26:30
21/12/2020	मकर	15:54
19/01/2021	कुम्भ	22:53
18/02/2021	मीन	16:39
20/03/2021	मेष	15:31

-श्रीनवग्रहस्तोत्रम्-

जपाकुसुमसंकाशं काश्यपेयं महाद्युतिम्। तमोऽरिं सर्वपापघ्नं प्रणतोऽस्मि दिवाकरम्।।
दधिशंखतुषाराभं क्षीरोदार्णवसम्भवम्। नमामि शशिनं सोमं शम्भोर्मुकुटभूषणम्।।
धरणीगर्भसम्भूतं विद्युत्कान्तिसमप्रभम्। कुमारं शक्तिहस्तं तं मंगलं प्रणमाम्यहम्।।
प्रियंगुकलिकाश्यामं रूपेणाप्रतिमं बुधम्। सौम्यं सौम्यगुणोपेतं तं बुधं प्रणमाम्यहम्।।
देवानां च मुनीनां च गुरुं कांचनसन्निभम्। बुद्धिभूतं त्रिलोकेशं तं नमामि बृहस्पतिम्।।
हिमकुन्दमृणालाभं दैत्यानां परमं गुरुम्। सर्वशास्त्रप्रवक्तारं भार्गवं प्रणमाम्यहम्।।
नीलांजनसमाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम्। छायामार्तण्डसम्भूतं तं नमामि शनैश्चरम्।।
अर्धकायं महावीर्यं चन्द्रादित्यविमर्दनम्। सिंहिकागर्भसम्भूतं तं राहुं प्रणमाम्यहम्।।
पलाशपुष्पसंकाशं तारकाग्रहमस्तकम्। रौद्रं रौद्रात्मकं घोरं तं केतुं प्रणमाम्यहम्।।
इति व्यासमुखोद्गीतं य: पठेत् सुसमाहित:दिवा वा यदि वा रात्रौ विघ्नशान्तिर्भविष्यति।।
नरनारीनृपाणां च भवेदु:स्वप्ननाशनम्। ऐश्वर्यमतुलं तेषामारोग्यं पुष्टिवर्धनम्।।

ग्रहण विवरण 2020-21

वि.सं. 2077(2020-21 ई.) में समस्त विश्व में 02 सूर्यग्रहण दिखाई देंगे। साथ ही 03 विरलाभास चन्द्रग्रहण भी इस वर्ष है जिसका विश्व में प्रत्यक्ष दृश्य न होने से धार्मिक महत्व नही है। इस वर्ष केवल 1 सूर्यग्रहण ही भारत में दृश्यमान होगां। इनका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है-

1. विरलाभास चन्द्रग्रहण (5-6 जून 2020) - यह विरलाभास चन्द्रग्रहण दिनांक 5 जून 2020 ई. को रात्रि 23: 16 से 06 जून 2020 ई. को 02:34 बजे तक रहेगा। यह ग्रहण दिखाई न देने के कारण सूतकादि कृत्य विचारणीय नहीं है।

2. भारत में दृश्य खग्रास सूर्यग्रहण (21 जून 2020 ई.)- यह सूर्यग्रहण सम्पूर्ण भारत में दृश्य होगा। यह ग्रहण विश्व के विभिन्न स्थानों में 09:16 से 15:04 तक दिखाई देगा। दिल्ली में ग्रहण का आरम्भ 10:20 से होगा। ग्रहण मध्यकाल 12:07 बजे रहेगा। ग्रहण की समाप्ति 13:49 पर होगी। इस प्रकार कुल 3घण्टा 29 मिनट ग्रहण का स्थितिकाल रहेगा। इस ग्रहण का सूतक 20 जून 2020 ई. को रात्रि 10:20 बजे से आरम्भ हो जायेगा। सूतक काल में शिशुओं, गर्भवती महिलाओं, वृद्धों एवं नि:शक्त व्यक्तियों को छोडकर अन्य को भोजनादि नहीं करना चाहिए। ग्रहण समय में स्नान, जप, दान इत्यादि का अत्यधिक महत्व धर्मशास्त्रों में कहा गया है। यथा -

बहुफलं जपदानहुतादिके स्मृतिपुराणविद: प्रवदन्ति हि।
सदुपयोगि जने सचमत्कृति: ग्रहणमिन्दिनयो: कथयाम्यत:।।

सि.शि. चं.ग्र.श्लो.1

ग्रहण का स्पर्श, मध्य व मोक्ष काल मिथुन राशि में होगा। ग्रहण का स्थितिकाल मृगशिरा एवं आर्द्रा नक्षत्र में है अत: इन राशि व नक्षत्र वाले जातकों के लिए विशेष कष्टकारी रहेगा। बृहत्संहिता के अनुसार मिथुनराशि में ग्रहण होने पर उत्तम स्त्री, राजा, नृपसमान मन्त्री आदि, बलवान, कलाओं (चित्र, गीत , नृत्य, वाद्यादि) को जानने वाले, यमुना तटवासी, बाह्लिक, मध्यदेश (साकेत, मिथिला, चम्पा, कौशाम्बी, कौशिकी अहिक्षेत्र, गया, विन्ध्य) और सुह्मदेश के निवासी पीड़ित होते हैं। यथा -

मिथुने प्रवरांगना नृपा नृपमात्रा बलिन: कलाविद:।
यमुनातटजा: सबाह्लिका मत्स्या: सुह्मजनै: समन्वित:।।

राहुचारा. श्लोक 37

मिथुन राशि में ग्रहण होने के कारण सभी राशियों के लिए इसका शुभाशुभ निम्नप्रकार से है -

मेष	**कार्यसिद्धि व धनप्राप्ति**
वृष	**धनहानि व पारिवारिक कलह**
मिथुन	**चोटभय एवं कष्ट**
कर्क	**धन का अपव्यय एवं वाणिज्य**
सिंह	**धनलाभ एवं कार्यसिद्धि**
कन्या	**हानि शारीरिक व पारिवारिक सुख**
तुला	**रोग, अपमान एवं व्ययाधिक्य**
वृश्चिक	**चिन्ता एवं कष्ट**
धनु	**स्त्री/ पति कष्ट व अपमान**
मकर	**कार्यसिद्धि व सुख**
कुम्भ	**सन्तति कष्ट, चिन्ता, अपव्यय एवं भय**
मीन	**कष्ट व अपमान**

3. विरलाभास चन्द्रग्रहण (5 जुलाई 2020) - यह विरलाभास चन्द्रग्रहण दिनांक 5 जुलाई 2020 ई. को 08:37 से 11:22 बजे तक रहेगा। यह ग्रहण दिखाई न देने के कारण सूतकादि कृत्य विचारणीय नहीं है।

4. विरलाभास चन्द्रग्रहण (30 नवम्बर 2020) - यह विरलाभास चन्द्रग्रहण दिनांक 30 नवम्बर 2020 ई. को रात्रि 13:02 से 17:23 बजे तक रहेगा। यह ग्रहण दिखाई न देने के कारण सूतकादि कृत्य विचारणीय नहीं है।

5. भारत में अदृश्य सूर्य ग्रहण (14 दिसम्बर 2020 ई.)- यह सूर्य ग्रहण दिनांक 14 दिसम्बर 2020 ई. को भारतीय मानक समयानुसार 19:04 से 12:23 बजे तक विश्व के विभिन्न स्थानों यथा दक्षिणी अफ्रीका, दक्षिणी अमेरिका, प्रशान्त महासागर, हिन्दमहासागर के कुछ भागों एवं अंटार्कटिका में ही दृश्य होगा। भारत में यह दिखाई नहीं देगा। अत: इस ग्रहण का सूतकादि कृत्य विचारणीय नहीं है।

ग्रहों का राशि प्रवेशकाल विचार

2020-21 (भा.स्टै.समय में)

सूर्य राशि प्रवेश

राशि	दिनांक	समय
मेष	13/04/2020	20:27
वृष	14/05/2020	17:20
मिथुन	14/06/2020	23:55
कर्क	16/07/2020	10:47
सिंह	16/08/2020	19:12
कन्या	16/09/2020	19:10
तुला	17/10/2020	07:08
वृश्चिक	16/11/2020	06:56
धनु	15/12/2020	21:33
मकर	14/01/2021	08:18
कुम्भ	12/02/2021	21:17
मीन	14/03/2021	18:07

मंगल राशि प्रवेश

राशि	दिनांक	समय
कुम्भ	04/05/2020	21:12
मीन	18/06/2020	21:26
मेष	16/08/2020	18:34
मीन(वक्री)	04/10/2020	07:17
मेष(मार्गी)	23/12/2020	28:30
वृष	21/02/2021	01:52

बुध राशि प्रवेश

राशि	दिनांक	समय
मीन	07/04/2020	16:04
मेष	24/04/2020	26:59
वृष	09/05/2020	09:33
मिथुन	24/05/2020	22:11
कर्क	01/08/2020	27:27
सिंह	17/08/2020	08:21
कन्या	02/09/2020	11:50
तुला	22/09/2020	15:39
वृश्चिक	28/11/2020	07:08
धनु	17/12/2020	11:30
मकर	04/01/2021	26:57
कुम्भ	25/01/2021	16:41
मकर(वक्री)	04/02/2021	24:15
कुम्भ(मार्गी)	11/03/2021	13:09
मीन	31/03/2021	25:27

गुरु राशि प्रवेश

राशि	दिनांक	समय
मकर	30/03/2020	06:42
धनु(वक्री)	29/06/2020	18:02
मकर(मार्गी)	20/11/2020	16:59
कुम्भ	05/04/2021	28:26

शुक्र राशि प्रवेश

राशि	दिनांक	समय
वृष	28/03/2020	13:38
मिथुन	01/08/2020	08:39
कर्क	31/08/2020	26:46
सिंह	27/09/2020	24:53
कन्या	23/10/2020	11:01
तुला	16/11/2020	25:29
वृश्चिक	10/12/2020	29:21
धनु	03/01/2021	28:47
मकर	27/01/2021	27:16
कुम्भ	20/02/2021	26:18
मीन	16/03/2021	26:54
मेष	09/04/2021	29:35

शनि राशि प्रवेश

राशि	दिनांक	समय
मकर	वर्ष पर्यन्त	

राहु

राशि	दिनांक	समय
वृष	22/09/2020	27:18

केतु

राशि	दिनांक	समय
वृश्चिक	22/09/2020	27:18

देवब्राह्मणवन्दनाद्गुरुवचः सम्पादनात्प्रत्यहं साधूनामभिभाषणाच्छ्रुतिरवश्रेयस्कथाकर्णनात्।
होमादध्वरदर्शनाच्छुचिमनोभावाज्जपाद्दानतो नो कुर्वन्ति कदाचिदेव पुरुषस्यैवं ग्रहाः पीडनम्।।

ग्रहों का नक्षत्र प्रवेशकाल विचार

2020-21 (भा.स्टै.समय में)

सूर्य नक्षत्र प्रवेश

नक्षत्र	दिनांक	समय
अश्विनी	13/04/2020	20:27
भरणी	27/04/2020	12:16
कृत्तिका	11/05/2020	06:27
रोहिणी	24/05/2020	26:41
मृगशिरा	07/06/2020	24:32
आर्द्रा	21/06/2020	23:32
पुनर्वसु	05/07/2020	23:06
पुष्य	19/07/2020	22:38
आश्लेषा	02/08/2020	21:31
मघा	16/08/2020	19:12
पू.फा.	30/08/2020	15:10
उ.फा.	13/09/2020	09:04
हस्त	26/09/2020	24:34
चित्रा	10/10/2020	13:35
स्वाती	23/10/2020	24:04
विशाखा	06/11/2020	08:13
अनुराधा	19/11/2020	14:15
ज्येष्ठा	02/12/2020	18:33
मूल	15/12/2020	21:33
पू.षा.	28/12/2020	23:48
उ.षा.	10/01/2021	25:47
श्रवण	23/01/2021	28:04
धनिष्ठा	06/02/2021	07:13
शतभिषा	19/02/2021	11:44
पू.भा.	04/03/2021	18:01
उ.भा.	17/03/2021	26:27
रेवती	31/03/2021	13:16

मंगल नक्षत्र प्रवेश

श्रवण	05/04/2020	24:14
धनिष्ठा	24/04/2020	29:05
शतभिषा	14/05/2020	16:11
पू.भा.	03/06/2020	10:33
उ.भा.	24/06/2020	05:23
रेवती	16/07/2020	28:51
अश्विनी	16/08/2020	18:34
रेवती(वक्री)	04/10/2020	07:17
अश्विनी(मा.)	23/12/2020	28:30
भरणी	22/01/2021	09:26
कृत्तिका	15/02/2021	28:11
रोहिणी	11/03/2021	09:15
मृगशिरा	02/04/2021	20:56

बुध नक्षत्र प्रवेश

पू.भा.	31/03/2020	09:32
उ.भा.	09/04/2020	21:04
रेवती	17/04/2020	23:04
अश्विनी	24/04/2020	26:59
भरणी	01/05/2020	15:55
कृत्तिका	07/05/2020	20:42
रोहिणी	13/05/2020	26:19
मृगशिरा	20/05/2020	23:12
आर्द्रा	29/05/2020	12:13
पुनर्वसु	14/06/2020	11:23
आर्द्रा(वक्री)	22/06/2020	14:30
पुनर्वसु	26/07/2020	11:16
पुष्य	03/08/2020	24:29
आश्लेषा	10/08/2020	20:02
मघा	17/08/2020	08:21
पू.फा.	23/08/2020	27:36
उ.फा.	31/08/2020	12:50
हस्त	08/09/2020	15:50
चित्रा	17/09/2020	16:09
स्वाती	27/09/2020	28:08
चित्रा(वक्री)	27/10/2020	14:03
स्वाती	11/11/2020	24:14
विशाखा	21/11/2020	19:17
अनुराधा	30/11/2020	10:25
ज्येष्ठा	08/12/2020	23:18
मूल	17/12/2020	11:30
पू.षा.	25/12/2020	20:59
उ.षा.	12/01/2021	26:14
श्रवण	10/01/2021	29:10
धनिष्ठा	19/01/2021	21:35
श्रवण(वक्री)	10/02/2021	21:26
धनिष्ठा	05/03/2021	07:05
शतभिषा	16/03/2021	19:39
पू.भा.	25/03/2021	23:18
उ.भा.	02/04/2021	24:08
रेवती	09/04/2021	29:33

गुरु नक्षत्र प्रवेश

पू.षा.(वक्री)	25/07/2020	28:51
उ.षा.	30/10/2020	18:24
श्रवण	06/01/2021	30:16
धनिष्ठा	04/03/2021	28:53

शुक्र नक्षत्र प्रवेश

कृत्तिका	24/03/2020	27:42
रोहिणी	08/04/2020	13:14
मृगशिरा	27/04/2020	13:36
रोहिणी(वक्री)	28/05/2020	08:03
मृगशिरा	23/07/2020	24:24
आर्द्रा	08/08/2020	20:40
पुनर्वसु	22/08/2020	12:54
पुष्य	03/09/2020	29:20
आश्लेषा	16/09/2020	07:47
मघा	27/09/2020	24:53
पू.फा.	09/10/2020	11:14
उ.फा.	20/10/2020	16:23
हस्त	31/10/2020	17:30
चित्रा	11/11/2020	15:27
स्वाती	22/11/2020	11:01
विशाखा	02/12/2020	28:48
अनुराधा	13/12/2020	21:25
ज्येष्ठा	24/12/2020	13:18
मूल	03/01/2021	28:47
पू.षा.	14/01/2021	20:06
उ.षा.	25/01/2021	11:24
श्रवण	04/02/2021	26:50
धनिष्ठा	15/02/2021	18:24
शतभिषा	26/02/2021	10:15
पू.भा.	08/03/2021	26:26
उ.भा.	19/03/2021	19:06
रेवती	30/03/2021	12:21
अश्विनी	09/04/2021	29:35

शनि नक्षत्र प्रवेश

श्रवण	23/01/2021	07:34

राहु नक्षत्र प्रवेश

मृगशिरा	20/05/2020	08:05
रोहिणी	26/01/2021	22:37

केतु नक्षत्र प्रवेश

विशाखा	22/07/2020	05:44
स्वाती	30/03/2021	20:19

विक्रम संवत् 2077 (ई०सन् 2020-21) के प्रमुख व्रत, पर्व एवं उत्सव

व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक	व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक	व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक
वासन्तिक नवरात्रारम्भ	25/03/20	बगुलामुखी जयन्ती	26/04/20	स्कन्द षष्ठी	28/05/20
मत्स्य जयन्ती	27/03/20	गौरी पूजा	26/04/20	विन्ध्यवासिनी पूजन	30/05/20
गणगौरी तृतीया	27/03/20	मातंगी जयन्ती	26/04/20	आरण्यक गौरी व्रत	30/05/20
सौभाग्य गौरीव्रतम्	27/03/20	आदिगुरु शंकराचार्य जयन्ती	28/04/20	मेला क्षीर भवानी	30/05/20
विनायक चतुर्थी व्रतम्	28/03/20	रामानुजाचार्य जयन्ती	29/04/20	गंगा दशहरा	01/06/20
श्री पंचमी	29/03/20	चन्दन षष्ठी	29/04/20	रामेश्वर प्रतिष्ठा	01/06/20
रामराज्य महोत्सव	29/03/20	गंगोत्पत्ति	30/04/20	गायत्री जयन्ती	01/06/20
स्कन्द षष्ठी	30/03/20	अपराजिता देवी पूजा	02/05/20	चम्पक द्वादशी	03/06/20
दुर्गाष्टमी व्रत	01/04/20	सीता जयन्ती	02/05/20	त्रिविक्रम द्वादशी	03/06/20
रामनवमी	02/04/20	मधुसूदन द्वादशी	04/05/20	वटसावित्री व्रत पूर्णिमा	05/06/20
नवरात्र समाप्त	02/04/20	छिन्नमस्ता जयन्ती	06/05/20	कबीर दास जयन्ती	05/06/20
देवी विसर्जन	03/04/20	नृसिंह जयन्ती	06/05/20	शीतला अष्टमी	13/06/20
धर्मराज दशमी	03/04/20	नारद जयन्ती	07/05/20	आषाढी अमावस्या	21/06/20
वामन द्वादशी	05/04/20	कूर्म जयन्ती	07/05/20	गुप्त नवरात्रारम्भ	22/06/20
अनंग त्रयोदशी	06/04/20	बुद्ध पूर्णिमा	07/05/20	श्री जगन्नाथ यात्रा	23/06/20
महावीर जयन्ती	06/04/20	सम्पद्गौरी व्रत	07/05/20	स्कन्द/कुमार षष्ठी	26/06/20
नृसिंह दोलोत्सव	07/04/20	भानू सप्तमी	14/05/20	विवस्वत् सप्तमी	27/06/20
अनसूया जयन्ती	11/04/20	शीतला अष्टमी	15/05/20	महिषासुरमर्दिनी पूजा	28/06/20
वैशाखी	13/04/20	वट सावित्री व्रत अमा.	22/05/20	मेला शरीक भवानी	29/06/20
कोकिला षष्ठी	13/04/20	भावुका अमावस्या	22/05/20	भडरी नवमी	29/06/20
शीतला अष्टमी	15/04/20	ज्येष्ठी अमावस्या	22/05/20	गुप्त नवरात्र समाप्त	29/06/20
वैशाख अमावस्या	23/04/20	शनैश्चर जयन्ती	22/05/20	वासुदेव द्वादशी	02/07/20
परशुराम जयन्ती	25/04/20	रम्भा तृतीया	25/05/20	कोकिला व्रत	05/07/20
शिवाजी जयन्ती	26/04/20	महाराणाप्रताप जयन्ती	25/05/20	गुरु/व्यास पूर्णिमा	05/07/20
अक्षय तृतीया	26/04/20	महादेव विवाह	27/05/20	शीतला सप्तमी	12/07/20

व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक	व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक	व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक
हरियाली अमावस्या	20/07/20	शक्र द्वादशी	30/08/20	महानवमी व्रत	25/10/20
सिन्धारा व्रत	21/07/20	अनन्तचतुर्दशी व्रत	01/09/20	विजया दशमी	26/10/20
मधुश्रवा तृतीया	23/07/20	प्रतिपदा का श्राद्ध	02/09/20	शरद पूर्णिमा	31/10/20
नाग पंचमी	25/07/20	द्वितीया का श्राद्ध	03/09/20	कार्तिक स्नान प्रारम्भ	31/10/20
श्री कल्की जयन्ती	25/07/20	तृतीया का श्राद्ध	05/09/20	वाल्मीकि जयन्ती	31/10/20
शीतला सप्तमी (सिंध)	26/07/20	शिक्षक दिवस	05/09/20	करवाचौथ व्रत	04/11/20
श्री तुलसी दास जयन्ती	27/07/20	चतुर्थी का श्राद्ध	06/09/20	अहोई अष्टमी	08/11/20
कौमारी देवी पूजा	27/07/20	पंचमी का श्राद्ध	07/09/20	राधा जयन्ती	09/11/20
दधिव्रत	29/07/20	षष्ठी का श्राद्ध	08/09/20	गोवत्स द्वादशी	12/11/20
दामोदर द्वादशी	31/07/20	सप्तमी का श्राद्ध	09/09/20	धनवन्तरी जयन्ती	13/11/20
रक्षा बन्धन	03/08/20	अष्टमी का श्राद्ध	10/09/20	धनतेरस	13/11/20
कज्जली तृतीया	06/08/20	जीवित पुत्रिका व्रत	10/09/20	नरक चतुर्दशी	13/11/20
ललही छठ	09/08/20	नवमी का श्राद्ध	11/09/20	दीपावली	14/11/20
हल षष्ठी	09/08/20	मातृ नवमी	11/09/20	महालक्ष्मी पूजा	14/11/20
बलराम जयन्ती	09/08/20	दशमी का श्राद्ध	12/09/20	यम तर्पण	15/11/20
श्रीकृष्णजन्माष्टमी स्मा.	11/08/20	एकादशी का श्राद्ध	13/09/20	अन्नकूट	15/11/20
श्रीकृष्णजन्माष्टमी वै.	12/08/20	द्वादशी का श्राद्ध	14/09/20	गोवर्धन पूजा	15/11/20
स्वतन्त्रता दिवस	15/08/20	त्रयोदशी का श्राद्ध	15/09/20	विश्वकर्मा पूजा	16/11/20
कुशोत्पाटिनी अमावस्या	19/08/20	चतुर्दशी का श्राद्ध	16/09/20	भैयादूज, यमद्वितीया	16/11/20
हरितालिका तीज	21/08/20	अमावस्या का श्राद्ध	17/09/20	सूर्यषष्ठी व्रत	20/11/20
ऋषि पंचमी	23/08/20	सर्व पितृ विसर्जन	17/09/20	अक्षय नवमी, कूष्माण्ड नवमी	23/11/20
लोलार्क षष्ठी	24/08/20	शारदीय नवरात्रारम्भ	17/10/20	हरिप्रबोधिनी एकादशी	25/11/20
नन्दा देवी पूजा	26/08/20	कलश स्थापना	17/10/20	तुलसी विवाह	26/11/20
राधा अष्टमी	26/08/20	उपांगललिता व्रत	21/10/20	वैकुण्ठ चतुर्दशी	28/11/20
दूर्वा अष्टमी	26/08/20	सरस्वती आवाहन	21/10/20	विश्वनाथ स्थापना दिवस	29/11/20
अदुःख नवमी	27/08/20	महानिशा पूजा	23/10/20	गुरु नानक जयन्ती	30/11/20
दशावतार व्रत	28/08/20	महाष्टमी व्रत	24/10/20	देव दीपावली	30/11/20

व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक	व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक	व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक
कार्तिकव्रत पारणा	01/12/20	सुभाष जय.	23/01/21	सीता पूजन	21/03/21
सौभाग्य सुन्दरी व्रत	03/12/20	कूर्मद्वादशी	25/01/21	दुर्गाष्टमी	22/03/21
कालभैरवाष्टमी	07/12/20	गणतन्त्र दिवस	26/01/21	फल्गु दशमी	24/03/21
रुक्मिणी व्रत	07/12/20	माघस्नानारम्भ	28/01/21	रंगभरी एकादशी	25/03/21
कार्तिक पूजा बंगाल	14/12/20	तिल द्वादशी	08/02/21	गोविन्द द्वादशी	26/03/21
रुद्रव्रत	15/12/20	मौनी अमावस्या	11/02/21	कामदहन चतुर्दशी	27/03/21
रम्भा व्रत	16/12/20	शिशिर गुप्त नवरात्रारम्भ	12/02/21	होलिकादहन	28/03/21
रामविवाहोत्सव	19/12/20	गौरी तृतीया व्रत	14/02/21	होलिकांष्टक समाप्ति	28/03/21
संहार षष्ठी	20/12/20	तिल चतुर्थी	15/02/21	चैतन्यमहाप्रभु जयन्ती	28/03/21
मल्लार षष्ठी	20/12/20	वसन्त पंचमी	16/02/21	होली (धुलैण्डी)	29/03/21
चम्पा षष्ठी	20/12/20	सरस्वती पूजा	16/02/21	होलिका भस्मधारण	29/03/21
महानवमीव्रत	23/12/20	श्रीपंचमी	16/02/21	वसन्तोत्सव	29/03/21
गीता जयन्ती	25/12/20	मदनपंचमी	16/02/21	आम्रकलिका प्राशन	29/03/21
मत्स्य द्वादशी	26/12/20	रथसप्तमी	19/02/21	रंग पंचमी	02/04/21
अखण्ड द्वादशी	26/12/20	अभोज्यार्कव्रत	19/02/21	मेला नौचंदी प्रारम्भ(मेरठ)	02/04/21
श्रीदत्त जयन्ती	29/12/20	भीमाष्टमी	20/02/21	स्कन्द षष्ठी	02/04/21
अष्टका श्राद्ध	06/01/21	नन्दिनीदेवी पूजन	21/02/21	एकनाथ षष्ठी	02/04/21
सुरूपद्वादशी	10/01/21	भक्त पुण्डरीक उत्सव	23/02/21	व्यष्टका श्राद्ध	03/04/21
स्वामी विवेकानन्द जयन्ती	12/01/21	सन्तान द्वादशी	24/02/21	मेला नौचंदी समाप्त(मेरठ)	03/04/21
पौषी अमावस्या	13/01/21	माघस्नान समाप्ति	27/02/21	शीतला पूजा/बासोड़ा	04/04/21
वकुला अमावस्या	13/01/21	सन्त रैदास जयन्ती	27/02/21	अष्टकाश्राद्ध	04/04/21
लोहड़ी (मासान्त)	13/01/21	महाशिवरात्रि व्रत	11/03/21	अन्वष्टका श्राद्ध	05/04/21
खिचडी संक्रान्ति	14/01/21	ब्रह्म पूजा	13/03/21	प्रदोष व्रत	09/04/21
पोंगल(द.भा.)	14/01/21	रामकृष्ण परमहंस जयन्ती	15/03/21	सोमवती अमावस्या	12/04/21
बिहू (आसाम)	14/01/21	पुत्र गणपति व्रत	17/03/21	मेला पेहवा	12/04/21
माघी (हिमाचल)	14/01/21	कामदा सप्तमी व्रत	20/03/21	विक्रम संवत् समाप्ति	12/04/21
तिल संक्रान्ति	14/01/21	होलाष्टक प्रारम्भ	21/03/21		

विक्रम संवत् 2077 (ई०सन् 2020-21) के प्रमुख व्रत, पर्व एवं उत्सव

विनायक चतुर्थी व्रत

मास	पक्ष	दिनांक
चैत्र	शुक्ल	28/03/20
वैशाख	शुक्ल	27/04/20
ज्येष्ठ	शुक्ल	26/05/20
आषाढ	शुक्ल	25/06/20
श्रावण	शुक्ल	24/07/20
भाद्रपद	शुक्ल	22/08/20
आश्विन अधि.	शुक्ल	20/09/20
आश्विन शुद्ध	शुक्ल	20/10/20
कार्तिक	शुक्ल	18/11/20
मार्गशीर्ष	शुक्ल	18/12/20
पौष	शुक्ल	17/01/21
माघ	शुक्ल	15/02/21
फाल्गुन	शुक्ल	17/03/21

संकष्टहर चतुर्थी व्रत

मास	पक्ष	दिनांक
वैशाख	कृष्ण	11/04/20
ज्येष्ठ	कृष्ण	10/05/20
आषाढ	कृष्ण	08/06/20
श्रावण	कृष्ण	08/07/20
भाद्रपद	कृष्ण	07/08/20
आश्विन शुद्ध	कृष्ण	05/09/20
आश्विन अधि.	कृष्ण	05/10/20
कार्तिक	कृष्ण	04/11/20
मार्गशीर्ष	कृष्ण	03/12/20
पौष	कृष्ण	02/01/21
माघ	कृष्ण	31/01/21
फाल्गुन	कृष्ण	02/03/21
चैत्र	कृष्ण	31/03/21

दुर्गाष्टमी व्रत

मास	पक्ष	दिनांक
चैत्र	शुक्ल	01/04/20
वैशाख	शुक्ल	01/05/20
ज्येष्ठ	शुक्ल	30/05/20
आषाढ	शुक्ल	28/06/20
श्रावण	शुक्ल	27/07/20
भाद्रपद	शुक्ल	26/08/20
आश्विन अधि.	शुक्ल	24/09/20
आश्विन शुद्ध	शुक्ल	24/10/20
कार्तिक	शुक्ल	22/11/20
मार्गशीर्ष	शुक्ल	22/12/20
पौष	शुक्ल	21/01/21
माघ	शुक्ल	20/02/21
फाल्गुन	शुक्ल	22/03/21

कालाष्टमी व्रत

मास	पक्ष	दिनांक
वैशाख	कृष्ण	14/04/20
ज्येष्ठ	कृष्ण	14/05/20
आषाढ	कृष्ण	13/06/20
श्रावण	कृष्ण	12/07/20
भाद्रपद	कृष्ण	11/08/20
आश्विन शुद्ध	कृष्ण	10/09/20
आश्विन अधि.	कृष्ण	10/10/20
कार्तिक	कृष्ण	08/11/20
मार्गशीर्ष	कृष्ण	07/12/20
पौष	कृष्ण	06/01/21
माघ	कृष्ण	04/02/21
फाल्गुन	कृष्ण	05/03/21
चैत्र	कृष्ण	04/04/21

मास शिवरात्रि व्रत

मास	पक्ष	दिनांक
वैशाख	कृष्ण	21/04/20
ज्येष्ठ	कृष्ण	21/05/20
आषाढ	कृष्ण	19/06/20
श्रावण	कृष्ण	19/07/20
भाद्रपद	कृष्ण	17/08/20
आश्विन शुद्ध	कृष्ण	16/09/20
आश्विन अधि.	कृष्ण	15/10/20
कार्तिक	कृष्ण	13/11/20
मार्गशीर्ष	कृष्ण	13/12/20
पौष	कृष्ण	11/01/21
माघ	कृष्ण	10/02/21
फाल्गुन	कृष्ण	11/03/21
चैत्र	कृष्ण	10/04/21

एकादशी व्रत

मास	पक्ष	दिनांक
चैत्र	शुक्ल	04/04/20
वैशाख	कृष्ण	18/04/20
वैशाख	शुक्ल (स्मा.)	03/05/20
वैशाख	शुक्ल (वै.)	04/05/20
ज्येष्ठ	कृष्ण	18/05/20
ज्येष्ठ	शुक्ल	02/06/20
आषाढ	कृष्ण	17/06/20

विक्रम संवत् 2074 (ई०सन् 2017-18) के प्रमुख व्रत, पर्व एवं उत्सव

मास	पक्ष	दिनांक
आषाढ	शुक्ल	01/07/20
श्रावण	कृष्ण	16/07/20
श्रावण	शुक्ल	30/07/20
भाद्रपद	कृष्ण	15/08/20
भाद्रपद	शुक्ल	29/08/20
आश्विन शुद्ध	कृष्ण (स्मा.)	13/09/20
आश्विन शुद्ध	कृष्ण (वै.)	14/09/20
आश्विन अधि.	शुक्ल	27/09/20
आश्विन अधि.	कृष्ण	13/10/20
आश्विन शुद्ध	शुक्ल	27/10/20
कार्तिक	कृष्ण (स्मा./वै.)	11/11/20
कार्तिक	शुक्ल (स्मा./वै.)	25/11/20
मार्गशीर्ष	कृष्ण	11/12/20
मार्गशीर्ष	शुक्ल	25/12/20
पौष	कृष्ण	09/01/21
पौष	शुक्ल	24/01/21
माघ	कृष्ण(स्मा./वै.)	07/02/21
माघ	शुक्ल	23/02/21
फाल्गुन	कृष्ण	09/03/21
फाल्गुन	शुक्ल	25/03/21
चैत्र	कृष्ण	07/04/21

प्रदोष व्रत

मास	पक्ष	दिनांक
चैत्र	शुक्ल	05/04/20
वैशाख	कृष्ण	20/04/20
वैशाख	शुक्ल	05/05/20
ज्येष्ठ	कृष्ण	20/05/20
ज्येष्ठ	शुक्ल	03/06/20
आषाढ	कृष्ण	18/06/20
आषाढ	शुक्ल	02/07/20
श्रावण	कृष्ण	18/07/20
श्रावण	शुक्ल	01/08/20
भाद्रपद	कृष्ण	16/08/20
भाद्रपद	शुक्ल	01/09/20
आश्विन शुद्ध	कृष्ण	15/09/20
आश्विन अधि.	शुक्ल	29/09/20
आश्विन अधि.	कृष्ण	14/10/20
आश्विन शुद्ध	शुक्ल	28/10/20
कार्तिक	कृष्ण	13/11/20
कार्तिक	शुक्ल	27/11/20
मार्गशीर्ष	कृष्ण	12/12/20
मार्गशीर्ष	शुक्ल	27/12/20
पौष	कृष्ण	10/01/21
पौष	शुक्ल	26/01/21
माघ	कृष्ण	09/02/21
माघ	शुक्ल	24/02/21
फाल्गुन	कृष्ण	10/03/21
फाल्गुन	शुक्ल	26/03/21
चैत्र	कृष्ण	09/04/21

पूर्णिमा व्रत

मास	पक्ष	दिनांक
चैत्र	शुक्ल	07/04/20
वैशाख	शुक्ल	06/05/20
ज्येष्ठ	शुक्ल	05/06/20
आषाढ	शुक्ल	04/07/20
श्रावण	शुक्ल	03/08/20
भाद्रपद	शुक्ल	01/09/20
आश्विन(अधि.)	शुक्ल	01/10/20
आश्विन(शुद्ध)	शुक्ल	31/10/20
कार्तिक	शुक्ल	29/11/20
मार्गशीर्ष	शुक्ल	29/12/20
पौष	शुक्ल	28/01/21
माघ	शुक्ल	26/02/21
फाल्गुन	शुक्ल	28/03/21

सूर्यसंक्रान्ति पुण्यकाल

राशि	दिनांक	समय
मेष	13/04/20	16:27 से
वृष	14/05/20	10:56 से
मिथुन	14/06/20	मध्याह्न से
कर्क	16/07/20	सूर्योदय से
सिंह	16/08/20	12:48 से
कन्या	16/09/20	12:46 से
तुला	17/10/20	सूर्योदय से
वृश्चिक	16/11/20	सूर्योदय से
धनु	15/12/20	15:09 से
मकर	14/01/21	08:18 से
कुम्भ	12/02/21	14:53 से
मीन	14/03/21	मध्याह्न से

विविध शुभ योग ई0 सन् 2020-21

सर्वार्थसिद्धि योग		31/05/2020	सम्पूर्ण	11/08/2020	25:07 से	11/10/2020	25:55 तक
दिनांक	समय	04/06/2020	18:36 से	12/08/2020	सम्पूर्ण	दिनाङ्क	समय
26/03/2020	सम्पूर्ण	05/06/2020	16:41 तक	17/08/2020	07:45 से	17/10/2020	11:53 से
27/03/2020	10:08 तक	07/06/2020	14:08 तक	18/08/2020	28:41 तक	19/10/2020	27:26 तक
30/03/2020	सम्पूर्ण	14/06/2020	24:19 तक	26/08/2020	12:57 तक	23/10/2020	24:57 से
02/04/2020	सम्पूर्ण	16/06/2020	सम्पूर्ण	30/08/2020	13:47 तक	24/10/2020	26:06 तक
08/04/2020	06:06 तक	20/06/2020	12:04 तक	31/08/2020	14:59 तक	29/10/2020	12:03 से
10/04/2020	21:36 से	28/06/2020	सम्पूर्ण	06/09/2020	24:00 तक	30/10/2020	सम्पूर्ण
12/04/2020	18:54 से	02/07/2020	25:07 तक	09/09/2020	सम्पूर्ण	04/11/2020	29:02 तक
21/04/2020	10:24 तक	05/07/2020	22:52 से	13/09/2020	16:49 से	06/11/2020	06:44 से
23/04/2020	16:06 तक	06/07/2020	22:58 से	14/09/2020	16:05 तक	08/11/2020	07:33 तक
27/04/2020	24:45 तक	12/07/2020	08:17 तक	15/09/2020	14:35 तक	11/11/2020	28:25 से
30/04/2020	26:24 तक	14/07/2020	14:13 तक	19/09/2020	25:13 से	14/11/2020	20:14 तक
03/05/2020	22:05 से	15/07/2020	16:55 से	21/09/2020	20:31 तक	16/11/2020	14:35 तक
08/05/2020	08:40 से	20/07/2020	21:37 से	26/09/2020	19:13 से	20/11/2020	09:21 से
10/05/2020	27:38 तक	21/07/2020	22:46 से	01/10/2020	29:48 से	21/11/2020	09:49 तक
17/05/2020	14:00 से	29/07/2020	08:32 से	02/10/2020	सम्पूर्ण	24/11/2020	15:27 से
19/05/2020	20:01 से	30/07/2020	07:39 तक	04/10/2020	11:50 तक	26/11/2020	सम्पूर्ण
23/05/2020	29:07 तक	02/08/2020	06:55 से	06/10/2020	17:53 तक	27/11/2020	24:28 तक
25/05/2020	06:09 तक	03/08/2020	07:21 से	07/10/2020	सम्पूर्ण	30/11/2020	सम्पूर्ण
28/05/2020	07:32 तक	9/08/2020	19:02 से	09/10/2020	24:50 से	02/12/2020	10:37 तक

03/12/2020	12:23 से	28/02/2021	09:39 से	07/02/2021	20:49 तक	29/09/2020	22:23
04/12/2020	13:44 तक	04/03/2021	23:47 से	**सिद्ध योग**		01/10/2020	26:27
09/12/2020	12:40 से	05/03/2021	22:26 तक	दिनांक	समय	02/10/2020	28:48
18/12/2020	18:47 तक	07/03/2021	20:49 तक	28/03/2020	24:25	14/10/2020	11:59
22/12/2020	25:19 तक	16/03/2021	सम्पूर्ण	11/04/2020	18:44	28/10/2020	12:54
24/12/2020	सम्पूर्ण	20/03/2021	16:47 तक	24/04/2020	10:00	03/11/2020	27:30
25/12/2020	07:41 तक	28/03/2021	सम्पूर्ण	02/05/2020	11:45	05/11/2020	00:00
28/12/2020	सम्पूर्ण	01/04/2021	07:22 से	05/05/2020	23:32	14/11/2020	14:21
31/12/2020	सम्पूर्ण	04/04/2021	25:41 से	07/05/2020	16:12	17/11/2020	24:56
06/01/2021	17:16 तक	05/04/2021	25:41 से	08/05/2020	12:59	19/11/2020	21:53
19/01/2021	09:50 तक	11/04/2021	08:58 तक	13/05/2020	00:00	20/11/2020	21:04
21/01/2021	15:36 तक	**सिद्धियोग**		16/05/2020	10:21	02/12/2020	18:27
23/01/2021	21:44 से	02/04/2020	19:49 तक	03/06/2020	09:06	18/12/2020	22:17
25/01/2021	26:18 तक	21/04/2020	10:24 तक	19/06/2020	11:06	10/12/2020	12:57
28/01/2021	28:21 तक	10/05/2020	27:38 तक	26/06/2020	29:08	11/12/2020	10:06
31/01/2021	25:36 से	07/06/2020	20:42 तक	04/07/2020	11:34	16/12/2020	16:48
05/02/2021	18:27 से	24/07/2020	16:08 तक	22/07/2020	19:35	22/12/2020	18:03
07/02/2021	16:15 से	12/08/2020	27:46 तक	05/08/2020	22:34	24/12/2020	23:18
14/02/2021	16:23 से	31/08/2020	14:59 तक	22/08/2020	19:52	25/12/2020	26:03
16/02/2021	20:42 से	09/09/2020	11:17 तक	09/09/2020	26:21	20/01/2021	13:11
20/02/2021	सम्पूर्ण	14/11/2020	20:14 तक	15/09/2020	23:30	26/01/2021	25:36
22/02/2021	11:02 तक	22/12/2020	25:19 तक	18/09/2020	12:52	28/01/2021	25:13
24/02/2021	13:25 तक	31/12/2020	20:00 तक	23/09/2020	19:36	29/01/2021	24:06

06/02/2021	08:14	31/03/2020	28:22	07/08/2020	25:46	04/12/2020	20:18
09/02/2021	25:55	04/04/2020	23:01	11/08/2020	09:10	17/12/2020	15:10
11/02/2021	24:20	12/04/2020	07:00	15/08/2020	14:29	18/12/2020	14:14
12/02/2021	24:11	14/04/2020	15:58	23/08/2020	16:56	04/01/2021	07:20
24/02/2021	18:22	18/04/2020	22:10	25/08/2020	12:15	05/01/2021	28:24
10/03/2021	14:36	29/04/2020	15:24	29/08/2020	08:16	09/01/20211	9:20
16/03/2021	20:46	03/05/2020	09:15	07/09/2020	21:37	18/01/2021	09:09
18/03/2021	20:00	17/05/2020	12:43	10/09/2020	23:01	21/01/2021	15:50
19/03/2021	28:48	23/05/2020	24:28	11/09/2020	28:57	22/01/2021	18:34
27/03/2021	28:02	01/05/2020	15:04	21/09/2020	23:18	03/02/2021	14:14
02/04/2021	30:02	04/05/2020	06:08	24/09/2020	18:44	17/02/2021	00:00
10/04/2021	29:46	06/05/2020	22:21	25/09/2020	18:28	22/02/2021	17:28
रविपुष्य योग		15/05/2020	00:00	12/10/2020	16:57	25/02/2021	17:34
11/10/2020	25:55	17/05/2020	07:56	15/10/2020	08:36	26/02/2021	16:03
08/11/2020	08:49	23/05/2020	11:24	17/10/2020	21:08	08/03/2021	15:39
गुरुपुष्य योग		01/07/2020	17:26	26/10/2020	08:56	11/03/2021	14:36
30/04/2020	26:24	05/07/2020	10:16	29/10/2020	15:17	12/03/2021	14:58
28/05/2020	07:32	07/07/2020	03:02	30/10/2020	17:47	28/03/2021	24:35
28/01/2021	28:21	11/07/2020	13:27	07/11/2020	07:25	30/03/2021	17:26
25/02/2021	13:25	23/07/2020	17:12	11/11/2020	25:13	07/04/2021	26:06
अमृत योग		24/07/2020	14:40	25/11/2020	29:02		
25/03/2020	17:25	03/08/2020	21:17	30/11/2020	15:01		
29/03/2020	26:16	06/08/2020	23:55	03/12/2020	19:35		

विक्रमसंवत् 2077, शाके 1942, चैत्र शुक्ल पक्ष (दिनांक 25 मार्च से 08 अप्रैल 2020 ई. तक)

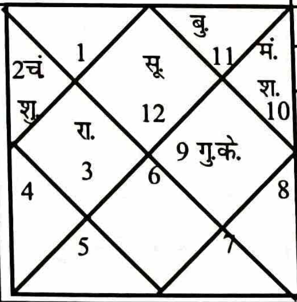
 'प्रमादी' संवत्सर, उत्तरायण, उत्तर गोल, वसन्त-ऋतु, केतकी अहर्गण- 3276 अयनांश 24/07/21

तिथि	वार	घ.	प.	घ	मि	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योगे	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	बुध	27	37	17	25	रेवती	60	00	-	-	ब्रह्म	23	02	बव	27	37	06	23	18	31	30	20	27	08	मीन	चै.12	25मार्च	नववर्षारम्भ,कल्पादि,वसन्तनवरात्रारम्भ,A
2	गुरु	33	48	19	53	रेवती	02	14	07	15	ऐन्द्र	25	15	बालव	00	42	06	22	18	32	30	25	26	49	मेष07:15	13	26	सिन्धारा, झूलेलाल जयन्ती,चन्द्रदर्शन,पंचक B
3	शुक्र	39	44	22	14	अश्विनी	09	28	10	08	वैधृति	27	18	तैतिल	06	46	06	21	18	32	30	29	26	30	मेष	14	27	मत्स्यजयन्ती,गणगौरीतृतीया C
4	शनि	45	15	24	25	भरणी	16	24	12	53	विष्कु.	29	02	वणिज	12	29	06	19	18	33	30	33	26	11	वृष19:30	15	28	भद्रा 11:19 से 24:25तक, विनायकचतुर्थीD
5	रवि	49	56	26	16	कृत्तिका	22	40	15	22	प्रीति	30	11	बव	17	35	06	18	18	33	30	38	25	52	वृष	16	29	श्रीपंचमी,श्वेतवाराहकल्पादि,रामराज्यमहोत्सव
6	सोम	53	22	27	37	रोहिणी	27	53	17	26	आयु.	30	26	कौलव	21	39	06	17	18	34	30	42	25	33	वृष	17	30	स्कन्दषष्ठी,सूर्यषष्ठीव्रत(विहार),यमुना छठ।
7	मंगल	55	16	28	22	मृगसिरा	31	45	18	58	सौभा.	29	34	गर	24	19	06	16	18	35	30	46	25	15	मिथुन06:12	18	31	भद्रा 28:22से महासप्तमी, E
8	बुध	55	12	28	19	आर्द्रा	33	52	19	47	शोभन	27	17	विष्टि	25	14	06	15	18	35	30	50	24	56	मिथुन	19	01अप्रै.	भद्रा 16:20 तक दुर्गाष्टमी,F
9	गुरु	52	58	27	24	पुनर्वसु	34	00	19	49	अति.	23	23	बालव	24	05	06	14	18	36	30	55	24	38	कर्क13:48	20	02	रामनवमी, राजेश्वरीमेला,सिद्धिदात्री नवमी,G
10	शुक्र	48	31	25	37	पुष्य	32	03	19	01	सुकर्मा	17	48	तैतिल	20	45	06	12	18	36	30	59	24	19	कर्क	21	03	नवरात्र पारणा, धर्मराजदशमी, देवीविसर्जन
11	शनि	42	04	23	01	आश्लेषा	28	05	17	25	धृति	10	37	वणिज	15	18	06	11	18	37	31	03	24	01	सिंह17:25	22	04	भद्रा 12:19से 23:01तक,कामदा एकादशीH
12	रवि	33	59	19	46	मघा	22	28	15	09	शूल गण्ड	02 52	04 25	बव	08	01	06	10	18	37	31	07	23	44	सिंह	23	05	वामनद्वादशी, अनन्तपूजा, प्रदोष व्रत I
13	सोम	24	42	16	02	पू.फा.	15	32	12	21	वृद्धि	42	43	तैतिल	24	42	06	09	18	38	31	12	23	26	कन्या17:35	24	06	अनंगत्रयोदशी,श्रीमहावीरजयन्ती(जैन)शैवचतुर्दशी.
14	मंगल	14	51	12	04	उ.फा.	07	53	09	17	ध्रुव	31	23	वणिज	14	51	06	08	18	38	31	16	23	09	कन्या	25	07	भद्रा 12:04 से 22:04 तक, पूर्णिमाव्रत J
15	बुध	04	55	08	05	हस्त चित्रा	59 52	57 10	06 26	06 58	व्याघात	20	12	बव	04	55	06	07	18	39	31	20	22	52	तुला16:32	26	08	स्नानदानादि पूर्णिमा, मन्वादि 15 K

A वि.सं.2075 प्रारम्भ, घटस्थापन, गुडी परवा, रामायण नवाह्न पारायण प्रारम्भ, **B** समाप्ति 07:15 पर **C** स्वायम्भुवमन्वादि, शिवदोलोत्सव, सौभाग्यगौरीव्रत **D** दमनकचतुर्थी। **E** वासन्ती दुर्गा पूजारम्भ, कालरात्रि सप्तमी, **F** मेलाबाहुफोर्ट(जम्मू),मेला, अशोकाष्टमी, अन्नपूर्णा परिक्रमा प्रारम्भ, महानिशा पूजा, अन्नपूर्णा पूजा , भवानीयात्रा, **G** नवमी होमादि, औली जैन प्रारम्भ, रामायण नवाह्न समाप्त, नवरात्रि समाप्त। **H** व्रत (समस्त), विष्णुदोलोत्सव **I** मदन द्वादशी, दमनोत्सव **J** नृसिंहदोलोत्सव **K** सत्यनारायणव्रत, हनुमानजयन्ती(दक्षिणभारत), वैशाखस्नान प्रारम्भ, औलीजैन समाप्त, सिद्धाचलयात्रा, प्रपा कार्य, घटदान, तुलसी पत्र से विष्णु पूजा । **वर्षादिकृत्य**-परिभद्रस्य पत्राणि कोमलानि विशेषत:।सुपुष्पाणि समानीय चूर्ण कृत्वा विधानत:।। मरीचिर्लवणं हिंगुजीरकेण च संयुतम्। अजमोदयुतं कृत्वा भक्षयेद् रोगशान्तये।। **रामनवमी** -अशोककुसुमैर्युक्तंमर्घ्य दद्याद्विचक्षण:। दशाननवधार्थाय धर्मसंस्थापनाय च।। परित्राणाय साधूनां जातो राम: स्वयं हरि:।।

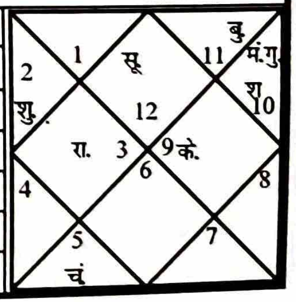
चैत्र शुक्ल 05, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 29.03.2020

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	11	01	09	10	08	01	09	02	08
अं.	14	05	04	17	29	00	06	09	09
क.	39	26	36	22	50	40	16	25	25
वि.	26	41	57	41	18	04	5£	34	34
गति	59	723	41	70	07	57	03	व03	व03
	20	25	41	19	55	40	58	11	11



चैत्र शुक्ल 12, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 05.04.2020

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केत
रा.	11	04	09	10	09	01	09	02	08
अं.	21	07	09	26	00	07	06	09	09
क.	33	54	28	30	41	08	42	03	03
वि.	29	26	37	31	52	00	34	20	20
गति	59	869	41	83	06	53	03	व03	व03
	5	20	42	53	57	40	25	11	11



विक्रमसंवत् 2077, शाके 1942, वैशाख कृष्ण पक्ष (दिनांक 09 अप्रैल से 23 अप्रैल 2020 ई. तक)

'प्रमादी' संवत्सर, उत्तरायण, उत्तर गोल, वसन्त/ग्रीष्म-ऋतु, केतकी अहर्गण- 3291 अयनांश 24/07/23

तिथि	वार	घ.	प.	घ	मि	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योगे	घ.	प.	करण	घ.	प	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.अं.		चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	००	55	22	28	16	००	00	00	00	00	००	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00 00	00	00	प्रतिपदा तिथि क्षय
2	गुरु	45	45	24	23	स्वाती	44	49	24	01	हर्षण	09	33	तैतिल	20	33	06	06	18	39	31	24	22	35	तुला	27	9अप्रैल	शब्ब ए बारात(मुस्लिम)
3	शुक्र	37	52	21	13	विशाखा	38	50	21	36	वज्र सिद्धि	59 49	43 41	वणिज	11	49	06	05	18	40	31	28	22	19	वृश्चि16:12	28	10	भद्रा 10:48 से 21:13तक,गुड फ्राइडे(ईसाई)
4	शनि	31	43	18	44	अनुराधा	34	34	19	53	व्यती.	42	12	बव	04	47	06	03	18	41	31	32	22	02	वृश्चिक	29	11	संकट चतुर्थी व्रत, अनसूया जयन्ती
5	रवि	27	26	17	00	ज्येष्ठा	32	10	18	54	वरी.	36	18	तैतिल	27	26	06	02	18	41	31	36	21	47	धनु 18:54	30	12	ईस्टर सन्डे (ईसाई)
6	सोम	25	12	16	06	मूल	31	49	18	45	परिघ	32	06	वणिज	25	12	06	01	18	42	31	40	21	31	धनु	वै.1	13	भद्रा 16:06से28:02 तक, सूर्य मेषसंक्रान्तिA
7	मंगल	24	56	15	58	पू.षा.	33	25	19	22	शिव	29	28	बव	24	56	06	00	18	42	31	45	21	16	मकर25:53	2	14	शर्करासप्तमी,कालाष्टमीव्रत, अम्बेडकरजयन्ती
8	बुध	26	39	16	38	उ.षा.	36	56	20	45	सिद्ध	28	21	कोलव	26	39	05	59	18	43	31	49	21	02	मकर	3	15	शीतलाष्टमी व्रत
9	गुरु	30	04	17	59	श्रवण	42	04	22	47	साध्य	28	32	गर	30	04	05	58	18	43	31	53	20	48	मकर	4	16	
10	शुक्र	34	51	19	53	धनि.	48	28	25	20	शुभ	29	45	वणिज	02	27	05	57	18	44	31	57	20	34	कुम्भ12:03	5	17	भद्रा 06:56 से 19:53 तक, पचक 12:03 स
11	शनि	40	36	22	10	शत.	55	45	28	14	शुक्ल	31	43	बव	07	43	05	56	18	45	32	01	20	21	कुम्भ	6	18	वरूथिनी एकादशी व्रत (समस्त),B
12	रवि	46	52	24	40	पू.भा.	60	00	-	-	ब्रह्म	34	05	कौलव	13	44	05	55	18	45	32	05	20	08	मीन24:37	7	19	सायन रवि वृषभ में 20:30 पर
13	सोम	53	19	27	13	पू.भा.	03	47	07	25	ऐन्द्र	36	36	गर	20	05	05	54	18	46	32	08	19	55	मीन	8	20	सोम प्रदोष व्रत
14	मंगल	59	34	29	42	उ.भा.	11	19	10	24	वैधृति	39	00	विष्टि	26	26	05	53	18	46	32	12	19	43	मीन	9	21	भद्रा 16:26 से 29:40 तक, मासशिवरात्रि
30	बुध	60	00	-	-	रेवती	18	40	13	20	विष्कु.	41	12	चतु.	32	31	05	52	18	47	32	16	19	32	मेष13:20	10	22	श्राद्धादि अमावस्या, पंचक समाप्त 13:20
30	गुरु	05	10	07	55	अश्विनी	25	37	16	06	प्रीति	42	59	नाग	05	19	05	51	18	47	32	20	19	21	मेष	11	23	स्नान-दानादि अमावस्या, मेला पिंजोर

A 20:27, वैशाखी, कोकिला षष्ठी, शर्करा षष्ठी, संक्रान्तिपुण्यकाल 16:27 से सूर्यास्त तक, बहाग विहू(आसाम)। **B** वल्लभाचार्य जयन्ती

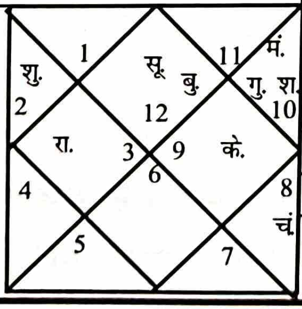
वैशाखे कर्त्तव्यविचार - तीर्थे चानुदिनं स्नानं तिलैश्च पितृतर्पणम्। दानं धर्मघटादीनां मधुसूदनपूजनम्। माधवे मासि कुर्वीत मधुसूदनतुष्टिदम्।।

वैशाखे त्याज्यवस्तूनि- कांस्यं मांसं मसूरान्नं चणकं कोद्रवन्तथा। शाकं मधु परान्नं च पुनर्भोजनमैथुने।।

वैशाखे दानमाहात्म्यम्- ददाति यो हि मेषादौ सक्तूनम्बुघटान्वितान्। पितृनुद्दिश्य विप्रेभ्य: सर्वपापै: प्रमुच्यते।।

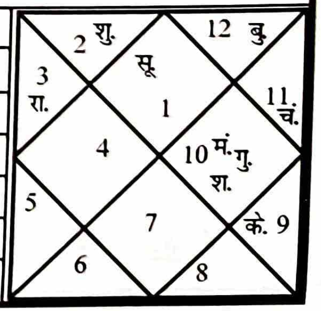
वैशाख कृष्ण 5, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 12.04.2020

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	11	07	09	11	09	01	09	02	08
अं.	28	22	14	07	01	13	07	08	02
क.	25	24	20	03	26	03	04	41	41
वि.	52	01	13	39	10	43	02	05	05
गति	58	850	41	95	05	48	02	व03	व03
	51	11	41	26	52	33	48	11	11



वैशाख कृष्ण 12, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 19.04.2020

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	00	10	09	11	09	01	09	02	08
अं.	05	20	19	18	02	18	07	08	08
क.	16	43	11	57	02	17	21	18	18
वि.	39	52	31	04	42	54	09	51	51
गति	58	714	41	107	04	41	02	व03	व03
	37	53	37	04	44	55	10	11	11



विक्रमसंवत् 2077, शाके 1942, वैशाख शुक्ल पक्ष (दिनांक 24 अप्रैल से 07 मई 2020 ई. तक)

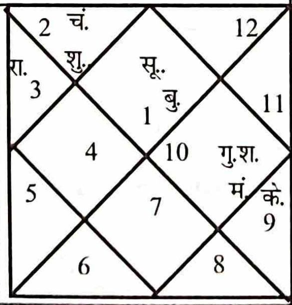
'प्रमादी' संवत्सर, उत्तरायण, उत्तर गोल, ग्रीष्म-ऋतु, केतकी अहर्गण- 3306 अयनांश 24/07/25

तिथि	वार	घ.	प.	ध	मि	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योगे	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.अं		चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	शुक्र	10	26	10	00	भरणी	32	08	18	41	आयुष्मान	44	25	बव	10	26	05	50	18	48	32	24	19	11	वृष25:16	12	24अप्रैल	चन्द्रदर्शन, घटादि दान
2	शनि	15	06	11	51	कृत्तिका	38	03	21	02	सौभाग्य	45	21	कौलव	15	06	05	49	18	49	32	28	19	01	वृष	13	25	परशुराम जयन्ती
3	रवि	19	01	13	25	रोहिणी	43	13	23	05	शोभन	45	38	गर	19	01	05	48	18	49	32	32	18	51	वृष	14	26	भद्रा 26:00 से, अक्षय तृतीया, शिवाजी **A**
4	सोम	21	59	14	35	मृगसिरा	47	23	24	45	अतिगण्ड	45	07	विष्टि	21	59	05	48	18	50	32	35	18	43	मिथुन11:55	15	27	भद्रा 14:35 तक, विनायक चतुर्थी व्रत**B**
5	मंगल	23	45	15	17	आर्द्रा	50	22	25	55	सुकर्मा	43	36	वालव	23	45	05	47	18	50	32	39	18	34	मिथुन	16	28	आदि शंकराचार्य जयन्ती, सूरदास जयन्ती
6	बुध	24	06	15	24	पुनर्वसु	51	51	26	30	धृति	40	53	तैतिल	24	06	05	46	18	51	32	43	18	27	कर्क20:21	17	29	श्री रामानुजाचार्य जयन्ती, चन्दन षष्ठी
7	गुरु	22	47	14	52	पुष्य	51	39	26	24	शूल	36	48	वणिज	22	47	05	45	18	52	32	46	18	19	कर्क	18	30	भद्रा 14:52 से 26:15 तक, गंगा सप्तमी**C**
8	शुक्र	19	48	13	39	आश्लेषा	49	44	25	37	गण्ड	31	21	बव	19	48	05	44	18	52	32	50	18	13	सिंह25:37	19	1मई	दुर्गाष्टमी व्रत, श्रमदिवस
9	शनि	15	05	11	45	मघा	46	05	24	09	वृद्धि	24	30	कौलव	15	05	05	43	18	53	32	53	18	07	सिंह	20	2	अपराजिता देवी पूजा, जानकी जयन्ती **D**
10	रवि	08	53	09	15	पू.फा.	40	58	22	05	ध्रुव	16	27	गर	08	53	05	43	18	53	32	57	18	01	कन्या27:07	21	3	भद्रा19:45 से, मोहिनी एकादशीव्रत(स्मार्त)
11 12	सोम	01 54	22 06	06 27	15 20	उ.फा.	34	40	19	34	व्याघात हर्षण	07 57	25 42	विष्टि	01	22	05	42	18	54	33	00	17	56	कन्या	22	4	भद्रा 06:15 तक, मोहिनी एकादशी व्रत**E**
13	मंगल	44	39	23	32	हस्त	27	41	16	45	वज्र	48	02	कौलव	19	22	05	41	18	55	33	04	17	52	तुला27:19	23	5	भौमप्रदोष व्रत
14	बुध	35	19	19	47	चित्रा	20	34	13	54	सिद्ध	37	32	गर	09	59	05	40	18	55	33	07	17	48	तुला	24	6	भद्रा 19:47 से , नृसिंह जयन्ती **F**
15	गुरु	26	22	16	12	स्वाती	13	40	11	07	व्यतीपात	27	26	विष्टि	00	51	05	40	18	56	33	11	17	45	वृश्चि27:16	25	7	भद्रा 05:59 तक, महावैशाखी **G**

A जयन्ती, बदरी केदार यात्रा प्रारम्भ, गौरी पूजा, मातंगी जयन्ती, बगलामुखी जयन्ती, समुद्र स्नान, सत्तू भोजन, त्रिलोचन यात्रा काशी, कल्पादि, मन्वादि , त्रेतायुगादि **B** चतुर्थी, नाग चतुर्थी **C** गंगोत्पत्ति **D** सीता नवमी **E** (वैष्णव), परशुराम द्वादशी, रुक्मिणी द्वादशी, मधुसूदन द्वादशी **F** छिन्नमस्ता जयन्ती, पूर्णिमा व्रत **G** नारद जयन्ती, वैशाख पूर्णिमा, सत्यव्रत, बुद्ध जयन्ती, कूर्म जयन्ती, बुद्ध पूर्णिमा, सम्पद् गौरी व्रत, वैशाख स्नान समाप्त, गुरुदेव रबीन्द्रनाथ ठाकुर जयन्ती। **गंगोत्पत्तिः**-वैशाखे शुक्लसप्तम्यां जह्नुना जाह्नवी पुरा। क्रोधात्पीता पुनस्त्यक्त्वा कर्णरन्ध्रात्तु दक्षिणात्। तां तत्र पूजयेद्देवीं गंगां गगनमेखलाम्।। **नृसिंह जयन्ती** - वैशाखस्य चतुर्दश्यां सोमवारेऽनिलर्क्षके, अवतारो नृसिंहस्य प्रदोषस्य समये द्विजाः। स्वातीनक्षत्रयोगे च शनिवारे तु महद्व्रतम्। सिद्धियोगस्य संयोगे वणिजे करणे तथा।।

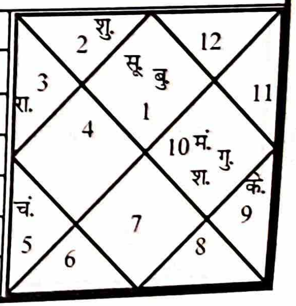
वैशाख शुक्ल 03, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 26.04.2020

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	00	01	09	00	09	01	09	02	08
अं.	12	14	24	02	02	22	07	07	07
क.	05	31	02	12	31	38	33	56	56
वि.	54	56	15	19	00	11	40	36	36
गति	58	733	41	118	03	33	01	व03	व03
	24	06	31	33	32	16	30	11	11



वैशाख शुक्ल 10, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 03.05.2020

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	00	04	09	00	09	01	09	02	08
अं.	18	16	28	16	02	25	07	07	07
क.	53	55	52	40	50	48	41	34	34
वि.	38	30	01	28	34	36	30	22	22
गति	58	856	41	127	02	22	00	व03	व03
	11	01	21	43	14	12	50	11	11



विक्रमसंवत् 2077, शाके 1942, ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष (दिनांक 08 मई से 22 मई 2020 ई. तक)

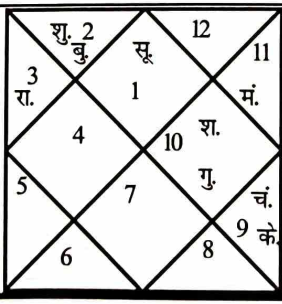
'प्रमादी' संवत्सर, उत्तरायण, उत्तर गोल, ग्रीष्म-ऋतु, केतकी अहर्गण- 3320 अयनांश 24/07/27

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टै	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
01	शुक्र	18	22	12	59	विशाखा	07	31	08	39	वरीयान	18	08	कौलव	18	22	05	39	18	57	33	14	17	42	वृश्चिक	26	8मई	
02	शनि	11	34	10	15	अनुराधा ज्येष्ठा	02 58	26 45	06 29	36 08	परिघ	09	52	गर	11	34	05	38	18	57	33	17	17	40	धनु29:08	27	9	भद्रा 21:10 से
03	रवि	06	13	08	06	मूल	55	02	27	38	शिव सिद्ध	02	47	विष्टि	06	13	05	37	18	58	33	20	17	38	· धनु	28	10	भद्रा 08:06 तक, संकट चतुर्थीव्रत, मातृदिवस
04	सोम	02	36	06	39	पू.षा.	54	50	27	32	साध्य	51	23	वालव	02	36	05	37	18	58	33	24	17	37	धनु	29	11	मां आनन्दमयी जयन्ती
05 06	मंगल	00 59	50 02	05 29	56 13	उ.षा.	56	34	28	13	शुभ	48	50	तैतिल	00	50	05	36	18	59	33	27	17	37	मकर09:42	30	12	भद्रा 29:13 से, श्रीक्षेत्र पुरी में मौंरी
07	बुध	60	00			श्रवण	60	00	-	-	शुक्ल	47	52	विष्टि	31	04	05	36	19	00	33	30	17	37	मकर	31	13	भद्रा 18:02 तक
07	गुरु	03	07	06	50	श्रवण	01	58	06	22	ब्रह्म	48	16	बब	03	07	05	35	19	00	33	33	17	38	कुम्भ19:24	ज्ये1	14	सूर्य वृषभ संकान्ति 17:20 पर,पंचक A
08	शुक्र	06	53	08	19	धनिष्ठा	07	12	08	27	ऐन्द्र	49	48	कौलव	06	53	05	34	19	01	33	36	17	39	कुम्भ	2	15	शीतलाष्टमी, त्रिलोचनाष्टमी
09	शनि	11	58	10	21	शतभिषा	13	44	11	03	वैधृति	52	07	गर	11	58	05	34	19	01	33	39	17	41	कुम्भ	3	16	भद्रा 23:32 से
10	रवि	17	55	12	43	पू.भा.	21	04	13	59	विष्कु	54	50	विष्टि	17	55	05	33	19	02	33	41	17	43	मीन07:15	4	17	भद्रा 12:43 तक
11	सोम	24	12	15	13	उ.भा.	28	44	17	02	प्रीति	57	34	बालव	24	12	05	33	19	03	33	44	17	46	मीन	5	18	अपरा-एकादशीव्रत(समस्त),भद्रकाली-एकादशी
12	मंगल	30	17	17	39	रेवती	36	12	20	01	आयु.	59	57	तैतिल	30	17	05	32	19	03	33	47	17	49	मेष20:01	6	19	पंचक समाप्ति 20:01 पर,
13	बुध	35	50	19	52	अश्विनी	43	09	22	47	सौभा.	60	00	गर	03	04	05	32	19	04	33	49	17	53	मेष	7	20	भद्रा 19:52 से, प्रदोष व्रत, सायन सूर्य B
14	गुरु	40	34	21	45	भरणी	49	17	25	14	सौभा.	01	18	विष्टि	08	12	05	31	19	04	33	52	17	57	मेष	8	21	भद्रा 08:48 तक, मास शिवरात्रि, सावित्रीC
30	शुक्र	44	29	23	18	कृत्तिका	54	38	27	22	शोभन	02	19	चतुष्पद	12	32	05	31	19	05	33	55	18	02	वृष07:46	9	22	ज्येष्ठी अमावस्या, भावुका अमावस्या D

A प्रारम्भ 19:24 से, भानु सप्तमी, चण्डिका देवी पूजा, कालाष्टमी, संक्रान्ति पुण्यकाल 10:56 से 17:20 तक B मिथुन में 19:43 पर, C चतुर्दशी, वटसावित्रीव्रतारम्भ (अमा पक्ष) D वटसावित्री अमापक्ष, शनैश्चर जयन्ती। **अमायां वटसावित्रीव्रतम्** - अमायां च तथा ज्येष्ठे वटमूले महासती। त्रिरात्रोपोषिता नारी विधानेन प्रपूजयेत्। **जन्ममासे विचारणीयः** - यो जन्ममासे क्षुरकर्म यात्रां कर्णस्य वेधं कुरुते हि मोहात्। मूढः स रोगी धनपुत्रनाशं प्राप्नोति गूढं निधनं तदाशु।। **भद्रकाली प्रार्थना** - जयन्ती मंगला काली भद्रकाली कपालिनी। दुर्गा क्षमा शिवा धात्री स्वाहा स्वधा नमोस्तुते।

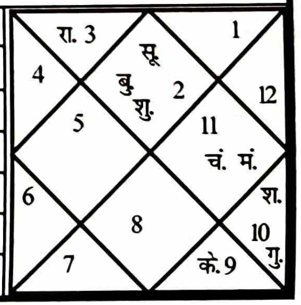
ज्येष्ठ कृष्ण 03, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 10.05.2020

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राह	केतु
रा.	00	08	10	01	09	01	09	02	08
अं.	25	00	03	01	03	27	07	07	07
क.	40	17	40	48	01	29	44	12	12
वि.	02	33	27	26	09	55	34	07	07
गति	58	852	41	129	00	08	00	व03	व03
	00	52	06	43	56	11	10	11	11



ज्येष्ठ कृष्ण 10, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 17.05.2020

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	01	10	10	01	09	01	09	02	08
अं.	02	29	08	16	03	27	07	06	06
क.	25	09	27	20	02	23	42	49	49
वि.	09	02	04	04	29	18	50	52	52
गति	57	714	40	118	व00	व08	व00	व03	व03
	50	26	49	42	25	07	32	11	11



विक्रमसंवत् 2077, शाके 1942, ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष (दिनांक 23 मई से 05 जून 2020 ई. तक)

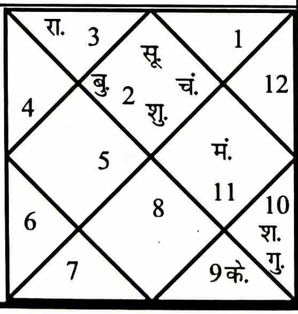
'प्रमादी' संवत्सर, उत्तरायण, उत्तर गोल, ग्रीष्म-ऋतु, केतकी अहर्गण-3335 , अयनांश - 24/07/29

तिथि	वार	घ.	प	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.अ		चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	शनि	47	24	24	28	रोहिणी	59	01	29	07	अतिगण्ड	02	37	किंस्तुघ्न	15	57	05	31	19	06	33	57	18	07	वृष	10	23मई	गंगादशहरा व्रतारम्भ, करवीर व्रत, रोहिणीव्रत
2	रवि	49	23	25	15	मृगशिरा	60	00	--	--	सुकर्मा	02	13	वालव	18	24	05	30	19	06	33	59	18	13	मिथुन17:38	11	24	चन्द्रदर्शन, काशी दशाश्वमेध स्नानारम्भ
3	सोम	50	17	25	36	मृगशिरा	01	38	06	09	धृति शूल	01 59	02 10	तैतिल	19	50	05	30	19	07	34	02	18	19	मिथुन	12	25	रम्भा तृतीया व्रत महाराणा प्रताप जयन्ती A
4	मंगल	50	03	25	31	आर्द्रा	03	57	07	04	गण्ड	56	57	वणिज	20	10	05	30	19	07	34	04	18	25	कर्क25:25	13	26	भद्रा13:33 से 25:31 तक, विनायक B
5	बुध	48	38	24	56	पुनर्वसु	05	08	07	32	वृद्धि	53	06	बव	19	21	05	29	19	08	34	06	18	32	कर्क	14	27	महादेव विवाह, ताडकेश्वर महादेव पूजा C
6	गुरु	45	58	23	52	पुष्य	05	09	07	32	ध्रुव	48	15	कौलव	17	18	05	29	19	08	34	08	18	40	कर्क	15	28	स्कन्दषष्ठी, अरण्य षष्ठी
7	शुक्र	42	03	22	17	आश्लेषा	03	58	07	04	व्याघात	42	24	गर	14	00	05	29	19	09	34	10	18	48	सिहं07:04	16	29	भद्रा 22:17 से, भानु सप्तमी
8	शनि	36	57	20	15	मघा पू.फा.	01 59	40 17	06 29	08 11	हर्षण	35	35	विष्टि	09	30	05	28	19	09	34	12	18	56	सिंह	17	30	भद्रा 09:16 तक, विन्ध्यवासिनी पूजा D
9	रवि	30	52	17	49	उ.फा.	54	48	27	23	वज्र	27	59	वालव	03	55	05	28	19	10	34	14	19	04	कन्या10:44	18	31	नवमी का उपवास कर शुक्ला देवी पूजा
10	सोम	24	02	15	04	हस्त	49	34	25	17	सिद्धि	19	46	गर	24	02	05	28	19	10	34	16	19	13	कन्या	19	01जून	भद्रा 25:36 से, श्रीगंगादशहरा, गंगावतरण E
11	मंगल	16	40	12	08	चित्रा	43	55	23	02	व्यतीपात	11	07	विष्टि	16	40	05	28	19	11	34	18	19	22	तुला12:09	20	2	भद्रा 12:08 तक, निर्जला एकादशी व्रत F
12	बुध	09	07	09	06	स्वाती	38	13	20	44	वरीयान परिघ	02 53	17 30	वालव	09	07	05	28	19	11	34	19	19	32	तुला	21	3	त्रिविक्रम द्वादशी, चम्पक द्वादशी, प्रदोष व्रत
13 14	गुरु	01 54	42 15	06 27	08 09	विशा.	32	49	18	35	शिव	44	46	तैतिल	01	42	05	27	19	12	34	21	19	42	वृश्चि13:07	22	4	भद्रा27:09 से,वटसावित्री व्रतारम्भ(पूर्णिमापक्ष)
15	शुक्र	47	42	24	32	अनुराधा	28	05	16	41	सिद्ध	36	42	विष्टि	20	58	05	27	19	12	34	22	19	52	वृश्चिक	23	5	भद्रा 13:50 तक, वट सावित्री व्रत G

A ईद उल फितर रमजान (मुस्लिम), **B** चतुर्थी, गणेश चतुर्थी C श्रुति पंचमी (जैन) D ब्रह्माणी पूजा, दुर्गाष्टमी, शीतलाष्टमी, धूमावती जयन्ती , शुक्ला देवी पूजा, आरण्यक गौरी व्रत, मेला क्षीर भवानी(कश्मीर), E गायत्री जयन्ती, सेतुबन्ध रामेश्वर प्रतिष्ठा दिवस, दशाश्वमेध स्नान समाप्त, सुरकण्डा देवी पूजा F समस्त, भीमसेनी एकादशी G (पूर्णिमापक्ष), पूर्णिमा व्रत, वट पूर्णिमा, वैवस्वत मन्वादि, ज्येष्ठीपूर्णिमा, कबीरदास जयन्ती, मन्वादि पूर्णिमा।

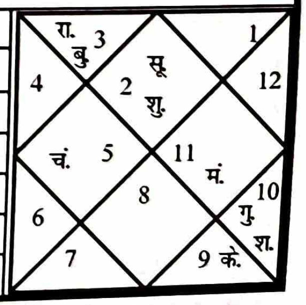
ज्येष्ठ शुक्ल 02, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 24.05.2020

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	01	01	10	01	09	01	09	02	08
अं.	09	23	13	28	02	25	07	06	06
क.	09	40	11	53	54	20	36	27	27
वि.	08	56	13	42	34	19	23	37	37
गति	57	747	10	98	व01	व24	व01	व03	व03
	40	54	26	33	42	24	13	11	11



ज्येष्ठ शुक्ल 09, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 31.05.2020

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	01	04	10	02	09	01	09	02	08
अं.	15	27	17	08	02	21	07	06	06
क.	52	05	52	51	37	40	25	05	05
वि.	09	04	17	51	34	13	25	22	22
गति	57	848	39	75	व02	व35	व01	व03	व03
	31	25	57	07	58	39	51	11	11



विक्रमसंवत् 2077, शाके 1942, आषाढ़ कृष्ण पक्ष (दिनांक 06 जून से 21 जून 2020 ई. तक)

'प्रमादी' संवत्सर, उत्तरायण/दक्षिणायन, उत्तर गोल, ग्रीष्म/वर्षा-ऋतु, केतकी अहर्गण- 3349, अयनांश 24/07/31

तिथि	वार	घ.	प	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	शनि	42	15	22	21	ज्येष्ठा	24	18	15	10	साध्य	29	31	बालव	14	59	05	27	19	13	34	24	20	02	धनु15:10	24	जून06	
2	रवि	38	09	20	42	मूल	21	42	14	08	शुभ	23	22	तैतिल	10	12	05	27	19	13	34	25	20	13	धनु	25	07	अशून्यशयन व्रत, ऋषभनाथ जयन्ती(जैन)
3	सोम	35	37	19	42	पू.षा.	20	36	13	41	शुक्ल	18	27	वणिज	06	53	05	27	19	14	34	26	20	24	मकर19:44	26	08	भद्रा08:12से 19:42तक,संकष्टहरचतुर्थीव्रत,
4	मंगल	34	47	19	22	उ.षा.	21	06	13	53	ब्रह्म	14	51	बव	05	12	05	27	19	14	34	27	20	35	मकर	27	09	अंगारक चतुर्थी व्रत
5	बुध	35	43	19	44	श्रवण	23	20	14	47	ऐन्द्र	12	39	कौलव	05	15	05	27	19	15	34	28	20	46	कुम्भ27:34	28	10	पंचक प्रारम्भ 27:34 सं
6	गुरु	38	28	20	50	धनिष्ठा	27	19	16	22	वैधृति	11	51	गर	07	06	05	27	19	15	34	29	20	58	कुम्भ	29	11	भद्रा 20:50 से
7	शुक्र	42	43	22	32	शतभिषा	32	49	18	35	विष्कु	12	18	विष्टि	10	36	05	27	19	15	34	30	21	10	कुम्भ	30	12	भद्रा 09:41तक, भानु सप्तमी
8	शनि	48	17	24	46	पू.भा.	39	37	21	18	प्रीति	13	50	वालव	15	30	05	27	19	16	34	31	21	21	मीन14:37	31	13	कालाष्टमीव्रत,शीतलाष्टमी व्रत,त्रिलोचनपूजा
9	रवि	54	53	27	16	उ.भा.	47	09	24	19	आयुष्मान	16	03	तैतिल	21	24	05	27	19	16	34	31	21	33	मीन	आ1	14	सूर्य मिथुनसंक्रान्ति 23:55, संक्रान्तिपुण्य**A**
10	सोम	60	00	--	--	रेवती	54	52	27	24	सौभाग्य	18	32	वणिज	27	50	05	27	19	16	34	32	21	45	मेष27:24	02	15	भद्रा 16:31 से, पंचक समाप्ति 27:24
10	मंगल	00	48	05	46	अश्विनी	60	00	-	-	शोभन	20	53	विष्टि	00	48	05	27	19	17	34	33	21	58	मेष	03	16	भद्रा 05:46 तक
11	बुध	06	13	07	56	अश्विनी	01	43	06	08	अतिगण्ढ	22	40	वालव	06	13	05	27	19	17	34	33	22	10	मेष	04	17	योगिनी एकादशी व्रत (समस्त)
12	गुरु	10	44	09	45	भरणी	07	49	08	35	सुकर्मा	23	42	तैतिल	10	44	05	28	19	17	34	33	22	22	वृष15:05	05	18	कूर्म जयन्ती, प्रदोष व्रत
13	शुक्र	14	05	11	06	कृतिका	12	48	10	35	धृति	23	47	वणिज	14	05	05	28	19	17	34	34	22	34	वृष	06	19	भद्रा 11:06 से 23:30 तक, मासशिवरात्रि
14	शनि	16	08	11	55	रोहिणी	16	32	12	04	शूल	22	49	शकुनि	16	08	05	28	19	18	34	34	22	46	मिथुन24:34	07	20	रोहिणीव्रत, सायन सूर्य कर्क में 27:36
30	रवि	16	54	12	13	मृगशिरा	19	01	13	04	गण्ड	20	51	नाग	16	54	05	28	19	18	34	34	22	59	मिथुन	08	21	आषाढी अमावस्या, स्नान दानादि अमा,**B**

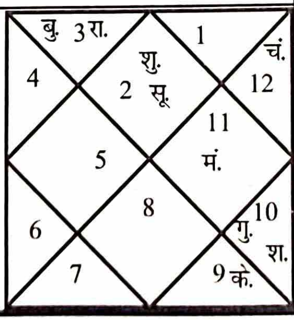
A काल मध्याह्न से सूर्यास्त तक, **B** सूर्यग्रहण, पितृदिवस

आषाढे प्रवर्षणविचार: - ज्यैष्ठ्यां समतीतायां पूर्वाषाढादिसम्प्रवृष्टेन। शुभमशुभं वा वाच्यं चाम्भसतज्ज्ञैः। येषु च भेष्वभिवृष्टं भूयस्तेष्वेव वर्षति प्राय:।।

ग्रहणमाहात्म्यम् - बहुफलं जपदानहुतादिके स्मृतिपुराणविद: प्रवदन्ति हि। सदुपयोगि जने सचमत्कृति: ग्रहणमिद्विनयो: कथयाम्यत:।।

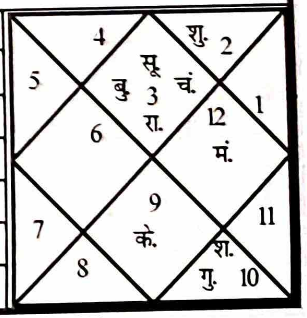
आषाढ कृष्ण 09, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 14.06.2020

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	01	11	10	02	09	01	09	02	08
अं.	29	07	27	19	01	13	06	05	05
क.	15	17	01	55	38	36	50	20	20
वि.	50	19	45	47	06	35	53	51	51
गति	57	715	38	21	व05	व27	व02	व03	व03
	19	48	33	15	16	04	57	11	11



आषाढ कृष्ण 30, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 21.06.2020

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	02	02	11	02	09	01	09	02	08
अं.	05	02	01	20	00	11	06	04	04
क.	56	37	28	21	57	28	28	58	58
वि.	52	25	07	01	19	08	05	36	36
गति	57	764	37	व10	व06	व11	व03	व03	व03
	15	54	38	02	13	21	27	11	11



विक्रमसंवत् 2077, शाके 1942, आषाढ़ शुक्ल पक्ष (दिनांक 22 जून से 05 जुलाई 2020 ई. तक)

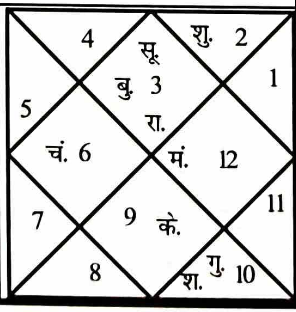
'प्रमादी' संवत्सर, दक्षिणायन, उत्तर गोल, वर्षा-ऋतु, केतकी अहर्गण-3365 , अयनांश 24/07/34

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि	योगं	घ.	प.	करण	घ.	प	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	सोम	16	27	12	03	आर्द्रा	20	19	13	36	वृद्धि	17	55	बव	16	27	05	28	19	18	34	34	23	11	मिथुन	9	जून22	गुप्तनवरात्रारम्भ, घटस्थापन, चन्द्रदर्शन
2	मंगल	14	49	11	24	पुनर्वसु	20	26	13	39	ध्रुव	14	02	कौलव	14	49	05	29	19	18	34	33	23	23	कर्क07:38	10	23	जगन्नाथ रथयात्रा, श्रीकृष्णबलराम A
3	बुध	12	09	10	20	पुष्य	19	34	13	18	व्याघात	09	21	गर	12	09	05	29	19	18	34	33	23	35	कर्क	11	24	भद्रा 21:37 से
4	गुरु	08	33	08	54	आश्लेषा	17	46	12	35	हर्षण वज्र	03 57	54 49	विष्टि	08	33	05	29	19	18	34	33	23	47	सिंह12:35	12	25	भद्रा 08:54तक, विनायक चतुर्थी, गणेश B
5 6	शुक्र	04 59	09 05	07 29	09 08	मघा	15	10	11	33	सिद्धि	51	44	बालव	04	09	05	29	19	19	34	32	23	59	सिंह	13	26	स्कन्दपंचमी स्कन्दषष्ठी, कुमारषष्ठी, C
7	शनि	54	07	27	08	पू.फा.	11	58	10	17	व्यतीपात	44	31	गर	54	07	05	30	19	19	34	32	24	11	कन्या15:55	.14	27	भद्रा 27:08 से, विवस्वत सप्तमी,सुर्यपुजा D
8	रवि	48	03	24	43	उ.फा.	08	18	08	49	वरीयान	37	02	विष्टि	21	05	05	30	19	19	34	31	24	22	कन्या	15	28	भद्रा 13:55 तक अष्टमीव्रत E
9	सोम	41	54	22	16	हस्त	04	23	07	15	परिघ	29	26	वालव	14	59	05	30	19	19	34	31	24	34	तुला18:27	16	29	गुप्तनवरात्रिसमाप्त, मेलाशरीक भवानी F
10	मंगल	35	44	19	48	चित्रा स्वाती	00 56	20 17	05 28	39 01	शिव	21	49	तैतिल	08	49	05	31	19	19	34	30	24	45	तुला	17	30	गिरिराजपूजा, रैवत मन्वादि
11	बुध	29	49	17	26	विशा.	52	24	26	28	सिद्ध	14	22	वणिज	02	46	05	31	19	19	34	29	24	56	वृश्चि20:51	18	जुला01	भद्रा 06:37 से 17:26 तक, हरिशयन G
12	गुरु	24	19	15	15	अनु.	48	59	25	07	साध्य	07	12	वालव	24	19	05	31	19	19	34	28	25	07	वृश्चिक	19	02	वासुदेवद्वादशी, एकादशीव्रत पारणा,प्रदोषव्रत
13	शुक्र	19	21	13	16	ज्ये.	46	11	24	00	शुभ शुक्ल	00 53	26 39	तैतिल	19	21	05	32	19	19	34	27	25	18	धनु24:00	20	03	
14	शनि	15	06	11	34	मूल	44	12	23	13	ब्रह्म	48	01	वणिज	15	06	05	32	19	19	34	26	25	28	धनु	21	04	भद्रा 11:34 से 22:55 तक, पूर्णिमाव्रत H
15	रवि	11	49	10	16	पू.षा.	43	16	22	51	ऐन्द्र	43	19	बव	11	49	05	33	19	19	34	25	25	38	मकर28:52	22	05	गुरुपूर्णिमा, व्यास पूर्णिमा,आषाढीपूर्णिमा J

A रथोत्सव, मनोरथ द्वितीया, B चतुर्थी व्रत, C कर्दमषष्ठी(बंगाल) D शीतलासप्तमी E महिषासुरमर्दिनी पूजा, दुर्गाष्टमी, शीतलाष्टमी, अष्टाह्निक प्रारम्भ (जैन), शीतलाष्टमी, ऐन्द्री देवी पूजा, खर्चि पूजा (त्रिपुरा)। F (कश्मीर), मृदुली नवमी, कन्दर्प नवमी, भड्डली नवमी। G एकादशी व्रत(समस्त), चातुर्मास्यव्रतारम्भ H मेला चक्रेश्वरी (जैन) चौमासी चौदह (जैन), शिवशयनोत्सव, मेला ज्वालामुखी (कश्मीर)। J सत्यव्रत, पवित्रारोपण, कोकिलाव्रत, अन्नादिदान, सत्यनारायणव्रत, चाक्षुष मन्वादि, वायुपरीक्षण, चातुर्मासारम्भ (संन्यासी), जया पार्वतीव्रत, अष्टाह्निक पर्व (जैन)समाप्त। **चातुर्मास्यव्रतविचारः** - आषाढे तु सिते पक्षे एकादश्यामुपोषितः। चातुर्मास्यव्रतं कुर्याद्यत्किंचिदखिलो नरः।। **आषाढीयोगे वातफलम्** - निष्पत्तिरग्निकोपो वृष्टिर्मन्दान्मध्यमा श्रेष्ठा। बहुजलपवनः पुष्टा शुभा च पूर्वादिभिर्पवनैः।।

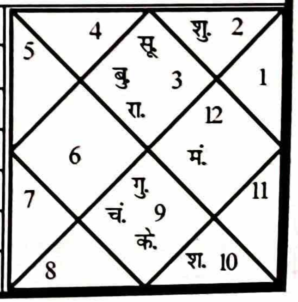
आषाढ शुक्ल 08, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 28.06.2020

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	02	05	11	02	09	01	09	02	08
अं.	12	08	05	17	00	11	06	04	04
क.	37	02	47	27	10	14	02	36	36
वि.	34	08	13	18	44	11	19	20	20
गति	57	850	36	व33	व06	05	व03	व03	व03
	13	25	30	38	57	01	50	11	11



आषाढ शुक्ल 15, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 05.07.2020

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	02	08	11	02	08	01	09	02	08
अं.	19	16	09	13	29	12	05	04	04
क.	18	47	57	19	19	47	34	14	14
वि.	08	23	34	24	56	01	09	04	04
गति	57	821	35	व32	व07	19	व04	व03	व03
	12	37	09	24	27	12	10	11	11



विक्रमसंवत् 2077, शाके 1942, श्रावण कृष्ण पक्ष (दिनांक 06 जुलाई से 20 जुलाई 2020 ई. तक)

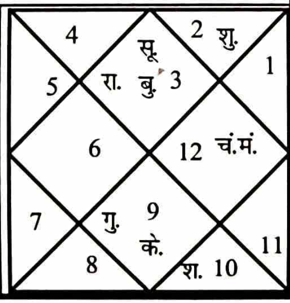
'प्रमादी' संवत्सर, दक्षिणायन, उत्तर गोल, वर्षा-ऋतु, केतकी अहर्गण- 3379, अयनांश 24/07/35

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.अं		चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
01	सोम	09	38	09	24	उ.षा.	43	30	22	57	वैधृति	39	33	कौलव	09	38	05	33	19	19	34	23	25	48	मकर	23	जुला06	अशून्यशयनव्रत, श्रावण सोमवार व्रत A
02	मंगल	08	43	09	02	श्रवण	45	06	23	36	विष्कु	36	55	गर	08	43	05	33	19	18	34	22	25	57	मकर	24	07	भद्रा 29:09 से, चातुर्मास्य द्वितीया, B
03	बुध	09	15	09	16	धनिष्ठा	48	12	24	50	प्रीति	35	29	विष्टि	09	15	05	34	19	18	34	20	26	06	कुम्भ12:13	25	08	पंचक प्रारम्भ 12:13 से,भद्रा 09:16 तकC
04	गुरु	11	18	10	05	शतभिषा	52	47	26	41	आयु.	35	16	वालव	11	18	05	34	19	18	34	19	26	15	कुम्भ	26	09	
05	शुक्र	14	50	11	30	पू.भा.	58	47	29	05	सौभा	36	10	तैतिल	14	50	05	35	19	18	34	17	26	23	मीन22:29	27	10	नागपंचमी(बंगाल व विहार), मधुश्रावणी
06	शनि	19	39	13	27	उ.भा.	60	00	-	-	शोभन	38	00	वणिज	19	39	05	35	19	18	34	16	26	31	मीन	28	11	भद्रा 13:27 से 26:36 तक,
07	रवि	25	25	15	45	उ.भा.	06	45	08	17	अतिग.	40	28	बव	25	25	05	36	19	17	34	14	26	39	मीन	29	12	रवि सप्तमी, कालाष्टमी, D
08	सोम	31	34	18	14	रेवती	14	12	11	17	सुकर्मा	43	06	कौलव	31	34	05	36	19	17	34	12	26	46	मेष11:17	30	13	पंचकसमाप्ति 11:17,मनसादेवीपूजाप्रारम्भE
09	मंगल	37	25	20	34	अश्विनी	21	31	14	13	धृति	45	23	तैतिल	04	29	05	37	19	17	34	10	26	53	मेष	31	14	भौमव्रत, हनुमद्दर्शन
10	बुध	42	29	22	37	भरणी	28	12	16	54	शूल	46	59	वणिज	09	57	05	37	19	17	34	08	26	59	वृष 23:27	32	15	भद्रा 09:35 से 22:37 तक,
11	गुरु	46	13	24	07	कृत्तिका	33	42	19	07	गण्ड	47	28	बव	14	21	05	38	19	16	34	06	27	05	वृष	श्रा01	16	सूर्य कर्क संक्रान्ति,कामिका एकादशीव्रत F
12	शुक्र	48	19	24	57	रोहिणी	37	43	20	43	वृद्धि	46	39	कौलव	17	16	05	38	19	16	34	04	27	11	मिथुन09:11	02	17	
13	शनि	48	38	25	06	मृग.	40	04	21	40	ध्रुव	44	26	गर	18	29	05	39	19	16	34	01	27	16	मिथुन	03	18	भद्रा 25:06 से, शनि प्रदोषव्रत,
14	रवि	47	16	24	33	आर्द्रा	40	45	21	57	व्याघात	40	52	विष्टि	17	57	05	39	19	15	33	59	27	20	मिथुन	04	19	भद्रा 12:49 तक, मासशिवरात्रि व्रत,
30	सोम	44	17	23	23	पुनर्वसु	39	51	21	36	हर्षण	36	01	चतुष्पद	15	47	05	40	19	15	33	57	27	24	कर्क15:41	05	20	श्रावणहरियाली-अमावस्या,श्रावण सोमवारG

A हिण्डोले (ब्रज)आरम्भ, श्रावण में शाक वर्जित, दुर्गा यात्रा मैथिल नववर्षारम्भ, B भौमव्रत हनुमद्दर्शन C संकष्टहरचतुर्थी व्रत, गौरीव्रत D भानु सप्तमी, केरपूजा (त्रिपुरा) ऐन्द्रीदेवी पूजा,इन्द्रसावर्णि मन्वादि, शीतला सप्तमीE श्रावणसोमवारव्रत, दुर्गा यात्रा। F (समस्त),रोहिणी व्रत, संक्रान्तिपुण्यकाल सूर्योदय से 10:47 तक G व्रत, इन्द्रसावर्णि मन्वादि, चिताऊ अमावस्या(उडीसा) सोमवती अमावस्या, रुद्राभिषेक। **सोमवासरव्रतम्**- सोमवारे व्रतं कार्यं श्रावणे वै यथा विधिः। शक्तावुपोषणं कार्यमथवा निशि भोजनम्।

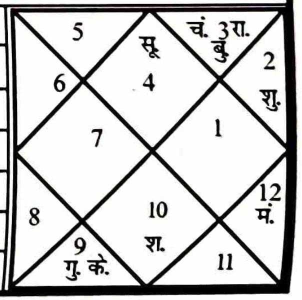
श्रावण कृष्ण 07, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 12.07.2020

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	02	11	11	02	08	01	09	02	08
अं.	25	15	13	11	28	15	05	03	03
क.	58	19	57	10	26	47	04	51	51
वि.	41	23	22	24	34	54	16	48	48
गति	57	716	33	व04	व07	30	व04	व03	व03
	12	30	33	48	42	31	21	11	11



श्रावण कृष्ण 14, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 19.07.2020

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	03	02	11	02	08	01	09	02	08
अं.	02	11	17	13	27	19	04	03	03
क.	39	10	44	09	32	57	33	29	29
वि.	28	59	30	51	32	51	27	33	33
गति	57	778	31	34	व07	39	व04	व03	व03
	15	47	34	19	40	19	25	11	11



विक्रमसंवत् 2077, शाके 1942, श्रावण शुक्ल पक्ष (दिनांक 21 जुलाई से 03 अगस्त 2020 ई. तक)

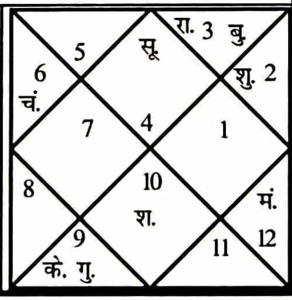
'प्रमादी' संवत्सर, दक्षिणायन, उत्तर गोल, वर्षा-ऋतु, केतकी अहर्गण- 3394, अयनांश -24/07/38

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	म	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.अं		चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	मंगल	40	04	21	42	पुष्य	37	41	20	45	वज्र	30	09	किंस्तु	12	11	05	40	19	14	33	54	27	27	कर्क	06	जुला21	सिन्धाराव्रत,मेला छिन्नमस्ता(चिन्तपूर्णी)A
2	बुध	34	46	19	35	आश्लेषा	34	26	19	27	सिद्ध	23	23	बालव	07	25	05	41	19	14	33	52	27	30	सिंह19:27	07	22	चन्द्रदर्शन,स्वामीकरपात्रीजयन्ती,सायन सूर्य B
3	गुरु	28	46	17	12	मघा	30	28	17	52	व्यतीपात	16	02	तैतिल	01	46	05	42	19	13	33	49	27	33	सिंह	08	23	भद्रा 27:56 से, गौरीपूजा,स्वर्णगौरीव्रत, C
4	शुक्र	22	24	14	40	पू.फा.	26	05	16	08	वरीयान	08	19	विष्टि	22	24	05	42	19	13	33	47	27	35	कन्या21:41	09	24	भद्रा 14:40 तक,गणेश चतुर्थी D
5	शनि	15	54	12	04	उ.फा.	21	35	14	20	परिघ शिव	00 52	27 38	बालव	15	54	05	43	19	12	33	44	27	36	कन्या	10	25	नागपंचमी,सोमेश्वर पूजन,E
6	रवि	09	34	09	33	हस्त	17	15	12	37	सिद्ध	44	50	तैतिल	09	34	05	43	19	12	33	41	27	37	तुला23:49	11	26	लुण्ठनषष्ठी(बंगाल),वर्णषष्ठी, शीतलासप्तमी
7 8	सोम	03 58	34 02	07 28	09 57	चित्रा	13	15	11	02	साध्य	37	28	वणिज	03	34	05	44	19	11	33	38	27	37	तुला	12	27	भद्रा 07:09 से18:03तक, दुर्गाष्टमी,F
9	मंगल	52	30	26	44	स्वाती	09	47	09	39	शुभ	30	37	बालव	25	16	05	44	19	11	33	35	27	37	तुला	13	28	दुर्गा पूजा, भौमव्रत, हनुमद्दर्शन, दुर्गा यात्रा
10	बुध	48	12	25	02	विशाखा	06	55	08	31	शुक्ल	24	19	तैतिल	20	21	05	45	19	10	33	33	27	36	वृश्चि26:48	14	29	दधिव्रतारम्भ, वेदव्रतारम्भ G
11	गुरु	44	40	23	37	अनुराधा	04	44	07	39	ब्रह्म	18	36	वणिज	16	26	05	46	19	10	33	30	27	34	वृश्चिक	15	30	भद्रा 12:19से 23:37तक, पवित्राएकादशी H
12	शुक्र	41	54	22	31	ज्येष्ठा	03	18	07	05	ऐन्द्र	13	30	बव	13	17	05	46	19	09	33	27	27	32	धनु07:05	16	31	दामोदर द्वादशी,बुद्धद्वादशी I
13	शनि	39	56	21	45	मूल	02	37	06	49	वैधृति	09	02	कौलव	10	55	05	47	19	08	33	23	27	30	धनु	17	अग01	शनि प्रदोषव्रत, आखेटकत्रयोदशी(उडीसा)
14	रवि	38	52	21	20	पू.षा.	02	48	06	54	विष्कु	05	15	गर	09	24	05	47	19	08	33	20	27	26	मकर13:00	18	02	भद्रा 21:20 से, मित्रता दिवस
15	सोम	38	44	21	17	उ.षा.	03	52	07	20	प्रीति आयु	02 59	11 59	विष्टि	08	48	05	48	19	07	33	17	27	22	मकर	19	03	श्रावणीपूर्णिमा,रक्षाबन्धन,भद्रा 09:18 तक J

A दोलोत्सवारम्भ, भौमव्रत, हनुमद्दर्शन B सिंह में 14:29 पर। C हरियाली तीज, मधुश्रवा तृतीया(मिथिला, गुजरात), ठकुराठन जयन्ती, D विनायक चतुर्थीव्रत दूर्वागणपति व्रत, वरदचतुर्थी।E तक्षकपूजा भित्तिनागपूजा, ऋग्वेद-यजुर्वेद -हिरण्यकेशी उपाकर्म(श्रावणी), कल्कि जयन्ती F श्रीतुलसीदास जयन्ती, कौमारी देवी पूजा श्रावण सोमवार व्रत, मेला चिन्तपूर्णी व नैनादेवीपूजा (हिमाचल) मेला ज्वाला जी। G झूलनयात्रा आरम्भ H (समस्त),पुत्रदा एकादशीव्रत(समस्त)। I ईद उल अजहा, बकरीद (मुस्लिम) J पूर्णिमा व्रत, श्रावण सोमवार व्रत, ऋषितर्पण,श्रीसत्यनारायणव्रत,दोलोत्सव समाप्ति,अमरनाथयात्रासमाप्त,संस्कृतदिवस,बलभद्रपूजा (उडीसा), आवणि अविट्टम(दक्षिण भारत),हयग्रीवोत्पत्ति,श्रावणी उपाकर्म, हिण्डोलसमाप्त। **रक्षासूत्रबन्धन मन्त्रः**-येन बद्धो बली राजा दानवेन्द्रो महाबलः। तेन त्वां प्रतिबध्नामि रक्षे माचल माचल।।

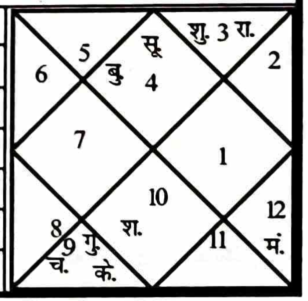
श्रावण शुक्ल 06, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 26.07.2020

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	03	05	11	02	08	01	09	02	08
अं.	09	19	21	19	26	25	04	03	03
क.	20	12	16	42	39	01	02	07	02
वि.	38	09	27	16	44	00	25	17	17
गति	57	862	29	71	व07	46	व04	व03	व03
	18	06	15	47	23	04	25	11	11



श्रावण शुक्ल 14, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 02.08.2020

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	03	08	11	03	08	02	09	02	08
अं.	16	25	24	00	25	00	03	02	02
क.	02	02	30	09	49	45	31	45	45
वि.	20	46	24	51	57	06	56	01	01
गति	57	797	26	101	व06	51	व04	व03	व03
	24	39	29	58	52	16	17	11	11



विक्रमसंवत् 2077, शाके 1942, भाद्रपद कृष्ण पक्ष (दिनांक 04 अगस्त से 19 अगस्त 2020 ई. तक)

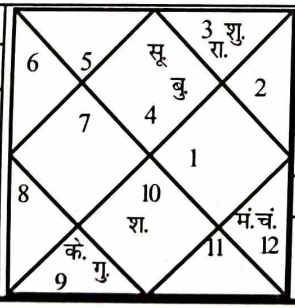
'प्रमादी' संवत्सर, दक्षिणायन, उत्तर गोल, वर्षा-ऋतु, केतकी अहर्गण- 3408, अयनांश -24/07/39

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योगु	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	मंगल	39	43	21	42	श्रवण	05	57	08	11	सौभा	57	45	बालव	09	14	05	48	19	06	33	14	27	18	कुम्भ20:49	20	अग04	दधित्यागव्रतारम्भ, पंचक प्रारम्भ 20:49
2	बुध	41	53	22	34	धनिष्ठा	09	08	09	28	शौभन	57	19	तैतिल	10	48	05	49	19	05	33	11	27	13	कुम्भ	21	05	विन्ध्याचलदेवी जयन्ती, भीमचण्डी A
3	गुरु	45	14	23	55	शतभिषा	13	29	11	13	अतिगण्ड	57	50	वणिज	13	34	05	50	19	05	33	07	27	07	कुम्भ	22	06	भद्रा 11:14 से 23:55 तक,कज्जली B
4	शुक्र	49	51	25	46	पू.भा.	19	01	13	26	सुकर्मा	59	19	बव	17	32	05	50	19	04	33	04	27	01	मीन06:52	23	07	श्रीगणेशसंकष्टहर चतुर्थी, बहुला चतुर्थी
5	शनि	55	26	28	01	उ.भा.	25	33	16	04	धृति	60	00	कौलव	22	38	05	51	19	03	33	01	26	54	मीन	24	08	रक्षापंचमी (उडीसा),
6	रवि	60	00	-	-	रेवती	32	56	19	01	धृति	02	09	गर	28	36	05	51	19	02	32	57	26	47	मेष19:01	25	09	पंचकसमाप्ति 19:01हलषष्ठी,चन्दनषष्ठी,C
6	सोम	02	08	06	43	अश्विनी	40	34	22	05	शूल	04	34	वणिज	01	57	05	52	19	01	32	54	26	39	मेष	26	10	भद्रा 06:43 से 19:56 तक
7	मंगल	08	14	09	10	भरणी	48	06	25	06	गण्ड	07	01	बव	08	14	05	52	19	01	32	50	26	30	मेष	27	11	श्रीकृष्णजन्माष्टमी(स्मार्त) D
8	बुध	13	45	11	22	कृत्तिका	54	44	27	46	वृद्धि	08	59	कौलव	13	45	05	53	19	00	32	47	26	21	वृष07:46	28	12	श्रीकृष्णजन्माष्टमी(वैष्णव), E
9	गुरु	18	04	13	07	रोहिणी	59	57	29	52	ध्रुव	10	02	गर	18	04	05	53	18	59	32	43	26	11	वृष	29	13	भद्रा25:54से,नन्दोत्सव,गोकुलोत्सव,गोगानवमी
10	शुक्र	20	44	14	12	मृगशिरा	60	00	-	-	व्याघात	09	51	विष्टि	20	44	05	54	18	58	32	39	26	01	मिथुन17:59	30	14	भद्रा 14:12 तक,मनसादेवी पूजा (बंगाल),
11	शनि	21	28	14	29	मृगशिरा	01	43	06	35	हर्षण	08	09	बालव	21	28	05	55	18	57	32	36	25	50	मिथुन	31	15	अजा एकादशीव्रत व जयाएकादशी(समस्त)
12	रवि	20	10	13	59	आर्द्रा	02	47	07	02	वज्र	04	52	तैतिल	20	10	05	55	18	56	32	32	25	38	कर्क24:47	भा01	16	सिंहसंक्रान्ति 19:12,पुण्यकाल 12:48 से F
13	सोम	16	54	12	41	पुनर्वसु पुष्य	01 59	56 23	06 29	42 41	सिद्धि व्यतीपात	00 55	02 19	वणिज	16	54	05	56	18	55	32	28	25	26	कर्क	02	17	भद्रा 12:41 से 23:42 तक,मासशिवरात्रि
14	मंगल	11	58	10	43	आश्लेषा	56	52	28	41	वरीयान	47	35	शकुनि	11	58	05	56	18	54	32	25	25	14	सिंह28:41	03	18	डाकिनी चतुर्दशी, अघोर चतुर्दशी.
30	बुध	05 58	39 25	08 29	12 19	मघा	51	21	26	29	परिघ	38	52	नाग	05	39	05	57	18	53	32	21	25	01	सिंह	04	19	कुशोत्पाटिनी अमावस्या,पिठौरी अमावस्याH

A देवीजयन्ती, अशून्यशयनव्रत, कज्जली निमित्त रात्रिजागरण, पलंग पर लक्ष्मीविष्णु पूजन। B तृतीया, बूढी तीज, बृहद्दौली, गोपूजा, विशालाक्षी यात्रा, तीजड(सिन्ध)। C ललही छठ, श्रीचन्द्रषष्ठी, चम्पा षष्ठी, बलरामजयन्ती। D कालाष्टमी, शीतलाव्रत, संत ज्ञानेश्वर जयन्ती E दूर्वाष्टमी, कौमारी पूजा, गोकुलाष्टमी, कृष्णजयन्ती, रोहिणी व्रत। F से सूर्यास्त तक, प्रदोष व्रत,अघोर द्वादशी, कलियुगादि त्रयोदश H ऊं हूं फट् इति मन्त्रेण कुशग्रहणम्। **कुशोत्पाटनमन्त्रः**-कुशाग्रे वसते रुद्रः कुशमध्ये तु केशवः। कुश मूले वसेद्ब्रह्मा कुशान्मे देह मेंदिनि। कुशोऽसि कुशपुत्रोऽसि ब्रह्मणा निर्मितः पुरा। देवपितृहितार्थाय कुशमुत्पाटयाम्यहम्।।

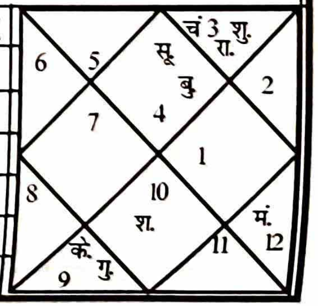
भाद्रपद कृष्ण 06, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 09.08.2020

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	03	11	11	03	08	02	09	02	08
अं.	22	23	27	13	25	07	03	02	02
क.	44	27	22	25	04	01	02	22	22
वि.	46	21	54	55	59	08	47	45	45
गति	57	715	23	120	व06	54	व04	व03	व03
	31	16	11	22	04	23	03	11	11



भाद्रपद कृष्ण 13, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 16.08.2020

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	03	02	11	03	08	02	09	02	08
अं.	29	19	29	27	24	13	02	02	02
क.	28	23	50	45	26	42	35	00	00
वि.	04	25	07	48	14	18	40	29	29
गति	57	785	19	122	व05	58	व03	व03	व03
	39	27	19	33	06	38	43	11	11



विक्रमसंवत् 2077, शाके 1942, भाद्रपद शुक्ल पक्ष (दिनांक 20 अगस्त से 02 सितम्बर 2020 ई. तक)

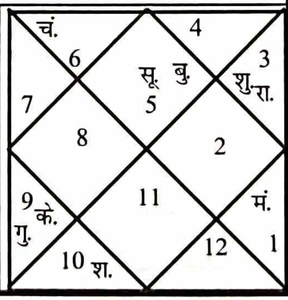
'प्रमादी' संवत्सर, दक्षिणायन, उत्तर गोल, वर्षा/शरद्-ऋतु, केतकी अहर्गण- 3424, अयनांश 24/07/42

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि	नक्षत्र	घ.	प.	घ	पि	योग	घ.	प	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.अं.		चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	00	58	25	29	19	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00	प्रतिपदा तिथि क्षय
2	गुरु	51	14	26	27	पू.फा.	45	11	24	01	शिव	29	35	बालव	24	49	05	57	18	52	32	17	24	47	कन्या29:23	05	अग.20	चन्द्रदर्शन
3	शुक्र	42	48	23	05	उ.फा.	38	52	21	30	सिद्ध	20	09	तैतिल	17	01	05	58	18	51	32	13	24	33	कन्या	06	21	सुवर्णगौरी व्रत, हरितालिका A
4	शनि	34	45	19	52	हस्त	32	51	19	07	साध्य	10	53	वणिज	08	46	05	58	18	50	32	09	24	18	कन्या	07	22	भद्रा 09:28 से 19:52 तक, कलंक B
5	रवि	27	23	16	56	चित्रा	27	28	16	58	शुभ शुक्ल	02 53	00 46	बव	01	04	05	59	18	49	32	05	24	03	तुला06:02	08	23	ऋषि पंचमी, मेलापाट (जम्मू)
6	सोम	20	59	14	23	स्वाती	23	01	15	11	ब्रह्म	45	30	तैतिल	20	59	05	59	18	48	32	02	23	47	तुला	09	24	सूर्यषष्ठी, देवषष्ठी,लालार्कषष्ठी,स्कन्द C
7	मंगल	15	38	12	15	विशाखा	19	37	13	51	ऐन्द्र	38	54	बणिज	15	38	06	00	18	47	31	58	23	31	वृश्चि08:11	10	25	भद्रा 12:15 स 23 24 तक, आमुक्ता D
8	बुध	11	26	10	34	अनुराधा	17	23	12	57	वैधृति	33	18	बव	11	26	06	00	18	46	31	54	23	14	वृश्चिक	11	26	नन्दाष्टमी, राधाष्टमी, नन्दा देवी पूजा E
9	गुरु	08	22	09	22	ज्येष्ठा	16	17	12	31	विष्कु	28	37	कौलव	08	22	06	01	18	45	31	50	22	57	धनु 12:31	12	27	अदु:खनवमी, महानंदानवमी, श्रीचन्द्रजयन्ती
10	शुक्र	06	28	08	36	मूल	16	18	12	32	प्रीति	24	50	गर	06	28	06	01	18	44	31	46	22	40	धनु	13	28	भद्रा 20:26 से, दशावतार दशमी व्रत,
11	शनि	05	37	08	16	पू.षा.	17	23	12	59	आयु.	21	52	विष्टि	05	37	06	02	18	43	31	42	22	22	मकर19:11	14	29	भद्रा 08:16 तक,पद्मा एकादशी समस्त F
12	रवि	05	45	08	20	उ.षा.	19	23	13	47	सौभा.	19	38	बालव	05	45	06	02	18	42	31	38	22	04	मकर	15	30	शक्रद्वादशी, प्रदोष व्रत, श्रवण G
13	सोम	06	53	08	48	श्रव.	22	22	14	59	शौभन	18	10	तैतिल	06	53	06	03	18	41	31	34	21	45	कुम्भ27:46	16	31	पंचकप्रारम्भ 27:46 से,
14	मंगल	08	58	09	38	धनि.	26	14	16	33	अति	17	26	वणिज	08	58	06	03	18	39	31	30	21	26	कुम्भ	17	सि.01	भद्रा 09:38 से 22:14 तक H
15	बुध	11	55	10	50	शत.	30	57	18	27	सुकर्मा	17	21	बव	11	55	06	04	18	38	31	26	21	06	कुम्भ	18	02	भाद्रपदपूर्णिमा स्नानदानादि, पितृपक्षीय I

A तृतीया व्रत, गौरी तृतीया, वराह जयन्ती, सामवेदी उपाकर्म, मन्वादि तृतीया। **B** चतुर्थी, चन्द्रदर्शन निषेध,विनायकचतुर्थी,सौभाग्य चतुर्थी (बंगाल), सायनसूर्य कन्या में 21:38, गणेशोत्सवारम्भ, वरद चतुर्थी, जैन संवत्सरी **C** दर्शन, बलदेव छठ, ललिता षष्ठी **D** भरण सप्तमी,भानुसप्तमी, सन्तान सप्तमी, ललिता सप्तमी (बंगाल)।**E** दूर्वाष्टमी, दुर्गाशयनाष्टमी (उडीसा), महालक्ष्मीव्रतारम्भ। **F** कर्मा एकादशी, पार्श्व परिवर्तन, डोल ग्यारस, दधिदान, दुग्धत्यागव्रतारम्भ, जलझूलनी (राजस्थान) वामन द्वादशी, मोहर्रम (मुस्लिम) **G** द्वादशी, समर्थगुरुरामदास जयन्ती, वामन जयन्ती, भुवनेश्वरी जयन्ती, कल्कि द्वादशी, समर्थ गुरु रामदास जयन्ती।**H** अनन्तचतुर्दशी व्रत, गणेश विसर्जन, श्रीशिवपरिवर्तनोत्सव, ओणम, पूर्णिमा व्रत, श्राद्धादि पूर्णिमा **I** पार्वण तर्पणारम्भ, सत्यव्रत, प्रतिपदाश्राद्ध, महालयारम्भ, आपस्तम्बीय बोधायनीय अथर्ववेदियों का उपाकर्म, **चतुर्थीचन्द्रदर्शन निषेध**-सिंहादित्ये शुक्लपक्षे चतुर्थ्यां चन्द्रदर्शनम्।मिथ्याभिदूषणं कुर्यात्तस्मात्पश्येन्न तं सदा।।

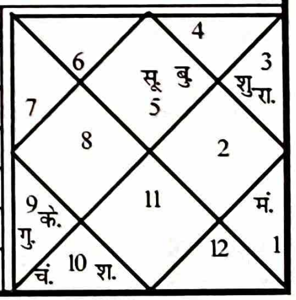
भाद्रपद शुक्ल 05, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 23.08.2020

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	04	05	00	04	08	02	09	02	08
अं.	06	29	01	11	23	20	02	01	01
क.	12	56	47	37	54	43	11	38	38
वि.	23	10	49	21	55	31	17	13	13
गति	57	881	14	115	व03	61	व03	व03	व03
	48	47	48	12	59	14	17	11	11



भाद्रपद शुक्ल 12, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 30.08.2020

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	04	09	00	04	08	02	09	02	08
अं.	12	05	03	24	23	28	01	01	01
क.	57	48	11	26	31	01	50	15	15
वि.	53	48	21	18	59	04	10	57	57
गति	57	777	09	105	व02	63	व02	व03	व03
	59	00	38	42	43	22	48	11	11



विक्रमसंवत् 2077, शाके 1942, शुद्ध आश्विन कृष्ण पक्ष (दिनांक 03 सितम्बर से 17 सितम्बर 2020 ई. तक)

'प्रमादी' संवत्सर, दक्षिणायन, उत्तर गोल, शरद्-ऋतु, केतकी अहर्गण- 3438, अयनांश 24/07/44

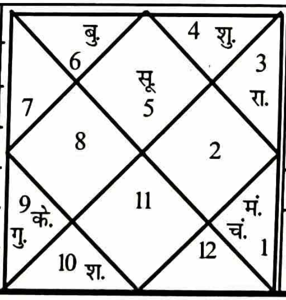
तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	विनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	गुरु	15	48	12	23	पू.भा.	36	34	20	42	धृति	18	00	कौलव	15	48	06	04	18	37	31	21	20	47	मीन14:08	19	सि.03	द्वितीया श्राद्ध(अपराह्ण) अशून्यशून्यव्रत
2	शुक्र	20	35	14	19	उ.भा.	43	01	23	17	शूल	19	19	गर	20	35	06	05	18	36	31	17	20	27	मीन	20	04	भद्रा 27:26 से, द्वितीया श्राद्धA
3	शनि	26	09	16	33	रेवती	50	11	26	10	गण्ड	21	14	विष्टि	26	09	06	05	18	35	31	13	20	06	मेष26:10	21	05	तृतीया श्राद्ध, भद्रा 16:33तक, पंचक B
4	रवि	32	17	19	00	अश्विनी	57	51	29	14	वृद्धि	23	34	बालव	32	17	06	06	18	34	31	09	19	46	मेष	22	06	चतुर्थी श्राद्ध,
5	सोम	38	47	21	37	भरणी	60	00	-	-	ध्रुव	26	12	कौलव	05	32	06	06	18	32	31	05	19	25	मेष	23	07	पंचमी श्राद्ध, भरणी श्राद्ध
6	मंगल	45	04	24	08	भरणी	05	46	08	25	व्याघात	28	40	गर	11	55	06	07	18	31	31	01	19	04	वृष15:08	24	08	भद्रा 24:08 से ,षष्ठी श्राद्ध, कपिला षष्ठी
7	बुध	50	36	26	21	कृत्तिका	12	55	11	17	हर्षण	30	38	विष्टि	17	50	06	07	18	30	30	57	18	42	वृष	25	09	भद्रा 13:14 तक, सप्तमीश्राद्ध,
8	गुरु	54	45	28	01	रोहिणी	19	02	13	44	वज्र	31	35	बालव	22	40	06	08	18	29	30	52	18	21	मिथुन26:39	26	10	अष्टमीश्राद्ध,रोहिणी व्रत,जीवितपुत्रिकाव्रतD
9	शुक्र	57	02	28	57	मृगसिरा	23	37	15	35	सिद्ध	31	13	तैतिल	25	53	06	08	18	28	30	48	17	59	मिथुन	27	11	नवमीश्राद्ध, मातृनवमी,E
10	शनि	57	02	28	57	आर्द्रा	26	13	16	38	व्यतीपात	29	09	वणिज	27	02	06	09	18	27	30	44	17	37	मिथुन	28	12	भद्रा 16:57से, 28:57 तक, दशमी श्राद्ध
11	रवि	54	37	28	00	पुनर्वसु	26	37	16	48	वरीयान	25	16	बव	25	50	06	09	18	25	30	40	17	15	कर्क10:45	29	13	इन्दिरा एकादशी व्रत स्मार्त, एकादशी श्राद्ध
12	सोम	49	58	26	09	पुष्य	24	50	16	05	परिघ	19	38	कौलव	22	18	06	10	18	24	30	36	16	53	कर्क	30	14	द्वादशी श्राद्ध, यति महालय, F
13	मंगल	43	20	23	30	आश्लेषा	21	04	14	35	शिव	12	22	गर	16	39	06	10	18	23	30	31	16	31	सिंह14:35	31	15	भद्रा23:30से त्रयोदशीश्राद्ध, भौमप्रदोषव्रतG
14	बुध	35	11	20	15	मघा	15	40	12	26	सिद्ध	03 54	47 16	विष्टि	09	15	06	10	18	22	30	27	16	09	सिंह	आ01	16	भद्रा 09:52तक,सूर्य कन्या संक्रान्ति19:10H
30	गुरु	26	08	16	38	पू.फा.	09	08	09	50	साध्य शुभ	44	48	चतु.	00	40	06	11	18	20	30	23	15	46	कन्या15:07	02	17	सर्वपितृ अमावस्या, अमा श्राद्ध I

A द्वितीया श्राद्ध(मतान्तर से)B समाप्ति 26:10, कज्जली बहुला व्रत, बृहद्गौरीव्रत, संकष्टहरचतुर्थी व्रत। D महालक्ष्मीव्रत, कालाष्टमी, जीमूतवाहनव्रत, जितिया। E सौभाग्यवती श्राद्ध। F इन्दिरा एकादशी व्रत (वैष्णव), G मघा श्राद्ध, गजच्छाया H संक्रान्ति पुण्यकाल 12:46 से सूर्यास्त तक, चतुर्दशीश्राद्ध, मासशिवरात्रिव्रत, शस्त्रहत महालय, शस्त्रादि हत श्राद्ध, I पितृविसर्जन,महालय समाप्ति।

श्राद्ध माहात्म्य - आषाढ्याः पंचमे पक्षे कन्यासंस्थे दिवाकरे। यो वै श्राद्धं नरः कुर्यादेकस्मिन्नपि वासरे। तस्य संवत्सरं यावत् संतृप्ताः पितरो ध्रुवम्। **जीवित्पुत्रिकाव्रतम्** - इषे मास्यसिते पक्षे चाष्टमी या तिथिर्भवेत्। पुत्रसौभाग्यदा स्त्रीणां ख्याता सा जीवित्पुत्रिका।।शालिवाहनराजस्य पुत्रो जीमूतवाहनः। तस्यां पूज्यः स नारीभिः पुत्रसौभाग्यलिप्सया।

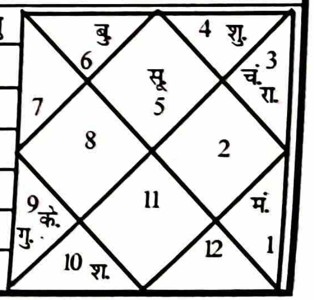
शुद्ध आश्विन कृष्ण 04, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 06.09.2020

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	04	00	00	05	08	03	09	02	08
अं.	19	01	03	06	23	05	01	00	00
क.	44	52	56	11	18	32	32	53	53
वि.	10	04	33	12	01	04	52	41	41
गति	58	713	03	97	व01	65	व02	व03	व03
	10	25	55	01	26	08	14	11	11



शुद्ध आश्विन कृष्ण 11, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 13.09.2020

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	04	02	00	05	08	03	09	02	08
अं.	26	27	04	16	23	13	01	00	00
क.	32	32	00	59	13	14	19	31	31
वि.	53	09	07	32	26	19	44	25	25
गति	58	784	व02	89	व00	66	व01	व03	व03
	23	01	08	15	04	38	37	11	11



विक्रमसंवत् 2077, शाके 1942, अधिक(मल) आश्विन शुक्ल पक्ष (दिनांक 18 सितम्बर से 01अक्टूबर 2020 ई. तक)

'प्रमादी' संवत्सर, दक्षिणायन, उत्तर/दक्षिण गोल, शरद्-ऋतु, केतकी अहर्गण- 3453 , अयनांश 24/07/46

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं	अं	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	शुक्र	16	41	12	52	उ.फा हस्त	02 54	00 45	06 28	59 06	शुक्ल	33	54	बव	16	41	06	12	18	19	30	19	15	24	कन्या	03	सि.18	चन्द्रदर्शन, मलमासारम्भ, पुरुषोत्तममासारम्भ
2 3	शनि	07 58	21 35	09 29	08 38	चित्रा	47	31	25	12	ब्रह्म	23	19	कौलव	07	21	06	12	18	18	30	15	15	02	तुला14:39	04	19	
4	रवि	49	43	26	05	स्वाती	41	00	22	36	ऐन्द्र	13	23	वणिज	24	09	06	12	18	17	30	10	14	39	तुला	05	20	भद्रा 15:51से 26:05तक,वैनायकचतुर्थी व्रत
5	सोम	42	43	23	18	विशाखा	35	45	20	31	वैधृति विष्कु.	04 56	17 16	बव	16	13	06	13	18	16	30	06	14	17	वृश्चि15:02	06	21	
6	मंगल	37	18	21	08	अनुराधा	32	00	19	01	प्रीति	48	09	कौलव	10	00	06	13	18	14	30	02	13	55	वृश्चिक	07	22	सायन सूर्य तुला में 19:23 पर
7	बुध	33	27	19	36	ज्येष्ठा	29	47	18	09	आयु.	42	35	गर	05	23	06	14	18	13	29	58	13	33	धनु18:09	08	23	भद्रा 19:36 से
8	गुरु	31	15	18	44	मूल	29	12	17	55	सौभा.	38	21	विष्टि	02	21	06	14	18	12	29	53	13	11	धनु	09	24	भद्रा 07:10 तक, दुर्गाष्टमी
9	शुक्र	30	32	18	28	पू.षा.	30	05	18	16	शोभन	35	17	वालव	00	53	06	15	18	11	29	49	12	49	मकर24:30	10	25	
10	शनि	31	15	18	45	उ.षा.	32	22	19	12	अतिगण्ड	33	18	तैतिल	00	54	06	15	18	10	29	45	12	28	मकर	11	26	
11	रवि	33	13	19	33	श्रवण	35	51	20	36	सुकर्मा	32	16	वणिज	02	14	06	16	18	08	29	41	12	07	मकर	12	27	भद्रा 07:09 से 19:33 तक, कमला A
12	सोम	36	19	20	48	धनि	40	26	22	27	धृति	32	06	बव	04	46	06	16	18	07	29	36	11	45	कुम्भ09:31	13	28	पंचक प्रारम्भ 09:31 से
13	मंगल	40	16	22	23	शत	45	51	24	37	शूल	32	34	कौलव	08	18	06	17	18	06	29	32	11	25	कुम्भ	14	29	भौम प्रदोष व्रत
14	बुध	45	02	24	18	पू.भा.	52	01	27	05	गण्ड	33	39	गर	12	39	06	17	18	05	29	28	11	04	मीन20:28	15	30	भद्रा 24:18 से
15	गुरु	50	23	26	27	उ.भा.	58	44	29	47	वृद्धि	35	11	विष्टि	17	42	06	18	18	04	29	23	10	44	मीन	16	अक्टू01	भद्रा 13:22 तक, पूर्णिमाव्रत, सत्यव्रत

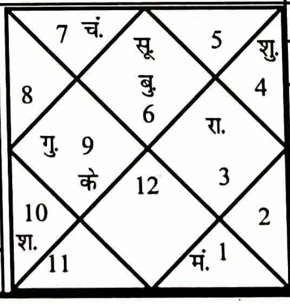
A एकादशी व्रत समस्त।

अधिमास में मालपुआ दान - अधिमासे तु सम्प्राप्ते गुडसर्पियुतानि च। त्रयस्त्रिंशदपूपानि दातव्यानि दिने दिने। त्रयस्त्रिंशदपूपान्नं कांस्यपात्रे निधाय च। सघृतं च हिरण्यं च ब्राह्मणाय निवेदयेत्।।
विष्णुरूपी सहस्रांशुः सर्वपापप्रणाशनः। अपूपप्रदानेन मम पापं व्यपोहतु।।

अर्थात् अधिमास प्रारम्भ होने से प्रत्येक दिन 33 की संख्या में गुड एवं घी में पके हुए अपूप (मालपुआ) का दान कांस्य के वर्तन में रखकर घृत एवं स्वर्ण सहित भूदेव (ब्राह्मण) को अर्पित करना चाहिए। साथ ही विष्णुरूप भगवान सूर्य को अर्घ्य देकर प्रार्थना करनी चाहिए कि हे जगत्पते! हे पुरुषोत्तम! हे सर्वपापप्रणाशक! आप इस अधिमास में ब्राह्मण को दिये गए अपूप दान से प्रसन्न होकर मेरे सभी पापों का नाश करें।

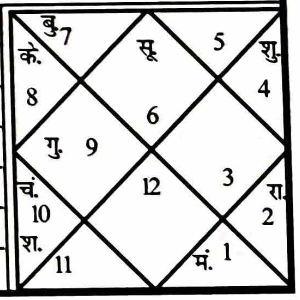
अ.आश्विन शुक्ल 04, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 20.09.2020

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	05	06	00	05	08	03	09	02	08
अं.	03	09	03	26	23	21	01	00	00
क.	22	42	21	52	18	06	11	09	09
वि.	37	52	04	00	17	11	10	09	09
गति	58	902	व08	80	01	67	व00	व03	व03
	36	54	10	53	16	56	54	11	11



अ.आश्विन शुक्ल 11, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 27.09.2020

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	05	09	00	06	08	03	09	01	07
अं.	10	15	02	05	23	29	01	29	29
क.	13	43	02	37	32	06	07	46	46
वि.	55	38	15	41	34	17	19	54	54
गति	58	763	व13	70	02	69	व00	व03	व03
	51	40	29	11	36	02	14	11	11



विक्रमसंवत् 2077, शाके 1942, अधिक(मल)आश्विन कृष्ण पक्ष (दिनांक 02 अक्टूबर से 16 अक्टूबर 2020 ई. तक)

'प्रमादी' संवत्सर, दक्षिणायन, दक्षिण गोल, शरद्-ऋतु, केतकी अहर्गण- 3467 , अयनांश 24/07/48

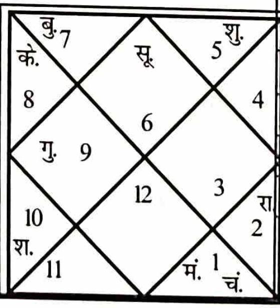
तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	शुक्र	56	15	28	48	रेवती	60	00	-	-	ध्रुव	37	06	वालव	23	19	06	18	18	02	29	19	10	24	मीन	17	अक्टू02	महात्मा गान्धी जयन्ती, लाल बहादुर A
2	शनि	60	00	-	-	रेवती	06	18	08	50	व्याघात	39	20	तैतिल	29	31	06	19	18	01	29	15	10	04	मेष08:50	18	03	पंचक समाप्ति 08:50
2	रवि	02	47	07	26	अश्विनी	13	46	11	50	हर्षण	41	46	गर	02	47	06	19	18	00	29	11	09	45	मेष	19	04	भद्रा 20:42 से
3	सोम	09	08	09	59	भरणी	21	24	14	53	वज्र	44	15	विष्टि	09	08	06	20	17	59	29	06	09	26	वृष21:38	20	05	भद्रा 09:59 तक, संकष्टहर चतुर्थी व्रत B
4	मंगल	15	24	12	30	कृत्तिका	28	52	17	53	सिद्धि	46	31	बालव	15	24	06	21	17	58	29	02	09	07	वृष	21	06	
5	बुध	21	10	14	49	रोहिणी	35	50	20	41	व्यतीपात	48	15	तैतिल	21	10	06	21	17	57	28	58	08	49	वृष	22	07	
6	गुरु	25	54	16	43	मृगसिरा	41	43	23	03	वरीयान	49	01	वणिज	25	54	06	22	17	55	28	54	08	32	मिथुन09:52	23	08	भद्रा 16:43 से 29:22 तक
7	शुक्र	29	10	18	02	आर्द्रा	46	08	24	49	परिघ	48	31	बव	29	10	06	22	17	54	28	50	08	15	मिथुन	24	09	
8	शनि	30	29	18	34	पुनर्वसु	48	35	25	48	शिव	46	21	वालव	30	29	06	23	17	53	28	45	07	58	कर्क19:33	25	10	कालाष्टमी व्रत
9	रवि	29	36	18	13	पुष्य	48	49	25	55	सिद्ध	42	23	तैतिल	00	02	06	23	17	52	28	41	07	42	कर्क	26	11	भद्रा 29:50 से
10	सोम	26	24	16	57	आश्लेषा	46	45	25	06	साध्य	36	32	विष्टि	26	24	06	24	17	51	28	37	07	27	सिंह25:06	27	12	भद्रा 16:57 तक
11	मंगल	21	04	14	50	मघा	42	33	23	25	शुभ	28	58	वालव	21	04	06	25	17	50	28	33	07	12	सिंह	28	13	कमला एकादशी व्रत समस्त
12	बुध	13	56	11	59	पू.फा.	36	36	21	03	शुक्ल	19	58	तैतिल	13	56	06	25	17	49	28	29	06	57	कन्या26:20	29	14	प्रदोष व्रत
13 14	गुरु	05 56	27 08	08 28	36 53	उ.फा.	29	23	18	11	ब्रहम एन्द्र	09 59	55 15	बव	05	27	06	26	17	48	28	25	06	44	कन्या	30	15	भद्रा 08:36 से 18:44 तक, मासशिवरात्रि
30	शुक्र	46	57	25	13	हस्त	21	32	15	03	वैधृति	48	46	चतु.	21	32	06	26	17	47	28	20	06	30	तुला25:27	31	16	पुरुषोत्तम अमावस्या, अधिकमास समाप्त

A शास्त्री जयन्ती, स्वच्छता दिवस B वैनायकचतुर्थी व्रत

अधिमास में पुरुषोत्तम विष्णु की प्रार्थना - यस्य हस्ते गदाचक्रे गरुडो यस्य वाहनम्। शंखः करतले यस्य स मे विष्णुः प्रसीदतु।। कलाकाष्ठादिरूपेण निमेषघटिकादिना। यो वंचयति भूतानि तस्मै कालात्मने नमः।। सशंखचक्रं सकिरीटकुण्डलं सपीतवस्त्रं सरसीरुहेक्षणम्। सहारवक्षस्थलकौस्तुभशोभितम्। नमामि विष्णुं शिरसा चतुर्भुजम्।। यस्य स्मरणमात्रेण जन्मसंसारबन्धनात्। विमुच्यते नमस्तस्मै विष्णवे प्रभविष्णवे।। सच्चिदानन्दरूपाय विश्वोत्पत्यादिहेतवे। तापत्रयविनाशाय श्रीकृष्णाय वयं नुमः।। नारायणाय विद्महे वासुदेवाय धीमहि तन्नो विष्णुः प्रचोदयात्।। श्रीकृष्ण गोविन्द हरे मुरारे हे नाथ नारायण वासुदेव। जिह्वे पिबस्वामृतमेतदेव गोविन्द दामोदर माधवेति।।

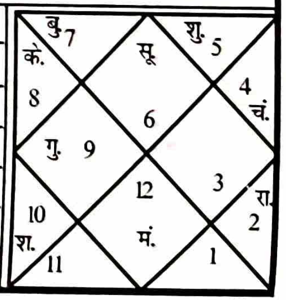
अ.आश्विन कृष्ण 02, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 04.10.2020

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	05	00	00	06	08	04	09	01	07
अं.	17	10	00	12	23	07	01	29	29
क.	06	36	11	48	55	13	08	24	24
वि.	53	35	29	15	57	36	16	38	38
गति	59	711	वा17	53	03	70	00	व03	व03
	05	22	21	39	55	00	26	11	11



अ.आश्विन कृष्ण 09, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 11.10.2020

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	05	03	11	06	08	04	09	01	07
अं.	24	06	28	17	24	15	01	29	29
क.	01	06	02	12	28	27	14	02	02
वि.	30	56	00	37	07	18	09	22	22
गति	59	777	वा19	22	05	70	01	व03	व03
	19	58	03	58	07	51	08	11	11



विक्रमसंवत् 2077, शाके 1942, शुद्ध आश्विन शुक्लपक्ष (दिनांक 17 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2020 ई. तक)

'प्रमादी' संवत्सर, दक्षिणायन, दक्षिण गोल, शरद्/हेमन्त-ऋतु, केतकी अहर्गण-3482 , अयनांश 24/07/50

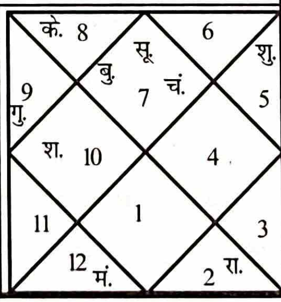
तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	शनि	36	44	21	08	चित्रा	13	34	11	52	विष्कु	37	23	किंस्तु.	11	51	06	27	17	46	28	16	06	18	तुला	का01	अक्टू17	शारदीय नवरात्रारम्भ, कलश स्थापन A
2	रवि	27	17	17	22	स्वाती विशाखा	06 59	00 15	08 30	51 10	प्रीति	26	41	वालव	02	01	06	28	17	45	28	12	06	06	वृश्चि24:50	02	18	चन्द्रदर्शन, प्रीति द्वितीया,
3	सोम	18	56	14	02	अनुराधा	52	25	27	26	आयु.	16	54	गर	18	56	06	28	17	44	28	08	05	55	वृश्चिक	03	19	भद्रा 24:38 से, गौरीतृतीया, रेमन्त पूजा
4	मंगल	11	57	11	15	ज्येष्ठा	48	06	25	43	सौभा.	08	15	विष्टि	11	57	06	29	17	43	28	04	05	45	धनु25:43	04	20	भद्रा 11:15 तक, विनायकचतुर्थीव्रत
5	बुध	06	33	09	06	मूल	45	33	24	43	शोभन अतिगण्ड	00 54	52 54	बालव	06	33	06	29	17	42	28	00	05	35	धनु	05	21	ललिता पंचमी, उपांगललितागौरीव्रत B
6	गुरु	02	54	07	39	पू.षा.	44	55	24	28	सुकर्मा	48	53	तैतिल	02	54	06	30	17	41	27	56	05	26	धनु	06	22	बिल्वामन्त्रण,कालरात्रिपूजा, सायन सूर्य C
7	शुक्र	01	03	06	56	उ.षा.	46	03	24	56	धृति	45	55	वणिज	01	03	06	31	17	40	27	52	05	17	मकर06:35	07	23	भद्रा 06:56 से 18:56 तक,D
8	शनि	01	03	06	56	श्रवण	48	58	26	06	शूल	44	20	बव	01	03	06	31	17	39	27	48	05	10	मकर	08	24	महाष्टमी व्रत, दुर्गाष्टमी, अन्नपूर्णा E
9	रवि	02	46	07	38	धनिष्ठा	53	25	27	54	गण्ड	43	58	कौलव	02	46	06	32	17	38	27	44	05	03	कुम्भ15:00	09	25	पंचक प्रारम्भ 15:00 से, महानवमीव्रत, F
10	सोम	06	00	08	56	शतभिषा	60	00	-	-	वृद्धि	44	35	गर	06	00	06	33	17	37	27	40	04	57	कुम्भ	10	26	भद्रा 21:50 से, विजयदशमी G
11	मंगल	10	28	10	44	शतभिषा	00	07	06	36	ध्रुव	45	59	विष्टि	10	28	06	34	17	36	27	36	04	52	मीन26:33	11	27	भद्रा 10:44 तक, पापांकुशा H
12	बुध	15	49	12	54	पू.भा.	06	35	09	12	व्याघात	47	52	बालव	15	49	06	34	17	35	27	32	04	47	मीन	12	28	गोद्वादशी, पद्मनाभद्वादशी, प्रदोष व्रत
13	गुरु	21	46	15	17	उ.भा.	13	38	12	02	हर्षण	50	02	तैतिल	21	46	06	35	17	34	27	28	04	44	मीन	13	29	ईद ए नबी (मुस्लिम)
14	शुक्र	27	59	17	47	रेवती	20	58	14	59	वज्र	52	18	वणिज	27	59	06	36	17	34	27	24	04	41	मेष14:59	14	30	भद्रा 17:47 से, पंचक समाप्ति 14:59 I
15	शनि	34	19	20	20	अश्विनी	28	27	17	59	सिद्धि	54	35	विष्टि	01	09	06	36	17	33	27	21	04	39	मेष	15	31	भद्रा 07:03 तक,शरत् पूर्णिमा, कौमुदी J

A मातामह श्राद्ध, महाराज अग्रसेन जयन्ती। सूर्य तुला संक्रान्ति 07:08 पर, संक्रान्ति पुण्यकाल सूर्योदय से 11:08 तक B सरस्वती आवाहन C वृश्चिक में 28:52 D वल्वादि नवपत्रिका प्रवेश प्रात: काल, सन्धि पूजा, महानिशापूजा, देवीत्रिरात्रिव्रतारम्भ। E परिक्रमा, सन्धिपूजा, औलीजैन प्रारम्भ, महानवमी रात्रि पूजा F बलिहोमादि, स्वारोचिष मन्वादि, त्रिशूलिनी पूजा, नवरात्रि समाप्ति, विजया दशमी सायंकाल व्यापिनी दशहरा G दुर्गाविसर्जन,शमीपूजा,अपराजिता देवी पूजा, दशरथगौरीव्रत, सीमोल्लंघन, नीलकंठदर्शन, शस्त्रादि पूजा, वाहन पूजा, नवरात्रपारणा, बुद्धावतार जयन्ती। H एकादशी व्रत (समस्त),भरत मिलाप(काशी) माधवाचार्य जयन्ती, I कोजागर लक्ष्मी पूजा J महोत्सव, कोजागरी, पूर्णिमा व्रत, सत्यनारायणव्रत, रात्रौ अक्षक्रीडा, कार्तिकस्नानारम्भ, श्रीबाल्मीकिजयन्ती, औली समाप्त (जैन), अन्नाभिषेक(दक्षिणभारत),मीराबाई जयन्ती, रासमहोत्सव, सरदार पटेल जयन्ती, एकता दिवस ।

नवरात्रिसमये घटस्थापन कालविमर्श - न रात्रौ स्थापनं कार्यं न च कुम्भाभिषेनम्।भास्करोदयमारभ्य यावत्तु दशनाडिका। प्रात: काल इति प्रोक्त: स्थापनारोपणादिषु।

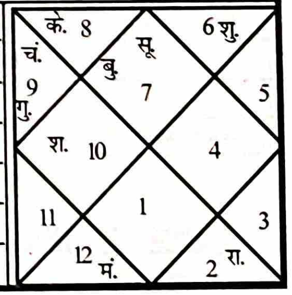
शुद्ध आश्विन शुक्ल 02, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 18.10.2020

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	06	06	11	06	08	04	09	01	07
अं.	00	18	25	16	25	23	01	28	28
क.	57	28	50	32	08	46	24	40	40
वि.	50	21	08	58	37	38	51	06	06
गति	59	915	वा18	व30	06	71	01	व03	व03
	33	42	16	07	16	37	49	11	11



शुद्ध आश्विन शुक्ल 09, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 25.10.2020

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	06	09	11	06	08	05	09	01	07
अं.	07	25	23	09	25	02	01	28	28
क.	55	23	52	32	56	11	40	17	17
वि.	49	25	33	51	56	01	18	50	50
गति	59	759	वा15	व75	07	72	02	व03	व03
	47	46	18	32	20	18	29	11	11



विक्रमसंवत् 2077, शाके 1942, कार्तिक कृष्ण पक्ष (दिनांक 01 नवम्बर से 15 नवम्बर 2020 ई. तक)

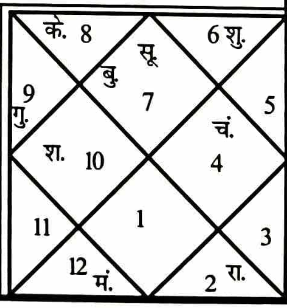
'प्रमादी' संवत्सर, दक्षिणायन, दक्षिणगोल, हेमन्त-ऋतु, केतकी अहर्गण- 3497 , अयनांश 24/07/52

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	रवि	40	34	22	51	भरणी	35	51	20	57	व्यतीपात	56	44	बालव	07	27	06	37	17	32	27	17	04	38	वृष27:40	16	न.01	
2	सोम	46	32	25	15	कृत्तिका	43	00	23	50	वरीयान	58	38	तैतिल	13	33	06	38	17	31	27	13	04	37	वृष	17	02	अशून्यशयन व्रत
3	मंगल	52	09	27	30	रोहिणी	49	49	26	34	परिघ	59	47	वणिज	19	21	06	39	17	31	27	09	04	38	वृष	18	03	भद्रा 14:22से 27:30 तक,रोहिणीव्रत,
4	बुध	57	01	29	27	मृगसिरा	55	57	29	02	शिव	60	00	बव	24	35	06	39	17	30	27	06	04	39	मिथुन15:48	19	04	करवा चौथ, करकचतुर्थी व्रत, A
5	गुरु	59	47	30	35	आर्द्रा	60	00	-	-	शिव	00	32	कौलव	28	24	06	40	17	29	27	02	04	41	मिथुन	20	05	
6	शुक्र	60	00	-	-	आर्द्रा	00	07	06	43	सिद्ध साध्य	00 59	24 10	तैतिल	30	18	06	41	17	29	26	58	04	44	कर्क25:46	21	06	
6	शनि	01	49	07	25	पुनर्वसु	03	33	08	07	शुभ	57	57	वणिज	01	49	06	42	17	28	26	55	04	48	कर्क	22	07	भद्रा 07:25 से 19:29 तक, स्कन्द षष्ठी
7	रवि	02	06	07	33	पुष्य	05	18	08	49	शुक्ल	53	58	बव	02	06	06	42	17	27	26	51	04	53	कर्क	23	08	अहोई अष्टमी, अष्टमीव्रत, राधाष्टमीB
8 9	सोम	00 56	28 55	06 29	54 30	आश्लेषा	05	10	08	47	ब्रह्म	48	19	कौलव	00	28	06	43	17	27	26	48	04	59	सिंह08:47	24	09	श्रीराधाजयन्ती, राधा कुण्ड स्नान
10	मंगल	53	27	28	06	मघा पू.फा.	03 59	10 22	08 30	00 30	ऐन्द्र	41	07	वणिज	25	11	06	44	17	26	26	45	05	05	सिंह	25	10	भद्रा 16:48 से 28:06 तक
11	बुध	46	12	25	13	उ.फा.	54	07	28	24	वैधृति	32	31	बव	19	49	06	45	17	26	26	41	05	12	कन्या11:58	26	11	रम्भा(रमा)एकादशी व्रत(स्मार्त एवं वैष्णव)
12	गुरु	37	42	21	50	हस्त	48	57	26	20	विष्कु	22	51	कौलव	11	57	06	46	17	25	26	38	05	20	कन्या	27	12	रम्भा(रमा)एकादशी व्रत(निम्बार्क) C
13	शुक्र	28	25	18	08	चित्रा	41	21	23	19	प्रीति	12	30	गर	03	04	06	46	17	24	26	35	05	29	तुला12:49	28	13	भद्रा 18:08से28:14तक,धन्वन्तरिजयन्ती D
14	शनि	18	56	14	21	स्वाती	33	37	20	14	आयु. सौभा.	01 51	51 15	शकुनि	18	56	06	47	17	24	26	31	05	39	तुला	29	14	हनुमान जयन्ती(उ.भा.), दीपावली, E
30	रवि	09	38	10	39	विशाखा	26	10	17	16	शौभन	40	39	नाग	09	38	06	48	17	24	26	28	05	50	वृश्चि12:00	30	15	प्रातः यमतर्पण, केदारव्रत, F

A संकटचतुथी व्रत,दशरथ चतुर्थी(बंगाल) B कालाष्टमी, C गोवत्स द्वादशी D धनतेरस, धन त्रयोदशी, यमदीपदान, मास शिवरात्रि, नरक चतुर्दशी, सायं दीपदान, छोटी दीपावली, प्रेत चतुर्दशी, महाकाली पूजा E महालक्ष्मी पूजा, यमदीपदान, रूप चौदस, माष पत्र भक्षण, कामेश्वरी जयन्ती, यमतर्पण, महाकाली पूजा, श्राद्धादि अमावस्या, पितृविसर्जन, लक्ष्मीकुबेरादि पूजन, सायं दीपदान,उल्काभ्रमण, गोत्रिरात्रि व्रत, कमला जयन्ती, शंकराचार्य निर्वाण दिन, दयानन्दनिर्वाण दिन, श्रीमहावीर निर्वाण(जैन), F अमावस्या स्नानदानादि,गोवर्धन पूजा, प्रातः यमतर्पण, गोक्रीडा, अन्नकूट,बलिपूजा आकाश दीपारम्भ, अखण्डदीप प्रारम्भ, मंगलमालिका, द्यूतक्रीडा। **दरिद्रा निस्सारण** - एवं गते निशीथे तु जने निद्रार्धलोचने। तावन्नगरनारीभिः शूर्पडिंडिमवादनैः। निष्कास्यते प्रहृष्टाभिरलक्ष्मीः स्वगृहांगणात्।। **कार्तिकमासे स्नानादिमहतवम्** - कार्तिके सकलं मासं प्रातः स्नायी जितेन्द्रियः। जपन् हविष्यभुक् शान्तः सर्वपापैः प्रमुच्यते।।

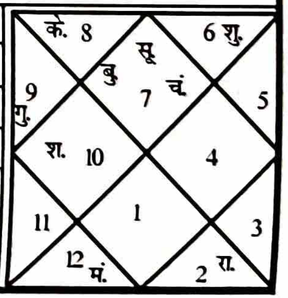
कार्तिक कृष्ण 07, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 08.11.2020

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	06	03	11	06	08	05	09	01	07
अं.	21	15	21	03	27	19	02	27	27
क.	56	31	28	13	54	12	24	33	33
वि.	36	27	51	53	50	29	43	18	18
गति	60	775	व05	37	09	73	03	व03	व03
	13	43	17	38	17	25	44	11	11



कार्तिक कृष्ण 30, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 15.11.2020

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	06	06	11	06	08	05	09	01	07
अं.	28	26	21	10	29	27	02	27	27
क.	59	42	14	39	03	39	53	11	11
वि.	13	37	31	12	11	28	09	01	01
गति	60	910	00	77	10	73	04	व03	व03
	25	57	23	29	06	51	17	11	11



विक्रमसंवत् 2077, शाके 1942, कार्तिक शुक्ल पक्ष (दिनांक 16 नवम्बर से 30 नवम्बर 2020 ई. तक)

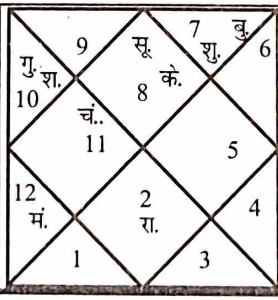
'प्रमादी 'संवत्सर, दक्षिणायन, दक्षिण-गोल, हेमन्त-ऋतु, केतकी अहर्गण- 3512 , अयनांश 24/07/54

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ	प	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.अं.		चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1 2	सोम	00 53	54 05	07 28	10 04	अनुराधा	19	26	14	35	अतिगण्ड	30	41	बव	00	54	06	49	17	23	26	25	06	01	वृश्चिक	मा01	न.16	सूर्य वृश्चिकसंकान्ति06:56पर,भ्रातृद्वितीया,A
3	मंगल	45	16	24	56	ज्येष्ठा	13	48	12	21	सुकर्मा	21	46	तैतिल	19	10	06	50	17	23	26	22	06	13	धनु12:21	02	17	त्रिलोचनगौरीव्रत
4	बुध	40	07	22	53	मूल	09	33	10	40	धृति	14	04	वणिज	12	42	06	51	17	22	26	19	06	26	धनु	03	18	भद्रा 11:54 से 22:53 तक, नागचतुर्थी, B
5	गुरु	36	49	21	35	पू.षा.	06	57	09	38	शूल	07	43	बव	08	28	06	51	17	22	26	26	06	40	मकर15:33	04	19	लाभपंचमी, सौभाग्यपंचमी, ज्ञानपंचमी
6	शुक्र	35	30	21	04	उ.षा.	06	10	09	20	गण्ड वृद्धि	02 59	52 34	कौलव	06	09	06	52	17	22	26	13	06	55	मकर	05	20	स्कन्दषष्ठी,सूर्यषष्ठीव्रत,प्रतिहारषष्ठीव्रत(सांयार्घ्य)
7	शनि	36	13	21	22	श्रवण	07	20	09	49	ध्रुव	57	45	गर	05	51	06	53	17	21	26	10	07	10	कुम्भ22:25	06	21	भद्रा21:22से,पंचक प्रारम्भ22:25, छठपूजनC
8	रवि	38	49	22	25	धनिष्ठा	10	22	11	02	व्याघात	55	56	विष्टि	07	31	06	54	17	21	26	08	07	26	कुम्भ	07	22	भद्रा 09:53 तक दुर्गाष्टमी, D
9	सोम	43	07	24	09	शतभिषा	15	07	12	57	हर्षण	56	55	बालव	10	58	06	55	17	21	26	05	07	43	कुम्भ	08	23	अक्षयनवमी, कूष्माण्डनवमी E
10	मंगल	48	44	26	25	पू.भा.	21	16	15	26	वज्र	58	48	तैतिल	15	56	06	55	17	21	26	02	08	00	मीन08:48	09	24	मथुरा मेला (कंस),गुरुतेगबहादुरशहीदी दिन
11	बुध	55	14	29	02	उ.भा.	28	25	18	18	सिद्धि	60	00	वणिज	21	59	06	56	17	20	26	00	08	19	मीन	10	25	भद्रा 15:43से 29:02 तक, हरिप्रबोधिनी F
12	गुरु	60	00	-	-	रेवती	36	02	21	21	सिद्धि	01	41	बव	28	44	06	57	17	20	25	57	08	38	मेष21:21	11	26	गरुडद्वादशी,पंचकसमाप्ति 21:21 G
12	शुक्र	02	14	07	51	अश्विनी	43	45	24	28	व्यतीपात	03	58	बालव	02	14	06	58	17	20	25	55	08	57	मेष	12	27	प्रदोष व्रत
13	शनि	08	39	10	26	भरणी	51	11	27	27	वरीयान	06	08	तैतिल	08	39	06	59	17	20	25	53	09	18	मेष	13	28	वैकुण्ठचतुर्दशी
14	रवि	14	40	12	51	कृत्तिका	58	04	30	13	परिघ	07	59	वणिज	14	40	06	59	17	20	25	51	09	38	वृष10:08	14	29	भद्रा 12:51से25:56 तक,पाषाण चतुर्दशी H
15	सोम	20	04	15	01	रोहिणी	60	00	-	-	शिव	09	23	बव	20	04	07	00	17	20	25	48	10	00	वृष	15	30	कार्तिकपूर्णिमा, कार्तिक व्रतोद्यापन J

A संक्रान्तिपुण्यकाल सूर्योदय से 06:56 तक, विश्वकर्म पूजा, भैया दूज, यमपूजा,चन्द्रदर्शन चित्रगुप्त पूजा, यमुना स्नान B विनायकचतुर्थी, दूर्वागणपति व्रत, त्रिदिवसीय सूर्यषष्ठीव्रतारम्भ। C प्रतिहारषष्ठी सूर्यार्घ्य, व्रतपारणा, सायन सूर्य धनु में 26:30 पर, D मेला गोचारण (मथुरा), गोपाष्टमी, कार्तवीर्योत्पत्ति, औली (जैन) प्रारम्भ E कूष्माण्डनवमी,सतयुगादि, विष्णुत्रिरात्रिव्रतारम्भ, जगद्धात्री पूजा, धात्रीवृक्ष के नीचे भोजन, अयोध्या मथुरा परिक्रमा। F एकादशी व्रत(स्मार्त व वैष्णव),देवउठनी, भीष्मपंचक प्रारम्भ, श्रीविष्णु त्रिरात्रिव्रतसमाप्त, कालिदास जयन्ती ,भीष्मपंचकव्रतारम्भ,चातुर्मास्य समाप्ति। G हरिबोधिनी एकादशी(निम्बार्क), तुलसी विवाह, H पूर्णिमा व्रत, विश्वेश्वरप्रतिष्ठाव्रत, काशी विश्वनाथ प्रतिष्ठा, धात्रीपूजन, श्रीमहाविष्णु पूजा। J सत्यनारायणव्रत,गुरुनानक जयन्ती,त्रिपुरोत्सव,तुलसी उद्यापन, पुष्कर मेला,भीष्मपंचकसमाप्ति, देव दीपावली,निम्बार्क जयन्ती, वैशानस दीप(द.भा.)।

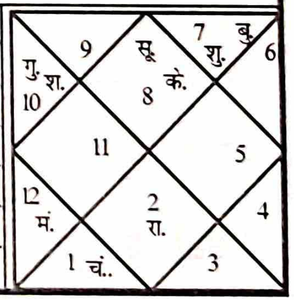
कार्तिक शुक्ल 08, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 22.11.2020

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	07	10	11	06	09	06	09	01	07
अं.	06	04	21	20	00	06	03	26	26
क.	03	27	38	43	17	27	25	48	48
वि.	08	50	57	47	06	15	2[illegible]	45	45
गति	60	764	05	90	10	74	04	व03	व03
	36	08	47	34	53	13	50	11	11



कार्तिक शुक्ल 14, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 29.11.2020

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	07	00	11	07	09	06	09	01	07
अं.	13	28	22	01	01	15	04	26	26
क.	08	28	39	32	35	08	01	26	26
वि.	15	28	06	53	58	19	08	29	29
गति	60	714	10	93	11	74	05	व03	व03
	46	25	39	28	32	31	17	11	11



विक्रमसंवत् 2077, शाके 1942, मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष (दिनांक 01 दिसम्बर से 14 दिसम्बर 2020 ई. तक)

'प्रमादी' संवत्सर, दक्षिणायन, दक्षिणगोल, हेमन्त-ऋतु, केतकी अहर्गण- 3527 अयनांश 24/07/56

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.अं.		चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	मंगल	24	45	16	55	रोहिणी	03	41	08	29	सिद्ध	10	16	कौलव	24	45	07	01	17	20	25	46	10	22	मिथुन21:33	16	दि.01	कार्तिकव्रतपारणा,
2	बुध	28	34	18	27	मृगसिरा	08	59	10	37	साध्य	10	30	गर	28	34	07	02	17	20	25	44	10	45	मिथुन	17	02	
3	गुरु	31	22	19	35	आर्द्रा	13	21	12	22	शुभ	09	58	विष्टि	31	22	07	03	17	20	25	43	11	08	मिथुन	18	03	भद्रा 07:01से 19:35तक,सौभाग्यसुन्दरीव्रतA
4	शुक्र	33	07	20	18	पुनर्वसु	16	43	13	44	शुक्ल	08	40	बव	02	14	07	03	17	20	25	41	11	32	कर्क07:23	19	04	
5	शनि	33	31	20	28	पुष्य	18	52	14	37	ब्रह्म	06	23	कौलव	03	19	07	04	17	20	25	39	11	56	कर्क	20	05	
6	रवि	32	30	20	05	आश्लेषा	19	41	14	57	ऐन्द्र वैधृति	03 58	00 37	गर	03	01	07	05	17	20	25	38	12	21	सिंह14:57	21	06	भद्रा 20:05 से
7	सोम	30	02	19	06	मघा	19	07	14	44	विष्कु.	53	05	विष्टि	01	16	07	06	17	20	25	36	12	46	सिंह	22	07	भद्रा 07:35 तक सावित्रीकल्प, B
8	मंगल	26	08	17	33	पू.फा.	17	09	13	57	प्रीति	47	33	कौलव	26	08	07	06	17	20	25	35	13	12	कन्या19:37	23	08	
9	बुध	20	55	15	28	उ.फा.	13	52	12	39	आयु.	39	46	गर	20	55	07	07	17	20	25	33	13	38	कन्या	24	09	भद्रा 26:12 से
10	गुरु	14	35	12	57	हस्त	09	28	10	55	सौभा.	31	10	विष्टि	14	35	07	08	17	21	25	32	14	05	तुला21:52	25	10	भद्रा 12:57 तक,
11	शुक्र	07	26	10	06	चित्रा स्वाती	04 58	13 25	08 30	49 31	शोभन	21	58	बालव	07	26	07	08	17	21	25	31	14	32	तुला	26	11	उत्पन्ना एकादशी व्रत (समस्त)
12 13	शनि	00 51	13 50	07 27	03 54	विशाखा	52	20	28	05	अतिग.	12	28	तैतिल	00	13	07	09	17	21	25	30	14	59	वृश्चि22:41	27	12	शनि प्रदोषव्रत,भद्रा 27:54 से,
14	रवि	44	02	24	46	अनुराधा	46	20	25	41	सुकर्मा धृति	02 53	52 28	विष्टि	17	56	07	10	17	21	25	29	15	26	वृश्चिक	28	13	मासशिवरात्रि,भद्रा 14:46तक,
30	सोम	36	23	21	43	ज्येष्ठा	40	29	23	21	शूल	44	03	चतु.	10	13	07	10	17	22	25	28	15	54	धनु23:21	29	14	सोमवती अमावस्या, कार्तिकपूजा(बं.)

A संकष्टहरचतुर्थी व्रत, B रुक्मणी अष्टमी, कालभैरवाष्टमी, कालाष्टमी, भैरव जयन्ती

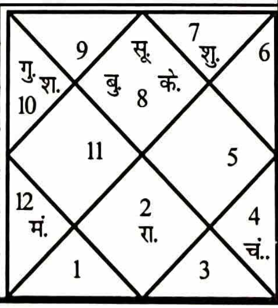
नवान्नभक्षणम्-वृश्चिके पूर्वभागे तु नवान्नं शस्यते बुधैः। अपरे क्रियमाणे तु धनुष्येव कृतं भवेत्।। धनुषि यत्कृतं श्राद्धं मृगनेत्रासु रात्रिषु। पितरस्तन्न गृह्णन्ति नवान्नामृतकांक्षिणः।।

कालभैरवपूजने विशेषः - कृत्वा च विविधां पूजां महासम्भारविस्तरैः। नरो मार्गासिताष्टम्यां वार्षिकं विघ्नमुत्सृजेत्। तीर्थे कालोदके स्नात्वा कृत्वा तर्पणमत्वरः। विलोक्य कालराजानं निरयादुद्धरेत्पितृन्।

रविवासरे त्याज्य वस्तूनि-क्षौरं तैलं जलं चोष्णमामिषं निशि भोजनम्। रतिः स्नानं च मध्याह्ने रवौ सप्त विवर्जयेत्।।

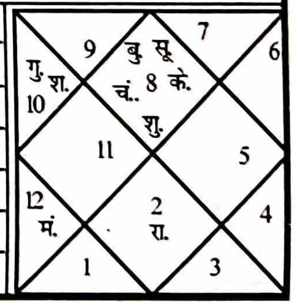
मार्गशीर्ष कृष्ण 06, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 06.12.2020

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	07	03	11	07	09	06	09	01	07
अं.	20	25	24	12	02	23	04	26	26
क.	14	42	10	29	59	51	40	04	04
वि.	22	44	54	10	11	12	57	13	13
गति	60	783	14	93	12	74	05	व03	व03
	54	35	51	42	07	45	44	11	11



मार्गशीर्ष कृष्ण 14, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 14.12.2020

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	07	07	11	07	09	07	09	01	07
अं.	28	20	26	25	04	03	05	25	25
क.	22	01	29	00	39	50	27	38	38
वि.	21	05	04	13	01	26	41	46	46
गति	61	887	18	94	12	74	06	व03	व03
	02	34	59	05	43	58	09	11	11



विक्रमसंवत् 2077, शाके 1942, मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष (दिनांक 15 दिसम्बर से 30 दिसम्बर 2020 ई. तक)

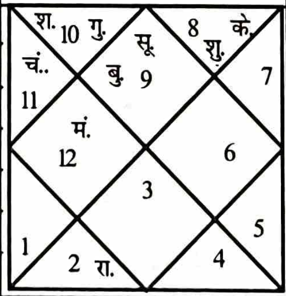
'प्रमादी' संवत्सर, दक्षिण/उत्तरायण, दक्षिणगोल, हेमन्त/शिशिर-ऋतु, केतकी अहर्गण- 3541 , अयनांश 24/07/58

तिथि	वार	घ.	प	घं.	मि	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.अं.		चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	मंगल	29	38	19	02	मूल	35	32	21	23	गण्ड	35	34	किंस्तु	03	00	07	11	17	22	25	27	16	22	धनु	पौ01	वि.15	सूर्य धनु संक्रान्ति 21:33 पर रुद्रव्रत A
2	बुध	24	02	16	48	पू.षा.	31	45	19	53	वृद्धि	28	04	कौलव	24	02	07	11	17	22	25	27	16	51	मकर25:39	02	16	रम्भाव्रत, चन्द्रदर्शन
3	गुरु	19	56	15	10	उ.षा.	29	29	18	59	ध्रुव	21	49	गर	19	56	07	12	17	23	25	26	17	19	मकर	03	17	भद्रा 26:42 से
4	शुक्र	17	34	14	14	श्रवण	28	58	18	47	व्याघात	16	57	विष्टि	17	34	07	12	17	23	25	26	17	48	कुम्भ31:03	04	18	भद्रा 14:14 तक, विनायकचतुर्थी व्रतB
5	शनि	17	06	14	03	धनिष्ठा	30	18	19	20	हर्षण	13	34	बालव	17	06	07	13	17	23	25	26	18	16	कुम्भ	05	19	रामविवाहोत्सव, विवाह पंचमी C
6	रवि	18	37	14	40	शतभिषा	33	35	20	39	वज्र	11	43	तौतिल	18	37	07	14	17	24	25	25	18	45	कुम्भ	06	20	स्कन्दषष्ठी, संहार षष्ठी D
7	सोम	22	01	16	02	पू.भा.	38	39	22	41	सिद्धि	11	18	वणिज	22	01	07	14	17	24	25	25	19	14	मीन16:10	07	21	भद्रा 16:02 से 29:02 तक,नन्दासप्तमी,E
8	मंगल	27	02	18	03	उ.भा.	45	12	25	19	व्यतीपात	12	07	बव	27	02	07	15	17	25	25	25	19	43	मीन	08	22	दुर्गाष्टमी
9	बुध	33	15	20	33	रेवती	52	47	28	21	वरीयान	13	52	वालव	00	09	07	15	17	25	25	25	20	12	मेष28:21	09	23	पंचकसमाप्ति 28:21,कल्पादि नवमी, F
10	गुरु	40	07	23	18	अश्विनी	60	00	-	-	परिघ	16	09	तैतिल	06	41	07	15	17	26	25	26	20	41	मेष	10	24	
11	शुक्र	46	58	26	03	अश्विनी	01	03	07	41	शिव	18	33	वणिज	13	33	07	16	17	26	25	26	21	10	मेष	11	25	भद्रा 12:40 से 26:03 तक, मोक्षदा G
12	शनि	53	16	28	34	भरणी	08	33	10	41	सिद्ध	20	38	बव	20	07	07	16	17	27	25	26	21	39	वृष17:22	12	26	अखण्डद्वादशी,मत्स्या द्वादशी,
13	रवि	58	32	30	41	कृत्तिका	15	21	13	25	साध्य	22	06	कौलव	25	54	07	17	17	28	25	27	22	08	वृष	13	27	रविप्रदोषव्रत, अनंग त्रयोदशी
14	सोम	60	00	-	-	रोहिणी	21	11	15	45	शुभ	22	45	गर	30	03	07	17	17	28	25	28	22	37	मिथुन28:42	14	28	पिशाचमोचन श्राद्ध, रोहिणी व्रत
14	मंगल	01	34	07	55	मृगशिरा	25	55	17	39	शुक्ल	22	30	वणिज	01	34	07	17	17	29	25	28	23	05	मिथुन	15	29	भद्रा 07:55 से 20:26तक,दत्तजयन्ती, H
15	बुध	04	11	08	58	आर्द्रा	29	25	19	04	ब्रह्म	21	16	बव	04	11	07	18	17	29	25	29	23	33	मिथुन	16	30	मार्गशीर्ष पूर्णिमा, सत्यनारायणव्रत, J

A प्रतिपत्प्रदोष, संक्रान्ति पुण्यकाल 15:09 से सूर्यास्त तक। B पंचक प्रारम्भ 31:03 C नागपंचमी, बाबू वैजनाथ जयन्ती, रामदास जयन्ती, स्वामी हरिदास जयन्ती D मल्लारषष्ठी, चम्पाषष्ठी(महाराष्ट्र), सुब्रह्मण्यमषष्ठी(द.भारत), गुह षष्ठी । E मित्र सप्तमी, सायन सूर्य मकर में 15:54 F महानवमी G व्रत एकादशीव्रत समस्त, गीता जयन्ती, मौनी एकादशी (जैन), धरणी व्रत क्रिसमस डे (ईसाई)। H दत्तात्रेय उत्पत्ति, पूर्णिमा व्रत J काशी पिशाचमोचनयात्रा दर्शन तर्पणादि, स्नानदानादि पूर्णिमा, त्रिपुरभैरव जयन्ती। **अथसौरव्रतम्**-मार्गे मासि तथा माघे वैशाखाषाढयोरपि। शुक्लपक्षे व्रतं कुर्यात्सम्यग्देवस्य भास्वतः।। **नवान्नफलभक्षणम्** – हरियुगलेऽदितियुगले पूषायुगले विरंचियुगले च। करपंचकोत्तरेषु च नवान्नफलभक्षणं शस्तम्।।

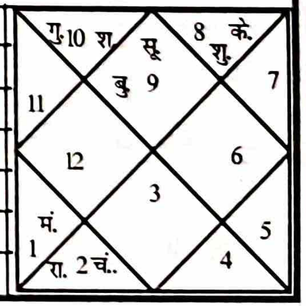
मार्गशीर्ष शुक्ल 06, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 20.12.2020

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	08	10	11	08	09	07	09	01	07
अं.	04	12	28	04	05	11	06	25	25
क.	28	48	32	27	56	20	05	19	19
वि.	50	40	20	18	40	39	26	41	41
गति	61	770	21	94	13	75	06	व03	व03
	05	30	34	51	05	04	24	11	11



मार्गशीर्ष शुक्ल 13, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 27.12.2020

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	08	01	00	08	09	07	09	01	07
अं.	11	06	01	15	07	20	06	24	24
क.	36	56	14	37	29	06	51	57	57
वि.	46	26	08	39	50	29	24	25	25
गति	61	717	24	96	13	75	06	व03	व03
	08	22	09	28	29	08	39	11	11



विक्रमसंवत् 2077, शाके 1942, पौष कृष्ण पक्ष (दिनांक 31 दिसम्बर 2020 से 13 जनवरी 2021 ई. तक)

'प्रमादी' संवत्सर, उत्तरायण, दक्षिणगोल, हेमन्त/शिशिर-ऋतु, केतकी अहर्गण- 3557 , अयनांश 24/08/00

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	गुरु	05	36	09	32	पुनर्वसु	31	46	20	00	ऐन्द्र	19	07	कौलव	05	36	07	18	17	30	25	30	24	02	कर्क13:46	17	दि.31	खीष्टवर्ष 2020 समाप्त
2	शुक्र	05	49	09	38	पुष्य	32	59	20	29	वैधृति	16	04	गर	05	49	07	18	17	31	25	31	24	29	कर्क	18	जन.01	भद्रा 21:27 से, खीष्टवर्ष 2021 प्रारम्भ
3	शनि	04	54	09	16	आश्लेषा	33	05	20	32	विष्कु	12	08	विष्टि	04	54	07	18	17	32	25	32	24	57	सिंह20:32	19	02	भद्रा 09:16 तक, संकष्टहरचतुर्थी व्रत
4	रवि	02	58	08	30	मघा	32	15	20	12	प्रीति	07	25	वालव	02	58	07	19	17	32	25	34	25	24	सिंह	20	03	
5 6	सोम	00 56	05 23	07 29	20 52	पू.फा.	30	30	19	30	आयु. सौभा	01 55	59 55	तैतिल	00	05	07	19	17	33	25	35	25	51	कन्या25:15	21	04	भद्रा 29:52 से
7	मंगल	52	43	28	24	उ.फा.	28	01	18	31	शोभन	49	54	विष्टि	24	33	07	19	17	34	25	36	26	18	कन्या	22	05	भद्रा 17:08 तक, भानु सप्तमी, A
8	बुध	47	33	26	20	हस्त	24	52	17	16	अतिगण्ड	42	38	वालव	20	08	07	19	17	34	25	38	26	44	तुला28:33	23	06	अष्टकाश्राद्ध, कालाष्टमी
9	गुरु	42	00	24	07	चित्रा	21	17	15	50	सुकर्मा	35	05	तैतिल	14	46	07	19	17	35	25	40	27	10	तुला	24	07	अन्वष्टकाश्राद्ध
10	शुक्र	36	06	21	45	स्वाती	17	18	14	14	धृति	27	15	वणिज	09	03	07	19	17	36	25	41	27	36	वृश्चि30:58	25	08	भद्रा 10:56 से 21:45 तक
11	शनि	30	03	19	20	विशाखा	13	06	12	33	शूल	19	17	बव	03	04	07	19	17	37	25	43	28	01	वृंश्चिक	26	09	सफला एकादशी व्रत(समस्त)
12	रवि	23	58	16	54	अनुराधा	08	49	10	51	गण्ड	11	17	तैतिन	23	58	07	19	17	37	25	45	28	25	वृश्चिक	27	10	सुरूपा द्वादशी,रूप द्वादशी,रवि प्रदोष व्रत
13	सोम	18	07	14	34	ज्येष्ठा	04	41	09	11	वृद्धि ध्रुव	03 55	27 55	वणिज	18	07	07	19	17	38	25	47	28	49	धनु 09:11	28	11	भद्रा 14:34 से 25:29 तक, मासशिवरात्रि
14	मंगल	12	41	12	24	मूल पू.षा	00 57	53 48	07 30	40 26	व्याघात	48	18	शकुनि	12	41	07	19	17	39	25	49	29	13	धनु	29	12	युवा दिवस, स्वामी विवेकानन्द जयन्ती
30	बुध	07	59	10	31	उ.षा	54	32	29	08	हर्षण	41	50	नाग	07	59	07	19	17	41	25	51	29	36	मकर12:06	30	13	पौषी अमावस्या, लोहिडी (पंजाब) B

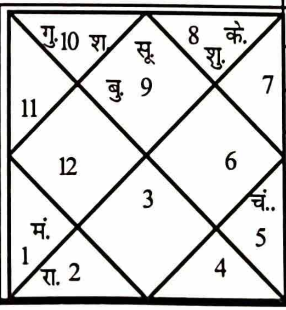
A व्यष्टकाश्राद्ध, B बक़ुला अमावस्या

दशतारकविचार -पौषे मूलभरण्यन्तं चन्द्रचारेण वर्षति। आर्द्रादितो विशाखान्तं सूर्यचारेण वर्षति। एवं चैत्रे तथा ज्येष्ठे शुक्लपक्षे प्रयत्नतः। आर्द्रादिदशताराणां ज्ञात्वा गर्भं वदेत्फलम्।।

मेघगर्भपुष्टिविचार:-वाताभ्रगर्जत्तडितोदकानि हिमप्रपातः करकावघातः।अकालसन्ध्या परिवेषणश्च नवप्रकारैः प्रभवन्ति गर्भाः।।

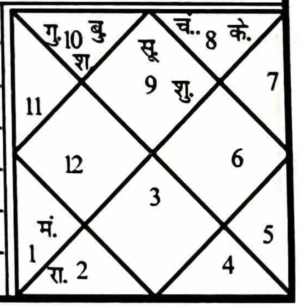
पौष कृष्ण 04, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 03.01.2021

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	08	04	00	08	09	07	09	01	07
अं.	18	06	04	27	09	28	07	24	24
क.	44	08	12	00	05	52	38	35	35
वि.	54	03	09	44	15	43	56	10	10
गति	61	803	26	98	13	75	06	व03	व03
	09	25	18	18	44	10	52	11	11



पौष कृष्ण 12, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 10.01.2021

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	08	07	00	09	09	08	09	01	07
अं.	25	14	07	08	10	07	08	24	24
क.	52	33	23	30	42	39	27	12	12
वि.	58	26	44	53	26	07	39	54	54
गति	61	860	28	98	13	75	07	व03	व03
	09	57	06	14	58	12	01	11	11



विक्रमसंवत् 2077, शाके 1942, पौष शुक्लपक्ष (दिनांक 14 जनवरी से 28 जनवरी 2021 ई.तक)

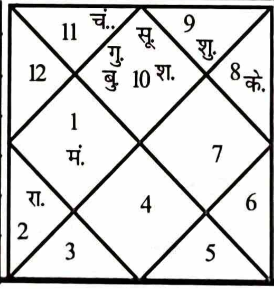
'परिधावी 'संवत्सर, उत्तरायण, दक्षिण गोल, शिशिर-ऋतु, केतकी अहर्गण - 3571, अयनांश 24/08/02

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.अं.		चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	गुरु	04	18	09	02	श्रवण	53	17	28	38	वज्र	36	21	बव	04	18	07	19	17	41	25	53	29	58	मकर	मा01	जन.14	सूर्य मकर राशि में 08:18, चन्द्रदर्शन A
2	शुक्र	01	55	08	05	धनिष्ठा	53	31	28	43	सिद्ध	32	02	कौलव	01	55	07	19	17	42	25	56	30	20	कुम्भ16:40	02	15	पंचक प्रारम्भ 16:40
3	शनि	01	04	07	44	शतभिषा	55	29	29	30	व्यतीपात	29	03	गर	01	04	07	19	17	42	25	58	30	41	कुम्भ	03	16	भद्रा 19:54 से,
4	रवि	01	56	08	05	पू.भा.	60	00	-	-	वरीयान	27	28	विष्टि	01	56	07	19	17	43	26	01	31	02	मीन25:07	04	17	भद्रा08:05तक,विनायकचतुर्थीव्रत,गणेशचतुर्थी
5	सोम	04	37	09	09	पू.भा.	00	54	07	40	परिघ	27	16	बालव	04	37	07	19	17	44	26	03	31	21	मीन	05	18	
6	मंगल	08	56	10	53	उ.भा.	06	19	09	50	शिव	28	14	तैतिल	08	56	07	18	17	45	26	06	31	41	मीन	06	19	अन्नरूपाषष्ठी,सायन सूर्यकुम्भ में 22:53
7	बुध	14	43	13	11	रेवती	13	08	12	33	सिद्ध	30	13	वणिज	14	43	07	18	17	46	26	09	31	59	मेष12:33	07	20	भद्रा 13:11से 27:30तक, भानुसप्तमीB
8	गुरु	21	21	15	50	अश्विनी	20	47	15	36	साध्य	32	43	बव	21	21	07	18	17	47	26	11	32	17	मेष	08	21	महाभद्राष्टमी, दुर्गाष्टमी
9	शुक्र	28	12	18	34	भरणी	28	38	18	45	शुभ	35	15	कौलव	28	12	07	18	17	47	26	14	32	34	वृष25:29	09	22	
10	शनि	34	35	21	07	कृत्तिका	36	05	21	43	शुक्ल	37	20	तैतिल	01	23	07	17	17	48	26	17	32	51	वृष	10	23	साम्ब दशमी,सूर्यपूजा(उडीसा),सुभाषजयन्ती
11	रवि	39	54	23	14	रोहिणी	42	31	24	17	ब्रह्म	38	34	वणिज	07	15	07	17	17	49	26	20	33	07	वृष	11	24	भद्रा 10:10 से 23:14तक,पुत्रदा एकादशीC
12	सोम	43	45	24	47	मृगसिरा	47	34	26	18	ऐन्द्र	38	39	बव	11	50	07	17	17	50	26	23	33	21	मिथुन13:17	12	25	कूर्म द्वादशी,
13	मंगल	45	49	25	36	आर्द्रा	50	55	27	38	वैधृति	37	23	कौलव	14	47	07	16	17	51	26	26	33	36	मिथुन	13	26	भौम प्रदोष व्रत, भारतीय गणतन्त्र दिवस
14	बुध	46	10	25	43	पुनर्वसु	52	36	28	18	विष्कु	34	48	गर	15	59	07	16	17	52	26	29	33	49	कर्क22:08	14	27	भद्रा 25:43 से,
15	गुरु	44	54	25	13	पुष्य	52	45	28	21	प्रीति	30	59	विष्टि	15	32	07	15	17	51	26	33	34	02	कर्क	15	28	भद्रा 13:28तक, पूर्णिमाव्रत,पौषी पूर्णिमाD

A संक्रान्ति पुण्यकाल 08:18 से सूर्यास्त तक, खिचडी संक्रान्ति, पोंगल B पंचक समाप्ति 12:33, गुरु गोविन्द सिंह जयन्ती C व्रत (समस्त), रैवत मन्वादि, D माघ स्नान आरम्भ, श्रीसत्यनारायण व्रत, तूल परीक्षा, दशाश्वमेध गंगा स्नान, शाकम्भरी जयन्ती। **पूर्णिमातः माघस्नानारम्भे मन्त्रः** -दुःखदारिद्र्यनाशाय श्रीविष्णोस्तोषणाय च। प्रातः स्नानं करोम्यद्य माघे पापविनाशिने। **माघे विष्णुपूजा** - पौष्यां तु समतीतायां यावद्भवति पौर्णिमा। माघमासस्य तावद्धि पूजा विष्णोर्विधीयते।। **माघे अर्घ्यदानमन्त्रः** -सवित्रे प्रसवित्रे च परं धाम जले मम। त्वत्तेजसा परिभ्रष्टं पापं यातु सहस्रधा।

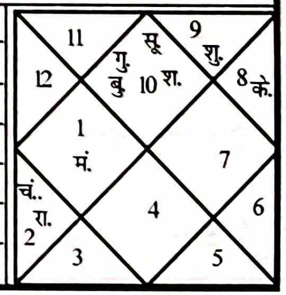
पौष शुक्ल 04, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 17.01.2021

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	09	10	00	09	09	08	09	01	07
अं.	03	20	10	19	12	16	09	23	23
क.	00	37	46	35	20	25	17	50	50
वि.	48	44	33	50	57	31	10	39	39
गति	61	771	29	90	14	75	07	व03	व03
	06	53	34	58	08	12	08	11	11



पौष शुक्ल 11, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 24.01.2021

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	09	01	00	09	09	08	09	01	07
अं.	10	14	14	28	14	25	10	23	23
क.	08	50	18	42	00	11	07	28	28
वि.	08	54	44	18	16	50	03	24	24
गति	61	718	30	64	14	75	07	व3	व3
	01	19	49	36	13	12	08	11	11



विक्रमसंवत् 2077, शाके 1942, माघ कृष्ण पक्ष (दिनांक 29 जनवरी से 11 फरवरी 2021 ई. तक)

'प्रमादी' संवत्सर, उत्तरायण, दक्षिणगोल, शिशिर-ऋतु, केतकी अहर्गण- 3586 , अयनांश 24/08/04

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.अं.		चन्द्रचार	प्रवि.	विनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	शुक्र	42	07	24	06	आश्लेषा	51	26	27	49	आयु.	26	00	बालव	13	31	07	15	17	53	26	36	34	14	सिंह27:49	16	जन.29	
2	शनि	38	14	22	32	मघा	49	03	26	51	सौभा	20	06	तैतिल	10	11	07	14	17	54	26	39	34	25	सिंह	17	30	महात्मा गान्धी शहीद दिवस
3	रवि	33	32	20	39	पू.फा.	45	53	25	35	शोभन	13	32	वणिज	05	53	07	14	17	55	26	43	34	35	सिंह	18	31	भद्रा09:15 से 20:39 तक, श्रीसंकष्टहरA
4	सोम	28	21	18	34	उ.फा.	42	17	24	08	अतिगण्ड सुकर्मा	06 59	30 15	बव	00	57	07	13	17	56	26	46	34	44	कन्या07:13	19	फ.01	
5	मंगल	22	57	16	24	हस्त	38	31	22	37	धृति	51	54	तैतिल	22	57	07	13	17	57	26	49	34	53	कन्या	20	02	
6	बुध	17	35	14	14	चित्रा	34	50	21	08	शूल	44	31	वणिज	17	35	07	12	17	58	26	53	35	01	तुला09:52	21	03	भद्रा 14:14 से 25:11 तक, B
7	गुरु	12	20	12	08	स्वाती	31	20	19	44	गण्ड	37	16	बव	12	20	07	12	17	59	26	57	35	08	तुला	22	04	कालाष्टमी अष्टकाश्राद्ध,
8	शुक्र	07	22	10	07	विशाखा	28	09	18	26	वृद्धि	30	17	कौलव	07	22	07	11	17	59	27	00	35	14	वृश्चि12:45	23	05	अन्वष्टकाश्रादध
9 10	शनि	02 53	39 35	08 28	14 36	अनुराधा	25	14	17	16	ध्रुव	23	33	गर	02	39	07	10	18	00	27	04	35	20	वृश्चिक	24	06	भद्रा 18:25 से 28:36 तक
11	रवि	54	17	28	52	ज्येष्ठा	22	40	16	14	व्याघात	17	05	बव	23	56	07	10	18	01	27	08	35	24	धनु16:14	25	07	षट्तिला एकादशीव्रत(स्मार्त+वैष्णव)
12	सोम	50	09	27	12	मूल	20	28	15	20	हर्षण	10	55	कौलव	22	13	07	09	18	02	27	11	35	28	धनु	26	08	तिलद्वादशी, षट्तिला एकादशीव्रत(निम्बार्क)
13	मंगल	46	58	25	55	पू. षा	18	42	14	37	वज्र सिद्ध	05 59	07 50	गर	18	34	07	08	18	03	27	15	35	31	मकर20:30	27	09	भद्रा 25:55 से, भौमप्रदोषव्रत,
14	बुध	44	35	24	57	उ. षा	17	36	14	10	व्यतीपात	55	08	विष्टि	15	46	07	08	18	03	27	19	35	33	मकर	28	10	भद्रा 13:26 तक,मासशिवरात्रि,
30	गुरु	43	04	24	20	श्रवण	17	17	14	02	वरीयान	50	23	चतुष्पद	13	49	07	07	18	04	27	23	35	34	कुम्भ26:10	29	11	मौनी अमावस्या, माघी अमावस्या, C

A चतुर्थी व्रत,गणेश चतुर्थी व्रत, गणेशोत्पत्ति, चन्द्रार्घ्यदान B व्यष्टका श्राद्ध, रामानन्दाचार्य जयन्ती C त्रिवेणी गंगा स्नान,थई अमावस्या (दक्षिण भारत)पंचक प्रारम्भ 26:10

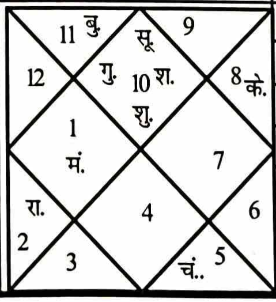
माघे विष्णुपूजा - पौष्यां तु समतीतायां यावद्भवति पौर्णिमा। माघमासस्य तावद्धि पूजा विष्णोर्विधीयते।

पूर्णिमातः माघस्नानारम्भे मन्त्रः - दुःखदारिद्र्यनाशाय श्रीविष्णोस्तोषणाय च। प्रातः स्नानं करोम्यद्य माघे पापविनाशिने।

माघ अर्घ्यदानमन्त्रः - सवित्रे प्रसवित्रे च परं धाम जले मम। त्वत्तेजसा परिभ्रष्टं पापं यातु सहस्रधा।।

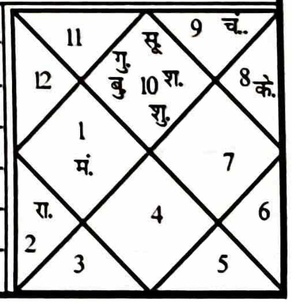
माघ कृष्ण 03, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 31.01.2021

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	09	04	00	10	09	09	09	01	07
अं.	17	16	17	02	15	03	10	23	23
क.	14	03	58	23	39	57	56	06	06
वि.	49	42	44	48	57	58	57	09	09
गति	60	831	31	01	14	75	07	व03	व03
	55	57	53	57	15	10	06	11	11



माघ कृष्ण 11, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 08.02.2021

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	09	08	00	09	09	09	09	01	07
अं.	25	08	22	26	17	13	11	22	22
क.	21	35	17	27	33	58	53	40	40
वि.	24	44	56	50	44	58	29	43	43
गति	60	833	32	व70	14	75	07	व03	व03
	47	10	49	26	12	07	01	11	11



विक्रमसंवत् 2077, शाके 1942, माघ शुक्ल पक्ष (दिनांक 12 फरवरी से 27 फरवरी 2021 ई. तक)

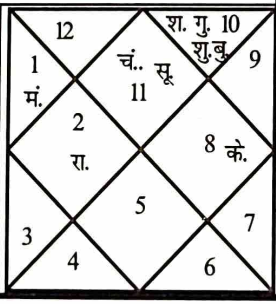
'प्रमादी' संवत्सर, उत्तरायण, दक्षिणगोल, शिशिर/वसन्त-ऋतु, केतकी अहर्गण- 3600 , अयनांश 24/08/06

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.अं.		चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	शुक्र	42	42	24	11	धनिष्ठा	18	00	14	18	परिघ	47	17	किंस्तुघ्न	12	53	07	06	18	05	27	27	35	35	कुम्भ	फा01	फ.12	शिशिर गुप्तनवरात्रारम्भ, घटस्थापन, सूर्य A
2	शनि	43	42	24	34	शतभिषा	19	57	15	04	शिव	45	17	बालव	13	12	07	05	18	06	27	30	35	34	कुम्भ	02	13	चन्द्रदर्शन।
3	रवि	46	11	25	33	पू.भा.	23	14	16	22	सिद्ध	44	25	तैतिल	14	57	07	05	18	07	27	34	35	33	मीन10:02	03	14	गौरीतृतीया व्रत,गुडलवण दान, सोपपदम्
4	सोम	50	11	27	08	उ.भा.	27	59	18	15	साध्य	44	44	वणिज	18	11	07	04	18	07	27	38	35	31	मीन	04	15	भद्रा 14:20 से 27:08 तक, B
5	मंगल	55	37	29	18	रेवती	34	07	20	41	शुभ	46	08	बव	22	54	07	03	18	08	27	42	35	29	मेष20:41	05	16	वसन्तपंचमी, सरस्वती पूजन, C
6	बुध	60	00	-	-	अश्विनी	41	27	23	36	शुक्ल	48	27	कौलव	29	23	07	02	18	09	27	46	35	25	मेष	06	17	शीतलाषष्ठी,स्कन्दषष्ठी
6	गुरु	03	08	08	16	भरणी	49	26	26	47	ब्रह्म	51	11	तैतिल	03	08	07	01	18	10	27	50	35	21	मेष	07	18	सायनसूर्य मीन में16:39,
7	शुक्र	09	57	10	59	कृत्तिका	57	35	30	02	ऐन्द्र	53	59	वणिज	09	57	07	00	18	10	27	54	35	16	वृष09:35	08	19	भद्रा 10: 59 से 24:17 तक रथसप्तमी, D
8	शनि	16	32	13	36	रोहिणी	60	00	-	-	वैधृति	56	14	बव	16	32	06	59	18	11	27	59	35	11	वृष	09	20	दुर्गाष्टमी, भीमाष्टमी, भीष्माष्टमी
9	रवि	22	11	15	50	रोहिणी	04	29	08	46	विष्कु	57	29	कौलव	22	11	06	58	18	12	28	03	35	04	मिथुन21:54	10	21	महानन्दा नवमी, गुप्तनवरात्रि समाप्त E
10	सोम	26	17	17	28	मृगसिरा	10	11	11	02	प्रीति	57	17	गर	26	17	06	57	18	12	28	07	34	57	मिथुन	11	22	भद्रा29:54 से
11	मंगल	28	31	18	21	आर्द्रा	14	11	12	37	आयु.	55	29	विष्टि	28	31	06	57	18	13	28	11	34	49	मिथुन	12	23	भद्रा 18:21 तक,जया एकादशी F
12	बुध	28	38	18	22	पुनर्वसु	16	14	13	25	सौभा.	51	56	वालव	28	38	06	56	18	13	28	15	34	41	कर्क07:13	13	24	भीमद्वादशी, वराहद्वादशी सन्तान द्वादशी G
13	गुरु	26	40	17	34	पुष्य	16	17	13	25	शोभन	46	44	तैतिल	26	40	06	55	18	14	28	19	34	32	कर्क	14	25	कल्पादि त्रयोदशी, H
14	शुक्र	22	53	16	03	आश्लेषा	14	32	12	42	अतिग.	40	09	वणिज	22	53	06	54	18	15	28	23	34	22	सिंह12:42	15	26	भद्रा 16:03 से 27:59 तक, पूर्णिमा व्रत
15	शनि	17	36	13	55	मघा	11	16	11	23	सुकर्मा	32	26	बव	17	36	06	53	18	16	28	28	34	12	सिंह	16	27	महामाघी पूर्णिमा, माघीपूर्णिमा I

A कुम्भ संक्रान्ति 21:17, संक्रान्तिपुण्यकाल 14:53 से सूर्यास्त तक **B** तिल/कुन्द/विनायक चतुर्थी **C** पंचकसमाप्ति 20:41,मदनपंचमी, वागीश्वरी जयन्ती, लेखनी पूजा(बंगाल), तक्षकपूजा। **D** अचला सप्तमी, सूर्यजयन्ती, आरोग्य सप्तमी, अभोज्यार्कव्रत, शिवाजी जयन्ती **E** नन्दिनीदेवी पूजा, **F** व्रत (समस्त), भैमी एकादशी, भक्तपुण्डरीक उत्सव। **G** सोपपदम्, आमलकी द्वादशी, भीष्म द्वादशी, भीष्म तर्पण, प्रदोष व्रत **H** मरु महोत्सव प्रारम्भ (जैसलमेर), हजरत अली जयन्ती(मुस्लिम), मेला कैलास आश्रम। **I** माघ स्नान समाप्ति, श्रीसत्यनारायण व्रत, गुरु रविदास जयन्ती, कम्बलदान, थईपूषम् (दक्षिण भारत),मरु महोत्सव समाप्त (जैसलमेर)।

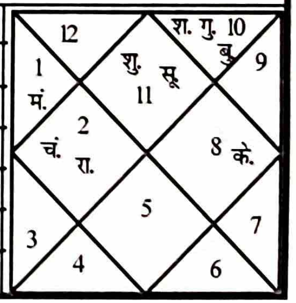
माघ शुक्ल 03, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 14.02.2021

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	10	10	00	09	09	09	09	01	07
अं.	01	28	25	19	18	21	12	22	22
क.	25	23	36	45	58	29	35	21	21
वि.	25	54	55	42	34	27	10	39	39
गति	60	764	33	व56	14	75	06	व03	व03
	40	08	26	19	06	05	54	11	11



माघ शुक्ल 09, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 21.02.2021

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	10	01	00	09	09	10	09	01	07
अं.	08	22	29	16	20	00	13	21	21
क.	28	26	33	46	36	14	22	59	59
वि.	59	16	10	43	37	38	41	24	24
गति	60	716	34	व02	13	75	06	व03	व03
	28	50	02	44	56	03	42	11	11



विक्रमसंवत् 2077, शाके 1942, फाल्गुन कृष्ण पक्ष (दिनांक 28 फरवरी से 13 मार्च 2021 ई. तक)

'प्रमादी' संवत्सर, उत्तरायण, दक्षिण गोल, वसन्त-ऋतु, केतकी अहर्गण- 3616, अयनांश 24/08/08

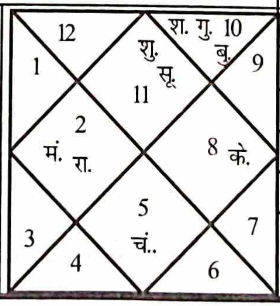
तिथि	वार	घ.	प.	घ	पि	नक्षत्र	घ.	प.	घ	पि	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.अं.		चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	रवि	11	20	11	23	पू.फा.	06	57	09	38	धृति	24	03	कौलव	11	20	06	52	18	16	28	32	34	01	कन्या15:07	17	फ.28	
2 3	सोम	04 57	26 25	08 29	37 48	उ.फा. हस्त	01 56	58 48	07 29	37 33	शूल	15	16	गर	04	26	06	50	18	17	28	36	33	49	कन्या	18	मार्च01	भद्रा 19:12 से 29:48 तक
4	मंगल	50	20	26	57	चित्रा	51	33	27	26	गण्ड वृद्धि	06 57	29 56	बव	23	53	06	49	18	18	28	40	33	37	तुला16:29	19	02	संकष्टहर गणेश चतुर्थी व्रत
5	बुध	43	34	24	14	स्वाती	46	38	25	27	ध्रुव	49	17	कौलव	16	57	06	48	18	18	28	45	33	25	तुला	20	03	
6	गुरु	37	35	21	49	विशाखा	42	28	23	46	व्याघात	41	31	गर	10	35	06	47	18	19	28	49	33	11	वृश्चि19:11	21	04	भद्रा 21:49 से
7	शुक्र	32	28	19	45	अनुराधा	39	10	22	26	हर्षण	34	30	विष्टि	05	02	06	46	18	20	28	53	32	58	वृश्चिक	22	05	भद्रा 08:47तक,व्यष्टका श्राद्ध, कालाष्टमी
8	शनि	28	14	18	02	ज्येष्ठा	36	45	21	27	वज्र	28	12	बालव	00	21	06	45	18	20	28	57	32	44	धनु21:27	23	06	अष्टका श्राद्ध, सीताष्टमी. A
9	रवि	24	53	16	41	मूल	35	13	20	49	सिद्धि	22	36	गर	24	53	06	44	18	21	29	02	32	29	धनु	24	07	भद्रा 28:10से, अन्वष्टका श्राद्ध
10	सोम	22	20	15	39	पू.षा.	34	29	20	30	व्यतीपात	17	38	विष्टि	22	20	06	43	18	22	29	06	32	14	मकर26:30	25	08	भद्रा 15:39 तक, स्वामी दयानन्द जयन्ती
11	मंगल	20	39	14	57	उ.षा.	34	35	20	32	वरीयान	13	21	वालव	20	39	06	42	18	22	29	10	31	58	मकर	26	09	विजया एकादशी व्रत (समस्त)
12	बुध	19	48	14	36	श्रवण	35	32	20	53	परिघ	09	44	तैतिल	19	48	06	41	18	23	29	15	31	43	मकर	27	10	महाद्वादशी, प्रदोष व्रत
13	गुरु	19	51	14	36	धनिष्ठा	37	20	21	35	शिव	06	49	वणिज	19	51	06	40	18	23	29	19	31	26	कुम्भ09:14	28	11	भद्रा 14:36से26:47तक,महाशिवरात्रि व्रतB
14	शुक्र	20	50	14	58	शतभिषा	40	04	22	40	सिद्ध	04	37	शकु.	20	50	06	38	18	24	29	23	31	10	कुम्भ	29	12	आरटन्ती चतुर्दशी,महाशिवरात्रि व्रत पारणा
30	शनि	22	51	15	45	पू.भा.	43	48	24	08	साध्य	03	13	नाग	22	51	06	37	18	24	29	28	30	53	मीन17:46	30	13	फाल्गुनी अमावस्या,ब्रह्मपूजा, युगादि 30

A जानकी जयन्ती, हलाष्टमी। B पंचकप्रारम्भ 09:14 से

शिवरात्रि-माघफाल्गुनयोर्मध्ये कृष्णा या च चतुर्दशी। दत्ते शिवः फलं यस्मात्तेन सर्वसुरासुरैः।। शिवरात्रिरिति ख्याता मत्कलेव पृथक् स्थिता। मम भक्त्यस्तु यो देवि शिवरात्रिमुपोषकः। गणत्वमक्षयं दिव्यं लभते शिवशासनम्।। सर्वान्भुक्त्वा महाभोगान् ततो मोक्षमवाप्नुयात्।। **शिवरात्रिनिर्णयः** -तत्कालव्यापिनी ग्राह्या शिवरात्रिव्रते तिथिः। अर्धरात्रादधश्चोर्ध्वं युक्ता यत्र चतुर्दशी।। शिवरात्रिपूजने विशेषः - तद्दिने प्रथमप्रहरे दुग्धेन 'ऊं ह्रौं ईशानाय नमः' इति मन्त्रेण, द्वितीयप्रहरे दधिद्वारा 'ऊं ह्रौं अघोराय नमः' इति मन्त्रेण, तृतीयप्रहरे घृतेन 'ऊं ह्रौं वामदेवाय नमः' इति मन्त्रेण तथा च चतुर्थप्रहरे मधुद्वारा 'ऊं ह्रौं सद्योजाताय नमः' इति मन्त्रेण पूजनमभिषेकं च कुर्यात्। अर्धरात्रौ विल्वार्चनं कार्यम्।

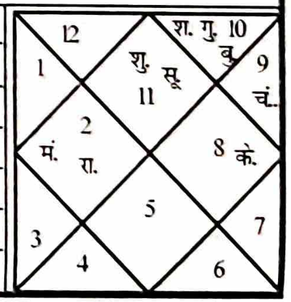
फाल्गुन कृष्ण 01, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 28.02.2021

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	10	04	01	09	09	10	09	01	07
अं.	15	25	03	19	22	08	14	21	21
क.	31	00	33	18	13	59	08	37	37
वि.	14	21	08	52	13	22	42	10	10
गति	60	858	34	36	13	74	06	व03	व03
	17	38	31	54	42	58	28	11	11



फाल्गुन कृष्ण 09, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 07.03.2021

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	10	08	01	09	09	10	09	01	07
अं.	22	05	07	25	23	17	14	21	21
क.	32	12	36	16	47	43	52	14	14
वि.	02	41	08	42	53	38	43	55	55
गति	60	829	34	60	13	74	06	व03	व03
	04	58	54	05	25	57	09	11	11



विक्रमसंवत् 2077, शाके 1942, फाल्गुन शुक्ल पक्ष (दिनांक 14 मार्च से 28 मार्च 2021 ई. तक)

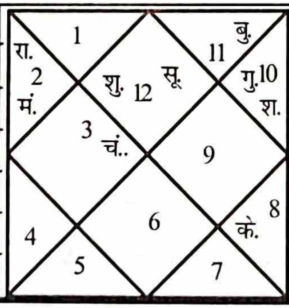
'प्रमादी' संवत्सर, उत्तरायण, दक्षिण/उत्तर गोल, वसन्त-ऋतु, केतकी अहर्गण- 3630 , अयनांश 24/08/10

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.अं.		चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	रवि	25	56	16	58	उ.भा.	48	34	26	02	शुभ	02	38	बव	25	56	06	36	18	25	29	32	30	35	मीन	चै01	मार्च14	सूर्य मीन संक्रान्ति 18:07, संक्रान्ति पुण्यA
2	सोम	30	10	18	39	रेवती	54	29	28	22	शुक्ल	02	55	कौलव	30	10	06	35	18	26	29	36	30	18	मेष28:22	02	15	रामकृष्णपरमहंस जय.,चन्द्रदर्शन,B
3	मंगल	35	30	20	46	अश्विनी	60	00	-	-	ब्रह्म	04	03	तैतिल	02	50	06	34	18	26	29	41	30	00	मेष	03	16	
4	बुध	41	49	23	16	अश्विनी	02	18	07	28	ऐन्द्र	05	57	वणिज	08	40	06	33	18	27	29	45	29	42	मेष	04	17	भद्रा 10:01 से 23:16 तक, गणेशचतुर्थीC
5	गुरु	48	43	26	00	भरणी	09	58	10	30	वैधृति	08	24	बव	15	16	06	31	18	27	29	49	29	24	वृष17:17	05	18	
6	शुक्र	55	46	28	48	कृत्तिका	17	58	13	41	विष्कु	11	07	कौलव	22	15	06	30	18	28	29	54	29	05	वृष	06	19	गोरूपिणी षष्ठीव्रत।
7	शनि	60	00	-	-	रोहिणी	25	47	16	47	प्रीति	13	40	गर	28	45	06	29	18	28	29	58	28	47	मिथु30:10	07	20	सायनसूर्य मेष में15:31,कामदासप्तमीव्रत।D
7	रवि	01	44	07	09	मृगसिरा	32	44	19	33	आयु	15	34	वणिज	01	44	06	28	18	29	30	02	28	28	मिथुन	08	21	भद्रा 07:09 से 20:05 तक होलाष्टक E
8	सोम	06	28	09	02	आर्द्रा	38	15	21	45	सौभा	16	24	बव	06	28	06	27	18	30	30	07	28	09	मिथुन	09	22	लक्ष्मी पूजन, दुर्गाष्टमी, औली जैन प्रारम्भ
9	मंगल	09	25	10	11	पुनर्वसु	41	52	23	10	शोभन	15	47	कौलव	09	25	06	26	18	30	30	11	27	50	कर्क16:48	10	23	भगतसिह-सुखदेव-राजगुरुशहीद दिवस
10	बुध	10	12	10	29	पुष्य	43	14	23	42	अतिग	13	28	गर	10	12	06	24	18	31	30	15	27	32	कर्क	11	24	भद्रा 22:140 से. फल्गुदशमी (उडीसा)
11	गुरु	08	42	09	52	आश्लेषा	42	17	23	18	सुकर्मा	09	20	विष्टि	08	42	06	23	18	31	30	19	27	13	सिंह23:18	12	25	भद्रा 09:52 तक. आमलकी F
12 13	शुक्र	05 59	04 40	08 30	23 13	मघा	39	16	22	04	धृति शूल	03 56	32 16	बालव	05	04	06	22	18	32	30	24	26	54	सिंह	13	26	प्रदोषव्रत, गोविन्द द्वादशी
14	शनि	54	14	28	02	पू.फा.	34	31	20	09	गण्ड	49	02	गर	26	57	06	21	18	32	30	28	26	35	कन्या25:32	14	27	भद्रा 28:02 से. कामहन चतुर्दशी
15	रवि	45	39	24	35	उ.फा.	28	30	17	43	वृद्धि	39	13	विष्टि	19	57	06	20	18	33	30	32	26	16	कन्या	15	28	भद्रा 14:18 तक,होलिकादहन,पूर्णिमाव्रत G

A काल मध्याह्न से सूर्यास्त तक, फूलदेई संक्रान्ति उत्तराखण्ड। B पंचकसमाप्ति 28:22, फुलैरादूज, C विनायक चतुर्थी, पुत्रगणपति व्रत। D पारसी नववर्ष आरम्भ E प्रारम्भ 07:09से , सीतापूजन, F एकादशी व्रत(समस्त), रंगभरी एकादशी व्रत। G चैतन्यमहाप्रभु जयन्ती, होलाष्टकसमाप्त,मन्वादि पूर्णिमा, सत्यव्रत, औली जैन समाप्त। **होलिका पूजन** - निशागमे प्रपूज्येत होलिका सर्वदा बुधैः। न दिवा पूजयेड्ढुण्ढां पूजिता दुःखदा भवेत्। **होलिकाप्रदीपनमन्त्रः**-दीपयाम्यत्र ते घोरां चिति राक्षसि ते नमः।हिताय सर्वजगतः प्रीतये पार्वतीपतेः।।**होलाष्टकनिषेधः**-विपाशेरावतीतीरे शुतद्रूंश्च त्रिपुष्करे।विवाहादिशुभे नेष्टं होलिका प्राग्दिनाष्टकम्।।

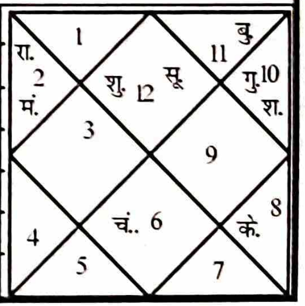
फाल्गुन शुक्ल 07, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 21.मार्च.2021

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	11	02	01	10	09	11	09	01	07
अं.	06	00	15	12	26	05	16	20	20
क.	28	09	49	53	49	10	13	30	30
वि.	56	58	25	39	39	07	34	27	27
गति	59	714	35	86	12	74	05	व03	व03
	36	50	30	35	37	43	25	11	11



फाल्गुन शुक्ल 15, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 28.03.2021

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	11	05	01	10	09	11	09	01	07
अं.	13	03	09	23	28	13	16	20	20
क.	24	04	58	38	15	52	49	08	08
वि.	56	36	54	57	47	11	40	13	13
गति	59	874	35	96	12	74	04	व03	व03
	22	25	46	25	06	35	58	11	11



विक्रमसंवत् 2077, शाके 1942, चैत्र कृष्ण पक्ष (दिनांक 29 मार्च से 12 अप्रैल 2021 ई. तक)

'प्रमादी' संवत्सर, उत्तरायण, उत्तर गोल, वसन्त-ऋतु, केतकी अहर्गण- 3645 अयनांश 24/08/12

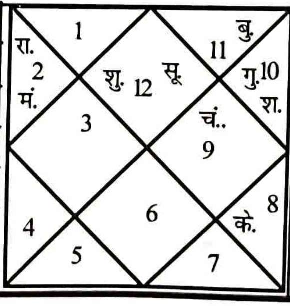
तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैंअं.		चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	सोम	36	45	21	00	हस्त	21	54	15	04	ध्रुव	29	06	बालव	11	12	06	19	18	33	30	37	25	57	तुला25:42	16	मार्च29	होली, धुलैण्डी, आम्रकुसुम प्राशन, A
2	मंगल	27	52	17	26	चित्रा	15	07	12	20	व्याघात	18	58	तैतिल	02	18	06	17	18	34	30	41	25	38	तुला	17	30	भद्रा 27:44 से
3	बुध	19	26	14	02	स्वाती	08	37	09	43	हर्षण वज्र	09 59	10 57	विष्टि	19	26	06	16	18	34	30	45	25	19	वृश्चि25:56	18	31	भद्रा14:02तक,संकष्टहरचतुर्थीव्रत,शिवाजीजय.
4	गुरु	11	46	10	57	विशाखा अनुराधा	02 57	45 50	07 29	21 22	सिद्धि	50	33	बालव	11	46	06	15	18	35	30	49	25	01	वृश्चिक	19	अप्रै.01	
5 6	शुक्र	05 59	03 33	08 30	15 02	ज्येष्ठा	52	43	27	19	व्यतीपात	42	52	तैतिल	05	03	06	14	18	36	30	54	24	42	धनु27:19	20	02	भद्रा 30:02 से रंगपंचमी, मेला नौचन्दी B
7	शनि	53	46	27	43	मूल	50	02	26	13	वरीयान	36	17	विष्टि	26	39	06	13	18	36	30	58	24	24	धनु	21	03	भद्रा 16:52तक,व्यष्टकाश्राद्ध, मेला नौचन्दीसमाप्त,
8	रवि	50	47	26	30	पू.षा.	48	41	25	40	परिघ	30	45	बालव	22	17	06	12	18	37	31	02	24	06	धनु	22	04	अष्टका श्राद्ध, शीतलाष्टमी (वासोडा)C
9	सोम	49	14	25	52	उ.षा.	48	44	25	40	शिव	26	21	तैतिल	20	01	06	10	18	37	31	06	23	48	मकर07:40	23	05	अन्वष्टका श्राद्ध
10	मंगल	48	56	25	44	श्रवण	50	02	26	10	सिद्ध	22	57	वणिज	19	05	06	09	18	38	31	10	23	30	मकर	24	06	भद्रा 13:48 से 25:44 तक
11	बुध	49	55	26	06	धनिष्ठा	52	34	27	09	साध्य	20	34	बव	19	25	06	08	18	38	31	15	23	13	कुम्भ14:39	25	07	पापमोचिनी एकादशी व्रत (समस्त)D
12	गुरु	52	00	26	55	शतभिषा	56	11	28	35	शुभ	19	05	कौलव	20	57	06	07	18	39	31	19	22	56	कुम्भ	26	08	गोविन्द द्वादशी
13	शुक्र	55	10	28	10	पू.भा.	60	00	-	-	शुक्ल	18	29	गर	23	35	06	06	18	39	31	23	22	39	मीन24:14	27	09	भद्रा28:10 से, प्रदोष व्रत,
14	शनि	59	12	29	46	पू.भा.	01	46	06	47	ब्रह्म	18	37	विष्टि	27	11	06	05	18	40	31	27	22	23	मीन	28	10	भद्रा 16:58 तक मासशिवरात्रिव्रत
30	रवि	60	00	-	-	उ.भा.	07	16	08	58	ऐन्द्र	19	27	चतु.	30	05	06	04	18	40	31	31	22	06	मीन	29	11	श्राद्धादि अमावस्या
30	सोम	04	57	08	01	रेवती	13	35	11	28	वैधृति	20	55	नाग	04	57	06	03	18	41	31	35	21	51	मेष11:28	30	12	सोमवती अमावस्या,पंचकसमाप्ति 11:28 F

A कुलदेवता को सिन्दूर अर्पण, होलिका भस्म धारण, वसन्तोत्सव, पारसी नववर्ष B (मेरठ), गुड फ्राइडे (ईसाई), स्कन्द षष्ठी (बंगाल), एकनाथ षष्ठी। C कालाष्टमी, ईस्टर सन्डे(ईसाई) D पंचकप्रारम्भ 14:39 से, Fचैती अमावस्या, स्नान दानादि अमावस्या, मन्वादि अमावस्या, मेला पेहवा, वर्षान्त, विक्रमसंवत् 2077 पूर्ण।

होलिकादिने कर्त्तव्यम् -प्रवृत्ते मधुमासे तु प्रतिपद्युदिते रवौ। कृत्वा चावश्यककार्याणि सन्तर्प्य पितृदेवताः। वन्दयेत् होलिकाभूमिं सर्वदुःखोपशान्तये। यतस्तत्रश्वपचं स्पृष्ट्वा स्नानं कुर्यान्नरोत्तमः। न तस्य दुरितं किंचिन्नाधयो व्याधयो नृप।। **आम्रकुसुमप्राशनमन्त्रः** - चूतमग्र्यं वसन्तस्य माकन्दकुसुमं तव। सचन्दनं पिबाम्यद्य सर्वकामार्थसिद्धये।। **होलिकाभस्मधारणमन्त्रः**-वन्दितासि सुरेन्द्रेण ब्रह्माच्युतशिवादिभिः। अतस्त्वं पाहि नो भीतेर्भूषिता भूतिदा भव।।

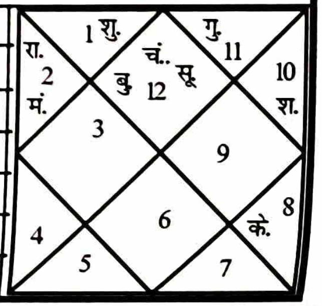
चैत्र कृष्ण 08, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 04.04.2021

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	11	08	01	11	09	11	09	01	07
अं.	20	15	24	05	29	22	17	19	19
क.	19	21	09	32	38	33	22	45	45
वि.	17	58	49	58	05	25	25	58	58
गति	59	835	35	106	11	74	04	व03	व03
	08	35	57	25	32	28	29	11	11



चैत्र कृष्ण 30, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 11.04.2021

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	11	11	01	11	10	00	09	01	07
अं.	27	15	28	18	00	01	17	19	19
क.	11	10	21	39	56	13	51	23	23
वि.	59	59	59	20	04	44	34	44	44
गति	58	733	36	116	10	74	03	व03	व03
	54	27	07	48	52	20	55	11	11



औदयिक स्पष्ट ग्रह, मार्च 2020

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.
25	11	10	42	06	11	17	41	29	09	01	50	22	10	12	55	45	08	29	17	48	00	26	46	40	09	06	00	31	02	09	38	16
26	11	11	41	28	11	29	33	27	09	02	32	00	10	13	58	52	08	29	26	08	00	27	45	43	09	06	04	44	02	09	35	06
27	11	12	40	49	00	11	27	08	09	03	13	39	10	15	04	28	08	29	34	19	00	28	44	19	09	06	08	53	02	09	31	55
28	11	13	40	09	00	23	23	53	09	03	55	18	10	16	12	27	08	29	42	23	00	29	42	26	09	06	12	57	02	09	28	45
29	11	14	39	26	01	05	26	41	09	04	36	57	10	17	22	41	08	29	50	18	01	00	40	04	09	06	16	55	02	09	25	34
30	11	15	38	41	01	17	39	15	09	05	18	37	10	18	35	05	08	29	58	05	01	01	37	10	09	06	20	50	02	09	22	23
31	11	16	37	54	02	00	04	56	09	06	00	17	10	19	49	33	09	00	05	45	01	02	33	44	09	06	24	40	02	09	19	13

औदयिक स्पष्ट ग्रह, अप्रैल 2020

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.
01	11	17	37	05	02	12	48	26	09	06	41	57	10	21	06	02	09	00	13	15	01	03	29	46	09	06	28	25	02	09	16	02
02	11	18	36	14	02	25	54	08	09	07	23	37	10	22	24	25	09	00	20	38	01	04	25	14	09	06	32	04	02	09	12	51
03	11	19	35	22	03	09	25	54	09	08	05	18	10	23	44	41	09	00	27	51	01	05	20	07	09	06	35	40	02	09	09	41
04	11	20	34	26	03	23	26	05	09	08	46	57	10	25	06	43	09	00	34	55	01	06	14	23	09	06	39	10	02	09	06	30
05	11	21	33	29	04	07	54	26	09	09	28	37	10	26	30	31	09	00	41	52	01	07	08	00	09	06	42	34	02	09	03	20
06	11	22	32	30	04	22	48	15	09	10	10	17	10	27	56	01	09	00	48	38	01	08	00	59	09	06	45	53	02	09	00	09
07	11	23	31	28	05	08	00	02	09	10	51	57	10	29	23	13	09	00	55	16	01	08	53	16	09	06	49	09	02	08	56	58
08	11	24	30	25	05	23	19	41	09	11	33	36	11	00	52	02	09	01	01	45	01	09	44	52	09	06	52	18	02	08	53	48
09	11	25	29	20	06	08	35	24	09	12	15	16	11	02	22	31	09	01	08	06	01	10	35	45	09	06	55	21	02	08	50	37
10	11	26	28	13	06	23	36	22	09	12	56	56	11	03	54	37	09	01	14	16	01	11	25	52	09	06	58	21	02	08	47	26
11	11	27	27	04	07	08	14	01	09	13	38	34	11	05	28	19	09	01	20	18	01	12	15	12	09	07	01	14	02	08	44	16
12	11	28	25	52	07	22	24	01	09	14	20	13	11	07	03	39	09	01	26	10	01	13	03	43	09	07	04	02	02	08	41	05
13	11	29	24	40	08	06	04	37	09	15	01	51	11	08	40	36	09	01	31	52	01	13	51	24	09	07	06	46	02	08	37	55
14	00	00	23	24	08	19	17	58	09	15	43	30	11	10	19	10	09	01	37	26	01	14	38	11	09	07	09	24	02	08	34	44
15	00	01	22	07	09	02	06	41	09	16	25	07	11	11	59	24	09	01	42	49	01	15	24	05	09	07	11	54	02	08	31	33
16	00	02	20	48	09	14	35	06	09	17	06	44	11	13	41	18	09	01	48	02	01	16	09	02	09	07	14	22	02	08	28	23
17	00	03	19	27	09	26	47	50	09	17	48	20	11	15	24	52	09	01	53	06	01	16	53	02	09	07	16	44	02	08	25	12
18	00	04	18	04	10	08	49	20	09	18	29	56	11	17	10	06	09	01	57	59	01	17	35	59	09	07	18	59	02	08	22	01
19	00	05	16	39	10	20	43	52	09	19	11	31	11	18	57	04	09	02	02	42	01	18	17	54	09	07	21	09	02	08	18	51
20	00	06	15	12	11	02	34	59	09	19	53	05	11	20	45	41	09	02	07	16	01	18	58	42	09	07	23	14	02	08	15	40
21	00	07	13	44	11	14	25	46	09	20	34	40	11	22	36	02	09	02	11	40	01	19	38	24	09	07	25	12	02	08	12	29
22	00	08	12	14	11	26	18	04	09	21	16	12	11	24	28	01	09	02	15	52	01	20	16	54	09	07	27	05	02	08	09	19
23	00	09	10	41	00	08	13	57	09	21	57	45	11	26	21	41	09	02	19	55	01	20	54	11	09	07	28	52	02	08	06	08
24	00	10	09	08	00	20	13	59	09	22	39	16	11	28	16	59	09	02	23	47	01	21	30	12	09	07	30	34	02	08	02	58
25	00	11	07	32	01	02	19	29	09	23	20	45	00	00	13	52	09	02	27	28	01	22	04	54	09	07	32	10	02	07	59	47
26	00	12	05	54	01	14	31	56	09	24	02	15	00	02	12	19	09	02	31	00	01	22	38	11	09	07	33	40	02	07	56	36
27	00	13	04	14	01	26	53	35	09	24	43	43	00	04	12	18	09	02	34	20	01	23	10	06	09	07	35	05	02	07	53	26
28	00	14	02	32	02	09	26	56	09	25	25	10	00	06	13	46	09	02	37	29	01	23	40	32	09	07	36	24	02	07	50	15
29	00	15	00	49	02	22	15	12	09	26	06	35	00	08	16	36	09	02	40	28	01	24	09	23	09	07	37	37	02	07	47	04
30	00	15	59	04	03	05	21	55	09	26	47	59	00	10	20	48	09	02	43	16	01	24	36	43	09	07	38	44	02	07	43	54

औदयिक स्पष्ट ग्रह, मई 2020

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.
01	00	16	57	17	03	18	49	33	09	27	29	20	00	12	26	14	09	02	45	54	01	25	02	25	09	07	39	45	02	07	40	43
02	00	17	55	29	04	02	40	41	09	28	10	41	00	14	32	51	09	02	48	20	01	25	26	22	09	07	40	40	02	07	37	32
03	00	18	53	38	04	16	55	30	09	28	52	01	00	16	40	28	09	02	50	34	01	25	48	36	09	07	41	30	02	07	34	22
04	00	19	51	46	05	01	32	27	09	29	33	20	00	18	49	02	09	02	52	39	01	26	08	58	09	07	42	14	02	07	31	11
05	00	20	49	53	05	16	26	43	10	00	14	36	00	20	58	18	09	02	54	33	01	26	27	31	09	07	42	51	02	07	28	00
06	00	21	47	58	06	01	30	00	10	00	55	49	00	23	08	09	09	02	56	14	01	26	44	07	09	07	43	24	02	07	24	50
07	00	22	46	01	06	16	33	54	10	01	37	03	00	25	18	20	09	02	57	45	01	26	58	42	09	07	43	51	02	07	21	39
08	00	23	44	02	07	01	27	57	10	02	18	12	00	27	28	36	09	02	59	04	01	27	11	13	09	07	44	11	02	07	18	28
09	00	24	42	03	07	16	04	18	10	02	59	22	00	29	38	46	09	03	00	13	01	27	21	40	09	07	44	24	02	07	15	18
10	00	25	40	02	08	00	17	33	10	03	40	27	01	01	48	26	09	03	01	09	01	27	29	55	09	07	44	34	02	07	12	07
11	00	26	37	58	08	14	04	35	10	04	21	31	01	03	57	24	09	03	01	54	01	27	35	58	09	07	44	36	02	07	08	56
12	00	27	35	54	08	27	25	27	10	05	02	32	01	06	05	22	09	03	02	28	01	27	39	46	09	07	44	33	02	07	05	46
13	00	28	33	47	09	10	21	19	10	05	43	32	01	08	12	00	09	03	02	52	01	27	41	13	09	07	44	24	02	07	02	35
14	00	29	31	40	09	22	55	25	10	06	24	29	01	10	17	03	09	03	03	03	01	27	40	18	09	07	44	09	02	06	59	24
15	01	00	29	31	10	05	11	39	10	07	05	23	01	12	20	14	09	03	03	04	01	27	37	00	09	07	43	48	02	06	56	13
16	01	01	27	20	10	17	14	34	10	07	46	15	01	14	21	19	09	03	02	53	01	27	31	19	09	07	43	23	02	06	53	03
17	01	02	25	09	10	29	09	02	10	08	27	04	01	16	20	04	09	03	02	29	01	27	23	18	09	07	42	50	02	06	49	52
18	01	03	22	55	11	10	59	36	10	09	07	48	01	18	16	18	09	03	01	56	01	27	12	45	09	07	42	12	02	06	46	41
19	01	04	20	40	11	22	50	42	10	09	48	31	01	20	09	51	09	03	01	11	01	26	59	51	09	07	41	28	02	06	43	31
20	01	05	18	25	00	04	45	35	10	10	29	10	01	22	00	37	09	03	00	14	01	26	44	33	09	07	40	37	02	06	40	20
21	01	06	16	08	00	16	46	59	10	11	09	46	01	23	48	28	09	02	59	06	01	26	26	53	09	07	39	42	02	06	37	09
22	01	07	13	49	00	28	55	48	10	11	50	19	01	25	33	18	09	02	57	47	01	26	06	52	09	07	38	42	02	06	33	58
23	01	08	11	29	01	11	13	36	10	12	30	48	01	27	15	04	09	02	56	16	01	25	44	38	09	07	37	36	02	06	30	48
24	01	09	09	08	01	23	40	56	10	13	11	13	01	28	53	42	09	02	54	34	01	25	20	19	09	07	36	23	02	06	27	37
25	01	10	06	46	02	06	19	04	10	13	51	35	02	00	29	08	09	02	52	41	01	24	53	55	09	07	35	05	02	06	24	26
26	01	11	04	23	02	19	09	15	10	14	31	53	02	02	01	19	09	02	50	37	01	24	25	32	09	07	33	43	02	06	21	16
27	01	12	01	59	03	02	12	52	10	15	12	06	02	03	30	12	09	02	48	22	01	23	55	22	09	07	32	15	02	06	18	05
28	01	12	59	33	03	15	31	20	10	15	52	15	02	04	55	44	09	02	45	57	01	23	23	35	09	07	30	39	02	06	14	54
29	01	13	57	06	03	29	05	57	10	16	32	20	02	06	17	52	09	02	43	20	01	22	50	21	09	07	29	00	02	06	11	43
30	01	14	54	38	04	12	57	27	10	17	12	21	02	07	36	36	09	02	40	32	01	22	15	49	09	07	27	16	02	06	08	33
31	01	15	52	09	04	27	05	04	10	17	52	17	02	08	51	51	09	02	37	34	01	21	40	13	09	07	25	25	02	06	05	22

औदयिक स्पष्ट ग्रह, जून 2020

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.
01	01	16	49	40	05	11	27	05	10	18	32	09	02	10	03	35	09	02	34	24	01	21	03	39	09	07	23	29	02	06	02	11
02	01	17	47	09	05	26	00	16	10	19	11	55	02	11	11	48	09	02	31	04	01	20	26	37	09	07	21	28	02	05	59	00
03	01	18	44	36	06	10	39	36	10	19	51	35	02	12	16	25	09	02	27	33	01	19	49	05	09	07	19	22	02	05	55	50
04	01	19	42	04	06	25	18	52	10	20	31	12	02	13	17	26	09	02	23	53	01	19	11	26	09	07	17	11	02	05	52	39
05	01	20	39	30	07	09	51	31	10	21	10	42	02	14	14	46	09	02	20	02	01	18	33	54	09	07	14	55	02	05	49	28
06	01	21	36	55	07	24	11	45	10	21	50	08	02	15	08	23	09	02	16	00	01	17	56	39	09	07	12	33	02	05	46	17
07	01	22	34	20	08	08	15	03	10	22	29	26	02	15	58	14	09	02	11	50	01	17	20	05	09	07	10	06	02	05	43	07
08	01	23	31	44	08	21	57	46	10	23	08	41	02	16	44	16	09	02	07	29	01	16	44	03	09	07	07	35	02	05	39	56
09	01	24	29	06	09	05	18	33	10	23	47	47	02	17	26	23	09	02	03	00	01	16	09	12	09	07	04	59	02	05	36	45
10	01	25	26	29	09	18	17	24	10	24	26	48	02	18	04	33	09	01	58	19	01	15	35	36	09	07	02	19	02	05	33	34
11	01	26	23	50	10	00	55	15	10	25	05	42	02	18	38	38	09	01	53	30	01	15	03	19	09	06	59	34	02	05	30	24
12	01	27	21	11	10	13	15	24	10	25	44	30	02	19	08	36	09	01	48	32	01	14	32	40	09	06	56	44	02	05	27	13
13	01	28	18	31	10	25	21	06	10	26	23	11	02	19	34	21	09	01	43	22	01	14	03	43	09	06	53	50	02	05	24	02
14	01	29	15	50	11	07	17	19	10	27	01	45	02	19	55	47	09	01	38	06	01	13	36	35	09	06	50	53	02	05	20	51
15	02	00	13	11	11	19	09	07	10	27	40	13	02	20	12	55	09	01	32	41	01	13	11	38	09	06	47	49	02	05	17	40
16	02	01	10	28	00	01	01	35	10	28	18	31	02	20	25	31	09	01	27	07	01	12	48	45	09	06	44	41	02	05	14	30
17	02	02	07	46	00	12	59	14	10	28	56	42	02	20	33	39	09	01	21	24	01	12	27	59	09	06	41	30	02	05	11	19
18	02	03	05	04	00	25	05	19	10	29	34	46	02	20	37	15	09	01	15	35	01	12	09	32	09	06	38	15	02	05	08	08
19	02	04	02	20	01	07	22	31	11	00	12	42	02	20	36	17	09	01	09	37	01	11	53	23	09	06	34	55	02	05	04	57
20	02	04	59	37	01	19	52	59	11	00	50	28	02	20	30	52	09	01	03	33	01	11	39	35	09	06	31	33	02	05	01	46
21	02	05	56	52	02	02	37	25	11	01	28	07	02	20	21	01	09	00	57	19	01	11	28	08	09	06	28	05	02	04	58	36
22	02	06	54	07	02	15	36	03	11	02	05	36	02	20	06	54	09	00	50	58	01	11	19	02	09	06	24	35	02	04	55	25
23	02	07	51	23	02	28	49	26	11	02	42	57	02	19	48	39	09	00	44	33	01	11	12	27	09	06	20	59	02	04	52	14
24	02	08	48	37	03	12	16	36	11	03	20	09	02	19	26	35	09	00	37	59	01	11	08	08	09	06	17	22	02	04	49	03
25	02	09	45	52	03	25	56	55	11	03	57	10	02	19	00	57	09	00	31	19	01	11	06	13	09	06	13	41	02	04	45	52
26	02	10	43	06	04	09	49	26	11	04	34	01	02	18	32	17	09	00	24	34	01	11	06	35	09	06	09	56	02	04	42	42
27	02	11	40	20	04	23	51	50	11	05	10	42	02	18	00	52	09	00	17	41	01	11	09	16	09	06	06	09	02	04	39	31
28	02	12	37	34	05	08	02	08	11	05	47	13	02	17	27	18	09	00	10	44	01	11	14	11	09	06	02	19	02	04	36	20
29	02	13	34	48	05	22	17	25	11	06	23	34	02	16	52	03	09	00	03	43	01	11	21	19	09	05	58	26	02	04	33	09
30	02	14	32	01	06	06	35	13	11	06	59	42	02	16	15	43	08	29	56	36	01	11	30	34	09	05	54	30	02	04	29	58

औदयिक स्पष्ट ग्रह, जुलाई 2020

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.
01	02	15	29	14	06	20	51	56	11	07	35	42	02	15	38	56	08	29	49	25	01	11	41	52	09	05	50	30	02	04	26	48
02	02	16	26	28	07	05	04	18	11	08	11	27	02	15	02	14	08	29	42	09	01	11	55	16	09	05	46	28	02	04	23	37
03	02	17	23	41	07	19	09	40	11	08	47	02	02	14	26	24	08	29	34	48	01	12	10	38	09	05	42	23	02	04	20	26
04	02	18	20	55	08	03	05	02	11	09	22	24	02	13	51	54	08	29	27	24	01	12	27	53	09	05	38	18	02	04	17	15
05	02	19	18	08	08	16	47	23	11	09	57	34	02	13	19	24	08	29	19	56	01	12	47	01	09	05	34	09	02	04	14	04
06	02	20	15	21	09	00	14	56	11	10	32	30	02	12	49	29	08	29	12	25	01	13	07	57	09	05	29	59	02	04	10	53
07	02	21	12	34	09	13	25	58	11	11	07	14	02	12	22	40	08	29	04	52	01	13	30	37	09	05	25	46	02	04	07	43
08	02	22	09	47	09	26	19	23	11	11	41	44	02	11	59	26	08	28	57	16	01	13	54	55	09	05	21	32	02	04	04	32
09	02	23	07	00	10	08	55	26	11	12	15	59	02	11	40	14	08	28	49	37	01	14	20	52	09	05	17	15	02	04	01	21
10	02	24	04	14	10	21	15	33	11	12	50	03	02	11	25	25	08	28	41	58	01	14	48	22	09	05	12	57	02	03	58	10
11	02	25	01	28	11	03	22	17	11	13	23	49	02	11	15	22	08	28	34	17	01	15	17	25	09	05	08	37	02	03	54	59
12	02	25	58	41	11	15	19	23	11	13	57	22	02	11	10	24	08	28	26	34	01	15	47	54	09	05	04	16	02	03	51	48
13	02	26	55	56	11	27	11	32	11	14	30	39	02	11	10	41	08	28	18	52	01	16	19	49	09	04	59	55	02	03	48	38
14	02	27	53	10	00	09	04	23	11	15	03	38	02	11	16	22	08	28	11	07	01	16	53	02	09	04	55	32	02	03	45	27
15	02	28	50	25	00	21	02	25	11	15	36	22	02	11	27	40	08	28	03	23	01	17	27	36	09	04	51	09	02	03	42	16
16	02	29	47	40	01	03	10	42	11	16	08	49	02	11	44	37	08	27	55	40	01	18	03	23	09	04	46	45	02	03	39	05
17	03	00	44	56	01	15	33	02	11	16	41	02	02	12	07	16	08	27	47	56	01	18	40	23	09	04	42	19	02	03	35	54
18	03	01	42	12	01	28	12	33	11	17	12	55	02	12	35	43	08	27	40	13	01	19	18	33	09	04	37	53	02	03	32	43
19	03	02	39	28	02	11	10	59	11	17	44	30	02	13	09	51	08	27	32	32	01	19	57	51	09	04	33	27	02	03	29	33
20	03	03	36	45	02	24	29	19	11	18	15	44	02	13	49	40	08	27	24	52	01	20	38	13	09	04	29	00	02	03	26	22
21	03	04	34	03	03	08	06	25	11	18	46	43	02	14	35	06	08	27	17	13	01	21	19	39	09	04	24	33	02	03	23	11
22	03	05	31	21	03	22	00	52	11	19	17	20	02	15	26	02	08	27	09	39	01	22	02	04	09	04	20	07	02	03	20	00
23	03	06	28	39	04	06	09	11	11	19	47	37	02	16	22	21	08	27	02	04	01	22	45	25	09	04	15	42	02	03	16	49
24	03	07	25	58	04	20	26	58	11	20	17	35	02	17	23	55	08	26	54	34	01	23	29	45	09	04	11	15	02	03	13	38
25	03	08	23	18	05	04	49	42	11	20	47	11	02	18	30	37	08	26	47	07	01	24	14	56	09	04	06	51	02	03	10	27
26	03	09	20	38	05	19	12	09	11	21	16	27	02	19	42	16	08	26	39	44	01	25	01	00	09	04	02	25	02	03	07	17
27	03	10	17	59	06	03	30	24	11	21	45	19	02	20	58	46	08	26	32	22	01	25	47	54	09	03	58	01	02	03	04	06
28	03	11	15	20	06	17	41	17	11	22	13	52	02	22	19	56	08	26	25	06	01	26	35	35	09	03	53	36	02	03	00	55
29	03	12	12	43	07	01	42	58	11	22	41	58	02	23	45	36	08	26	17	55	01	27	24	03	09	03	49	14	02	02	57	44
30	03	13	10	06	07	15	34	21	11	23	09	41	02	25	15	37	08	26	10	48	01	28	13	15	09	03	44	53	02	02	54	33
31	03	14	07	30	07	29	14	54	11	23	37	01	02	26	49	48	08	26	03	46	01	29	03	12	09	03	40	31	02	02	51	22

औदयिक स्पष्ट ग्रह, अगस्त 2020

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.
01	03	15	04	55	08	12	44	31	11	24	03	54	02	28	27	57	08	25	56	49	01	29	53	50	09	03	36	14	02	02	48	12
02	03	16	02	20	08	26	02	46	11	24	30	24	03	00	09	51	08	25	49	57	02	00	45	06	09	03	31	56	02	02	45	01
03	03	16	59	46	09	09	09	19	11	24	56	25	03	01	55	17	08	25	43	13	02	01	37	03	09	03	27	40	02	02	41	50
04	03	17	57	14	09	22	03	13	11	25	22	03	03	03	44	01	08	25	36	33	02	02	29	38	09	03	23	28	02	02	38	39
05	03	18	54	42	10	04	44	05	11	25	47	09	03	05	35	42	08	25	30	00	02	03	22	48	09	03	19	15	02	02	35	28
06	03	19	52	12	10	17	11	59	11	26	11	50	03	07	30	05	08	25	23	35	02	04	16	34	09	03	15	04	02	02	32	17
07	03	20	49	42	10	29	27	10	11	26	36	02	03	09	26	50	08	25	17	15	02	05	10	53	09	03	10	56	02	02	29	06
08	03	21	47	14	11	11	31	35	11	26	59	42	03	11	25	33	08	25	11	03	02	06	05	45	09	03	06	50	02	02	25	56
09	03	22	44	46	11	23	27	21	11	27	22	54	03	13	25	55	08	25	04	59	02	07	01	08	09	03	02	47	02	02	22	45
10	03	23	42	19	00	05	19	02	11	27	45	35	03	15	27	34	08	24	59	02	02	07	57	03	09	02	58	46	02	02	19	34
11	03	24	39	54	00	17	10	07	11	28	07	43	03	17	30	09	08	24	53	14	02	08	53	26	09	02	54	48	02	02	16	23
12	03	25	37	29	00	29	06	32	11	28	29	20	03	19	33	16	08	24	47	32	02	09	50	19	09	02	50	53	02	02	13	12
13	03	26	35	06	01	11	13	32	11	28	50	25	03	21	36	43	08	24	41	59	02	10	47	39	09	02	47	00	02	02	10	01
14	03	27	32	44	01	23	35	54	11	29	10	53	03	23	40	05	08	24	36	36	02	11	45	26	09	02	43	11	02	02	06	51
15	03	28	30	23	02	06	18	11	11	29	30	47	03	25	43	12	08	24	31	20	02	12	43	39	09	02	39	23	02	02	03	40
16	03	29	28	04	02	19	23	25	11	29	50	07	03	27	45	48	08	24	26	14	02	13	42	18	09	02	35	40	02	02	00	29
17	04	00	25	45	03	02	53	40	00	00	08	52	03	29	47	41	08	24	21	16	02	14	41	20	09	02	32	02	02	01	57	18
18	04	01	23	28	03	16	48	25	00	00	26	59	04	01	48	43	08	24	16	28	02	15	40	46	09	02	28	24	02	01	54	07
19	04	02	21	12	04	01	05	49	00	00	44	27	04	03	48	46	08	24	11	51	02	16	40	36	09	02	24	52	02	01	50	56
20	04	03	18	58	04	15	40	53	00	01	01	18	04	05	47	44	08	24	07	22	02	17	40	48	09	02	21	22	02	01	47	45
21	04	04	16	45	05	00	26	20	00	01	17	29	04	07	45	31	08	24	03	03	02	18	41	21	09	02	17	56	02	01	44	35
22	04	05	14	33	05	15	13	57	00	01	33	00	04	09	42	04	08	23	58	55	02	19	42	16	09	02	14	34	02	01	41	24
23	04	06	12	23	05	29	56	10	00	01	47	49	04	11	37	21	08	23	54	55	02	20	43	31	09	02	11	17	02	01	38	13
24	04	07	10	14	06	14	26	18	00	02	01	55	04	13	31	17	08	23	51	07	02	21	45	06	09	02	08	02	02	01	35	02
25	04	08	08	07	06	28	40	39	00	02	15	21	04	15	23	54	08	23	47	28	02	22	47	00	09	02	04	52	02	01	31	51
26	04	09	06	01	07	12	37	38	00	02	28	01	04	17	15	07	08	23	44	01	02	23	49	14	09	02	01	48	02	01	28	40
27	04	10	03	57	07	26	17	34	00	02	40	02	04	19	04	57	08	23	40	45	02	24	51	46	09	01	58	47	02	01	25	30
28	04	11	01	54	08	09	41	32	00	02	51	14	04	20	53	26	08	23	37	39	02	25	54	35	09	01	55	50	02	01	22	19
29	04	11	59	53	08	22	51	18	00	03	01	42	04	22	40	33	08	23	34	43	02	26	57	41	09	01	52	58	02	01	19	08
30	04	12	57	53	09	05	48	48	00	03	11	21	04	24	26	18	08	23	31	59	02	28	01	04	09	01	50	10	02	01	15	57
31	04	13	55	55	09	18	34	38	00	03	20	13	04	26	10	47	08	23	29	25	02	29	04	44	09	01	47	27	02	01	12	46

औदयिक स्पष्ट ग्रह, सितम्बर 2020

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध			
दिनांक	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.
01	04	14	53	59	10	01	09	49	00	03	28	21	04	27	53	55
02	04	15	52	04	10	13	35	26	00	03	35	37	04	29	35	49
03	04	16	50	10	10	25	51	35	00	03	42	09	05	01	16	27
04	04	17	48	19	11	07	58	46	00	03	47	46	05	02	55	53
05	04	18	46	29	11	19	58	20	00	03	52	36	05	04	34	09
06	04	19	44	40	00	01	52	04	00	03	56	33	05	06	11	12
07	04	20	42	54	00	13	41	51	00	03	59	41	05	07	47	10
08	04	21	41	10	00	25	31	46	00	04	01	55	05	09	22	02
09	04	22	39	26	01	07	26	08	00	04	03	18	05	10	55	42
10	04	23	37	46	01	19	30	16	00	04	03	49	05	12	28	18
11	04	24	36	07	02	01	49	07	00	04	03	28	05	13	59	50
12	04	25	34	28	02	14	28	12	00	04	02	15	05	15	30	14
13	04	26	32	53	02	27	32	09	00	04	00	07	05	16	59	32
14	04	27	31	20	03	11	03	51	00	03	57	07	05	18	27	43
15	04	28	29	48	03	25	04	40	00	03	53	17	05	19	54	47
16	04	29	28	18	04	09	33	09	00	03	48	34	05	21	20	39
17	05	00	26	50	04	24	24	08	00	03	42	56	05	22	45	22
18	05	01	25	23	05	09	29	45	00	03	36	27	05	24	08	49
19	05	02	23	59	05	24	39	36	00	03	29	13	05	25	31	04
20	05	03	22	37	06	09	42	52	00	03	21	04	05	26	52	00
21	05	04	21	16	06	24	30	58	00	03	12	09	05	28	11	35
22	05	05	19	57	07	08	57	45	00	03	02	23	05	29	29	49
23	05	06	18	41	07	23	01	18	00	02	51	52	06	00	46	34
24	05	07	17	27	08	06	41	14	00	02	40	32	06	02	01	48
25	05	08	16	14	08	19	59	49	00	02	28	29	06	03	15	28
26	05	09	15	03	09	02	59	35	00	02	15	44	06	04	27	27
27	05	10	13	55	09	15	43	38	00	02	02	15	06	05	37	41
28	05	11	12	49	09	28	14	15	00	01	48	12	06	06	46	02
29	05	12	11	44	10	10	34	31	00	01	33	24	06	07	52	23
30	05	13	10	42	10	22	46	02	00	01	18	04	06	08	56	36

ग्रह	गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.
01	08	23	27	03	03	00	08	41	09	01	44	49	02	01	09	35
02	08	23	24	53	03	01	12	52	09	01	42	16	02	01	06	25
03	08	23	22	53	03	02	17	18	09	01	39	48	02	01	03	14
04	08	23	21	05	03	03	21	59	09	01	37	23	02	01	00	03
05	08	23	19	28	03	04	26	55	09	01	35	05	02	00	56	52
06	08	23	18	01	03	05	32	04	09	01	32	52	02	00	53	41
07	08	23	16	48	03	06	37	28	09	01	30	43	02	00	50	30
08	08	23	15	45	03	07	43	05	09	01	28	41	02	00	47	19
09	08	23	14	53	03	08	48	55	09	01	26	43	02	00	44	09
10	08	23	14	16	03	09	54	58	09	01	24	49	02	00	40	58
11	08	23	13	47	03	11	01	13	09	01	23	03	02	00	37	47
12	08	23	13	31	03	12	07	40	09	01	21	21	02	00	34	36
13	08	23	13	26	03	13	14	19	09	01	19	44	02	00	31	25
14	08	23	13	33	03	14	21	12	09	01	18	14	02	00	28	15
15	08	23	13	51	03	15	28	14	09	01	16	49	02	00	25	04
16	08	23	14	22	03	16	35	28	09	01	15	30	02	00	21	53
17	08	23	15	03	03	17	42	53	09	01	14	16	02	00	18	42
18	08	23	15	57	03	18	50	28	09	01	13	09	02	00	15	31
19	08	23	17	01	03	19	58	14	09	01	12	05	02	00	12	20
20	08	23	18	17	03	21	06	11	09	01	11	10	02	00	09	09
21	08	23	19	46	03	22	14	17	09	01	10	19	02	00	05	59
22	08	23	21	25	03	23	22	33	09	01	09	33	02	00	02	48
23	08	23	23	16	03	24	30	59	09	01	08	56	01	29	59	37
24	08	23	25	19	03	25	39	35	09	01	08	22	01	29	56	26
25	08	23	27	19	03	26	48	20	09	01	07	55	01	29	53	26
26	08	23	29	57	03	27	57	13	09	01	07	33	01	29	50	04
27	08	23	32	34	03	29	06	17	09	01	07	19	01	29	46	54
28	08	23	35	20	04	00	15	28	09	01	07	08	01	29	43	43
29	08	23	38	19	04	01	24	49	09	01	07	04	01	29	40	32
30	08	23	41	29	04	02	34	18	09	01	07	06	01	29	37	21

औदयिक स्पष्ट ग्रह, अक्टूबर 2020

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.
01	05	14	09	41	11	04	50	48	00	01	02	11	06	09	58	29	08	23	44	51	04	03	43	55	09	01	07	15	01	29	34	10
02	05	15	08	44	11	16	50	01	00	00	45	45	06	10	57	54	08	23	48	21	04	04	53	42	09	01	07	29	01	29	30	59
03	05	16	07	47	11	28	44	56	00	00	28	51	06	11	54	34	08	23	52	02	04	06	03	35	09	01	07	50	01	29	27	49
04	05	17	06	53	00	10	36	35	00	00	11	29	06	12	48	15	08	23	55	57	04	07	13	36	09	01	08	16	01	29	24	38
05	05	18	06	01	00	22	26	46	11	28	09	26	06	13	38	41	08	24	00	01	04	08	23	46	09	01	08	49	01	29	21	27
06	05	19	05	10	01	04	17	51	11	29	35	45	06	14	25	32	08	24	04	15	04	09	34	02	09	01	09	28	01	29	18	16
07	05	20	04	22	01	16	13	01	11	29	17	27	06	15	08	28	08	24	08	41	04	10	44	27	09	01	10	11	01	29	15	05
08	05	21	03	36	01	28	16	49	11	28	58	49	06	15	47	05	08	24	13	17	04	11	54	59	09	01	11	01	01	29	11	54
09	05	22	02	53	02	10	33	36	11	28	40	00	06	16	20	58	08	24	18	04	04	13	05	39	09	01	11	58	01	29	08	43
10	05	23	02	10	02	23	08	43	11	28	21	04	06	16	49	37	08	24	23	00	04	14	16	25	09	01	13	01	01	29	05	33
11	05	24	01	30	03	06	06	56	11	28	02	00	06	17	12	37	08	24	28	07	04	15	27	18	09	01	14	09	01	29	02	22
12	05	25	00	53	03	19	32	29	11	27	42	54	06	17	29	25	08	24	33	25	04	16	38	18	09	01	15	24	01	28	59	11
13	05	26	00	18	04	03	27	48	11	27	23	46	06	17	39	30	08	24	38	52	04	17	49	26	09	01	16	44	01	28	56	00
14	05	26	59	44	04	17	52	38	11	27	04	46	06	17	42	20	08	24	44	29	04	19	00	40	09	01	18	09	01	28	52	49
15	05	27	59	12	05	02	43	40	11	26	45	48	06	17	37	30	08	24	50	18	04	20	12	00	09	01	19	41	01	28	49	38
16	05	28	58	43	05	17	53	30	11	26	27	00	06	17	24	33	08	24	56	14	04	21	23	27	09	01	21	19	01	28	46	28
17	05	29	58	15	06	03	12	16	11	26	08	24	06	17	03	06	08	25	02	21	04	22	35	00	09	01	23	02	01	28	43	17
18	06	00	57	50	06	18	28	21	11	25	50	08	06	16	32	58	08	25	08	37	04	23	46	38	09	01	24	51	01	28	40	06
19	06	01	57	27	07	03	31	20	11	25	32	07	06	15	54	16	08	25	15	04	04	24	58	24	09	01	26	48	01	28	36	55
20	06	02	57	06	07	18	13	16	11	25	14	18	06	15	07	07	08	25	21	40	04	26	10	17	09	01	28	48	01	28	33	44
21	06	03	56	47	08	02	29	48	11	24	57	02	06	14	11	52	08	25	28	25	04	27	22	14	09	01	30	54	01	28	30	33
22	06	04	56	29	08	16	19	15	11	24	40	08	06	13	09	31	08	25	35	19	04	28	34	17	09	01	33	07	01	28	27	22
23	06	05	56	14	08	29	43	07	11	24	23	46	06	12	01	14	08	25	42	22	04	29	46	26	09	01	35	26	01	28	24	12
24	06	06	56	01	09	12	43	21	11	24	07	52	06	10	48	26	08	25	49	36	05	00	58	40	09	01	37	49	01	28	21	01
25	06	07	55	49	09	25	23	25	11	23	52	33	06	09	32	51	08	25	56	56	05	02	11	01	09	01	40	18	01	28	17	50
26	06	08	55	40	10	07	47	15	11	23	37	42	06	08	16	42	08	26	04	27	05	03	23	27	09	01	42	53	01	28	14	39
27	06	09	55	33	10	19	58	25	11	23	23	29	06	07	02	11	08	26	12	07	05	04	35	58	09	01	45	33	01	28	11	28
28	06	10	55	28	11	02	00	45	11	23	09	57	06	05	51	17	08	26	19	55	05	05	48	33	09	01	48	21	01	28	08	17
29	06	11	55	25	11	13	57	15	11	22	57	04	06	04	46	22	08	26	27	52	05	07	01	15	09	01	51	12	01	28	05	06
30	06	12	55	23	11	25	50	40	11	22	44	54	06	03	49	18	08	26	35	57	05	08	14	00	09	01	54	09	01	28	01	56
31	06	13	55	24	00	07	42	34	11	22	33	24	06	03	01	30	08	26	44	11	05	09	26	52	09	01	57	13	01	27	58	45

औदयिक स्पष्ट ग्रह, नवम्बर 2020

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.
01	06	14	55	26	00	19	34	40	11	22	22	39	06	02	24	09	08	26	52	32	05	10	39	48	09	02	00	21	01	27	55	34
02	06	15	55	30	01	01	28	32	11	22	12	37	06	01	58	01	08	27	01	01	05	11	52	49	09	02	03	33	01	27	52	23
03	06	16	55	37	01	13	25	13	11	22	03	23	06	01	43	28	08	27	09	40	05	13	05	54	09	02	06	52	01	27	49	12
04	06	17	55	45	01	25	27	10	11	21	54	53	06	01	40	27	08	27	18	26	05	14	19	04	09	02	10	15	01	27	46	01
05	06	18	55	54	02	07	36	58	11	21	47	09	06	01	48	35	08	27	27	20	05	15	32	19	09	02	13	44	01	27	42	50
06	06	19	55	06	02	19	58	30	11	21	40	17	06	02	07	24	08	27	36	21	05	16	45	37	09	02	17	19	01	27	39	39
07	06	20	56	21	03	02	35	06	11	21	34	08	06	02	36	08	08	27	45	32	05	17	59	01	09	02	20	58	01	27	36	28
08	06	21	56	36	03	15	31	27	11	21	28	51	06	03	13	53	08	27	54	50	05	19	12	29	09	02	24	43	01	27	33	18
09	06	22	56	53	03	28	51	05	11	21	24	23	06	03	59	47	08	28	04	13	05	20	26	00	09	02	28	32	01	27	30	07
10	06	23	57	12	04	12	36	22	11	21	20	45	06	04	52	58	08	28	13	45	05	21	39	35	09	02	32	26	01	27	26	56
11	06	24	57	33	04	26	48	23	11	21	17	52	06	05	52	31	08	28	23	25	05	22	53	14	09	02	36	25	01	27	23	45
12	06	25	57	56	05	11	25	14	11	21	15	48	06	06	57	38	08	28	33	10	05	24	06	57	09	02	40	29	01	27	20	34
13	06	26	58	20	05	26	22	14	11	21	14	34	06	08	07	34	08	28	43	05	05	25	20	43	09	02	44	38	01	27	17	23
14	06	27	58	45	06	11	31	07	11	21	14	08	06	09	21	37	08	28	53	05	05	26	34	34	09	02	48	51	01	27	14	12
15	06	28	59	13	06	26	42	37	11	21	14	31	06	10	39	12	08	29	03	11	05	27	48	28	09	02	53	09	01	27	11	01
16	06	29	59	41	07	11	46	59	11	21	15	41	06	11	59	46	08	29	13	26	05	29	02	24	09	02	57	33	01	27	07	51
17	07	01	00	12	07	26	35	31	11	21	17	39	06	13	22	51	08	29	23	46	06	00	16	26	09	03	02	00	01	27	04	40
18	07	02	00	44	08	11	01	53	11	21	20	22	06	14	48	04	08	29	34	13	06	01	30	29	09	03	06	32	01	27	01	29
19	07	03	01	18	08	25	02	34	11	21	23	54	06	16	15	03	08	29	44	47	06	02	44	36	09	03	11	10	01	26	58	18
20	07	04	01	54	09	08	36	15	11	21	28	07	06	17	43	30	08	29	55	27	06	03	58	47	09	03	15	50	01	26	55	07
21	07	05	02	30	09	21	43	41	11	21	33	09	06	19	13	09	09	00	06	13	06	05	12	59	09	03	20	35	01	26	51	56
22	07	06	03	08	10	04	27	50	11	21	38	57	06	20	43	47	09	00	17	06	06	06	27	15	09	03	25	25	01	26	48	45
23	07	07	03	48	10	16	52	20	11	21	45	26	06	22	15	14	09	00	28	04	06	07	41	34	09	03	30	19	01	26	45	34
24	07	08	04	29	10	29	01	27	11	21	52	40	06	23	47	15	09	00	39	09	06	08	55	54	09	03	35	16	01	26	42	24
25	07	09	05	12	11	10	59	48	11	22	00	32	06	25	19	48	09	00	50	20	06	10	10	18	09	03	40	20	01	26	39	13
26	07	10	05	56	11	22	52	16	11	22	09	10	06	26	52	46	09	01	01	36	06	11	24	46	09	03	45	25	01	26	36	02
27	07	11	06	41	00	04	42	22	11	22	18	27	06	28	25	58	09	01	12	57	06	12	39	15	09	03	50	35	01	26	32	51
28	07	12	07	27	00	16	33	35	11	22	28	26	06	29	59	22	09	01	24	25	06	13	53	46	09	03	55	50	01	26	29	40
29	07	13	08	15	00	28	28	28	11	22	39	06	07	01	32	53	09	01	35	58	06	15	08	19	09	04	01	08	01	26	26	29
30	07	14	09	05	01	10	28	40	11	22	50	21	07	03	06	35	09	01	47	37	06	16	22	55	09	04	06	29	01	26	23	18

औदयिक स्पष्ट ग्रह, दिसम्बर 2020

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.
01	07	15	09	54	01	22	35	22	11	23	02	17	07	04	40	19	09	01	59	19	06	17	37	33	09	04	11	55	01	26	20	07
02	07	16	10	46	02	04	50	02	11	23	14	49	07	06	14	03	09	02	11	08	06	18	52	13	09	04	17	24	01	26	16	57
03	07	17	11	38	02	17	14	29	11	23	27	59	07	07	47	52	09	02	23	02	06	20	06	56	09	04	22	57	01	26	13	46
04	07	18	12	32	02	29	49	40	11	23	41	43	07	9	21	37	09	02	35	00	06	21	21	39	09	04	28	34	01	26	10	35
05	07	19	13	27	03	12	38	20	11	23	56	02	07	10	55	24	09	02	47	04	06	22	36	24	09	04	34	13	01	26	07	24
06	07	20	14	22	03	25	42	44	11	24	10	54	07	12	29	10	09	02	59	11	06	23	51	12	09	04	39	57	01	26	04	13
07	07	21	15	19	04	09	04	38	11	24	26	20	07	14	02	55	09	03	11	25	06	25	06	01	09	04	45	44	01	26	01	02
08	07	22	16	16	04	22	45	31	11	24	42	23	07	15	36	42	09	03	23	43	06	26	20	51	09	04	51	35	01	25	57	51
09	07	23	17	15	05	06	45	50	11	24	58	52	07	17	10	30	09	03	36	05	06	27	35	44	09	04	57	26	01	25	54	41
10	07	24	18	14	05	21	04	28	11	25	15	55	07	18	44	18	09	03	48	32	06	28	50	37	09	05	03	24	01	25	51	30
11	07	25	19	14	06	05	38	33	11	25	33	28	07	20	18	10	09	04	01	03	07	00	05	32	09	05	09	23	01	25	48	19
12	07	26	20	16	06	20	23	20	11	25	51	32	07	21	52	05	09	04	13	37	07	01	20	28	09	05	15	26	01	25	45	08
13	07	27	21	17	07	05	13	11	11	26	10	03	07	23	26	05	09	04	26	17	07	02	35	25	09	05	21	31	01	25	41	57
14	07	28	22	21	07	20	01	05	11	26	29	04	07	25	00	13	09	04	39	01	07	03	50	26	09	05	27	41	01	25	38	46
15	07	29	23	24	08	04	39	38	11	26	48	31	07	26	34	20	09	04	51	47	07	05	05	25	09	05	33	51	01	25	35	35
16	08	00	24	28	08	19	02	56	11	27	08	25	07	28	08	38	09	05	04	40	07	06	20	26	09	05	40	06	01	25	32	24
17	08	01	25	33	09	03	05	40	11	27	28	46	07	29	43	03	09	05	17	32	07	07	35	28	09	05	46	24	01	25	29	14
18	08	02	26	38	09	16	44	28	11	27	49	34	08	01	17	39	09	05	30	31	07	08	50	30	09	05	52	41	01	25	26	03
19	08	03	27	44	09	29	58	39	11	28	10	45	08	02	52	25	09	05	43	34	07	10	05	34	09	05	59	04	01	25	22	52
20	08	04	28	50	10	12	48	40	11	28	32	20	08	04	27	18	09	05	56	40	07	11	20	39	09	06	05	28	01	25	19	41
21	08	05	29	57	10	25	17	18	11	28	54	22	08	06	02	21	09	06	09	49	07	12	35	44	09	06	11	56	01	25	16	30
22	08	06	31	04	11	07	28	44	11	29	16	45	08	07	37	40	09	06	23	01	07	13	50	50	09	06	18	24	01	25	13	19
23	08	07	32	12	11	19	27	30	11	29	39	30	08	09	13	09	09	06	36	16	07	15	05	57	09	06	24	57	01	25	10	09
24	08	08	33	20	00	01	18	38	00	00	02	39	08	10	48	54	09	06	49	36	07	16	21	03	09	06	31	30	01	25	06	58
25	08	09	34	29	00	13	07	26	00	00	26	07	08	12	24	56	09	07	02	57	07	17	36	11	09	06	38	06	01	25	03	47
26	08	10	35	37	00	24	58	40	00	00	49	58	08	14	01	08	09	07	16	21	07	18	51	20	09	06	44	45	01	25	00	36
27	08	11	36	46	01	06	56	26	00	01	14	08	08	15	37	39	09	07	29	50	07	20	06	29	09	06	51	24	01	24	57	25
28	08	12	37	55	01	19	03	23	00	01	38	39	08	17	14	25	09	07	43	19	07	21	21	39	09	06	58	07	01	24	54	14
29	08	13	39	05	02	01	21	18	00	02	03	28	08	18	51	30	09	07	56	52	07	22	36	48	09	07	04	51	01	24	51	04
30	08	14	40	14	02	13	52	02	00	02	28	38	08	20	28	50	09	08	10	28	07	23	51	58	09	07	11	36	01	24	47	53
31	08	15	41	23	02	26	35	48	00	02	54	03	08	22	06	24	09	08	24	06	07	25	07	08	09	07	18	23	01	24	44	42

औदयिक स्पष्ट ग्रह, जनवरी 2021

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध			
दिनांक	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.
01	08	16	42	34	03	09	33	02	00	03	19	48	08	23	44	18
02	08	17	43	44	03	22	44	03	00	03	45	50	08	25	22	26
03	08	18	44	54	04	06	08	03	00	04	12	09	08	27	00	44
04	08	19	46	03	04	19	44	56	00	04	38	45	08	28	39	13
05	08	20	47	13	05	03	33	21	00	05	05	37	09	00	17	53
06	08	21	48	22	05	17	32	18	00	05	32	44	09	01	56	38
07	08	22	49	32	06	01	39	26	00	06	00	07	09	03	35	24
08	089	23	50	41	06	15	53	37	00	06	27	45	09	05	14	06
09	08	24	51	49	07	00	12	23	00	06	55	37	09	06	52	39
10	08	25	52	58	07	14	33	26	00	07	23	44	09	08	30	53
11	08	26	54	06	07	28	52	52	00	07	52	04	09	10	08	46
12	08	27	55	14	08	13	07	19	00	08	20	36	09	11	46	01
13	08	28	56	22	08	27	11	53	00	08	49	24	09	13	22	27
14	08	29	57	29	09	11	02	08	00	09	18	22	09	14	57	59
15	09	00	58	36	09	24	34	34	00	09	47	36	09	16	32	13
16	09	01	59	42	10	07	46	41	00	10	16	58	09	18	04	57
17	09	03	00	48	10	20	37	44	00	10	46	33	09	19	35	50
18	09	04	01	52	11	03	08	36	00	11	16	19	09	21	04	30
19	09	05	02	57	11	15	22	31	00	11	46	18	09	22	30	36
20	09	06	04	01	11	27	22	17	00	12	16	27	09	23	53	32
21	09	07	05	04	00	09	13	27	00	12	46	46	09	25	12	49
22	09	08	06	06	00	21	01	45	00	13	17	16	09	26	27	50
23	09	09	07	08	01	02	52	29	00	13	47	55	09	27	37	55
24	09	10	08	08	01	14	50	54	00	14	18	44	09	28	42	18
25	09	11	09	09	01	27	01	09	00	14	49	44	09	29	40	11
26	09	12	10	08	02	09	27	10	00	15	20	50	10	00	30	43
27	09	13	11	06	02	22	10	45	00	15	52	08	10	01	12	59
28	09	14	12	03	03	05	12	45	00	16	23	34	10	01	46	13
29	09	15	12	59	03	18	33	40	00	16	55	10	10	02	09	31
30	09	16	13	55	04	02	11	34	00	17	26	50	10	02	22	13
31	09	17	14	49	04	16	03	42	00	17	58	44	10	02	23	48

ग्रह	गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.
01	09	08	37	47	07	26	22	20	09	07	25	13	01	24	41	31
02	09	08	51	31	07	27	37	32	09	07	32	04	01	24	38	20
03	09	09	05	15	07	28	52	43	09	07	38	56	01	24	35	10
04	09	09	19	02	08	00	07	54	09	07	45	50	01	24	31	59
05	09	09	32	51	08	01	23	06	09	07	52	44	01	24	28	48
06	09	09	46	32	08	02	38	18	09	07	59	41	01	24	25	37
07	09	10	00	36	08	03	53	30	09	08	06	39	01	24	22	26
08	09	10	14	31	08	05	08	42	09	08	13	38	01	24	19	16
09	09	10	28	27	08	06	23	54	09	08	20	38	01	24	16	05
10	09	10	42	26	08	07	39	07	09	08	27	39	01	24	12	54
11	09	10	56	26	08	08	54	19	09	08	34	41	01	24	09	43
12	09	11	10	29	08	10	09	30	09	08	41	44	01	24	06	33
13	09	11	24	31	08	11	24	43	09	08	48	46	01	24	03	22
14	09	11	38	36	08	12	39	55	09	08	55	51	01	24	00	11
15	09	11	52	42	08	13	55	07	09	09	02	56	01	23	57	00
16	09	12	06	48	08	15	10	20	09	09	10	02	01	23	53	49
17	09	12	20	57	08	16	25	31	09	09	17	10	01	23	50	39
18	09	12	35	06	08	17	40	42	09	09	24	16	01	23	47	28
19	09	12	49	16	08	18	55	55	09	09	31	23	01	23	44	17
20	09	13	03	27	08	20	11	07	09	09	38	32	01	23	41	06
21	09	13	17	38	08	21	26	18	09	09	45	39	01	23	37	56
22	09	13	31	50	08	22	41	29	09	09	52	47	01	23	34	45
23	09	13	46	02	08	23	56	39	09	09	59	55	01	23	31	34
24	09	14	00	16	08	25	11	50	09	10	07	03	01	23	28	24
25	09	14	14	30	08	26	27	01	09	10	14	11	01	23	25	13
26	09	14	28	45	08	27	42	12	09	10	21	20	01	23	22	02
27	09	14	42	58	08	28	57	21	09	10	28	27	01	23	18	51
28	09	14	57	14	09	00	12	31	09	10	35	35	01	23	15	41
29	09	15	11	28	09	01	27	40	09	10	42	43	01	23	12	30
30	09	15	25	43	09	02	42	49	09	10	49	51	01	23	09	19
31	09	15	39	57	09	03	57	58	09	10	56	57	01	23	06	09

औदयिक स्पष्ट ग्रह, फरवरी 2021

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.
01	09	18	15	42	05	00	06	14	00	18	30	40	10	02	13	56	09	15	54	12	09	05	13	07	09	11	04	03	01	23	02	58
02	09	19	16	35	05	14	15	00	00	19	02	47	10	01	52	36	09	16	08	25	09	06	28	16	09	11	11	08	01	22	59	47
03	09	20	17	26	05	28	25	47	00	19	35	01	10	01	20	04	09	16	22	40	09	07	43	23	09	11	18	14	01	22	56	36
04	09	21	18	15	06	12	35	45	00	20	07	22	10	00	37	10	09	16	36	54	09	08	58	31	09	11	25	19	01	22	53	26
05	09	22	19	04	06	26	42	30	00	20	39	51	09	29	44	54	09	16	51	07	09	10	13	37	09	11	32	23	01	22	50	15
06	09	23	19	52	07	10	45	14	00	21	12	25	09	28	44	39	09	17	05	21	09	11	28	45	09	11	39	26	01	22	47	04
07	09	24	20	39	07	24	43	07	00	21	45	08	09	27	38	21	09	17	19	32	09	12	43	53	09	11	46	28	01	22	43	54
08	09	25	21	24	08	08	35	44	00	22	17	56	09	26	27	50	09	17	33	44	09	13	58	58	09	11	53	29	01	22	40	43
09	09	26	22	07	08	22	22	09	00	22	50	50	09	25	15	04	09	17	47	57	09	15	14	05	09	12	00	29	01	22	37	32
10	09	27	22	50	09	05	59	50	00	23	23	52	09	24	02	16	09	18	02	05	09	16	29	09	09	12	07	28	01	22	34	22
11	09	28	23	31	09	19	27	03	00	23	56	59	09	22	51	23	09	18	16	14	09	17	44	15	09	12	14	24	01	22	31	11
12	09	29	24	10	10	02	41	23	00	24	30	12	09	21	44	06	09	18	30	22	09	18	59	20	09	12	21	21	01	22	28	00
13	10	00	24	47	10	15	40	37	00	25	03	30	09	20	41	49	09	18	44	28	09	20	14	24	09	12	28	17	01	22	24	50
14	10	01	25	25	10	28	23	54	00	25	36	55	09	19	45	42	09	18	58	34	09	21	29	27	09	12	35	10	01	22	21	39
15	10	02	26	00	11	10	51	00	00	26	10	25	09	18	56	45	09	19	12	40	09	22	44	30	09	12	42	02	01	22	18	28
16	10	03	26	34	11	23	03	09	00	26	44	00	09	18	15	24	09	19	26	43	09	23	59	31	09	12	48	53	01	22	15	18
17	10	04	27	06	00	05	02	29	00	27	17	39	09	17	42	00	09	19	40	45	09	25	14	35	09	12	55	43	01	22	12	07
18	10	05	27	37	00	16	53	34	00	27	51	25	09	17	16	36	09	19	54	46	09	26	29	38	09	13	02	30	01	22	08	56
19	10	06	28	05	00	28	40	43	00	28	25	16	09	16	59	06	09	20	08	44	09	27	44	38	09	13	09	15	01	22	05	46
20	10	07	28	33	01	10	29	44	00	28	59	10	09	16	49	17	09	20	22	42	09	28	59	39	09	13	15	59	01	22	02	35
21	10	08	28	59	01	22	26	16	00	29	33	10	09	16	46	43	09	20	36	37	10	00	14	38	09	13	22	41	01	21	59	24
22	10	09	29	23	02	04	36	01	01	00	07	14	09	16	51	09	09	20	50	31	10	01	29	37	09	13	29	22	01	21	56	14
23	10	10	29	46	02	17	03	09	01	00	41	24	09	17	02	03	09	21	04	23	10	02	44	38	09	13	36	01	01	21	53	03
24	10	11	30	08	02	29	51	58	01	01	15	36	09	17	19	01	09	21	18	14	10	03	59	37	09	13	42	37	01	21	49	52
25	10	12	30	27	03	13	04	45	01	01	49	52	09	17	41	35	09	21	32	01	10	05	14	35	09	13	49	11	01	21	46	42
26	10	13	30	44	03	26	41	54	01	02	24	13	09	18	09	21	09	21	45	49	10	06	29	30	09	13	55	45	01	21	43	31
27	10	14	31	00	04	10	42	01	01	02	58	39	09	18	41	55	09	21	59	32	10	07	44	28	09	14	02	13	01	21	40	21
28	10	15	30	14	04	25	00	21	01	03	33	08	09	19	18	52	09	22	13	13	10	08	59	22	09	14	08	42	01	21	37	10

ग्रहों का उदयास्त विचार

बुध ग्रह का उदयास्त

दिनांक	वार	समय	दिशा	स्थिति
22/04/2020	बुध	24:08	पूर्व	अस्त
15/05/2020	शुक्र	27:02	पश्चिम	उदय
20/06/2020	शनि	28:58	पश्चिम	अस्त
09/07/2020	मंगल	26:25	पूर्व	उदय
05/08/2020	बुध	16:12	पूर्व	अस्त
26/08/2020	बुध	28:06	पश्चिम	उदय
19/10/2020	सोम	18:45	पश्चिम	अस्त
01/11/2020	रवि	15:20	पूर्व	उदय
26/11/2020	गुरु	19:37	पूर्व	अस्त
10/01/2021	रवि	21:32	पश्चिम	उदय
01/02/2021	सोम	20:05	पश्चिम	अस्त
14/02/2021	रवि	24:32	पूर्व	उदय
05/04/2021	सोम	27:52	पूर्व	अस्त
		गुरुग्रह का उदयास्त		
19/01/0221	मंगल	09:55	पश्चिम	अस्त
16/02/2021	मंगल	12:27	पूर्व	उदय
		शुक्रग्रह का उदयास्त		
01/06/2020	सोम	23:18	पश्चिम	अस्त
10/06/2020	बुध	08:33	पूर्व	उदय
13/02/2021	शनि	19:42	पूर्व	अस्त
		शनिग्रह का उदयास्त		
07/01/2021	गुरु	13:26	पश्चिम	अस्त
09/02/2021	मंगल	22:07	पूर्व	उदय

मंगलग्रह का उदयास्त

वर्ष पर्यन्त मंगल उदित रहेगा।

अगस्त्य का उदयास्त

दिनांक	वार	समय	स्थिति
22/04/2020	बुध	19:44	अस्त
02/09/2020	बुध	14:09	उदय

ग्रहों का मार्गत्व वक्रत्व

भौम ग्रह का मार्गत्व वक्रत्व

दिनांक	वार	समय	स्थिति
10/09/2020	गुरु	19:58	वक्री
14/11/2020	शनि	19:43	मार्गी
	बुध ग्रह का मार्गत्व वक्रत्व		
18/06/2020	गुरु	23:14	वक्री
12/07/2020	रवि	27:12	मार्गी
14/10/2020	बुध	15:07	वक्री
04/11/2020	बुध	13:16	मार्गी
31/01/2021	रवि	11:12	वक्री
21/02/2021	रवि	16:11	मार्गी
	गुरुग्रह का मार्गत्व वक्रत्व		
15/05/2020	शुक्र	05:22	वक्री
13/09/2020	रवि	15:15	मार्गी
	शुक्रग्रह का मार्गत्व वक्रत्व		
13/05/2020	बुध	19:19	वक्री
25/06/2020	गुरु	24:27	मार्गी
	शनिग्रह का मार्गत्व वक्रत्व		
11/05/2020	सोम	13:34	वक्री
29/09/2020	मंगल	21:13	मार्गी

अक्षांश, रेखांश, स्टैंडर्ड अन्तरादि सारणी

नगर	अक्षांश उत्तर	रेखांश पूर्व	स्टैं.अ. मि.	नगर	अक्षांश उत्तर	रेखांश पूर्व	स्टैं.अ. मि.
	अं. क.	अं. क.			अं. क.	अं. क.	
अजमेर	26।27	74।42	-31	उधमपुर(पंजाब)	32।56	74।43	-31
अयोध्या	26।48	82।14	-01	औरंगाबाद,, (महाराष्ट्र)	19।53	75।23	-28
अम्बाला	30।21	76।52	-23	औरंगाबाद(बिहार)	24।45	84।25	+08
अमृतसर	31।37	74।55	-31	कटक	20।28	85।54	+14
अहमद्पुर	29।17	71।35	-44	कराची(पाकिस्तान)	24।51	67।04	-32
अलमोड़ा	29।37	79।40	-11	कन्नौज	27।03	79।58	-10
अखनूर	32।54	74।35	-32	करनाल	29।42	77।02	-22
अलीगढ	27।54	78।06	-18	कलकत्ता	22।34	88।24	+24
अमेठी	26।07	81।47	-03	कपूरथला	31।23	75।25	-28
अगरतला	23।49	91।17	+35	कल्याण(महाराष्ट्र)	19।17	73।11	-37
अहमदनगर	19।05	74।48	-31	कोयम्बटूर	11।00	77।00	-22
अहमदाबाद	23।02	72।38	-39	कालका	30।50	76।56	-22
आबू	24।40	72।45	-39	काशी-वाराणसी	25।20	83।00	+02
आगरा	27।10	78।05	-18	काठमांडु,नेपाल	27।42	85।12	+11
आजमगढ	26।03	83।13	+03	कानपुर	26।28	80।24	-08
इटावा	26।47	79।02	-14	कांचीपुरम्,तमि.	12।51	79।53	-11
इन्दौर	22।45	75।50	-27	कांगडा	32।09	76।18	-25

नगर	अक्षांश उत्तर	रेखांश पूर्व	स्टैं.अ. मि.	नगर	अक्षांश उत्तर	रेखांश पूर्व	स्टैं.अ. मि.
	अं. क.	अं. क.			अं. क.	अं. क.	
इम्फाल	24।54	93।54	+46	किश्तवाड़ा,जम्मू	33।12	75।48	-27
उदयपुर(राज)	24।37	73।42	-35	कुरूक्षेत्र	29।58	76।48	-23
उज्जैन	23।09	75।43	-27	कन्याकुमारी	08।06	77।34	-20
उन्नाव	26।48	80।43	-07	कोल्हापुर	16।42	74।16	-33
कोटा(राज.)	25।10	75।52	-27	जम्मू	3244	74।54	-30
कोच्चीन	09।58	76।17	-25	जसवन्तनगर	2651	78।55	-14
खम्भात	22।19	72।36	-40	जामनगर	2227	70।07	-50
गुड़गांव	28।27	77।04	-22	जालन्धर	3119	75।18	-29
गुलबर्गा	17।22	76।47	-23	जूनागढ (गुज.)	2131	70।36	-48
गुन्टूर	16।20	80।27	-08	जैसलमेर	2655	70।57	-46
गयाजी	24।49	85।01	+10	जौनपुर	2542	82।44	+01
ग्वालियर	26।14	78।10	-17	जोधपुर	2619	73।04	-38
गाजीपुर	25।34	83।35	+04	झांसी	2537	78।37	-16
गिलगिल	35।54	74।22	-33	झालरापाटन	2432	76।12	-25
गोरखपुर	26।45	83।27	+04	ट्रावनकोर	0900	77।00	-22
गोंडा	27।28	82।01	-02	टुण्डला जं	2713	78।13	-17
गोवा	15।30	73।57	-34	टाटानगर	2909	80।10	-09
गोहाटी	26।11	91।45	+37	टोंक (राज.)	2611	75।50	-27

नगर	अक्षांश उत्तर अं. क.	रेखांश पूर्व अं. क.	स्टैं.अ. मि.	नगर	अक्षांश उत्तर अं. क.	रेखांश पूर्व अं. क.	स्टैं.अ. मि.
गोकर्ण	14।33	74।18	-33	डलहौजी	3230	75।54	-27
चम्बा	32।34	76।10	-25	डिबरूगढ	2729	94।56	+50
चंडीगढ	30।40	76।52	-22	ढाका(बांग्ला.)	2343	90।26	+32
चिकमंगलूर	13।20	75।46	-27	त्रिचूर	1032	76।14	-25
चित्तौड़गढ	24।54	74।42	-31	त्रिवेन्द्रम्	0830	76।54	-22
चित्रकूट	25।15	80।28	-08	दरभंगा	2610	85।57	+14
चेरापूंजी	25।17	91।47	-37	दाहोद(गुज.)	2250	74।15	-33
छपरा	24।47	84।31	+09	दार्जिलिंग	2706	88।18	+23
छतरपुर	24।54	79।38	-11	द्वारकाधाम	2212	69।01	-54
जलगांव	21।01	75।39	-29	दिल्ली	28।38	77।12	-21
जगन्नाथपुरी	19।46	85।48	+13	देहरादून	30।20	78।04	-18
जमशेदपुर	22।50	86।10	+15	दौलताबाद	19।57	75।12	-29
जलपाईगुडी	26।32	88।46	+25	धर्मशाला	32।16	76।23	-24
जबलपुर	23।10	80।01	-10	धारवाड़	15।26	75।00	-30
जयपुर	26।56	75।52	-27	धार (म.प्र)	22।36	75।12	-29
धूलिया	20।58	74।42	-31	फतेहपुर(उ.प्र.)	25।55	80।52	-06
नसीराबाद	26।08	74।46	-31	फतेहपुर(राज.)	27।52	75।02	-30
नड़ियाद,गुज.	22।41	72।55	-38	फिरोजपुर	30।56	74।40	-31

नगर	अक्षांश उत्तर अं. क.	रेखांश पूर्व अं. क.	स्टैं.अ. मि.	नगर	अक्षांश उत्तर अं. क.	रेखांश पूर्व अं. क.	स्टैं.अ. मि.
नासिक	20।02	73।50	-35	फैजाबाद	26।47	82।12	-01
नागपुर	21।09	79।09	-13	बड़ौदा (गुज.)	22।16	73।12	-37
नाथद्वारा	24।56	73।52	-35	बद्रीनाथ	30।44	79।32	-12
नीमच	24।27	74।52	-31	बरेली	28।22	79।27	-12
पटियाला	30।22	76।25	-24	बेलगांव	15।54	74।36	-32
पटना(बिहा.)	25।37	85।13	+11	बेलूर-कर्नाटक	13।08	75।51	-27
पठानकोट	32।15	75।42	-27	बांदा(उ.प्र.)	25।28	80।20	-09
प्रयागराज	25।24	81।54	-03	बांसवाड़ा	23।30	74।24	-32
पालीतादा	21।30	71।40	-43	बिलासपुर(म.प्र.	22।05	82।13	-01
पानीपत	29।23	77।01	-21	बिलासपुर(हि.प्र	31।19	76।50	-23
पांडीचेरी	11।56	79।53	-10	बीजापुर	16।50	75।47	-27
पीलीभीत	28।40	79।50	-11	बीकानेर	28।01	73।22	-37
पुरुलिया,बिहा.	23।20	86।25	+16	बूंदी(राज.)	25।27	75।41	-27
पूना	18।19	73।55	-34	बुलन्दशहर	28।24	77।54	-18
पोरवन्दर	21।37	69।49	-51	बंगलौर	12।58	77।38	-19
फरीदकोट	30।40	74।57	-30	भिवानीहरि.	28।48	76।08	-36
फरीदाबाद	28।26	77।19	-21	भिवण्डी	19।15	73।05	-38
फर्रूखाबाद	27।24	79।37	-12	भुसावल	21।02	75।47	-27

नगर	अक्षांश उत्तर अं. क.	रेखांश पूर्व अं. क.	स्टैं.अ. मि.	नगर	अक्षांश उत्तर अं. क.	रेखांश पूर्व अं. क.	स्टैं.अ. मि.
भरतपुर	27।15	77।30	-20	रतलाम	23।21	75।07	-30
भटिण्डा	30।11	75।00	-30	रायचूर	16।15	77।20	-21
भड़ोच	21।41	73।00	-38	राजकोट	22।18	70।59	-46
भावनगर	21।46	72।11	-41	रायगढ	21।58	83।26	-04
भागलपुर	25।13	86।59	+18	रायबरेली	26।15	81।16	-05
भुवनेश्वर	20।28	85।54	+14	रामेश्वरम्	09।17	79।22	-13
भूटान	27।30	90।00	+30	रायपुर(छ.ग.)	21।15	81।41	-03
महेन्द्रगढ़ हरि.	28।17	76।09	-25	रांची	23।40	85।34	+12
भोपाल	23।16	77।36	-20	रायपुर(उ.प्र.)	28।48	75।05	-14
मदुराई	09।55	78।07	-18	रीवा	24।32	81।19	-05
मेहसाणा	23।42	72।37	-40	रेवाड़ी-जंक्शन	28।12	76।40	-23
मणीपुरस्टेट	24।44	93।58	+46	रोहतक	28।54	76।38	-23
मण्डी(हि.प्र.)	31।40	76।58	-22	रंगून(बर्मा)	16।50	96।13	+55
मद्रास	13।04	80।17	-09	लद्दाख	33।00	78।48	-15
मथुरा	27।28	77।41	-19	लखनऊ	26।55	80।59	-06
मालेगांव	20।31	74।30	-32	ललितपुर	24।22	78।28	-16
मिर्जापुर	25।06	82।37	-00	लातूर	18।24	76।34	-24
मुरादाबाद	28।50	78।49	-15	लुधियाना	30।55	75।54	-26

नगर	अक्षांश उत्तर	रेखांश पूर्व	स्टैं.अ. मि.	नगर	अक्षांश उत्तर	रेखांश पूर्व	स्टैं.अ. मि.
	अं. क.	अं. क.			अं. क.	अं. क.	
मुंगेर-बिहार	25।23	86।30	+16	लाहौर(पाकि.)	31।37	74।26	-02
मुर्शिदाबाद	24।10	88।19	+23	वर्धा	20।45	78।39	-15
मुजफ्फरनगर	29।30	77।44	-19	विजयवाड़ा	16।31	80।39	-07
मुजफ्फरपुर	26।12	85।27	+12	विशाखापटनम्	17।42	83।20	+03
मुम्बई	18।57	72।50.	-39	शिमला	31।06	77।13	-21
मेरठ	29।00	77।45	-19	शिकोहाबाद	27।06	78।38	-15
मैसूर-कर्नाटक	12।18	75।42	-23	शिलांग-मेघाल.	25।34	91।45	+38
मैनपुरी	27।13	79।04	-14	श्रीगंगानगर	29।50	73।50	-35
मोतीहारी	26।40	84।57	+10	श्रीनगर कश्मीर	34।06	74।51	-31
रत्नागिरि	17।00	73।20	-37	श्रीनगर गढवाल	30।14	78।42	-15
श्रीमाधोपुर	27।25	75।25	-29	हथुना	26।12	84।05	+06
सतारा(महा.)	17।42	74।02	-34	हाजीपुर	25।35	83।11	+03
सम्बलपुर	21।28	84।00	+06	हाथरस	27।38	78।06	-18
सहारनपुर	29।59	77।23	-20	हिसार	29।10	75।46	-27
स्यालकोट	32।31	74।36	-02	हैदराबाद	17।18	78।30	-16
सागर(म.प्र.)	23।50	78।45	-15	होशियारपुर	31।32	75।57	-26
सिरसा	29।32	75।04	-30	हौशंगाबाद	22।46	77।45	-19
सिरोही	24।35	73।02	-38	होडल (हरि.)	27।53	77।22	-21

सिकन्दराबाद	17I27	78I33	-16	संथालपरगना	24I30	87I00	+18
सीतामढी	26I35	85I27	+12	संगमनेर	19I35	74I46	-31
सीतापुर	27I32	80I24	-08	हिंगोली	19I43	77I11	-21
सुल्तानपुर	26I16	82I07	-02	हरदोई	27I23	80I10	-09
सूरत-गुजरात	21I11	72I52	-39	हजारीबाग	23I59	85I25	+12
सेलम-तमिल	11I39	78I15	-17	हरिद्वार	29I56	78I13	-17
सोमनाथ	21I01	70I26	-48	हांसी	29I06	76I00	-26
सोलापुर	17I40	75I48	-27	तिरुपति	13I39	79I25	-12
सोनीपत	28I59	77I01	-22	पौड़ी	30I09	78I47	-15
सोजत,मारवाड	25I56	73I42	-35	पंचकूला	30I42	76I52	-22
सोनपुर,उड़ीसा	20I51	83I55	+06	पटियाला	30I20	76I25	-24
सोलन, हि.प्र.	30I57	77I09	-22	पुरी	19I48	85I52	+13

अथ ज्योतिषमाहात्म्यम्

वेदाङ्गमाद्यं वेदानां क्रियाणां च प्रसाधनम्।
ज्योतिर्ज्ञानं द्विजेन्द्राणमतो वेद्यं विदुर्बुधाः।।
ज्योतिश्चक्रे तु लोकस्य सर्वस्योक्तं शुभाशुभम्।
ज्योतिर्ज्ञानं च यो वेत्ति स याति परमां गतिम्।।
चन्द्रनक्षत्रताराणां ग्रहाणां भास्करस्य च।
ज्योतिषामपि यज्योतिर्ज्योतिषामपि पावनम्।।
तद्भावभावितं युक्तं तं देवा ब्राह्मणं विदुः।
तस्मात्पूर्वमधीयीत ज्योतिर्ज्ञानं द्विजोत्तमः।।

धर्मसूत्रं ततः पश्चाद्यज्ञकर्मविधिक्रियाः।
यज्ञाश्चायुष्यहोमाश्च चूडोपनयनानि च।।
न ज्योतिषं विना तासां प्रवृत्तिरुपलभ्यते।
आप्यायनं च वेदानां यज्ञाः प्रोक्ताः क्रियाश्रयाः।।
यज्ञार्थमपि च प्रोक्ताः स्वयं वेदाः स्वयंभुवा।
न च ते सम्प्रवर्तन्ते कालज्ञानात्कथंचन्।।
यज्ञक्रिया अहोरात्रं क्रियाश्चान्या जगद्धिताः।
तस्मात्पुण्यं वेदैर्यज्ञचक्षुः सनातनम्।।
स्वर्ग्यमव्ययमव्यग्रैर्ब्राह्मणैः शंसितव्रतैः।

ततः कालप्रसिद्ध्यर्थं राशयः पूर्वमीरिताः।।
अहोरात्रविभागाश्च तिथीनां च क्रियाविधिः।
सोमसूर्यविलग्नानामृक्षाणां चापि निश्चयः।।
आदानयोगभोगाश्च विसर्गाश्चार्कसोमयोः।
दिनर्तुपक्षमासानां चन्द्रार्काणां विनिश्चयः।।
कर्मोपभोगमानानां लेख्यः प्रश्नविधिस्तथा।
एवमाद्याः समस्ताश्च क्रियाज्योतिषसंश्रिताः।।
तस्माद्द्विजैरध्ययनीयमेतत्पुण्यं रहस्यं परमं च तत्वम्।
यो ज्योतिषं वेत्ति नरः स सम्यग्धर्मार्थकामान् लभते यशश्च।।

क्रान्ति सारिणी

	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर
01.	-23:00:45	-17:06:31	-07:35:28	04:38:10	15:09:28	22:05:50	23:06:04	17:57:40	08:11:40	-03:16:46	-14:30:31	-21:50:47
02.	-22:55:35	-16:49:17	-07:12:36	05:01:16	1:27:26	22:13:42	23:01:44	17:42:21	07:49:49	-03:40:02	-14:49:34	-21:59:49
03.	-22:49:57	-16:31:46	-06:49:39	05:24:17	15:45:10	22:21:10	22:57:00	17:26:44	07:27:50	-04:03:14	-15:08:23	-22:08:25
04.	-22:43:52	-16:13:57	-06:26:35	05:47:12	16:02:37	22:28:15	22:51:51	17:10:51	07:05:43	-04:26:24	-15:26:57	-22:16:36
05.	-22:37:20	-15:55:52	-06:03:26	06:10:02	16:19:49	22:34:57	22:46:19	16:54:40	06:43:30	-04:49:30	-15:45:16	-22:24:21
06.	-22:30:21	-15:37:30	-05:40:12	06:32:44	16:36:44	22:41:14	22:40:23	16:38:14	06:21:11	-05:12:34	-16:03:19	-22:31:40
07.	-22:22:55	-15:18:53	-05:16:53	06:55:21	16:53:22	22:47:08	22:34:03	16:21:31	05:58:44	-05:35:33	-16:21:06	-22:38:32
08.	-22:15:03	-14:59:59	-04:53:30	07:17:50	17:09:44	22:52:38	22:27:21	16:04:32	05:36:12	-05:58:28	-16:38:37	-22:44:58
09.	-22:06:45	-14:40:50	-04:30:03	07:40:12	17:25:49	22:57:44	22:20:14	15:47:18	05:13:35	-06:21:18	-16:55:50	-22:50:57
10.	-21:58:01	-14:21:27	-04:06:32	08:02:25	17:41:36	23:02:25	22:12:45	15:29:49	04:50:52	-06:44:03	-17:12:47	-22:56:29
11.	-21:48:51	-14:01:49	-03:42:59	08:24:31	17:57:05	23:06:43	22:04:53	15:12:05	04:28:04	-07:06:42	-17:29:26	-23:01:34
12.	-21:39:16	-13:41:57	-03:19:23	08:46:29	18:12:16	23:10:35	21:56:38	14:54:06	04:05:11	-07:29:16	-17:45:47	-23:06:11
13.	-21:29:15	-13:21:52	-02:55:45	09:08:17	18:27:09	23:14:04	21:48:00	14:35:53	03:42:15	-07:51:44	-18:01:49	-23:10:21
14.	-21:18:50	-13:01:34	-02:32:05	09:29:57	18:41:43	23:17:07	21:39:00	14:17:26	03:19:13	-08:14:05	-18:17:33	-23:14:04
15.	-21:08:00	-12:41:03	-02:08:23	09:51:26	18:55:58	23:19:46	21:29:38	13:58:46	02:56:09	-08:36:19	-18:32:57	-23:17:18
16.	-20:56:46	-12:20:20	-01:44:40	10:12:47	19:09:54	23:22:00	21:19:54	13:39:52	02:33:01	-08:58:27	-18:48:02	-23:20:05
17.	-20:45:07	-12:59:25	-01:20:56	10:33:57	19:23:31	23:23:50	21:09:48	13:20:46	02:09:50	-09:20:26	-19:02:46	-23:22:24
18.	-20:33:05	-11:38:18	-00:57:12	10:54:56	19:36:48	23:25:15	20:59:21	13:01:26	01:46:37	-09:42:17	-19:17:11	-23:24:15
19.	-20:20:40	-11:17:01	-00:33:27	11:15:45	19:49:44	23:26:15	20:48:33	12:41:54	01:23:21	-10:04:00	-19:31:14	-23:25:37
20.	-20:07:52	-10:55:32	-00:09:43	11:36:20	20:02:21	23:26:50	20:37:23	12:22:10	01:00:03	-10:25:34	-19:44:57	-23:26:32
21.	-19:54:41	-10:33:54	00:14:02	11:56:49	20:14:37	23:27:00	20:25:53	12:02:15	00:36:43	-10:46:59	-19:58:17	-23:26:58
22.	-19:41:08	-10:12:06	00:37:44	12:17:03	20:26:32	23:26:46	20:14:02	11:42:08	00:13:22	-11:08:14	-20:11:16	-23:26:56
23.	-19:27:13	-09:50:08	01:01:25	12:37:05	20:38:06	23:26:06	20:01:51	11:21:50	-00:09:58	-11:29:19	-20:23:53	-23:26:25
24.	-19:12:56	-09:28:02	01:25:05	12:56:55	20:49:19	23:25:02	19:49:20	11:01:21	-00:33:21	-11:50:14	-20:36:07	-23:25:26
25.	-18:58:18	-09:05:47	01:48:42	13:16:32	21:00:10	23:23:33	19:36:29	10:40:42	-00:56:43	-12:10:59	-20:47:59	-23:24:00
26.	-18:43:19	-08:43:24	02:12:16	13:35:56	21:10:40	23:21:40	19:23:18	10:19:52	-01:20:06	-12:31:31	-20:59:27	-23:22:04
27.	-18:28:00	-08:20:52	02:35:48	13:55:07	21:20:47	23:19:22	19:09:48	09:58:53	-01:43:28	-12:51:53	-21:10:31	-23:19:41
28.	-18:12:21	-07:58:14	02:59:17	14:14:04	21:30:33	23:16:39	18:55:59	09:37:44	-02:06:50	-13:12:02	-21:21:11	-23:16:50
29.	-17:56:22	-	03:22:42	14:32:46	21:39:56	23:13:32	18:41:52	09:16:26	-02:30:10	-13:31:59	-21:31:28	-23:13:30
30.	-17:40:03	-	03:46:03	14:51:15	21:48:57	23:10:00	18:27:26	08:54:59	-02:53:29	-13:51:43	-21:41:20	-23:09:43
31.	-17:23:26	-	04:09:20	-	21:57:35	-	18:12:42	08:33:24	-	-14:11:14	-	-23:05:28

(+) उत्तरा क्रान्ति (-) दक्षिणा क्रान्ति

चरसारिणी - 1

क्रां. \ अ.	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24
	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.
1	00:04	00:08	00:13	00:17	00:21	00:25	00:29	00:34	00:38	00:42	00:47	00:51	00:55	01:00	01:04	01:09	01:13	01:18	01:22	01:27	01:32	01:37	01:42	01:47
2	00:08	00:17	00:25	00:34	00:42	00:50	00:59	01:08	01:16	01:25	01:33	01:42	01:51	02:00	02:09	02:18	02:27	02:37	02:45	02:55	03:04	03:14	03:24	03:34
3	00:13	00:25	00:38	00:50	01:03	01:16	01:28	01:41	01:54	02:07	02:20	02:33	02:46	03:00	03:13	03:27	03:40	03:55	04:08	04:22	04:37	04:51	05:06	05:21
4	00:17	00:34	00:50	01:07	01:24	01:41	01:58	02:12	02:29	02:48	03:05	03:24	03:42	04:00	04:18	04:36	04:54	05:12	05:31	05:50	06:09	06:29	06:48	07:08
5	00:21	00:42	01:03	01:24	01:45	02:07	02:28	02:50	03:10	03:32	03:54	04:16	04:38	05:00	05:23	05:45	06:07	06:31	06:54	07:19	07:42	08:06	08:31	08:56
6	00:25	00:50	01:16	01:41	02:06	02:32	02:57	03:23	03:49	04:15	04:42	05:07	05:34	06:01	06:47	06:54	07:22	07:50	08:18	08:46	09:15	09:44	10:14	11:44
7	00:29	00:59	01:28	01:58	02:29	02:57	03:27	03:57	04:27	04:58	05:28	05:59	06:30	07:02	07:32	08:04	08:36	09:09	09:42	10:15	10:45	11:22	11:57	12:32
8	00:34	01:07	01:41	02:15	02:49	03:23	03:56	04:31	05:06	05:41	06:16	06:51	07:26	08:03	08:38	09:14	09:51	10:28	11:06	11:44	12:22	13:01	13:41	14:21
9	00:38	01:16	01:54	02:33	03:11	03:49	04:27	05:06	05:42	06:24	07:04	07:43	08:23	09:04	09:44	10:25	11:06	11:48	12:30	13:13	13:56	14:41	15:25	16:11
10	00:42	01:25	02:07	02:50	03:32	04:15	04:58	05:41	06:24	07:08	07:51	08:36	09:20	10:05	10:50	11:36	12:23	13:08	13:55	14:43	15:31	16:20	17:10	18:01
11	00:47	01:34	02:20	03:07	03:54	04:40	05:28	06:16	07:03	07:51	08:40	09:29	10:17	11:07	11:56	12:47	13:38	14:29	15:27	16:14	17:07	18:01	18:56	19:52
12	00:51	01:42	02:33	03:24	04:16	05:09	05:59	06:50	07:43	08:36	09:28	10:21	11:15	12:09	13:03	13:59	14:54	15:20	16:47	17:45	18:43	19:42	20:42	21:43
13	00:55	01:51	02:46	03:42	04:38	05:34	06:30	07:20	08:30	09:20	10:17	11:15	12:13	13:12	14:11	15:11	16:11	17:12	18:14	19:17	20:20	21:25	22:23	23:36
14	01:00	02:00	03:00	04:00	05:00	06:01	07:02	08:03	09:04	10:05	11:07	12:09	13:12	14:15	15:19	16:24	17:29	18:34	19:42	20:50	21:58	23:08	24:18	25:30
15	01:04	02:09	03:13	04:17	05:21	06:27	07:31	08:38	09:44	10:50	11:57	13:04	14:10	15:19	16:27	17:38	18:48	19:59	21:10	22:24	23:35	24:52	26:07	27:24
16	01:09	02:18	03:27	04:36	05:44	06:54	08:04	09:14	10:25	11:6	12:47	13:59	15:00	16:24	17:36	18:52	20:07	21:23	22:40	23:57	25:17	26:37	27:58	29:20
17	01:13	02:27	03:40	04:54	06:08	07:22	08:36	09:51	11:06	12:20	13:38	14:54	16:11	17:29	18:48	20:07	21:27	22:48	24:10	25:33	26:58	28:23	29:50	31:18
18	01:18	02:36	03:51	05:12	06:31	07:50	09:09	10:28	11:48	13:08	14:29	15:50	17:22	18:34	19:59	21:23	22:48	24:14	25:43	27:10	28:41	30:10	31:43	33:16
19	01:23	02:45	04:08	05:31	06:54	08:18	09:37	11:06	12:30	13:55	15:21	16:47	18:14	19:42	21:11	22:40	24:10	25:42	27:14	28:48	30:23	31:59	33:37	35:16
20	01:27	02:55	04:22	05:50	07:16	08:46	10:15	11:44	13:13	14:43	16:14	17:45	19:27	20:50	22:23	23:57	25:33	27:10	28:41	30:27	32:08	33:49	35:33	37:18

चरसारिणी - 2

क्रां. / अ.	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24
	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.
21	01:32	03:04	04:36	06:09	07:42	09:15	10:48	12:22	13:57	15:31	17:07	18:45	20:20	21:59	23:37	25:17	26:58	28:14	30:23	32:08	33:54	35:41	37:31	39:22
22	01:37	03:14	04:51	06:29	08:06	09:44	11:22	13:01	13:40	16:20	17:59	19:42	21:25	23:08	24:52	26:37	28:23	30:11	31:59	33:49	35:42	37:35	39:30	41:27
23	01:42	03:24	05:0	06:48	08:32	10:14	11:57	13:41	15:25	17:10	18:56	20:42	22:30	24:18	26:06	27:56	29:50	31:44	33:30	35:33	37:31	39:30	41:41	43:34
24	01:47	03:34	05:51	07:08	08:56	10:44	12:32	14:21	16:11	18:01	19:52	21:43	23:36	25:30	27:24	29:20	31:18	33:16	35:16	37:18	39:22	41:47	43:34	45:54
25	01:52	03:44	05:36	07:28	09:21	11:14	13:08	14:59	16:57	18:52	20:48	22:45	24:43	26:42	28:43	30:44	32:47	34:52	36:57	39:05	41:15	43:26	45:40	47:56
26	01:57	03:54	05:52	07:49	09:37	11:45	13:44	15:45	17:43	19:44	21:46	23:45	25:52	27:56	30:02	32:09	34:18	36:28	38:40	40:54	43:13	45:28	47:48	50:10
27	02:02	04:05	06:07	08:10	10:13	12:07	14:21	16:26	18:31	20:37	22:44	24:52	27:02	29:12	31:23	33:36	35:51	37:06	40:25	42:45	45:07	47:32	49:58	52:27
28	02:08	04:12	06:23	08:13	10:40	12:49	14:58	17:08	19:19	21:31	23:44	25:57	28:12	30:28	32:46	35:05	37:25	39:48	42:12	44:38	47:06	49:38	52:11	54:47
29	02:13	04:26	06:40	08:53	11:07	13:22	15:37	17:52	20:09	22:26	24:44	27:04	29:25	31:48	34:10	36:35	39:02	41:27	44:01	46:33	49:08	51:46	54:27	57:09
30	02:19	04:37	06:56	09:15	11:35	13:55	16:16	18:37	20:59	23:22	25:46	28:12	30:38	33:06	35:36	38:07	40:40	43:15	45:52	48:31	51:13	53:57	56:45	59:35
31	02:24	04:59	07:13	09:37	12:02	14:29	16:55	19:23	21:50	24:21	26:50	29:21	31:54	34:27	37:04	39:41	42:21	45:02	47:46	50:28	53:20	56:12	59:06	62:04
32	02:30	05:00	07:30	10:01	12:32	15:04	17:36	20:07	22:43	25:17	27:54	30:32	33:10	35:47	38:33	41:16	44:03	46:52	49:42	52:35	55:30	58:30	61:31	64:37
33	02:36	05:12	07:46	10:25	13:02	15:39	18:16	20:57	23:37	26:18	28:59	31:44	34:29	37:16	40:05	42:56	45:48	48:44	51:40	54:41	57:44	60:51	63:57	67:13
34	02:42	05:54	08:05	10:49	13:32	16:16	19:01	21:45	24:32	27:19	30:06	32:58	35:49	38:44	41:39	44:36	47:36	50:37	53:43	56:51	60:01	63:15	66:33	69:54
35	02:48	05:36	08:25	11:14	14:01	16:53	19:44	22:35	25:24	28:22	31:17	34:14	37:13	40:13	43:15	46:19	49:27	52:36	55:44	59:04	62:22	65:44	69:10	72:40
40	03:21	06:43	10:05	13:27	16:47	20:14	23:38	27:04	30:33	34:02	37:33	41:06	44:47	48:18	51:58	55:41	59:28	63:17	67:10	72:06	75:10	79:16	83:28	87:45
45	04:00	08:00	12:01	14:02	20:05	24:04	28:10	32:19	36:27	40:37	44:47	49:05	53:24	57:45	62:10	66:40	71:13	75:51	80:34	85:30	90:18	95:19	100:28	104:45
50	04:46	09:32	14:19	19:07	23:56	28:47	33:39	38:34	43:31	48:31	53:35	58:42	63:53	59:09	74:29	79:56	85:28	91:04	96:54	102:50	108:54	115:08	121:33	128:11
55	05:43	11:26	17:10	22:56	28:43	34:31	40:24	46:18	32:18	58:20	64:28	70:01	76:59	83:36	90:00	96:42	103:33	110:35	117:49	125:17	132:59	140:58	149:16	157:56
28:39	02:11	04:22	06:34	08:45	10:58	13:10	15:23	17:37	19:51	22:07	24:23	26:41	28:59	31:19	33:40	36:03	38:28	40:54	43:22	45:53	48:25	51:01	53:38	56:19

बेलान्तर सारिणी

दिनांक	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्तुबर	नवम्बर	दिसम्बर
1.	03:03	13:28	12:41	03:54	-02:55	-02:03	03:38	06:19	00:24	-10:17	-16:33	-11:00
2.	03:31	13:37	12:29	03:35	-03:01	-01:54	03:49	06:16	00:04	-10:37	-16:33	-10:38
3.	03:59	13:45	12:16	03:17	-03:07	-01:44	04:00	06:12	-00:14	-10:57	-16:33	-10:15
4.	04:26	13:53	12:03	02:59	-03:13	-01:35	04:10	06:08	-00:34	-11:16	-16:32	-09:51
5.	04:53	13:59	11:50	02:41	-03:17	-01:25	04:20	06:03	-00:54	-11:35	-16:31	-09:27
6.	05:19	14:05	11:36	02:23	-03:21	-01:14	04:30	05:58	-01:15	-11:54	-16:28	-09:02
7.	05:45	14:40	11:21	02:06	-03:25	-01:04	04:40	05:52	-01:36	-12:12	-16:25	-08:37
8.	06:11	14:14	11:06	01:48	-03:28	-00:53	04:49	05:46	-01:57	-12:30	-16:20	-08:12
9.	06:36	14:18	10:51	01:32	-03:30	-00:42	04:58	05:38	-02:18	-12:47	-16:15	-07:46
10.	07:01	14:20	10:35	01:15	-03:32	-00:31	05:07	05:31	-02:39	-13:04	-16:09	-07:20
11.	07:25	14:22	10:19	00:59	-03:33	-00:19	05:15	05:22	-03:01	-13:21	-16:02	-06:53
12.	07:49	14:23	10:02	00:43	-03:34	-00:08	05:23	05:14	-03:23	-13:36	-15:55	-06:26
13.	08:12	14:23	09:45	00:27	-03:34	00:03	05:30	05:04	-03:45	-13:52	-15:46	-05:59
14.	08:35	14:22	09:28	00:12	-03:34	00:15	05:37	04:54	-04:07	-14:06	-15:37	-05:31
15.	08:57	14:21	09:11	-00:02	-03:33	00:27	05:44	04:43	-04:29	-14:20	-15:27	-05:03
16.	09:18	14:18	08:53	-00:16	-03:32	00:39	05:50	04:32	-04:51	-14:34	-15:16	-04:35
17.	09:39	14:15	08:35	-00:30	-03:30	00:51	05:56	04:20	-05:13	-14:47	-15:04	-04:06
18.	10:00	14:12	08:17	-00:44	-03:27	01:03	06:01	04:08	-05:36	-14:59	-14:51	-03:38
19.	10:19	14:07	07:59	-00:57	-03:24	01:16	06:06	03:55	-05:58	-15:10	-14:38	-03:09
20.	10:38	14:02	07:40	-01:09	-03:21	01:28	06:10	03:42	-06:20	-15:21	-14:24	-02:40
21.	10:56	13:56	07:21	-01:22	-03:17	01:40	06:13	03:28	-06:42	-15:31	-14:09	-02:11
22.	11:14	13:49	07:03	-01:33	-03:12	01:52	06:17	03:14	-07:05	-15:41	-13:53	-01:42
23.	11:31	13:42	06:44	-01:44	-03:07	02:05	06:19	02:59	-07:27	-15:49	-13:37	-01:13
24.	11:47	13:34	06:25	-01:55	-03:02	02:17	06:22	02:43	-07:49	-15:57	-13:20	-00:44
25.	12:02	13:25	06:06	-02:05	-02:56	02:29	06:23	02:27	-08:10	-16:04	-13:02	-00:15
26.	12:17	13:16	05:47	-02:15	-02:49	02:41	06:24	02:11	-08:32	-16:11	-12:43	00:13
27.	12:31	13:05	05:28	-02:24	-02:43	02:53	06:25	01:54	-08:54	-16:16	-12:24	00:41
28.	12:44	12:55	05:09	-02:33	-02:35	03:04	06:25	01:37	-09:15	-16:21	-12:04	01:10
29.	12:56		04:50	-02:41	-02:28	03:16	06:24	01:19	-09:36	-16:32	-11:43	01:39
30.	13:07		04:31	-02:48	-02:20	03:27	06:23	01:01	-09:57	-16:29	-11:22	02:07
31.	13:18		04:12		-02:11		06:21	00:42		-16:31		02:35

अप्रैल मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
1	6:52:37	8:24:39	10:19:06	12:36:00	14:55:37	17:13:23	19:32:02	21:52:22	0:08:38	2:15:23	3:56:47	5:25:04
2	6:48:41	8:20:42	10:15:09	12:32:04	14:51:41	17:09:27	19:28:06	21:48:25	0:04:41	2:11:27	3:52:50	5:21:08
3	6:44:44	8:16:45	10:11:12	12:28:07	14:47:44	17:05:30	19:24:09	21:44:28	0:00:45	2:07:30	3:48:54	5:17:11
4	6:40:47	8:12:48	10:07:15	12:24:10	14:43:47	17:01:33	19:20:12	21:40:31	23:56:48	2:03:33	3:44:57	5:13:14
5	6:36:50	8:08:52	10:03:19	12:20:13	14:39:50	16:57:36	19:16:15	21:36:35	23:52:51	1:59:37	3:41:00	5:09:18
6	6:32:54	8:04:55	9:59:22	12:16:17	14:35:54	16:53:40	19:12:19	21:32:38	23:48:55	1:55:40	3:37:04	5:05:21
7	6:28:57	8:00:58	9:55:25	12:12:20	14:31:57	16:49:43	19:08:22	21:28:41	23:44:58	1:51:43	3:33:07	5:01:24
8	6:25:00	7:57:02	9:51:29	12:08:23	14:28:00	16:45:46	19:04:25	21:24:45	23:41:01	1:47:47	3:29:10	4:57:27
9	6:21:04	7:53:05	9:47:32	12:04:27	14:24:04	16:41:50	19:00:29	21:20:48	23:37:05	1:43:50	3:25:13	4:53:31
10	6:17:07	7:49:08	9:43:35	12:00:30	14:20:07	16:37:53	18:56:32	21:16:51	23:33:08	1:39:53	3:21:17	4:49:34
11	6:13:10	7:45:11	9:39:38	11:56:33	14:16:10	16:33:56	18:52:35	21:12:54	23:29:11	1:35:56	3:17:20	4:45:37
12	6:09:13	7:41:15	9:35:42	11:52:36	14:12:13	16:29:59	18:48:38	21:08:58	23:25:14	1:32:00	3:13:23	4:41:41
13	6:05:17	7:37:18	9:31:45	11:48:40	14:08:17	16:26:03	18:44:42	21:05:01	23:21:18	1:28:03	3:09:27	4:37:44
14	6:01:20	7:33:21	9:27:48	11:44:43	14:04:20	16:22:06	18:40:45	21:01:04	23:17:21	1:24:06	3:05:30	4:33:47
15	5:57:23	7:29:25	9:23:52	11:40:46	14:00:23	16:18:09	18:36:48	20:57:08	23:13:24	1:20:10	3:01:33	4:29:50
16	5:53:27	7:25:28	9:19:55	11:36:50	13:56:27	16:14:13	18:32:52	20:53:11	23:09:28	1:16:13	2:57:36	4:25:54
17	5:49:30	7:21:31	9:15:58	11:32:53	13:52:30	16:10:16	18:28:55	20:49:14	23:05:31	1:12:16	2:53:40	4:21:57
18	5:45:33	7:17:34	9:12:01	11:28:56	13:48:33	16:06:19	18:24:58	20:45:18	23:01:34	1:08:19	2:49:43	4:18:00
19	5:41:36	7:13:38	9:08:05	11:24:59	13:44:36	16:02:23	18:21:02	20:41:21	22:57:37	1:04:23	2:45:46	4:14:04
20	5:37:40	7:09:41	9:04:08	11:21:03	13:40:40	15:58:26	18:17:05	20:37:24	22:53:41	1:00:26	2:41:50	4:10:07
21	5:33:43	7:05:44	9:00:11	11:17:06	13:36:43	15:54:29	18:13:08	20:33:27	22:49:44	0:56:29	2:37:53	4:06:10
22	5:29:46	7:01:48	8:56:15	11:13:09	13:32:46	15:50:32	18:09:11	20:29:31	22:45:47	0:52:33	2:33:56	4:02:13
23	5:25:50	6:57:51	8:52:18	11:09:13	13:28:50	15:46:36	18:05:15	20:25:34	22:41:51	0:48:36	2:29:59	3:58:17
24	5:21:53	6:53:54	8:48:21	11:05:16	13:24:53	15:42:39	18:01:18	20:21:37	22:37:54	0:44:39	2:26:03	3:54:20
25	5:17:56	6:49:57	8:44:24	11:01:19	13:20:56	15:38:42	17:57:21	20:17:41	22:33:57	0:40:42	2:22:06	3:50:23
26	5:13:59	6:46:01	8:40:28	10:57:23	13:17:00	15:34:46	17:53:25	20:13:44	22:30:00	0:36:46	2:18:09	3:46:27
27	5:10:03	6:42:04	8:36:31	10:53:26	13:13:03	15:30:49	17:49:28	20:09:47	22:26:04	0:32:49	2:14:13	3:42:30
28	5:06:06	6:38:07	8:32:34	10:49:29	13:09:06	15:26:52	17:45:31	20:05:50	22:22:07	0:28:52	2:10:16	3:38:33
29	5:02:09	6:34:11	8:28:38	10:45:32	13:05:09	15:22:55	17:41:34	20:01:54	22:18:10	0:24:56	2:06:19	3:34:36
30	4:58:13	6:30:14	8:24:41	10:41:36	13:01:13	15:18:59	17:37:38	19:57:57	22:14:14	0:20:59	2:02:22	3:30:40

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

मई मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
1	4:54:16	6:26:17	8:20:44	10:37:39	12:57:16	15:15:02	17:33:41	19:54:00	22:10:17	0:17:02	1:58:26	3:26:43
2	4:50:19	6:22:21	8:16:48	10:33:42	12:53:19	15:11:05	17:29:44	19:50:04	22:06:20	0:13:05	1:54:29	3:22:46
3	4:46:23	6:18:24	8:12:51	10:29:46	12:49:23	15:07:09	17:25:48	19:46:07	22:02:23	0:09:09	1:50:32	3:18:50
4	4:42:26	6:14:27	8:08:54	10:25:49	12:45:26	15:03:12	17:21:51	19:42:10	21:58:27	0:05:12	1:46:36	3:14:53
5	4:38:29	6:10:30	8:04:57	10:21:52	12:41:29	14:59:15	17:17:54	19:38:13	21:54:30	0:01:15	1:42:39	3:10:56
6	4:34:32	6:06:34	8:01:01	10:17:55	12:37:32	14:55:18	17:13:57	19:34:17	21:50:33	23:57:19	1:38:42	3:07:00
7	4:30:36	6:02:37	7:57:04	10:13:59	12:33:36	14:51:22	17:10:01	19:30:20	21:46:37	23:53:22	1:34:46	3:03:03
8	4:26:39	5:58:40	7:53:07	10:10:02	12:29:39	14:47:25	17:06:04	19:26:23	21:42:40	23:49:25	1:30:49	2:59:06
9	4:22:42	5:54:44	7:49:11	10:06:05	12:25:42	14:43:28	17:02:07	19:22:27	21:38:43	23:45:29	1:26:52	2:55:09
10	4:18:46	5:50:47	7:45:14	10:02:09	12:21:46	14:39:32	16:58:11	19:18:30	21:34:46	23:41:32	1:22:55	2:51:13
11	4:14:49	5:46:50	7:41:17	9:58:12	12:17:49	14:35:35	16:54:14	19:14:33	21:30:50	23:37:35	1:18:59	2:47:16
12	4:10:52	5:42:53	7:37:20	9:54:15	12:13:52	14:31:38	16:50:17	19:10:36	21:26:53	23:33:38	1:15:02	2:43:19
13	4:06:55	5:38:57	7:33:24	9:50:18	12:09:55	14:27:41	16:46:20	19:06:40	21:22:56	23:29:42	1:11:05	2:39:23
14	4:02:59	5:35:00	7:29:27	9:46:22	12:05:59	14:23:45	16:42:24	19:02:43	21:19:00	23:25:45	1:07:09	2:35:26
15	3:59:02	5:31:03	7:25:30	9:42:25	12:02:02	14:19:48	16:38:27	18:58:46	21:15:03	23:21:48	1:03:12	2:31:29
16	3:55:05	5:27:07	7:21:34	9:38:28	11:58:05	14:15:51	16:34:30	18:54:50	21:11:06	23:17:52	0:59:15	2:27:32
17	3:51:09	5:23:10	7:17:37	9:34:32	11:54:09	14:11:55	16:30:34	18:50:53	21:07:10	23:13:55	0:55:18	2:23:36
18	3:47:12	5:19:13	7:13:40	9:30:35	11:50:12	14:07:58	16:26:37	18:46:56	21:03:13	23:09:58	0:51:22	2:19:39
19	3:43:15	5:15:16	7:09:43	9:26:38	11:46:15	14:04:01	16:22:40	18:43:00	20:59:16	23:06:01	0:47:25	2:15:42
20	3:39:18	5:11:20	7:05:47	9:22:41	11:42:18	14:00:04	16:18:44	18:39:03	20:55:19	23:02:05	0:43:28	2:11:46
21	3:35:22	5:07:23	7:01:50	9:18:45	11:38:22	13:56:08	16:14:47	18:35:06	20:51:23	22:58:08	0:39:32	2:07:49
22	3:31:25	5:03:26	6:57:53	9:14:48	11:34:25	13:52:11	16:10:50	18:31:09	20:47:26	22:54:11	0:35:35	2:03:52
23	3:27:28	4:59:30	6:53:57	9:10:51	11:30:28	13:48:14	16:06:53	18:27:13	20:43:29	22:50:15	0:31:38	1:59:55
24	3:23:32	4:55:33	6:50:00	9:06:55	11:26:32	13:44:18	16:02:57	18:23:16	20:39:33	22:46:18	0:27:41	1:55:59
25	3:19:35	4:51:36	6:46:03	9:02:58	11:22:35	13:40:21	15:59:00	18:19:19	20:35:36	22:42:21	0:23:45	1:52:02
26	3:15:38	4:47:39	6:42:06	8:59:01	11:18:38	13:36:24	15:55:03	18:15:23	20:31:39	22:38:24	0:19:48	1:48:05
27	3:11:41	4:43:43	6:38:10	8:55:04	11:14:42	13:32:28	15:51:07	18:11:26	20:27:42	22:34:28	0:15:51	1:44:09
28	3:07:45	4:39:46	6:34:13	8:51:08	11:10:45	13:28:31	15:47:10	18:07:29	20:23:46	22:30:31	0:11:55	1:40:12
29	3:03:48	4:35:49	6:30:16	8:47:11	11:06:48	13:24:34	15:43:13	18:03:32	20:19:49	22:26:34	0:07:58	1:36:15
30	2:59:51	4:31:53	6:26:20	8:43:14	11:02:51	13:20:37	15:39:16	17:59:36	20:15:52	22:22:38	0:04:01	1:32:18
31	2:55:55	4:27:56	6:22:23	8:39:18	10:58:55	13:16:41	15:35:20	17:55:39	20:11:56	22:18:41	0:00:04	1:28:22

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

जून मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
1	2:51:58	4:23:59	6:18:26	8:35:21	10:54:58	13:12:44	15:31:23	17:51:42	20:07:59	22:14:44	23:56:08	1:24:25
2	2:48:01	4:20:03	6:14:30	8:31:24	10:51:01	13:08:47	15:27:26	17:47:46	20:04:02	22:10:47	23:52:11	1:20:28
3	2:44:05	4:16:06	6:10:33	8:27:28	10:47:05	13:04:51	15:23:30	17:43:49	20:00:05	22:06:51	23:48:14	1:16:32
4	2:40:08	4:12:09	6:06:36	8:23:31	10:43:08	13:00:54	15:19:33	17:39:52	19:56:09	22:02:54	23:44:18	1:12:35
5	2:36:11	4:08:12	6:02:39	8:19:34	10:39:11	12:56:57	15:15:36	17:35:55	19:52:12	21:58:57	23:40:21	1:08:38
6	2:32:14	4:04:16	5:58:43	8:15:37	10:35:14	12:53:00	15:11:39	17:31:59	19:48:15	21:55:01	23:36:24	1:04:42
7	2:28:18	4:00:19	5:54:46	8:11:41	10:31:18	12:49:04	15:07:43	17:28:02	19:44:19	21:51:04	23:32:28	1:00:45
8	2:24:21	3:56:22	5:50:49	8:07:44	10:27:21	12:45:07	15:03:46	17:24:05	19:40:22	21:47:07	23:28:31	0:56:48
9	2:20:24	3:52:26	5:46:53	8:03:47	10:23:24	12:41:10	14:59:49	17:20:09	19:36:25	21:43:10	23:24:34	0:52:51
10	2:16:28	3:48:29	5:42:56	7:59:51	10:19:28	12:37:14	14:55:53	17:16:12	19:32:28	21:39:14	23:20:37	0:48:55
11	2:12:31	3:44:32	5:38:59	7:55:54	10:15:31	12:33:17	14:51:56	17:12:15	19:28:32	21:35:17	23:16:41	0:44:58
12	2:08:34	3:40:35	5:35:02	7:51:57	10:11:34	12:29:20	14:47:59	17:08:18	19:24:35	21:31:20	23:12:44	0:41:01
13	2:04:37	3:36:39	5:31:06	7:48:00	10:07:37	12:25:23	14:44:02	17:04:22	19:20:38	21:27:24	23:08:47	0:37:05
14	2:00:41	3:32:42	5:27:09	7:44:04	10:03:41	12:21:27	14:40:06	17:00:25	19:16:42	21:23:27	23:04:51	0:33:08
15	1:56:44	3:28:45	5:23:12	7:40:07	9:59:44	12:17:30	14:36:09	16:56:28	19:12:45	21:19:30	23:00:54	0:29:11
16	1:52:47	3:24:49	5:19:16	7:36:10	9:55:47	12:13:33	14:32:12	16:52:32	19:08:48	21:15:34	22:56:57	0:25:14
17	1:48:51	3:20:52	5:15:19	7:32:14	9:51:51	12:09:37	14:28:16	16:48:35	19:04:52	21:11:37	22:53:00	0:21:18
18	1:44:54	3:16:55	5:11:22	7:28:17	9:47:54	12:05:40	14:24:19	16:44:38	19:00:55	21:07:40	22:49:04	0:17:21
19	1:40:57	3:12:58	5:07:25	7:24:20	9:43:57	12:01:43	14:20:22	16:40:42	18:56:58	21:03:43	22:45:07	0:13:24
20	1:37:00	3:09:02	5:03:29	7:20:23	9:40:00	11:57:46	14:16:25	16:36:45	18:53:01	20:59:47	22:41:10	0:09:28
21	1:33:04	3:05:05	4:59:32	7:16:27	9:36:04	11:53:50	14:12:29	16:32:48	18:49:05	20:55:50	22:37:14	0:05:31
22	1:29:07	3:01:08	4:55:35	7:12:30	9:32:07	11:49:53	14:08:32	16:28:51	18:45:08	20:51:53	22:33:17	0:01:34
23	1:25:10	2:57:12	4:51:39	7:08:33	9:28:10	11:45:56	14:04:35	16:24:55	18:41:11	20:47:57	22:29:20	23:57:37
24	1:21:14	2:53:15	4:47:42	7:04:37	9:24:14	11:42:00	14:00:39	16:20:58	18:37:15	20:44:00	22:25:23	23:53:41
25	1:17:17	2:49:18	4:43:45	7:00:40	9:20:17	11:38:03	13:56:42	16:17:01	18:33:18	20:40:03	22:21:27	23:49:44
26	1:13:20	2:45:21	4:39:48	6:56:43	9:16:20	11:34:06	13:52:45	16:13:05	18:29:21	20:36:06	22:17:30	23:45:47
27	1:09:23	2:41:25	4:35:52	6:52:46	9:12:23	11:30:10	13:48:49	16:09:08	18:25:24	20:32:10	22:13:33	23:41:51
28	1:05:27	2:37:28	4:31:55	6:48:50	9:08:27	11:26:13	13:44:52	16:05:11	18:21:28	20:28:13	22:09:37	23:37:54
29	1:01:30	2:33:31	4:27:58	6:44:53	9:04:30	11:22:16	13:40:55	16:01:14	18:17:31	20:24:16	22:05:40	23:33:57
30	0:57:33	2:29:35	4:24:02	6:40:56	9:00:33	11:18:19	13:36:58	15:57:18	18:13:34	20:20:20	22:01:43	23:30:00

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

जुलाई मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
1	0:53:37	2:25:38	4:20:05	6:37:00	8:56:37	11:14:23	13:33:02	15:53:21	18:09:38	20:16:23	21:57:46	23:26:04
2	0:49:40	2:21:41	4:16:08	6:33:03	8:52:40	11:10:26	13:29:05	15:49:24	18:05:41	20:12:26	21:53:50	23:22:07
3	0:45:43	2:17:45	4:12:12	6:29:06	8:48:43	11:06:29	13:25:08	15:45:28	18:01:44	20:08:29	21:49:53	23:18:10
4	0:41:46	2:13:48	4:08:15	6:25:10	8:44:47	11:02:33	13:21:12	15:41:31	17:57:47	20:04:33	21:45:56	23:14:14
5	0:37:50	2:09:51	4:04:18	6:21:13	8:40:50	10:58:36	13:17:15	15:37:34	17:53:51	20:00:36	21:42:00	23:10:17
6	0:33:53	2:05:54	4:00:21	6:17:16	8:36:53	10:54:39	13:13:18	15:33:37	17:49:54	19:56:39	21:38:03	23:06:20
7	0:29:56	2:01:58	3:56:25	6:13:19	8:32:56	10:50:42	13:09:21	15:29:41	17:45:57	19:52:43	21:34:06	23:02:24
8	0:26:00	1:58:01	3:52:28	6:09:23	8:29:00	10:46:46	13:05:25	15:25:44	17:42:01	19:48:46	21:30:09	22:58:27
9	0:22:03	1:54:04	3:48:31	6:05:26	8:25:03	10:42:49	13:01:28	15:21:47	17:38:04	19:44:49	21:26:13	22:54:30
10	0:18:06	1:50:08	3:44:35	6:01:29	8:21:06	10:38:52	12:57:31	15:17:51	17:34:07	19:40:52	21:22:16	22:50:33
11	0:14:10	1:46:11	3:40:38	5:57:33	8:17:10	10:34:56	12:53:35	15:13:54	17:30:10	19:36:56	21:18:19	22:46:37
12	0:10:13	1:42:14	3:36:41	5:53:36	8:13:13	10:30:59	12:49:38	15:09:57	17:26:14	19:32:59	21:14:23	22:42:40
13	0:06:16	1:38:17	3:32:44	5:49:39	8:09:16	10:27:02	12:45:41	15:06:00	17:22:17	19:29:02	21:10:26	22:38:43
14	0:02:19	1:34:21	3:28:48	5:45:42	8:05:19	10:23:05	12:41:44	15:02:04	17:18:20	19:25:06	21:06:29	22:34:47
15	23:58:23	1:30:24	3:24:51	5:41:46	8:01:23	10:19:09	12:37:48	14:58:07	17:14:24	19:21:09	21:02:33	22:30:50
16	23:54:26	1:26:27	3:20:54	5:37:49	7:57:26	10:15:12	12:33:51	14:54:10	17:10:27	19:17:12	20:58:36	22:26:53
17	23:50:29	1:22:31	3:16:58	5:33:52	7:53:29	10:11:15	12:29:54	14:50:14	17:06:30	19:13:16	20:54:39	22:22:56
18	23:46:33	1:18:34	3:13:01	5:29:56	7:49:33	10:07:19	12:25:58	14:46:17	17:02:34	19:09:19	20:50:42	22:19:00
19	23:42:36	1:14:37	3:09:04	5:25:59	7:45:36	10:03:22	12:22:01	14:42:20	16:58:37	19:05:22	20:46:46	22:15:03
20	23:38:39	1:10:40	3:05:07	5:22:02	7:41:39	9:59:25	12:18:04	14:38:23	16:54:40	19:01:25	20:42:49	22:11:06
21	23:34:42	1:06:44	3:01:11	5:18:05	7:37:42	9:55:28	12:14:07	14:34:27	16:50:43	18:57:29	20:38:52	22:07:10
22	23:30:46	1:02:47	2:57:14	5:14:09	7:33:46	9:51:32	12:10:11	14:30:30	16:46:47	18:53:32	20:34:56	22:03:13
23	23:26:49	0:58:50	2:53:17	5:10:12	7:29:49	9:47:35	12:06:14	14:26:33	16:42:50	18:49:35	20:30:59	21:59:16
24	23:22:52	0:54:54	2:49:21	5:06:15	7:25:52	9:43:38	12:02:17	14:22:37	16:38:53	18:45:39	20:27:02	21:55:19
25	23:18:56	0:50:57	2:45:24	5:02:19	7:21:56	9:39:42	11:58:21	14:18:40	16:34:57	18:41:42	20:23:05	21:51:23
26	23:14:59	0:47:00	2:41:27	4:58:22	7:17:59	9:35:45	11:54:24	14:14:43	16:31:00	18:37:45	20:19:09	21:47:26
27	23:11:02	0:43:03	2:37:30	4:54:25	7:14:02	9:31:48	11:50:27	14:10:47	16:27:03	18:33:48	20:15:12	21:43:29
28	23:07:05	0:39:07	2:33:34	4:50:28	7:10:05	9:27:51	11:46:31	14:06:50	16:23:06	18:29:52	20:11:15	21:39:33
29	23:03:09	0:35:10	2:29:37	4:46:32	7:06:09	9:23:55	11:42:34	14:02:53	16:19:10	18:25:55	20:07:19	21:35:36
30	22:59:12	0:31:13	2:25:40	4:42:35	7:02:12	9:19:58	11:38:37	13:58:56	16:15:13	18:21:58	20:03:22	21:31:39
31	22:55:15	0:27:17	2:21:44	4:38:38	6:58:15	9:16:01	11:34:40	13:55:00	16:11:16	18:18:02	19:59:25	21:27:42

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

अगस्त मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
1	22:51:19	0:23:20	2:17:47	4:34:42	6:54:19	9:12:05	11:30:44	13:51:03	16:07:20	18:14:05	19:55:28	21:23:46
2	22:47:22	0:19:23	2:13:50	4:30:45	6:50:22	9:08:08	11:26:47	13:47:06	16:03:23	18:10:08	19:51:32	21:19:49
3	22:43:25	0:15:26	2:09:54	4:26:48	6:46:25	9:04:11	11:22:50	13:43:10	15:59:26	18:06:11	19:47:35	21:15:52
4	22:39:28	0:11:30	2:05:57	4:22:52	6:42:29	9:00:15	11:18:54	13:39:13	15:55:29	18:02:15	19:43:38	21:11:56
5	22:35:32	0:07:33	2:02:00	4:18:55	6:38:32	8:56:18	11:14:57	13:35:16	15:51:33	17:58:18	19:39:42	21:07:59
6	22:31:35	0:03:36	1:58:03	4:14:58	6:34:35	8:52:21	11:11:00	13:31:19	15:47:36	17:54:21	19:35:45	21:04:02
7	22:27:38	23:59:40	1:54:07	4:11:01	6:30:38	8:48:24	11:07:03	13:27:23	15:43:39	17:50:25	19:31:48	21:00:05
8	22:23:42	23:55:43	1:50:10	4:07:05	6:26:42	8:44:28	11:03:07	13:23:26	15:39:43	17:46:28	19:27:51	20:56:09
9	22:19:45	23:51:46	1:46:13	4:03:08	6:22:45	8:40:31	10:59:10	13:19:29	15:35:46	17:42:31	19:23:55	20:52:12
10	22:15:48	23:47:50	1:42:17	3:59:11	6:18:48	8:36:34	10:55:13	13:15:33	15:31:49	17:38:34	19:19:58	20:48:15
11	22:11:52	23:43:53	1:38:20	3:55:15	6:14:52	8:32:38	10:51:17	13:11:36	15:27:52	17:34:38	19:16:01	20:44:19
12	22:07:55	23:39:56	1:34:23	3:51:18	6:10:55	8:28:41	10:47:20	13:07:39	15:23:56	17:30:41	19:12:05	20:40:22
13	22:03:58	23:35:59	1:30:26	3:47:21	6:06:58	8:24:44	10:43:23	13:03:42	15:19:59	17:26:44	19:08:08	20:36:25
14	22:00:01	23:32:03	1:26:30	3:43:24	6:03:01	8:20:47	10:39:26	12:59:46	15:16:02	17:22:48	19:04:11	20:32:29
15	21:56:05	23:28:06	1:22:33	3:39:28	5:59:05	8:16:51	10:35:30	12:55:49	15:12:06	17:18:51	19:00:15	20:28:32
16	21:52:08	23:24:09	1:18:36	3:35:31	5:55:08	8:12:54	10:31:33	12:51:52	15:08:09	17:14:54	18:56:18	20:24:35
17	21:48:11	23:20:13	1:14:40	3:31:34	5:51:11	8:08:57	10:27:36	12:47:56	15:04:12	17:10:58	18:52:21	20:20:38
18	21:44:15	23:16:16	1:10:43	3:27:38	5:47:15	8:05:01	10:23:40	12:43:59	15:00:15	17:07:01	18:48:24	20:16:42
19	21:40:18	23:12:19	1:06:46	3:23:41	5:43:18	8:01:04	10:19:43	12:40:02	14:56:19	17:03:04	18:44:28	20:12:45
20	21:36:21	23:08:22	1:02:49	3:19:44	5:39:21	7:57:07	10:15:46	12:36:05	14:52:22	16:59:07	18:40:31	20:08:48
21	21:32:24	23:04:26	0:58:53	3:15:47	5:35:24	7:53:10	10:11:49	12:32:09	14:48:25	16:55:11	18:36:34	20:04:52
22	21:28:28	23:00:29	0:54:56	3:11:51	5:31:28	7:49:14	10:07:53	12:28:12	14:44:29	16:51:14	18:32:38	20:00:55
23	21:24:31	22:56:32	0:50:59	3:07:54	5:27:31	7:45:17	10:03:56	12:24:15	14:40:32	16:47:17	18:28:41	19:56:58
24	21:20:34	22:52:36	0:47:03	3:03:57	5:23:34	7:41:20	9:59:59	12:20:19	14:36:35	16:43:21	18:24:44	19:53:01
25	21:16:38	22:48:39	0:43:06	3:00:01	5:19:38	7:37:24	9:56:03	12:16:22	14:32:39	16:39:24	18:20:47	19:49:05
26	21:12:41	22:44:42	0:39:09	2:56:04	5:15:41	7:33:27	9:52:06	12:12:25	14:28:42	16:35:27	18:16:51	19:45:08
27	21:08:44	22:40:45	0:35:12	2:52:07	5:11:44	7:29:30	9:48:09	12:08:29	14:24:45	16:31:30	18:12:54	19:41:11
28	21:04:47	22:36:49	0:31:16	2:48:10	5:07:47	7:25:33	9:44:12	12:04:32	14:20:48	16:27:34	18:08:57	19:37:15
29	21:00:51	22:32:52	0:27:19	2:44:14	5:03:51	7:21:37	9:40:16	12:00:35	14:16:52	16:23:37	18:05:01	19:33:18
30	20:56:54	22:28:55	0:23:22	2:40:17	4:59:54	7:17:40	9:36:19	11:56:38	14:12:55	16:19:40	18:01:04	19:29:21
31	20:52:57	22:24:59	0:19:26	2:36:20	4:55:57	7:13:43	9:32:22	11:52:42	14:08:58	16:15:44	17:57:07	19:25:24

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

सितम्बर मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
1	20:49:01	22:21:02	0:15:29	2:32:24	4:52:01	7:09:47	9:28:26	11:48:45	14:05:02	16:11:47	17:53:10	19:21:28
2	20:45:04	22:17:05	0:11:32	2:28:27	4:48:04	7:05:50	9:24:29	11:44:48	14:01:05	16:07:50	17:49:14	19:17:31
3	20:41:07	22:13:08	0:07:35	2:24:30	4:44:07	7:01:53	9:20:32	11:40:52	13:57:08	16:03:53	17:45:17	19:13:34
4	20:37:10	22:09:12	0:03:39	2:20:34	4:40:11	6:57:57	9:16:36	11:36:55	13:53:11	15:59:57	17:41:20	19:09:38
5	20:33:14	22:05:15	23:59:42	2:16:37	4:36:14	6:54:00	9:12:39	11:32:58	13:49:15	15:56:00	17:37:24	19:05:41
6	20:29:17	22:01:18	23:55:45	2:12:40	4:32:17	6:50:03	9:08:42	11:29:01	13:45:18	15:52:03	17:33:27	19:01:44
7	20:25:20	21:57:22	23:51:49	2:08:43	4:28:20	6:46:06	9:04:45	11:25:05	13:41:21	15:48:07	17:29:30	18:57:47
8	20:21:24	21:53:25	23:47:52	2:04:47	4:24:24	6:42:10	9:00:49	11:21:08	13:37:25	15:44:10	17:25:33	18:53:51
9	20:17:27	21:49:28	23:43:55	2:00:50	4:20:27	6:38:13	8:56:52	11:17:11	13:33:28	15:40:13	17:21:37	18:49:54
10	20:13:30	21:45:32	23:39:59	1:56:53	4:16:30	6:34:16	8:52:55	11:13:15	13:29:31	15:36:16	17:17:40	18:45:57
11	20:09:34	21:41:35	23:36:02	1:52:57	4:12:34	6:30:20	8:48:59	11:09:18	13:25:34	15:32:20	17:13:43	18:42:01
12	20:05:37	21:37:38	23:32:05	1:49:00	4:08:37	6:26:23	8:45:02	11:05:21	13:21:38	15:28:23	17:09:47	18:38:04
13	20:01:40	21:33:41	23:28:08	1:45:03	4:04:40	6:22:26	8:41:05	11:01:24	13:17:41	15:24:26	17:05:50	18:34:07
14	19:57:43	21:29:45	23:24:12	1:41:06	4:00:43	6:18:29	8:37:08	10:57:28	13:13:44	15:20:30	17:01:53	18:30:11
15	19:53:47	21:25:48	23:20:15	1:37:10	3:56:47	6:14:33	8:33:12	10:53:31	13:09:48	15:16:33	16:57:57	18:26:14
16	19:49:50	21:21:51	23:16:18	1:33:13	3:52:50	6:10:36	8:29:15	10:49:34	13:05:51	15:12:36	16:54:00	18:22:17
17	19:45:53	21:17:55	23:12:22	1:29:16	3:48:53	6:06:39	8:25:18	10:45:38	13:01:54	15:08:39	16:50:03	18:18:20
18	19:41:57	21:13:58	23:08:25	1:25:20	3:44:57	6:02:43	8:21:22	10:41:41	12:57:57	15:04:43	16:46:06	18:14:24
19	19:38:00	21:10:01	23:04:28	1:21:23	3:41:00	5:58:46	8:17:25	10:37:44	12:54:01	15:00:46	16:42:10	18:10:27
20	19:34:03	21:06:04	23:00:31	1:17:26	3:37:03	5:54:49	8:13:28	10:33:47	12:50:04	14:56:49	16:38:13	18:06:30
21	19:30:06	21:02:08	22:56:35	1:13:29	3:33:06	5:50:52	8:09:31	10:29:51	12:46:07	14:52:53	16:34:16	18:02:34
22	19:26:10	20:58:11	22:52:38	1:09:33	3:29:10	5:46:56	8:05:35	10:25:54	12:42:11	14:48:56	16:30:20	17:58:37
23	19:22:13	20:54:14	22:48:41	1:05:36	3:25:13	5:42:59	8:01:38	10:21:57	12:38:14	14:44:59	16:26:23	17:54:40
24	19:18:16	20:50:18	22:44:45	1:01:39	3:21:16	5:39:02	7:57:41	10:18:01	12:34:17	14:41:03	16:22:26	17:50:43
25	19:14:20	20:46:21	22:40:48	0:57:43	3:17:20	5:35:06	7:53:45	10:14:04	12:30:21	14:37:06	16:18:29	17:46:47
26	19:10:23	20:42:24	22:36:51	0:53:46	3:13:23	5:31:09	7:49:48	10:10:07	12:26:24	14:33:09	16:14:33	17:42:50
27	19:06:26	20:38:27	22:32:54	0:49:49	3:09:26	5:27:12	7:45:51	10:06:10	12:22:27	14:29:12	16:10:36	17:38:53
28	19:02:29	20:34:31	22:28:58	0:45:52	3:05:29	5:23:15	7:41:54	10:02:14	12:18:30	14:25:16	16:06:39	17:34:57
29	18:58:33	20:30:34	22:25:01	0:41:56	3:01:33	5:19:19	7:37:58	9:58:17	12:14:34	14:21:19	16:02:43	17:31:00
30	18:54:36	20:26:37	22:21:04	0:37:59	2:57:36	5:15:22	7:34:01	9:54:20	12:10:37	14:17:22	15:58:46	17:27:03

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

अक्टूबर मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
1	18:50:39	20:22:41	22:17:08	0:34:02	2:53:39	5:11:25	7:30:04	9:50:24	12:06:40	14:13:26	15:54:49	17:23:06
2	18:46:43	20:18:44	22:13:11	0:30:06	2:49:43	5:07:29	7:26:08	9:46:27	12:02:44	14:09:29	15:50:52	17:19:10
3	18:42:46	20:14:47	22:09:14	0:26:09	2:45:46	5:03:32	7:22:11	9:42:30	11:58:47	14:05:32	15:46:56	17:15:13
4	18:38:49	20:10:50	22:05:17	0:22:12	2:41:49	4:59:35	7:18:14	9:38:34	11:54:50	14:01:35	15:42:59	17:11:16
5	18:34:52	20:06:54	22:01:21	0:18:15	2:37:53	4:55:39	7:14:18	9:34:37	11:50:53	13:57:39	15:39:02	17:07:20
6	18:30:56	20:02:57	21:57:24	0:14:19	2:33:56	4:51:42	7:10:21	9:30:40	11:46:57	13:53:42	15:35:06	17:03:23
7	18:26:59	19:59:00	21:53:27	0:10:22	2:29:59	4:47:45	7:06:24	9:26:43	11:43:00	13:49:45	15:31:09	16:59:26
8	18:23:02	19:55:04	21:49:31	0:06:25	2:26:02	4:43:48	7:02:27	9:22:47	11:39:03	13:45:49	15:27:12	16:55:29
9	18:19:06	19:51:07	21:45:34	0:02:29	2:22:06	4:39:52	6:58:31	9:18:50	11:35:07	13:41:52	15:23:15	16:51:33
10	18:15:09	19:47:10	21:41:37	23:58:32	2:18:09	4:35:55	6:54:34	9:14:53	11:31:10	13:37:55	15:19:19	16:47:36
11	18:11:12	19:43:14	21:37:41	23:54:35	2:14:12	4:31:58	6:50:37	9:10:57	11:27:13	13:33:58	15:15:22	16:43:39
12	18:07:15	19:39:17	21:33:44	23:50:39	2:10:16	4:28:02	6:46:41	9:07:00	11:23:16	13:30:02	15:11:25	16:39:43
13	18:03:19	19:35:20	21:29:47	23:46:42	2:06:19	4:24:05	6:42:44	9:03:03	11:19:20	13:26:05	15:07:29	16:35:46
14	17:59:22	19:31:23	21:25:50	23:42:45	2:02:22	4:20:08	6:38:47	8:59:06	11:15:23	13:22:08	15:03:32	16:31:49
15	17:55:25	19:27:27	21:21:54	23:38:48	1:58:25	4:16:11	6:34:50	8:55:10	11:11:26	13:18:12	14:59:35	16:27:53
16	17:51:29	19:23:30	21:17:57	23:34:52	1:54:29	4:12:15	6:30:54	8:51:13	11:07:30	13:14:15	14:55:38	16:23:56
17	17:47:32	19:19:33	21:14:00	23:30:55	1:50:32	4:08:18	6:26:57	8:47:16	11:03:33	13:10:18	14:51:42	16:19:59
18	17:43:35	19:15:37	21:10:04	23:26:58	1:46:35	4:04:21	6:23:00	8:43:20	10:59:36	13:06:21	14:47:45	16:16:02
19	17:39:39	19:11:40	21:06:07	23:23:02	1:42:39	4:00:25	6:19:04	8:39:23	10:55:39	13:02:25	14:43:48	16:12:06
20	17:35:42	19:07:43	21:02:10	23:19:05	1:38:42	3:56:28	6:15:07	8:35:26	10:51:43	12:58:28	14:39:52	16:08:09
21	17:31:45	19:03:46	20:58:13	23:15:08	1:34:45	3:52:31	6:11:10	8:31:29	10:47:46	12:54:31	14:35:55	16:04:12
22	17:27:48	18:59:50	20:54:17	23:11:11	1:30:48	3:48:34	6:07:13	8:27:33	10:43:49	12:50:35	14:31:58	16:00:16
23	17:23:52	18:55:53	20:50:20	23:07:15	1:26:52	3:44:38	6:03:17	8:23:36	10:39:53	12:46:38	14:28:02	15:56:19
24	17:19:55	18:51:56	20:46:23	23:03:18	1:22:55	3:40:41	5:59:20	8:19:39	10:35:56	12:42:41	14:24:05	15:52:22
25	17:15:58	18:48:00	20:42:27	22:59:21	1:18:58	3:36:44	5:55:23	8:15:43	10:31:59	12:38:45	14:20:08	15:48:25
26	17:12:02	18:44:03	20:38:30	22:55:25	1:15:02	3:32:48	5:51:27	8:11:46	10:28:02	12:34:48	14:16:11	15:44:29
27	17:08:05	18:40:06	20:34:33	22:51:28	1:11:05	3:28:51	5:47:30	8:07:49	10:24:06	12:30:51	14:12:15	15:40:32
28	17:04:08	18:36:09	20:30:36	22:47:31	1:07:08	3:24:54	5:43:33	8:03:52	10:20:09	12:26:54	14:08:18	15:36:35
29	17:00:11	18:32:13	20:26:40	22:43:34	1:03:11	3:20:57	5:39:36	7:59:56	10:16:12	12:22:58	14:04:21	15:32:39
30	16:56:15	18:28:16	20:22:43	22:39:38	0:59:15	3:17:01	5:35:40	7:55:59	10:12:16	12:19:01	14:00:25	15:28:42
31	16:52:18	18:24:19	20:18:46	22:35:41	0:55:18	3:13:04	5:31:43	7:52:02	10:08:19	12:15:04	13:56:28	15:24:45

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

नवम्बर मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
1	16:48:21	18:20:23	20:14:50	22:31:44	0:51:21	3:09:07	5:27:46	7:48:06	10:04:22	12:11:08	13:52:31	15:20:48
2	16:44:25	18:16:26	20:10:53	22:27:48	0:47:25	3:05:11	5:23:50	7:44:09	10:00:26	12:07:11	13:48:34	15:16:52
3	16:40:28	18:12:29	20:06:56	22:23:51	0:43:28	3:01:14	5:19:53	7:40:12	9:56:29	12:03:14	13:44:38	15:12:55
4	16:36:31	18:08:32	20:02:59	22:19:54	0:39:31	2:57:17	5:15:56	7:36:16	9:52:32	11:59:17	13:40:41	15:08:58
5	16:32:34	18:04:36	19:59:03	22:15:57	0:35:34	2:53:21	5:12:00	7:32:19	9:48:35	11:55:21	13:36:44	15:05:02
6	16:28:38	18:00:39	19:55:06	22:12:01	0:31:38	2:49:24	5:08:03	7:28:22	9:44:39	11:51:24	13:32:48	15:01:05
7	16:24:41	17:56:42	19:51:09	22:08:04	0:27:41	2:45:27	5:04:06	7:24:25	9:40:42	11:47:27	13:28:51	14:57:08
8	16:20:44	17:52:46	19:47:13	22:04:07	0:23:44	2:41:30	5:00:09	7:20:29	9:36:45	11:43:31	13:24:54	14:53:11
9	16:16:48	17:48:49	19:43:16	22:00:11	0:19:48	2:37:34	4:56:13	7:16:32	9:32:49	11:39:34	13:20:57	14:49:15
10	16:12:51	17:44:52	19:39:19	21:56:14	0:15:51	2:33:37	4:52:16	7:12:35	9:28:52	11:35:37	13:17:01	14:45:18
11	16:08:54	17:40:55	19:35:23	21:52:17	0:11:54	2:29:40	4:48:19	7:08:39	9:24:55	11:31:40	13:13:04	14:41:21
12	16:04:57	17:36:59	19:31:26	21:48:21	0:07:58	2:25:44	4:44:23	7:04:42	9:20:58	11:27:44	13:09:07	14:37:25
13	16:01:01	17:33:02	19:27:29	21:44:24	0:04:01	2:21:47	4:40:26	7:00:45	9:17:02	11:23:47	13:05:11	14:33:28
14	15:57:04	17:29:05	19:23:32	21:40:27	0:00:04	2:17:50	4:36:29	6:56:48	9:13:05	11:19:50	13:01:14	14:29:31
15	15:53:07	17:25:09	19:19:36	21:36:30	23:56:07	2:13:53	4:32:32	6:52:52	9:09:08	11:15:54	12:57:17	14:25:34
16	15:49:11	17:21:12	19:15:39	21:32:34	23:52:11	2:09:57	4:28:36	6:48:55	9:05:12	11:11:57	12:53:20	14:21:38
17	15:45:14	17:17:15	19:11:42	21:28:37	23:48:14	2:06:00	4:24:39	6:44:58	9:01:15	11:08:00	12:49:24	14:17:41
18	15:41:17	17:13:19	19:07:46	21:24:40	23:44:17	2:02:03	4:20:42	6:41:02	8:57:18	11:04:03	12:45:27	14:13:44
19	15:37:21	17:09:22	19:03:49	21:20:44	23:40:21	1:58:07	4:16:46	6:37:05	8:53:21	11:00:07	12:41:30	14:09:48
20	15:33:24	17:05:25	18:59:52	21:16:47	23:36:24	1:54:10	4:12:49	6:33:08	8:49:25	10:56:10	12:37:34	14:05:51
21	15:29:27	17:01:28	18:55:55	21:12:50	23:32:27	1:50:13	4:08:52	6:29:11	8:45:28	10:52:13	12:33:37	14:01:54
22	15:25:30	16:57:32	18:51:59	21:08:53	23:28:30	1:46:16	4:04:55	6:25:15	8:41:31	10:48:17	12:29:40	13:57:58
23	15:21:34	16:53:35	18:48:02	21:04:57	23:24:34	1:42:20	4:00:59	6:21:18	8:37:35	10:44:20	12:25:44	13:54:01
24	15:17:37	16:49:38	18:44:05	21:01:00	23:20:37	1:38:23	3:57:02	6:17:21	8:33:38	10:40:23	12:21:47	13:50:04
25	15:13:40	16:45:42	18:40:09	20:57:03	23:16:40	1:34:26	3:53:05	6:13:25	8:29:41	10:36:26	12:17:50	13:46:07
26	15:09:44	16:41:45	18:36:12	20:53:07	23:12:44	1:30:30	3:49:09	6:09:28	8:25:44	10:32:30	12:13:53	13:42:11
27	15:05:47	16:37:48	18:32:15	20:49:10	23:08:47	1:26:33	3:45:12	6:05:31	8:21:48	10:28:33	12:09:57	13:38:14
28	15:01:50	16:33:51	18:28:18	20:45:13	23:04:50	1:22:36	3:41:15	6:01:34	8:17:51	10:24:36	12:06:00	13:34:17
29	14:57:53	16:29:55	18:24:22	20:41:16	23:00:53	1:18:39	3:37:18	5:57:38	8:13:54	10:20:40	12:02:03	13:30:21
30	14:53:57	16:25:58	18:20:25	20:37:20	22:56:57	1:14:43	3:33:22	5:53:41	8:09:58	10:16:43	11:58:07	13:26:24

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

दिसम्बर मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
1	14:50:00	16:22:01	18:16:28	20:33:23	22:53:00	1:10:46	3:29:25	5:49:44	8:06:01	10:12:46	11:54:10	13:22:27
2	14:46:03	16:18:05	18:12:32	20:29:26	22:49:03	1:06:49	3:25:28	5:45:48	8:02:04	10:08:50	11:50:13	13:18:30
3	14:42:07	16:14:08	18:08:35	20:25:30	22:45:07	1:02:53	3:21:32	5:41:51	7:58:08	10:04:53	11:46:16	13:14:34
4	14:38:10	16:10:11	18:04:38	20:21:33	22:41:10	0:58:56	3:17:35	5:37:54	7:54:11	10:00:56	11:42:20	13:10:37
5	14:34:13	16:06:14	18:00:41	20:17:36	22:37:13	0:54:59	3:13:38	5:33:58	7:50:14	9:56:59	11:38:23	13:06:40
6	14:30:16	16:02:18	17:56:45	20:13:39	22:33:16	0:51:02	3:09:42	5:30:01	7:46:17	9:53:03	11:34:26	13:02:44
7	14:26:20	15:58:21	17:52:48	20:09:43	22:29:20	0:47:06	3:05:45	5:26:04	7:42:21	9:49:06	11:30:30	12:58:47
8	14:22:23	15:54:24	17:48:51	20:05:46	22:25:23	0:43:09	3:01:48	5:22:07	7:38:24	9:45:09	11:26:33	12:54:50
9	14:18:26	15:50:28	17:44:55	20:01:49	22:21:26	0:39:12	2:57:51	5:18:11	7:34:27	9:41:13	11:22:36	12:50:53
10	14:14:30	15:46:31	17:40:58	19:57:53	22:17:30	0:35:16	2:53:55	5:14:14	7:30:31	9:37:16	11:18:39	12:46:57
11	14:10:33	15:42:34	17:37:01	19:53:56	22:13:33	0:31:19	2:49:58	5:10:17	7:26:34	9:33:19	11:14:43	12:43:00
12	14:06:36	15:38:37	17:33:04	19:49:59	22:09:36	0:27:22	2:46:01	5:06:21	7:22:37	9:29:22	11:10:46	12:39:03
13	14:02:39	15:34:41	17:29:08	19:46:03	22:05:40	0:23:26	2:42:05	5:02:24	7:18:40	9:25:26	11:06:49	12:35:07
14	13:58:43	15:30:44	17:25:11	19:42:06	22:01:43	0:19:29	2:38:08	4:58:27	7:14:44	9:21:29	11:02:53	12:31:10
15	13:54:46	15:26:47	17:21:14	19:38:09	21:57:46	0:15:32	2:34:11	4:54:30	7:10:47	9:17:32	10:58:56	12:27:13
16	13:50:49	15:22:51	17:17:18	19:34:12	21:53:49	0:11:35	2:30:14	4:50:34	7:06:50	9:13:36	10:54:59	12:23:16
17	13:46:53	15:18:54	17:13:21	19:30:16	21:49:53	0:07:39	2:26:18	4:46:37	7:02:54	9:09:39	10:51:02	12:19:20
18	13:42:56	15:14:57	17:09:24	19:26:19	21:45:56	0:03:42	2:22:21	4:42:40	6:58:57	9:05:42	10:47:06	12:15:23
19	13:38:59	15:11:01	17:05:28	19:22:22	21:41:59	23:59:45	2:18:24	4:38:44	6:55:00	9:01:45	10:43:09	12:11:26
20	13:35:03	15:07:04	17:01:31	19:18:26	21:38:03	23:55:49	2:14:28	4:34:47	6:51:03	8:57:49	10:39:12	12:07:30
21	13:31:06	15:03:07	16:57:34	19:14:29	21:34:06	23:51:52	2:10:31	4:30:50	6:47:07	8:53:52	10:35:16	12:03:33
22	13:27:09	14:59:10	16:53:37	19:10:32	21:30:09	23:47:55	2:06:34	4:26:53	6:43:10	8:49:55	10:31:19	11:59:36
23	13:23:12	14:55:14	16:49:41	19:06:35	21:26:12	23:43:58	2:02:37	4:22:57	6:39:13	8:45:59	10:27:22	11:55:40
24	13:19:16	14:51:17	16:45:44	19:02:39	21:22:16	23:40:02	1:58:41	4:19:00	6:35:17	8:42:02	10:23:25	11:51:43
25	13:15:19	14:47:20	16:41:47	18:58:42	21:18:19	23:36:05	1:54:44	4:15:03	6:31:20	8:38:05	10:19:29	11:47:46
26	13:11:22	14:43:24	16:37:51	18:54:45	21:14:22	23:32:08	1:50:47	4:11:07	6:27:23	8:34:08	10:15:32	11:43:49
27	13:07:26	14:39:27	16:33:54	18:50:49	21:10:26	23:28:12	1:46:51	4:07:10	6:23:26	8:30:12	10:11:35	11:39:53
28	13:03:29	14:35:30	16:29:57	18:46:52	21:06:29	23:24:15	1:42:54	4:03:13	6:19:30	8:26:15	10:07:39	11:35:56
29	12:59:32	14:31:33	16:26:00	18:42:55	21:02:32	23:20:18	1:38:57	3:59:16	6:15:33	8:22:18	10:03:42	11:31:59
30	12:55:35	14:27:37	16:22:04	18:38:58	20:58:35	23:16:21	1:35:00	3:55:20	6:11:36	8:18:22	9:59:45	11:28:03
31	12:51:39	14:23:40	16:18:07	18:35:02	20:54:39	23:12:25	1:31:04	3:51:23	6:07:40	8:14:25	9:55:49	11:24:06

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

जनवरी मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
1	12:47:42	14:19:43	16:14:10	18:31:05	20:50:42	23:08:28	1:27:07	3:47:26	6:03:43	8:10:28	9:51:52	11:20:09
2	12:43:45	14:15:47	16:10:14	18:27:08	20:46:45	23:04:31	1:23:10	3:43:30	5:59:46	8:06:32	9:47:55	11:16:12
3	12:39:49	14:11:50	16:06:17	18:23:12	20:42:49	23:00:35	1:19:14	3:39:33	5:55:50	8:02:35	9:43:58	11:12:16
4	12:35:52	14:07:53	16:02:20	18:19:15	20:38:52	22:56:38	1:15:17	3:35:36	5:51:53	7:58:38	9:40:02	11:08:19
5	12:31:55	14:03:56	15:58:23	18:15:18	20:34:55	22:52:41	1:11:20	3:31:40	5:47:56	7:54:41	9:36:05	11:04:22
6	12:27:58	14:00:00	15:54:27	18:11:21	20:30:58	22:48:44	1:07:23	3:27:43	5:43:59	7:50:45	9:32:08	11:00:26
7	12:24:02	13:56:03	15:50:30	18:07:25	20:27:02	22:44:48	1:03:27	3:23:46	5:40:03	7:46:48	9:28:12	10:56:29
8	12:20:05	13:52:06	15:46:33	18:03:28	20:23:05	22:40:51	0:59:30	3:19:49	5:36:06	7:42:51	9:24:15	10:52:32
9	12:16:08	13:48:10	15:42:37	17:59:31	20:19:08	22:36:54	0:55:33	3:15:53	5:32:09	7:38:55	9:20:18	10:48:35
10	12:12:12	13:44:13	15:38:40	17:55:35	20:15:12	22:32:58	0:51:37	3:11:56	5:28:13	7:34:58	9:16:21	10:44:39
11	12:08:15	13:40:16	15:34:43	17:51:38	20:11:15	22:29:01	0:47:40	3:07:59	5:24:16	7:31:01	9:12:25	10:40:42
12	12:04:18	13:36:19	15:30:46	17:47:41	20:07:18	22:25:04	0:43:43	3:04:03	5:20:19	7:27:04	9:08:28	10:36:45
13	12:00:21	13:32:23	15:26:50	17:43:44	20:03:22	22:21:08	0:39:47	3:00:06	5:16:22	7:23:08	9:04:31	10:32:49
14	11:56:25	13:28:26	15:22:53	17:39:48	19:59:25	22:17:11	0:35:50	2:56:09	5:12:26	7:19:11	9:00:35	10:28:52
15	11:52:28	13:24:29	15:18:56	17:35:51	19:55:28	22:13:14	0:31:53	2:52:12	5:08:29	7:15:14	8:56:38	10:24:55
16	11:48:31	13:20:33	15:15:00	17:31:54	19:51:31	22:09:17	0:27:56	2:48:16	5:04:32	7:11:18	8:52:41	10:20:58
17	11:44:35	13:16:36	15:11:03	17:27:58	19:47:35	22:05:21	0:24:00	2:44:19	5:00:36	7:07:21	8:48:44	10:17:02
18	11:40:38	13:12:39	15:07:06	17:24:01	19:43:38	22:01:24	0:20:03	2:40:22	4:56:39	7:03:24	8:44:48	10:13:05
19	11:36:41	13:08:42	15:03:10	17:20:04	19:39:41	21:57:27	0:16:06	2:36:26	4:52:42	6:59:27	8:40:51	10:09:08
20	11:32:44	13:04:46	14:59:13	17:16:08	19:35:45	21:53:31	0:12:10	2:32:29	4:48:45	6:55:31	8:36:54	10:05:12
21	11:28:48	13:00:49	14:55:16	17:12:11	19:31:48	21:49:34	0:08:13	2:28:32	4:44:49	6:51:34	8:32:58	10:01:15
22	11:24:51	12:56:52	14:51:19	17:08:14	19:27:51	21:45:37	0:04:16	2:24:35	4:40:52	6:47:37	8:29:01	9:57:18
23	11:20:54	12:52:56	14:47:23	17:04:17	19:23:54	21:41:40	0:00:19	2:20:39	4:36:55	6:43:41	8:25:04	9:53:21
24	11:16:58	12:48:59	14:43:26	17:00:21	19:19:58	21:37:44	23:56:23	2:16:42	4:32:59	6:39:44	8:21:07	9:49:25
25	11:13:01	12:45:02	14:39:29	16:56:24	19:16:01	21:33:47	23:52:26	2:12:45	4:29:02	6:35:47	8:17:11	9:45:28
26	11:09:04	12:41:06	14:35:33	16:52:27	19:12:04	21:29:50	23:48:29	2:08:49	4:25:05	6:31:50	8:13:14	9:41:31
27	11:05:08	12:37:09	14:31:36	16:48:31	19:08:08	21:25:54	23:44:33	2:04:52	4:21:08	6:27:54	8:09:17	9:37:35
28	11:01:11	12:33:12	14:27:39	16:44:34	19:04:11	21:21:57	23:40:36	2:00:55	4:17:12	6:23:57	8:05:21	9:33:38
29	10:57:14	12:29:15	14:23:42	16:40:37	19:00:14	21:18:00	23:36:39	1:56:58	4:13:15	6:20:00	8:01:24	9:29:41
30	10:53:17	12:25:19	14:19:46	16:36:40	18:56:17	21:14:03	23:32:42	1:53:02	4:09:18	6:16:04	7:57:27	9:25:45
31	10:49:21	12:21:22	14:15:49	16:32:44	18:52:21	21:10:07	23:28:46	1:49:05	4:05:22	6:12:07	7:53:31	9:21:48

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

फरवरी मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
1	10:45:24	12:17:25	14:11:52	16:28:47	18:48:24	21:06:10	23:24:49	1:45:08	4:01:25	6:08:10	7:49:34	9:17:51
2	10:41:27	12:13:29	14:07:56	16:24:50	18:44:27	21:02:13	23:20:52	1:41:12	3:57:28	6:04:14	7:45:37	9:13:54
3	10:37:31	12:09:32	14:03:59	16:20:54	18:40:31	20:58:17	23:16:56	1:37:15	3:53:32	6:00:17	7:41:40	9:09:58
4	10:33:34	12:05:35	14:00:02	16:16:57	18:36:34	20:54:20	23:12:59	1:33:18	3:49:35	5:56:20	7:37:44	9:06:01
5	10:29:37	12:01:38	13:56:05	16:13:00	18:32:37	20:50:23	23:09:02	1:29:21	3:45:38	5:52:23	7:33:47	9:02:04
6	10:25:40	11:57:42	13:52:09	16:09:03	18:28:40	20:46:26	23:05:05	1:25:25	3:41:41	5:48:27	7:29:50	8:58:08
7	10:21:44	11:53:45	13:48:12	16:05:07	18:24:44	20:42:30	23:01:09	1:21:28	3:37:45	5:44:30	7:25:54	8:54:11
8	10:17:47	11:49:48	13:44:15	16:01:10	18:20:47	20:38:33	22:57:12	1:17:31	3:33:48	5:40:33	7:21:57	8:50:14
9	10:13:50	11:45:52	13:40:19	15:57:13	18:16:50	20:34:36	22:53:15	1:13:35	3:29:51	5:36:37	7:18:00	8:46:17
10	10:09:54	11:41:55	13:36:22	15:53:17	18:12:54	20:30:40	22:49:19	1:09:38	3:25:55	5:32:40	7:14:03	8:42:21
11	10:05:57	11:37:58	13:32:25	15:49:20	18:08:57	20:26:43	22:45:22	1:05:41	3:21:58	5:28:43	7:10:07	8:38:24
12	10:02:00	11:34:01	13:28:28	15:45:23	18:05:00	20:22:46	22:41:25	1:01:45	3:18:01	5:24:46	7:06:10	8:34:27
13	9:58:03	11:30:05	13:24:32	15:41:26	18:01:03	20:18:50	22:37:29	0:57:48	3:14:04	5:20:50	7:02:13	8:30:31
14	9:54:07	11:26:08	13:20:35	15:37:30	17:57:07	20:14:53	22:33:32	0:53:51	3:10:08	5:16:53	6:58:17	8:26:34
15	9:50:10	11:22:11	13:16:38	15:33:33	17:53:10	20:10:56	22:29:35	0:49:54	3:06:11	5:12:56	6:54:20	8:22:37
16	9:46:13	11:18:15	13:12:42	15:29:36	17:49:13	20:06:59	22:25:38	0:45:58	3:02:14	5:09:00	6:50:23	8:18:40
17	9:42:17	11:14:18	13:08:45	15:25:40	17:45:17	20:03:03	22:21:42	0:42:01	2:58:18	5:05:03	6:46:26	8:14:44
18	9:38:20	11:10:21	13:04:48	15:21:43	17:41:20	19:59:06	22:17:45	0:38:04	2:54:21	5:01:06	6:42:30	8:10:47
19	9:34:23	11:06:24	13:00:51	15:17:46	17:37:23	19:55:09	22:13:48	0:34:08	2:50:24	4:57:09	6:38:33	8:06:50
20	9:30:26	11:02:28	12:56:55	15:13:50	17:33:27	19:51:13	22:09:52	0:30:11	2:46:27	4:53:13	6:34:36	8:02:54
21	9:26:30	10:58:31	12:52:58	15:09:53	17:29:30	19:47:16	22:05:55	0:26:14	2:42:31	4:49:16	6:30:40	7:58:57
22	9:22:33	10:54:34	12:49:01	15:05:56	17:25:33	19:43:19	22:01:58	0:22:17	2:38:34	4:45:19	6:26:43	7:55:00
23	9:18:36	10:50:38	12:45:05	15:01:59	17:21:36	19:39:22	21:58:01	0:18:21	2:34:37	4:41:23	6:22:46	7:51:03
24	9:14:40	10:46:41	12:41:08	14:58:03	17:17:40	19:35:26	21:54:05	0:14:24	2:30:41	4:37:26	6:18:49	7:47:07
25	9:10:43	10:42:44	12:37:11	14:54:06	17:13:43	19:31:29	21:50:08	0:10:27	2:26:44	4:33:29	6:14:53	7:43:10
26	9:06:46	10:38:48	12:33:15	14:50:09	17:09:46	19:27:32	21:46:11	0:06:31	2:22:47	4:29:32	6:10:56	7:39:13
27	9:02:50	10:34:51	12:29:18	14:46:13	17:05:50	19:23:36	21:42:15	0:02:34	2:18:50	4:25:36	6:06:59	7:35:17
28	8:58:53	10:30:54	12:25:21	14:42:16	17:01:53	19:19:39	21:38:18	23:58:37	2:14:54	4:21:39	6:03:03	7:31:20

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

मार्च मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
1	8:54:56	10:26:57	12:21:24	14:38:19	16:57:56	19:15:42	21:34:21	23:54:40	2:10:57	4:17:42	5:59:06	7:27:23
2	8:50:59	10:23:01	12:17:28	14:34:22	16:53:59	19:11:45	21:30:24	23:50:44	2:07:00	4:13:46	5:55:09	7:23:27
3	8:47:03	10:19:04	12:13:31	14:30:26	16:50:03	19:07:49	21:26:28	23:46:47	2:03:04	4:09:49	5:51:13	7:19:30
4	8:43:06	10:15:07	12:09:34	14:26:29	16:46:06	19:03:52	21:22:31	23:42:50	1:59:07	4:05:52	5:47:16	7:15:33
5	8:39:09	10:11:11	12:05:38	14:22:32	16:42:09	18:59:55	21:18:34	23:38:54	1:55:10	4:01:56	5:43:19	7:11:36
6	8:35:13	10:07:14	12:01:41	14:18:36	16:38:13	18:55:59	21:14:38	23:34:57	1:51:13	3:57:59	5:39:22	7:07:40
7	8:31:16	10:03:17	11:57:44	14:14:39	16:34:16	18:52:02	21:10:41	23:31:00	1:47:17	3:54:02	5:35:26	7:03:43
8	8:27:19	9:59:20	11:53:47	14:10:42	16:30:19	18:48:05	21:06:44	23:27:03	1:43:20	3:50:05	5:31:29	6:59:46
9	8:23:22	9:55:24	11:49:51	14:06:45	16:26:22	18:44:08	21:02:47	23:23:07	1:39:23	3:46:09	5:27:32	6:55:50
10	8:19:26	9:51:27	11:45:54	14:02:49	16:22:26	18:40:12	20:58:51	23:19:10	1:35:27	3:42:12	5:23:36	6:51:53
11	8:15:29	9:47:30	11:41:57	13:58:52	16:18:29	18:36:15	20:54:54	23:15:13	1:31:30	3:38:15	5:19:39	6:47:56
12	8:11:32	9:43:34	11:38:01	13:54:55	16:14:32	18:32:18	20:50:57	23:11:17	1:27:33	3:34:19	5:15:42	6:43:59
13	8:07:36	9:39:37	11:34:04	13:50:59	16:10:36	18:28:22	20:47:01	23:07:20	1:23:37	3:30:22	5:11:45	6:40:03
14	8:03:39	9:35:40	11:30:07	13:47:02	16:06:39	18:24:25	20:43:04	23:03:23	1:19:40	3:26:25	5:07:49	6:36:06
15	7:59:42	9:31:43	11:26:10	13:43:05	16:02:42	18:20:28	20:39:07	22:59:27	1:15:43	3:22:28	5:03:52	6:32:09
16	7:55:45	9:27:47	11:22:14	13:39:08	15:58:45	18:16:31	20:35:11	22:55:30	1:11:46	3:18:32	4:59:55	6:28:13
17	7:51:49	9:23:50	11:18:17	13:35:12	15:54:49	18:12:35	20:31:14	22:51:33	1:07:50	3:14:35	4:55:59	6:24:16
18	7:47:52	9:19:53	11:14:20	13:31:15	15:50:52	18:08:38	20:27:17	22:47:36	1:03:53	3:10:38	4:52:02	6:20:19
19	7:43:55	9:15:57	11:10:24	13:27:18	15:46:55	18:04:41	20:23:20	22:43:40	0:59:56	3:06:42	4:48:05	6:16:22
20	7:39:59	9:12:00	11:06:27	13:23:22	15:42:59	18:00:45	20:19:24	22:39:43	0:56:00	3:02:45	4:44:08	6:12:26
21	7:36:02	9:08:03	11:02:30	13:19:25	15:39:02	17:56:48	20:15:27	22:35:46	0:52:03	2:58:48	4:40:12	6:08:29
22	7:32:05	9:04:06	10:58:33	13:15:28	15:35:05	17:52:51	20:11:30	22:31:50	0:48:06	2:54:51	4:36:15	6:04:32
23	7:28:08	9:00:10	10:54:37	13:11:31	15:31:09	17:48:55	20:07:34	22:27:53	0:44:09	2:50:55	4:32:18	6:00:36
24	7:24:12	8:56:13	10:50:40	13:07:35	15:27:12	17:44:58	20:03:37	22:23:56	0:40:13	2:46:58	4:28:22	5:56:39
25	7:20:15	8:52:16	10:46:43	13:03:38	15:23:15	17:41:01	19:59:40	22:19:59	0:36:16	2:43:01	4:24:25	5:52:42
26	7:16:18	8:48:19	10:42:46	12:59:41	15:19:18	17:37:04	19:55:43	22:16:02	0:32:19	2:39:04	4:20:28	5:48:45
27	7:12:21	8:44:23	10:38:50	12:55:44	15:15:21	17:33:07	19:51:46	22:12:06	0:28:22	2:35:08	4:16:31	5:44:48
28	7:08:25	8:40:26	10:34:53	12:51:48	15:11:25	17:29:11	19:47:50	22:08:09	0:24:26	2:31:11	4:12:34	5:40:52
29	7:04:28	8:36:29	10:30:56	12:47:51	15:07:28	17:25:14	19:43:53	22:04:12	0:20:29	2:27:14	4:08:38	5:36:55
30	7:00:31	8:32:33	10:27:00	12:43:54	15:03:31	17:21:17	19:39:56	22:00:16	0:16:32	2:23:17	4:04:41	5:32:58
31	6:56:35	8:28:36	10:23:03	12:39:58	14:59:35	17:17:21	19:36:00	21:56:19	0:12:35	2:19:21	4:00:44	5:29:02

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

लग्न सारिणी -दिल्ली,अक्षांश 28/39/00, पलभा 06/33/22 अयनांश 24/03/00,गाजियाबाद, गुड़गॉव, रोहतक, मेरठ आदि

राशि / अंश	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
0	02:50:45	06:50:57	11:40:21	17:15:33	23:05:09	28:51:21	34:36:21	40:26:09	46:11:33	51:20:21	55:37:57	59:17:45
1	02:57:51	06:59:11	11:50:21	17:27:01	23:16:51	29:02:51	34:47:51	40:37:51	46:23:01	51:30:21	55:46:11	59:24:51
2	03:04:57	07:07:25	12:00:21	17:38:29	23:28:33	29:14:21	34:59:21	40:49:33	46:34:29	51:40:21	55:54:25	59:31:57
3	03:12:03	07:15:39	12:10:21	17:49:57	23:40:15	29:25:51	35:10:51	41:01:15	46:45:57	51:50:21	56:02:39	59:39:01
4	03:19:09	07:23:53	12:20:21	18:01:25	23:51:57	29:37:21	35:22:21	41:12:57	46:57:25	52:00:21	56:10:53	59:46:09
5	03:26:15	07:32:07	12:30:21	18:12:53	24:03:39	29:48:51	35:33:51	41:24:39	47:08:53	52:10:21	56:19:07	59:53:15
6	03:33:21	07:40:21	12:40:21	18:24:21	24:15:21	30:00:21	35:45:21	41:36:21	47:20:21	52:20:21	56:27:21	00:00:21
7	03:41:35	07:50:21	12:51:49	18:36:03	24:26:51	30:11:51	35:57:03	41:47:49	47:30:21	52:28:35	56:34:27	00:07:27
8	03:49:49	08:00:21	13:03:17	18:47:45	24:38:21	30:23:21	36:08:45	41:59:17	47:40:21	52:36:49	56:41:33	00:14:33
9	03:58:03	08:10:21	13:14:45	18:59:27	24:49:51	30:34:51	36:20:27	42:10:45	47:50:21	52:45:03	56:48:39	00:21:39
10	04:06:17	08:20:21	13:26:13	19:11:09	25:01:21	30:46:21	36:32:09	42:22:13	48:00:21	52:53:17	56:55:45	00:28:45
11	04:14:31	08:30:21	13:37:41	19:22:51	25:12:51	30:57:51	36:43:51	42:33:41	48:10:21	53:01:31	57:02:51	00:35:51
12	04:22:45	08:40:21	13:49:09	19:34:33	25:24:21	31:09:21	36:55:33	42:45:09	48:20:21	53:09:45	57:09:57	00:42:57
13	04:30:59	08:50:21	14:00:37	19:46:15	25:35:51	31:20:51	37:07:15	42:56:37	48:30:21	53:17:59	57:17:03	00:50:03
14	04:39:13	09:00:21	14:12:05	19:57:57	25:47:21	31:32:21	37:18:57	43:08:05	48:40:21	53:26:13	57:24:09	00:57:09
15	04:47:27	09:10:21	14:23:33	20:09:39	25:58:51	31:43:51	37:30:39	43:19:33	48:50:21	53:34:27	57:31:15	01:04:15
16	04:55:41	09:20:21	14:35:01	20:21:21	26:10:21	31:55:21	37:42:21	43:31:01	49:00:21	53:42:41	57:38:21	01:11:21
17	05:03:55	09:30:21	14:46:29	20:33:03	26:21:51	32:06:51	37:54:03	43:42:29	49:10:21	53:50:55	57:45:27	01:18:27
18	05:12:09	09:40:21	14:57:57	20:44:45	26:33:21	32:18:21	38:05:45	43:53:57	49:20:21	53:59:09	57:52:33	01:25:33
19	05:20:23	09:50:21	15:09:25	20:56:27	26:44:51	32:29:51	38:17:27	44:05:25	49:30:21	54:07:23	57:59:39	01:32:39
20	05:28:37	10:00:21	15:20:53	21:08:09	26:56:21	32:41:21	38:29:09	44:16:53	49:40:21	54:15:37	58:06:45	01:39:45
21	05:36:51	10:10:21	15:32:21	21:19:51	27:07:51	32:52:51	38:40:51	44:28:21	49:50:21	54:23:51	58:13:51	01:46:51
22	05:45:05	10:20:21	15:43:49	21:31:33	27:19:21	33:04:21	38:52:33	44:39:49	50:00:21	54:32:05	58:20:57	01:53:57
23	05:53:19	10:30:21	15:55:17	21:43:15	27:30:51	33:15:51	39:04:15	44:51:17	50:10:21	54:40:19	58:28:03	02:01:03
24	06:01:33	10:40:21	16:06:45	21:54:57	27:42:21	33:27:21	39:15:57	45:02:45	50:20:21	54:48:33	58:35:09	02:08:09
25	06:09:47	10:50:21	16:18:13	22:06:39	27:53:51	33:38:51	39:27:39	45:14:13	50:30:21	54:56:47	58:42:15	02:15:15
26	06:18:01	11:00:21	16:29:41	22:18:21	28:05:21	33:50:21	39:39:21	45:25:41	50:40:21	55:05:01	58:49:21	02:22:21
27	06:26:15	11:10:21	16:41:09	22:30:03	28:16:51	34:01:51	39:51:03	45:37:09	50:50:21	55:13:15	58:56:27	02:29:27
28	06:34:29	11:20:21	16:52:37	22:41:45	28:28:21	34:13:21	40:02:45	45:48:37	51:00:21	55:21:29	59:03:33	02:36:33
29	06:42:43	11:30:21	17:04:05	22:53:27	28:39:51	34:24:51	40:14:27	46:00:05	51:10:21	55:29:43	59:10:39	02:43:39

दशमलग्नसारिणी (सभी देशों के लिए)

अयनांश- 24/06/00, निरक्षोदयमान- 279, 299, 322, 322, 299, 279

अंश/राशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
0	03:44:08	08:39:08	13:56:32	19:18:32	24:22:08	29:05:08	33:44:08	38:39:08	43:56:32	49:18:32	54:22:08	59:05:08
1	03:53:26	08:49:06	14:07:16	19:29:16	24:32:06	29:14:26	33:53:26	38:49:06	44:07:16	49:29:16	54:32:06	59:14:26
2	04:02:44	08:59:04	14:18:00	19:40:00	24:42:04	29:23:44	34:02:44	38:59:04	44:18:00	49:40:00	54:42:04	59:23:44
3	04:12:02	09:09:02	14:28:44	19:50:44	24:52:02	29:33:02	34:12:02	39:09:02	44:28:44	49:50:44	54:52:02	59:33:02
4	04:21:20	09:19:00	14:39:28	20:01:28	25:02:00	29:42:20	34:21:20	39:19:00	44:39:28	50:01:28	55:02:00	59:42:20
5	04:30:38	09:28:58	14:50:12	20:12:12	25:11:58	29:51:38	34:30:38	39:28:58	44:50:12	50:12:12	55:11:58	59:51:38
6	04:39:56	09:38:56	15:00:56	20:22:56	25:21:56	30:00:56	34:39:56	39:38:56	45:00:56	50:22:56	55:21:56	00:00:56
7	04:49:14	09:48:54	15:11:40	20:33:40	25:31:54	30:10:14	34:49:14	39:48:54	45:11:40	50:33:40	55:31:54	00:10:14
8	04:58:32	09:58:52	15:22:24	20:44:24	25:41:52	30:19:32	34:58:32	39:58:52	45:22:24	50:44:24	55:41:52	00:19:32
9	05:07:50	10:08:50	15:33:08	20:55:08	25:51:50	30:28:50	35:07:50	40:08:50	45:33:08	50:55:08	55:51:50	00:28:50
10	05:17:08	10:18:48	15:43:52	21:05:52	26:01:48	30:38:08	35:17:08	40:18:48	45:43:52	51:05:52	56:01:48	00:38:08
11	05:26:26	10:28:46	15:54:36	21:16:36	26:11:46	30:47:26	35:26:26	40:28:46	45:54:36	51:16:36	56:11:46	00:47:26
12	05:35:44	10:38:44	16:05:20	21:27:20	26:21:44	30:56:44	35:35:44	40:38:44	46:05:20	51:27:20	56:21:44	00:56:44
13	05:45:02	10:48:42	16:16:04	21:38:04	26:31:42	31:06:02	35:45:02	40:48:42	46:16:04	51:38:04	56:31:42	01:06:02
14	05:54:20	10:58:40	16:26:48	21:48:48	26:41:40	31:15:20	35:54:20	40:58:40	46:26:48	51:48:48	56:41:40	01:15:20
15	06:03:38	11:08:38	16:37:32	21:59:32	26:51:38	31:24:38	36:03:38	41:08:38	46:37:32	51:59:32	56:51:38	01:24:38
16	06:12:56	11:18:36	16:48:16	22:10:16	27:01:36	31:33:56	36:12:56	41:18:36	46:48:16	52:10:16	57:01:36	01:33:56
17	06:22:14	11:28:34	16:59:00	22:21:00	27:11:34	31:43:14	36:22:14	41:28:34	46:59:00	52:21:00	57:11:34	01:43:14
18	06:31:32	11:38:32	17:09:44	22:31:44	27:21:32	31:52:32	36:31:32	41:38:32	47:09:44	52:31:44	57:21:32	01:52:32
19	06:40:50	11:48:30	17:20:28	22:42:28	27:31:30	32:01:50	36:40:50	41:48:30	47:20:28	52:42:28	57:31:30	02:01:50
20	06:50:08	11:58:28	17:31:12	22:53:12	27:41:28	32:11:08	36:50:08	41:58:28	47:31:12	52:53:12	57:41:28	02:11:08
21	06:59:26	12:08:26	17:41:56	23:03:56	27:51:26	32:20:26	36:59:26	42:08:26	47:41:56	53:03:56	57:51:26	02:20:26
22	07:08:44	12:18:24	17:52:40	23:14:40	28:01:24	32:29:44	37:08:44	42:18:24	47:52:40	53:14:40	58:01:24	02:29:44
23	07:18:02	12:28:22	18:03:24	23:25:24	28:11:22	32:39:02	37:18:02	42:28:22	48:03:24	53:25:24	58:11:22	02:39:02
24	07:27:20	12:38:20	18:14:08	23:36:08	28:21:20	32:48:20	37:27:20	42:38:20	48:14:08	53:36:08	58:21:20	02:48:20
25	07:36:38	12:48:18	18:24:52	23:46:52	28:31:18	32:57:38	37:36:38	42:48:18	48:24:52	53:46:52	58:31:18	02:57:38
26	07:45:56	12:58:16	18:35:36	23:57:36	28:41:16	33:06:56	37:45:56	42:58:16	48:35:36	53:57:36	58:41:16	03:06:56
27	07:55:14	13:08:14	18:46:20	00:08:20	28:51:14	33:16:14	37:55:14	43:08:14	48:46:20	54:08:20	58:51:14	03:16:14
28	08:04:32	13:18:12	18:57:04	00:19:04	29:01:12	33:25:32	38:04:32	43:18:12	48:57:04	54:19:04	59:01:12	03:25:32
29	08:13:50	13:28:10	19:07:48	00:29:48	29:11:10	33:34:50	38:13:50	43:28:10	49:07:48	54:29:48	59:11:10	03:34:50

विक्रम संवत् 2077 (ई.सन् 2020-21) के मुहूर्त हेतु काल विवरण

विवाहादि मांगलिक कार्यो के लिये सौर चैत्र मास, सौर पौष मास, अधिमास, श्राद्ध-पक्ष, भीष्मपंचक, होलिकाष्टक एवं गुरु-शुक्र के अस्तकाल वर्जित कहे गये हैं। उपनयन संस्कार चैत्रमास में तथा पुरातन गृहप्रवेश गुरु-शुक्र के अस्तकाल में भी किये जा सकते हैं।

मीन राशि गत सूर्य - संवत् 2076 चैत्र कृष्ण 6 शनिवार दिनाङ्क-14/03/2020 से प्रारम्भ होकर संवत् 2077 वैशाख कृष्ण षष्ठी सोमवार दिनाङ्क- 13/04/2020 तक तथा संवत् 2077 फाल्गुन शुक्ल प्रतिपदा रविवार दिनाङ्क 14/03/2021 से वर्षान्त तक सूर्य मीन राशि में रहेगा।

श्रीहरि-देवशयन-काल- संवत् 2077 आषाढ़ शुक्ल 11 बुधवार दिनाङ्क- 01/07/2020 से कार्तिक शुक्ल 11 बुधवार दिनाङ्क 25/11/2020 तक।

भीष्मपंचक - संवत् 2077 कार्तिक शुक्ल 11 दिनाङ्क 25/11/2020 से कार्तिक शुक्ल 15 दिनाङ्क 30/11/2020 तक।

महालय (श्राद्धपक्ष)- संवत् 2077 शुद्ध आश्विन कृष्ण प्रतिपदा बुधवार दिनाङ्क-02/09/2020 से शुद्ध आश्विन कृष्ण 30 गुरुवार दिनाङ्क 17/09/2020 तक रहेगा।

मलमास (अधिकमास) - संवत् 2077 मल आश्विन शुक्ल प्रतिपदा दिनांक 18 सितम्बर 2020 से मल आश्विन कृष्ण अमावस्या दिनांक 16 अक्टूबर 2020 तक रहेगा।

गुरु अस्तोदय- संवत् 2077 पौष शुक्ल 6 मंगलवार दिनाङ्क 19/01/2021 को अस्त एवं माघ शुक्ल 5 मंगलवार दिनाङ्क 16/02/2021 को उदित। उदय से 3 दिन पश्चात् बाल्यत्व दोष एवं अस्त से 3 दिन पहले वृद्धत्व दोष रहेगा।

धनु राशि गत सूर्य- संवत् 2077 मार्गशीर्ष शुक्ल 1 मंगलवार दिनाङ्क 15/12/2020 से पौष शुक्ल 1 गुरुवार दिनाङ्क 14/01/2021 तक रहेगा।

शुक्र अस्तोदय- संवत् 2077 ज्येष्ठ शुक्ल 10 सोमवार दिनाङ्क-01/06/2020 को अस्त एवं आषाढ कृष्ण 5 बुधवार दिनाङ्क 10/06/2020 को उदित। पुनः माघ शुक्ल 2 शनिवार दिनांक 13/02/2021 से वर्षान्त पर्यन्त अस्त रहेगा। उदय से 3 दिन पश्चात् बाल्यत्व दोष एवं अस्त से 3 दिन पहले वृद्धत्व दोष रहेगा।

होलाष्टक- संवत् 2077 फाल्गुन शुक्ल 7 सोमवार दिनाङ्क 02/03/2020 से फाल्गुन शुक्ल 15 सोमवार दिनाङ्क 09/03/2020 तक रहेगा।

चन्द्रवर्लविचारः (मु.चि.गो.प्र.श्लोक ७) -

पापान्तः पापयुग्द्यूने पापाच्चन्द्रः शुभोऽप्यसत्।
शुभांशे वाधिमित्रांशे गुरुदृष्टोऽशुभोऽपि सत्।।

भूमिशयनविचारः (वास्तुरत्नाकर ९/४२)-

प्रद्योतनात्पंचनगांकसूर्यनवेन्दुषड्विंशमितेषु भेषु।
शेते मही नैव गृहं विधेयं तडागवापीखननं न शस्तम्।।

विवाह मुहूर्त विक्रमसंवत् 2077ई.सन् 2020.21

दिनाक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	सूर्यराशि	गुरुराशि	चन्द्रराशि	रेखाए	लग्नादि विवरण
14अप्रैल 2020	वैशाख	कृष्ण	7/8	मंगल	उ.षा.	मेष	मकर	धनु/मकर	7	मंगलवारदोष, 8शु. पू., 9शु.च.रा.पू., 11श.पू.
15अप्रैल 2020	वैशाख	कृष्ण	8/9	बुध	उ.षा./श्रव.	मेष	मकर	मकर	6	1सू.मं.पू. 2, 6बु.पू., 7सू.शु.पू., 8शु.पू., 9शु.रा.पू.,11श.पू.
16अप्रैल 2020	वैशाख	कृष्ण	9/10	गुरु	श्रव./धनि.	मेष	मकर	मकर	6	1सू.मं.पू., 2, 6बु.पू., 7सू.शु.पू., 8शु.पू., 9शु.रा.पू.,11श.पू.
17अप्रैल 2020	वैशाख	कृष्ण	10/11	शुक्र	धनि.	मेष	मकर	मकर/कुम्भ	8	भद्रा6:56 से 19:53 तक,8 शु.पू., 9शु.रा.के.पू.
20अप्रैल 2020	वैशाख	कृष्ण	13/14	सोम	उ.भा.	मेष	मकर	मीन	7	2शु.पू., 5चं.बु.पू., 8शु.पू., 9शु.रा.के.पू., 11श.पू., 12चं.शु.पू.
23अप्रैल 2020	वैशाख	शुक्ल	1	गुरु	अश्वि.	मेष	मकर	मेष	8	2, 5बु.पू., 6सू.बु.,चं.पू.
25अप्रैल 2020	वैशाख	शुक्ल	2/3	शनि	रोहि.	मेष	मकर	वृष	8	8 चं.,शु.पू., 9शु.चं.पू.,11श.पू., 12शु.पू.
26अप्रैल 2020	वैशाख	शुक्ल	3/4	रवि	रोहि./मृग.	मेष	मकर	वृष	10	13:25 से रिक्ता तिथि दोष, 1सू.मं.पू., 2चं.पू.
27अप्रैल 2020	वैशाख	शुक्ल	4/5	सोम	मृग.	मेष	मकर	मिथुन	7	6सू.बु.पू., 8चं.शु.पू., 9शु.रा.चं.पू.
1 मई 2020	वैशाख	शुक्ल	8/9	शुक्र	मघा	मेष	मकर	सिंह	7	भद्रा 14:35तक,11चं.श.पू., 12चं.शु.पू.
2 मई 2020	वैशाख	शुक्ल	9/10	शनि	मघा	मेष	मकर	सिंह	7	रिक्तातिथि दोष 11:45 तक, 5चं.पू., 6सू.बु.पू., 8 शु.पू.,
5 मई 2020	वैशाख	शुक्ल	13/14	मंगल	हस्त/चित्रा	मेष	मकर	कन्या	6	भौमवार, रिक्तातिथिदोष23:32से2,5,6चं.सू.बु.पू.,7सू.बु.शु.पू.,8शु.पू.
6 मई 2020	वैशाख	शुक्ल	14/15	बुध	चित्रा/स्वाती	मेष	मकर	कन्या/तुला	8	भद्रा 19:47 से, 2, 5, 6सू.बु.पू.
7 मई 2020	वैशाख	शुक्ल	15	गुरु	स्वाती	मेष	मकर	तुला	7	भद्रा 5:59 तक, 2चं.पू.
13 मई 2020	ज्येष्ठ	कृष्ण	7	बुध	श्रवण	मेष	मकर	मकर	8	भद्रा 18:02 तक, 12शु.पू., 1सू.पू.
14 मई 2020	ज्येष्ठ	कृष्ण	7/8	गुरु	श्रव./धनि.	मेष/वृष	मकर	मकर/कुम्भ	6	2मं.पू.,6सू.पू.,10श.पू.,12 शु.पू.
15 मई 2020	ज्येष्ठ	कृष्ण	8/9	शुक्र	धनि.	वृष	मकर	कुम्भ	7	2मं.पू.
17 मई 2020	ज्येष्ठ	कृष्ण	10/11	रवि	उ.भा.	वृष	मकर	मीन	6	भद्रा 12:43 तक, 6चं.पू.,12 चं.शु.पू.
18 मई 2020	ज्येष्ठ	कृष्ण	11/12	सोम	उ.भा./रेव.	वृष	मकर	मीन	8	6चं.पू., 12 शु.पू., 1
19 मई 2020	ज्येष्ठ	कृष्ण	12/13	मंगल	रेव./अश्वि.	वृष	मकर	मीन/मेष	7	मंगलवारदोष, 6चं.पू., 12 शु.पू., 1चं.पू.
20 मई 2020	ज्येष्ठ	कृष्ण	13/14	बुध	अश्वि.	वृष	मकर	मेष	9	भद्रा 19:52 से, 6चं.पू.

23 मई 2020	ज्येष्ठ	शुक्ल	1/2	शनि	रोहि./मृग.	वृष	मकर	वृष	8	6, 12 शु.पू., 1
24 मई 2020	ज्येष्ठ	शुक्ल	2/3	रवि	मृग.	वृष	मकर	मिथुन	8	6चं.पू., 12 शु.पू., 1
13 जून 2020	आषाढ	कृष्ण	8/9	शनि	उ.भा.	वृष	मकर	मीन	7	रिक्तातिथि दोष 24:46 से, 10श.ℨ.पू.
14 जून 2020	आषाढ	कृष्ण	9/10	रवि	उ.भा./रेव.	वृष/मिथुन	मकर	मीन	7	रिक्तातिथिदोष 27:16 तक, 2सू.के.मं.पू.
15 जून 2020	आषाढ	कृष्ण	10	सोम	रेव./अश्वि.	मिथुन	मकर	मीन/मेष	8	भद्रा 16:31 से, 6चं.पू.,7शु.चं.पू.,
16 जून 2020	आषाढ	कृष्ण	10/11	मंगल	अश्विनी	मिथुन	मकर	मेष	7	मंगलवार दोष,6चं.पू.,7चं.शु.पू.,10श.गु.पू.,12शु.पू.,1चं.पू.
19 जून 2020	आषाढ	कृष्ण	13/14	शुक्र	रोहि.	मिथुन	मकर	वृश्चि	8	भद्रा 11:06 से 23:30 तक, 12शु.पू., 1, 2चं.मं.पू.
25 जून 2020	आषाढ	शुक्ल	4/5	गुरु	मघा	मिथुन	मकर	सिंह	8	भद्रा 08:54 तक, 7शु.पू.,10श.ℨ.चं.पू.,12श.चं.पू., 1, 2
30 जून 2020	आषाढ	शुक्ल	10/11	मंगल	चित्रा/स्वा.	मिथुन	धनु	तुला	8	मंगलवारदोष, 5मं.पू.,7शु.चं.पू.,11श.पू., 1चं.पू., 2चं.पू.
01दिसम्बर2020	मार्गशीर्ष	कृष्ण	1/2	मंगल	रोहि./मृग.	वृश्चिक	मकर	वृष	7	मंगलवारदोष, 9चं.पू., 11, 3श.गु.मं.पू., 5शु.मं.पू., 7
06दिसम्बर2020	मार्गशीर्ष	कृष्ण	6/7	रवि	मघा	वृश्चिक	मकर	सिंह	8	भद्रा 20:05 से, 6बु.श.गु.पू.
07दिसम्बर2020	मार्गशीर्ष	कृष्ण	7/8	सोम	मघा	वृश्चिक	मकर	सिंह	8	भद्रा 7:35 तक, 9, 11चं.पू.
11दिसम्बर2020	मार्गशीर्ष	कृष्ण	11/12	शुक्र	चित्रा/स्वा.	वृश्चिक	मकर	तुला	7	9, 11, 7चं.पू.

गोधूलि प्रशंसा

ऋषि मुनियों ने गोधूलि वेला सभी प्रकार के विवाहादि मंगल कार्यों में शुभ कही गयी है। गोधूलि वेला में पञ्चांग शुद्धि एवं लग्न शुद्धि का विचार नहीं करना चाहिए। यथा -

नास्यामृक्षं न तिथि-करणं नैव लग्नस्य चिंता
नो वा वारो न च लवविधिर्नो मुहूर्तस्य चर्चा।
नो वा योगो न मृतिभवनं नैव जामित्रदोषो
गोधूलिः सा मुनिभिरुदिता सर्वकार्येषु शस्ता॥

(मुहूर्तचिन्तामणि विवाह प्रकरण श्लोक सं 100)

विशेष - प्रशस्त गोधूलि लग्न का आवश्यक होने पर मुहूर्ताभाव में उपयोग करना चाहिये। अन्यथा शुद्धि देखते हुये विवाह करना प्रशस्त होता है। नारद के मतानुसार कुछ विशिष्ट स्थानों पर गोधूलि का उपयोग करना चाहिये। यथा-

प्राच्यानां च कलिंगानां मुख्यं गोधूलिकं स्मृतं।
गान्धर्वादिविवाहेषु वैश्योद्वाहे च योजयेत्॥

गोधूलि लक्षणं

हेमन्तऋतु अर्थात् मार्गशीर्ष पौष माघ फाल्गुन मासों में जब सूर्य बिम्ब निस्तेज गोलक के समान हो जाता है उस समय गोधूलि लग्न होता है। ग्रीष्मऋतु अर्थात् चैत्र वैशाख ज्येष्ठ आषाढ़ मासों में सूर्य बिम्ब का आधा भाग अस्त होने पर तथा वर्षाऋतु अर्थात् श्रावण भाद्रपद आश्विन कार्तिक मासों में सम्पूर्ण बिम्ब के अस्त होने पर गोधूलि लग्न होता है। इस प्रकार ऋतु भेद से तीन प्रकार की गोधूलि लग्न कहा गया है। इसका सभी प्रकार के शुभ कार्यों में उपयोग करना शुभकारक होता है। यथा -

पिण्डीभूते दिनकृति हेमन्तर्तौ स्यादर्धास्ते तपसमये गोधूलिः।
सम्पूर्णास्ते जलधरमालाकाले त्रेधा योज्या सकलशुभे कार्यादौ॥

(मुहूर्तचिन्तामणि विवाह प्रकरण श्लोक सं 101)

गोधूलि में त्याज्य

गुरुवार के दिन सूर्यास्त के बाद एवं शनिवार के दिन सूर्यास्त से पूर्व गोधूलि वेला शुभ कही गयी है। गोधूलि काल में विवाह लग्न से अष्टम षष्ठ और लग्न में यदि चन्द्रमा हो तो कन्या के लिये कष्टप्रद होता है। लग्न सप्तम् और अष्टं भाव में मंगल हो तो वर के लिये कष्टप्रद होता है। एकादश द्वितीय एवं तृतीय भाव में स्थित चन्द्रमा सुख कारक होता है। यथा-

अस्तं याते गुरुदिवसे सौरे सार्के लग्नान्मृत्यौ रिपुभवने लग्ने चेन्दौ।
कन्यानाशस्तनुमदमृत्युस्थे भौमे वोढुर्लाभे धनसहजे चन्द्रे सौख्यम्॥

(मुहूर्तचिन्तामणि विवाह प्रकरण श्लोक सं 102)

वधुप्रवेश मुहूर्त

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
25 मार्च	चैत्र	शुक्ल	1	बुध	रेवती	
26 मार्च	चैत्र	शुक्ल	2	गुरु	रेव./अश्वि.	
03 अप्रैल	चैत्र	शुक्ल	10	शुक्र	पुष्य	
08अप्रैल	चैत्र	शुक्ल	15	बुध	हस्त/चित्रा	
09अप्रैल	वैशाख	कृष्ण	2	गुरु	स्वाती	
04 मई	वैशाख	शुक्ल	12	सोम	उ.फा.	06:15 तक
13 मई	ज्येष्ठ	कृष्ण	7	बुध	श्रवण	18:02तक
20 मई	ज्येष्ठ	कृष्ण	13	बुध	अश्विनी	19:52 से
11 जून	आषाढ	कृष्ण	6	गुरु	धनिष्ठा	20:50 से
26 जून	आषाढ	शुक्ल	5/6	शुक्र	मघां	
17 जुलाई	श्रावण	कृष्ण	12	शुक्र	रोहिणी	
21 अगस्त	भाद्रपद	शुक्ल	3	शुक्र	उ.फा.	
11 नवम्वर	कार्तिक	कृष्ण	11	बुध	उ.फा.	
13 नवम्वर	कार्तिक	कृष्ण	13	शुक्र	चित्रा	18:08से28:14
26 नवम्वर	कार्तिक	शुक्ल	12	गुरु	रेवती	
24 दिसम्वर	मार्गशीर्ष	शुक्ल	10	गुरु	अश्विनी	
14 जनवरी	पौष	शुक्ल	1	गुरु	श्रवण	
25 जनवरी	पौष	शुक्ल	12	सोम	मृगशिरा	
28 जनवरी	पौष	शुक्ल	15	गुरु	पुष्य	
03 फरवरी	माघ	कृष्ण	6	बुध	चित्रा	14:14से25:11तक
17 फरवरी	माघ	शुक्ल	6	बुध	अश्वि.	

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
03 मार्च	फाल्गुन	कृष्ण	5	बुध	स्वाती	
05 मार्च	फाल्गुन	कृष्ण	7	शुक्र	अनु.	08:47 तक
10 मार्च	फाल्गुन	शुक्ल	12	बुध	श्रवण	
26 मार्च	फाल्गुन	शुक्ल	12/13	शुक्र	मघा	
07 अप्रैल	चैत्र	कृष्ण	11	बुध	धनिष्ठा	

द्विरागमन मुहूर्त

15 अप्रैल	वैशाख	कृष्ण	8	बुध	उ.षा.	
17 अप्रैल	वैशाख	कृष्ण	10	शुक्र	धनिष्ठा	06:56से19:53 तक
29 अप्रैल	वैशाख	शुक्ल	6	बुध	पुनर्वसु	
30 अप्रैल	वैशाख	शुक्ल	7	गुरु	पुष्य	14:52से26:15
04 मई	वैशाख	शुक्ल	11/12	सोम	उ.फा.	06:15तक
07 मई	वैशाख	शुक्ल	15	गुरु	स्वाति	05:59तक
02 दिसम्बर	मार्गशीर्ष	कृष्ण	2	बुध	मशगशिरा	
10 दिसम्बर	मार्गशीर्ष	कृष्ण	10	गुरु	हस्त	12:57तक
11 दिसम्बर	मार्गशीर्ष	कृष्ण	11	शुक्र	चित्रा/स्वा.	

प्रसूता स्नान हेतु प्रशस्त मुहूर्त

26 मार्च	चैत्र	शुक्ल	2	गुरु	रेवती	
31 मार्च	चैत्र	शुक्ल	7	मंगल	मृगशिरा	28:22 से
07 अप्रैल	चैत्र	शुक्ल	14	मंगल	उ.फा.	12:04से22:04 तक
09 अप्रैल	वैशाख	कृष्ण	2	गुरु	स्वाती	
21 अप्रैल	वैशाख	कृष्ण	14	मंगल	उ.भा.	16:26से29:40 तक
26 अप्रैल	वैशाख	शुक्ल	3	रवि	रोहिणी	26:00से

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
05 मई	वैशाख	शुक्ल	13	मंगल	हस्त	
07 मई	वैशाख	शुक्ल	15	गुरु	स्वाती	05:59 तक
12 मई	ज्येष्ठ	कृष्ण	5/6	मंगल	उ.षा.	29:13से
19 मई	ज्येष्ठ	कृष्ण	12	मंगल	रेवती	
24 मई	ज्येष्ठ	शुक्ल	2	रवि	मृग.	
31 मई	ज्येष्ठ	शुक्ल	9	रवि	उ.फा.	
09 जून	आषाढ़	कृष्ण	4	मंगल	उ.षा.	
14 जून	आषाढ़	कृष्ण	9	रवि	उ.भा.	
16 जून	आषाढ़	कृष्ण	10	मंगल	अश्वि.	05:46तक
28 जून	आषाढ़	शुक्ल	8	रवि	उ.फा.	13:55तक
30 जून	आषाढ़	शुक्ल	10	मंगल	चित्रा/स्वा.	
02 जुलाई	आषाढ़	शुक्ल	12	गुरु	अनुराधा	
12 जुलाई	श्रावण	कृष्ण	7	रवि	उ.भा.	
14 जुलाई	श्रावण	कृष्ण	9	मंगल	अश्विनी	
26 जुलाई	श्रावण	शुक्ल	6	रवि	हस्त	
28 जुलाई	श्रावण	शुक्ल	9	मंगल	स्वा.	
30 जुलाई	श्रावण	शुक्ल	11	गुरु	अनु.	12:19से23:27तक
09 अगस्त	भाद्रपद	कृष्ण	6	रवि	रेवती	
13 अगस्त	भाद्रपद	कृष्ण	9	गुरु	रोहिणी	25:54से
30 अगस्त	भाद्रपद	शुक्ल	12	गुरु	उ.षा.	
18 अक्टूबर	आश्विन	शुक्ल	2	रवि	स्वाती-08:51तक	
29 अक्टूबर	आश्विन	शुक्ल	13	गुरु	उ.भा.	

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
03 नवम्बर	कार्तिक	कृष्ण	3	मंगल	रोहिणी	14:22से27:30
12 नवम्बर	कार्तिक	कृष्ण	12	गुरु	हस्त	
26 नवम्बर	कार्तिक	शुक्ल	12	गुरु	रेवती	
01 दिसम्बर	मार्गशीर्ष	कृष्ण	1	मंगल	रोहिणी	
10 दिसम्बर	मार्गशीर्ष	कृष्ण	10	गुरु	हस्त	12:57तक
13 दिसम्बर	मार्गशीर्ष	कृष्ण	14	रवि	अनु.	14:46तक
17 दिसम्बर	मार्गशीर्ष	शुक्ल	3	गुरु	उ.षा.	26:42से
22 दिसम्बर	मार्गशीर्ष	शुक्ल	8	मंगल	उ.भा.	
24 दिसम्बर	मार्गशीर्ष	शुक्ल	10	गुरु	अश्वि.	
29 दिसम्बर	मार्गशीर्ष	शुक्ल	14	मंगल	मृगशिरा	07:55से20:26
05 जनवरी	पौष	कृष्ण	7	मंगल	उ.षा.	17:08तक
10 जनवरी	पौष	कृष्ण	12	रवि	अनुराधा	
19 जनवरी	पौष	शुक्ल	6	मंगल	उ.षा.	
21 जनवरी	पौष	शुक्ल	8	गुरु	अश्विनी	
24 जनवरी	पौष	शुक्ल	11	रवि	रोहिणी	10:10से23:14तक
02 फरवरी	माघ	कृष्ण	5	मंगल	हस्त	
04 फरवरी	माघ	कृष्ण	7	गुरु	स्वाती	
16 फरवरी	माघ	शुक्ल	5	मंगल	रेवती	
21 फरवरी	माघ	शुक्ल	9	रवि	रोहिणी	
09 फरवरी	फाल्गुन	कृष्ण	11	मंगल	उ.षा.	
14 मार्च	फाल्गुन	शुक्ल	1	रवि	उ.भा.	
16 मार्च	फाल्गुन	शुक्ल	3	मंगल	अश्विनी	

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
21 मार्च	फाल्गुन	शुक्ल	7	रवि	मृगशिरा	07:09से 20:05तक
28 मार्च	फाल्गुन	शुक्ल	15	रवि	उ.फा.	14:18तक

नामकरण संस्कार मुहूर्त्त

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
25 मार्च	चैत्र	शुक्ल	1	बुध	रेवती	
26 मार्च	चैत्र	शुक्ल	2	गुरु	रेवती/अश्विनी	
27 मार्च	चैत्र	शुक्ल	3	शुक्र	अश्विनी	10:08 तक
30 मार्च	चैत्र	शुक्ल	6	सोम	रोहिणी	
03 अप्रैल	चैत्र	शुक्ल	10	शुक्र	पुष्य	
09 अप्रैल	वैशाख	कृष्ण	3	गुरु	स्वाति	
15 अप्रैल	वैशाख	कृष्ण	8	बुध	उ.षा.	
17 अप्रैल	वैशाख	कृष्ण	10	शुक्र	धनिष्ठा	
26 अप्रैल	वैशाख	शुक्ल	3	रवि	रोहिणी	
29 अप्रैल	वैशाख	शुक्ल	6	बुध	पुर्नवसु	
30 अप्रैल	वैशाख	शुक्ल	7	गुरु	पुष्य	14:52 से 26:15
04 मई	वैशाख	शुक्ल	12	सोम	उ.फा.	06:15 तक
13 मई	ज्येष्ठ	कृष्ण	7	बुध	श्रवण	18:02 तक
14 मई	ज्येष्ठ	कृष्ण	7/8	गुरु	श्रव./धनि.	
18 मई	ज्येष्ठ	कृष्ण	11	सोम	उ.भा.	
20 मई	ज्येष्ठ	कृष्ण	13	बुध	अश्वि.	19:52 से
24 मई	ज्येष्ठ	शुक्ल	2	रवि	मृगशिरा	
27 मई	ज्येष्ठ	शुक्ल	5	बुध	पुन./पुष्य	
28 मई	ज्येष्ठ	शुक्ल	6	गुरु	पुष्य	07:32तक
01 जून	ज्येष्ठ	शुक्ल	10	सोम	हस्त	25:36 से
03 जून	ज्येष्ठ	शुक्ल	12	बुध	स्वाति	
10 जून	आषाढ़	कृष्ण	5	बुध	श्रवण	
11 जून	आषाढ़	कृष्ण	6	गुरु	धनिष्ठा	20:50 से
12 जून	आषाढ	कृष्ण	7	शुक्र	शतभिषा	09:41 तक
15 जून	आषाढ	कृष्ण	10	सोम	रेवती	16:31 से
24 जून	आषाढ	शुक्ल	3	बुध	पुष्य	21:37 से
02 जुलाई	आषाढ	शुक्ल	12	गुरु	अनुराधा	
06 जुलाई	श्रावण	कृष्ण	1	सोम	उ.षा.	
08 जुलाई	श्रावण	कृष्ण	3	बुध	धनिष्ठा	09:16 तक
12 जुलाई	श्रावण	कृष्ण	7	रवि	उ.भा.	
17 जुलाई	श्रावण	कृष्ण	12	शुक्र	रोहिणी	
26 जुलाई	श्रावण	शुक्ल	6	रवि	हस्त	
27 जुलाई	श्रावण	शुक्ल	7/8	सोम	चित्रा	07:09 से 18:03
30 जुलाई	श्रावण	शुक्ल	11	गुरु	अनुराधा	12:19 से 23:37
05 अगस्त	भाद्रपद	कृष्ण	2	बुध	धनिष्ठा	
06 अगस्त	भाद्रपद	कृष्ण	3	गुरु	शत.	11:14 से 23:55
09 अगस्त	भाद्रपद	कृष्ण	6	रवि	रेवती	
10 अगस्त	भाद्रपद	कृष्ण	6/7	सोम	अश्वि.	06:43 से 19:56
14 अगस्त	भाद्रपद	कृष्ण	10	शुक्र	मृगशिरा	14:12 तक
17 अगस्त	भाद्रपद	कृष्ण	13	सोम	पुन./पुष्य	12:41 से 23:42
21 अगस्त	भाद्रपद	शुक्ल	3	शुक्र	उ.फा.	

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
23 अगस्त	भाद्रपद	शुक्ल	5	रवि	चित्रा	
24 अगस्त	भाद्रपद	शुक्ल	6	सोम	स्वाति	
30 अगस्त	भाद्रपद	शुक्ल	12	रवि	उ.षा.	
31 अगस्त	भाद्रपद	शुक्ल	13	सोम	श्रवण	
18 अक्टूबर	आश्विन	शुक्ल	2	रवि	स्वाति	08:51 तक
19 अक्टूबर	आश्विन	शुक्ल	3	सोम	अनु.	24:38से
23 अक्टूबर	आश्विन	शुक्ल	7	शुक्र	उ.षा.	06:56से18:56 तक
26 अक्टूबर	आश्विन	शुक्ल	10	सोम	शतभिषा	
29 अक्टूबर	आश्विन	शुक्ल	13	गुरु	उ.भा.	
08 नवम्बर	कार्तिक	कृष्ण	7	रवि	पुष्य	
11 नवम्बर	कार्तिक	कृष्ण	11	बुध	उ.फा.	
12 नवम्बर	कार्तिक	कृष्ण	12	गुरु	हस्त	
13 नवम्बर	कार्तिक	कृष्ण	13	शुक्र	चित्रा	18:08से28:14 तक
16 नवम्बर	कार्तिक	शुक्ल	1/2	सोम	अनु.	
20 नवम्बर	कार्तिक	शुक्ल	6	शुक्र	उ.षा.	
25 नवम्बर	कार्तिक	शुक्ल	11	बुध	उ.भा.	
26 नवम्बर	कार्तिक	शुक्ल	12	गुरु	रेवती	
27 नवम्बर	कार्तिक	शुक्ल	13	शुक्र	अश्वि.	द्वादशी 07:51तक
02 दिसम्बर	मार्गशीर्ष	कृष्ण	2	बुध	मश्गशिरा	
10 दिसम्बर	मार्गशीर्ष	कृष्ण	10	गुरु	हस्त	
11 दिसम्बर	मार्गशीर्ष	कृष्ण	11	शुक्र	चित्रा/स्वाति	
17 दिसम्बर	मार्गशीर्ष	शुक्ल	3	गुरु	उ.षा.	26:42 से

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
20 दिसम्बर	मार्गशीर्ष	शुक्ल	6	रवि	शतभिषा	
24 दिसम्बर	मार्गशीर्ष	शुक्ल	10	गुरु	अश्विनि	
25 दिसम्बर	मार्गशीर्ष	शुक्ल	11	शुक्र	अश्वि.	भद्रा12:40से26:03
31 दिसम्बर	पौष	कृष्ण	1	गुरु	पुन.	
01 जनवरी	पौष	कृष्ण	2	शुक्र	पुष्य	21:27 से
08 जनवरी	पौष	कृष्ण	10	शुक्र	स्वाती	10:56से21:45 तक
10 जनवरी	पौष	कृष्ण	12	रवि	अनुराधा	
14 जनवरी	पौष	शुक्ल	1	गुरु	श्रवण	
15 जनवरी	पौष	शुक्ल	2	शुक्र	धनिष्ठा	
20 जनवरी 13:11से26:30तक	पौष	शुक्ल	7	बुध	रेवती	
24 जनवरी	पौष	शुक्ल	11	रवि	रोहिणी	10:10से23:14 तक
25 जनवरी	पौष	शुक्ल	12	सोम	मृगशिरा	
03 फरवरी	माघ	कृष्ण	6	बुध	चित्रा	14:14से25:11तक
04 फरवरी	माघ	कृष्ण	7	गुरु	स्वाती	
12 फरवरी	माघ	शुक्ल	1	शुक्र	धनिष्ठा	
17 फरवरी	माघ	शुक्ल	6	बुध	उ.भा.	
22 फरवरी	माघ	शुक्ल	10	सोम	मृगशिरा	29:54से
24 फरवरी	माघ	शुक्ल	12	बुध	पुनर्वसु	
25 फरवरी	माघ	शुक्ल	13	गुरु	पुष्य	
01 मार्च	फाल्गुन	कृष्ण	2/3	सोम	उ.फा./हस्त	19:12से29:48
03 मार्च	फाल्गुन	कृष्ण	5	बुध	स्वाती	

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
05 मार्च	फाल्गुन	कृष्ण	7	शुक्र	अनुराधा	08:47 तक
10 मार्च	फाल्गुन	कृष्ण	12	बुध	श्रवण	
11 मार्च	फाल्गुन	कृष्ण	13	गुरु	धनिष्ठा	14:36से26:47तक
14 मार्च	फाल्गुन	शुक्ल	1	रवि	उ.भा.	
15 मार्च	फाल्गुन	शुक्ल	2	सोम	रेवती	
24 मार्च	फाल्गुन	शुक्ल	10	बुध	पुष्य	22:10से
29 मार्च	चैत्र	कृष्ण	1	सोम	हस्त	
31 मार्च	चैत्र	कृष्ण	3	बुध	स्वाती	14:02तक
07 अप्रैल	चैत्र	कृष्ण	11	बुध	धनिष्ठा	
08 अप्रैल	चैत्र	कृष्ण	12	गुरु	शतभिषा	

विशेष - जन्म के 11 एवं 12 दिन के पश्चात् तिथि. वार. नक्षत्र का विचार कर ही मुहूर्त्त निश्चित करना चाहिये।

अन्नप्राशन संस्कार मुहूर्त्त

26 मार्च	चैत्र	शुक्ल	2	गुरु	रेवती	
27 मार्च	चैत्र	शुक्ल	3	शुक्र	अश्विनी	
03 अप्रैल	चैत्र	शुक्ल	10	शुक्र	पुष्य	
08 अप्रैल	चैत्र	शुक्ल	15	बुध	हस्त/चित्रा	
30 अप्रैल	वैशाख	शुक्ल	7	गुरु	पुष्य	14:52से 26:15 तक
07 मई	वैशाख	शुक्ल	15	गुरु	स्वाती	05:59 तक
25 मई	ज्येष्ठ	शुक्ल	3	सोम	मृगशिरा	
27 मई	ज्येष्ठ	शुक्ल	5	बुध	पुनर्वसु	
01 जून	ज्येष्ठ	शुक्ल	10	सोम	हस्त	25:36 से

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
05 जून	ज्येष्ठ	शुक्ल	15	शुक्र	अनु.	13:50 तक
24 जून	आषाढ़	शुक्ल	3	बुध	पुष्य	21:27 से
21 अगस्त	भाद्रपद	शुक्ल	3	शुक्र	उ.फा.	
31 अगस्त	भाद्रपद	शुक्ल	13	सोम	श्रवण	
02 सितम्बर	भाद्रपद	शुक्ल	15	बुध	शतभिषा	
19 अक्टूबर	आश्विन	शुक्ल	3	सोम	अनुराधा	24:38से
23 अक्टूबर	आश्विन	शुक्ल	7	शुक्र	उ.षा.	06:56से18:56
26 अक्टूबर	आश्विन	शुक्ल	10	सोम	शतभिषा	21:50 से
29 अक्टूबर	आश्विन	शुक्ल	13	गुरु	उ.भा.	
16 नवम्बर	कार्तिक	शुक्ल	2	सोम	अनुराधा	
30 नवम्बर	कार्तिक	शुक्ल	15	सोम	रोहिणी	
17 दिसम्बर	मार्गशीर्ष	शुक्ल	3	गुरु	उ.षा.	26:42से
24 दिसम्बर	मार्गशीर्ष	शुक्ल	10	गुरु	अश्विनी	
15 जनवरी	पौष	शुक्ल	2	शुक्र	धनिष्ठा	
20 जनवरी	पौष	शुक्ल	7	बुध	रेवती	13:11से26:30
28 जनवरी	पौष	शुक्ल	15	गुरु	पुष्य	
22 फरवरी	माघ	शुक्ल	10	सोम	मृगशिरा	29:54 से
25 फरवरी	माघ	शुक्ल	13	गुरु	पुष्य	
15 मार्च	फाल्गुन	शुक्ल	2	सोम	रेवती	
24 मार्च	फाल्गुन	शुक्ल	10	बुध	पुष्य	22:10 से

लग्नशुद्धि विचार - केन्द्र, त्रिकोण एवं तृतीय में शुभग्रह, दशम शुद्ध (ग्रहरहित), 3,6,11 में पाप ग्रह शुभ हैं। 1, 6, 8 भावों में चन्द्र नहीं होना चाहिए।

चूडाकर्म(मुण्डन) मुहूर्त

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
30 अप्रैल	वैशाख	शुक्ल	7	गुरु	पुष्य	14:52से26:15तक
07 मई	वैशाख	शुक्ल	15	गुरु	स्वा.	05:59तक
13 मई	ज्येष्ठ	कृष्ण	7	बुध	श्रवण	
20 मई	ज्येष्ठ	कृष्ण	13	बुध	अश्विनी	19:52 से
25 मई	ज्येष्ठ	शुक्ल	3	सोम	मृगशिरा	
27 मई	ज्येष्ठ	शुक्ल	5	बुध	पुनर्वसु	
15 जून	आषाढ	कृष्ण	10	सोम	रेवती	16:31से
24 जून	आषाढ	शुक्ल	3	बुध	पुष्य	21:37से
15 जनवरी	पौष	शुक्ल	2	शुक्र	धनिष्ठा	

अष्टम लग्न को छोड़कर, अष्टम शुद्ध (ग्रहरहित), एवं 3,6,11 भावों में पाप ग्रह।

कर्णवेध संस्कार मुहूर्त

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
15/04/2020	चैत्र	शुक्ल	15	बुध	हस्त/चित्रा	
17/04/2020	वैशाख	कृष्ण	10	शुक्र	धनि.	06:56से19:53 तक
29/04/2020	वैशाख	शुक्ल	6	बुध	पुनर्वसु	
30/04/2020	वैशाख	शुक्ल	7	गुरु	पुष्य	14:52से26:15तक
13/05/2020	ज्येष्ठ	कृष्ण	7	बुध	श्रवण	18:02 तक
15/05/2020	ज्येष्ठ	कृष्ण	8	शुक्र	धनि.	
20/05/2020	ज्येष्ठ	कृष्ण	13	बुध	अश्वि.	19:52 से
25/05/2020	ज्येष्ठ	शुक्ल	3	सोम	मृगशिरा	
27/05/2020	ज्येष्ठ	शुक्ल	5	बुध	पुनर्वसु	
28/05/2020	ज्येष्ठ	शुक्ल	6	गुरु	पुष्य	
01/06/2020	ज्येष्ठ	शुक्ल	10	सोम	हस्त	25:36 से
05/06/2020	ज्येष्ट	शुक्ल	15	शुक्र	अनुराधा	13:50 तक
10/06/2020	आषाढ	कृष्ण	5	बुध	श्रवण	
11/06/2020	आषाढ	कृष्ण	6	गुरु	धनिष्ठा	20:50 से
15/06/2020	आषाढ	कृष्ण	10	सोम	रेवती	16:31 से
24/06/2020	आषाढ	शुक्ल	3	बुध	पुष्य	21:37 से
02/12/2020	मार्गशीर्ष	कृष्ण	2	बुध	मश्गशिरा	
10/12/2020	मार्गशीर्ष	कृष्ण	10	गुरु	हस्त	12:57 तक
11/12/2020	मार्गशीर्ष	कृष्ण	11	शुक्र	चित्रा	08:49 तक
14/01/2021	पौष	शुक्ल	1	गुरु	श्रवण	
15/01/2021	पौष	शुक्ल	2	शुक्र	धनिष्ठा	
20/01/2021	पौष	शुक्ल	7	बुध	रेवती	13:11से26:30 तक
21/01/2021	पौष	शुक्ल	8	गुरु	अश्विनी	
25/01/2021	पौष	शुक्ल	12	सोम	मृगशिरा	
28/01/2021	पौष	शुक्ल	15	गुरु	पुष्य	
03/02/2021	माघ	कृष्ण	6	बुध	चित्रा	14:14से25:11तक
12/02/2021	माघ	शुक्ल	1	शुक्र	धनिष्ठा	
17/02/2021	माघ	शुक्ल	6	बुध	अश्विनी	
22/02/2021	माघ	शुक्ल	10	सोम	मृगशिरा	
24/02/2021	माघ	शुक्ल	12	बुध	पुनर्वसु	
25/02/2021	माघ	शुक्ल	13	गुरु	पुष्य	
01/03/2021	फाल्गुन	कृष्ण	2/3	सोम	हस्त	भद्रा19:12से29:48
05/03/2021	फाल्गुन	कृष्ण	7	शुक्र	अनु.	08:47तक
10/03/2021	फाल्गुन	कृष्ण	12	बुध	श्रवण	
11/03/2021	फाल्गुन	कृष्ण	13	गुरु	धनिष्ठा	14:36से26:47तक
15/03/2021	फाल्गुन	शुक्ल	2	सोम	रेवती	
24/03/2021	फाल्गुन	शुक्ल	10	बुध	पुष्य	22:10 से
29/03/2021	चैत्र	कृष्ण	1	सोम	हस्त	
07/04/2021	चैत्र	कृष्ण	11	बुध	धनिष्ठा	

लग्नशुद्धि विचार - 2, 7, 9 12 लग्नों में अष्टम भाव शुद्ध हो। लग्न में गुरु एवं 3, 6, 11 में पाप ग्रह व 1, 4, 5, 7, 9, 10 में शुभग्रह श्रेयस्कर। **समय-** पूर्वाह्न व मध्याह्न।

उपनयन(जनेऊ)संस्कार मुहूर्त

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
26 मार्च	चैत्र	शुक्ल	2	गुरु	रेवती	
27 मार्च	चैत्र	शुक्ल	3	शुक्र	अश्विनी	
03 अप्रैल	चैत्र	शुक्ल	10	शुक्र	पुष्य	
09 अप्रैल	वैशाख	कृष्ण	2	गुरु	स्वाति	
26 अप्रैल	वैशाख	शुक्ल	3	रवि	रोहिणी	26:00से
03 मई	वैशाख	शुक्ल	10	रवि	पू.फा.	19:45से
27 मई	ज्येष्ठ	शुक्ल	5	बुध	पुनर्वसु	
24 जून	आषाढ	शुक्ल	3	बुध	पुष्य	21:37से

लग्नशुद्धि- शुक्र, गुरु चन्द्र और लग्नेश लग्न से 6, 8 स्थानों में, चन्द्र व शुक्र 12 वें स्थान में, पापग्रह 1, 5, 8 में विशेष अशुभ होते हैं। 6, 8, 12 को छोड़कर अन्य भावों में शुभग्रह, तथा 3,6,11 भावों में पाप ग्रह एवं कर्क एवं वृष राशि का चन्द्र लग्नस्थ हो तो शुभ होता है। त्रिवल (चन्द्र, गुरु एवं सूर्य) शुद्धि का विचार अवश्य करना चाहिये।

अक्षरारम्भ मुहूर्त

26 मार्च	चैत्र	शुक्ल	2	गुरु	रेव./अश्वि.	
27 मार्च	चैत्र	शुक्ल	3	शुक्र	अश्वि. 10:08 तक	
03 अप्रैल	चैत्र	शुक्ल	10	शुक्र	पुष्य	
09 अप्रैल	वैशाख	कृष्ण	2	गुरु	स्वाती	
29 अप्रैल	वैशाख	शुक्ल	6	बु/	पुनर्वसु	
27 मई	ज्येष्ठ	शुक्ल	5	बु/	पुनर्वसु/ पुष्य	

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
28 मई	ज्येष्ठ	शुक्ल	6	गुरु	पुष्य 7:32 तक	
15 जून	आषाढ	कृष्ण	10	सोम	रेवती	भद्रा 16:31 से
24 जून	आषाढ	शुक्ल	3	बुध	पुष्य	भद्रा 21: 37 से
02 जुलाई	आषाढ	शुक्ल	12	गुरु	अनु.	
03 दिसम्बर	मार्गशीर्ष	कृष्ण	3	गुरु	आर्दा	भद्रा 07: 01 से 19:35

लग्नशुद्धि- 2, 3, 6, 9, 12 राशि के लग्नों में। लग्न से 3,6,11 में पापग्रह तथा 1,4,5,7,9,10 स्थानों में शुभग्रह विशेष शुभ।

विद्यारम्भ मुहूर्त

26 मार्च	चैत्र	शुक्ल	2	गुरु	रेवती	
27 मार्च	चैत्र	शुक्ल	3	शुक्र	अश्विनी	
09 अप्रैल	वैशाख	कृष्ण	2	गुरु	स्वाति	
17 अप्रैल	वैशाख	कृष्ण	10	शुक्र	धनिष्ठा 06:56से19:53तक	
19 अप्रैल	वैशाख	कृष्ण	12	रवि	पू.भा.	
26 अप्रैल	वैशाख	शुक्ल	3	रवि	रोहिणी	26:00से
29 अप्रैल	वैशाख	शुक्ल	6	बुध	पुनर्वसु	
03 मई	वैशाख	शुक्ल	10	रवि	पू.फा.	19:45से
10 मई	ज्येष्ठ	कृष्ण	3	रवि	मूल	08:06तक
17 मई	ज्येष्ठ	कृष्ण	10	रवि	पू.भा.	12:43तक
24 मई	ज्येष्ठ	शुक्ल	2	रवि	मृगशिरा	
27 मई	ज्येष्ठ	शुक्ल	5	बुध	पुनर्वसु	
28 मई	ज्येष्ठ	शुक्ल	6	गुरु	पुष्य	
24 जून	आषाढ	शुक्ल	3	बुध	पुष्य	21:37से

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
26 नवम्बर	कार्तिक	शुक्ल	12	गुरु	रेवती	
02 दिसम्बर	मार्गशीर्ष	कृष्ण	2	बुध	मशगशिरा	
03 दिसम्बर	मार्गशीर्ष	कृष्ण	3	गुरु	आर्द्रा	07:01से19:35तक
06 दिसम्बर	मार्गशीर्ष	कृष्ण	6	रवि	आश्ले.	20:05से
10 दिसम्बर	मार्गशीर्ष	कृष्ण	10	गुरु	हस्त	12:57तक
11 दिसम्बर	मार्गशीर्ष	कृष्ण	11	शुक्र	चित्रा/स्वाति	
15 जनवरी	पौष	शुक्ल	2	शुक्र	धनिष्ठा	

लग्नशुद्धि- लग्न से केन्द्र और त्रिकोण में शुभग्रह तथा 3 , 6, 11 में पापग्रह प्रशस्त।

विपणि(दुकान/व्यापार) आरम्भ का मुहूर्त

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
25 मार्च	चैत्र	शुक्ल	1	बुध	रेवती	
27 मार्च	चैत्र	शुक्ल	3	शुक्र	अश्वनि	
30 मार्च	चैत्र	शुक्ल	6	सोम	रोहिणी	
03 अप्रैल	चैत्र	शुक्ल	10	शुक्र	पुष्य	
08 अप्रैल	चैत्र	शुक्ल	15	बुध	चित्रा	
15 अप्रैल	वैंपाख	कृष्ण	8	बुध	उ.षा.	
26 अप्रैल	वैंपाख	शुक्ल	3	रवि	रोहिणी	
30 अप्रैल	वैंपाख	शुक्ल	7	गुरु	पुष्य	14:52 से 26:15 तक
04 मई	वैंपाख	शुक्ल	11/12	सोम	उ.फा.	06:15 तक
18 मई	ज्येष्ठ	कृष्ण	11	सोम	उ.भा.	
20 मई	ज्येष्ठ	कृष्ण	13	बुध	अश्वनी	19:52 से
24 मई	ज्येष्ठ	शुक्ल	2	रवि	मृगशिरा	

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
28 मई	ज्येष्ठ	शुक्ल	6	गुरु	पुष्य-07:32	
01 जून	ज्येष्ठ	शुक्ल	10	सोम	हस्त	25:36 से
05 जून	ज्येष्ठ	शुक्ल	15	शुक्र	अनुराधा	13:50तक
15 जून	आषाढ	कृष्ण	10	सोम	रेवती	16:31 से
24 जून	आषाढ	शुक्ल	3	बुध	पुष्य	21:37 से
28 जून	आषाढ	शुक्ल	8	रवि	उ.फा.	13:55तक
02 जुलाई	आषाढ	शुक्ल	12	गुरु	अनुराधा	
06 जुलाई	श्रावण	कृष्ण	1	सोम	उ.षा.	
1 जुलाई	श्रावण	कृष्ण	8	सोम	रेवती	
26 जुलाई	श्रावण	शुक्ल	6	रवि	हस्त	
27 जुलाई	श्रावण	शुक्ल	7/8	सोम	चित्रा	07:09 से 18:03 तक
30 जुलाई	श्रावण	शुक्ल	11	गुरु	अनुराधा	12:19 से 23:37 तक
03 अगस्त	श्रावण	शुक्ल	15	सोम	उ.षा.	09:18तक
09 अगस्त	भाद्रपद	कृष्ण	6	रवि	रेवती	
10 अगस्त	भाद्रपद	कृष्ण	6/7	सोम	अश्वि.	06:43 से 19:56
14 अगस्त	भाद्रपद	कृष्ण	10	शुक्र	मृगशिरा	14:12 तक
17 अगस्त	भाद्रपद	कृष्ण	13	सोम	पुष्य	भद्रा 12:41 से
21 अगस्त	भाद्रपद	शुक्ल	3	शुक्र	उ.फा.	
23 अगस्त	भाद्रपद	शुक्ल	5	रवि	चित्रा	
26 अगस्त	भाद्रपद	शुक्ल	8	बुध	अनुराधा	
30 अगस्त	भाद्रपद	शुक्ल	12	रवि	उ.षा.	
18 अक्टूबर	आश्विन	शुक्ल	2	रवि	स्वाति	08:51 तक

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
19 अक्टूबर	आश्विन	शुक्ल	3	सोम	अनुराधा	24:38से
23 अक्टूबर	आश्विन	शुक्ल	7	शुक्र	उ.षा.	06:56से18:56 तक
29 अक्टूबर	आश्विन	शुक्ल	13	गुरु	उ.भा.	
08 नवम्बर	कार्तिक	कृष्ण	7	रवि	पुष्य	
11 नवम्बर	कार्तिक	कृष्ण	11	बुध	उ.फा.	
12 नवम्बर	कार्तिक	कृष्ण	12	गुरु	हस्त	
13 नवम्बर	कार्तिक	कृष्ण	13	शुक्र	चित्रा	18:08से28:14 तक
16 नवम्बर	कार्तिक	शुक्ल	प्रति/2	सोम	अनु.	
20 नवम्बर	कार्तिक	शुक्ल	6	शुक्र	उ.षा.	
25 नवम्बर	कार्तिक	शुक्ल	11	बुध	उ.भा.	
26 नवम्बर	कार्तिक	शुक्ल	12	गुरु	रेवती	
27 नवम्बर	कार्तिक	शुक्ल	12	शुक्र	अश्विनि	
30 नवम्बर	कार्तिक	शुक्ल	15	सोम	रोहिणी	
02 दिसम्बर	मार्गशीर्ष	कृष्ण	2	बुध	मश्गशिरा	
10 दिसम्बर	मार्गशीर्ष	कृष्ण	10	गुरु	हस्त	
11 दिसम्बर	मार्गशीर्ष	कृष्ण	11	शुक्र	चित्रा/स्वाति	
17 दिसम्बर	मार्गशीर्ष	शुक्ल	3	गुरु	उ.षा.	26:42 से
24 दिसम्बर	मार्गशीर्ष	शुक्ल	10	गुरु	अश्विनि	
25 दिसम्बर	मार्गशीर्ष	शुक्ल	11	शुक्र	अश्वि.	भद्रा12:40से26:03
01 जनवरी	पौष	कृष्ण	2	शुक्र	पुष्य	21:27 से
06 जनवरी	पौष	कृष्ण	8	बुध	हस्त	
10 जनवरी	पौष	कृष्ण	12	रवि	अनुराधा	
20 जनवरी	पौष	शुक्ल	7	बुध	रेवती	13:11से26:30तक
21 जनवरी	पौष	शुक्ल	8	गुरु	अश्विनी	
25 जनवरी	पौष	शुक्ल	12	सोम	मृगशिरा	
28 जनवरी	पौष	शुक्ल	15	गुरु	पुष्य	
03 फरवरी	माघ	कृष्ण	6	बुध	चित्रा	14:14से25:11तक
17 फरवरी	माघ	शुक्ल	6	बुध	उ.भा.	
25 फरवरी	माघ	शुक्ल	13	गुरु	पुष्य	
01 मार्च	फाल्गुन	कृष्ण	2/3	सोम	उ.फा./हस्त	19:12से29:48तक
05 मार्च	फाल्गुन	कृष्ण	7	शुक्र	अनुराधा	08:47 तक
14 मार्च	फाल्गुन	शुक्ल	1	रवि	उ.भा.	
15 मार्च	फाल्गुन	शुक्ल	2	सोम	रेवती	
21 मार्च	फाल्गुन	शुक्ल	7	रवि	मृगशिरा	07:09से20:05तक
24 मार्च	फाल्गुन	शुक्ल	10	बुध	पुष्य	22:10से
28 मार्च	फाल्गुन	शुक्ल	15	रवि	उ.फा.	14:18तक
29 मार्च	चैत्र	कृष्ण	1	सोम	हस्त	

लग्नशुद्धि - कुम्भ लग्न छोड़कर अन्य लग्नों में केन्द्र (1, 4, 7, 10), त्रिकोण (5, 9) एवं द्वितीय में शुभग्रह, 3, 6, 11 में पाप ग्रह, 4, 8 शुद्ध (ग्रहरहित) शुभ।

जलाशयारामसुरप्रतिष्ठा मुहूर्त

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र
27 मार्च	चैत्र	शुक्ल	3	शुक्र	अश्विनी
30 मार्च	चैत्र	शुक्ल	6	सोम	रोहिणी
03 अप्रैल	चैत्र	शुक्ल	10	शुक्र	पुष्य
08 अप्रैल	चैत्र	शुक्ल	15	बुध	हस्त/चित्रा

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
29 अप्रैल	वैशाख	शुक्ल	6	बुध	पुनर्वसु	
30 अप्रैल	वैशाख	शुक्ल	7	गुरु	पुष्य	14:52से26:15तक
04 मई	वैशाख	शुक्ल	11/12	सोम	उ.फा.	06:15तक
07 मई	वैशाख	शुक्ल	15	गुरु	स्वाति	05:59तक
25 मई	ज्येष्ठ	शुक्ल	3	सोम	मृगशिरा	
27 मई	ज्येष्ठ	शुक्ल	5	बुध	पुनर्वसु	
28 मई	ज्येष्ठ	शुक्ल	6	गुरु	पुष्य	
24 जून	आषाढ	शुक्ल	3	बुध	पुष्य	21:37से

लग्नशुद्धि- 2, 3, 5, 6, 9, 11, 12 लग्नों में, केन्द्र, त्रिकोण में शुभग्रह, 3,6,11 में पाप ग्रह, अष्टम शुद्ध (ग्रहरहित) हो।

विशेष- पूर्वाह्न में प्रतिष्ठा प्रशस्त। प्रतिष्ठापित होने वाले देव के मास, तिथि नक्षत्र में सम्प्रदाय के अनुरूप प्रतिष्ठा की जा सकती है। यथा- चतुर्दशी में शंकर, चतुर्थी में गणेश आदि को ।

हलप्रवहण (हल जोतने का) मुहूर्त

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
25 मार्च	चैत्र	शुक्ल	1	बुध	रेवती	
26 मार्च	चैत्र	शुक्ल	2	गुरु	रेवती	
27 मार्च	चैत्र	शुक्ल	3	शुक्र	अश्वनि	
30 मार्च	चैत्र	शुक्ल	6	सोम	रोहिणी	
31 मार्च	चैत्र	शुक्ल	7	मंगल	मृगशिरा	28:22से
03 अप्रैल	चैत्र	शुक्ल	10	शुक्र	पुष्य	
08 अप्रैल	चैत्र	शुक्ल	15	बुध	हस्त/चित्रा	
09 अप्रैल	वैशाख	कृष्ण	3	गुरु	स्वाति	
13 अप्रैल	वैशाख	कृष्ण	6	सोम	मूल	16:06से28:02तक
15 अप्रैल	वैशाख	कृष्ण	8	बुध	उ.षा.	
17 अप्रैल	वैशाख	कृष्ण	10	शुक्र	धनिष्ठा	
29 अप्रैल	वैशाख	शुक्ल	6	बुध	पुर्नवसु	
30 अप्रैल	वैशाख	शुक्ल	7	गुरु	पुष्य	14:52 से 26:15 तक
04 मई	वैशाख	शुक्ल	12	सोम	उ.फा.	06:15
05 मई	वैशाख	शुक्ल	13	मंगल	हस्त	
07 मई	वैशाख	शुक्ल	15	गुरु	स्वाति	05:59तक
12 मई	वैशाख	कृष्ण	5/6	मंगल	उ.षा.	29:13तक
13 मई	ज्येष्ठ	कृष्ण	7	बुध	श्रवण	18:02 तक
14 मई	ज्येष्ठ	कृष्ण	7/8	गुरु	श्रवण/धनिष्ठा	
15 मई	ज्येष्ठ	कृष्ण	8	शुक्र	धनिष्ठा	
19 मई	ज्येष्ठ	कृष्ण	12	मंगल	रेवती	
20 मई	ज्येष्ठ	कृष्ण	13	बुध	अश्वनी 19:52	से
25मई	ज्येष्ठ	शुक्ल	3	सोम	मृगशिरा	
27 मई	ज्येष्ठ	शुक्ल	5	बुध	पुर्नवसु-07:32	तक
28 मई	ज्येष्ठ	शुक्ल	6	गुरु	पुष्य	
01 जून	ज्येष्ठ	शुक्ल	10	सोम	हस्त	25:36 से
02 जून	ज्येष्ठ	शुक्ल	11	मंगल	चित्रा	12:08तक
03 जून	ज्येष्ठ	शुक्ल	12	बुध	स्वाति	
05 जून	ज्येष्ठ	शुक्ल	15	शुक्र	अनुराधा 13:50तक	
10 जून	आषाढ	कृष्ण	5	बुध	श्रवण	
11 जून	आषाढ	कृष्ण	6	गुरु	धनिष्ठा 20:50	से

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि	विवरण
12 जून	आषाढ	कृष्ण	7	शुक्र	शतभिषा		09:41 तक
15 जून	आषाढ	कृष्ण	10	सोम	रेवती		16:31 से
16 जून	आषाढ	कृष्ण	10	मंगल	अश्विनी		05:46तक
23 जून	आषाढ	शुक्ल	2	मंगल	पुनर्वसु		
24 जून	आषाढ़	शुक्ल	3	बुध	पुष्य		21:37 से
26 जून	आषाढ	शुक्ल	5/6	शुक्र	मघा		
30 जून	आषाढ	शुक्ल	10	मंगल	चित्रा/स्वाति		
02 जुलाई	आषाढ	शुक्ल	12	गुरु	अनुराधा		
06 जुलाई	श्रावण	कृष्ण	1	सोम	उ.षा.		
07 जुलाई	श्रावण	कृष्ण	2	मंगल	श्रवण		29:09से
08 जुलाई	श्रावण	कृष्ण	3	बुध	धनिष्ठा		09:16 तक
13 जुलाई	श्रावण	कृष्ण	8	सोम	रेवती		
17 जुलाई	श्रावण	कृष्ण	12	शुक्र	रोहिणी		
21 जुलाई	श्रावण	शुक्ल	1	मंगल	पुष्य		
23 जुलाई	श्रावण	शुक्ल	3	गुरु	मघा		27:56से
27जुलाई	श्रावण	शुक्ल	7/8	सोम	चित्रा		07:09 से 18:03 तक
30 जुलाई	श्रावण	शुक्ल	11	गुरु	अनुराधा		12:19 से 23:37 तक
03 अगस्त	श्रावण	शुक्ल	15	सोम	उ.षा.		09:18तक
04 अगस्त	भाद्रपद	कृष्ण	1	मंगल	श्रवण		
05 अगस्त	भाद्रपद	कृष्ण	2	बुध	धनिष्ठा		
06 अगस्त	भाद्रपद	कृष्ण	3	गुरु	शतभिषा		11:14 से 23:55 तक
10 अगस्त	भाद्रपद	कृष्ण	6/7	सोम	अश्विनी		06:43 से 19:56
14 अगस्त	भाद्रपद	कृष्ण	10	शुक्र	मृगशिरा		14:12 तक
17 अगस्त	भाद्रपद	कृष्ण	13	सोम	पुर्न.पुष्य		12:41 से 23: तक
21 अगस्त	भाद्रपद	शुक्ल	3	शुक्र	उ.फा.		
24 अगस्त	भाद्रपद	शुक्ल	6	सोम	स्वाति		
26 अगस्त	भाद्रपद	शुक्ल	8	बुध	अनुराधा		
28 अगस्त	भाद्रपद	शुक्ल	10	शुक्र	मूल		20:26से
31 अगस्त	भाद्रपद	शुक्ल	13	सोम	श्रवण		
02 सितम्बरर	भाद्रपद	शुक्ल	15	बुध	शतभिषा		
19 अक्टूबर	आश्विन	शुक्ल	3	सोम	अनुराधा		24:38से
21 अक्टूबर	आश्विन	शुक्ल	5	बुध	मूल		
23 अक्टूबर	आश्विन	शुक्ल	7	शुक्र	उ.षा.		06:56से18:56 तक
26 अक्टूबर	आश्विन	शुक्ल	10	सोम	शतभिषा		
29 अक्टूबर	आश्विन	शुक्ल	13	गुरु	उ.भा.		
03 नवम्बर	कार्तिक	कृष्ण	3	मंगल	रोहिणी		14:22से27:30तक
11 नवम्बर	कार्तिक	कृष्ण	11	बुध	उ.फा.		
12 नवम्बर	कार्तिक	कृष्ण	12	गुरु	हस्त		
13 नवम्बर	कार्तिक	कृष्ण	13	शुक्र	चित्रा		18:08से28:14 तक
16 नवम्बर	कार्तिक	शुक्ल	1/2	सोम	अनुराधा		
20 नवम्बर	कार्तिक	शुक्ल	6	शुक्र	उ.षा.		
25 नवम्बर	कार्तिक	शुक्ल	11	बुध	उ.भा.		
26 नवम्बर	कार्तिक	शुक्ल	12	गुरु	रेवती		
27 नवम्बर	कार्तिक	शुक्ल	12	शुक्र	अश्विनि		

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
30 नवम्बर	कार्तिक	शुक्ल	15	सोम	रोहिणी	
01 दिसम्बर	मार्गशीर्ष	कृष्ण	1	मंगल	रोहिणी	
02 दिसम्बर	मार्गशीर्ष	कृष्ण	2	बुध	मशगशिरा	
07 दिसम्बर	मार्गशीर्ष	कृष्ण	7	सोम	मघा	07:35तक
10 दिसम्बर	मार्गशीर्ष	कृष्ण	10	गुरु	हस्त	
11 दिसम्बर	मार्गशीर्ष	कृष्ण	11	शुक्र	चित्रा/स्वाति	
15 दिसम्बर	मार्गशीर्ष	शुक्ल	1	मंगल	मूल	
17 दिसम्बर	मार्गशीर्ष	शुक्ल	3	गुरु	उ.षा.	26:42 से
22 दिसम्बर	मार्गशीर्ष	शुक्ल	8	मंगल	उ.भा.	
24 दिसम्बर	मार्गशीर्ष	शुक्ल	10	गुरु	अश्विनि	
25 दिसम्बर	मार्गशीर्ष	शुक्ल	11	शुक्र	अश्वि.	12:40से26:03 तक
31 दिसम्बर	पौष	कृष्ण	1	गुरु	पुर्नवसु	
01 जनवरी	पौष	कृष्ण	2	शुक्र	पुष्य	21:27 से
05 जनवरी	पौष	कृष्ण	7	मंगल	उ.फा.	17:08तक
06 जनवरी	पौष	कृष्ण	8	बुध	हस्त	
08 जनवरी	पौष	कृष्ण	10	शुक्र	स्वाती	10:56से21:45 तक
14 जनवरी	पौष	शुक्ल	1	गुरु	श्रवण	
15 जनवरी	पौष	शुक्ल	2	शुक्र	धनिष्ठा	
19 जनवरी	पौष	शुक्ल	6	मंगल	उ.भा.	
20 जनवरी	पौष	शुक्ल	7	बुध	रेवती	13:11से26:30तक
21 जनवरी	पौष	शुक्ल	8	गुरु	अश्विनी	
25 जनवरी	पौष	शुक्ल	12	सोम	मृगशिरा	

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
28 जनवरी	पौष	शुक्ल	15	गुरु	पुष्य	
02 फरवरी	माघ	कृष्ण	5	मंगल	हस्त	
03 फरवरी	माघ	कृष्ण	6	बुध	चित्रा	14:14से25:11तक
04 फरवरी	माघ	कृष्णन	7	गुरु	स्वाती	
08 फरवरी	माघ	कृष्ण	12	सोम	मूल	
11 फरवरी	माघ	कृष्ण	15	गुरु	श्रवण	
12 फरवरी	माघ	शुक्ल	1	शुक्र	धनिष्ठा	
16 फरवरी	माघ	शुक्ल	5	मंगल	रेवती	
17 फरवरी	माघ	शुक्ल	6	बुध	उ.भा.	
22 फरवरी	माघ	शुक्ल	10	सोम	मृगशिरा	29:54से
24 फरवरी	माघ	शुक्ल	12	बुध	पुर्नवसु	
25 फरवरी	माघ	शुक्ल	13	गुरु	पुष्य	
01 मार्च	फाल्गुन	कृष्ण	2/3	सोम	उ.फा./हस्त	19:12से29:48तक
03 मार्च	फाल्गुन	कृष्ण	5	बुध	स्वाती	
04 मार्च	फाल्गुन	कृष्ण	6	गुरु	विशाखा	29:498से
05 मार्च	फाल्गुन	कृष्ण	7	शुक्र	अनुराधा	08:47 तक
09 मार्च	फाल्गुन	कृष्ण	11	मंगल	उ.षा.	
10 मार्च	फाल्गुन	कृष्ण	12	बुध	श्रवण	
11 मार्च	फाल्गुन	कृष्ण	13	गुरु	धनिष्ठा	14:36से26:47तक
15 मार्च	फाल्गुन	शुक्ल	2	सोम	रेवती	
16 मार्च	फाल्गुन	शुक्ल	3	मंगल	अश्विनी	
24 मार्च	फाल्गुन	शुक्ल	10	बुध	पुष्य	22:10से

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
26 मार्च	फाल्गुन	शुक्ल	12/13	शुक्र	मघा	
29 मार्च	चैत्र	कृष्ण	1	सोम	हस्त	
30 मार्च	चैत्र	कृष्ण	2	मंगल	चित्रा	27:44से
31 मार्च	चैत्र	कृष्ण	3	बुध	स्वाति	14:02तक
06 अप्रैव	चैत्र	कृष्ण	10	मंगल	श्रवण	13:48से25:44तक
07 अप्रैल	चैत्र	कृष्ण	11	बुध	धनिष्ठा	

लग्नशुद्धि - 2, 3, 6, 8, 9, 12 राशि के लग्न शुभ। 1, 4, 5, 7, 10, 11 लग्नों में अशुभ। लग्न में गुरु, जलचर नवांश में चन्द्र की स्थिति एवं चन्द्र शुक्र बली हों।

बीजोप्ति(बीज बोने का) मुहूर्त

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
25 मार्च	चैत्र	शुक्ल	1	बुध	रेवती	
27 मार्च	चैत्र	शुक्ल	3	शुक्र	अश्विनी	
03 अप्रैल	चैत्र	शुक्ल	10	शुक्र	पुष्य	
08 अप्रैल	चैत्र	शुक्ल	15	बुध	हस्त/चित्रा	
09 अप्रैल	वैशाख	कृष्ण	2	गुरु	स्वाति	
15 अप्रैल	वैशाख	कृष्ण	8	बुध	उ.षा.	
17 अप्रैल	वैशाख	कृष्ण	10	शुक्र	धनिष्ठा	
30 अप्रैल	वैशाख	शुक्ल	7	गुरु	पुष्य	14:52-26:15
04 मई	वैशाख	शुक्ल	12	सोम	उ.फा.	06:15तक
07 मई	वैशाख	शुक्ल	15	गुरु	स्वाति	05:59तक
15 मई	ज्येष्ठ	कृष्ण	8	शुक्र	धनिष्ठा	
18 मई	ज्येष्ठ	कृष्ण	11	सोम	उ.भा.	
20 मई	ज्येष्ठ	कृष्ण	13	बुध	अश्विनि	

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
25 मई	ज्येष्ठ	शुक्ल	3	सोम	मृगशिरा	
01 जून	ज्येष्ठ	शुक्ल	10	सोम	हस्त	25:36से
03 जून	ज्येष्ठ	शुक्ल	12	बुध	स्वाति	
05 जून	आषाढ	शुक्ल	15	शुक्र	अनुराधा	13:50तक
15 जून	आषाढ	कृष्ण	10	सोम	रेवती	16:31से
24 जून	आषाढ	शुक्ल	3	बुध	पुष्य	21:37से
02 जुलाई	आषाढ	शुक्ल	12	गुरु	अनुराधा	
06 जुलाई	श्रावण	कृष्ण	1	सोम	उ.षा.	
08 जुलाई	श्रावण	कृष्ण	3	बुध	धनिष्ठा	09:16 तक
13 जुलाई	श्रावण	कृष्ण	8	सोम	रेवती	
17 जुलाई	श्रावण	कृष्ण	12	शुक्र	रोहिणी	
23 जुलाई	श्रावण	शुक्ल	3	गुरु	मघा	27:56से
27 जुलाई	श्रावण	शुक्ल	7/8	सोम	चित्रा	07:09 से 18:03 तक
30 जुलाई	श्रावण	शुक्ल	11	गुरु	अनुराधा	12:19 से 23:37 तक
03 अगस्त	श्रावण	शुक्ल	15	सोम	उ.षा.	09:18तक
05 अगस्त	भाद्रपद	कृष्ण	2	बुध	धनिष्ठा	
14 अगस्त	भाद्रपद	कृष्ण	10	शुक्र	मृगशिरा	14:12तक
17 अगस्त	भाद्रपद	कृष्ण	13	सोम	पुर्न.पुष्य	12:41 से 23: तक
21 अगस्त	भाद्रपद	शुक्ल	3	शुक्र	उ.फा.	
26 अगस्त	भाद्रपद	शुक्ल	8	बुध	अनुराधा	
04 सितम्बर	आश्विन	कृष्ण	2	शुक्र	उ.भा.	27:26 से
10 सितम्बर	आश्विन	कृष्ण	8	गुरु	रोहिणी	

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
14 सितम्बर	आश्विन	कृष्ण	12	सोम	पुष्य	
18 सितम्बर	आश्विन	शुक्ल	1	शुक्र	उ.फा./हस्त	
28 सितम्बर	आश्विन	शुक्ल	12	सोम	धनिष्ठा	
01 अक्टूबर	आश्विन	शुक्ल	15	गुरु	उ.भा.	13:22तक
02 अक्टूबर	आश्विन	कृष्ण	1	शुक्र	रेवती	
07 अक्टूबर	आश्विन	शुक्ल	5	बुध	रोहिणी	
19 अक्टूबर	आश्विन	शुक्ल	3	सोम	अनुराधा	24:38से
23 अक्टूबर	आश्विन	शुक्ल	7	शुक्र	उ.षा.	06:56से18:56 तक
29 अक्टूबर	आश्विन	शुक्ल	13	गुरु	उ.भा.	
11 नवम्बर	कार्तिक	कृष्ण	11	बुध	उ.फा.	
12 नवम्बर	कार्तिक	कृष्ण	12	गुरु	हस्त	
16 नवम्वर	कार्तिक	शुक्ल	प्रति/2	सोम	अनुराधा	
25 नवम्वर	कार्तिक	शुक्ल	11	बुध	उ.भा.	
26 नवम्बर	कार्तिक	शुक्ल	12	गुरु	रेवती	
30 नवम्बर	कार्तिक	शुक्ल	15	सोम	रोहिणी	
02 दिसम्वर	मार्गशीर्ष	कृष्ण	2	बुध	मशगशिरा	
07 दिसम्वर	मार्गशीर्ष	कृष्ण	7	सोम	मघा	07:35तक
10 दिसम्वर	मार्गशीर्ष	कृष्ण	10	गुरु	हस्त	12:57तक
11 दिसम्बर	मार्गशीर्ष	कृष्ण	11	शुक्र	चित्रा/स्वाति	
17 दिसम्वर	मार्गशीर्ष	शुक्ल	3	गुरु	उ.षा.	26:42 से
24 दिसम्वर	मार्गशीर्ष	शुक्ल	10	गुरु	अश्विनि	
01 जनवरी	पौप	कृष्ण	2	शुक्र	पुष्य	21:27 से
06 जनवरी	पौष	कृष्ण	8	बुध	हस्त	
08 जनवरी	पौष	कृष्ण	10	शुक्र	स्वाती	10:56से21:45 तक
15 जनवरी	पौष	शुक्ल	2	शुक्र	धनिष्ठा	
20 जनवरी	पौष	शुक्ल	7	बुध	रेवती	13:11से 26:30तक
21 जनवरी	पौष	शुक्ल	8	गुरु	अश्वनी	
25 जनवरी	पौष	शुक्ल	12	सोम	मृगशिरा	
28 जनवरी	पौष	शुक्ल	15	गुरु	पुष्य	
04 फरवरी	माघ	कृष्ण	7	गुरु	स्वाति	
12 फरवरी	माघ	शुक्ल	1	शुक्र	धनिष्ठा	
22 फरवरी	माघ	शुक्ल	10	सोम	मृगशिरा	29:54से
25 फरवरी	माघ	शुक्ल	13	गुरु	पुष्य	
01 मार्च	फाल्गुन	कृष्ण	2/3	सोम	उ.फा./हस्त	19:12से29:48तक
03 मार्च	फाल्गुन	कृष्ण	5	बुध	स्वाती	
05 मार्च	फाल्गुन	कृष्ण	7	शुक्र	अनुराधा	08:47 तक
10 मार्च	फाल्गुन	कृष्ण	12	बुध	श्रवण	
11 मार्च	फाल्गुन	कृष्ण	13	गुरु	धनिष्ठा	14:36से26:47तक
15 मार्च	फाल्गुन	शुक्ल	2	सोम	रेवती	
24 मार्च	फाल्गुन	शुक्ल	10	बुध	पुष्य	22:10स
26 मार्च	फाल्गुन	शुक्ल	12/13	शुक्र	मघा	
29 मार्च	चैत्र	कृष्ण	1	सोम	हस्त	
31 मार्च	चैत्र	कृष्ण	3	बुध	स्वाति	14:02तक
07 अप्रैल	चैत्र	कृष्ण	11	वुध	धनिष्ठा	

त्याज्य- भद्रा, अशुभयोग, चक्र अशुद्धि (राहुचक्र से)राहुचक्रशुद्धि विचार - राहु जिस नक्षत्र में है, उस नक्षत्र से बीज वपन दिन के नक्षत्र तक 27 नक्षत्रों को गिनने पर यदि 1-8 नक्षत्र हों तो अशुभ, उससे आगे के 9-11 नक्षत्र शुभ, अग्रिम 12वां नक्षत्र अशुभ, पुनः आगे के 13-15 नक्षत्र शुभ, अग्रिम 16वां नक्षत्र अशुभ, फिर आगे के 17-19 नक्षत्र शुभ, अग्रिम 20वां नक्षत्र अशुभ, पुनः आगे के 21-23 नक्षत्र शुभ तथा अन्तिम 24-27 नक्षत्र अशुभ होते हैंजैसे - राहुनक्षत्र पुनर्वसु है, तथा बीजवपन के दिन का नक्षत्र अनुराधा है। पुनर्वसु से अनुराधा गिनने पर 11 संख्या प्राप्त हुई। तो शुभ है। अतः इस दिन चक्रशुद्धि जाननी चाहिए।

गृहारम्भ मुहूर्त

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
09 अप्रैल	वैशाख	कृष्ण	2	गुरु	स्वाति	
15 अप्रैल	वैशाख	कृष्ण	8	बुध	उ.षा.	
17 अप्रैल	वैशाख	कृष्ण	10	शुक्र	धनिष्ठा	06:56से 19:53तक
18 अप्रैल	वैशाख	कृष्ण	11	शनि	शतभिषा	
29 अप्रैल	वैशाख	शुक्ल	6	बुध	पुनर्वसु	
30 अप्रैल	वैशाख	शुक्ल	7	गुरु	पुष्य	14:52से26:15तक
04 मई	वैशाख	शुक्ल	12	सोम	उ.फा.	06:15तक
07 मई	वैशाख	शुक्ल	15	गुरु	स्वाति	05:59तक
17 जुलाई	श्रावण	कृष्ण	12	शुक्र	रोहिणी	
18 जुलाई	श्रावण	कृष्ण	13	शनि	मृगशिरा	25:06से
25 जुलाई	श्रावण	शुक्ल	5	शनि	उ.फा.	
27 जुलाई	श्रावण	शुक्ल	7/8	सोम	चित्रा	07:09से18:03तक
30 जुलाई	श्रावण	शुक्ल	11	गुरु	अनुराधा	12:09से23:37तक
01 अगस्त	श्रावण	शुक्ल	13	शनि	मूल	
03 अगस्त	श्रावण	शुक्ल	15	सोम	उ.षा.	09:18तक
02 दिसम्बर	मार्गशीर्ष	कृष्ण	2	बुध	मृगशिरा	
05 दिसम्बर	मार्गशीर्ष	कृष्ण	5	शनि	पुष्य	
10 दिसम्बर	मार्गशीर्ष	कृष्ण	10	गुरु	हस्त	12:57तक
11 दिसम्बर	मार्गशीर्ष	कृष्ण	11	शुक्र	चित्रा/स्वाति	

लग्नशुद्धि - 2, 3, 5, 6, 8, 9, 11, 12 राशि के लग्नों में, केन्द्र (1, 4, 7, 10), त्रिकोण (5, 9) में शुभग्रह, 3, 6, 11 में पाप ग्रह, 8, 12 शुद्ध (ग्रहरहित) शुभ है।

नूतन गृहप्रवेश हेतु प्रशस्त मुहूर्त

15 अप्रैल 2020	वैशाख	कृष्ण	8	बुध	उ.षा.
04 मई	वैशाख	शुक्ल	11/12	सोम	उ.फा. 06:15 तक
18 मई	ज्येष्ठ	कृष्ण	11	सोम	उ.भा.
23 मई	ज्येष्ठ	शुक्ल	1	शनि	रोहिणी

लग्नशुद्धि - 2, 3, 5, 6, 8, 9, 11, 12 लग्नों में, केन्द्र (1, 4, 7, 10), त्रिकोण (5, 9) में शुभग्रह, 3, 6, 11 में पाप ग्रह, 8, 12 स्थान शुद्ध (ग्रहरहित) शुभ है।

पुरातन/जीर्ण गृहप्रवेश मुहूर्त

(नोट- नूतनगृहप्रवेश हेतु कहे गये मुहूर्तों में भी जीर्णगृहप्रवेश होता है। इनके अतिरिक्त निम्नलिखित मुहूर्तों में भी जीर्णगृहप्रवेश प्रशस्त होता है।)

15/04/2020	वैशाख	कृष्ण	8	बुध	उ.षा.	
17/04/2020	वैशाख	कृष्ण	10	शुक्र	धनिष्ठा	06:56से19:53तक
18/04/2020	वैशाख	कृष्ण	11	शनि	शतभिषा	
30/04/2020	वैशाख	शुक्ल	7	गुरु	पुष्य	14:52से26:15तक
04/05/2020	वैशाख	शुक्ल	12	सोम	उ.फा.	06:15तक
15/05/2020	ज्येष्ठ	कृष्ण	8	शुक्र	धनिष्ठा	
18/05/2020	ज्येष्ठ	कृष्ण	11	सोम	उ.भा.	

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
23/05/2020	ज्येष्ठ	शुक्ल	1	शनि	रोहिणी	
25/05/2020	ज्येष्ठ	शुक्ल	3	सोम	मश्गशिरा	
28/05/2020	ज्येष्ठ	शुक्ल	6	गुरु	पुष्य	
03/06/2020	ज्येष्ठ	शुक्ल	12	बुध	स्वाति	
17/07/2020	श्रावण	कृष्ण	12	शुक्र	रोहिणी	
18/07/2020	श्रावण	कृष्ण	13	शनि	मृगशिरा	
25/07/2020	श्रावण	शुक्ल	5	शनि	उ.फा.	
27/07/2020	श्रावण	शुक्ल	7/8	सोम	चित्रा	07:09से18:03तक
30/07/2020	श्रावण	शुक्ल	11	गुरु	अनुराधा	12:19से23:37तक
11/11/2020	कार्तिक	कृष्ण	11	बुध	उ.फा.	
13/11/2020	कार्तिक	कृष्ण	13	शुक्र	चित्रा	18:08से28:14तक
16/11/2020	कार्तिक	शुक्ल	1/2	सोम	अनुराधा	
20/11/2020	कार्तिक	शुक्ल	6	शुक्र	उ.षा.	
25/11/2020	कार्तिक	शुक्ल	11	बुध	उ.भा.	15:43से29:02तक
26/11/2020	कार्तिक	शुक्ल	12	गुरु	रेवती	
02/12/2020	मार्गशीर्ष	कृष्ण	2	बुध	मश्गशिरा	
05/12/2020	मार्गशीर्ष	कृष्ण	5	शनि	पुष्य	
11/12/2020	मार्गशीर्ष	कृष्ण	11	शुक्र	चित्रा/स्वाति	
03/02/2021	माघ	कृष्ण	6	बुध	चित्रा	14:14से25:11तक
04/02/2021	माघ	कृष्ण	7	गुरु	स्वाति	
06/02/2021	माघ	कृष्ण	10	शनि	अनु.	भद्रा18:25से28:36
12/02/2021	माघ	शुक्ल	1	शुक्र	धनिष्ठा	
13/02/2021	माघ	शुक्ल	2	शनि	शतभिषा	
20/02/2021	माघ	शुक्ल	8	शनि	रोहिणी	
22/02/2021	माघ	शुक्ल	10	सोम	मृग.	29:54से
25/02/2021	माघ	शुक्ल	13	गुरु	पुष्य	
03/03/2021	फाल्गुन	कृष्ण	5	बुध	स्वाति	
05/03/2021	फाल्गुन	कृष्ण	7	शुक्र	अनुराधा	08:47तक
11/03/2021	फाल्गुन	कृष्ण	13	गुरु	धनिष्ठा	14:26से26:47तक

यात्राविवाहोत्सवजातकादौ खेटैः स्फुटैरेव फलस्फुटत्वम्। अथ प्रोच्यते तेन नभश्चराणां स्फुटक्रिया दृग्गणितैक्यकृद्या॥
आयुश्च वित्तञ्च तथा सुखञ्च धर्मार्थलाभो बहुपुत्रताञ्च। शत्रुक्षयं राज्यसु पूज्यताञ्च तुष्टाः ग्रहाः शान्तिकरा भवन्तु॥

ज्योतिषशास्त्रफलं पुराणगणकैरादेश इत्युच्यते नूनं लग्नबलाश्रितं पुनरयं तत्स्पष्टखेटाश्रयम्।
ते गोलाश्रयिणोऽन्तरेण गणितं गोलोऽपि न ज्ञायते तस्माद्यो गणितं न वेत्ति स कथं गोलादिकं ज्ञास्यति॥

देवब्राह्मणवन्दनाद्गुरुवचः सम्पादनात्प्रत्यहं साधूनामभिभाषणाच्छ्रुतिरवश्रेयस्कथाकर्णनात्।
होमादध्वरदर्शनाच्छुचिमनोभावाज्जपाद्दानतो नो कुर्वन्ति कदाचिदेव पुरुषस्यैवं ग्रहाः पीडनम्॥

नामराशेर्ग्रामस्य शुभाशुभत्वम् -

स्वनामराशितो ग्रामराशिर्व्यङ्केषुदिक्शिवैः।
सम्मितश्चेत्तदा तस्य तद्ग्रामे वास उत्तमः।।
रोगोऽष्टद्वादशे तुर्ये वैरमाद्ये च सप्तमे।
हानिः षष्ठे तृतीये च ग्रामराशौ स्वनामभात्।।

व्यावहारिक नाम से 2, 5, 9, 10, 11 वीं ग्राम की राशि हो तो उस ग्राम में वास करना उत्तम होता है। 4, 8, 12 वीं राशि ग्राम की हो तो रोग, 1, 7 वीं राशि ग्राम की हो तो वैरित्व एवं 3, 6 वीं राशि ग्राम की हो तो हानि होती है।

यद्ग्रामभं द्व्यङ्कसुतेशकाष्ठामितं भवेल्लाभमतः शुभः सः।
यद्भं शशाङ्काग्निः न गाब्धितुल्यं मध्योष्टषट्कार्कमितं निषिद्धः।।

निवासकर्ता की नामराशि से 2, 5, 9, 10, 11 वीं ग्रामकी राशि हो तो उत्तम, 1, 3, 4, 7 वीं राशि हो तो सम, एवं 6, 8, 12 वीं राशि हो तो निषिद्ध होती है।

मुहूर्त्तचिन्तामणौ शुभाशुभविचारः-

यद्भं द्व्यङ्कसुतेशदिङ्मितमसौ ग्रामः शुभो नामभात्
स्वं वर्गं द्विगुणं विधाय परवर्गाढ्यं गजैः शेषितम्।
काकिण्यस्त्वनयोश्च तद्विवरतो यस्याधिकाः सोऽर्थ।।

अपनी नामराशि से अभीष्ट स्थान की नाम राशि यदि 2, 9, 5, 11, 10 संख्यक हो तो यह स्थान निवास हेतु शुभ होता है। 'अ, क, च, ट, त, प, य, श' इन वर्गों में से जो अपने नाम का वर्ग हो उस वर्ग की संख्या को द्विगुणित कर इसमें स्थान की वर्ग संख्या जोड़कर द्विगुणित कर पुरुष की वर्ग संख्या को जोड़कर आठ का भाग देने से शेष स्थान की काकिणी होती है। पुरुष की काकिणी से स्थान की काकिणी अधिक हो तो शुभ होता है।

विविध मुहूर्तों का विचार

गर्भाधान मुहूर्त

यह षोडश संस्कारों में प्रथम संस्कार हैं, क्योंकि जीवन का प्रारम्भ इसी से होता है।

निषिक्तो यत्प्रयोगेण गर्भ संधार्यते स्त्रिया।

तद्गर्भालम्भनं नामकर्म प्रोक्तं मनीषिभिः।।

रजोदर्शन प्रारम्भ से 4 रात्रि उपरान्त सम रात्रियों में रोहिणी, हस्त, मृगशिरा, अनुराधा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा तीनों उत्तरा इन नक्षत्रों में मेष, कर्क, सिंह, धनु, मकर इन लग्नों में तथा लग्न से 3-6-11वें स्थान पर पाप ग्रह हो रवि, मंगल, और गुरु की लग्न पर दृष्टि, नवांश विषम राशि का हो (स्त्री का विशेष रूप से चन्द्र श्रेष्ठ हो) ऐसे समय का विचार कर गर्भाधान संस्कार करें। पुनर्वसु, अश्विनी, पुष्य, चित्रा नक्षत्रों में गर्भाधान मध्यम है।

श्रेष्ठ नक्षत्र - रोहणी, हस्त, मृगशिरा, अनुराधा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा तीनों उत्तरा

मध्यम नक्षत्र - पुनर्वसु, अश्विनी, पुष्य, चित्रा

लग्न - मेष, कर्क, सिंह, धनु, मकर व लग्न से 3,6,11 वें पापग्रह

नवांश - 1, 3, 5, 7, 9, 11

रात्रियां रजोदर्शन से - 6, 8, 10, 12, 14, 16 वीं

पुंसवन तथा सीमन्तोन्नयन मुहूर्त

गर्भधारण का निश्चय हो जाने के पश्चात् शिशु को पुंसवन नामक संस्कार के द्वारा अभिषिक्त किया जाता है। इसका अभिप्राय पुमान् (पुरुष) का सवन (जन्म) हो।

पुमान् प्रसूयते येन कर्मणा तत् पुंसवनमीरितम्।

गर्भ के तृतीय मास में रवि, मंगल, गुरुवार को दम्पति के श्रेष्ठ चन्द्र मे, तारा शुद्धि मे रोहिणी, मृगशिरा, पुष्य, पुनर्वसु, हस्त, मूल. श्रवण, 3 उत्तरा नक्षत्रों में जन्म नक्षत्र को त्याग कर, शुक्लपक्ष की 1, 2, 3, 4, 5, 7, 10, 11, 13 तथा कृष्ण पक्ष में दशमी पर्यन्त तिथियों में दिन के पूर्व भाग में पुरुष संज्ञक नवांश लग्न में होने पर तथा लग्न से 1, 4, 5, 7, 9, 10 स्थानों पर शुभ ग्रह तथा 3, 6, 11 वें स्थानों पर पापग्रहों की स्थिति में एवं चन्द्र की 1,6,8,12वें स्थिति न होने पर पुंसवन व सीमन्त संस्कार शुभ हैं इस संस्कार में गुरु शुक्रास्त अविचारणीय है। गर्भ से 6, 8 मासों मे मासाधिपति बली होने पर शुभ हैं।

मास - गर्भ से 6, 8 मासों मे मासाधिपति वली होने पर शुभ है।

तिथि - शुक्लपक्ष की 1,2,3,4,5,7,10,11,13 तथा कृष्ण पक्ष में दशमी पर्यन्त

नक्षत्र - रोहिणी, मृगशिरा, पुष्य, पुनर्वसु, हस्त, मूल. श्रवण, 3 उत्तरा नक्षत्रों में जन्म नक्षत्र को त्याग कर

लग्न - 1,3,5,7,11

वार - रवि, मंगल, बुध, गुरु, मतान्तर से सोम, बुध, शुक्र

स्तनपान मुहूर्त

जन्म से पांचवें दिन अथवा भद्रा, व्यतिपात, 4,9,14 तिथि को छोड़कर शुभ तिथि को सोम, बुध, गुरु, शुक्र वारों में पुनर्वसु. पुष्य, मृगशिरा, मघा, श्रवण, रेवती नक्षत्रों में बालक को प्रथम बार स्तनपान कराना शुभ हैं।

तिथि - 2,3,5,8,10,11,13,15

वार - सोम, बुध, गुरु, शुक्र

नक्षत्र - पुनर्वसु, पुष्य, मृगशिरा, मघा, श्रवण, रेवती

त्याज्य - भद्रा, व्यतिपात, वैधृति 4, 9, 14 तिथि

जलपूजन मुहूर्त

जन्म के अनन्तर प्रथम मास की समाप्ति पर बुध, गुरु, चन्द्र, वारों में 4,9,14,30 तिथियों को छोड़कर अन्य तिथियों में मृगशिरा, पुनर्वसु. पुष्य, हस्त, अनुराधा मूल, श्रवण नक्षत्रों में प्रसूता स्त्री द्वारा जलपूजन करना (कुंआ-पूजना) श्रेष्ठ है।

चैत्र, पौष, अधिमास, गुरु-शुक्रास्त का विचार एक मास के वाद ही करें।

तिथि - 1,2,3,5,6,7,8,10,11,12,13,15

वार - बुध-गुरु-चन्द्र

नक्षत्र - मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, अनुराधा मूल, श्रवण, धनिष्ठा

त्याज्य - प्रथममासोपरान्त चैत्र, पौष, अधिमास, गुरु-शुक्रास्त, रिक्ता व अमावस्या तिथि

जातकर्म और नामकरण संस्कार मुहूर्त

जीवन में व्यवहार का सम्पूर्ण आधार नाम पर ही निर्भर होता है।

नामाखिलस्य जगतः व्यवहारहेतुः शुभावहं कर्मसु भाग्यहेतुः।
नाम्नैव कीर्तिं लभते मनुष्यस्ततः प्रशस्तं खलु नाम कर्म।।

जातकर्म अर्थात् शिशु के जन्म होने के बाद का कार्य नाल छेदन से पूर्व करना उचित है। नामकरण सूतक निवृत्ति के उपरान्त ब्राह्मण 11वें दिन, क्षत्रिय 13वें दिन, शूद्र 21वें दिन, कुल की परम्परा के अनुसार करें। दस दिन से पूर्व कदापि शुद्धि के अभाव के करण नामकरण संस्कार न करें। सूतक समाप्ति पर 11वें या 12वें दिन नामकरण संस्कार विना विचारें कर लें। 12 दिन के बाद भद्रा, व्यतिपात, वैधृति, संक्रान्ति रहित दिनों में रिक्ता 1,2,3,5,6,7,10,11,12,13 इन

तिथियों में शुभवार, अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, चित्रा, अनुराधा, तीनों उत्तरा, अभिजित, स्वाति, मूल श्रवणा, धनिष्ठा, शतभिषा, रेवती नक्षत्रों में लग्न नवांश के बल का विचार कर नामकरण करें।

तिथि - 1,2,3,5,6,7,8,10,11,12,13

वार - सोम, बुध, गुरु, शुक्र

नक्षत्र - अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, चित्रा, अनुराधा, तीनों उत्तरा, अभिजित, स्वाति, मूल श्रवणा, धनिष्ठा, शतभिषा, रेवती

त्याज्य - जन्म से 10 दिन, भद्रा, व्यतिपात, वैधृति, संक्रान्ति रहित दिन

निष्क्रमण मुहूर्त

बालक को प्रथम बार घर से बाहर निकलनें को ही निष्क्रमण कहते हैं। जन्म से बारहवें दिन बिना मुहूर्त विचार के बालक का निष्क्रमण कर, सूर्य नक्षत्र का पूजन कर सूर्य नक्षत्र व देवताओं का दर्शन करावें। यदि बारहवें दिन यह न हो पाये तब 3 मास में मंगल शनि वर्जित वारों व रिक्ता, विष्टि, अमावस्या आदि अशुभ योग से भिन्न शुभ दिन में, अश्विनी, रोहिणी, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, अनुराधा, स्वाति, मूल श्रवण, धनिष्ठा नक्षत्रों में प्रथम निष्क्रमण शुभ है।

तिथि - शुक्ल पक्ष में 1,2,3,5,6,7,8,10,11,12,13,15

वार - सोम-बुध-गुरु-शुक्र

नक्षत्र - अश्विनी, रोहिणी, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, अनुराधा, स्वाति, मूल श्रवण, धनिष्ठा

त्याज्य - मंगल शनि वर्जित वारों व रिक्ता तिथि, अमावस्या., विष्टि, अशुभ योग

भूमि पर प्रथमोपवेशन मुहूर्त्त

जन्म से पञ्चम मास में रिक्ता, अमावस्या रहित तिथि, शुभवार, अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, पुष्य हस्त अनुराधा ज्येष्ठा अभिजित तीनों उत्तरा नक्षत्रों में स्थिर लग्न का विचार कर बालक की कमर में काला सूत्र बांधकर पृथ्वी और वराह का पूजन कर ''पृथ्वी'' पर बैठावें। इस समय बालक के सामने विविध वस्तुएं रखें आजीविका की जिस वस्तु को वह उठावे उसी से आजीविका समझनी चाहिये।

तिथि - पंचम मास में 1,2,3,5,6,7,8,10,11,12,13,15

वार - सोम, बुध, गुरु, शुक्र

नक्षत्र - अश्विनी. रोहिणी., मृगशिरा. पुष्य, हस्त, अनुराधा. ज्येष्ठा, तीनों उत्तरा

लग्न - 2, 5, 8, 11

अन्नप्राशन मुहूर्त

बालक के नामकरण, निष्क्रमण, भूमि उपवेशन के बाद 6,8,10,12वें मास में पुत्र को और 5,7,9 वें मास में कन्या को अन्नप्राशन करावें।

विशेष-उक्त मासों में भद्रा व्यतिपात दोष रहित 1,3,5,7,10,13,15 तिथियों में शुभवार अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, चित्रा, स्वाति. अनुराधा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, तीनों उत्तरा, रेवती नक्षत्रों में 1,3,4,5,7,9 स्थानों मे शुभ ग्रह हो जन्म लग्न या जन्मराशि से अष्टम लग्न या नवांश तथा 12,1,8 लग्न को त्यागकर पाप-शुद्ध दशम भाव इन सभी बातों का ध्यान कर अन्नप्राशन कराना श्रेष्ठ है।

मास - 6,8,10,12वें मास में पुत्र 5,7,9 वें मास में कन्या

तिथि - 1,3,5,7,10,13,15

वार - सोम, बुध, गुरु, शुक्र

नक्षत्र - अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा तीनों उत्तरा, रेवती

लग्न - 1,3,4,5,6,7,9,10,11

त्याज्य - जन्म लग्न या जन्मराशि से अष्टम लग्न या नवांश तथा 12,1,8 लग्न, पाप-शुद्ध दशम भाव

कर्णवेध मुहूर्त

कर्ण वेध के महत्व के सन्दर्भ मे सुश्रुत ने कहा है कि कर्णवेध करने से आन्त्रवृद्धि, अण्डकोष वृद्धि आदि का निरोध होता है।

शंङ्खोपरि च कर्णान्ते त्यक्त्वा यत्नेन सेवनीयम्।

व्यत्यासाद्वा शिरां विध्येद् अन्त्रवृद्धि निवृत्तये॥

समवर्ष, चैत्र, पौष, जन्ममास, देवशयन, जन्म नक्षत्र व तिथि, क्षयतिथि व रिक्ता को छोड़कर जन्म से 12वें या 16वें दिन अथवा 6, 7, 8वें मास में या विषम वर्षो में शुभवार, अश्विनी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, चित्रा, अनुराधा, श्रवण, धनिष्ठा, रेवती नक्षत्रों में लग्न से अष्टम शुद्ध समय में वृष, तुला, धनु, मीन लग्न में तथा गुरु की लग्न में स्थिति होने पर कर्ण-वेध श्रेष्ठ होता है।

वर्षादि - विषम वर्ष, 6,7,8 वें मास, जन्म से 12वें या 16वें दिन

तिथि - 1,2,3,5,6,7,8,10,11,12,13,15

वार - सोम, बुध, गुरु, शुक्र

नक्षत्र - अश्विनी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, चित्रा, अनुराधा, श्रवण, धनिष्ठा, रेवती

लग्न - 2,7,9,12

त्याज्य - समवर्ष, चैत्र, पौष, जन्ममास, देवशयन, जन्म नक्षत्र व जन्म तिथि, क्षयतिथि व रिक्ता।

चूडाकर्म (मुण्डन) मुहूर्त्त

अपने कुल की परम्परा के अनुसार इष्टदेव या तीर्थ स्थान पर मुण्डन संस्कार और कर्ण वेध किया जा सकता है। यह चौलकर्म विषमवर्ष या उत्तरायण में 2,3,5,10,11,13 तिथियों, शुभवारों में अश्विनी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, चित्रा, स्वाति, ज्येष्ठा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, रेवती, नक्षत्रों मे करना श्रेष्ठ है। अष्टम भाव शुद्ध होना चाहिये। ज्येष्ठ, चैत्र मास मे न करें। बालक की माता को पांच मास की गर्भ स्थिति होने पर 5 वर्ष से न्यून अवस्था के शिशु का मुण्डन न करें।

सूनोर्मातरि गर्भिण्यां चूडाकर्म न कारयेत्।

पञ्चाब्दात्प्रागथेर्ध्वं तु गर्भिण्यामपि कारयेत्॥

वर्षादि - विषमवर्ष या उत्तरायण

तिथि - 2,3,5,7,10,11,13

वार - सोम, बुध, गुरु, शुक्र

नक्षत्र - अश्विनी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, चित्रा, स्वाति, ज्येष्ठा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, रेवती।

त्याज्य - लग्न से अष्टम ग्रह, ज्येष्ठ, चैत्र मास, समवर्ष, दक्षिणायन।

कन्या के नाक बिंधवाने का मुहूर्त्त

शुक्लपक्ष की रिक्ता व अमावस्या रहित तिथि, सोम, बुध, गुरु, शुक्र अशुभ योग रहित प्रथम प्रहर, अश्वि. मृग. पुन. पुष्य, हस्त, चि., अनु., श्रव, ध नि, रेव, तीनों उत्तरा, स्वाती, शत, इन नक्षत्रों में कन्या की नाक बींधना शुभ है।

पक्ष - शुक्लपक्ष

तिथि - 1,2,3,5,6,7,8,10,11,12,13,15

वार - सोम, बुध, गुरु, शुक्र

प्रहर - प्रथम

नक्षत्र - अश्विनी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, चित्रा, अनुराधा, श्रवण, धनिष्ठा, रेवती, तीनों उत्तरा, स्वाती, शतभिषा

अक्षरारम्भ मुहूर्त

बालक को विद्यारम्भ से पूर्व अक्षरारम्भ का विचार होता है। सूर्य उत्तरायण हो जन्म से 5,7 वें वर्ष में 2, 3, 5, 6, 10, 11, 12 तिथि, शुभवार, अश्विनी, आर्द्रा, पुनवर्सु, पुष्य, हस्त, स्वाति, अनुराधा, श्रवण, रेवती इन नक्षत्रों में, चर लग्नों को छोड़कर, अन्य लग्नों में गणेश, विष्णु, सरस्वती, लक्ष्मी, तथा अपने देवताओं का पूजन कर अक्षरारम्भ करें।

अयन - उत्तरायण

वर्ष - 5, 7

वार - सोम, बुध, गुरु, शुक्र

तिथि - 2, 3, 5, 6, 10, 11, 12

लग्न - 1,3,5,6,8,9,11,12

नक्षत्र - अश्विनी, आर्द्रा, पुनवर्सु, पुष्य, हस्त, स्वाति, अनुराधा, श्रवण, रेवती

विद्यारम्भ मुहूर्त

अक्षरारम्भ के उपरान्त विशेष ज्ञान को बढाने वाली किसी भी भाषास्थ विद्या(विशेषत: संस्कृत भाषस्थ विद्या) का प्रारम्भ फाल्गुन मास छोड़कर उत्तरायण 2,3,5,6,10,11,12 तिथियों में, रवि, बुध,गुरु शुक्र वारों में और अश्विनी, आश्लेषा, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, तीनों पूर्वा, रेवती इन नक्षत्रों में श्रेष्ठ हैं। अंग्रेजी, फारसी, उर्दू के विद्यारम्भ के लिये रवि, मंगल, शनिवार, रिक्ता तिथि, ज्येष्ठा, आश्लेषा, मघा, 3पूर्वा, भरणी, कृतिका., विशाखा, आर्द्रा, उत्तरापाढ़ा, शतभिषा, इन नक्षत्रों में शुभ है।

अयन - उत्तरायण

तिथि - 2,3,5,6,10,11,12 तिथियों में

विद्यारम्भ त्याज्य - फाल्गुन मास रिक्ता, अमावस्या तिथियां

वार - रवि, बुध, गुरु, शुक्र

नक्षत्र - अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, आश्लेषा, आर्द्रा, पुनर्वसु, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, तीनों पूर्वा, रेवती

उपनयन मुहूर्त

उपनयन संस्कार बालक के जन्म से या गर्भ से ब्राह्मण का 8 वें, क्षत्रिय का 11 वें, वैश्य का 12 वें वर्ष में करना श्रेयस्कर है। इस काल के व्यतीत हो जाने पर ब्राह्मण 16 वें वर्ष, क्षत्रिय 22 वें वर्ष वैश्य 24 वें वर्ष तक उपनयन संस्कार करा सकते हैं।

विप्राणां व्रतबन्धनं निगदितं गर्भाज्जनेर्वाष्टमे।

वर्षे वाप्यथ पञ्चमे क्षितिभुजां षष्ठे तथैकादशे।

वैश्यानां पुनरष्टमेऽप्यथ पुनः स्याद् द्वादशे वत्सरे।

कालेऽथ द्विगुणे गते निगदिते गौणं तदाहुर्बुधाः॥

बालक(बटुक) का गुरुबल तथा चन्द्रबल विचार करें। देवशयन से पूर्व तक उत्तरायण सूर्य में, रवि, चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्रवारों में शुक्लपक्ष की 2,3,5,10,11,12 तथा कृष्णपक्ष की 2,3,5 तिथियों में, अश्विनी, राहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, तीनों पूर्वा, तीनों उत्तरा, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, रेवती इन नक्षत्रों के क्रूर तथा वेधरहित होने पर, पूर्वाह्न में, अभिजित मुहूर्त में, यज्ञोपवीत संस्कार करावें।

चैत्र व मीन के सूर्य में, वृष या कर्क के पूर्ण चन्द्रमा के लग्न में रहने पर विशेष श्रेष्ठतम होता है। सामवेदियों को मंगलवार भी श्रेष्ठ होता है। तथा भौम

बल विचार भी आवश्यक होता है। उपनयन संस्कार में दक्षिणायन सूर्य, ज्ये. शुक्ल 2, तथा आषाढ़ शुक्ल 10, पौष शुक्ल 11, माघ शुक्ल 12, संक्रांति दिन, रोगबाण, रवि के 8, 12, 26 गतांश, लग्नेश और चन्द्र, शुक्र, गुरु की 6, 8,12 में स्थिति, 1,5,8 वें भावों में पापग्रह अशुभ हैं। अतः इन सब का परित्याग कर उपनयन संस्कार करें।

वर्ष - ब्राह्मण-(8या16), क्षत्रिय-(11या 22), वैश्य-(12या 24)

अयन - देवशयन से पूर्व तक उत्तरायण में।

वार - रवि, चन्द्र, वुध, गुरु एवं शुक्र

तिथि - शुक्लपक्ष की 2,3,5,10,11,12 तथा कृष्णपक्ष की 2,3,5

नक्षत्र - अश्विनी, राहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, तीनों पूर्वा, तीनों उत्तरा, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा

गुरु - 5,11,9,2,7 श्रेष्ठ, 10,6,3,1 पूज्य, 4,8,12 निन्दित

अन्य ग्राह्य पूर्वाह्न, अभिजित मुहूर्त(सामवेदियों का भौमवल व मंगलवार भी)

त्याज्य - गुरु शुक्र का वाल वृद्धास्त, दक्षिणायन, संक्रान्ति दिवस रोगवाण तथा लग्नेश ,चन्द्र, शुक्र, गुरु की 6, 8,12 में स्थिति, 1,5,8 वें भावों में पापग्रह अशुभ

विवाह संस्कार मुहूर्त्त

भारतीय मनीषियों नें मानव जीवन को चार आश्रमों में विभाजित किया है- ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ और सन्यास इन चारों आश्रमों में गृहस्थाश्रम की मुख्याधारा विवाह है। यह संस्कार ही वस्तुतः धर्मार्थकाममोक्षस्वरूपी चतुर्वर्ग फलप्राप्ति का आधार है। इस संस्कार के उपरान्त ही मनुष्य सन्तानोत्पत्ति के साथ देव-ऋषि एवं पितृ ऋणों से मुक्ति प्राप्त करता है। अतः विवाह संस्कार के समय का निर्णय हमारे ऋषिमुनियों ने वड़ी सूक्ष्मता से किया है। धर्मशास्त्रों में अष्टविध विवाह में विशेपरूप से आज कल गन्धर्व विवाह पद्धति (जिसको प्रेम विवाह कहा जाता है) को अपनाया जा रहा है। "ब्राह्म विवाह" विधि में मुख्य रूप से वर कन्या की गोत्रादि भिन्नता, मेलापक (नक्षत्र व मंगली आदि का मिलान), जाति का विचार किया जाता है।

स्त्री को मुख्य रूप से धर्म-अर्थ-काम की प्रदात्री मानकर तथा सन्तान सिद्धि का मुख्य साधन समझ कर विवाह के समय का विशेष विचार किया जाता है।

भार्या त्रिवर्गकरणं शुभशील युक्ता।

शीलं शुभं भवति लग्नवशेन तस्याः।

तस्माद्विवाहसमयः परिचिन्त्यते हि।

तन्निघ्नतामुपगताः सुतशीलधर्माः॥

इस विवाह संस्कार को ब्रह्मचर्य के पश्चात् पुरुष 25 वर्षोपरान्त विषम वर्षों में कन्या 16 वर्षों के अनन्तर समवर्षों में शुभ समय का विचार कर करें। विवाह से पूर्व उसके अंगभूत वरवरण व कन्यावरण का भी विचार कर लें। इन सव में नामराशि तथा जन्मराशि में से जन्मराशि का ही ग्रहण करें, क्योंकि-

विवाहे सर्वमांगल्ये यात्रायां ग्रहगोचरे ।

जन्मराशेः प्रधानत्वं नामराशिं न चिन्तयेत्॥1॥

कुर्यात् षोडशकर्माणि जन्मराशौ बलान्विते।

सर्वाण्यन्यपि कर्माणि नामराशौ बलान्विते॥2॥

यदि जन्म की राशि अज्ञात हो तो नाम की राशि से मेलापकादि कार्य किये जा सकते है। परन्तु महत्व जन्मराशि का ही है।

जन्मलग्नमिदमङ्गमङ्गिनां मेनिरे मन इतीन्दुमन्दिरम्।

सौहृदं हि मनसोर्न देहयोः मेलकस्तदयमिन्दुगेहयोः।

विवाह वृन्दावनम्

किसी का मत है कि यदि प्रसिद्ध नामराशि से ही मेलापक करना हो तो एक बात का विशेष ध्यान रहे कि वर का प्रसिद्ध नाम, कन्या का जन्म नाम व कन्या का प्रसिद्ध नाम वर का जन्मनाम ऐसा विपरीत ग्रहण न करें। दोनों का जन्म नाम ही लें अथवा दोनों का प्रसिद्ध नाम ही लें। क्योंकि-

जन्मभं जन्मधिष्ण्येन नामधिष्ण्येन नामभम्।

व्यत्ययेन यदा योज्यं दम्पत्योर्निधनप्रदम्।।

वर-कन्या की जन्मपत्रिका में मेलापक विचार - वर-कन्या की कुन्डली में वर्ण, वश्य, तारा, योनि, ग्रहमैत्री, गणमैत्री, भकूट, तथा नाड़ी इन आठ बातों का विशेष रूप से विचार किया जाता है। वर्ण का 1, वश्य के 2, तारा के 3, योनि के 4, ग्रहमैत्री के 5, गणमैत्री के 6, भकूट के 7, तथा नाड़ी के 8 गुण उत्तरोत्तर ग्रहण किये जाते हैं। इस प्रकार इन सभी गुणों का योग 36 होता है। यथा-

वर्णो वश्यं तथा तारा योनिश्च ग्रह मैत्रकम्।

गणमैत्रं भकूटञ्च नाड़ी चेते गुणाधिकाः।।

गुण संख्या ग्रहण करने का विचार - वर कन्या की कुण्डली का विचार करने पर 16 गुणों से कम गुण मिलने पर निन्द्य, 20 से कम मिलने पर मध्यम तथा 20 गुण से अधिक मिलने पर उत्तम कहा गया है।

गुणाः षोडशभिः न्यूना निन्द्या मध्यस्तु विंशतिः।

श्रेष्ठास्त्रिंशद् गुणाः प्रोक्ताः परतस्तूत्तमोत्तमाः।।

दुष्ट भकूट, गणकूट का परिहार - यदि मिलान करने पर दुष्ट भकूट प्राप्त हो और वर कन्या के राशि के स्वामी एक हो अथवा राशि के स्वामियों में परस्पर मित्रता हो तथा नाड़ी नक्षत्र शुद्ध हों तो दुष्टभकूट का दोष नहीं होता तथा षडाष्टक से भिन्न राशियों में परस्पर राशियों के स्वामियों की शत्रुता में भी यदि राशि के नवांश के स्वामी बली और आपस मे मित्र हों और नाड़ी नक्षत्र शुद्ध हों तो दुष्टभकूट के दोषों का नाश करता है। तथा कन्या की तारा व नाड़ी नक्षत्र की परस्पर शुद्धि होने पर पुरुष राशि से स्त्री की राशि वश्य न होने पर भी दुष्ट-भकूट का परिहार हो जाता है।

प्रोक्ते दुष्टभकूटके परिणयस्त्वेकाधिपत्ये शुभो-

ऽथोराशीश्वरसौहृदेऽपि गदितो नाड्र्क्षशुद्धिर्यदि।

अन्यर्क्षेऽशपयोर्बलित्वसखिते नाड्र्क्षशुद्धौ तथा-

ताराशुद्धिवशेन राशिवशताभावे निरुक्तो बुधैः।।

इसी प्रकार वर-कन्या के राशि के स्वामियों तथा नवांश के स्वामियों की परस्पर मित्रता होने पर गणदोष का नाश करती है, तथा शुभ भकूट ग्रह शत्रुता के दोष को नष्ट कर देता है।

मैत्र्यां राशिस्वामिनोरंशनाथ-द्वन्द्वस्याऽपि स्याद् गणानां न दोषः।

खेटारित्वं नाशयेत् सद् भकूटं खेटप्रीतिश्चाऽपिदुष्टं भकूटम्।

नाड़ी दोष तथा गणदोष का परिहार - वर-कन्या की राशि एक हो तथा नक्षत्र भिन्न हो अथवा नक्षत्र एक हो और राशि भिन्न हो तो नाड़ी दोष तथा गण दोष का नाश होता है। एक नक्षत्र होने पर भी चरण के भेद से उक्त दोष नहीं होता।

राश्यैक्ये चेद् भिन्नमृश्क्षं द्वयोः स्यान् नक्षत्रैक्येराशियुग्मं तथैव।

नाड़ीदोषो नो गणानां च दोषो नक्षत्रैक्ये पादभेदे शुभं स्यात्।।

एकराशौ पृथग् धिष्ण्ये पुंतारा प्रथमा भवेत्।

अतीवशोभना प्रोक्ता स्त्रीतारा चेत्वशोभना।।

वर-वरण मुहूर्त

विवाह संस्कार से पूर्व शुभलग्न, शुभवार, शुभतिथि, शुभ नवांश में कुयोग रहित दिन में कृ, रो, 3 पूर्वा, 3 उत्तरा इन नक्षत्रों में चन्द्र बल देखकर ब्राह्मण वा कन्या का सहोदर (भाई) वस्त्र, यज्ञोपवीत, द्रव्य, मिष्ठान्न, श्रीफल, ऋतुफल आदि सहित वर के गृह पर आकर वर को वरण करे अर्थात् तिलक लगावें।

कन्या-वरण मुहूर्त

वर की माता या स्वयं वर अथवा वर के कुलाचार के अनुसार अन्य कोई-अशुभ योग रहित शुभ दिन में कृत्तिका, 3पूर्वा, स्वाती, अनु., उ.षा., श्र, धनिष्ठा तथा विवाहोक्त नक्षत्रों, (रोहिणी, तीनों उत्तरा, रेवती, मूल, मृगशिरा, मघा, हस्त) में शुभ समय (लग्न) में वस्त्रभूषणादि सहित फलपुष्पादि से कन्या को वरण करें।

त्रिबल शुद्धि विचार

सूर्य, गुरु एवं चन्द्र शोधन का विचार त्रिबल शुद्धि कहलाता है। त्रिबल शुद्धि के अन्तर्गत वर की राशि से सूर्य व चन्द्र का विचार तथा कन्या की राशि से गुरु व चन्द्र का विचार करना चाहिये। मुहूर्तचिन्तामणि के अनुसार कन्या के जन्म से 6 वर्ष की आयु के बाद रजोदर्शन से पूर्व गुरु की शुद्धि तथा वर की राशि से सूर्य की शुद्धि से विषम वर्षों में एवं दोनों की राशि से चन्द्र शुद्धि अनिवार्य है।

स्त्रीणां गुरुबलं श्रेष्ठं पुरुषाणां रवेर्बलम्।

तयोश्चन्द्रबलं श्रेष्ठमिति गर्गेण निश्चितम्॥

फल	सूर्य (वर)	गुरु (कन्या)	चन्द्र (वर-कन्या)
श्रेष्ठ	3, 6, 10, 11	2, 5, 7, 9, 11	1, 2, 3, 5, 6 7, 9 10, 11
पूज्य	1, 2, 5, 7, 9	1, 3, 6, 10	0
नेष्ट	4, 8, 12	4, 8, 12	4, 8, 12

गोचरे वा विलग्ने वा ये ग्रहारिष्टसूचकाः।

पूजयेत्तान प्रयत्नेन पूजिता स्युः शुभप्रदाः॥

ज्येष्ठ विचार

ज्येष्ठ विचार के अन्तर्गत त्रि ज्येष्ठ (ज्येष्ठ वर, ज्येष्ठ कन्या व ज्येष्ठ मास) नेष्ट और द्वि ज्येष्ठ (वर, कन्या व मास में से कोइ भी दो) मध्यम होता है। मुहूर्तचिन्तामणि के अनुसार-

ज्येष्ठद्वन्द्वं मध्यमं सम्प्रदिष्टं त्रिज्येष्ठं चेन्नैव युक्तं कदापि।

केचित्सूर्यं वह्निगं प्रोज्झ्य चाऽऽहुर्नैवान्योऽन्यं ज्येष्ठयोः स्याद्विवाहः॥

वर-कन्या तेलबान-दिन संख्या

जन्म राशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चि	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
तैल संख्या	7	10	5	10	5	7	7	5	5	5	5	7

विवाह लग्न शोधन

व्यये शनिः खेऽवनिजस्तृतीये भृगुस्तनौ चन्द्रखला न शस्ताः।

लग्नेट् कविग्लौश्च रिपौ मृतौ ग्लौर्लग्नेट् शुभाराश्च मदे च सर्वे॥

विवाह लग्न से 12वें शनि, 10वें भौम, 3रे शुक्र, लग्न में चन्द्र व पापग्रह (सू. भौ. श. रा. के.) शुभ नहीं होते हैं। 6वें स्थान पर लग्नेश, शुक्र और चन्द्र, 8वें स्थान में चन्द्र, भौम, लग्नेश व सभी शुभग्रह तथा सातवें स्थान पर सभी ग्रह त्याज्य हैं।

गोधूलि विचार - गोधूलि समय में यदि 6वें, 8वें व लग्न में चन्द्र हो तो कन्या के लिये अशुभ कारक तथा लग्न, 7वें एवं 8वें भाव में भौम हो तो वर के लिये अनिष्ट कारक होगा। गोधूलि वेला में यदि चन्द्र 2रे, 3रे और 11वें भाव में हो तो उपरोक्त दोनों दोषों का शमन कर शुभफल प्रदान करता है।

अस्तं याते गुरुदिवसे सौरे सार्के लग्नान्मृत्यौ रिपुभवने लग्ने चेन्दौ।

कन्यानाशस्तनुमदमृत्युस्थे भौमे वोढुर्लाभे धनसहजे चन्द्रे सौख्यम्।।

भाव	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
त्याज्य	पाप चन्द्र	0	शु.	रा.	0	चं. शु. लग्नेश	सभी	चं.,भौ. शुभग्रह लग्नेश	0	भौ.	0	श.
गोधू. त्याज्य	भौम चन्द्र	-	-	-	-	चन्द्र	भौम	चन्द्र भौम	-	-	-	-

वधू-प्रवेश मुहूर्त

विवाह संस्कार हो जाने के बाद प्रथम बार वधू का पतिगृह में प्रवेश वधू-प्रवेश कहलाता है। विवाह से 16 दिन के अन्दर बिना तिथ्यादि का विचार किये भी स्थिर लग्न में वधू प्रवेश शुभ है। एक मास तक विपम दिनों में, एक वर्ष के भीतर विषम मास में और एक वर्ष के उपरान्त स्थिर लग्न में तीसरे पाचवें वर्ष में भी शुभ हैं। इसके उपरान्त शुभ मुहूर्त (तिथ्यादि का) विचार कभी भी हो सकता है। वधू प्रवेश में रेवती, अश्विनी, राहिणी, मृगशिरा, श्रवण, धनिष्ठा, हस्त, चित्रा, स्वाति, भरणी, मघा, तीनों उत्तरा, पुष्य, अनुराधा इन नक्षत्रों में शुभ वारों में 1,2,3,5,6,7,8,10,11,12,13,15 तिथियों में स्थिर लग्नों में चतुर्थाष्टम भाव शुद्ध होने पर शुभ होता है। व्यतिपात, क्षयतिथि, ग्रहण, वैधृति, अमावस्या, संक्रान्ति, रिक्ता तिथियों में वधू प्रवेश वर्जित है।

दिन - विवाह से 16 दिन के अन्दर अथवा 7,5,9 वें दिनों में।

मास एवं वर्ष - विपम मास, विषम वर्ष।

तिथि - 1,2,3,5,6,7,8,10,11,12,13,15

नक्षत्र - रेवती, अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, श्रवण, धनिष्ठा, हस्त, चित्रा, स्वाति, भरणी, मघा, तीनों उत्तरा, पुष्य, अनुराधा।

वार - चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्र।

लग्न - स्थिर लग्नों में चतुर्थ एवं अष्टम भाव शुद्ध हो।

त्याज्य - व्यतिपात, क्षयतिथि, ग्रहण, वैधृति, अमावस्या, संक्रान्ति व रिक्ता तिथि।

वधूप्रवेशो न दिवा प्रशस्तः राजप्रवेशो न निशि प्रशस्तः।

दिवा च रात्रौ च गृहप्रवेशः सत्कीर्तिदः स्यात्रिविधः प्रवेशः।।

द्विरागमन-मुहूर्त

वधुप्रवेशोपरान्त द्वितीय बार पिता के घर से पतिगृह में प्रवेश द्विरागमन कहलाता है। यह 1,2,5 इन विषम वर्षों में 1,8,11 राशि के सूर्य में सूर्य गुरु की शुद्धि देखकर शुभ वार 1,2,3,6,7,12 लग्नों में हस्त, अश्विनी, रेवती, तीनों उत्तरा, रोहिणी, मृगशिरा, स्वाती, पुनर्वसु, पुष्य, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, मूल, चित्रा, अनुराधा नक्षत्रों में शुभ माना गया है।

वर्ष - विपम (5 वर्ष तक)

मास - 1 8 11 राशि के सूर्य में सूर्य गुरु की शुद्धि

तिथि - 1,2,3,5,6,7,8,10,11,12,15

वार - सोम, बुध, गुरु एवं शुक्र

लग्न - 1,2,3,6,7,12

नक्षत्र - हस्त, अश्विनी, रेवती, तीनों उत्तरा रोहिणी, मृगशिरा, स्वाती, पुनर्वसु, पुष्य, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, मूल, चित्रा, अनुराधा

त्याज्य - सम्मुख तथा दक्षिण शुक्र। (रेवती से मृगशिरा तक चन्द्र के रहने पर शुक्र शुभ हो जाता है। (सामान्य अवस्था में त्याज्य)

यात्रा मुहूर्त्त

शुभतिथि	शुक्लपक्ष 2, 3, 5, 7, 10, 11, 13, 15
	कृष्णपक्ष 1, 2, 3, 5, 7, 10, 11, 13
शुभवार	सोम, बुध, गुरु, शुक्र श्रेष्ठ
शुभनक्षत्र	अश्वि., मृग., पुन., पुष्य, हस्त, अनु., श्रव., धनि., रेव.

यात्रा काल में सूर्य विचार

सूर्य स्थिति	यात्रा फल
मेष, सिंह, धनु	प्रशस्त
वृष, मिथुन, तुला, मकर कुम्भ मीन	मध्यम
कर्क, वृश्चिक, मीन	अधम

यात्रा काल में चन्द्रविचार

दिशा	चन्द्र की राशि में स्थिति
पूर्व	मेष, सिंह, धनु
दक्षिण	वृष, कन्या, मकर
पश्चिम	मिथुन, तुला, कुम्भ
उत्तर	कर्क, वृश्चिक, मीन

चन्द्र स्थिति वश फल

चन्द्र स्थिति	यात्रा फल
सन्मुख	अर्थलाभ
दक्षिण भाग	सुख-सम्पत्ति
पृष्ठ भाग	प्राण हानि
वाम भाग	धन नाश

यात्रा मे दिशाशूल विचार

दिशा	त्याज्य वार
पूर्व	शनि, चन्द्र
दक्षिण	गुरु
पश्चिम	शुक्र, रवि
उत्तर	बुध, मंगल

दिशाशूल परिहार वाक्य

न वारदोषाः प्रभवन्ति रात्रौ देवेज्यदैत्येज्यदिवकराणाम्।
दिवा शशांकार्कजभूसुतानां सर्वत्र निन्द्यो बुधवारदोषः।।
सूर्यवारे घृतं प्राश्य चन्द्रवारे पयस्तथा
गुड़मंगारकेवारे बुधवारे तिलान्यपि।

गुरुवारे दधि प्राश्यं शुक्रवारे यवानपि

माषान्भुक्त्वा शनेवरि गच्छञ्छूले न दोषभाक्॥

गृह-निर्माण मुहूर्त

भूमि परीक्षण - इष्ट भूमि पर जहां मकान का निर्माण होना है एक हाथ गहरा एक हाथ लम्बा एक हाथ चौडा गढ्ढा बनावें। उसको पानी से पूर्ण कर दें। प्रात: वेला में उसे देखें। यदि जल युक्त पूर्ण हो तो शुभ निर्जल मध्यम तथा निर्जल छिन्न भिन्न हो तो अशुभ भूमि।

शुभ मास - वैशाख, श्रावण, मार्गशीर्ष, माघ ,फाल्गुन, एवं मेष, वृष कर्क, सिंह, तुला, वृश्चिक, मकर, कुम्भ सूर्य रहते गृहाराम्भ शुभ तथा भाद्रपद-कार्तिक मास भी समान्यतया मान्य है।

शुभतिथि -2, 3, 5, 6, 7, 10, 11, 12, 13, 15 तथा कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा।

शुभवार - चन्द्र, बुध, गुरु,.शुक्र, शनि।

शुभनक्षत्र - रोहि., मृग., चित्रा, हस्त, स्वा., अनु., उत्तरा 3, धनि, शत, रेवती तथा पुष्य।

शुभ लग्न - मेष मिथुन सिंह कन्या वृश्चिक कुम्भ मीन तथा लग्न बल हेतु केन्द्र त्रिकोण स्थानों में शुभ ग्रह तथा 3 6 11 में पाप ग्रह एवं अष्टम स्थान शुद्ध होने पर नवीन भवन निर्माण शुभद रहता है।

भूशयन गणना क्रम -सूर्य जिस नक्षत्र में रहें उससे 5, 7, 9, 12, 19, 26 इन दिन नक्षत्रों में पृथ्वी शयन शील रहती है। इन नक्षत्रों में भी क्रमश: 4, 8, 5, 3, 6, 7 घटी कालांश मात्र में भूशयन शेष घटियों में सुप्त नही इनमें कूप, तडाग, बीज वपन, हल चलाना, खनननेष्ट है।

भूशयने मतान्तरम् - इष्ट सूर्य संक्रान्ति से 5, 7, 11, 9, 15, 20, 22 23, 28 इन दिनों में धरती शयन दोष कतिपय विद्वान 5, 7, 9, 15, 21, 24 दिन मात्र में ही भूशयन मानते है।

गृहारम्भे वृषभ वत्स गणना - सूर्य नक्षत्र से इष्ट दिन नक्षत्र गणना 7 तक अशुभ, तदग्रे 11 तक शुभ तदग्रे 10 गणना तक अशुभ, अभिजित सहित गणना करना चाहिए।

भूमि क्रय विक्रय मुहूर्त्त - दोनो पक्ष की 5, 6, 10, 11, 15 तथा कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा। गुरु तथा शुक्रवार एवं मृग., पुन., आश्ले., मघा, विशा., अनु., 3पूर्वा, मूल, रेव. आदि नक्षत्रो में भूमि खरीदना व बेचना शुभ फल देता है।

अग्निवास विशेषता - नित्य नैमित्तिक कार्य, जन्म समय, दूर्गा पूजा, यात्रा, विवाह, ग्रहणरोग, पीड़ा तथा दुर्भिक्ष शान्ति यज्ञ विवाह याज्ञोपवीत आदि में अग्निवास का विचार नहीं करें।

विवाहयात्राव्रतगोचरेषु चूड़ोपनीतिग्रहणे यंक्तगादौ:।

दुर्गाविधाने च सुतप्रसूतौ नैवाग्निचक्रं परिचिंतनीयम्॥

नवीन गृह प्रवेश मुहूर्त्त

मास - वैशाख, ज्येष्ठ, माघ, फाल्गुन आदि चान्द्र मास विशेष शुभ तथा कार्तिक मार्गशीर्ष मास सामान्यतया मान्य हैं

तिथि - चतुर्थी, नवमी, चतुर्दशी रहित सभी तिथि मान्य

शुभ लग्न -वृष, सिंह, वृश्चिक, कुम्भ लग्नों में सामान्यत: 3 6 9 12 लग्नों में भी मान्यता। लग्न से 1, 2, 3, 4, 5, 7, 9, 10 इन स्थानों शुभ ग्रह तथा 3, 6, 11 भावों में पाप ग्रह रहे तथा चन्द्रमा 1, 4, 6, 8, 12 स्थानों में नहीं होवें तथा चतुर्थ अष्टम भाव शुद्ध हो। जन्म राशि से अष्टम राशि का लग्न न हो तथा

कलश चक्र की शुद्धि देखकर सन्मुख में गाय, कन्या , जलपूर्ण कलश, पुष्पमाला, श्रीफल सहित वेदध्वनि, मार्गलिक गायन वाद्य के साथ नवगृह प्रवेश शुभ है।

शुभ वार - चन्द्र बुध, गुरु, शुक्र, शनि

शुभ नक्षत्र -रोहि., मृग., चि., अनु., उत्तरा 3 तथा रेवती विशेष शुभ एवं जीर्ण गृह में पुष्य स्वाति धनिष्ठा शतभिषा भी मान्य है।

कलशचक्र गणना - अभिजित नक्षत्र रहित करे सूर्य नक्षत्र से इष्ट दिन नक्षत्र गणना 5 तक अशुभ, अग्रिम 8 तक शुभ, तदग्रे 8 तक अशुभ एवं आगे 6 तक शुभ शुद्धि गणना समझे।

खात विचार

देवालय निर्माण में सूर्य राशि के अनुसार राहु मुख विचार				
सूर्य राशि	मेष, वृष,मिथुन	कर्क,सिंह,कन्या	तुला,वृश्चिक,धनु	मकर,कुम्भ,मीन
राहु मुख	ईशान कोण	वायव्य कोण	नैऋत्य कोण	आग्नेय कोण
खात दिशा	आग्नेय कोण	ईशान कोण	वायव्य कोण	नैऋत्य कोण

गृह निर्माण में सूर्य राशि के अनुसार राहु मुख विचार				
सूर्य राशि	सिंह,कन्या,तुला	वृश्चिक,धनु,मकर	कुम्भ,मीन,मेष	वृष,मिथुन,कर्क
राहु मुख	ईशान कोण	वायव्य कोण	नैऋत्य कोण	आग्नेय कोण
खात दिशा	आग्नेय कोण	ईशान कोण	वायव्य कोण	नैऋत्य कोण

जलाशय निर्माण में सूर्य राशि के अनुसार राहु मुख विचार				
सूर्य राशि	मकर,कुम्भ,मीन	मेष, वृष,मिथुन	कर्क,सिंह,कन्या	तुला,वृश्चि.,धनु
राहु मुख	ईशान कोण	वायव्य कोण	नैऋत्य कोण	आग्नेय कोण
खात दिशा	आग्नेय कोण	ईशान कोण	वायव्य कोण	नैऋत्य कोण

काकिणी विचार

स्ववर्ग द्विगुणं कृत्वा परवर्गेण योजयेत् अष्टभिः हरेद् भागं योऽधिकः स ऋणी भवेत्।।

गांव के नाम वर्ग संख्या एवं गृहस्वामी के नाम वर्ग संख्या को अलग-अलग दुगुना करके परस्पर एक दूसरे की वर्ग संख्या में जोड़कर आठ से भाग देने पर शेष में जो भी अधिक हो उसे हानि होगी। तात्पर्य यह है कि गृहस्वामी की संख्या यदि स्थान के नाम की संख्या से अधिक है तो वहां निवास करने में उस व्यक्ति विशेष को हानि होगी। निम्नलिखित आधार पर वर्गो की संख्या एवं वर्णो को तथा सारणी द्वारा निवास के लिए शुभाशुभ फल को जानना चाहिए -

अवर्ग = 1 - सभी स्वर
कवर्ग = 2 - क,ख,ग,घ,ङ
चवर्ग = 3 - च,छ,ज,झ,ञ
टवर्ग = 4 - ट,ठ,ड,ढ,ण
तवर्ग = 5 - त,थ,द,ध,न
पवर्ग = 6 - प,फ,ब,भ,म
यवर्ग = 7 - य,र,ल,व
शवर्ग = 8 - श,ष,स,ह

स्थान	अवर्ग	अवर्ग	अवर्ग	अवर्ग	अवर्ग	अवर्ग	अवर्ग	अवर्ग
गृहस्वामी	अवर्ग	कवर्ग	चवर्ग	टवर्ग	तवर्ग	पवर्ग	यवर्ग	शवर्ग
फल	शुभ	अशुभ	अशुभ	शुभ	शुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ

स्थान	कवर्ग	कवर्ग	कवर्ग	कवर्ग	कवर्ग	कवर्ग	कवर्ग	कवर्ग
गृहस्वामी	अवर्ग	कवर्ग	चवर्ग	टवर्ग	तवर्ग	पवर्ग	यवर्ग	शवर्ग
फल	शुभ	शुभ	अशुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ	अशुभ	शुभ

स्थान	चवर्ग	चवर्ग	चवर्ग	चवर्ग	चवर्ग	चवर्ग	चवर्ग	चवर्ग
गृहस्वामी	अवर्ग	कवर्ग	चवर्ग	टवर्ग	तवर्ग	पवर्ग	यवर्ग	शवर्ग
फल	शुभ	शुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ	अशुभ	शुभ	शुभ

स्थान	टवर्ग	टवर्ग	टवर्ग	टवर्ग	टवर्ग	टवर्ग	टवर्ग	टवर्ग
गृहस्वामी	अवर्ग	कवर्ग	चवर्ग	टवर्ग	तवर्ग	पवर्ग	यवर्ग	शवर्ग
फल	अशुभ	अशुभ	शुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ	शुभ	शुभ

स्थान	तवर्ग	तवर्ग	तवर्ग	तवर्ग	तवर्ग	तवर्ग	तवर्ग	तवर्ग
गृहस्वामी	अवर्ग	कवर्ग	चवर्ग	टवर्ग	तवर्ग	पवर्ग	यवर्ग	शवर्ग
फल	अशुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ

स्थान	पवर्ग	पवर्ग	पवर्ग	पवर्ग	पवर्ग	पवर्ग	पवर्ग	पवर्ग
गृहस्वामी	अवर्ग	कवर्ग	चवर्ग	टवर्ग	तवर्ग	पवर्ग	यवर्ग	शवर्ग
फल	अशुभ	शुभ	शुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ	अशुभ	अशुभ

स्थान	यवर्ग	यवर्ग	यवर्ग	यवर्ग	यवर्ग	यवर्ग	यवर्ग	यवर्ग
गृहस्वामी	अवर्ग	कवर्ग	चवर्ग	टवर्ग	तवर्ग	पवर्ग	यवर्ग	शवर्ग
फल	शुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ	शुभ	शुभ	शुभ	अशुभ

स्थान	शवर्ग	शवर्ग	शवर्ग	शवर्ग	शवर्ग	शवर्ग	शवर्ग	शवर्ग
गृहस्वामी	अवर्ग	कवर्ग	चवर्ग	टवर्ग	तवर्ग	पवर्ग	यवर्ग	शवर्ग
फल	अशुभ	अशुभ	अशुभ	अशुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ

तिथि एवं वार के योग से बनने वाले विभिन्न शुभाशुभ योग

योग \ वार	रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
सिद्धि योग	-	-	3, 8, 13	2, 7, 12	5, 10, 15	1, 6, 11	4, 9, 14
मृत्यु योग	1, 6, 11	2, 7, 12	1, 6, 11	3, 8, 13	4, 9, 14	2, 7, 12	5, 10, 15
विष योग	4	6	7	2	8	9	7
हुताशन योग	12	6	7	8	9	10	11
क्रकच योग	12	11	10	9	8	7	6

नक्षत्र एवं वार के योग से बनने वाले विभिन्न शुभाशुभ योग

योग \ वार	रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
दग्ध योग	भरणी	चित्रा	उत्तराषाढ़ा	धनिष्ठा	उत्तराफाल्गुनी	ज्येष्ठा	रेवती
यमघंट योग	मघा	विशाखा	आर्द्रा	मूल	कृत्तिका	रोहिणी	हस्त
सर्वार्थसिद्धि योग	अश्वि. पुष्य हस्त मूल उत्तरा-3	श्रवण रोहिणी मृग. पुष्य अनुराधा	अश्वि. उ.भा. कृत्ति. आश्ले.	रोहिणी अनु. हस्त कृत्ति. मृग.	रेवती अनु. अश्वि. पुन. पुष्य	रेवती अनु. अश्वि. पुन. श्रवण	श्रवण रोहिणी स्वाती

नन्दा च भद्रा च जया च रिक्ता ....सितज्ञभौमार्किगुरौ च सिद्धाः । मु. चि., 1.4
नन्दा भद्रा नन्दिकाख्या .... रवेर्दग्धभं स्यात् । मु. चि., 1.5

षष्ठयादितिथियो ....रदधावने । मु. चि., 1.6
सूर्येश.................त्वश्यम् । मु. चि., 1.8,9
सूर्येऽर्कमूलोत्तरपुष्यदास्रं .... सर्वाथसिद्ध्यै कथितानि पूर्वैः । मु. चि., 1.28,29

गण्डमूल नक्षत्र-घटी बोधक चक्र

अश्विनी, मघा, मूल की आरम्भिक 3, 4, 9 घटी एवं रेवती, आश्लेषा, ज्येष्ठा की अंतिम 12, 11, 6 घटी गण्डमूल संज्ञक होती हैं।

नक्षत्र	अश्विनी	मघा	मूल	रेवती	आश्लेषा	ज्येष्ठा
घटी	3	4	9	12	11	6
स्थिति	आरम्भिक	आरम्भिक	आरम्भिक	अंतिम	अंतिम	अंतिम

षोडश कक्ष व्यवस्था

ईशान — पूर्व — आग्नेय

मन्दिर	भण्डार कक्ष	स्नानगृह	दधिमन्थनकक्ष	रसोईघर
औषधि कक्ष				घी/तेल कक्ष
कोषागार				शयन कक्ष
रतिकक्ष				शौचालय
धान्य/पशुशाला	रोदन कक्ष	भोजनगृह	अध्ययनकक्ष	शस्त्र/भण्डार

उत्तर (बाएँ) — दक्षिण (दाएँ)

वायव्य — पश्चिम — नैऋत्य

विंशोत्तरी महादशा एवं अन्तर्दशा बोधक चक्र

सूर्य 6 वर्ष कृ.,उ.फा.,उ.षा.				चन्द्र 10 वर्ष रोहि.,हस्त,श्रव.				मंगल 7 वर्ष मृग.,चित्रा,धनि.			
ग्र.	व.	मा.	दि.	ग्र.	व.	मा.	दि.	ग्र.	व.	मा.	दि.
सू.	00	03	18	चं.	00	10	00	मं.	00	04	27
चं.	00	06	00	मं.	00	07	00	रा.	01	00	18
मं.	00	04	06	रा.	01	06	00	बृ.	00	11	06
रा.	00	10	24	बृ.	01	04	00	श.	01	01	09
बृ.	00	09	18	श.	01	07	00	बु.	00	11	27
श.	00	11	12	बु.	01	05	00	के.	00	04	27
बु.	00	10	06	के.	00	07	00	शु.	01	02	00
के.	00	04	06	शु.	01	08	00	सू.	00	04	06
शु.	01	00	00	सू.	00	06	00	चं.	00	07	00

राहु 18 वर्ष आ.,स्वा.,शत.				गुरु 16 वर्ष पुन.,विशा.,पू.भा.				शनि 19 वर्ष पुष्य,अनु.,उ.भा.			
ग्र.	व.	मा.	दि.	ग्र.	व.	मा.	दि.	ग्र.	व.	मा.	दि.
रा.	02	08	12	बृ.	02	01	18	श.	03	00	03
बृ.	02	04	24	श.	02	06	12	बु.	02	08	09
श.	02	10	06	बु.	02	03	06	के.	01	01	09
बु.	02	06	18	के.	00	11	06	शु.	03	02	00
के.	01	00	18	शु.	02	08	00	सू.	00	11	12
शु.	03	00	00	सू.	00	09	18	चं.	01	07	00
सू.	00	10	24	चं.	01	04	00	मं.	01	01	09
चं.	01	06	00	मं.	00	11	06	रा.	02	10	06
मं.	01	00	18	रा.	02	04	24	बृ.	02	06	12

बुध 17 वर्ष आश्ले.,ज्ये.,रेव.				केतु 7 वर्ष मघा,मूल,अश्वि.				शुक्र 20 वर्ष पू.फा.,पू.षा.,भर.			
ग्र.	व.	मा.	दि.	ग्र.	व.	मा.	दि.	ग्र.	व.	मा.	दि.
बु.	02	04	27	के.	00	04	27	शु.	03	04	00
के.	00	11	27	शु.	01	02	00	सू.	01	00	00
शु.	02	10	00	सू.	00	04	06	चं.	01	08	00
सू.	00	10	06	चं.	00	07	00	मं.	01	02	00
चं.	01	05	00	मं.	00	04	27	रा.	03	00	00
मं.	00	11	27	रा.	01	00	18	बृ.	02	08	00
रा.	02	06	18	बृ.	00	11	06	श.	03	02	00
बृ.	02	03	06	श.	01	01	09	बु.	02	10	00
श.	02	08	09	बु.	00	11	27	के.	01	02	00

योगिनी दशा एवं अन्तर्दशा बोधक चक्र

मंगला 1 वर्ष श्रव.,आर्द्रा चित्रा			पिंगला 2 वर्ष धनि.,पुन. स्वाती			धान्या 3 वर्ष शत.,पुष्य विशा.			भ्रामरी 4 वर्ष अश्वि.,आश्ले. अनु.,पू.भा.		
यो.	मा.	दि.	यो.	मा.	दि.	यो.	मा.	दि.	यो.	मा.	दि.
मं.	00	10	पिं.	01	10	धा.	03	00	भ्रा.	05	10
पिं.	00	20	धा.	02	00	भ्रा.	04	00	भ.	06	20
धा.	01	00	भ्रा.	02	20	भ.	05	00	उ.	08	00
भ्रा.	01	10	भ.	03	10	उ.	06	00	सि.	09	10
भ.	01	20	उ.	04	00	सि.	07	00	सं.	10	20
उ.	02	00	सि.	04	20	सं.	08	00	मं.	01	10
सि.	02	10	सं.	05	10	मं.	01	00	पिं.	02	20
सं.	02	20	मं.	00	20	पिं.	02	00	धा.	04	00

भद्रिका 5 वर्ष भर.,मघा ज्ये.,उ.भा.			उल्का 6 वर्ष कृत्ति.,पू.फा. मूल,रेवती			सिद्धा 7 वर्ष रो.,उ.फा. पू.षा.			संकटा 8 वर्ष मृग.,हस्त उ.षा.		
यो.	मा.	दि.	यो.	मा.	दि.	यो.	मा.	दि.	यो.	मा.	दि.
भ.	08	10	उ.	12	00	सि.	16	10	सं.	21	10
उ.	10	00	सि.	14	00	सं.	18	20	मं.	02	20
सि.	11	20	सं.	16	00	मं.	02	10	पिं.	05	10
सं.	13	10	मं.	02	00	पिं.	04	20	धा.	08	00
मं.	01	20	पिं.	04	00	धा.	07	00	भ्रा.	10	20
पिं.	03	10	धा.	06	00	भ्रा.	09	10	भ.	13	10
धा.	05	00	भ्रा.	08	00	भ.	11	20	उ.	16	00
भ्रा.	06	20	भ.	10	00	उ.	14	00	सि.	18	20

नैसर्गिकमैत्री एवं उच्च नीच चक्र

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
मित्र	चं.,मं. गु.	सू.,बु.	सू.,चं. गु.	सू.,शु.	सू.,चं. मं.	बु.,श.	बु.,शु.
सम	बु.	मं.,गु. शु.,श.	शु.,श.	मं.,गु. श.	श.	मं.,गु.	गु.
शत्रु	शु.,श.		बु.	चं.	बु.,शु.	सू.,चं.	सू.,चं. मं.
उच्च	मे.10	वृष.03	म.28	कं.15	क.05	मी.27	तु.20
नीच	तु.10	वृ.03	क.28	मी.15	म.05	कं.27	मे.20

पुरुष कुण्डली में द्वादश भावों में स्थित ग्रह फल

ग्रह \ भाव	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	पंचम	षष्ठ	सप्तम	अष्टम	नवम	दशम	एकादश	द्वादश
सूर्य	अंगपीड़ा	धनहानि	आरोग्य	दुःख	सन्तानहानि	शत्रुक्षय	दुष्टपत्नी	अल्पायु	दुष्टबुद्धि	पराक्रमी	धनवान	दुष्टस्वभाव
चन्द्र	कान्तियुक्त	सम्पत्तियुक्त	कीर्तिवान्	सुखी	धन,पुत्रयुक्त	अल्पायु	सुशीलापत्नी	योगी	धर्मात्मा	तेजवान	धनवान	कामी
मंगल	रक्तविकार	ऋणी	पराक्रमी	दुःख	पुत्रहीन	शत्रुक्षय	स्त्रीक्षय	शरीरकष्ट	पापबुद्धि	तेजवान	धनवान	दुष्टपत्नी
बुध	सुखी	धन,गुणयुक्त	शत्रुक्षय	सुखी	अल्पपुत्र	रोगयुक्त	धर्मज्ञ	गुणवान	सुखी	कीर्तिमान	धनवान	दरिद्र
बृहस्पति	विद्वान	धनागम	पापरत	सुखी	प्रतापवान	कामी	सुशीलापत्नी	नीचस्वभाव	धर्मरत	सम्पत्तियुक्त	लाभ	दुष्ट
शुक्र	सुखी	धनयुक्त	पापरत	सुखी	बुद्धिमान	रोगयुक्त	कामी	नीचस्वभाव	तपस्वी	सम्पत्तियुक्त	सुमति	रोगी
शनि	दुःखी	धनहानी	पराक्रमी	दुःखी	पुत्रहीन	शत्रुक्षय	दुष्टपत्नी	नेत्रविकार	दुष्टबुद्धि	पराक्रमी	धनवान	दुःखी
राहु	रोगी	निर्धन	पराक्रमी	मातृकष्ट	दुर्बुद्धि	बलयुक्त	पत्नीकष्ट	रोगी	दीन	मानसम्मान	सुविख्यात	पतित
केतु	कामी	दुष्ट	पराक्रमी	दुःखी	मन्दबुद्धि	बलवान	पत्नीहानी	क्लेश	पापी	पिताकीहानी	धनवान	दुर्जन

स्त्री कुण्डली में द्वादश भावों में स्थित ग्रह फल

ग्रह \ भाव	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	पंचम	षष्ठ	सप्तम	अष्टम	नवम	दशम	एकादश	द्वादश
सूर्य	क्रोधी	दरिद्रा	सुपुत्रयुक्ता	पीड़ा	विपुत्रा	सुखिनी	दुःखकष्ट	वैधव्य	धर्मज्ञा	सुकर्मयुक्ता	लाभयुक्ता	रोगिणी
चन्द्र	अल्पायु	बहुधनयुक्ता	सुखिनी	सुभगा	सुपुत्रयुक्ता	रोगिणी	पतिप्रिया	रोगिणी	सुखिनी	धर्मज्ञा	गुणवती	हीनांगी
मंगल	वैधव्य	वन्ध्या	विसहजा	दुःखकष्ट	विपुत्रा	आरोग्या	वैधव्य	नेत्ररोग	दुःखी	कुपुत्रा	लाभयुक्ता	दुष्टा
बुध	सुभगा	धनयुक्ता	पुत्रवती	सुगृहा	बुद्धितेजयुक्ता	क्रोधी	पतिव्रता	कृतघ्ना	सुभोगा	सत्कर्मा	पतिव्रता	कृशांगी
बृहस्पति	सती	धनयुक्ता	सुसहजा	सुखी	गुणवती	विपत्ति	कीर्तियुक्ता	रोगिणी	पुत्रवती	साधवी	सुपुत्रा	सुव्यया
शुक्र	सुखी	सुभगा	धनवती	सुखी	पुत्रवती	दरिद्रा	पतिप्रिया	विसुखा	धर्मरता	धनवती	सुपुत्रा	सुव्यया
शनि	वन्ध्या	दुःखी	सुदक्षा	हृदयरोगी	विपुत्रा	गुणवती	वैधव्य	दुःखी	वन्ध्या	पापी	लाभयुक्ता	मुर्खा
राहु	अपुत्रा	दरिद्रा	धनयुक्ता	रोगकष्ट	विपुत्रा	धनयुक्ता	दुःखिता	वैधव्य	वन्ध्या	दुष्कर्मा	आरोग्या	दुष्टा
केतु	दुःखी	दुःखकष्ट	रोगयुक्ता	मातृहानि	अपुत्रा	धनयुक्ता	वैधव्य	दुःखी	शोकयुक्ता	पापरता	सुभगा	रोगयुक्ता

द्वादश भावों में स्थित गोचर ग्रह फल

ग्रह \ भाव	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	पंचम	षष्ठ	सप्तम	अष्टम	नवम	दशम	एकादश	द्वादश
सूर्य	स्थानहानि	भय	धनलाभ	मानहानि	दीनता	विजय	यात्रा	कष्ट	पुण्यक्षय	सिद्धि	धनलाभ	धननाश
चन्द्र	अन्नलाभ	धननाश	सुख	रोग	कार्यहानि	धनलाभ	स्त्रीसुख	रोग	धर्मलाभ	सुख	धनलाभ	धननाश
मंगल	शत्रुभय	धननाश	धनलाभ	शत्रुभय	धननाश	धनलाभ	धननाश	शत्रुभय	शत्रुभय	शोक	धनलाभ	धननाश
बुध	बन्धन	धनलाभ	शत्रुभय	पशुलाभ	सुख	स्थानलाभ	कष्ट	धनलाभ	कष्ट	सुख	धनलाभ	धननाश
बृहस्पति	भय	धननाश	क्लेश	धननाश	सुख	शोक	राजसम्मान	पीड़ा	सुख	दीनता	धनलाभ	कष्ट
शुक्र	शत्रुक्षय	धनलाभ	सुख	धनलाभ	पुत्रलाभ	शत्रुभय	शोक	धनलाभ	वस्त्रलाभ	दुःख	धनलाभ	धननाश
शनि	भय	धननाश	ऐश्वर्य	शत्रुभय	पुत्रनाश	धनलाभ	दोष	पीड़ा	धर्मनाश	मनमुटाव	धनलाभ	धननाश
राहु	हानि	धननाश	धनलाभ	शत्रुता	शोक	धनप्राप्ति	क्लेश	मृत्यु	दुःख	शत्रुता	सुख	शोक
केतु	रोग	शत्रुता	सुख	भय	सुख	धनलाभ	क्लेश	रोग	पाप	शोक	कीर्ति	शत्रुभय

वर्ष कुण्डली में द्वादश भावों में स्थित ग्रह फल

ग्रह \ भाव	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	पंचम	षष्ठ	सप्तम	अष्टम	नवम	दशम	एकादश	द्वादश
सूर्य	त्रिदोषपीड़ा	परिवारविरोध	भ्रातृकष्ट	कृषिपशुहानि	पित्तप्रकोप	शत्रुक्षय	पत्नीकष्ट	भ्रातृकष्ट	भ्रातृकष्ट	धन सम्मान	धनीविलासी	उद्विग्नता
चन्द्र	कफपीड़ा	कुटुम्ब प्रभाव	धनीभ्रातृसुख	व्यापारलाभ	प्रबुद्धमित्र	वादविवाद	खांसीवातरोग	मूत्ररोग	भाग्योदय	शत्रुक्षयधनी	व्यापारलाभ	नेत्ररोग
मंगल	नेत्ररोग	धनहानि	वाहनसुख	व्रण,अग्निभय	पुत्रकष्ट	शत्रुक्षय	स्त्रीरोग	शत्रुपीड़ा	भाग्ययशवृद्धि	धनलाभ	राज्यधनलाभ	व्यय,व्याधि
बुध	पत्नीसुख	वाहनसुख	धनयशपुत्रसुख	भूमिलाभ	धनपुत्रलाभ	पत्नीकष्ट	विलासी	ज्वर,कफ	पुत्र,धनलाभ	पुत्र,धनलाभ	धन,यशलाभ	शत्रुभय
बृहस्पति	यशस्वी	धनलाभ	कीर्तिलाभ	वाहनसुख	सन्तानसुख	पत्नी,शत्रुकष्ट	दाम्पत्यसुख	ज्वरपीड़ा	धनलाभ	राज्यलाभ	विजय	रोग,शत्रुभय
शुक्र	यशस्वी	धन,मानलाभ	भ्रातृसुख	वाहनकृषिसुख	सन्तानलाभ	उदरपीड़ा	पत्नीसुख	शरीरपीड़ा	धर्म,शील	व्यापारी,धनी	सन्तानलाभ	नेत्र,चर्मरोग
शनि	वातरोग	भ्रातृहानि	पराक्रमी	अग्निभय	पुत्रहानि	कीर्तिलाभ	पत्नीकष्ट	ज्वरपीड़ा	भाग्योदय	कृषिहानि	कीर्तिलाभ	विशेषव्यय
राहु	पत्नीकष्ट	बन्धुविवाद	धन,यशलाभ	वाहनकष्ट	वृद्धिनाश	शत्रुक्षय	गुप्तरोग	मृत्युतुल्यकष्ट	धर्मवृद्धि	यशवृद्धि	शत्रुक्षय	स्थानच्युत
केतु	चिंता,व्रण	परिवारकलह	यशलाभ	वाहनकष्ट	दुर्बुद्धि	रोगनाश	विवाद	अरिष्टप्राप्ति	भाग्यहानि	धनलाभ	विशेषलाभ	दुष्टसंगति

शतपदचक्र

नक्षत्र	अश्वि IIII	भर. IIII	कृत्ति. IIII	रोहि. IIII	मृग. IIII	आर्द्रा IIII	पुन. IIII	पुष्य IIII	आश्ले IIII	मघा IIII	पू.फा. IIII	उ.फा. IIII	हस्त IIII	चित्रा IIII
अक्षर	चू,चे चो,ला	ली,लृ ले,लो	अ,इ उ,ए	ओ,वा वी,वू	वे,वो का,की	कू,घ ङ,छ	के,को ह,ही	हू,हे हो,डा	डी,डू डे,डो	मा,मी मू,मे	मो,टा टी,टू	टे,टो पा,पी	पू,ष ण,ठ	पे,पो रा,री
राशि	मेष	मेष	मेष। वृष।।।	वृष	वृष।। मि.।।	मि.	मि.।।। कर्क।	कर्क	कर्क	सिंह	सिंह	सिंह। क.।।।	कन्या	क.।। तुला।।
स्वामी	मंगल	मंगल	मंगल। शुक्र।।।	शुक्र	शुक्र।। बुध।।	बुध	बुध।।। चन्द्र।	चन्द्र	चन्द्र	सूर्य	सूर्य	सूर्य। बुध।।।	बुध	बुध।। शुक्र।।
वर्ण	क्ष.	क्ष.	क्ष.। वै.।।।	वै.	वै.।। शूद्र।।	शूद्र	शूद्र।।। ब्रा.।	ब्रा.	ब्रा.	क्ष.	क्ष.	क्ष.। वै.।।।	वै.	वै.।। शूद्र।।
वश्य	चतु.	चतु.	चतु.। चतु.।।।	चतु.	चतु.।। मनु.।।	मनु.	मनु.।।। जल.।	जल.	जल.	चतु.	चतु.	चतु.। मनु.।।।	मनु.	मनु.।। मनु.।।
योनी	अश्व	गज	मेष	सर्प	सर्प	श्वान	मार्जार	मेष	मार्जार	मूषक	मुषक	गौ	महिष	व्याघ्र
गण	देव	मनुष्य	राक्षस	मनुष्य	देव	मनुष्य	देव	देव	राक्षस	राक्षस	मनुष्य	मनुष्य	देव	राक्षस
नाड़ी	आदि	मध्य	अन्त्य	अन्त्य	मध्य	आदि	आदि	मध्य	अन्त्य	अन्त्य	मध्य	आदि	आदि	मध्य

नक्षत्र	स्वाती IIII	विशा. IIII	अनु. IIII	ज्येष्ठा IIII	मूल IIII	पूषा. IIII	उषा. IIII	श्रवण IIII	धनि. IIII	शत. IIII	पू.भा. IIII	उ.भा IIII	रेवती IIII
अक्षर	रू,रे रो,ता	ती,तू ते,तो	ना,नी नू,ने	नो,या यी,यू	ये,यो भा,भी	भू,ध फ,ढ़	भे,भो जा,जी	खी,खू खे,खो	गा,गी गू,गे	गो,सा सी,सू	से,सो दा,दी	दू,थ झ,ञ	दे,दो च,ची
राशि	तुला	तु.।।। वृ.।	वृश्चि.	वृश्चि.	धनु	धनु	धनु। म.।।।	मकर	म.।। कुं.।।	कुम्भ	कुं.।।। मीन।	मीन	मीन
स्वामी	शुक्र	शुक्र।।। मंगल।	मंगल	मंगल	गुरु	गुरु	गुरु। म.।।।	शनि	शनि।। शनि।।	शनि	शनि।।। गुरु।	गुरु	गुरु
वर्ण	शूद्र	शूद्र।।। ब्रा.।	ब्रा.	ब्रा.	क्ष.	क्ष.	क्ष.। वै.।।।	वै.	वै.।। शूद्र।।	शूद्र	शूद्र।।। ब्रा.।	ब्रा.	ब्रा.
वश्य	मनु.	मनु.।।। कीट।	कीट	कीट	मनु.	मनु०.५ चतु३.५	चतु.	चतु१.५ जल२.५	जल.।। मनु.।।	मनु.	मनु.।।। जल.।	जल.	जल.
योनी	महिष	व्याघ्र	मृग	मृग	श्वान	वानर	नकुल	वानर	सिंह	अश्व	सिंह	गौ	गज
गण	देव	राक्षस	देव	राक्षस	राक्षस	मनुष्य	मनुष्य	देव	राक्षस	राक्षस	मनुष्य	मनुष्य	देव
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	मध्य	आदि	आदि	मध्य	अन्त्य	अन्त्य	मध्य	आदि	आदि	मध्य	अन्त्य

मेलापक विमर्श

वर्ण विचार (1)

कन्या \ वर	विप्र	क्षत्रिय	वैश्य	शूद्र
विप्र	1	0	0	0
क्षत्रिय	1	1	0	0
वैश्य	1	1	1	0
शूद्र	1	1	1	1

वश्य विचार (2)

कन्या \ वर	चतु.	मानव	जल.	वन.	कीट
चतु.	2	1	1	0	1
मानव	1	2	0.5	0	1
जल.	1	0.5	2	1	1
वन.	0	0	1	2	0
कीट	1	1	1	0	2

तारा विचार (3)

कन्या \ वर	1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	3	3	1.5	3	1.5	3	1.5	3	3
2	3	3	1.5	3	1.5	3	1.5	3	3
3	1.5	1.5	0	1.5	0	1.5	0	1.5	1.5
4	3	3	1.5	3	1.5	3	1.5	3	3
5	1.5	1.5	0	1.5	0	1.5	0	1.5	1.5
6	3	3	1.5	3	1.5	3	1.5	3	3
7	1.5	1.5	0	1.5	3	1.5	0	1.5	1.5
8	3	3	1.5	3	1.5	3	1.5	3	3
9	3	3	1.5	3	1.5	3	1.5	3	3

गण विचार (6)

क \ व	देव	मानव	राक्षस
देव	6	5	0
मानव	5	6	0
राक्षस	0	0	6

नाड़ी विचार (8)

क \ व	आद्य	मध्य	अन्त्य
आद्य	0	8	8
मध्य	8	0	8
अन्त्य	8	8	0

योनी विचार (4)

क \ व	अ.	ग.	मे.	स.	श्वा	मा.	मू.	गौ	म.	व्या	मृ.	वा.	न.	सि.
अ.	4	2	3	2	2	3	3	3	1	1	3	2	2	1
ग.	2	4	3	2	2	3	3	3	3	2	2	2	2	0
मे.	3	3	4	3	2	3	3	3	3	1	3	0	3	0
स.	2	2	3	4	2	2	1	1	2	2	2	2	2	0
श्वा	2	2	2	2	4	1	1	2	2	1	0	2	2	1
मा.	2	2	3	2	1	4	0	2	2	1	2	2	2	2
मू.	2	2	2	1	1	0	4	2	2	2	2	2	2	1
गौ	3	2	3	2	2	2	2	4	3	0	3	2	3	1
म.	1	3	3	2	2	2	2	3	4	1	2	2	2	3
व्या	1	2	1	2	1	1	2	0	1	4	2	1	2	2
मृ.	3	2	3	2	0	2	2	3	2	1	4	2	2	3
वा.	2	3	0	2	2	2	2	2	2	1	2	4	2	3
न.	2	2	3	0	2	2	2	3	2	2	2	4	4	2
सि.	1	0	1	2	1	2	2	2	3	2	2	2	2	4

ग्रहमैत्री विचार (5)

कन्या \ वर	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	5	5	5	4	5	0	0
चन्द्र	5	5	4	1	4	0.5	0.5
भौम	5	4	5	0.5	5	3	0.5
बुध	4	1	0.5	5	0.5	5	4
गुरु	5	4	5	0.5	5	0.5	3
शुक्र	0	0.5	3	5	0.5	5	5
शनि	0	0.5	0.5	4	3	5	5

भकूट विचार (7)

क \ व	मेष	वृष	मि.	क.	सिंह	कं.	तु.	वृ.	धनु	म.	कुं.	मीन
मेष	7	0	7	7	0	0	7	0	0	7	7	7
वृष	0	7	0	7	7	7	0	7	0	0	7	7
मि.	7	0	7	0	7	7	0	0	7	0	0	7
कर्क	7	7	0	7	0	7	7	0	0	7	0	0
सिंह	0	7	7	0	7	0	7	7	0	0	7	0
कं.	0	0	7	7	0	7	0	7	7	0	0	7
तु.	0	7	0	0	7	7	0	7	0	7	7	0
वृ.	0	7	0	0	7	7	0	7	0	7	7	0
धनु	0	0	7	0	0	7	7	0	7	0	7	7
म.	7	0	0	7	0	0	7	7	0	7	0	7
कुं.	7	7	0	0	7	0	0	7	7	0	7	0
मीन	0	7	7	0	0	7	0	0	7	7	0	7

मेलापक सारणी (खण्ड - 1)

वर / कन्या		मेष			वृष			मिथुन			कर्क			सिंह			कन्या		
		अश्वि. 4	भर. 4	कृत्ति. 1	कृत्ति. 3	रोहि. 4	मृग. 2	मृग. 2	आर्द्रा 4	पुन. 3	पुन. 1	पुष्य 4	आश्ले. 4	मघा 4	पू.फा. 4	उ.फा. 1	उ.फा. 3	हस्त 4	चित्रा 2
मेष	अश्वि. 4	28 8	33	28-5 3	18-5 173	21-5 173	22-5 173	26 135	17 1835	19 1835	23-5 83	31.5 3	28 6	21 276	25 27	15-5 2783	11 27835	9 134578	13 2735
	भर. 4	34	28 8	29 6	19 167	21.5 163	14.5 1738	18 8135	26 135	27 135	31.5 3	23.5 83	25.5 63	20 672	18 278	26 27	21.5 175	20 1753	4 176835
	कृत्ति. 1	27.5 63	29 6	28 8	18 178	10 6187	16.5 6173	20 613	20 613	21 6135	25.5 63	26.5 63	23.5 83	16.5 2783	20 627	20 627	15.5 627	15.5 627	18 173
वृष	कृत्ति. 3	18.5 673	20 67	19 78	28 8	20 68	26.5 63	17.5 6173	17.5 6173	18.5 6173	22 635	23 635	20 835	18.5 8235	22 256	22 256	21 67	21 67	23.5 73
	रोहि. 4	23.5 73	23.5 73	11 678	20 68	28 8	36	27.5 17	23.5 173	22.5 1734	26 345	27 35	12 68354	10.5 234568	24.5 2345	27 52	26 7	26 7	20 67
	मृग. 2	23.5 73	14.5 783	18.5 673	27.5 36	35	28 8	19 178	24 17	22.5 1347	26 345	19 358	21 3546	19.5 65234	15.5 52834	24.5 257	23.5 73	26 7	13 786
मिथुन	मृग. 2	27 35	18 358	22 356	19.5 763	27 7	20 78	28 8	33	31.5 34	19 72345	12 87235	14 723465	23.5 2346	19.5 2834	28.5 23	31.5 3	34	21 86
	आर्द्रा 4	19 358	27 35	21 356	18.5 673	24.5 73	26 7	34	28 8	25 84	12.5 68345	20 7235	13 765234	23.5 632	29.5 23	21.5 238	24.5 38	24.5 38	27 46
	पुन. 3	20 358	27 35	23 35	20.5 763	22.5 37	23.5 347	31.5 34	24 84	28 8	15.5 2578	22.5 257	17 23567	22.5 4236	26.5 423	21.5 823	24.5 38	25.5 38	27.5 36
कर्क	पुन. 1	22.5 138	29.5 13	25.5 136	22 1356	24 1345	25 1345	18 172345	10.5 124578	14.5 13578	28 8	35	29.5 36	16.5 13467	20.5 1347	15.5 1378	18 3578	19 12358	21 16235
	पुष्य 4	30.5 13	21.5 138	26.5 136	23 1356	25 135	18 1358	11 123578	18 12357	21.5 1257	35	28 8	30 6	19.5 1367	15.5 1378	23.5 137	26 1235	27 1235	12 1234568
	आश्ले. 4	26 16	24.5 136	22.5 138	19 1358	11 134568	19 13456	12 1234567	12 123567	15 123567	28.5 63	29 6	28 8	15 1478	15.5 13467	18.5 2367	21 12356	21 12356	26 1235
सिंह	मघा 4	20 267	20 267	16.5 2783	17.5 12583	9.5 1236584	17.5 123564	21.5 12364	22.5 1236	20.5 12643	16.5 6743	19.5 673	16 874	28 8	30 6	27.5 63	16.5 21673	16.5 21673	21.5 1273
	पू.फा. 4	26 27	18 278	20 267	21 1256	23.5 12534	15.5 218534	19.5 21834	28.5 213	26.6 2134	22.5 473	17.5 783	16.5 6743	30 6	28 8	35	24 217	22.5 2173	7.5 213687
	उ.फा. 1	16.5 2738	26 27	20 267	21 2165	26 215	24.5 2153	28.5 213	20.5 2138	21.5 2138	17.5 783	25.5 73	19.5 673	27.5 36	35	28 8	17 2178	16 2178	13.5 214367
कन्या	उ.फा. 3	13 7835	22.5 75	16.5 675	21 67	26 7	24.5 73	31.5 13	23.5 138	24.5 813	20 8235	28 235	22 6235	17.5 6273	25 72	18 278	28 8	27 8	24.5 463
	हस्त 4	10 47835	20 735	17.5 752	22 76	25 7	26 7	33 1	22.5 318	24.5 138	20 8235	28 235	23 2356	18.5 2736	22.5 273	16 278	26 8	28 8	28 46
	चित्रा 2	13 36745	5 378645	19 7345	23.5 734	20 67	12 678	19 618	26 164	25.5 136	21 6234	12 682345	27 235	22.5 273	8.5 62783	14.5 24673	24.5 643	27 64	28 8

1-वर्ण / 2- वश्य / 3-तारा / 4-योनी / 5-राशीश / 6-गण / 7-भकूट / 8-नाड़ी

मेलापक सारणी (खण्ड - 2)

कन्या \ वर		तुला			वृश्चिक			धनु			मकर			कुम्भ			मीन		
		चित्रा 2	स्वाती 4	विशा. 3	विशा. 1	अनु. 4	ज्येष्ठा 4	मूल 4	पूषा. 4	उषा. 1	उषा. 3	श्रवण 4	धनि. 2	धनि. 2	शत. 4	पू.भा. 3	पू.भा. 1	उ.भा 4	रेवती 4
मेष	अश्वि. 4	22.5 1436	26.5 134	22.5 3146	18.5 6734	25.5 73	14 786	13.5 768	25 7	23.5 73	25 135	26 135	20 13456	20 13456	15 18356	16 18345	14.5 8734	24.5 73	26 7
	भर. 4	13.5 16834	29.5 13	21.5 6134	17.5 6734	17.5 873	19.5 673	20 67	18 87	26 7	27.5 15	26 135	10 146835	10 146835	20 6135	24 1435	22.5 374	17.5 873	26.5 73
	कृत्ति. 1	27.5 134	15.5 1683	19.5 1834	15.5 7834	19.5 673	25.5 73	24.5 73	18 674	12 678	13.5 1685	11.5 14568	25 1345	25 1345	27 135	19 16345	17.5 6734	19.5 673	11.5 6738
वृष	कृत्ति. 3	22.5 1734	10.5 61783	14.5 17384	20.5 834	24.5 63	30.5 3	20 735	13.5 4675	7.5 6785	12 678	10 4678	23.5 734	29.5 134	31.5 13	23.5 6134	20 6345	22 635	14 6835
	रोहि. 4	19 761	15.5 1783	9.5 31687	15.5 683	29.5 3	23.5 63	14 6735	19 5734	11.5 4785	16 748	17 874	20 67	26.5 61	24.5 613	30.5 13	27 35	27 35	19 583
	मृग. 2	12 7186	25 17	18.5 1736	24.5 36	21.5 83	24.5 36	15 7356	10 87345	17 4735	21.5 743	25 74	13 876	19 168	27 16	29.5 13	26 35	18 835	27 35
मिथुन	मृग. 2	14 876	27 7	20.5 736	14 72356	11 72835	14 72356	23 356	18 8345	25 435	20 7423	23.5 724	11.5 8726	13 876	21 76	23.5 73	25.5 325	17.5 8235	26.5 235
	आर्द्रा 4	20 674	27 7	20 674	13.5 56274	17 37245	3 4362785	16 6835	28 35	28 35	23 723	23 723	17.5 6724	19 674	12 768	17 874	19 8524	26.5 235	26.5 235
	पुन. 3	20.5 736	28 7	22 76	15.5 2756	21.5 275	7 562783	14 45386	27 35	27 35	22 237	23 237	17 23746	18.5 7634	14 876	16 874	18 5842	28 52	27.5 235
कर्क	पुन. 1	20.5 1356	28 251	22 2516	20 67	26 7	11.5 3678	8 2317684	21 1723	21 1723	26 135	27 135	21 16345	12.5 1723465	8 172865	10 175824	16 874	20 7	25.5 73
	पुष्य 4	11.5 6812345	26.5 1235	21 51624	19 746	18 78	21 76	17 61723	11 417382	21 1723	26 135	25 1435	13 618345	4.5 7164283	14.5 5123567	18 12745	24 74	18 87	27 7
	आश्ले. 4	25.5 1235	12.5 612358	17.5 81235	15.5 873	20 67	26 7	22.5 1724	16 61273	8 612783	13 61583	13 16385	26 1345	17.5 172345	19.5 17235	11.5 6172345	17.5 6734	21 67	13 678
सिंह	मघा 4	24.5 2135	11.5 123568	16.5 12358	22.5 823	25.5 623	33 2	25 72	19 627	8.5 267834	3.5 1534678	4.5 153678	18.5 1537	24.5 1235	25.5 1235	18.5 12563	18.5 673	19.5 673	13 678
	पू.फा. 4	10.5 213568	25.5 1235	18.5 12563	24.5 623	23.5 823	25.5 623	19 627	17 728	24 728	17 1574	18.5 137	4.5 153678	10.5 123568	19.5 12563	24.5 1253	24.5 73	17.5 873	25.5 73
	उ.फा. 1	16.5 123465	25.5 1235	16.5 124635	22.5 4263	31.5 23	17.5 6238	9.5 62873	25 72	25 72	20 157	20 157	11.5 153674	17.5 123564	11.5 123685	15.5 123854	15.5 8734	26.5 73	25.5 73
कन्या	उ.फा. 3	16.5 61473	25.5 173	16.5 61473	18 42365	27 235	13 62385	14 6835	29.5 5	29.5 5	24.5 72	24.5 72	16 67234	16.5 61734	10.5 61873	14.5 17834	17.5 38245	28.5 235	27.5 235
	हस्त 4	20 1746	26.5 173	18.5 17346	20 26345	26 235	13 82356	15 8356	27 35	28.5 5	23.5 72	24.5 72	18.5 7624	19 1736	8.5 147836	13.5 17835	16.5 28345	26.5 235	27.5 235
	चित्रा 2	20 178	19 6174	26.5 173	28 235	11 628345	25 2345	27 345	14 6835	22 635	17 673	18.5 672	15.5 7284	16 1478	24 174	16.5 61374	19.5 62345	10.5 642835	19.5 26345

1-वर्ण / 2- वश्य / 3-तारा / 4-योनी / 5-राशीश / 6-गण / 7-भकूट / 8-नाड़ी

मेलापक सारणी (खण्ड - 3)

कन्या \ वर		मेष			वृष			मिथुन			कर्क			सिंह			कन्या		
		अश्वि. 4	भर. 4	कृत्ति. 1	कृत्ति. 3	रोहि. 4	मृग. 2	मृग. 2	आर्द्रा 4	पुन. 3	पुन. 1	पुष्य 4	आश्ले. 4	मघा 4	पू.फा. 4	उ.फा. 1	उ.फा. 3	हस्त 4	चित्रा 2
तुला	चित्रा 2	22.5 634	14.5 3468	28.5 34	23.5 734	20 67	12 678	13 678	21 67	19.5 673	20.5 6523	11.5 684253	26.5 235	25.5 235	11.5 25683	17.5 24635	17.5 4673	20 674	21 78
	स्वाती 4	27.5 43	29.5 3	17.5 38	12.5 783	15.5 783	26 7	27 7	26 7	28 7	29 25	27.5 235	14.5 8235	13.5 2368	25.5 235	25.5 235	25.5 73	27.5 73	21 746
	विशा. 3	22.5 346	22.5 346	20.5 348	15.5 3784	10.5 6738	18.5 673	19.5 673	20 674	21 67	22 625	21 635	18.5 8235	17.5 2538	19.5 2536	17.5 24536	17.5 4673	18.5 6734	27.5 73
वृश्चिक	विशा. 1	16.5 61743	16.5 16743	14.5 17843	19.5 1843	14.5 1683	22.5 163	12 125673	12.5 124675	13.5 12675	19 67	18 674	15.5 783	21.5 1283	23.5 1263	21.5 12643	17 312645	18 126345	27 1235
	अनु. 4	24.5 713	15.5 1783	19.5 1763	24.5 136	27.5 13	20.5 183	10 123875	15.5 312574	20.5 1275	26 7	18 78	21 76	24.5 1236	20.5 1238	29.5 123	25 1235	26 123	11 125834
	ज्येष्ठा 4	12 1678	18.5 1637	24.5 173	29.5 13	22.5 163	22.5 163	12 312675	2 3214678	5 53125678	10.5 3678	20 67	26 7	31 21	23.5 1263	16.5 31268	12 312685	12 312685	24 12345
धनु	मूल 4	12 678	20 67	24.5 73	19 1753	13 16375	13 51637	21 1635	15 16835	12 516384	8 467283	17 6723	23.5 724	25 27	19 267	9.5 32678	13 35168	13 35168	26 5134
	पूषा. 4	26 7	18 78	18 674	12.5 14675	18 17345	10 517348	18 18345	27 135	27 135	23 723	13 47823	17 6723	19 267	17 278	25 27	28.5 15	27 135	13 31685
	उषा. 1	24.5 37	26 7	12 678	6.5 51478	10.5 14578	17 14375	25 1435	27 135	27 135	23 723	23 723	9 67283	8,5 362478	24 274	25 27	28.5 15	28.5 15	21 6135
मकर	उषा. 3	27 35	28.5 5	14.5 685	12 678	16 784	22.5 473	20 1437	22 173	22 1723	28 35	28 35	14 6835	4.5 345678	20 574	21 57	24.5 73	24.5 27	17 6723
	श्रवण 4	27 35	26 35	13.5 485	11 4768	16 784	25 74	22.5 1724	21 1723	22 1723	28 3	26 435	15 835	6.5 36578	18.5 573	20 75	23.5 72	24.5 72	19.5 72
	धनि. 2	20 6345	11 46835	26 345	23.5 734	20 67	12 678	9.5 21678	16.5 24167	16 26137	22 635	13 56834	28 35	19.5 573	5.5 36578	12.5 34567	16 67234	17.5 672	15.5 7824
कुम्भ	धनि. 2	20 6345	11 46385	26 345	30.5 34	27 6	19 68	12 678	19 674	18.5 673	13.5 67235	4.5 3456782	19.5 7235	25.5 235	11.5 23568	18.5 25634	17.5 6734	19 674	17 478
	शत. 4	15 6835	21 635	28 35	32.5 3	25.5 63	27 6	20 67	12 678	13 678	8 67285	14.5 67235	20.5 2735	26.5 253	20.5 2563	12.5 25368	11.5 3687	8.5 34687	25 74
	पू.भा. 3	18 8345	25 435	20 6534	24.5 634	31.5 3	31.5 3	24.5 73	17 784	18 78	13 782	20 7524	13.5 67235	19.5 2536	25.5 253	16.5 25483	15.5 783	15.5 7834	17.5 6734
मीन	पू.भा. 1	14.5 17384	21.5 1437	16.5 61374	19 61345	26 135	26 135	25.5 1235	18 18245	19 8125	18 87	25 74	18.5 673	17.5 1637	23.5 173	14.5 17384	16.5 518234	16.5 518234	18.5 516234
	उ.भा. 4	24.5 173	16.5 1738	18.5 6137	21 6135	26 135	18 8135	17.5 81235	25.5 1523	28 125	27 7	19 78	21 67	18.5 6137	16.5 178	25.5 173	27.5 1235	26.5 1235	9.5 1352468
	रेवती 4	25 17	24.5 173	11.5 36178	14 61835	17 2835	26 135	25.5 1352	24.5 5123	26.5 5123	25.5 73	27 7	14 786	13 1768	23.5 173	23.5 173	25.5 1523	26.5 1523	19.5 145236

1-वर्ण / 2- वश्य / 3-तारा / 4-योनी / 5-राशीश / 6-गण / 7-भकूट / 8-नाड़ी

मेलापक सारणी (खण्ड - 4)

कन्या \ वर		तुला			वृश्चिक			धनु			मकर			कुम्भ			मीन		
		चित्रा 2	स्वाती 4	विशा. 3	विशा. 1	अनु. 4	ज्येष्ठा 4	मूल 4	पूषा. 4	उषा. 1	उषा. 3	श्रवण 4	धनि. 2	धनि. 2	शत. 4	पू.भा. 3	पू.भा. 1	उ.भा 4	रेवती 4
तुला	चित्रा 2	28 8	27 64	34.5 3	23.5 723	6.5 462387	20.5 7234	27 345	14 6735	22 635	25 632	26.5 62	23.5 824	18 874	26 74	18.5 6734	12.5 672345	3.5 2346789	12.5 456723
	स्वाती 4	28 46	28 8	20 846	9 72486	21.5 723	16.5 7236	23 356	27 356	19 385	22 823	23 823	26.5 246	21 467	20 647	25 47	19 2745	19.5 2375	12.5 23785
	विशा. 3	34.5 3	19 684	28 8	17 728	16 6274	20.5 7234	27 345	22 635	14 6358	17 6823	17 6823	30 234	24.5 734	26 74	20 674	14 67245	13 64735	4.5 6728345
वृश्चिक	विशा. 1	22.5 1273	7 126874	16 1287	28 8	27 64	31.5 34	21.5 12347	16.5 12673	8.5 126873	12 61835	12 61835	25 1345	24 12345	25.5 1245	19.5 12645	19 674	18 647	9.5 67834
	अनु. 4	6.5 1234678	21.5 1273	16 12746	28 46	28 8	31 6	15.5 123467	13.5 31287	21.5 1237	25 135	26 135	12 341856	11 3412856	21 12356	24.5 1245	24 74	18 87	27 7
	ज्येष्ठा 4	19.5 12734	15.5 31267	19.5 12734	31.5 34	30 6	28 8	14 12874	16.5 12367	16.5 12367	20 6235	20 6135	25 1345	24 12345	18 12853	10 3124685	9.5 67384	21 67	21 67
धनु	मूल 4	26 3145	21 6135	26 3145	22.5 7234	15.5 62734	15 4287	28 8	28 6	26.5 63	15 61723	15 61723	20 17234	28.5 124	21.5 183	14.5 68134	16 68234	25 623	26 72
	पूषा. 4	13 61385	27 135	21 6135	17.5 6273	15.5 7283	17.5 6273	28 6	28 8	34	22.5 172	23 1723	6 6172834	14.5 61384	23.5 613	28.5 134	30 234	23 823	31 23
	उषा. 1	21 6135	19 8135	13 61835	9.5 62783	23.5 723	17.5 6273	26.5 63	34	28 8	16.5 1728	14.5 1728	15 61273	23.5 613	23.5 613	29.5 13	31 23	31 23	23 823
मकर	उषा. 3	24 613	22 8123	16 6183	13 6835	27 35	21 635	16 6723	23.5 72	17.5 872	28 8	26 8	26.5 63	17 62713	17 62713	23 1723	30.5 3	30.5 3	22.5 83
	श्रवण 4	26.5 126	22 8123	17 81623	14 835	27 35	22 35	17 7236	23 723	14.5 872	25 8	28 8	28 46	18.5 17246	18 17235	21 17234	28.5 34	29.5 3	22.5 83
	धनि. 2	22.5 8124	24.5 6124	29 1234	26 345	12 68345	26 345	21 7234	7 674283	16 6723	26.5 63	27 64	28 8	18.5 1782	23.5 1724	19 61237	26.5 63	15.5 6834	22.5 643
कुम्भ	धनि. 2	18 874	20 674	24.5 734	25 3245	11 624385	25 3245	29 34	15.5 6384	24.5 36	18 6723	18.5 6724	19.5 728	28 8	33 4	28.5 63	18 6723	7 367284	14 64273
	शत. 4	26 74	19 746	26 74	26.5 425	21 6235	19 8235	22.5 83	24.5 63	24.5 63	18 6723	18 6723	24.5 724	33 4	28 8	19 684	8.5 67284	17 6723	16 6723
	पू.भा. 3	18.5 6734	26 74	20 674	20.5 6245	26.5 245	11 623485	15.5 8634	29.5 34	30.5 3	24 723	23 7234	20 7623	28.5 63	19 864	28 8	17.5 872	22.5 724	20 7243
मीन	पू.भा. 1	11.5 612734	19 517245	13 612745	19 674	25 74	9.5 67834	15 62384	29 1234	30 123	29.5 13	28.5 134	25.5 613	17 6173	7.5 614738	16.5 1738	28 8	33 4	30.5 34
	उ.भा. 4	2.5 123456	19.5 7872135	12 625741	18 647	19 87	21 67	24 6123	22 8123	30 123	29.5 13	29.5 13	14.5 61384	6 6128734	16 61273	21.5 1734	33 4	28 8	35
	रेवती 4	12.5 172345	11.5 173285	4.5 12345678	10.5 87346	27 7	22 76	26.5 162	29 123	21 8123	20.5 813	21.5 813	22.5 1346	14 124736	16 17236	18 14723	29.5 43	34	28 8

1-वर्ण / 2- वश्य / 3-तारा / 4-योनी / 5-राशीश / 6-गण / 7-भकूट / 8-नाड़ी

वर्षफल निर्माण विधि

जिस वर्ष का वर्षफल अभीष्ट हो, उस अभीष्ट सम्वत् में से जन्म सम्वत् घटाने पर जो शेष बचे, वे जन्म से गतवर्ष अर्थात् 'गताब्द' होते हैं उन गताब्दों से प्राचीन मतानुसार वर्षप्रवेश सारणी के नीचे दिये गये वार घटी पल आदि फल लेकर उसमें जन्म के वार, इष्टघटी, पलादि जोड़ने पर वर्षप्रवेशकालिक वारादि इष्टकाल ज्ञात होता है। पल घटी आदि यदि 60 से अधिक हों, तो उन्हे सवर्ण करके तथा यदि वारादि संख्या 7 से अधिक हो तो 7 का भाग देने पर एकादि शेष रहने पर रवि आदि क्रम से वार तथा आगे वर्षेष्ट घटी पलादि होते हैं। जन्मकालिक स्पष्ट सूर्य के राश्यंशादि की तरह वर्ष प्रवेशकालिक स्पष्ट सूर्य होता है। वर्षेष्ट के स्वदेशीय(समीपस्थ अक्षांश) लग्न सारणी से लग्न साधन करने पर वर्ष प्रवेश कालिक लग्न सिद्ध होता है। इस प्रकार वर्ष लग्न में वर्ष लग्न कालिक ग्रह स्थापित करने पर वर्ष कुण्डली बनती है।

मुन्थासाधन-

वर्ष कुण्डली में मुन्था भी लगाई जाती है। जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुन्था होती है। यह प्रति वर्ष एक-एक राशि बढती है। अत: गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडने पर यदि 12 से अधिक हो तो 12 का भाग देने पर शेष मुन्था की राशि होती है।

मुद्दादशासाधन-

गत वर्ष संख्या में जन्म नक्षत्र संख्या जोडकर जो संख्या उपलब्ध हो, उसमें 2 घटाकर 9 का भाग देने पर एकादि शेष बचने पर सूर्य चन्द्र मंगल राहु बृहस्पति शनि बुध केतु शुक्र की दशा होती है। सूर्यादि मुद्दादशा दिनादि पंचाग में दिये गये चक्र से जान सकते हैं।

हर्षबलसाधन-

वर्ष कुन्डली में स्थानवल, स्वोच्चबल, पुरुषस्त्रीबल तथा दिनरात्रिबल- ये चार हर्ष बल कहलाते हैं। वर्ष कुण्डली में हर्षबल का सर्वाधिक महत्व होता है क्योंकि हर्षबल के द्वारा ही वर्षेशादि का निर्णय होता है।

स्थानबल-

वर्ष लग्न से 9वें स्थान में सूर्य, 3 में चन्द्रमा, 6 में मंगल, 1 में बुध, 11 में गुरु, 5 में शुक्र तथा 12 में शनि 5 हर्षवली होते हैं।

स्वोच्चबल-

प्रत्येक ग्रह अपनी तथा उच्च राशि में 5 हर्षबली होते हैं। अर्थात् सूर्य 1/5, चन्द्र 2/4, मंगल 1/8/10, बुध 3/6, गुरु 4/9/12, शुक्र 2/7/12, शनि 10/11/7 राशियों में सूर्यादि ग्रह हर्षित अर्थात् हर्ष बली होतें हैं।

पुरुषस्त्रीबल-

स्त्रीग्रह (चं. बु. शु. श.) 1,2,3,7,8,9 स्थानों मे तथा पुरुष ग्रह (सू. मं. गु.) 4,5,6,10,11,12 स्थानों में हर्ष बली होते हैं। हर्ष बली ग्रह के 5 बल होते हैं।

दिनरात्रिबल-

दिन में वर्ष प्रवेश हो तो पुरुष ग्रह रात्रि में वर्ष प्रवेश हो तो स्त्री ग्रह बली होते हैं। यहां यह ध्यान देना चाहिये जहां बल प्राप्त हो वहां 5 तथा जहां बलप्राप्त न हो वहां शून्य (0) रखना चाहिये। इस प्रकार सूर्यादि ग्रहों के चारों स्थानादि बलों का योग हर्षबल कहलाता है।

वर्षेश निर्णय-

जन्म लग्नपति, वर्ष लग्नपति, मुन्थाधिपति, त्रिराशिपति, दिन में वर्ष प्रवेश हो तो सूर्य जिस राशि पर हो उस राशि का स्वामी तथा रात्रि का वर्ष प्रवेश हो तो चन्द्रमा जिस राशि पर हो उस राशि का स्वामी ये पञ्चाधिकारी कहलाते हैं। इन पञ्चाधिकारियों में जो बलवान होकर लग्न को देखता हो, वह वर्षेश होता है। बलवान होने पर भी यदि लग्न को न देखता हो तो, वर्षेश नही होगा। समान बली होने पर जो लग्न को अधिक दृष्टि से देखता हो वह वर्षेश होगा। लग्न को देखने वाला ग्रह यदि अल्प बली हो तो, मुन्थेश अर्थात् मुन्था जिस राशि पर हो उस राशि का स्वामी वर्षेश होगा। यदि पञ्चाधिकारियों में कोई भी ग्रह लग्न को न देखता हो तो जो ग्रह सबसे अधिक बलवान् होगा वही वर्षेश होगा। यदि चन्द्र वर्षेश प्राप्त हो तो वह पञ्चाधिकारियों में जिससे इत्थशाल करें, वह वर्षेश होगा। यदि इत्थशाल न करे तो चन्द्र जिस राशि मे बैठा हो वह वर्षेश होगा।

वर्ष दृष्टि-विचार-

वर्ष कुण्डली में जो ग्रह जिस स्थान में स्थित हो, उससे 5/9 स्थान को प्रत्यक्ष मित्र दृष्टि से, 3/11 स्थान को गुप्त मित्र दृष्टि से, 1/7 को प्रत्यक्ष शत्रु दृष्टि से तथा 4/10 स्थान को गुप्त शत्रु दृष्टि से देखता है। प्रत्यक्षमित्र दृष्टि सभी कार्यों में शीघ्र सफलता देने वाली होती है, गुप्त मित्र दृष्टि कठिनता से सफलता देने वाली होती है। प्रत्यक्ष शत्रु दृष्टि शत्रुता उत्पन्न करने वाली, मित्र से शत्रुता कराने वाली, बनते काम बिगाड़ने वाली हानिकारक होती है। गुप्त शत्रुदृष्टि कार्यों को कठिनता से सफल कराने वाली तथा गुप्त रूप से शत्रु उत्पन्न कराने वाली होती है।

॥ वेधसिद्ध (नवीन) वर्षमानानुसारेण वर्ष प्रवेशसारिणी ॥

गताब्द	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०
वार	1	2	3	5	6	0	1	3	4	5	6	1	2	3	4	6	0	1	2	4
घटि	15	30	46	1	16	32	47	3	18	33	49	4	19	35	50	6	21	36	52	7
पल	22	45	8	31	54	17	40	3	26	49	12	35	58	21	44	7	30	23	16	39

विपल	57	54	51	48	45	42	39	36	33	30	27	24	21	18	15	12	9	6	3	0

गताब्द	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०
वार	5	6	0	2	3	4	5	0	1	2	3	5	6	0	1	3	4	5	6	1
घटी	23	38	53	9	24	39	55	10	26	41	56	12	27	43	58	13	29	44	59	15
पल	1	24	47	10	33	56	19	42	5	28	51	14	37	0	23	46	9	32	55	18
विपल	57	54	51	48	45	42	39	36	33	30	27	24	21	18	15	12	9	6	3	0

गताब्द	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०
वार	2	3	5	6	0	1	3	4	5	6	4	5	0	1	2	3	5	6	0	1
घटी	30	46	1	16	32	47	2	18	33	49	39	55	10	26	41	56	12	27	43	58
पल	40	3	26	49	12	35	58	21	44	7	56	19	42	5	28	51	14	37	0	23
विपल	57	54	51	48	45	42	39	36	33	30	42	39	36	33	30	27	24	21	18	15

गताब्द	६१	६२	६३	६४	६५	६६	६७	६८	६९	७०	७१	७२	७३	७४	७५	७६	७७	७८	७९	८०
वार	3	4	5	6	1	2	3	5	6	0	1	3	4	5	6	4	5	6	1	2
घटी	13	29	44	59	15	30	46	1	16	32	47	2	18	33	49	29	44	59	15	30
पल	46	9	32	55	18	40	3	26	49	12	35	58	21	44	7	4	27	50	13	36

विपल	12	9	6	3	0	57	54	51	48	45	42	39	36	33	30	12	9	6	3	00

॥ प्राचीनमानानुसारेण वर्ष प्रवेश सारिणी॥

गताब्द	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०
वार	1	2	3	5	6	0	1	3	4	00	6	1	2	3	4	6	0	1	2	4
घटी	15	31	46	2	17	33	48	4	19	35	50	6	21	37	52	8	23	39	54	10
पल	31	3	34	6	37	00	40	12	43	15	46	18	49	21	52	24	55	27	28	30
विपल	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00

गताब्द	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०
वार	5	4	0	2	3	4	00	0	1	2	4	5	6	0	2	3	4	5	0	1
घटी	26	10	57	12	28	43	59	14	30	45	1	16	32	43	3	18	34	49	5	21
पल	21	30	4	36	7	39	10	42	13	·45	16	48	37	29	22	454	25	57	28	00
विपल	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	21	30	30	00	30	00	30	0

गताब्द	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०
वार	2	3	5	6	0	1	3	4	5	6	1	2	3	4	6	0	1	3	4	5
घटी	36	52	7	23	38	54	9	25	40	56	11	27	42	58	13	29	44	00	15	31
पल	31	3	34	6	37	9	10	12	43	15	46	18	49	21	52	24	55	27	58	30
विपल	30	00	00	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00

गताब्द	६१	६२	६३	६४	६५	६६	६७	६८	६९	७०	७१	७२	७३	७४	७५	७६	७७	७८	७९	८०
वार	6	1	2	3	4	6	0	1	2	4	5	6	0	2	3	4	5	0	1	2
घटी	47	2	18	33	49	4	20	35	51	6	22	37	53	8	24	39	55	10	26	42
पल	1	33	4	36	7	39	10	42	13	45	16	48	19	51	22	54	25	57	28	00
विपल	30	00	30	0	30	0	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00

॥ विंशोत्तरी मुद्दादशाचक्र ॥

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	मंगल	राहू	गुरु	शनि	बुध	केतु	शुक्र
मास	0	1	0	1	1	1	1	0	2
दिन	18	0	21	24	18	27	21	21	0

॥ योगिनी मुद्दादशाचक्र ॥

योगिनी	मं.	पिं.	धा.	भ्रा.	भ.	उ.	सि.	सं.
मास	0	0	1	1	1	2	2	2
दिन	10	20	0	10	20	0	10	20

॥ त्रिराशिपतिचक्र ॥

लग्नम्	मेप	वृप	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
दि.पति	सू.	शु.	श.	शु.	गु.	चं.	बु.	मं.	श.	मं.	गु.	चं.
लग्नम्	मे.	वृप	मि.	क.	सिं.	क.	तु.	वृश्चि.	ध.	म.	कु.	मी.
रा. पति	गु.	चं.	बु.	मं.	सू.	शु.	श.	शु.	श.	मं.	गु.	चं.

अथ बृहद्गोदानविधिः

तत्र दाता सुस्नातः गोदानसामग्रीं स्वाग्रतः सम्पाद्य सुलिप्तायां भूमौ सपत्नीकः स्वासने उपविश्य यथोक्तलक्षणां सवत्सां गां प्राङ्मुखमिव स्थाप्य कुशतिलजलयवान्यादाय संकल्पं कुर्यात्।

ॐ विष्णुर्विष्णुर्विष्णु अद्ये अमुकगोत्रोऽमुकराशिरमुकशर्मा सपत्नीकोऽहं श्रुतिस्मृतिपुराणोक्तफलप्राप्तये सकलमनोरथसिद्धये च कृतैतद् श्रीयज्ञपुरुषप्रीतये गोदानं करिष्ये।

गोदानार्थं ब्राह्मणवरणम् –तत्प्रतिग्रहणार्थं ब्राह्मणस्य पूजनपूर्वकं वरणञ्च करिष्ये।

उदङ्मुखं ब्राह्मणमर्घ्यादिभिः सम्पूज्य वरणसामग्रीं करे कृत्वा एभिः गन्धाक्षतपुष्पमालायज्ञोपवीतवस्त्रफलादिभिः गोदानप्रतिग्रहणार्थम् अमुकगोत्रस्यामुकवेदाध्यायिनम् अमुकशर्माणं ब्राह्मणं त्वामहं वृणे।

वृणोस्मीति ब्राह्मणो वदेत्।

आवाहयाम्यहं देवीं गां त्वां त्रैलोक्यमातरम् ।
यस्याः स्मरणमात्रेण सर्वपापैः प्रमुच्यते ॥१॥
त्वं देवी त्वं जगन्माता त्वमेवासि वसुन्धरा।
गायत्री त्वं च सावित्री गङ्गा त्वं च सरस्वती ॥
तृणानि भक्ष्यसे नित्यममृतं स्रवसे प्रभो ।
भूतप्रेतपिशाचांश्च पितृदेवतमानुषान् ॥
सर्वांस्तारयते देवी नरकात्पापसङ्कटात् ॥

इत्यावाह्य पूजयेत्।

सवत्सायै गवे नमः, पाद्यं स्नानं च समर्पयामि।

गोरङ्गपूजनम्

नमो विश्वमूर्तिभ्यो विश्वमातृभ्य एव च।
लोकाधिवासिनीभ्यश्च रोहिणीभ्यो नमो नमः॥
गो अग्रपादाभ्यां नमः। गोः पश्चात्पादाभ्यां नमः॥
देहस्था या च रुद्राणां शंकरस्य सदाप्रिया।
धेनुरूपेण सा देवी मम पापं व्यपोहतु॥

गोरास्याय नमः

विष्णोर्वक्षसि या देवी स्वाहा या च विभावसोः।
चन्द्रार्कशक्रशक्तिर्या सा धेनुर्वरदास्तु मे॥
गोः शृंगाभ्यां नमः॥ गोकर्णाभ्यां नमः॥
चतुर्मुखस्य या लक्ष्मीर्य्या लक्ष्मीर्धनदस्य च।
लक्ष्मीर्या लोकपालानां सा धेनुवरदास्तु मे।

गो: पृष्ठाय नमः।।

स्वधा त्वं पितृमुख्यानां स्वाहा यज्ञभुजांस्तथा।

सर्वपापहरे धेनो तस्माच्छान्तिं प्रयच्छ मे।।

गो: पुच्छाय नमः।।

यस्याः शृंगाग्रयोरिन्द्र उरसि स्कन्ध एव च।

तत्रास्ते शिरसि ब्रह्मा ललाटे वृषभध्वजः।।

कर्णयोरश्विनौ देवौ चक्षुषोः शशिभास्करौ।

दंतेषु मरुतो देवा जिह्वायां च सरस्वती।।

अपाने सर्वतीर्थानि लांगूले सर्वमङ्गला।

ऋषयोः रोमकूपेषु पृष्ठे वैवस्वतो यमः।।

वरुणो धनदश्चैव दक्षिणां कुक्षिमाश्रितः।

वामपार्श्वे महायज्ञो महोजास्तु महाबलः।।

खुरमध्ये तु गन्धर्वाः खुराग्रे पन्नगास्तथा।

खुराणां पश्चिमे पार्श्वे गणा अप्सरसामपि।।

गोमये वसते लक्ष्मीर्गोमूत्रे जाह्नवीजलम्।

हुंकारे निखिला वेदा रम्भाशब्दे प्रजापतिः।।

चत्वारः सागराः पूर्णा धेनूनां स्तनमण्डले।

अमृतं स्रवते नित्यं पिबन्ति सुरमानवाः।।

न धेनु तुल्यं धनमस्ति किञ्चिद्धरत्यघं गुह्यबहिर्भवं च।

तृणानि भुक्ताप्यमृतं स्रवंती विप्राय दत्ता पितृमोक्षदा सा।।

एककालं द्विकालं वा यो ददाति गवाह्निकम्।

पञ्चचामरपूर्णाङ्गविमानमधिरोहति।।

उभे संध्ये च यो नित्यं गोसावित्रिं सदा पठेत्।

गोसहस्रफलं सोऽपि लभते वांछितं फलम्।।

गवामङ्गेषु तिष्ठन्ति भुवनानि चतुर्दश।

यस्मात्तस्माच्छिवं मे स्यादिह लोके परत्र च।।

वस्त्रम्- आच्छादनं मया दत्तं सम्यक् शुद्धं सुनिर्मलम्।
सुरभिर्वस्त्रदानेन प्रीयतां परमेश्वरी।

गन्धम्- सर्वदेवप्रियन्देवि चन्दनं कुङ्कुमान्वितम्।
कर्पूरादिसमायुक्तं गोगन्धं प्रतिगृह्यताम्।।

अक्षताः - अक्षताश्च शुभ्राश्च कुंकुमाक्ताः सुशोभनाः।
मयानीताः प्रियार्थैतान् गृहाण त्वं गवेश्वरि।।

धूपम् - आनन्दकृत्सर्वलोके देवानाञ्च सदाप्रिये।
गौस्त्वं पाहि जगन्माता धूपोऽयं प्रतिगृह्यताम्।

दीपम्- साज्यं सद्वर्तिसंयुक्तं वह्निना योजितं मया।
दीपं गृहाण देवेशि सर्वतस्तिमिरापहम्।

गो: ग्रास: - सुरभिस्त्वं जगन्माता नित्यं विष्णुपदे स्थिता।
गो ग्रासं च मया दत्तं नैवेद्यं प्रतिगृह्यताम्।
सुरभिस्त्वं जगन्मातर्देवि विष्णुपदे स्थिता।
सर्वदेवमयी ग्रासं मया दत्तमिमं ग्रस॥

भूषणार्थ द्रव्यं - घंटाचामरञ्च समर्प्य, ततो गो: देहतीर्थानि पूजयेत्।

देहे देवतीर्थपूजनम् - गन्धाक्षतपुष्पै:

शृङ्मूले ब्रह्माविष्णुभ्यो नम:॥ सर्वतीर्थेभ्यो नम:॥ शिरोमध्ये महादेवाय नम:॥ ललाटे गौर्ये नम:॥ नासारन्ध्रे षणमुखाय नम:॥ नासापुटयो: कम्बलाश्वतराभ्यां नम:॥ दन्तेषु वायवे नम:॥ जिह्वायां वरुणाय नम:॥ हुंकारे सरस्वत्यै नम:॥ गण्डयो: मासपक्षाभ्यां नम:॥ ओष्ठयो: सन्ध्याद्वाभ्यां नम:॥ ग्रीवायां रक्षेभ्यो नम:॥ कुक्षौ साध्ये नम:॥ जंघासु धर्म्माय नम:॥ खुरमध्ये गन्धर्वेभ्यो नम:॥ खुराग्रे कुलपर्वतेभ्यो नम:॥ खुरपश्चिमाग्रेषु अप्सरोगणेभ्यो नम:॥ पृष्ठे एकादशरुद्रेभ्यो नम:॥ सर्वसन्धिषु वसुभ्यो नम:॥ श्रोण्यौ पितृगणेभ्यो नम:॥ पुच्छे सोमाय नम:॥ पुच्छकेशेषु सूर्य-रश्मिभ्यो नम:॥ गोमूत्रे गङ्गायै नम:॥ गोमये यमुनायै नम:॥ क्षीरे सरस्वत्यै नम:॥ दध्नि नर्मदायै नम:॥ घृते वह्नये नम:॥ रोमेषु कोटिदेवेभ्यो नम:॥ उदरे पृथिव्यै नम:॥ स्तनेषु चतु: सागरेभ्यो नम:॥

एते यस्या: स्तनो देवा सा धेनुर्वरदो मम ॥

स्वर्णशृङ्गीं रौप्यखुरां ताम्रपृष्टां मुक्ताफलसमर्पितं लांगूलवती कांस्यगोदेविकां विधाय प्रार्थयेत्।

नमो गोभ्य: श्रीमतीभ्य: सौरभेयीभ्य एव च।
नमो ब्रह्मसुताभ्यश्च पवित्राभ्यो नमो नम:।

गोपुच्छतर्पणविधि:-

सकुशाक्षतयवं गोपुच्छं च गृहीत्वा प्राङ्मुखी यजमानौ देवतीर्थेन देवास्तर्पयेत्।

ॐ या नन्दनी सुशीलाद्या कामदाश्चैव धेनव:।
ता: सर्वा पुच्छतोयेन तर्पितास्तर्पयन्तु माम्॥
ब्रह्मा विष्णुर्महादेव: कार्तिकेयो गणाधिप:।
पुष्पचापो महेन्द्रश्च भगवानच्युताग्रज:॥
देवा समस्ता: सगणा: सवाहनपरिच्छदा:।
सवसवोऽष्टौ द्वादशार्का रुद्रा एकादशेऽवतु॥
विश्वेदेवाश्च सोमश्च मरुतो मातरस्तथा।

गन्धर्वा गुह्यकाश्चैव सागरा सरितस्तथा॥
राक्षसाः यक्षवेतालाः पूतनाः पर्वताः द्रुमाः।
तीर्थान्यापसरश्चैव पशवः पन्नगाः खगाः॥
ऋक्षाणि राशयः योगाः मासवर्षर्तुवासराः।
अयने च युगाः कल्पास्तथा मन्वन्तराणि च॥
भुवनानि दिशाकाशं तथा सर्वेन्द्रियाणि च।
ॐकारश्चैव गायत्री छन्दस्त्वङ्गानि चैव हि॥
वेदाश्च स्मृतयश्चैव पुराणानि तथैव च।
आयुर्वेदो धनुर्वेदो गन्धर्वो मन्त्रपारगाः॥
औषध्यो वनसम्भूता ग्राम्याश्चैव सुप्पिपलाः।
सानुगा देवताश्चैव मुनयः सगणास्तथा॥
ऋषयः ऋषिपत्न्यश्च सिद्धाश्च सगणास्तथा।
प्रजा प्रजापतिश्चैव येऽन्ये विघ्नविनायकाः॥
विद्याधराश्च दैत्याश्चैवाचार्या गुरवस्तथा।
डाकिन्यः क्षेत्रपालश्च भैरवाचाष्टसंख्यकाः॥
स्थावरा जङ्गमाश्चैव भूतग्रामचतुर्विधाः।

अक्षयेनाऽमृतेनैव मङ्गलेन सुवारिणा॥
गोपुच्छाग्रच्युतमेह मद्दतेन हितेऽखिला।
शाश्वतीं तृप्तिमायान्तु दात्र्यै युक्तवरप्रदाः॥
सूर्यः सोमः कुजः सौम्यो गुरुः शुक्रः शनैश्चरः।
ग्रहाश्च तृप्तिमायान्तु राहुकेतू समन्वितौ॥
इन्द्रो वह्निर्यमो रक्षः पाशो वायुर्धनाधिपः।
ईशोऽनन्तस्तथा ब्रह्मा सर्वे ते तर्पिता मया॥
सावित्र्या सह लोकेशः सलक्ष्मीकश्चतुर्भुजः।
महेशश्चोमया सार्द्धस्तृप्तिर्यान्तु च शाश्वतीम्॥
अत्रिर्वशिष्ठो भृगुगौतमौ च
मरीचि दक्षो पुलहः पुलस्त्यः।
प्रचेतसः काश्यपविश्वमित्रौ
भारद्वाजसंज्ञो जमदग्निरेव।
अन्ये च सर्वे मुनिपुंगवाश्च
गृह्णन्तु दत्तं जलमद्य तुष्टाः॥

(जीवित्पितृकस्य तर्पणे निषेधोऽतस्तेन तन्नकार्य्यम्) ततो यज्ञोपवीतं कण्ठावरोहणं कृत्वा साक्षतकुशैः मनुष्यतीर्थेन मनुष्यांस्तर्पयेत् -

सनकः सनन्दनश्चैव सनातनस्तथैव च।

कपिलश्चासुरैश्चैव वोढुपञ्चशिखस्तथा।

ते तृप्तिमखिलायान्तु गोपुच्छोदकतर्पणैः॥

ततो अपसव्यं विधाय द्विगुणितकुशतिलजलैः पितृन् तर्पयेत् -

कव्यवाडवानलः सोमो यमश्चैवार्य्यमा तथा।

अग्निष्वाताः सोमपाश्च तथा बर्हिषदश्च ये।

तर्पितास्तृप्तिमायान्तु गोपुच्छोदकतर्पणैः।

यमाय धर्मराजाय मृत्यवे चान्तकाय च।

वैवस्वताय कालाय सर्वभूतक्षयाय च।

औदुम्बराय दध्नाय नीलाय परमेष्ठिने।

वृकोदरश्च चित्रश्च चित्रगुप्तस्तथैव च।

ते सर्वे तृप्तिमायान्तु गोपुच्छोदकतर्पणैः।

पितापितामहश्चैव तथैव प्रपितामहः।

माता पितामही चैव तथैव प्रपितामही।

मातामहः प्रमातामहः प्रमातामहोपरः।

मातामही प्रमातामही प्रमातामहीपरा।

तृप्तिमायान्तु सकलाः गोपुच्छोदकतर्पणैः।

पितृवंशे मृते ये च मातृवंशेऽपि ये मृताः।

ये मे कुले लुप्तपिण्डाः क्रियालोपगतास्तथा।

आब्रह्मस्तंबपर्य्यन्तं देवर्षिपितृमानवाः।

तृप्यन्तु सर्वदा सर्वे गोपुच्छोदकतर्पणैः।

ब्राह्मणपूजनम् - गन्धाक्षतपुष्पमालादिभिः विप्रमर्चयित्वा, अनन्तरं वस्त्रद्रव्यरत्नादिभिः च अलङ्करणं कुर्यात्। प्रार्थयेत्-

ॐनमस्त्वनन्ताय सहस्रमूर्तये, सहस्रपादाक्षिशिरोरुबाहवे।

सहस्रनाम्ने पुरुषाय शाश्वते सहस्रकोटियुगधारिणे नमः॥

आपध्वनन्ताय सहस्रभानवे समीहितार्थार्पणकामधेनवः।

अपारसंसारसमुद्रसेतवः पुनन्तु मां ब्राह्मणपादपांसवः॥

ॐभूमावेवाग्रजन्मासि विप्र त्वं पुरुषोत्तमः।

प्रत्यक्षो यज्ञपुरुषः पूजां मे प्रतिगृह्यताम्॥

ॐ अꣳ शुनाते अ ꣳ शुः पृच्यतां परुषा परुः गन्धस्ते सोममवतु मदाय रसो अच्युतः।

उदङ्मुखस्तु विप्रः स्यात्पात्रलक्षणलक्षितः।

आज्यपात्रं करे कृत्वा सुवर्णेन समन्वितम्॥

निक्षिप्य पुच्छं तस्मिंस्तु घृतदुग्धं प्रगृह्य च।

सतिलं विप्रवर्य्याय धेनुं दद्यात्पयस्विनीम्॥

प्राङ्मुखीगाम् उदङ्मुखी विप्रः पुच्छदेशे स्वयं स्थित्वा आज्यपात्रं सतिलं कनकेन(सुवर्णेन) अन्वितं (युक्तं) प्रगृह्य गोपुच्छं तत्पात्रे निधाय दानसंकल्पं कुर्यात्॥

अद्येत्यादि अमुकोऽहं ममामुष्मिन् कर्मणि श्रुतिस्मृति-पुराणोक्तफलवाप्तये गोरोमसंख्यकदिव्यवत्सरावच्छिन्न स्वर्गलोकस्थितिकामांश्च पितृणां निरतिशयानन्दब्रह्मलोकप्राप्तये च परमेश्वरप्रीतये इमां सुपूजितां सालंकारां सवत्सां गां रुद्रदेवताममुकगोत्राय अमुकशर्मणे ब्राह्मणाय तुभ्यमहं सम्प्रददे।

दानवाक्यम् – यज्ञसाधनभूतायाः विश्वस्याघविनाशिनी।
विश्वरूपधरोदेवः प्रीयतामनया गवा॥

ततो ब्राह्मणः स्वस्तीति वदेत्–

अद्य कृतैतद्गोदानकर्मणः सांगतासिद्धये इदं हिरण्यमयं दक्षिणामग्निदैवतममुकगोत्रायामुकशर्म्मणे ब्राह्मणाय तुभ्यमहं सम्प्रददे।

कोदादिति ब्राह्मणप्रतिवचनम्।

ततो ब्राह्मणगवोः प्रदक्षिणाचतुष्टयं कुर्य्यात्–

नमो ब्रह्मण्यदेवाय गोब्राह्मणहिताय च।
जगद्धिताय कृष्णाय गोविन्दाय नमो नमः॥
मया जन्मसहस्रेषु ह्यर्जितं पापसंचयम्।
तत् सर्वं नाशय क्षिप्रं प्रदक्षिणा पदे-पदे॥

ब्राह्मणः गोपुच्छोदकेनाभिषेकं कुर्यात्। मन्त्राशीषं च दद्यात्। ततो यजमानः ब्राह्मणेन समन्वितां गावः नमस्कारप्रदक्षिणाञ्च कुर्यात्।

नमस्कारः– नमो गोभ्यः श्रीमतीभ्यः सौरभेयीभ्य एव च।
नमो ब्रह्मसुताभ्यश्च पवित्राभ्यो नमो नमः॥
यया सर्वमिदं व्याप्तं जगत् स्थावरजङ्गमम्।
तां धेनुं शिरसा वन्दे भूतभव्यस्य मातरम्॥
पञ्चगावः समुत्पन्ना मथ्यमाने महोदधौ।
तासां मध्ये तु या नन्दा तस्यै देव्यै नमो नमः॥
सर्वकामदुघे देवी सर्वतीर्थाभिषेचिनि।
पावनि सुरभिश्रेष्ठे देवि तुभ्यं नमो नमः॥

प्रदक्षिणा – पापानि सर्वाणि पदे पदे या
हरत्यहो तत्क्षणमेव नृणणाम्।

प्रदक्षिणां तां परभक्तिभावात्
समाचरे धेनुवरे प्रसीद॥

गवां दृष्ट्वा नमस्कृत्य कुर्याच्चैव प्रदक्षिणम्।

प्रदक्षिणीकृता तेन सप्तद्वीपा वसुन्धरा॥

मातरः सर्वभूतानां गावः सर्व सुखप्रदाः।

वृद्धिमाकाङ्क्षता पुंसा नित्यं कार्या प्रदक्षिणा॥

इति चतुःसंख्यकप्रदक्षिणां विधाय प्रार्थयेत्

या लक्ष्मीर्लोकपालानां या च धेनुः सरस्वती।

धेनुरूपेण सा देवी मम पापं व्यपोहतु॥

ततो ब्राह्मणः गोपुच्छान्वितजलेन यजमानशिरसि निषिच्य तिलकमन्त्रपाठादीनि दद्यात्।

व्यतीपाते च संक्रान्तौ ग्रहणे ग्रहदौष्ट्यके।

असूतक्रमे विवाहे च रात्रौ गोदानमिष्यते॥

ततोदक्षिणां भूयसी च दद्यात्। तथा यथोपन्नेनान्नेन ब्राह्मणैश्च भोजयिष्ये।

इति गोदानविधिः

यज्ञोपवीत धारण प्रयोग

किसी भी अवस्था में यदि यज्ञोपवीत अशुद्ध हो जाये, अथवा धागा टूट जाय, या फिर शौचादि के समय कान में डालना भूल जायें तो अपवित्र हो जाता है तब नया यज्ञोपवीत धारण करना चाहिये। इसी प्रकार जननाशौच, मरणाशौच, श्राद्ध, यज्ञ आदि में तथा सूर्य-चन्द्रग्रहण के उपरान्त नवीन यज्ञोपवीत धारण करना अपेक्षित है। यज्ञोपवीत धारण करने से पहले उसे संस्कारित करके प्रत्येक तन्तु में देवताओं का आवाहन व प्रतिष्ठापन कर सिद्ध (अभिमन्त्रित) करना आवश्यक होता है। अतः सर्वप्रथम संङ्कल्प करें।

ॐविष्णुर्विष्णुर्विष्णु अद्य....... मम श्रौतस्मार्तकर्मानुष्ठानसिद्धिद्वारा श्रीपरमेश्वरः प्रीत्यर्थं नूतनयज्ञोपवीतं धारणमहं करिष्ये।

इस प्रकार सङ्कल्प कर यज्ञोपवीत निम्नलिखित मन्त्र से प्रक्षालित करें-

ॐ आपोहिष्ठा मयोभुवस्ता न ऊर्जे दधातन। महे रणाय चक्षसे। यो वः शिवतमो रसः तस्य भाजयतेह नः। उशतीरिव मातरः तस्मा अरं गमाम वः यस्य क्षयाय जिन्वथ। आपो जनयथा च नः॥

इसके बाद हाथों के सम्पुट में यज्ञोपवीत रखकर गायत्री का दश बार आवेष्टति जप करें। तदुपरान्त किसी पात्र में यज्ञोपवीत रखकर पुष्पाक्षत से प्रत्येक सूत्र में देवताओं का आवाहन करें।

प्रथमतन्तौ ॐकारायनमः, ॐकारमावाहयामि। द्वितीयतन्तौ ॐअग्नये नमः, अग्निमावाहयामि। तृतीयतन्तौ ॐसर्पदेवताभ्यो नमः, सर्पानावाहयामि। चतुर्थतन्तौ ॐ सोमाय नमः, सोममावहयामि। पञ्चमतन्तौ ॐपितृभ्यो नमः, पितृनावाहयामि। षष्ठतन्तौ ॐ प्रजापतये नमः, प्रजापतिमावाहयामि, सप्तमतन्तौ ॐअनिलेभ्यो नमः, अनिलमावाहयामि। अष्टमतन्तौ ॐयमाय नमः, यममावाहयामि। नवमतन्तौ ॐविश्वेदेवेभ्यो नमः। विश्वान् देवानावाहयामि।

अथ ग्रन्थिदेवतानामावाहनम्– **ग्रन्थिममध्ये ॐब्रह्मणे नमः, ॐ ब्रह्मणमावाहयामि। ॐ विष्णवे नमः ॐविष्णुमावाहयामि। ॐरुद्राय नमः, रुद्रमावाहयामि। ॐप्रणवाद्यावाहित देवताभ्यो नमः। प्रणवाद्यावाहितदेवताः यथा स्थानमहं प्रतिष्ठापयामि।**

इन मन्त्रों से यज्ञोपवीत की गन्धाक्षत से प्रतिष्ठा करें तथा यज्ञोपवीत का मानसोपचार से पूजन करें।

ध्यानम्–

ॐ प्रजापतेर्यत्सहजं पवित्रं कार्पाससूत्रोद्भवब्रह्मसूत्रम्।
ब्रह्मत्वसिद्ध्यै च यशः प्रकाशं जपस्य सिद्धिं कुरु ब्रह्मसूत्रम्।।

तदनन्तर निम्नमन्त्र से सूर्यनारायण को यज्ञोपवीत दिखाना चाहिये।

ॐ आकृष्णेन रजसावर्तमानो निवेशयन्नमृतं मर्त्यञ्च।

हिरण्ययेन सविता रथेना देवो याति भुवनानि पश्यन्।

अथ यज्ञोपवीतधारणम्

यज्ञोपवीतमिति मन्त्रस्य परमेष्ठी ऋषिः लिङ्गोक्तदेवता त्रिष्टुपछन्दो यज्ञोपवीतधारणे विनियोगः।

ॐ यज्ञोपवीतं परमं पवित्रं प्रजापतेर्यत्सहजं पुरस्तात्।

आयुष्यमग्र्यं प्रतिमुञ्चशुभ्रं यज्ञोपवीतं बलमस्तु तेजः।।

यज्ञोपवीतमसि यज्ञस्य त्वा यज्ञोपवीतेनोपनह्यामि।।

इस प्रकार मंत्र पढ़कर पहले दाहिनी भुजा में यज्ञोपवीत डालकर तब कण्ठ में धारण करें। प्रत्येक यज्ञोपवीत धारण के बाद आचमन करें।

जीर्णसूत्र त्याग

निम्नमन्त्र को पढ़कर जीर्ण यज्ञोपवीत अर्थात् पुराने जनेऊ को पहले सिर की ओर से निकालें। और यथा शक्ति गायत्री मन्त्र को जपकर उसे जल में प्रवाहित करें।

एतावद्दिन पर्यन्तं ब्रह्मत्वं धारितं मया।

जीर्णत्वाच्च परित्यागो गच्छसूत्रं यथासुखम्।।

अर्पणम्

अनेन नवयज्ञोपवीतधारणार्थं कृतेन यथाशक्तिगायत्रीजपकर्मणा सवितादेवता प्रीयतां न मम। ॐ तत्सद्ब्रह्मार्पणमस्तु।

इति यज्ञोपवीत धारण विधि

अथ सन्ध्याप्रारम्भः

पवित्रीकरणम् - वाम हस्ते जलमादाय दक्षिणहस्तेन स्व आत्मानं अभिसिञ्चेत् ।

ॐ अपवित्रः पवित्रो वा सर्वावस्थां गतोऽपि वा ।
यः स्मरेत्पुण्डरीकाक्षं स बाह्याभ्यन्तरः शुचिः ॥

ॐ पुण्डरीकाक्षः पुनातु। ॐ पुण्डरीकाक्षः पुनातु। ॐ पुण्डरीकाक्षः पुनातु।

त्रिराचम्य - निम्नलिखित तीन मन्त्रों के उच्चारण के साथ आचमन करते हुए मन में स्वाहा शब्द का उच्चारण करें ।

ॐ केशवाय नमः (स्वाहा)। ॐ नारायणाय नमः (स्वाहा)। ॐ माधवाय नमः (स्वाहा)। ॐ गोविन्दाय नमः । हस्तौ प्रक्षाल्य ।

आसन शुद्धिः - विनियोगः - **ॐ पृथ्वीति मन्त्रस्य मेरुपृष्ठ ऋषिः सुतलं छन्दः कूर्मो देवता आसनपवित्रकरणे विनियोगः ।**

निम्न मन्त्र पढते हुए तीन बार पृथ्वी का स्पर्श करें ।

ॐ पृथ्वी त्वया धृता लोका देवि त्वं विष्णुना धृता ।
त्वं च धारय मां देवि पवित्रं कुरु चासनम् ।
ॐ आधारासनायै कमलासनायै पृथिव्यै नमः ।

पवित्रीधारणम् - कुशा धारण करते हुए निम्न मन्त्र का उच्चारण करें ।

ॐ पवित्रेस्थो वैष्णव्यौ सवितुर्वः प्रसव उत्पुनाम्याच्छिद्रेण पवित्रेण सूर्यस्य रश्मिभिः। तस्य ते पवित्रपते पवित्रपूतस्य यत्कामः पुने तच्छकेयम् ।

शिखाबन्धनविनियोगः **ॐ मानस्तोकेति मन्त्रस्य कुत्स ऋषिः जगति छन्द एको रुद्रो देवता शिखाबन्धने विनियोगः।** (निम्न मन्त्र से शिखाबन्धन करें -)

ॐ मानस्तोके तनयेमानऽआयुषिमानो गोषुमानोऽअश्वेषुरी रिषः । मानोव्वीरान्रुद्रभामिनो व्वधीर्हविष्मन्तः सदमित्त्वा हवामहे ।

तिलकधारणम् - निम्न मन्त्र से तिलक धारण करें ।

ॐ आदित्या वसवो रुद्रा विश्वेदेवा मरुद्गणाः ।
तिलकन्ते प्रयच्छन्तु धर्मकामार्थसिद्धये ॥
ॐ मृत्तिका चन्दनं चैव भस्म तोयं चतुर्थककम् ।
एभिर्द्रव्यैर्यथाकालमूर्ध्वपुण्ड्रं भवेत् सदा ॥

संकल्पः-अर्घ्यपात्र में जल लेकर निष्काम भावना से सन्ध्या का संकल्प करें ।

ॐ विष्णुर्विष्णुर्विष्णुः श्रीमद्भगवतो महापुरुषस्य विष्णोराज्ञया प्रवर्त्तमानस्य अद्य ब्रह्मणोह्नि द्वितीयपरार्धे श्रीश्वेतवाराहकल्पे वैवस्वतमन्वन्तरे अष्टाविंशतितमे कलियुगे कलिप्रथमचरणे भारतवर्षे जम्मूद्वीपे आर्यावर्तैक देशान्तर्गते पुण्यप्रदेशे. .... जनपदे..... नगरे....... ग्रामे...... क्षेत्रे प्रभवादिषष्ठि सम्वत्सराणां मध्ये... ...सम्वत्सरे सूर्ये उत्तरायणे/दक्षिण अयने उत्तर/दक्षिण गोले..........मासे शुभे शुक्ल/कृष्ण पक्षे शुभ पुण्य ....तिथौ ......वासरे ......नक्षत्रे ....योगे ....करणे ....शुभराशि ....स्थितौ श्री सूर्य......राशिस्थितः चन्द्रः ....गोत्रोत्पन्नो...........शर्माऽहं (वर्माहं/गुप्तोऽहं) ममोत्पात्तदुरितक्षयपूर्वकं श्रीगायत्रीप्रीत्यर्थं प्रातः/मध्याह्न/सायं सन्योपासनकर्म करिष्ये ।

निम्न विनियोग के उच्चारण के साथ आचमनी में जल लेकर विनियोग करें ।

विनियोग - **ॐ ऋतं चेति त्र्यृचस्य माधुच्छन्दसोऽघमर्षण ऋषिरनुष्टुप् छन्दो भाववृत्तं दैवतमपामुपस्पर्शने विनियोगः।**

निम्न मन्त्र से उच्चारण के साथ आचमनी में जल लेकर उसे पियें ।

ॐ ऋतञ्च सत्यञ्चाभीद्धात्तपसोऽध्यजायत । ततो रात्र्यजायत । ततः समुद्रो अर्णवः । समुद्रादर्णवादधिसंवत्सरो अजायत । अहोरात्राणि विदध द्विश्वस्य मिषतो वशी । सूर्यचन्द्रमसौ धाता यथापूर्वमकल्पयत् । दिवञ्च पृथिवीञ्चान्तरिक्षमथो स्वः ।

प्राणायाम विधि - प्राणायाम के तीन भेद होते हैं - 1. पूरक 2. कुम्भक 3. रेचक

1. अंगूठे से दाहिने नाक को दबाकर बांए नाक से श्वास को धीरे-धीरे खींचने को "पूरक" कहते हैं । पूरक प्राणायाम करते समय उपर्युक्त मन्त्रों का मन से उच्चारण करते हुए नाभिदेश में नीलकमलदल के समान नीलवर्ण चतुर्भुज भगवान् विष्णु का ध्यान करें ।
2. जब श्वास रुक जाए तब अनामिका और कनिष्ठिका अंगुली से नाक के बाए छिद्र को भी दबा दें और मन्त्र जपते रहें। यह "कुम्भक" कहलाता है ।कुम्भक प्राणायाम करते समय हृदय में विराजमान लाल वर्ण वाले चतुर्भुज ब्रह्मा का ध्यान करें ।
3. अंगूठे को हटाकर दाहिने छिद्र से श्वास को धीरे-धीरे छोड़ें । यह "रेचक" कहलाता है । रेचक प्राणायाम करते समय ललाट में श्वेतवर्ण शंकर का ध्यान करें।

विनियोगः - **ॐ कारस्य ब्रह्म ऋषिर्दैवी गायत्री छन्दः परमात्मा देवता सप्तव्याहृतीनां प्रजापतिऋषिः गायत्र्युष्णिगनुष्टुब्बृहतीपङ्क्तित्रिष्टुब्जगत्यश्छन्दांसि अग्निवायुसूर्यवृहस्पति- वरुणेन्द्रविश्वेदेवा देवताः तत्सवितुरिति विश्वामित्र ऋषिर्गायत्री छन्दः सविता देवता आपोज्योतिरिति शिरसः प्रजापतिऋषिर्यजुश्छन्दो ब्रह्माग्निवायुसूर्यादेवताः प्राणायामे विनियोगः।**

(निम्न मन्त्र का स्मरण करते हुए प्राणायाम करें -)

ॐ भूः ॐ भुवः ॐ स्वः ॐ महः ॐ जनः ॐ तपः ॐ सत्यम् । ॐ तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गोदेवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात् । ॐआपोज्योती रसोऽमृतं ब्रह्म भूर्भुवः स्वरोम् ।। (हस्तौ प्रक्षाल्य) प्रातराचमनीयम् (केवल प्रातः संध्या में निम्न आचमन करे)

विनियोगः - ॐ सूर्यश्च मेति ब्रह्मा ऋषिः प्रकृतिश्छन्दः सूर्यमन्युमन्युपतयो रात्रिश्च

देवता अपामुपस्पर्शने विनियोगः ।
आचमनी में जल लेकर मन्त्र उच्चारण करने के बाद पियें ।

ॐ सूर्यश्च मा मन्युश्च मन्युपतयश्च मन्युकृतेभ्यः पापेभ्यो रक्षन्ताम् । यद्रात्र्या पापमकार्षं मनसा वाचा हस्ताभ्यां पद्भ्यामुदरेण शिश्ना रात्रिस्तदवलुम्पतु । यत्किञ्च दुरितं मयि इदमहं माममृतयोनौ सूर्ये ज्योतिषि जुहोमि स्वाहा ।

मध्याह्नाचमनीयम्(केवल मध्याह्न सन्ध्या में निम्न आचमन करें)
विनियोग - **ॐ आपः पुनन्त्विति नारायण ऋषिरनुष्टुप् छन्द आपः पृथिवि ब्रह्मणस्पतिर्ब्रह्म च देवता अपामुपस्पर्शने विनियोगः।**
आचमनी में जल लेकर मन्त्र उच्चारण करने के बाद पियें ।
ॐ आपः पुनन्तु पृथिवीं पृथिवी पूता पुनातु माम् । पुनन्तु ब्रह्मणस्पतिर्ब्रह्मपूता पुनातु माम् । यदुच्छिष्टमभोज्यं यद्वा दुश्चरितं मम । सर्वं पुनन्तु मामापोऽसतां च प्रतिग्रहखस्वाहा।

सायमाचमनीयम् (केवल सायं सन्ध्या में निम्न आचमन करें)
विनियोगः - अग्निश्चमेति रुद्र ऋषिः प्रकृतिश्छन्दोऽग्निमन्यु मन्यु पतयोऽहश्च देवता अपामुपस्पर्शने विनियोगः ।
आचमनी में जल लेकर निम्न मन्त्र उच्चारण करने के बाद पियें ।
ॐ अग्निश्च मा मन्युश्च मन्युपतयश्च मन्युकृतेभ्यः पापेभ्यो रक्षन्ताम् । यदह्ना पापमकार्षं मनसा वाचा हस्ताभ्यां पद्भ्यामुदरेण शिश्ना अहस्तदवलुम्पतु । यत्किञ्च दुरितं मयि इदमहं माममृतयोनौ सत्ये ज्योतिषि जुहोमि स्वाहा ।
मार्जनविनियोगः - आपो हिष्टेति त्र्यृचस्य सिन्धुद्वीप ऋषिर्गायत्री छन्द आपो देवता मार्जने विनियोगः।
बायें हाथ में जल लेकर दाहिने हाथ की तीन उंगलियों अथवा कुशा निर्मित पवित्री से अपने ऊपर जल का सिंचन करें ।
ॐ आपो हिष्ठा मयो भुवः। ॐ ता न ऊर्जे दधातन। ॐ महेरणाय चक्षसे। ॐ यो वः शिवतमो रसः। ॐ तस्य भाजयतेह नः । ॐ उशतीरिवमातरः । ॐ तस्मा अरं गमाम वः। ॐ यस्य क्षयाय जिन्वथ। ॐआपो जनयथा च नः।
अभिमन्त्रण विनियोगः - **ॐ द्रुपदादिवेत्यश्विसरस्वतीन्द्रा ऋषयोऽनुष्टुप् छन्द आपो देवताः शिरस्सेके विनियोगः।** दाहिने हाथ में जल लेकर बायें हाथ से ढककर निम्न मन्त्र के उच्चारण के बाद जल को सिर पर छिड़कें ।

ॐ द्रुपदादिव मुमुचानः स्विन्नः स्नातो मलादिव ।
पूतं पवित्रेणेवाज्यमापः शुन्धन्तु मैनसः॥

अघमर्षण विनियोगः - **ॐ ऋतञ्चेति त्र्यृचस्य माधुच्छन्दसोऽघमर्षण ऋषिरनुष्टुप् छन्दो भाववृत्तं दैवतमघमर्षणे विनियोगः ।**
निम्न मन्त्रोच्चारण के साथ दाहिने हाथ में जल लेकर उसे नासिका पर लगायें । मन्त्रोच्चारण के बाद उस जल को बायें तरफ फेंक दें ।

ॐ ऋतञ्च सत्यञ्चाभीद्धात्तपसोऽध्यजायत। ततो रात्र्यजायत। ततः समुद्रो अर्णवः । समुद्रादर्णवादधिसंवत्सरो अजायत । अहोरात्राणि विदध द्विश्वस्य मिषतो वशी । सूर्याचन्द्रमसौ धाता यथा पूर्वमकल्पयत् । दिवञ्च पृथिवीञ्चान्तरिक्षमथो स्वः । (हस्तौ प्रक्षाल्य)
विनियोगः - **ॐ अन्तश्चरसीति तिरश्चीन ऋषिरनुष्टुप् छन्द आपो देवता अपामुपस्पर्शने विनियोगः।**

ॐ अन्तश्चरसि भूतेषु गुहायां विश्वतोमुखः।
त्वं यज्ञस्त्वं वषट्कार आपो ज्योती रसोऽमृतम्॥

सूर्यार्घ्यविनियोगः **ॐ कारस्य ब्रह्मऋषिर्देवि गायत्री छन्दः परमात्मा देवता तिसृणां महाव्याहृतीनां प्रजापतिर्ऋषिर्गायत्र्युष्णिगनुष्टुभश्छन्दांस्यग्निवायुसूर्या देवताः, तत्सवितुरिति विश्वामित्र ऋषिर्गायत्री छन्दः सविता देवता सूयर्घ्यिदाने विनियोगः।**
मन्त्रः- **ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि।**
धियो यो नः प्रचोदयात्।

ॐ आकृष्णेन रजसा वर्त्तमानो निवेशयन्नमृतं मर्त्यं च । हिरण्ययेन सविता रथेना देवो याति भुवनानि पश्यन् । एहिसूर्य सहस्रांशो तेजो राशे जगत्पते। अनुकम्पय मां भक्त्या गृहाणार्घ्यं दिवाकरः॥ ब्रह्मस्वरूपिणे सूर्यनारायणाय इदमर्घ्यं दत्तं न मम॥ (जल को आँखों से लगायें)
ध्यानम् -**ॐ ध्येयः सदा सवितृमण्डलमध्यवर्ती नारायणः सरसिजासनसन्निविष्टः।**
केयूरवान् मकरकुण्डलवान् किरीटी हारीहिरण्यमयवपुर्धृतशङ्खचक्रः॥
नमोऽस्तु सूर्याय सहस्रभानवे नमोऽस्तुवैश्वानरजातवेदसे ।
त्वमेव चार्घ्यं प्रतिगृहण देव देवाधिदेवाय नमो नमस्ते ॥

सूर्योपस्थानविनियोगः - **ॐ उद्वयमिति प्रस्कण्व ऋषिरनुष्टुप्छन्दः सूर्यो देवता, उदुत्यमिति प्रस्कण्व ऋषिर्निचृद्गायत्री छन्दः सूर्यो देवता चित्रमिति कुत्साङ्गिरसऋषिस्त्रिष्टुप्छन्दः सूर्यो देवता, तच्चक्षुरिति दध्यङ्गाथर्वण ऋषिरेकाधिका ब्राह्मी त्रिष्टुप्छन्दः सूर्यो देवता सूर्योपस्थाने विनियोगः।**

प्रातः काल में दाहिने पैर की एडी उठाकर दोनों हाथों को सीधा रखें, मध्याह्न संध्या में दोनों हाथों को ऊपर की ओर करें तथा सायं काल में बैठकर हाथ बन्दकमल के समान जोडकर निम्न मन्त्रों के उच्चारण के साथ सूर्योपस्थान करें।
ॐउद्वयं तमसस्परि स्वः पश्यन्त उत्तरम्। देवं देवत्रा सूर्यमगन्म ज्योतिरुत्तमम्।।१।।
ॐ उदुत्यं जातवेदसं देवं वहन्ति केतवः । दृशे विश्वाय सूर्यम् ॥२॥

ॐ चित्रं देवानामुदगादनीकं चक्षुर्मित्रस्य वरुणस्याग्नेः ।
आप्राद्यावापृथिवी अन्तरिक्ष ॐसूर्य आत्मा जगतस्तस्थुषश्च ॥३॥
ॐ तच्चक्षुर्देवहितं पुरस्ताच्छुक्रमुच्चरत् । पश्येम शरदः शतं जीवेम शरदः शत ॐ शृणुयाम शरदः शतम्प्रब्रवामशरदः शतमदीनाः स्यामशरदः शतम्भूयश्चशरदः शतात् ॥४॥

अङ्गन्यासः - मन्त्रों के साथ-साथ अंगो का स्पर्श करें ।
ॐ हृदयाय नमः । ॐ भूः शिरसे स्वाहा । ॐ भुवः शिखायै वषट् । ॐ स्वः कवचाय हुम् । ॐ भूर्भुवः नेत्राभ्यां वौषट् । ॐ भूर्भुवः स्वः अस्त्राय फट् ॥
ॐ पुनातु शिरसि । ॐ भूः पुनातु पादयोः । ॐ भुवः पुनातु नाभौ ।ॐ स्वः पुनातु हृदये । ॐ महः पुनातु कण्ठे । ॐ जनः पुनातु नेत्रयोः ।ॐ तपः पुनातु ललाटे । ॐ सत्यम् पुनातु शिरसि । ॐ तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात् । ॐ सर्व पुनातु सर्वाङ्गे ।

गायत्र्यावाहनविनियोगः - ॐ तेजोऽसीति धामनामासीत्यस्य च परमेष्ठी प्रजापति-ऋषिर्यजुस्त्रिष्टुबृहत्युष्णिहौ छन्दसी सविता देवता गायत्र्यावाहने विनियोगः ।

ॐ तेजोऽसि शुक्रमस्यमृतमसि।
धामनामसि प्रियं देवानामनाधृष्टं देवयजनमसि ।

गायत्रीध्यानम् -

ॐ श्वेतवर्णा समुद्दिष्टा कौशेयवसना तथा,
श्वेतैर्विलेपनैः पुष्पैरलंकारैश्च भूषिता ।
आदित्यमण्डलस्था च ब्रह्मलोकगताथवा,
अक्षसूत्रधरादेवी पद्मासनगता शुभा ॥

गायत्र्युपस्थानविनियोगः - गायत्र्यसीति विवस्वान् ऋषिः स्वराण्महापङ्क्तिश्छन्दः परमात्मा देवता गायत्र्युपस्थाने विनियोगः ।
ॐ गायत्र्यस्येकपदी द्विपदी त्रिपदी चतुष्पद्यपदसि न हि पद्यसे नमस्ते तुरीयाय दर्शताय पदाय परोरजसेऽसावदो मा प्रापत् ॥

गायत्री शापविमोचन मन्त्राः

ब्रह्मशापविमोचनविनियोगः - ॐ अस्य श्रीब्रह्मशापविमोचनमन्त्रस्य ब्रह्मा ऋषिर्भुक्तिमुक्तिप्रदा ब्रह्मशापविमोचनी गायत्री शक्तिर्देवता गायत्री छन्दः ब्रह्मशापविमोचने विनियोगः ।

ॐ गायत्रीं ब्रह्मेत्युपासीत यद्रूपं ब्रह्मविदो विदुः ।
तां पश्यन्ति धीराः सुमनसो वाचमग्रतः॥
ॐ वेदान्तनाथाय विद्महे हिरण्यगर्भाय धीमहि, तन्नो ब्रह्मा प्रचोदयात् ।
ॐ देवि गायत्रि त्वं ब्रह्मशापाद्विमुक्ता भव ।

वसिष्ठ-शापविमोचनविनियोगः- अस्य श्रीवसिष्ठशापविमोचनमन्त्रस्य निग्रहानुग्रहकर्ता वसिष्ठ ऋषिर्वसिष्ठानुगृहीता गायत्री शक्तिर्देवता विश्वोद्भवा गायत्री छन्दः वसिष्ठशापविमोचनार्थं जपे विनियोगः ।

ॐ सोऽहमर्कमयं ज्योतिरात्मज्योतिरहं शिवः ।
आत्मज्योतिरहं शुक्रः सर्वज्योतिरसोऽस्म्यहम्॥
(योनिमुद्रा दिखाकर तीन बार गायत्री जपें)
ॐ देवि गायत्रि त्वं वसिष्ठशापाद्विमुक्ता भव।

विश्वामित्र-शापविमोचनविनियोगः - ॐ अस्य श्रीविश्वामित्रशापविमोचनमन्त्रस्य नूतनसृष्टिकर्ता विश्वामित्रऋषिर्विश्वामित्रानुगृहीता गायत्री शक्तिर्देवता वाग्देहा गायत्री छन्दः विश्वामित्रशापविमोचनार्थं जपे विनियोगः ।

ॐ गायत्रीं भजाम्यग्निमुखीं विश्वगर्भा यदुद्भवाः ।
देवाश्चक्रिरे विश्वसृष्टिं तां कल्याणीमिष्टकरीं प्रपद्ये ॥
ॐ देवि गायत्रि त्वं विश्वामित्र शापाद्विमुक्ता भव ।

शुक्रशापविमोचनविनियोगः - ॐअस्य श्रीशुक्रशापविमोचनमन्त्रस्य श्रीशुक्रऋषि अनुष्टुप् छन्दः देवी गायत्री देवता शुक्रशापविमोचनार्थं जपे विनियोगः ।
मन्त्र - सोऽहमर्कमयं ज्योतिरर्कज्योतिरहं शिवः । आत्मज्योतिरहं शुक्रः सर्वज्योतीरसोऽस्म्यहम्॥ ॐ देवि गायत्रि त्वं शुक्रशापाद्विमुक्ता भव ।

प्रार्थना- अहो देवि महादेवि संध्ये विद्ये सरस्वति ।
अजरे अमरे चैव ब्रह्म योनिर्नमोऽस्तुते ॥

ॐ देवि गायत्रि त्वं ब्रह्मशापाद्विमुक्ता भव, वसिष्ठशापाद्विमुक्ता भव, विश्वामित्रशापाद्विमुक्ता भव, शुक्रशापाद्विमुक्ता भव ।

जपस्य पूर्व मुद्रा (गायत्री जप से पूर्व निम्न 24 मुद्राओं को करें ।)

सुमुखं सम्पुटं चैव विततं विस्तृतं तथा ।
द्विमुखं त्रिमुखं चैव चतुष्पञ्चमुखं तथा ॥
षण्मुखाऽधोमुखं चैव व्यापकाञ्जलिकं तथा।
शकटं यमपाशं च ग्रथितं चोन्मुखोन्मुखम्॥
प्रलम्बं मुष्टिकं चैव मत्स्यः कूर्मो वराहकम्।
सिंहाक्रान्तं महाक्रान्तं मुद्गरं पल्लवं तथा॥
एता मुद्राश्चतुर्विंशज्जपादौ परिकीर्तिताः॥

गायत्रीजपविनियोगः - ॐ कारस्य ब्रह्म ऋषिर्दैवी गायत्री छन्दः परमात्मा देवता तिसृणां महाव्याहृतीनां प्रजापतिऋषिर्गायत्र्युष्णिगनुष्टुभश्छन्दांस्यग्निवायुसूर्या देवताः तत्सवितुरिति विश्वामित्रऋषिर्गायत्री छन्दः सविता देवता जपे विनियोगः।

मालाप्रार्थना- ॐ मां माले महामाये सर्वशक्तिस्वरूपिणि ।

चतुर्वर्गस्त्वयिन्यस्तस्तस्मान्मे सिद्धिदा भव ॥
ॐ अविघ्नं कुरु माले त्वं गृह्णामि दक्षिणे करे।
जपकाले च सिद्ध्यर्थं प्रसीद मम सिद्धये॥
ॐ अक्षमालाधिपतये सुसिद्धिं देहि देहि सर्वमन्त्रार्थसाधिनि साधय साधय सर्वसिद्धिं परिकल्पय परिकल्पय मे स्वाहा
गायत्री मन्त्र: (निम्न गायत्री मन्त्र का 108 बार जप करें -)
ॐ भूर्भुव: स्व: तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो न: प्रचोदयात्।
माला विसर्जनम् (जप के पश्चात् निम्न मन्त्र से माला विसर्जन करें -)
ॐ गुह्यातिगुह्यगोप्त्रीत्वं गृहाणास्मत्कृतं जपम्।
सिद्धिर्भवतु मे देवि त्वत्प्रसादान्महेश्वरि॥
जपान्तरं मुद्रा:(गायत्री जप के पश्चात् निम्न 8 मुद्राओं को करें -)
सुरभिर्ज्ञानवैराग्ये योनि: शंखोऽथ पङ्कजम्।
लिङ्गनिर्वाणमुद्राश्च जपान्तेऽष्टौ प्रदर्शयेत्॥
जपसमर्पणविनियोग: - ॐ देवा गातुविद इति मनसस्पतिर्ऋषिर्विराडनुष्टुप्छन्दो वातो देवता जपनिवेदने विनियोग: ।
मन्त्र:- ॐ देवा गातुविदो गातुं वित्त्वा गातुमित मनसस्पत।
इमं देवयज्ञꣳस्वाहा वातेधा:॥
अनेन यथाशक्तिकृतेन गायत्रीजपाख्येन कर्मणा भगवान् सूर्यनारायण: प्रीयतां न मम । (पृथ्वी पर जल छोड़े)
तत्पश्चात् निम्नलिखित गायत्री कवच का पाठ कर सकते हैं-
विनियोग:- अस्य श्री गायत्रीकवचस्य ब्रह्मा ऋषिर्गायत्री छन्दो गायत्रीदेवता भू: बीजम् भुव: शक्ति: स्व: कीलकम् गायत्रीप्रीत्यर्थं गायत्रीकवचपाठे विनियोग:
ध्यानम् -
पञ्चवक्त्रां दशभुजां सूर्यकोटिसमप्रभाम् ।
सावित्रीं ब्रह्मवरदां चन्द्रकोटिसुशीतलाम् ॥
त्रिनेत्रां सितवस्त्रां च मुक्ताहारविराजिताम् ।
वराभयाङ्कुशकशाहेमपात्राक्षमालिकाम् ॥
शङ्खचक्राब्जयुगलं कराभ्यां दधतीं वराम् ।
सितपङ्कजसंस्थाञ्च हंसारूढां सुखस्मिताम्।
ध्यात्वैवं मानसम्भोजे गायत्रीकवचं जपेत् ॥
ॐ ब्रह्मोवाच
विश्वामित्र महाप्राज्ञ गायत्रीकवचं श्रृणु ।
यस्य विज्ञानमात्रेण त्रैलोक्यं वशयेत् क्षणात् ॥
सावित्री मे शिर: पातु शिखायाममृतेश्वरी ।
ललाटं ब्रह्मदैवत्या भ्रूवौ मे पातु वैष्णवी ॥
कर्णौ मे पातु रुद्राणी सूर्यासावित्रिकाऽम्बिके ।
गायत्री वदनं पातु शारदा दशनच्छदौ ॥
द्विजान यज्ञप्रिया पातु रसनायां सरस्वती ।
सांख्यायनी नासिकां मे कपोलौ चन्द्रहासिनी ॥
चिबुकं वेदगर्भा च कण्ठं पात्वघनाशिनी ।
स्तनौ मे पातु इन्द्राणी हृदयं ब्रह्मवादिनी ॥
उदरं विश्वभोक्त्री च नाभौ पातु सुरप्रिया ।
जघनं नारसिंही च पृष्ठं ब्रह्माण्डधारिणी ॥
पार्श्वौ मे पातु पद्माक्षी गुह्यं गोगोप्त्रिकाऽवतु ।
ऊर्वोरोंकाररूपा च जान्वो: संध्यात्मिकाऽवतु ॥
जङ्घयो: पातु अक्षोभ्या गुल्फयोर्ब्रह्मशीर्षका ।
सूर्या पद्वयं पातु चन्द्रा पादाङ्गुलीषु च ॥
सर्वाङ्गं वेदजननी पातु मे सर्वदाऽनघा ।
इत्येतत् कवचं ब्रह्मन् गायत्र्या: सर्वपावनम् ॥
पुण्यं पवित्रं पापघ्नं सर्वरोगनिवारणम् ।
त्रिसन्ध्यं य: पठेद्विद्वान् सर्वान् कामानुवाप्नुयात् ॥
सर्वशास्त्रार्थतत्वज्ञ: स भवेद्वेदवित्तम: ।
सर्वज्ञफलं प्राप्य ब्रह्मान्ते समवाप्नुयात् ॥
प्राप्नोति जपमात्रेण पुरुषार्थाश्चतुर्विधान् ॥
(श्रीविश्वामित्रसंहितोक्तं गायत्रीकवचं सम्पूर्णम्)
गायत्रीविसर्जनविनियोग: ॐ उत्तमे शिखरे इति वामदेव ऋषिरनुष्टुप्छन्द: गायत्री देवता गायत्रीविसर्जने विनियोग: ।
ॐ उत्तमे शिखरे देवी भूम्यां पर्वतमूर्धनि।
ब्राह्मणेभ्योऽभ्यनुज्ञाता गच्छ देवि यथासुखम्।
सूर्यप्रदक्षिणाविनियोग: ॐ विश्वतश्चक्षुरिति भौवन ऋषिस्त्रिष्टुप्छन्दो विश्वकर्मा देवता सूर्यप्रदक्षिणायां विनियोग: ।
मन्त्र: - ॐ विश्वतश्चक्षुरुत विश्वतोमुखो विश्वतोबाहुरुत विश्वतस्पात् ।
सम्बाहुभ्यां धमति सम्पतत्रैर्द्यावाभूमी जनयन् देव एक: ।
अनेन सन्ध्योपासनाख्येन कर्मणा श्रीपरमेश्वर: प्रीयतां न मम।
ॐ तत्सद् ब्रह्मार्पणमस्तु। ॐ शक्राय नम: । ॐ शतक्रतवे नम: ।
-0-0-0-

षोडशोपचार पूजन विधि

पूजा में जो वस्तु विद्यामान न हो उसके लिये 'मनसा परिकल्प्य सर्मपयामि' कहें। वैदिक एवं लौकिक मन्त्रों के साथ षोडशोपचार पूजन की विधि ।

हाथ में अक्षत लेकर ध्यान करे–

भगवान गणेश जी का ध्यान–

गजाननं भूतगणादिसेवितं कपित्थजम्बूफलचारुभक्षणम्।

उमासुतं शोकविनाशकारकं नमामि विघ्नेश्वरपादपङ्कजम्।।

भगवती गौरी जी का ध्यान करे–

नमो देव्यै महादेव्यै शिवायै सततं नमः।

नमः प्रकृत्यै भद्रायै नियताः प्रणताः स्म ताम्।।

श्रीगणेशाम्बिकाभ्यां नमः ध्यानं सर्मपयामि।

ध्यान के बाद भगवान गणेश जी का आवाहन करे–

ॐ गणानां त्वा गणपति ꣳ हवामहे प्रियाणां त्वा प्रियपति ꣳ हवामहे निधीनां त्वा निधिपति ꣳ हवामहे वसो मम। आहमजानि गर्भध मात्वमजासि गर्भधम्।।

एह्येहि हेरम्ब महेशपुत्र समस्तविघ्नौघविनाशदक्ष।
माङ्गल्यपूजाप्रथमप्रधान गृहाण पूजां भगवन् नमस्ते।।

ॐ भूर्भुवः स्वः सिद्धिबुद्धिसहिताय गणपतये नमः गणपतिमावाहयामि, स्थापयामि, पूजयामि च।

हाथ के अक्षत गणेश जी पर चढ़ा दे। फिर अक्षत लेकर गणेश जी की दाहिनी ओर गौरी जी का आवाहन करे।

भगवती गौरी का आवाहन–

ॐ अम्बे अम्बिकेऽम्बालिके न मा नयति कश्चन। ससस्त्यश्वकः सुभद्रिकां काम्पीलवासिनीम्।।

हेमाद्रितनयां देवीं वरदां शङ्करप्रियाम्।

लम्बोदरस्य जननीं गौरीमावाहयाम्यहम्।।

ॐ भूर्भुवः स्वः गौर्यै नमः गौरीमावाहयामि स्थापयामि पूजयामि च।

उपर्युक्त मन्त्र केवल गौरी गणेश जी के लिये विहित है अन्यथा जिस देवता का पूजन करना हो उनके लिये जो मन्त्र विहित हो उस मन्त्र से ध्यान आवाहन करे। तदनन्तर अधोलिखित मन्त्र प्रायः सभी देव के लिये षोडशोपचार पूजा में प्रयोग कर सकते हैं।

प्राण प्रतिष्ठा–

ॐ मनो जूतिर्जुषतामाज्यस्य बृहस्पतिर्यज्ञमिमं तनोत्वरिष्टं यज्ञ ꣳ समिमं दधातु। विश्वे देवास इह मादयन्तामो ३म्प्रतिष्ठ।।

अस्यै प्राणाः प्रतिष्ठन्तु अस्यै प्राणाः क्षरन्तु च।

अस्यै देवत्वमर्चायै मामहेति च कश्चन।।

गणेशाम्बिके! सुप्रतिष्ठिते वरदे भवेताम्। प्रतिष्ठापूर्वकम् आसनार्थे अक्षतान् समर्पयामि गणेशाम्बिकाभ्यां नमः (आसन के लिये अक्षत छोड़ें)

पाद्य, अर्घ्य, आचमनीय, स्नानीय, पुनराचमनीय।

ॐ देवस्य त्वा सवितुः प्रसवेऽश्विनोर्बाहुभ्यां पूष्णो हस्ताभ्याम्।।

एतानि पाद्यार्घ्याचमनीयस्नानीयपुनराचमनीयानि सर्मपयामि गणेशाम्बिकाभ्यां नमः। (इस मन्त्र से जल चढा दे)

दुग्धस्नान–

ॐ पयः पृथिव्यां पय ओषधीषु पयो दिव्यन्तरिक्षे पयो धाः।

पयस्वतीः प्रदिशः सन्तु मह्यम्॥

कामधेनुसमुद्भूतं सर्वेषां जीवनं परम्।

पावनं यज्ञहेतुश्च पयः स्नानार्थमर्पितम्॥

ॐभूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः पयः स्नानं समर्पयामि। (दूध से स्नान करायें)

दधिस्नान-

ॐ दधिक्राव्णो अकारिषं जिष्णोरश्वस्य वाजिनः।

सुरभि नो मुखा करत्प्रण आयु ꣳ षि तारिषत्॥

पयसस्तु समुद्भूतं मधुराम्लं शशिप्रभम्।

दध्यानीतं मया देवं स्नानार्थं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐभूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः दधिस्नानं समर्पयामि। (दही से स्नान करायें)

घृतस्नान-

ॐ घृतं मिमिक्षे घृतमस्य योनिर्घृते श्रितो घृतम्वस्य धाम।

अनुष्वधमा वह मादयस्व स्वाहाकृतं वृषभ वक्षि हव्यम्॥

नवनीतसमुत्पन्नं सर्वसंतोषकारकम्।

घृतं तुभ्यं प्रदास्यामि स्नानार्थं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐभूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः घृतस्नानं समर्पयामि। (घी से स्नान करायें)

मधुस्नान-

ॐ मधु वाता ऋतायते मधु क्षरन्ति सिन्धवः।

माध्वीर्नः सन्त्वोषधीः॥

मधुनक्तमुतोषसो मधुमत्पार्थिव ꣳ रजः।

मधु द्यौरस्तु नः पिता॥

पुष्परेणुसमुद्भूतं सुस्वादु मधुरं मधु।

तेजः पुष्टिकरं दिव्यं स्नानार्थं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐभूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, मधुस्नानं समर्पयामि। (मधु से स्नान करायें)

शर्करास्नान-

ॐ अपा ꣳ रसमुद्वयस ꣳ सूर्ये सन्त ꣳ समाहितम्। अपा ꣳ रसस्य यो रसस्तं वो गृह्णम्युत्तममुपयामगृहीतोऽसीन्द्राय त्वा जुष्टं गृह्णाम्येष ते योनिरिन्द्राय त्वा जुष्टतमम्॥

इक्षुरससमुद्भूतां शर्करा पुष्टिदां शुभाम्।

मलापहारिकां दिव्यां स्नानार्थं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः शर्करा स्नानं समर्पयामि। (शर्करा से स्नान करायें)

पञ्चामृतस्नान-

ॐ पञ्च नद्यः सरस्वतीमपि यन्ति सस्रोतसः। सरस्वती तु पञ्चधा सो देशेऽभवत्सरित्॥

पञ्चामृतं मयानीतं पयो दधि घृतं मधु।

शर्करया समायुक्तं स्नानार्थं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः पञ्चामृतस्नानं समर्पयामि। (पञ्चामृत से स्नान करायें)

गन्धोदकस्नानं-

ॐ अ ꣳ शुना ते अ ꣳ शुः पृच्यतां परुषा परुः। गन्धस्ते सोममवतु मदाय रसो अच्युतः॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः गन्धोदकस्नानं समर्पयामि। (गन्धोदक से स्नान करायें)

शुद्धोदकस्नानं-

ॐ शुद्धवालः सर्वशुद्धवालो मणिवालस्त आश्विनः। श्येतः श्येताक्षोऽरुणस्ते रुद्राय पशुपतये कर्णा यामा अवलिप्ता रौद्रा नभोरूपाः पार्जन्याः॥

गङ्गा च यमुना चैव गोदावरि सरस्वती ।

नर्मदा सिन्धुकावेरी स्नानार्थं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः शुद्धोदकस्नानं समर्पयामि। (शुद्ध जल से स्नान करायें) शुद्धोदकस्नानान्ते आचमनीयं जलं समर्पयामि (आचमन के लिये जल दें)

वस्त्र-

ॐ युवा सुवासा परिवीत आगात् स उश्रेयान भवति जायमानः।

तं धीरासः कवय उन्नयन्ति स्वाध्यो ३ मनसा देवयन्तः॥

शीतवातोष्णसंत्राणं लज्जाया रक्षणं परम्।
देहालङ्करणं वस्त्रमतः शान्तिं प्रयच्छ मे ॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, वस्त्रं समर्पयामि। (वस्त्र समर्पित करें)

आचमन-

वस्त्रान्ते आचमनीयं जलं समर्पयामि (आचमन के लिये जल दें)

उपवस्त्र-

ॐ सुजातो ज्योतिषा सह शर्म वरुथमाऽसदत्स्वः। वासो अग्ने विश्वरूप ꣳ सं व्ययस्व विभावसो॥

यस्याभावेन शास्त्रोक्तं कर्म किञ्चन्न सिध्यति।

उपवस्त्रं प्रयच्छामि सर्वकर्मोपकारकम्॥

ॐ गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, उपवस्त्रं (उपवस्त्राभावे रक्तसूत्रं समर्पयामि उपवस्त्र समर्पित करें)

यज्ञोपवीत-

ॐ यज्ञोपवीतं परमं पवित्रं प्रजापतेर्यत्सहजं पुरस्तात्। आयुष्यमग्रयं प्रतिमुञ्च शुभ्रं यज्ञोपवीतं बलमस्तु तेजः॥ यज्ञोपवीतमसि यज्ञस्य त्वा यज्ञोपवीतेनोपनह्यामि।

नवभिस्तन्तुभिर्युक्तं त्रिगुणं देवतामयम्।

उपवीतं मया दत्तं गृहाणपरमेश्वरः॥

ॐ गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, यज्ञोपवीतं सर्मपयामि (यज्ञोपवीत समर्पित करें) आचमन- यज्ञोपवीतान्ते आचमनीयं जलं समर्पयामि। आचमन के लिये जल दें।

चन्दन-

त्वां गन्धर्वा अखनँस्त्वामिन्द्रस्त्वां बृहस्पतिः। त्वामोषधे सोमो राजा विद्वान् यक्ष्मादमुच्यत॥

श्रीखण्डं चन्दनं दिव्यं गन्धाढ्यं सुमनोहरम्।

विलेपनं सुरश्रेष्ठ! चन्दनं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐ गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, चन्दनानुलेपनं समर्पयामि। चन्दन अर्पित करें

अक्षत-

ॐ अक्षन्नमीमदन्त ह्यव प्रिया अधूषत। अस्तोषत स्वभानवो विप्रा नविष्ठया मती योजान्विन्द्रते हरी॥

अक्षताश्च सुरश्रेष्ठ कुङ्कुमाक्ताः सुशोभिताः।

मया निवेदिता भक्त्या गृहाण परमेश्वरः॥

ॐ गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, अक्षतान् सर्मपयामि। अक्षत चढायें।

पुष्पमाला-

ॐ ओषधीः प्रति मोदध्वं पुष्पवतीः प्रसूवरीः। अश्वा इव सजित्वरीर्वीरुधः पारयिष्णवः॥

माल्यादीनि सुगन्धीनि मालत्यादीनि वै प्रभो।

मयाहृतानि पुष्पाणि पूजार्थं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐ गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, पुष्पमालां समर्पयामि (पुष्पमाला समर्पित करें)

दूर्वा-

ॐ काण्डात्काण्डात्प्ररोहन्ती परुषः परुषस्परि। एवा नो दूर्वे प्र तनु सहस्रेण शतेन च ॥

दुर्वाङ्कुरान् सुहरितानमृतान् मङ्गलप्रदान् ।

आनीतांस्तव पूजार्थं गृहाण गणनायक॥

ॐ भूर्भवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, दुर्वाङ्कुरान् समर्पयामि।(दूर्वा चढायें)

सिन्दुरम् -

सिन्धोरिव प्राध्वने शूघनासो वातप्रमियः पतयन्ति यह्वाः। घृतस्य धारा अरुषो न वाजी काष्ठा भिन्दन्नूर्मिभिः पिन्वमानः॥

सिन्दूरं शोभनं रक्तं सौभाग्यं सुखवर्धनम्।

शुभदं कामदं चैव सिन्दुरं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, सिन्दूरं समर्पयामि (सिन्दूर अर्पित करें)

अबीर- गुलालादि द्रव्याणि

ॐ अहिरिव भोगैः पर्येति बाहुं ज्याया हेतिं परिबाधमानः। हतघ्नो विश्वा वयुनानि विद्वान पुमान् पुमा ँसं परिपातु विश्वतः॥

अबीरं च गुलालं च हरिद्रादिसमन्वितम्।

नाना परिमल द्रव्यं गृहाण परमेश्वर॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः नानापरिमलद्रव्याणि समर्पयामि। अबीर आदि चढायें।

सुगन्धिद्रव्यम् -

ॐ अहिरिव भोगः पर्येति बाहुं ज्याया हेतिं परिबाधमानः। हतघ्नो विश्वा वयुनानि विद्वान पुमान् पुमा ँ सं परिपातु विश्वतः॥

दिव्यगन्धसमायुक्तं महापरिमलाद्भुतम्।

गन्धद्रव्यमिदं भक्त्या दत्तं वै परिगृह्यताम्॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः सुगन्धिद्रव्यं समपयामि (सुगन्धित द्रव्य अर्पण करें)

धूपम् -

ॐ धूरसि धूर्व धूर्वन्तं धूर्व तं योऽस्मान् धूर्वति तं धूर्व यं वयन्धूर्वामः। देवानामसि वह्नितम ँ सस्नितमं पप्रितमं जुष्टतमं देवहूतमम्॥

वनस्पतिरसोद्भूतो गन्धाढ्यो गन्ध उत्तमः।

आघ्रेयः सर्वदेवानां धूपोऽयं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐ भूर्भवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः धूपमाघ्रापयामि। (धूप दिखाये)

दीपम् -

ॐ अग्निर्ज्योतिर्ज्योतिरग्निः स्वाहा सूर्यो ज्योतिर्ज्योतिः सूर्यः स्वाहा। अग्निर्वर्चो ज्योतिर्वर्चः स्वाहा सूर्यो वर्चो ज्योतिर्वर्चः स्वाहा॥ ज्योतिः सूर्यः सूर्यो ज्योतिः स्वाहा॥

साज्यं च वर्तिसंयुक्तं वह्निना योजितं मया।

दीपं गृहाण देवेश त्रैलोक्यतिमिरापहम्॥

भक्त्या दीपं प्रयच्छामि देवाय परमात्मने।

त्राहि मां निरयाद् घोराद् दीपज्योतिर्नमोऽस्तु ते॥

ॐ भूर्भूवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः दीपं दर्शयामि। (दीप दिखायें)

हस्तप्रक्षालनम् -

ॐ हृषीकेशाय नमः। कहकर हाथ धो लें।

नैवेद्यम्-

नैवेद्य को प्रोक्षित कर गन्ध पुष्प से आच्छादित करें। तदन्तर जल से चतुष्कोण घेरा लगााकर भगवान के आगे रखें।

ॐ नाभ्या आसीदन्तरिक्ष ँ शीर्ष्णोद्यौः समवर्तत। पद्भ्यां भूमिर्दिशः श्रोत्रात्तथा लोकाँ२ अकल्पयन्॥

ॐ अमृतोपस्तरणमसि स्वाहा। ॐ प्राणाय स्वाहा। ॐ अपानाय स्वाहा। ॐ समानाय स्वाहा। ॐ उदानाय स्वाहा। ॐ व्यानाय स्वाहा । ॐ अमृतापिधानमसि स्वाहा।

शर्कराखण्डखाद्यानि दधिक्षीरघृतानि च।

आहारं भक्ष्यभोज्यं च नैवेद्यं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, नैवेद्यं निवेदयामि। नैवेद्य निवेदित करें।

नैवेद्यान्ते आचमनीयं जलं समर्पयामि । जल समर्पित करें।

ऋतुफलम् -

ॐ याः फलिनीर्या अफला अपुष्पा याश्च पुष्पिणीः। बृहस्पतिप्रसूतास्ता नो मुञ्चन्त्व ँ हसः॥

इदं फलं मया देव स्थापितं पुरतस्तव।

तेन मे सफलावाप्तिर्भवेज्जन्मनि जन्मनि॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, ऋतुफलानि समर्पयामि। (ऋतुफल अर्पित करें)

फलान्ते आचमनीयं जलं समर्पयामि। (आचमनीय जल अर्पित करें)

उत्तरापोऽशनम् - **उत्तरापोऽशनार्थे जलं समर्पयामि।**

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः। (जल दें)

करोद्वर्तन-

ॐ अ ँ शुना ते अ ँ शुः पृच्यतां परुषा परुः। गन्धस्ते सोममवतु मदाय रसो अच्युतः॥

चन्दनं मलयोद्भूतं कस्तूर्यादिसमन्वितम्।

करोद्वर्तनकं देवं गृहाण परमेश्वर॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, करोद्वर्तनं चन्दनं समर्पयामि। (मलयचन्दन समर्पित करें)

ताम्बूलम् -

ॐ यत्पुरुषेण हविषा देवा यज्ञमतन्वत।

वसन्तोऽस्यासीदाज्यं ग्रीष्म इध्मः शरद्धविः॥

पूगीफलं महद्दिव्यं नागवल्लीदलैर्युतम।

एलादिचूर्णसंयुक्तं ताम्बूलं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, मुखवासार्थम् एलालवंगपूगीफलसहितं ताम्बूलं समर्पयामि। (इलायची , लौंग-सुपारी के साथ ताम्बूल अर्पित करें)

दक्षिणा द्रव्यम् -

ॐ हिरण्यगर्भः समवर्तताग्रे भूतस्य जातः पतिरेक आसीत्।

स दाधार पृथिवीं द्यामुतेमां कस्मै देवाय हविषा विधेम ॥

हिरण्यगर्भगर्भस्थं हेमबीजं विभावसोः।

अनन्तपुण्यफलदमतः शान्तिं प्रयच्छ मे॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, कृतायाः पूजायाः साद्गुण्यार्थे द्रव्यदक्षिणां समर्पयामि। (द्रव्य दक्षिणा समर्पित करें)

आरार्तिकं -

ॐ इद ँ हविः प्रजननं मे अस्तु दशवीर ँ सर्वगण ँ स्वस्तये। आत्मसनि प्रजासनि पशुसनि लोकसन्यभयसनि। अग्निः प्रजां बहुलां मे करोत्वन्नं पयो रेतो अस्मासु धत्त॥

ॐ आ रात्रि पार्थिव ँ रजः पितुरप्रायि धामभिः। दिवः सदा ँ सि बृहती वि तिष्ठस आ त्वेषं वर्तते तमः॥

कदलीगर्भसम्भूतं कर्पूरं तु प्रदीपितम्।

आरार्तिकमहं कुर्वे पश्य मे वरदो भव॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, आरार्तिकं समर्पयामि। (कर्पूर की आरती करें आरती के बाद जल गिरा दें)

पुष्पाञ्जलिम्-

ॐ यज्ञेन यज्ञमयजन्त देवास्तानि धर्माणि प्रथमान्यासन्। ते ह नाकं महिमानः सचन्त यत्र पूर्वे साध्याः सन्ति देवाः॥

श्रद्धया सिक्तया भक्त्या हार्दप्रेम्णा समर्पितः।

मन्त्रपुष्पाञ्जलिश्चायं कृपया प्रतिगृह्यताम्॥

नानासुगन्धिपुष्पाणि यथाकालोद्भवानि च।

पुष्पाञ्जलिर्मया दत्तो गृहाण परमेश्वर ॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, पुष्पाञ्जलिं समर्पयामि (पुष्पाञ्जलि अर्पित करें)

प्रदक्षिणाम्-

ॐ ये तीर्थानि प्रचरन्ति सृकाहस्ता निषङ्गिणः।

तेषा ँ सहस्त्रयोजनेऽवधन्वानि तन्मसि॥

यानि कानि च पापानि जन्मान्तरकृतानि च।

तानि सर्वाणि नश्यन्तु प्रदक्षिणपदे पदे॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, प्रदक्षिणां समर्पयामि (प्रदक्षिणा करें)

विशेषार्घ्य - ताम्रपात्र में जल, चन्दन, अक्षत, फल, फूल, दूर्वा और, दक्षिणा रखकर अर्घ्यपात्र को हाथ में लेकर निम्नलिखित मन्त्र पढें। यहाँ तक सभी पूजन में उपर्युक्त मन्त्रों का उपयोग कर सकते हैं

रक्ष रक्ष गणाध्यक्ष रक्ष त्रैलोक्यरक्षक।

भक्तानामभयं कर्ता त्राता भव भवार्णवात्॥

द्वैमातुर कृपासिन्धो षाण्मातुराग्रज प्रभो।

वरदस्त्वं वरं देहि वाञ्छितं वाञ्छितार्थद॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, विशेषार्घ्य समर्पयामि। (विशेषार्घ्य दें)

प्रार्थना- विघ्नेश्वराय वरदाय सुरप्रियाय

लम्बोदराय सकलाय जगद्धिताय।

नागाननाय श्रुतियज्ञविभूषिताय

गौरीसुताय गणनाथ नमो नमस्ते॥

त्वं वैष्णवी शक्तिरनन्तवीर्या विश्वस्य बीजं परमासि माया ।

सम्मोहितं देवि समस्तमेतत् त्वं वै प्रसन्ना भुवि मुक्तिहेतुः॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, प्रार्थनापूर्वकं नमस्कारान् समर्पयामि। (साष्टाङ्ग नमस्कार करें)

गणेशपूजने कर्म यन्नयूनमधिकं कृतम्।

तेन सर्वेण सर्वात्मा प्रसन्नोऽस्तु सदा मम ॥

अनया पूजया गणेशाम्बिके प्रीयेताम् न मम।

ऐसा कहकर समस्त पूजनकर्म भगवान को समर्पित कर दें । उसके बाद पुनः नमस्कार करे।

इति शम्

तर्पण प्रयोग विधि

गायत्री मन्त्र से शिखा बाँधकर तिलक लगाकर प्रथम दाहिनी अनामिका में त्रिकुश की और बायीं अनामिका में दो कुशों की पवित्री धारण करें। फिर हाथ में त्रिकुश, यव, अक्षत और जल लेकर सङ्कल्प पढें ॥

ॐ विष्णुर्विष्णुर्विष्णुः श्रीमद्भगवतो महापुरुषस्य विष्णोराज्ञया प्रर्वतमानस्य ब्रह्मणोऽह्नि द्वितीयपरार्धे श्रीश्वेतवाराहकल्पे वैवस्वतमन्वन्तरे अष्टाविंशतितमे कलियुगे कलिप्रथमचरणे जम्बूद्विपे भारतवर्षे आर्यावर्तैकदेशान्तरगते .... पुण्यप्रदेशे ...... नगरे .... ग्रामे ....क्षेत्रे .... संवत्सरे.......अयने.......ऋतौ.........मासे.......पक्षे...........तिथौ............ वासरे........गोत्रः शर्मा/वर्मा/गुप्ता/दासोऽहं श्रुतिस्मृतिपुराणेक्त-फलप्राप्त्यर्थं देवर्षिमनुष्यपितृतर्पणं करिष्ये।

आवाहनम् - ब्रह्मादयः सुराः सर्वे ऋषयः सनकादयः।

आगच्छन्तु महाभागा ब्रह्माण्डोरवर्तिनः॥

देवतर्पणम्

देव तथा ऋषि तर्पण में पूर्व दिशा की ओर मुख करें, जनेउ को सव्य रखें, दाहिना घुटना जमीन पर लगाकर बैठें । अर्घ्यपात्र में चावल छोड़ कर त्रिकुश को पूर्व की ओर अग्रभाग कर रखें। जल की अञ्जलि एक-एक हो। देवतीर्थ से अर्थात् दायें हाथ की अङ्गुलियों के अग्रभाग से जल दें। जलाञ्जलि को सोना, चाँदी, ताँबा अथवा काँसे के पात्र में डालें वा सामर्थ्यानुसार उपलब्ध पात्र में डालें। यदि नदी में तर्पण किया जाय तो दोनों हाथों को मिलाकर जल से भरकर गौ के सींग जितना ऊँचा उठाकर जल में अञ्जलि डालें। निम्नलिखित प्रत्येक नाम मन्त्र के बाद **'तृप्यताम्'** कहकर एक-एक अञ्जलि जल दें।

ॐ ब्रह्मा तृप्यताम्। ॐ विष्णुस्तृप्यताम्। ॐ रुद्रस्तृप्यताम्।
ॐ प्रजापतिस्तृप्यताम्। ॐ देवास्तृप्यन्ताम्। ॐ छन्दांसि तृप्यन्ताम्।
ॐ वेदास्तृप्यन्ताम्। ॐ ऋषयस्तृप्यन्ताम्।
ॐ पुराणाचार्यास्तृप्यन्ताम्। ॐ गन्धर्वास्तृप्यन्ताम्।
ॐ इतराचार्यास्तृप्यन्ताम्। ॐ संवत्सरः सावयवस्तृप्यताम्।
ॐ देव्यस्तृप्यन्ताम्। ॐ अप्सरसस्तृप्यन्ताम्।

ॐ देवानुगास्तृप्यन्ताम्। ॐ नागास्तृप्यन्ताम्।
ॐ सागरास्तृप्यन्ताम्। ॐ पर्वतास्तृप्यन्ताम्।
ॐ सरितस्तृप्यन्ताम्। ॐ मनुष्यास्तृप्यन्ताम्।
ॐ यक्षास्तृप्यन्ताम्। ॐ रक्षांसितृप्यन्ताम्।
ॐ पिशाचास्तृप्यन्ताम्। ॐ सुपर्णास्तृप्यन्ताम्।
ॐ भूतानितृप्यन्ताम्। ॐ पशवस्तृप्यन्ताम्।
ॐ वनस्पतयस्तृप्यन्ताम्। ॐ ओषधयस्तृप्यन्ताम्।
ॐ भूतग्रामश्चर्तुविधस्तृप्यताम्।

ऋषितर्पणम्

इसी प्रकार निम्नलिखित मन्त्रों वाक्यों सें मरीचि आदि ऋषियों को भी एक-एक अञ्जलि दें।

ॐ मरीचिस्तृप्यताम्। ॐ अत्रिस्तृप्यताम्। ॐ अङ्गिरास्तृप्यताम्। ॐ पुलस्त्यस्तृप्यताम् । ॐ पुलहस्तृप्यताम् । ॐ क्रतुस्तृप्यताम्। ॐ वशिष्ठस्तृप्यताम्। ॐ प्रचेतास्तृप्ताम्। ॐ भृगुस्तृप्यताम्। ॐ नारदस्तृप्यताम्।

दिव्यमनुष्यतर्पणम्

दिव्य मनुष्य तर्पण में उत्तर दिशा की ओर मुख करें, जनेऊ कंठी की तरह कर लें, गमछे को भी कंठी की तरह कर लें, सीधा बैठें। कोई घुटना भूमी पर न लगाएं। अर्घ्यपात्र में जौ छोड़ें। त्रिकुश को उत्तराग्र रखें। प्रजापत्य (काय) तीर्थ से अर्थात् कुशों को दाहिने हाथ की कनिष्ठिका के मूल भाग में रखकर यहीं से दो-दो अञ्जलियाँ जल दें।

ॐ सनकस्तृप्यताम्। ॐ सनन्दनस्तृप्यताम्। ॐ सनातनस्तृप्यताम्। ॐ कपिलस्तृप्यताम्। ॐ आसुरिस्तृप्यताम्। ॐ वोढुस्तृप्यताम्। ॐ पञ्चशिखस्तृप्यताम्।

दिव्यपितृतर्पणम्

पितृ तर्पण में दक्षिण दिशा की ओर मुख कर अपसव्य हो जाएं अर्थात् जनेऊ को दाहिने कंधे पर रखकर बायें हाथ के नीचे ले जाएं गमछे को भी दाहिने कंधे पर रखें। बायां घुटना भूमी पर लगाकर बैठें, अर्घ्य पात्र में कृष्ण तिल छोड़ें, कुशा को बीच से मोड़कर उनकी जड़ और अग्रभाग को दाहिने हाथ के तर्जनी और अँगूठे के बीच में रखें, पितृ तीर्थ से अर्थात् अँगूठे और तर्जनी के मध्यभाग से प्रत्येक मन्त्र पर ती़न-तीन अञ्जलियाँ जल दें। जल में गंगाजल प्रयोग करना सर्वाधिक श्रेयस्कर है। अभाव में गंगाजल मिश्रित जल प्रयुक्त करें। गंगाजल के अभाव में किसी पवित्र नदी-स्रोत-तड़ागादि का जल भी ग्रहण किया जा सकता है।

ॐ कव्यवाडनलस्तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा , तस्मै स्वधा , तस्मै स्वधा । ॐ सोमस्तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा (३)। ॐ यमस्तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा (३)। ॐ अर्यमा तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा (३)। ॐ अग्निष्वात्ताः पितरस्तृप्यन्तामिदं सतिलं जलं तेभ्यः स्वधा (३)। ॐ सोमपाः पितरस्तृप्यन्तामिदं सतिलं जलं तेभ्यः स्वधा (३)। ॐ बर्हिषदः पितरस्तृप्यन्तामिदं सतिलं जलं तेभ्यः स्वधा (३)।

यमतर्पणम्

इसी प्रकार निम्नलिखित प्रत्येक नाम से यमराज को पितृतीर्थ से ही दक्षिणाभिमुखि हो तीन-तीन अञ्जलियाँ दे-

ॐ यमाय नमः (३)। ॐ धर्मराजाय नमः (३)। ॐ मृत्यवे नमः (३)। ॐ अन्तकाय नमः (३)। ॐ वैवस्वताय नमः (३)। ॐ कालाय नमः (३)। ॐ सर्वभूतक्षयाय नमः (३)। ॐ औदुम्बराय नमः (३)। ॐ दध्नाय नमः (३)। ॐ नीलाय नमः (३)। ॐ परमेष्ठिने नमः (३)। ॐ वृकोदराय नमः (३)।

ॐ चित्राय नमः (३)। ॐ चित्रगुप्ताय नमः (३)।

पितरों का तर्पण करने के पूर्व निम्नाङ्कित मन्त्रों से हाथ जोड़कर सर्वप्रथम उनका आवाहन करें -

ॐ उशन्तस्त्वा नि धीमह्युशन्तः समिधीमहि।

उशन्नुशत आ वह पितृन् हविषे अत्तवे ॥

आ यन्तु नः पितरः सोम्यासोऽग्निष्वात्ताः पथिभिर्देवयानैः।

अस्मिन् यज्ञे स्वधया मदन्तोऽधि ब्रुवन्तु तेऽवन्त्वस्मान्॥

ॐ आगच्छन्तु मे पितर इमं गृह्णन्तु जलाञ्जलिम्।

इसी तरह नीचे लिखे मन्त्रों का उच्चारण कर तिल के साथ तीन-तीन अञ्जलियाँ जल दें

अमुक गोत्र अस्मत्पिता अमुकः (शर्मा/वर्मा/गुप्ता) वसुरूपस्तृप्यतामिदं तिलोदकं जलं तस्मै स्वधा (३)।

अमुकगोत्र अस्मत्पितामहः अमुकः (शर्मा/वर्मा/गुप्ता) रुद्ररूपस्तृप्यतामिदं तिलोदकं जलं तस्मै स्वधा (३)।

अमुकगोत्र अस्मत्प्रपितामहः अमुकः (शर्मा/वर्मा/गुप्ता) आदित्यरूपस्तृप्यतामिदं तिलोदकं जलं तस्मै स्वधा (३)।

अमुकगोत्राया अस्मन्माता अमुकी देवी गायत्रीरूपा तृप्यतामिदं तिलोदकं जलं तस्यै स्वधा (३)।

अमुकगोत्राया अस्मत्पितामही अमुकी देवी सावित्रीरूपा तृप्यतामिदं तिलोदकं जलं तस्यै स्वधा (३)।

अमुकगोत्राया अस्मत्प्रपितामही अमुकी देवी सरस्वतीरूपा तृप्यतामिदं तिलोदकं जलं तस्यै स्वधा (३)।

इसके बाद निम्नाङ्कित नौ मन्त्रों को पढते हुए पितृतीर्थ से जल गिराते रहें-

ॐ उदीरतामवर उत्परास उन्मध्यमाः पितरः सोम्यासः। असुं य ईयुरवृका ऋतज्ञास्ते नोऽवन्तु पितरो हवेषु॥१॥

अङ्गिरसो नः पितरो नवग्वा अथर्वाणो भृगवः सोम्यासः। तेषां वय ँ सुमतौ यज्ञियानामपि भद्रे सौमनसे स्याम॥२॥

आ यन्तु नः पितरः सोम्यासोऽग्निष्वात्ताः पथिभिर्देवयानैः। अस्मिन् यज्ञे स्वधया मदन्तोऽधि ब्रुवन्तु तेऽवन्त्वस्मान्॥३॥

ऊर्जं वहन्तीरमृतं घृतं पयः कीलालं परिस्रुतम्। स्वधा स्थ तर्पयत मे पितृन्॥४॥

पितृभ्यः स्वधायिभ्यः स्वधा नमः। पितामहेभ्यः स्वधायिभ्यः स्वधा नमः। प्रपितामहेभ्यः स्वाधायिभ्यः स्वधा नमः। अक्षन्पितरोऽमीमदन्त पितरोऽतीतृपन्त पितरः पितरः शुन्धध्वम्॥५॥

ये चेह पितरो ये च नेह याँश्च विद्म याँ उ च न प्रविद्म। त्वं वेत्थ यति ते जातवेदः स्वाधाभिर्यज्ञः सुकृतं जुषस्व॥६॥

मधु वाता ऋतायते मधु क्षरन्ति सिन्धवः। माध्वीर्नः सन्तोषधीः॥७॥

मधु नक्तमुतोषसो मधुमत्पार्थिव ँ रजः मधु द्यौरस्तु नः पिता॥८॥

मधुमान्नो वनस्पतिर्मधुमाँ अस्तु सूर्यः। माध्वीर्गावो भवन्तु नः॥९॥

ॐ मधु। मधु। मधु। तृप्यध्वम्। तृप्यध्वम्। तृप्यध्वम्॥

फिर नीचे लिखे मन्त्र का पाठ करें-

ॐ नमो वः पितरो रसाय नमो वः पितरः शोषाय नमो वः पितरो जीवाय नमो वः पितरः स्वधायै नमो वः पितरो घोराय नमो वः पितरो मन्यवे नमो वः पितरः पितरो नमो वो गृहान्नः पितरो दत्त सतो वः पितरो देष्मैतद्वः पितरो वास आधत्त॥

द्वितीयगोत्रतर्पणम्

इसके बाद द्वितीय गोत्रवाले (ननिहाल के) मातामह (नाना) आदि का तर्पण करें । यहाँ भी पहले की भाँति निम्नलिखित वाक्यों को तीन-तीन बार पढकर तिल सहित जल की तीन-तीन अञ्जिलियाँ पितृतीर्थ से दें -

अमुकगोत्रः अस्मन्मातामहः (नाना) अमुकः वसुरूपस्तृप्यतामिदं तिलोदकं तस्मै स्वधा (३)। अमुकगोत्रः अस्मत्प्रमातामहः (परनाना) अमुकः रुद्ररूपस्तृप्यतामिदं तिलोदकं तस्मै स्वधा (३)। अमुकगोत्रः अस्मत्वृद्धप्रमातामहः (वृद्ध परनाना) अमुकः आदित्यस्वरूपः तृप्यतामिदं तिलोदकं तस्मै स्वधा (३)।

अमुकगोत्रा अस्मन्मातामही (नानी) अमुकी देवी गायत्रीरूपा तृप्यतामिदं तिलोदकं तस्यै स्वधा (३)। अमुकगोत्रा अस्मत्प्रमातामही (परनानी) अमुकी देवी सावित्रीरूपा तृप्यतामिदं तिलोदकं तस्यै स्वधा (३)। अमुकगोत्रा अस्मद् वृद्धप्रमातामही (वृद्ध परनानी) अमुकी देवी सरस्वतीरूपा तृप्यतामिदं तिलोदकं तस्यै स्वधा (३)।

पत्न्यादितर्पणम्

इसके आगे पत्नी से लेकर आप्तपर्यन्त जो भी सम्बन्धी मृत हो गये हो, उनके गोत्र ओर नाम लेकर एक-एक अञ्जलि जल दें -

अमुकगोत्रा अस्मत्पत्नी अमुकी देवी तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्यै स्वधा। अमुकगोत्रः अस्मत्सुतः (बेटा) अमुकः तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा। अमुकगोत्रा अस्मत्कन्या (बेटी) अमुकीदेवी तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्यै स्वधा। अमुकगोत्रः अस्मपितृव्यः (पिता के भाई) अमुकः तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा। अमुकगोत्रः अस्मातुलः (मामा) अमुकः तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वाधा। अमुकगोत्रः अस्मत्भ्राता/अस्मत्सापत्नभ्राता (सौतेला भाई) अमुकः तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा। अमुकगोत्रा अस्मत्पितृभगिनी बूआ अमुकी देवी तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्यै स्वधा। अमुकगोत्रा अस्मन्मातृभगिनी (मौसी) अमुकी देवी तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्यै स्वधा। अमुकगोत्रा अस्मदात्मभगिनी (अपनी बहन) अमुकी देवी तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्यै स्वधा। अमुकगोत्रा अस्मत्सापत्नभगिनी (सौतेली बहन) अमुकी देवी तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्यै स्वधा। अमुकगोत्रः अस्मच्छवशुरः (श्वशुर) अमुकः तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा। अमुकगोत्रः अस्मद्गुरुः अमुकः तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा। अमुकगोत्रा अस्मदाचार्य पत्नी अमुकी देवी तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्यै स्वधा। अमुकगोत्रः अस्मच्छिष्यः अमुकः तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा। अमुकगोत्रः अस्मत्सखा अमुकः तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा। अमुकगोत्रः अस्मदात्मपुरुषः अमुकः तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वध ा।

इसके बाद सव्य होकर पूर्वाभिमुख हो सीधे बैठ जाय । त्रिकुश को सीधा कर उनके अग्रभाग को पूर्व की ओर कर लें। फिर नीचे लिखे श्लोकों को पढ़ते हुए देवतीर्थ से जल गिरायें -

देवासुरास्तथा यक्षा नागा गन्धर्वराक्षसाः।

पिशाचा गुह्यकाः सिद्धाः कुष्माण्डास्तरवः खगाः॥

जलेचरा भूनिलया वाय्वाधाराश्च जन्तवः।

तृप्तिमेते प्रयान्त्वाशु मद्दत्तेनाम्बुनाखिलाः॥

इसके बाद अपसव्य होकर जनेऊ ओर अंगोछे को भी दाहिने कंधे पर रखकर दक्षिणाभिमुख हो जाए। त्रिकुश को बीच से मोड़कर इनकी जड़ और अग्रभाग को मिलाकर पितृतीर्थ से जल गिरायें-

नरकेषु समस्तेषु यातनासु च ये स्थिताः।

तेषामाप्यायनायैतद्दीयते सलिलं मया॥१॥

येऽबान्धवा बान्धवाश्च येऽन्यजन्मनि बान्धवाः।

ते तृप्तिमखिला यान्तु यश्चास्मत्तोऽभिवाञ्छति॥२॥

ये मे कुले लुप्तपिण्डाः पुत्रदारविवर्जिताः।

तेषां हि दत्तमक्ष्य्यमिदमस्तु तिलोदकम्॥३॥

आब्रह्मस्तम्बपर्यन्तं देवर्षिपितृमानवाः।

तृप्यन्तु पितरः सर्वे मातृमातामाहादयः॥४॥

अतीतकुलकोटिनां सप्तद्विपनिवासिनाम्।

आब्रह्मभुवनाल्लोकादिदमस्तु तिलोदकम्॥५॥

वस्त्रनिष्पीडनम्

इस प्रकार सब पितरों का तर्पण हो जाने के बाद अँगोछे की चार तह कर उसमें तिल तथा जल छोड़कर नीचे लिखे मन्त्र को पढ़कर जल के बाहर बायीं ओर पृथ्वी पर निचोड़ें-

ये के चास्मात्कुले जाता अपुत्रा गोत्रिणो मृताः।

ते गृह्णन्तु मया दत्तं वस्त्रनिष्पीडनोदकम्॥

भीष्मतर्पणम्

इसके बाद भीष्मपीतामह को पितृतीर्थ और त्रिकुशों से जल दें।

भीष्मः शान्तनवो वीरः सत्यवादी जितेन्द्रियः।

आभिरद्भिरवाप्नोतु पुत्रपौत्रोचितां क्रियाम्॥

सूर्य को अर्घ्यदान

इसके पश्चात् पात्र को जल तथा मिट्टी से स्वच्छ कर लें। उसके बाद पूर्वोक्त रीति से आचचमन और प्रणायाम कर सव्य हो जाय अर्थात् जनेऊ को बायें कंधे पर कर लें। अर्घ्य में फूल चन्दन लेकर निम्नलिखित मन्त्र से सूर्य को अर्घ्य दें-

ॐ नमो विवस्वते ब्रह्मन्! भास्वते विष्णुतेजसे।

जगत्सवित्रे शुचये सवित्रे कर्मदायिने॥

एष अर्घ्यः श्री सूर्याय नमः॥

सूर्यार्घ्य देकर प्रदक्षिणा करें । इसके बाद दिशाओं एवं उनके अधिष्ठातृ देवताओं का वन्दन करें -

ॐ प्राच्यै नमः, ॐ इन्द्राय नमः, ॐ आग्नेय्यै नमः, ॐ अग्नये नमः, ॐ दक्षिणाय नमः, ॐ यमाय नमः, ॐ नैर्ऋत्यै नमः, ॐ निर्ऋतये नमः, ॐ प्रतीच्यै नमः, ॐ वरुणाय नमः, ॐ वायव्यै नमः, ॐ वायवे नमः, ॐ उदीच्यै नमः, ॐ कुबेराय नमः, ॐ ऐशान्यै नमः, ॐ ईशानाय नमः, ॐ ऊर्ध्वायै नमः, ॐ ब्रह्मणे नमः, ॐ अधरायै नमः, ॐ अनन्ताय नमः, ॥

इस प्रकार दिशाओं और देवताओं को नमस्कार कर आसन पर बैठाकर के नीचे लिखे मन्त्र पढकर एक-एक जलाञ्जलि दें।

ॐ ब्रह्मणे नमः। ॐ अग्नये नमः। ॐ पृथिव्यै नमः। ॐ ओषधिभ्यो नमः। ॐ वाचे नमः। ॐ वाचस्पते नमः। ॐ महद्भ्यो नमः। ॐ विष्णवे नमः। ॐ अद्भ्यो नमः। ॐ अपाम्पतये नमः। ॐ वरुणाय नमः।

निम्नाङ्कित वाक्य पढ़कर यह तर्पण कर्म भगवान् को समर्पित करे-

अनेन यथाशक्तिकृतेन देवर्षिमनुष्यपितृतर्पणाख्येन कर्मणा भगवान् पितृस्वरूपी जनार्दनवासुदेवः प्रीयतां न मम्।

ॐ तत्सद् ब्रह्मार्पणमस्तु।

तदन्तर हाथ जोड़कर भगवान् का स्मरण करते हुए पाठ करें

प्रमादात कुर्वतां कर्म प्रच्यवेताध्वरेषु यत्।
स्मरणादेव तद्विष्णोः सम्पूर्ण स्यादिति श्रुतिः॥
यस्य स्मृत्या च नामोक्त्या तपोयज्ञक्रियादिषु।
न्यूनं सम्पूर्णतां याति सद्यो वन्दे तमच्युतम्॥
यत्पादपङ्कजस्मरणत् यस्य नामजपादपि।
न्यूनं कर्म भवेत् पूर्ण तं वन्दे साम्बमीश्वरम्॥

ॐ विष्णवे नमः, ॐ विष्णवे नमः, ॐ विष्णवे नमः,॥

इति तर्पणप्रयोगः

अथ पंचबलिविधिः

१.गोबलि (पत्ते पर सव्य होकर) -

ॐ सौरभेय्यः सर्वहिताः पवित्राः पुण्यराशयः।
प्रतिगृह्णन्तु मे ग्रासं गावस्त्रैलोक्यमातरः।।इदं गोभ्यो न मम।

२. श्वानबलि (पत्ते पर जनेऊ कंठी करके) -

द्वौ श्वानौ श्यामशबलौ वैवस्वतकुलोद्भवौ।
ताभ्यामन्नं प्रयच्छामि स्यातामेतावहिंसकौ।।इदं श्वभ्यां न मम।

३. काकबलि (भूमि पर अपसव्य होकर)-

ॐ ऐन्द्रवारुणवायव्या याम्या वै नैर्ऋतास्तथा।
वायसाः प्रतिगृह्णन्तु भूमौ पिण्डं मयार्पितम्।।इदं काकेभ्यः।

४.देवादिबलि (पत्ते पर सव्य होकर) -

ॐ देवा मनुष्याः पशवो वयांसि
सिद्धाः सयक्षो रगदैत्यसंघाः।
प्रेताः पिशाचास्तरवः समस्ता
ये चान्नमिच्छन्ति मया प्रदत्तम्।।इदमन्नं देवादिभ्यो न मम।

५. पिपीलिकादिबलि (पत्ते पर) -

पिपीलिकाः कीटपतंगकाद्या
बुभुक्षिताः कर्मनिबन्धबद्धाः।
तेषां हि तृप्त्यर्थमिदं मयान्नं
तेभ्यो विसृष्टं सुखिनो भवन्तु।इदमन्नं पिपीलीकादिभ्यो न मम।

इति पंचबलिविधिः

पुरुषसूक्तम्

हरिः ॐ सहस्रशीर्षा पुरुषः सहस्राक्षः सहस्रपात्।
स भूमि ँ सर्वतस्पृत्वाऽत्यतिष्ठद्दशाङ्गुलम्।।1।।
पुरुष एवेद ँ सर्वं यद् भूतं यच्च भाव्यम्।
उतामृतत्वस्येशानो यदन्नेनातिरोहति।।2।।
एतावानस्य महिमातो ज्यायाँश्च पूरुषः।
पादोऽस्य विश्वा भूतानि त्रिपादस्यामृतं दिवि।।3।।
त्रिपादूर्ध्व उदैत्पुरुषः पादोऽस्येहाभवत्पुनः।
ततो विष्वङ् व्यक्रामत्साशनानशने अभि।।4।।
ततो विराडजायत विराजो अधि पूरुषः।
स जातो अत्यरिच्यत पश्चाद् भूमिमथो पुरः।।5।।
तस्माद्यज्ञात् सर्वहुतः सम्भृतं पृषदाज्यम्।
पशूँस्ताँश्चक्रे वायव्यानारण्या ग्राम्याश्च ये।।6।।
तस्माद्यज्ञात् सर्वहुत ऋचः सामानि जज्ञिरे।
छन्दा ँ सि जज्ञिरे तस्माद्यजुस्तस्मादजायत।।7।।
तस्मादश्वा अजायन्त ये के चोभयादतः।
गावो ह जज्ञिरे तस्मात्तस्माजाता अजावयः।।8।।

तं यज्ञं बर्हिषि प्रौक्षन् पुरुषं जातमग्रतः।
तेन देवा अयजन्त साध्या ऋषयश्च ये।।9।।
यत्पुरुषं व्यदधुः कतिधा व्यकल्पयन्।
मुखङ्किमस्यासीत् किम्बाहू किमूरू पादा उच्येते।।10।।
ब्राह्मणोऽस्य मुखमासीद् बाहू राजन्यः कृतः।
ऊरू तदस्य यद् वैश्यः पद्भ्या ँ शूद्रो अजायत।।11।।
चन्द्रमा मनसो जातश्चक्षोः सूर्यो अजायत।
श्रोत्राद् वायुश्च प्राणश्च मुखादग्निरजायत।।12।।
नाभ्या आसीदन्तरिक्ष ँ शीर्ष्णो द्यौः समवर्त्तत।
पद्भ्यां भूमिर्दिशः श्रोत्रात्तथा लोकाँ २ अकल्पयन्।।13।।
यत् पुरुषेण हविषा देवा यज्ञमतन्वत।
वसन्तोऽस्यासीदाज्यं ग्रीष्म इध्मः शरद्धविः।।14।।
सप्तास्यासन् परिधयस्त्रिः सप्त समिधः कृताः।
देवा यद्यज्ञन्तन्वाना अबध्नन् पुरुषम्पशुम्।।15।।
यज्ञेन यज्ञमयजन्त देवास्तानि धर्माणि प्रथमान्यासन्।।
ते ह नाकं महिमानः सचन्त यत्र पूर्वे साध्याः सन्तिदेवाः।।16।।

इति पुरुषसूक्तम्

श्रीसूक्तम्

ॐ हिरण्यवर्णां हरिणीं सुवर्णरजतस्रजाम्।
चन्द्रां हिरण्मयीं लक्ष्मीं जातवेदो म आवह॥1॥
तां म आवह जातवेदो लक्ष्मीमनपगामिनीम्।
यस्यां हिरण्यं विन्देयं गामश्वं पुरुषानहम्॥2॥
अश्वपूर्वां रथमध्यां हस्तिनाद-प्रमोदिनीम्।
श्रियं देवीमुपह्वये श्रीर्मा देवी जुषताम्॥3॥
कां सोऽस्मितां हिरण्यप्राकारामार्द्रां ज्वलन्तीं तृप्तां तर्पयन्तीम्।
पद्मे स्थितां पद्मवर्णां तामिहोपह्वये श्रियम्॥4॥
चन्द्रां प्रभासां यशसा ज्वलन्तीं श्रियं लोके देवजुष्टामुदाराम्।
तां पद्मनेमिं शरणं प्रपद्ये अलक्ष्मीर्मे नश्यतां त्वां वृणे॥5॥
आदित्यवर्णे तपसोऽधिजातो वनस्पतिस्तव वृक्षोऽथ बिल्वः।
तस्य फलानि तपसा नुदन्तु मायान्तरा याश्च बाह्या अलक्ष्मीः॥6॥
उपैतु मां देवसखः कीर्तिश्च मणिना सह।
प्रादुर्भूतो सुराष्ट्रेऽस्मिन् कीर्तिमृद्धिं ददातु मे॥7॥
क्षुत्पिपासामलां ज्येष्ठामलक्ष्मीं नाशयाम्यहम्।
अभूतिमसमृद्धिं च सर्वां निर्णुद मे गृहात्॥8॥
गन्धद्वारां दुराधर्षां नित्यपुष्टां करीषिणीम्।
ईश्वरीं सर्वभूतानां तामिहोपह्वये श्रियम्॥9॥
मनसः काममाकूतिं वाचः सत्यमशीमहि।
पशूनां रूपमन्नस्य मयि श्रीः श्रयतां यशः॥10॥
कर्दमेन प्रजा भूता मयि सम्भव कर्दम।
श्रियं वासय मे कुले मातरं पद्ममालिनीम्॥11॥
आपः सृजन्तु स्निग्धानि चिक्लीत वस मे गृहे।
नि च देवीं मातरं श्रियं वासय मे कुले॥12॥
आर्द्रां पुष्करणीं पुष्टिं पिङ्गलां पद्ममालिनीम्।
चन्द्रां हिरण्मयीं लक्ष्मीं जातवेदो म आवह॥13॥
आर्द्रां यः करणीं यष्टिं सुवर्णां हेममालिनीम्।
सूर्यां हिरण्मयीं लक्ष्मीं जातवेदो म आवह॥14॥
तां म आवह जातवेदो लक्ष्मीमनपगामिनीम्।
यस्यां हिरण्यं प्रभूतिं गावो दास्योऽश्वान्विन्देयं पुरुषानहम्॥15॥
यः शुचिः प्रयतो भूत्वा जुहुयादाज्यमन्वहम्।
सूक्तं पञ्चदशर्चञ्च श्रीकामः सततं जपेत्॥16॥

इति श्रीसूक्तम्

अथ रुद्रसूक्तम्

हरिः ॐ नमस्ते रुद्र मन्यव उतो त इषवे नमः।
बाहुभ्यामुत ते नमः।।1।।
या ते रुद्र शिवा तनूरघोराऽपापकाशिनी।
तया नस्तन्वा शन्तमया गिरिशन्ताभि चाकशीहि।।2।।
यामिषुं गिरिशन्त हस्ते बिभर्ष्यस्तवे।
शिवां गिरित्र तां कुरु मा मा हिꣳसीः पुरुषं जगत्।।3।।
शिवेन वचसा त्वा गिरिशाच्छा वदामसि।
यथा नः सर्वमिज्जगदयक्ष्मꣳ सुमना असत्।।4।।
अध्यवोचदधिवक्ता प्रथमो दैव्यो भिषक्।
अहींश्च सर्वाञ्जम्भयन्त्सर्वाश्च यातुधान्योऽधराचीः परा सुव।।5।।
असौ यस्ताम्रो अरुण उत बभ्रुः सुमङ्गलः।
ये चैनꣳ रुद्रा अभितो दिक्षु श्रिताः सहस्रशोऽवैषाꣳ हेड ईमहे।।6।।
असौ योऽवसर्पति नीलग्रीवो विलोहितः।
उतैनं गोपा अदृश्रन्नदृश्रन्नुदहार्यः स दृष्टो मृडयाति नः।।7।।
नमोऽस्तु नीलग्रीवाय सहस्त्राक्षाय मीढुषे।
अथो ये अस्य सत्वानोऽहं तेभ्योऽकरं नमः।।8।।
प्रमुञ्च धन्वनस्त्वमुभयोरात्न्योर्ज्याम्।
याश्च ते हस्त इषवः परा ता भगवो वप।।9।।
विज्यं धनुः कपर्दिनो विशल्यो बाणवाँ२ उत।
अनशन्नस्य या इषव आभुरस्य निषङ्गधिः।।10।।
या ते हेतिर्मीढुष्टम हस्ते बभूव ते धनुः।
तयास्मान्विश्वतस्त्वमयक्ष्मया परिभुज।।11।।
परि ते धन्वनो हेतिरस्मान्वृणक्तु विश्वतः।
अथो य इषुधिस्तवारे अस्मन्नि धेहि तम्।।12।।
अवतत्य धनुष्ट्वꣳ सहस्राक्ष शतेषुधे।
निशीर्य शल्यानां मुखा शिवो नः सुमना भव।।13।।
नमस्त आयुधायानातताय धृष्णवे।
उभाभ्यामुत ते नमो बाहुभ्यां तव धन्वने।।14।।
मा नो महान्तमुत मा नो अर्भकं मा न उक्षन्तमुत मा न उक्षितम्।
मा नो वधीः पितरं मोत मातरं मा नः प्रियास्तन्वो रुद्र रीरिषः।।15।।
मा नस्त्वोके तनये मा न आयुषि मा नो गोषु मा नो अश्वेषु रीरिषः।
मा नो वीरान् रुद्र भामिनो वधीर्हविष्मन्तः सदमित् त्वा हवामहे।।16।।

इति रुद्रसूक्तम्

चौघड़िया मुहूर्त्त

रविवार		चन्द्रवार		भौमवार		बुधवार		गुरुवार		शुक्रवार		शनिवार	
दिवा	रात्रि	दिवा	रात्रि	दिवा	रात्रि	दिवा	रात्रि	दिवा	रात्रि	दिवा	रात्रि	दिवा	रात्रि
उद्वेग	शुभ	अमृत	चर	रोग	काल	लाभ	उद्वेग	शुभ	अमृत	चर	रोग	काल	लाभ
चर	अमृत	काल	रोग	उद्वेग	लाभ	अमृत	शुभ	रोग	चर	लाभ	काल	शुभ	उद्वेग
लाभ	चर	शुभ	काल	चर	उद्वेग	काल	अमृत	उद्वेग	रोग	अमृत	लाभ	रोग	शुभ
अमृत	रोग	रोग	लाभ	लाभ	शुभ	शुभ	चर	चर	काल	काल	उद्वेग	उद्वेग	अमृत
काल	काल	उद्वेग	उद्वेग	अमृत	अमृत	रोग	रोग	लाभ	लाभ	शुभ	शुभ	चर	चर
शुभ	लाभ	चर	शुभ	काल	चर	उद्वेग	काल	अमृत	उद्वेग	रोग	अमृत	लाभ	रोग
रोग	उद्वेग	लाभ	अमृत	शुभ	रोग	चर	लाभ	काल	शुभ	उद्वेग	चर	अमृत	काल
उद्वेग	शुभ	अमृत	चर	रोग	काल	लाभ	उद्वेग	शुभ	अमृत	चर	रोग	काल	लाभ

गण्डमूल नक्षत्रों के चरण फल

नक्षत्र / चरण	अश्विनी	आश्लेषा	मघा	ज्येष्ठा	मूल	रेवती
प्रथम चरण	पितृ कष्ट	सुख	मातृ कष्ट	भ्रातृ कष्ट	पितृ कष्ट	लाभप्रद
द्वितीय चरण	सुख	धन हानि	पितृ कष्ट	भ्रातृ कष्ट	मातृ कष्ट	सुखद
तृतीय चरण	सुयोग	मातृ कष्ट	सुखद	मातृ कष्ट	धन हानि	शुभ
चतुर्थ चरण	सुखद	पितृ कष्ट	शुभ	शरीर कष्ट	सौख्यम्	कष्ट

शिव वास

वर्तमान तिथि गुणा 2 को 5 से जोड़कर 7 से भाग देने पर प्राप्त शेष एकादि होने पर क्रमशः शिव का वास निम्नानुसार जानें।

शेष	शिव वास	फल
1	कैलाश	श्रेष्ठ
2	गौरी सह	श्रेष्ठ
3	वृषभ पर	श्रेष्ठ
4	सभा में	सामान्य
5	ज्ञान वेला	श्रेष्ठ
6	क्रीडा में	नेष्ट
0	श्मशान में	मृत्यु

अग्निवास विचार

शुक्ल प्रतिपदा से इष्ट तिथि पर्यन्त जो संख्या आये उसमें सूर्यादि वार संख्या मिलाकर 1 जोड़ें फिर प्राप्त संख्या में 4 से भाग देनें पर शेष 3 व 0 हो तो अग्निवास भूमि पर शुभ होता है तथा 1 शेष बचे तो स्वर्ग में प्राण नाशक और शेष 2 रहने पर अग्निवास पाताल में धन नाशक होता है, ऐसा जानना चाहिए।

शुद्ध इष्टकाल ज्ञानार्थ इष्ट स्थान के सूर्योदय बनाने की विधि

सूर्योदय से जन्म काल तक के समय को इष्टकाल कहा जाता है। इसे प्राय: घटीपलात्मक काल में निकाला जाता है। किसी भी इष्ट स्थान का इष्टकाल बनाने के लिए वहां के सूर्योदय काल की आवश्यकता होती है। अत: जन्मकालीन स्टैण्डर्ड समय मे से वहां के स्टैण्डर्ड सूर्योदय को घटाने पर और 2.5 से गुणा करने पर घटीपलात्मक इष्टकाल प्राप्त होता है। इस कारण किसी भी स्थान के स्टैण्डर्ड सूर्योदय को बनाना महत्त्वपूर्ण है।

किसी भी स्थान के स्टैण्डर्ड सूर्योदय को निकालने के लिए वहां के अक्षांश, उस दिन की क्रान्ति, वेलान्तर और रेखांश की आवश्यकता होती है। छ: घण्टे में चरकाल संस्कार करने पर स्थानीय सूर्योदय बनता है तथा स्थानीय सूर्योदय में वेलान्तर व रेखान्तर का संस्कार करने पर वहां का स्टैण्डर्ड सूर्योदय बनता है।

उदाहरण - 1 जुलाई 2018 को दिल्ली का स्टैण्डर्ड सूर्योदय बनाना है। दिल्ली का उत्तरी अक्षांश 28: 39 अंश कला है। रेखांश 77: 12 पूर्व है। क्रान्ति सारिणी द्वारा इस दिन की उत्तरा क्रान्ति 23: 8 प्राप्त हुई। रेखांश 77:12 का भारतीय मानक रेखांश (82:30) से अन्तर 5: 18 है। जिसे चार से गुणा करने पर 21 मिनट 12 सैकण्ड रेखान्तर प्राप्त होता है। जो मानक रेखांश से कम (पश्चिम) होने के कारण धनात्मक है। उपर्युक्त उपकरणों द्वारा स्टैण्डर्ड सूर्योदय का साधन आसानी से किया जा सकता है।

स्थानीय सूर्योदय साधन - पंचांग में दी गई अक्षांश तथा रेखांश के द्वारा चर मिनटादि निकालना चाहिए। जैसे दिल्ली के अक्षांश 28: 39 तथा क्रान्त्यंश 23 अंश के नीचे चर मिनट 53: 38 तथा 24 अंश के नीचे 56 19 लिखा हुआ है अभीष्ट चर क्रान्ति 23: 8 का लाना है। अत: अभीष्ट चर मिनट निकालने के लिए निम्नलिखित प्रकार से अनुपात किया-

यदि 1 अंश क्रान्त्यन्तर (24 - 23 = 1) में चर मिनट (56: 19 - 53:38 = 2:41) मिलते हैं तो क्रान्त्यंशान्तर (23: 8- 23: 0 = 0:8) में क्या मिलेगा?

$$\frac{2:41 \times 0:8}{1:00} = 00:21:28 \text{ मिनटादि}$$

इसका 23 क्रान्त्यंश के चर मिनट 53: 38 में जोड़ने पर 53 मिनट 59 सैकण्ड अभीष्ट चर हुआ।

चर संस्कार विधि - चर का साधन करने पर यदि उत्तरा क्रान्ति व उत्तरी अक्षांश हों तो चरमिनटादि छ: घण्टे में घटाने पर एवं दक्षिणा क्रान्ति व उत्तरी अक्षांश हो तो चरमिनटादि जोड़ने पर स्थानीय सूर्योदय होता है। जैसे हमारे भारतवर्ष में सर्वत्र उत्तरी अक्षांश हैं। अत: यहां उपर्युक्त प्रकार से स्थानीय सूर्योदय का साधन किया जाता है। इसी प्रकार उत्तरा क्रान्ति व दक्षिण अक्षांश हो तो छ: घण्टे में चरमिनटादि जोड़ने पर तथा दक्षिणा क्रान्ति व दक्षिणी अक्षांश हो तो छ: घण्टे में चरमिनटादि घटाने पर स्थानीय सूर्योदय होता है। जैसे आस्ट्रेलिया का दक्षिणी अक्षांश है वहां पर इसी प्रकार से स्थानीय सूर्योदय क्रान्ति की दिशानुसार साधन करना चाहिए। स्थानीय समय से तात्पर्य धूप घड़ी द्वारा बतलाये जाने वाले समय से है।

हमारे उदाहरण के अनुसार 1 जुलाई को क्रान्ति उत्तरा है तथा अक्षांश भी उत्तरी है, अत: पूर्वोक्त साधित अभीष्ट चर मिनटादि का छ: घण्टे में ऋणात्मक संस्कार किया जाएगा।

$$\begin{array}{r} 6:00:00 \\ -\ 0:53:59 \\ \hline 5:06:01 \end{array} \text{ स्थानीय सूर्योदय}$$

वेलान्तर व रेखान्तर संस्कार - वेलान्तर सारिणी में दिए हुए मिनटादि ऋणात्मक या धनात्मक मान को संस्कारित करने पर तथा रेखान्तर मिनटादि को मानक रेखा से अपना स्थान पूर्व में होने पर ऋण तथा पश्चिम में होने पर धन संस्कार करना चाहिए। पूर्वोक्त उदाहरण में 1जुलाई को वेलान्तर सारिणी से 3:38 (+) मिनटादि वेलान्तर प्राप्त हुआ है। इसका संस्कार स्थानीय सूर्योदय में करने पर -

5:06:01
+0:03:38
5:09:39

इसमें रेखान्तर मिनट 21:12 का संस्कार भारतीय मानक रेखा से दिल्ली के पश्चिम में होने के कारण धनात्मक करने पर -

05:09:39
+00:21:12

05:30:51 स्वल्पान्तर से 5:31 स्टैण्डर्ड सूर्योदय है।

विशेष - प्रतिदिन का स्पष्टान्तर (रेखान्तर एवं वेलान्तर का संस्कार) पंचांग में दिनमान के बाद स्टैं. अं. कॉलम में अंकित किया गया है। स्थानीय सूर्योदय समय में इस स्पष्टान्तर का संस्कार करने पर भी स्टैंडर्ड सूर्योदय प्राप्त होता है। इस पंचांग में दिए गए सभी घण्टामिनटात्मक समय भारतीय स्टैंडर्ड टाईम में है। जो हमारे हाथ घड़ी या प्रचलित व्यावहारिक समय के अनुसार है।

इष्टकाल साधन - सूर्योदय से जन्म काल तक के समय को इष्टकाल कहते है। इसे प्राय: घटीपलात्मक काल में निकाला जाता है। इष्टकाल साधन के निम्नलिखित नियम हैं -

1. यदि जातक का जन्म सूर्योदय के पश्चात् दोपहर 12बजकर 59 मिनट तक हो तो प्राप्त स्टैंडर्ड सूर्योदय के मान को जन्मकालीन स्टैण्डर्ड समय में से घटाने पर और 2.5 से गुणा करने पर घटीपलात्मक इष्टकाल प्राप्त होता है।

उदाहरण - जातक का जन्म दिनांक 1जुलाई 2018 को दिल्ली में प्रात:12 बजकर 58 मिनट में हुआ। तब निम्नलिखित प्रकार से इष्टकाल साधन किया जाएगा -

जन्म समय - 12:58
सूर्योदय - - 05:31
07:27

इस 07:27 मान को 2.5 से गुणा करने पर 18:37:30 घटीपलात्मक मान प्राप्त हुआ। यही इष्टकाल होगा।

2. यदि जातक का जन्म दोपहर 1:00 बजे से रात्रि 12 बजकर 59 मिनट तक हो तो जन्म समय में 12 घण्टे जोड़कर उसमें से स्टैंडर्ड सूर्योदय के मान को घटाने पर और 2.5 से गुणा करने पर घटीपलात्मक इष्टकाल प्राप्त होता है।

उदाहरण - जातक का जन्म दिनांक 1जुलाई 2018 को दिल्ली में रात्रि 09 बजकर 58 मिनट में हुआ। तब निम्नलिखित प्रकार से इष्टकाल साधन किया जाएगा -

जन्म समय - 09:58+12:00=21:58
21:58
सूर्योदय - - 05:31
16:27

इस 16:27 मान को 2.5 से गुणा करने पर 41:07:30 घटीपलात्मक मान प्राप्त हुआ। तब यही इष्टकाल होगा।

3. यदि जातक का जन्मरात्रि 1:00 बजे से दूसरे दिन के सूर्योदय से पूर्व तक हो तो जन्म समय में 24 घण्टे जोड़कर उसमें से स्टैंडर्ड सूर्योदय के मान को घटाने पर और 2.5 से गुणा करने पर घटीपलात्मक इष्टकाल प्राप्त होता है।

उदाहरण - जातक का जन्म दिनांक 2 जुलाई 2018 को प्रात: 05 बजकर 30 मिनट में हुआ। क्योंकि 2 जुलाई के सूर्योदय 05:31 बजे से पूर्व का जन्म है अत: 1 जुलाई 2018 के सूर्योदय से इष्टकाल की गणना होगी। तब निम्नलिखित प्रकार से इष्टकाल साधन किया जाएगा -

जन्म समय - 05:30+24:00=29:30
29:30
सूर्योदय - - 05:31
23:59

इस 23:59 मान को 2.5 से गुणा करने पर 59:57:30 घटीपलात्मक मान प्राप्त हुआ। तब यही इष्टकाल होगा।

4. यदि ठीक सूर्योदय काल का जन्म हो तो इष्टकाल 00घटी00पल होगा। जैसे पूर्वोक्त 2 जुलाई को 5:31 सूर्योदय के समय में ही जन्म होने पर इष्टकाल 00:00 जानना चाहिए।

- ग्रहों की दान वस्तुएं, दान का समय एवं हवन समिधा ज्ञानार्थ चक्र -

ग्रह	दान वस्तुएं	दान समय	होम समिधा
सूर्य	माणिक, सुवर्ण, ताम्र, गेहूं, गुड़, घी, रक्तपुष्प, केशर, मूंग, लाल गाय, लालवस्त्र, लाल चन्दन	सूर्योदय	अर्क
चन्द्र	मोती, सुवर्ण, रजत, चावल, मिश्री, दही, श्वेतपुष्प, शंख, कर्पूर, श्वेत बैल, श्वेतवस्त्र, श्वेतचन्दन,	सन्ध्या	पलाश
भौम	मूंगा, सुवर्ण, ताम्र, मसूर, गुड़, घी, रक्तकेशर, केशर, कस्तूरी, लाल बैल, रक्तवस्त्र, लालचन्दन,	दिन की २घटीशेष	खदिर
बुध	पन्ना, सुवर्ण, कांस्य, मूंग, खांड, घी, सर्वपुष्प, हाथीदांत, कर्पूर, शस्त्र, हरितवस्त्र, फल	दिन की ५घटीशेष	अपामार्ग
गुरु	पुखराज, सुवर्ण, कांस्य,दाल/चना, खांड, घी, पीतपुष्प,हल्दी, पुस्तक, घोड़ा, पीतवस्त्र, पीतफल	सन्ध्या	अश्वत्थ
शुक्र	हीरा, सुवर्ण, रजत, चावल, मिश्री, दूध, श्वेतपुष्प, सुगन्ध, दधि, श्वेत घोड़ा, श्वेतवस्त्र, श्वेत चन्दन	सूर्योदय	उदुंबर
शनि	नीलम, सुवर्ण, लोहा, उड़द, कुलथी, तेल, कृष्णपुष्प, कस्तूरी, कृष्णान्न, भैंस, कृष्णवस्त्र, उपानह	मध्याह्न	शमी
राहु	गोमेद, सुवर्ण, सीसा, तिल, सरसों, तेल, कृष्णपुष्प, खड्ग, कम्बल, घोड़ा, नीलावस्त्र, शस्त्र	रात्रि	दूर्वा
केतु	लहसुनिया, सुवर्ण, लोहा, तिल, सप्तधान्य, तेल, धूम्रपुष्प, नारियल, कम्बल, बकरा, धूम्रवस्त्र, शस्त्र	रात्रि	कुशा
मुन्था	भौम, सुवर्ण, चांदी, चावल, सुवर्ण, घी, श्वेतपुष्प, कपूर, मिश्री, श्वेतवस्त्र, श्वेतचन्दन,हाथीदांत	मुन्थेश काल	-

अंग स्फुरण फल – मनुष्य के शरीर के किसी भी अंग में अचानक स्फुरण होने पर प्राचीन आचार्यो द्वारा शुभाशुभ ज्ञान विधि कही गई है, परन्तु यदि स्फुरण निरन्तर लम्बे समय तक होता रहे तो वह वायुविकार से सम्बन्धित होता है, उस स्फुरण द्वारा शुभाशुभ फल नहीं जानना चाहिए। यदि अंग में स्फुरण अत्यल्प काल के लिए हो तो वह भावी शुभाशुभ का बोधक होता है। सामान्यतया स्त्री का वामांग तथा पुरुष का दक्षिणांग स्फुरण शुभ माना जाता है। अंग स्फुरण का फल निम्नलिखित प्रकार से जानना चाहिए-

स्थान	फल	स्थान	फल	स्थान	फल	स्थान	फल
मस्तक	भूमिलाभ	भृकुटि	धनप्राप्ति	कण्ठ	आभूषण	पृष्ठ	पराजय
बाहुप्रदेश	प्रियप्राप्ति	ललाट	स्थानलाभ	नासिका	सुगन्धलाभ	ग्रीवा	शत्रुभय
नाभि	स्त्रीनाश	गुप्तांग	प्रियप्राप्ति	नेत्र	प्रियदर्शन	कान	आयुवृद्धि
स्कन्ध	मित्रभेंट	कुक्षि	सुप्रीति	जंघा	हानिप्रद	कपोल	स्त्रीसुख
वक्ष	विजय	कटि	प्रियप्राप्ति	घुटना	शत्रुसन्धि	भ्रूमध्य	सुखप्राप्ति
अधर	प्रियप्राप्ति	हृदय	इष्टसिदि्ध	हस्त	धनप्राप्ति	पाद	स्थानप्राप्ति

नवग्रह शान्ति उपाय

सूर्य

वैदिक मन्त्र ॐ आकृष्णेन रजसा वर्त्तमानो निवेशयन्नमृतम्मर्त्यञ्च हिरण्ययेन सविता रथेना देवो याति भुवनानि पश्यन्।।
सूर्य गायत्री आदित्याय विद्महे प्रभाकराय धीमहि तन्नो सूर्य: प्रचोदयात्।।
एकाक्षरी मन्त्र ॐ घृणि सूर्याय नम:।।
बीज मन्त्र ॐ ह्रीं ह्रौं सूर्याय नम:।।
तान्त्रिक मन्त्र ॐ ह्रां ह्रीं ह्रौं स: सूर्याय नम:।।
जप संख्या 7000 (सप्तसहस्राणि)

ग्रहाणामादिरादित्यो लोकलक्षणकारक:।
विषमस्थानसम्भूतां पीड़ां दहतु मे रवि:।।

चन्द्र

वैदिक मन्त्र ॐ इमन्देवाऽअसपत्नं सुवध्वं - महते क्षत्राय महते ज्यैष्ठ्याय महते जानराज्यायेन्द्रस्येन्द्रियाय। इममुष्य पुत्रममुष्यै पुत्रमस्यै विशऽएष वोऽमी राजा सोऽमोस्माकं ब्रह्मणानां राजा।।
चन्द्र गायत्री ॐ अमृताङ्गाय विद्महे कलरूपाय धीमहि तन्नो सोम: प्रचोदयात्।।
एकाक्षरी मन्त्र ॐ सों सोमाय नम:।।
बीज मन्त्र ॐ ऐं क्लीं सोमाय नम:।।
तान्त्रिक मन्त्र ॐ श्रां श्रीं श्रौं स: चन्द्रमसे नम:।।
जप संख्या 11000 एकादशसहस्राणि

रोहिणीश: सुधामूर्त्ति: सुधागात्रो सुधाशन:।
विषमस्थानसम्भूतां पीड़ां दहतु मे विधु:।।

भौम

वैदिक मन्त्र ॐ अग्निर्मूर्द्धादिव: ककुत्पति: पृथिव्याऽअयम्। अपां रेतां सि जिन्वति।।
भौम गायत्री ॐ अङ्गारकाय विद्महे शक्तिहस्ताय धीमहि तन्नो भौम: प्रचोदयात्।।
एकाक्षरी मन्त्र ॐ अं अङ्गारकाय नम:।।
बीज मन्त्र ॐ हूँ श्रीं भौमाय नम:।।
तान्त्रिक मन्त्र ॐ क्रां क्रीं क्रौं स: भौमाय नम:।।
जप संख्या 10000 (दशसहस्राणि)

भूमिपुत्रो महातेजा जगतो भयकृत्सदा।
वृष्टिकृद-वृष्टिहर्ता च पीड़ां दहतु मे कुज:।।

बुध

वैदिक मन्त्र ॐ उद्बुध्यस्वाग्ने प्रतिजागृहि त्वमिष्टापूर्त्ते स ठं सृजेथामयं च अस्मिन्त्सध स्थेऽअध्युत्तरस्मिन् विश्वे देवा यजमानश्च सीदत।।
बुध गायत्री ॐ सौम्यरूपाय विद्महे वाणेशाय धीमहि तन्नो सौम्य: प्रचोदयात्।।
एकाक्षरी मन्त्र ॐ बुं बुधाय नम:।।
बीज मन्त्र ॐ ऐं श्रीं श्रीं बुधाय नम:।।
तान्त्रिक मन्त्र ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं स: बुधाय नम:।।
जप संख्या 9000 (नवसहस्राणि)

उत्पातरूपी जगतां चन्द्रपुत्रो महाद्युति:।
सूर्यप्रियकरो विद्वान पीड़ां दहतु मे बुध:।।

गुरु

वैदिक मन्त्र ॐ बृहस्पतेऽअतियदर्योऽ अर्हाद्युमद्विभाति क्रतुमज्जनेषु यद्दीदयच्छ वसऽऋतप्रजाततदस्मासु द्रविणं धेहि चित्रम्।।
गुरु गायत्री ॐ आङ्गिरसाय विद्महे दिव्यदेहाय धीमहि तन्नो जीव: प्रचोदयात्।।
एकाक्षरी मन्त्र ॐ बृं बृहस्पतये नम:।।
बीज मन्त्र ॐ ह्रीं क्लीं हूँ बृहस्पतये नम:।।
तान्त्रिक मन्त्र ॐ ग्रां ग्रीं ग्रौं स: गुरवे नम:।।
जप संख्या 19000 एकोनविंशतिसहस्राणि

देवमन्त्री विशालाक्ष: सदालोकहितेरत:।
अनेकशिष्यै: सम्पूर्ण: पीड़ां दहतु मे गुरु:।।

शुक्र

वैदिक मन्त्र ॐ अन्नात् परिस्रुतो रसं ब्रह्मणा व्यपिबत्क्षत्रम्पय: सोमं प्रजापति:। ऋतेन सत्यमिन्द्रियं विपान ठं शुक्रमंधसऽइन्द्रस्येन्द्रियमिदं पयोऽमृतम्मधु।।
शुक्र गायत्री ॐ भृगुजाय विद्महे दिव्यदेहाय धीमहि तन्नो शुक्र: प्रचोदयात्।।
एकाक्षरी मन्त्र ॐ शुं शुक्राय नम:।।
बीज मन्त्र ॐ ह्रीं श्रीं शुक्राय नम:।।
तान्त्रिक मन्त्र ॐ द्रां द्रीं द्रौं स: शुक्राय नम:।।
जप संख्या 16000 (षोडशसहस्राणि)

दैत्यमन्त्री गुरुस्तेषां प्राणदश्चमहाद्युति:।
प्रभुस्ताराग्रहाणां च पीड़ां दहतु मे भृगु:।।

शनि

वैदिक मन्त्र ॐ शन्नो देवीरभिष्टऽआपो भवन्तु पीतये। शंय्योरभिस्रवन्तु न:।।
शनि गायत्री ॐ भगभवाय विद्महे मृत्युपुरुषाय धीमहि तन्नो शनि: प्रचोदयात्।।
एकाक्षरी मन्त्र ॐ शं शनैश्चराय नम:।।
बीज मन्त्र ॐ ऐं ह्रीं श्रीं शनैश्चराय नम:।।
तान्त्रिक मन्त्र ॐ प्रां प्रीं प्रौं स: शनये नम:।।
जप संख्या 23000 (त्रयोविंशतिसहस्राणि)

सूर्यपुत्रो दीर्घदेहो विशालाक्ष: शिवप्रिय:।
मन्दचार: प्रसन्नात्मा पीड़ां दहतु मे शनि:।।

राहु

वैदिक मन्त्र ॐ कयानश्चित्रऽआभुवदूती सदावृध: सखा कया सचिष्ठया व्वृता।।
राहु गायत्री ॐ शिरोरूपाय विद्महे अमृतेशाय धीमहि तन्नो राहु: प्रचोदयात्।।
एकाक्षरी मन्त्र ॐ रां राहवे नम:।।
बीज मन्त्र ॐ ऐं ह्रीं राहवे नम:।।
तान्त्रिक मन्त्र ॐ भ्रां भ्रीं भ्रौं स: राहवे नम:।।
जप संख्या 18000 (अष्टादशसहस्राणि)

महाशीर्षो महावक्त्रो महाद्रंष्टो महायशा:।
अतनुश्चोर्ध्व केशश्च पीड़ां दहतु मे तम:।।

केतु

वैदिक मन्त्र ॐ केतुं कृण्वन्न केतवे पेशो मर्य्याअपेशसे समुषद्भिरजायथा:।।
केतु गायत्री ॐ पद्मपुत्राय विद्महे अमृतेशाय धीमहि तन्नो केतु: प्रचोदयात्।।
एकाक्षरी मन्त्र ॐ कें केतवे नम:।।
बीज मन्त्र ॐ ह्रीं ऐं केतवे नम:।।
तान्त्रिक मन्त्र ॐ स्रां स्रीं स्रौं स: केतवे नम:।।
जप संख्या 18000 (अष्टादशसहस्राणि)

अनेकरूपवर्णश्च शतशोऽथ सहस्रश:।
उत्पात रूपी घोरश्च पीड़ां दहतु मे शिखी।।

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ (मानित विश्वविद्यालय)
नई दिल्ली - 110 016, वास्तुशास्त्र विभाग



1. प्रमाणपत्र (प्रवेशिका) : यह षाण्मासिक प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम स्थापत्य वेद एवं वेदोत्तरवर्ती वास्तुशास्त्र की मूल संकल्पना एवं प्राथमिक जानकारी पर आधारित है।
2. एकवर्षीय डिप्लोमा एवं द्विवर्षीय एडवांस डिप्लोमा : ये दोनों पाठ्यक्रम वास्तुशास्त्र के आधारभूत सिद्धान्तों का जन-जीवन में प्रयोग एवं उपयोग पर आधारित है। इनमें संस्कृत भाषा का भी प्राथमिक ज्ञान दिया जायेगा।
3. शास्त्री (बी.ए.) : यह त्रिवर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम है, जिसमें वास्तुशास्त्र का वैदिक परम्परा पर आधारित वास्तुशास्त्रीय मूलभूत संस्कृत भाषा में निबद्ध मानक ग्रन्थो के द्वारा विस्तृत अध्ययन किया जाता है।
4. आचार्य (एम.ए.) : यह द्विवर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम है जिसमें वास्तुशास्त्र के प्रमुख प्राचीन आधारभूत मानक ग्रन्थों का विस्तृत और गम्भीर विषयों का प्रायोगिक अध्ययन किया जाता है।
5. विशिष्टाचार्य (एम.फिल) : यह द्विवर्षीय शोधात्मक पाठ्यक्रम है ,जिसमें वास्तुशास्त्र के गम्भीर व लोकोपयोगी विषयों पर अनुसन्धान द्वारा नवीन तथ्यों की खेज की जाती है।
6. विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) : वास्तुशास्त्र के गम्भीर, जटिल एवं लोकोपयोगी विषयों पर अनुसन्धान के माध्यम से नवीन तथ्यों की अन्वेषण एवं लोककल्याण के लिये यह गवेषणात्मक पाठ्यक्रम चलाया जाता है।
7. पी.जी.डिप्लोमा : विश्व विद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.) द्वारा मान्यता प्राप्त नवीकरण कार्यक्रम (इन्नोवेटिव प्रोग्राम) के तहत 2004 से द्विवर्षीय स्नातकोत्तरवास्तुशास्त्रोपाधि (पी.जी. डिप्लोमा) पाठ्यक्रम चल रहा है।

नोट- विद्यापीठ द्वारा संचालित उक्त सभी पाठ्यक्रमों की प्रवेश प्रक्रिया जुलाई में विद्यापीठ के निर्धारित नियमों के अनुरूप सम्पन्न होती है। सत्र 2017-18 के षाण्मासिक प्रमाणपत्रीय, एकवर्षीय एवं द्विवर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रमों की कक्षायें शनिवार एवं रविवार को सञ्चालित की जाती हैं। शेष पाठ्यक्रम सोमवार से शुक्रवार को विद्यापीठ के कार्य दिवसों में सम्पन्न किये जाते हैं ।